प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

सितम्बर 2024 मूल्य ₹ 150.00

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को रूस का सर्वोच्च राजकीय सम्मान
- मनु भाकर ने जीता पेरिस ओलम्पिक में भारत के लिए पहला पदक
- अहोम राजवंश के चराइदेव (असम) स्थित 700 वर्ष पुराने समाधि स्थल–मोइदाम यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में
- अनुसूचित जातियों की सूची से छेड़छाड़ का राज्यों को अधिकार नहीं : सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय
- स्वदेशी हल्के टैंक जोरावर के परीक्षण
- ब्रिटिश आम चुनावों में कंजरवेटिव पार्टी की पराजय : 14 वर्ष पश्चात् लेबर पार्टी सत्तारूढ़
- नेपाल में नेपाली कांग्रेस की सत्ता में वापसी : 2 वर्ष से प्रधानमंत्री रहे प्रचंड अब विपक्ष में पहुँचे
- उर्सुला वॉन डेर लेयेन यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष पुनर्निर्वाचित
- शंघाई सहयोग संगठन का 24वाँ शिखर सम्मेलन, अस्ताना
- वैश्विक जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट-2024
- भारत में 2024-25 में आर्थिक वृद्धि के सम्बन्ध में मुद्रा कोष व एशियाई विकास बैंक के नए अनुमान
- 2024-25 की पहली तिमाही में भारत के विदेशी व्यापार के आँकड़े
- फुटबॉल : यूरो कप व कोपा अमेरिका कप (2024)
- विम्बलडन टेनिस (2024)

सामान्य ज्ञान एवं खेलकूद वार्षिकी

आर्थिक समीक्षा 2023-24

केन्द्रीय बजट 2024-25

- अद्यतन मूल्यवर्धित पाठ्य सामग्री
- परीक्षोपयोगी पत्रिकाओं का सार

मॉडल हल एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय

हल प्रश्न-पत्र
- म.प्र. पीएससी राज्य सेवा प्रा., 24
- उत्तराखण्ड पीएससी प्रा., 24
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिसर, 23

प्रतियोगिता दर्पण हिन्दी मासिक
सितम्बर 2024
मूल्य ₹ 150.00

दृष्टि The Vision — Drishti IAS

IAS GS फाउंडेशन कोर्स
हिंदी व अंग्रेज़ी माध्यम
प्रिलिम्स + मेन्स | ऑफलाइन व लाइव ऑनलाइन

- 500+ कक्षाएँ
  1200+ घंटे
- निशुल्क अध्ययन सामग्री
  पुस्तकें + प्रिंटेड नोट्स
- संशय निवारण
  क्वालिटी मेंटरशिप
- असीमित बार देखने की सुविधा
  कोर्स की वैधता तक

एडमिशन आरंभ

स्टेट PCS कोर्सेज़
ऑफलाइन व लाइव ऑनलाइन

- UPPCS फाउंडेशन कोर्स
- UP-RO/ARO कोर्स
- UPPCS पेपर 5 और 6
- RAS फाउंडेशन कोर्स
- MPPSC फाउंडेशन कोर्स
- UKPSC प्रिलिम्स और मेन्स

एडमिशन आरंभ

IAS मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2024

सामान्य अध्ययन टेस्ट सीरीज़
अंग्रेज़ी व हिंदी माध्यम | ऑफ़लाइन व ऑनलाइन (ऐप द्वारा)

- 12 सेक्शनल टेस्ट
- 12 पूर्ण पाठ्यक्रम टेस्ट
- फ्लेक्सी फॉर्मेट की सुविधा
- करंट अफेयर्स और पारंपरिक विषयों का कवरेज

वैकल्पिक विषय टेस्ट सीरीज
अंग्रेज़ी व हिंदी माध्यम | ऑफ़लाइन व ऑनलाइन (ऐप द्वारा)

- 16 टेस्ट (सेक्शनल + पूर्ण पाठ्यक्रम)
- फ्लेक्सी फॉर्मेट की सुविधा

इतिहास | भूगोल | हिंदी साहित्य | समाजशास्त्र | राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध

एडमिशन आरंभ

87501 87501
अभी कॉल करें

अभी डाउनलोड करें
Drishti Learning App
विंडोज़ पर भी उपलब्ध
Android | IOS

मुखर्जी नगर	करोल बाग	प्रयागराज	लखनऊ	जयपुर	इंदौर
641, डॉ. मुखर्जी नगर नई दिल्ली - 110009	21, पूसा रोड, करोल बाग नई दिल्ली - 110005	ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 211001	बर्लिंगटन चौराहा, विधानसभा मार्ग लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226001	हर्ष टावर 2, टोंक रोड राजस्थान - 302015	12, AB रोड, भंवरकुआँ इंदौर - 452007

चतुर्थ पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन

स्व. श्री महेन्द्र जी जैन

(13 फरवरी, 1949 – 4 अगस्त, 2020)

आपकी थी छत्र छाया, आपने जीना सिखाया।
मार्गदर्शन आपका, हमने उसे दिल में बिठाया ।।
याद आते हैं वो पल, हर पल ही श्रद्धांजलि।
श्रद्धा सुमन कर रहे हैं अर्पण, हम मिलकर सभी ।।

जीवन की यात्रा ने हमें यद्यपि अलग कर दिया है
पर हमेशा आप हमारे दिल में हैं।
हर पल हम आपका प्यार महसूस करते हैं,
जो हर पल हमें मार्गदर्शन दे रहा है।

प्रतियोगिता दर्पण, उपकार प्रकाशन व
ताज ह्वाइट स्टेशनरी परिवार

पुण्यतिथि पर शत-शत नमन

संस्थापक सम्पादक

स्व. श्री महेन्द्र जैन

सम्पादक

राहुल जैन

प्रधान सलाहकार

डॉ. रवि कान्त

रजिस्टर्ड ऑफिस

2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर,
आगरा—282 002

सम्पादकीय ऑफिस

1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी,
आगरा-मथुरा बाईपास,
आगरा—282 005
फोन : 0562-2531101, 2530966
ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

हल्द्वानी ऑफिस

8-310/1, ए.के. हाउस हीरानगर,
हल्द्वानी, जिला—नैनीताल—263 139
(उत्तराखण्ड)
मो.—07060421008

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

के पाठकों से...

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय पत्रिका **'प्रतियोगिता दर्पण'** का **सितम्बर 2024 अंक** आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं सन्तोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक लेख दिए गए हैं. इनमें से कुछ लेख इस प्रकार हैं—पर्यावरण पर पड़ता मरुस्थलीकरण और सूखे का गम्भीर असर, लोकतंत्र में नोटा की भूमिका, शिक्षा व्यवस्था *बनाम* बाजारवाद, भारत की गैस आधारित अर्थव्यवस्था, ग्रीन हाउस गैसों को खत्म करने में कारगर है आधुनिक आहार विज्ञान, भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत : आवश्यकता और महत्व, भारत की जलवायु कूटनीति : नई प्राथमिकताएं और नीति विकल्प.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं—

हल प्रश्न-पत्र—मध्य प्रदेश पीएससी राज्य सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2024.

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिसर (स्केल-I) परीक्षा, 2023.

मॉडल पेपर

एसएससी संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न.

हमारे सम्मानित पाठकों की माँग पर सितम्बर 2024 अंक से परीक्षोपयोगी पत्रिकाओं का सार उपलब्ध कराना शुरू कर रहे हैं, जिसे आप हमारी वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं.

हम आपको स्मरण कराना चाहते हैं कि **"कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है." प्रतियोगिता दर्पण** आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए. यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

राहुल जैन
(सम्पादक)

All rights reserved. No part of this Magazine may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form by any means, Electronic, Mechanical, Photocopying, Recording or otherwise, without the prior written permission of the publisher. While every effort has been made to ensure accuracy of the information published in this edition, neither publisher nor any of its employees accept any responsibility for any error or omission. Articles that cannot be used are returned to the authors if accompanied by a self addressed and sufficiently stamped envelope. But no responsibility is taken for any loss or delay in returning the material. Pratiyogita Darpan assumes no responsibility for statements and opinions advanced by the authors nor for any claims made in the advertisements published in the Magazine.

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
LIVE/ONLINE Classes Available
www.visionias.in
Heartiest Congratulations
to all candidates selected in CSE 2023
हिन्दी माध्यम में 35+ चयन
7 IN TOP 10 | 79 IN TOP 100 SELECTIONS IN CSE 2023
from various programs of VISIONIAS
हिंदी माध्यम टॉपर
1 AIR
ADITYA SRIVASTAVA
2 AIR
ANIMESH PRADHAN
5 AIR
RUHANI
53 AIR
मोहन लाल
YOU CAN BE NEXT
लाइव/ऑनलाइन व ऑफलाइन कक्षाएं
कोई क्लास न छूटे
रिकार्डेड क्लासेस, मिनी टेस्ट, डेली असाइनमेंट और अध्ययन सामग्री के साथ पूर्णतः रिवीजन करें
MAINS 365
संपूर्ण वर्ष के करेंट अफेयर्स को सिर्फ 60 घंटों में कवर करती कक्षाओं से ऑनलाइन जुड़ें
प्रवेश प्रारम्भ
40+ शहरों में ऑफलाइन
अभ्यास मेन्स 2024
ऑल इंडिया मेन्स
(GS + निबंध + वैकल्पिक विषय)
मॉक टेस्ट (ऑफलाइन)
पेपर तिथि
GS-I & II 24 अगस्त
GS-III & IV 25 अगस्त
निबंध 31 अगस्त
वैकल्पिक विषय I & II 1 सितंबर
पंजीकरण @ www.visionias.in/abhyaas
लक्ष्य मेन्स मेंटरिंग प्रोग्राम 2024
Lakshya
MAINS MENTORING PROGRAM
8 अगस्त
दक्ष: मुख्य परीक्षा
मेंटरिंग कार्यक्रम 2025
10 अगस्त
फाउंडेशन कोर्स
सामान्य अध्ययन
2025
प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा
NCERT और मूलभूत किताबों से मुख्य अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करने और आपकी तैयारी की नींव मजबूत करने के लिए
दिल्ली: 20 अगस्त, 1 PM
भोपाल 23 जुलाई
जयपुर 25 जुलाई
जोधपुर 11 जुलाई
लखनऊ 18 जुलाई
ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज
प्रत्येक 3 में से 2 सफल उम्मीदवारों द्वारा चयनित
प्रारंभिक
सामान्य अध्ययन
सीसैट
मुख्य
सामान्य अध्ययन
निबंध
OPTIONAL SUBJECT टेस्ट सीरीज
भूगोल
समाजशास्त्र
दर्शनशास्त्र
राजनीतिक विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध
28 जुलाई
लक्ष्य प्रीलिम्स और मेन्स इंटीग्रेटेड मेंटरिंग प्रोग्राम 2025
Lakshya
6 अगस्त
DELHI
1st Floor, Apsara Arcade, Near Metro Gate 6,1/8 B, Pusa Road, Karol Bagh
GTB Nagar Enquiry and Classroom Centre Above GTB Nagar Metro Station Gate No. 2, Delhi - 110009
Contact : 8468022022, 9019066066
AHMEDABAD | BENGALURU | BHOPAL | CHANDIGARH | GUWAHATI | HYDERABAD | JAIPUR | JODHPUR | LUCKNOW | PRAYAGRAJ | PUNE | RANCHI

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2024

3, 4, 10, 17 व 18 अगस्त—आई.बी.पी.एस. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिसर (स्केल I, II & III) एवं ऑफिस असिस्टेंट (बहुउद्देशीय) प्रारम्भिक परीक्षा (CRP XIII)

7, 11, 18, 21, 25 व 28 अगस्त—बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा, 2023

9-12 अगस्त—भारतीय वायुसेना कॉमन एडमिशन टेस्ट (AFCAT) 2024

11 अगस्त—राजस्थान एस.एस.सी. लिपिक ग्रेड-II / कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा, 2024

21 अगस्त-4 सितम्बर—यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा (जून 2024)

23, 24, 25 एवं 30, 31 अगस्त—उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती पुनर्परीक्षा

24-31 अगस्त—आई.बी.पी.एस. बैंक क्लर्क प्रा. परीक्षा, 2025

25 अगस्त—जम्मू एवं कश्मीर एस.एस.सी. जूनियर असिस्टेंट परीक्षा

28-29 अगस्त—मध्य प्रदेश महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण हेतु प्रवेश परीक्षा (ANMTST), 2024 (**ऑनलाइन अन्तिम तिथि** : 7 अगस्त, 2024)

सितम्बर—एल.आई.सी. हाउसिंग फाइनेंस लि. जूनियर असिस्टेंट भर्ती परीक्षा, 2024 (**ऑनलाइन अन्तिम तिथि** : 14 अगस्त, 2024)

सितम्बर—भारतीय तटरक्षक बल नाविक (सामान्य ड्यूटी) एवं यांत्रिक भर्ती परीक्षा, (प्रथम चरण)

सितम्बर-अक्टूबर—एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा, 2024 (प्रथम चरण)

1 सितम्बर—सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (II), 2024

1 सितम्बर—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी व नौसेना अकादमी परीक्षा (II), 2024

7 सितम्बर—राजस्थान एस.एस.सी. पर्यवेक्षक (महिला अधिकारिता) सीधी भर्ती परीक्षा, 2024

8 सितम्बर—भारतीय रिजर्व बैंक ऑफिसर्स ग्रेड बी (DR) General परीक्षा (फेज-I)

21-24 सितम्बर—राजस्थान एस.एस.सी. पशु परिचर (Animal Attendent) सीधी भर्ती परीक्षा, 2023

29 सितम्बर—आई.बी.पी.एस. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिसर (स्केल I, II & III) प्रारम्भिक परीक्षा (CRP XIII)

29 सितम्बर—नेतरहाट आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (कक्षा-6), 2024-25

अक्टूबर—आई.बी.पी.एस. बैंक क्लर्क मुख्य परीक्षा, 2025

अक्टूबर-नवम्बर—एस.एस.सी. मल्टी टास्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ व हवलदार (CBIC & CBN) परीक्षा, 2024

अक्टूबर-नवम्बर—एस.एस.सी. स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' एवं 'D' परीक्षा, 2024 (**ऑनलाइन अन्तिम तिथि** : 17 अगस्त, 2024)

6 अक्टूबर—आई.बी.पी.एस. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिस असिस्टेंट (मुख्य) परीक्षा

18 अक्टूबर—भारतीय वायुसेना अग्निवीर (विज्ञान तथा गैर-विज्ञान) परीक्षा, 2024

20 अक्टूबर—जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख राज्य पात्रता परीक्षा (SET) 2024

27 अक्टूबर—उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. प्रारम्भिक परीक्षा, 2024

नवम्बर—भारतीय तटरक्षक बल नाविक (सामान्य ड्यूटी) एवं यांत्रिक भर्ती परीक्षा, (द्वितीय चरण)

1 दिसम्बर—कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (CLAT) 2025 (**ऑनलाइन अन्तिम तिथि** : 15 अक्टूबर, 2024)

22 दिसम्बर—उत्तर प्रदेश समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी आदि प्रारम्भिक परीक्षा, 2023

2025

18 जनवरी—जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (कक्षा-6), 2025 (**ऑनलाइन अन्तिम तिथि** : 16 सितम्बर, 2024)

12 अप्रैल—जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (कक्षा-6), 2025 (पहाड़ी क्षेत्रों में)

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—"आत्मविश्वास व्यक्ति की सबसे बड़ी पूँजी."

अन्तिम तिथि—28 सितम्बर, 2024.

शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

1. अपना निबन्ध स्वहस्तलिखित, ई-मेल, whatsapp अथवा अन्य किसी भी माध्यम से प्रतियोगिता दर्पण को भेजें. e-mail : care@pdgroup.in, whatsapp : 9634167776
2. निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का फोटो अवश्य भेजें. प्रथम तीन स्थान पाने वाले प्रतिभागियों के फोटो को पत्रिका में सम्मान दिया जाता है. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 2000, ₹ 1500 व ₹ 1000 चेक के माध्यम से व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 5 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 300 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.
3. प्रत्येक प्रविष्टि पर अपना नाम English में लिखें, जिस नाम से आपका बैंक खाता हो. बैंक का नाम, खाता नम्बर व बैंक का IFSC कोड भी अवश्य लिखें.

वार्षिक सदस्यता शुल्क

प्रतियोगिता दर्पण

	हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति मूल्य	125.00	125.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	1130·00	1125·00
रजिस्टर्ड डाक से	1350.00	1345·00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	2105·00	2100·00
रजिस्टर्ड डाक से	2545·00	2540·00

	सामान्य ज्ञान दर्पण	सक्सेस मिरर
एक प्रति मूल्य	₹ 45.00	25.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	₹ 405.00	225.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 620.00	440.00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	₹ 755.00	420.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 1185.00	850.00

वार्षिक सामूहिक सदस्यता शुल्क

प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) Pratiyogita Darpan (English)	₹ 2520/-
सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी) प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) Pratiyogita Darpan (English)	₹ 2950/-
सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी) प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) सक्सेस मिरर (हिन्दी) Pratiyogita Darpan (English)	₹ 3200/-

QR कोड को स्कैन करें

अथवा ऑनलाइन पेमेंट के लिए हमारी वेबसाइट www.pdgroup.in पर विजिट करें

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चेक स्वीकार नहीं होंगे. आप हमारी Website: www.pdgroup.in द्वारा भी सदस्यता शुल्क अदा कर सकते हैं.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट '**प्रतियोगिता दर्पण**' के नाम से आगरा में देय ही स्वीकार किए जाएंगे.

प्रतियोगिता दर्पण

1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास **आगरा**—282 005

फोन : 2531101, 2530966

Website : www.pdgroup.in

E-mail : care@pdgroup.in

47 वर्ष | द्वितीय अंक | सितम्बर 2024

550 वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

इस अंक में...

10 सम्पादकीय

12 राष्ट्रीय घटनाक्रम

17 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

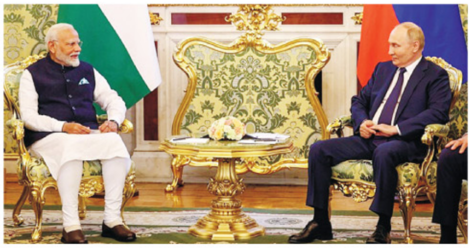

24 आर्थिक समीक्षा 2023-24

30 केन्द्रीय बजट 2024-25

35 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

40 नवीनतम सामान्य ज्ञान

47 खेलकूद

55 रोजगार समाचार

58 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

63 दिव्य दर्पण

70 **कॅरियर लेख :** UPSC-CAPF-AC परीक्षा 2023 के नतीजे, ईमानदारी से किए गए प्रयासों का बड़ा पुरस्कार

अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं

84 **कृतिका भारद्वाज**
सिविल सेवा परीक्षा, 2023 में चयनित (370वाँ स्थान)

86 **संजय कुमार यादव**
67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (96वाँ स्थान)

88 **धीरेन्द्र कुमार झा**
67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (176वाँ स्थान)

90 **परीक्षोपयोगी पत्रिकाओं के सार पर आधारित प्रश्नोत्तर**
(संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षाओं हेतु)

94 स्मरणीय तथ्य

विश्व परिदृश्य

96 भारत व बांग्लादेश-सम्बन्धों को मजबूत करने की नई कोशिश

98 भारत व यूनान-साझा सामरिक दृष्टिकोण की तलाश

फोकस

101 (1) सतत् विकास लक्ष्य भारत सूचकांक-4 (2023-24) : भारत की उपलब्धियों का लेखा-जोखा

106 (2) लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष : भूमिका और महत्व

109 (3) लोकतांत्रिक गठबंधन सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत की विदेश नीति : चुनौतियाँ और अवसर

विविधा

112 ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक स्थल

115 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

लेख

120 **जलवायु कूटनीति लेख**—भारत की जलवायु कूटनीति: नई प्राथमिकताएं और नीति विकल्प

122 **सुरक्षा लेख**—भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत : आवश्यकता और महत्व

124 **भ्रष्टाचार सम्बन्धी लेख**—शिक्षा व्यवस्था *बनाम* बाजारवाद

125 **ऊर्जा लेख**—भारत की गैस आधारित अर्थव्यवस्था

127 **आहार पोषण लेख**—ग्रीन हाउस गैसों को खत्म करने में कारगर है आधुनिक आहार विज्ञान

129 **चुनाव प्रणाली लेख**—लोकतंत्र में नोटा की भूमिका

130 **पर्यावरणीय लेख**—पर्यावरण पर पड़ता मरुस्थलीकरण और सूखे का गम्भीर असर

132 **सार संग्रह**

हल प्रश्न-पत्र

136 मध्य प्रदेश पीएससी राज्य सेवा (प्रा.) परीक्षा-2024 (23.06.2024) का हल प्रश्न पत्र - **सामान्य अध्ययन (प्रथम प्रश्न-पत्र)**

146 उत्तराखण्ड पीएससी प्रा. परीक्षा (14.7.2024) का हल प्रश्न-पत्र - **सामान्य अध्ययन**

159 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिसर (स्केल-I) परीक्षा, 2023 (5.8.2023) का हल प्रश्न-पत्र

169 यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2024 (18.6.2024) का हल प्रश्न-पत्र - **हिन्दी**

मॉडल हल प्रश्न

176 आगामी एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (चरण-I) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

185 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

187 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

190 आर्थिक घटनाचक्र : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

ज्ञानार्जन के नवीन क्षितिज

193 **क्या आप जानते हैं ?**

194 **अपना ज्ञान बढ़ाइए**

श्रेष्ठतर प्रतिभागी

195 **प्रथम पुरस्कृत निबन्ध**—"समाज और प्रकृति के साथ सामंजस्य सफलता के अचूक सूत्र"

198 **निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-540 का परिणाम**

199 **वाद-विवाद प्रतियोगिता**

200 **वार्षिकी**

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. **–सम्पादक**

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्

(भाषा विभाग उत्तर प्रदेश शासनाधीन स्वायत्तशासी संस्था)

संस्कृत भवन, नया हैदराबाद, निशातगंज, लखनऊ

शीघ्र रजिस्ट्रेशन करें

लखनऊ

संस्कृत साहित्य के साथ सिविल सेवा की तैयारी का सुनहरा अवसर

फ्री कोचिंग के साथ स्कॉलरशिप

महत्वपूर्ण तिथि

निःशुल्क रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ :

03 अगस्त, 2024 से 31 अगस्त, 2024

सत्र प्रारम्भ : अक्टूबर-2024

IAS

सत्र 2024-25 की परीक्षा हेतु

संस्कृत साहित्य के साथ पढ़े सामान्य अध्ययन दिल्ली, लखनऊ के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों द्वारा

सिविल सेवा प्रवेश परीक्षा सत्र 2024-25 के लिए उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम् की वेबसाईट **http://upsanskritsansthanam.in** पर जाकर निःशुल्क रजिस्ट्रेशन करें अथवा **http://upsscivil.in/** लिंक पर भी जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते है।

पात्रता : ● आवेदन प्राप्त किये जाने की अंतिम तिथि तक विधि द्वारा स्थापित किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की स्नातक डिग्री या समकक्ष अर्हता। ● **आयु सीमा :** 21 से 35 वर्ष

- कोचिंग हेतु अभ्यार्थियों का चयन प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर किया जायेगा।
- **प्रवेश परीक्षा का विषय :** सामान्य अध्ययन एवं संस्कृत सामान्य व्याकरण की होगी।
- प्रवेश परीक्षा लखनऊ में आयोजित होगी।

नोट-1 : इस कोचिंग से पूर्व के सत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थी पात्र नहीं होंगे।

कोचिंग कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं

- सामान्य अध्ययन एवं संस्कृत साहित्य के, देश के सबसे अनुभवशील विशेषज्ञों द्वारा कोचिंग।
- ऑनलाइन/ऑफलाइन एवं वीडियो लेक्चर के माध्यम से कक्षाएं।
- संस्कृत, सामान्य अध्ययन एवं समसामयिकी की द्विभाषीय पाठ्य सामग्री।
- बहुस्तरीय कक्षा टेस्ट एवं टेस्ट सीरिज तथा समसामयिकी की साप्ताहिक कक्षाएं।
- अत्याधुनिक डिजिटल पुस्तकालय।

नोट-2: संस्कृत साहित्य रखकर तैयारी करने वाले ही आवेदन करें।

निदेशकः उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

+91-9936469208 / +91-6390006920, 0522-4330139

सम्पादकीय

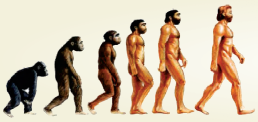

मानव की जय यात्रा के पथिक बनिए

''न मानुषात् श्रेष्ठतरं हि किंचित्'' अर्थात् मनुष्य से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है.

भर्तृहरि कहते हैं—''विद्वान् लोग ईर्ष्या से ग्रसित हैं, धनी गर्व से दूषित हैं, अन्य लोग अज्ञानी हैं. अतः श्रेष्ठ मानवीय भाव ही नष्ट हो जाते हैं.''

निष्कर्ष स्पष्ट है—श्रेष्ठतर कोटि के मनुष्यों की संख्या अत्यन्त स्वल्प है तथा संदर्भित श्रेष्ठता सहज-प्राप्य न होकर प्रयत्न-साध्य है. एक अंग्रेज विद्वान् का कथन इस दिशा में हमारा मार्गदर्शन करता है—मनुष्य आधे वन्य पशु और आधे मानव-शिशु के रूप में जन्म लेता है. वन्य पशु को पालतू बनाना होता है और मानव-शिशु का पोषण करना होता है. मनुष्य के विकास की, उसके द्वारा पशुपति के पद की प्राप्ति की यात्रा संक्षेप में यही है.

हमने, आपने, सबने जब जन्म लिया था, तब आज जैसे नहीं थे. आदिमानव भी वैसा न था, जैसा वह आज है. यह उसकी युग-युगों की जय यात्रा के सुफल हैं.

क्या आपने देवदारु के दीर्घकाय वृक्ष को देखा है? वह जड़ शक्ति के दुर्वार आकर्षण-महाकर्षण (Force of gravitation) को पराभूत करते हुए निरन्तर ऊर्ध्वगामी बनकर उन्मुक्त व्योम-मण्डल में विहार करता है और पाषाण की कठोर छाती भेदकर अज्ञात पाताल से अपना रस खींचता रहता है. विशिष्टता यह है कि वह अपने स्थान पर दृढ़तापूर्वक विराजमान है.

वास्तविक मनुष्य वही है, जो पशु-धरातल से पाशविक गुणों से ऊपर उठा हो. मनुष्य और पशु में आदिम सहजात अनेक प्रवृत्तियाँ समान रूप से प्रबल हैं—आहार, निद्रा, भय, मैथुन, लोभ, स्वार्थ आदि, लेकिन मनुष्य फिर भी मनुष्य है, क्योंकि वह दूसरों के लिए अपना सर्वस्व उत्सर्ग कर सकता है. उसमें त्याग है, संयम है, दया है, ममता है, करुणा है, संतोष है, श्रद्धा है और सबसे ऊपर है—विवेक-बुद्धि और संकल्पशक्ति. इस संदर्भ में विलियम जेम्स का यह अप्रिय कथन उल्लेखनीय है कि ''विवेकहीनता के क्षणों में जब मनुष्य का पशुत्व प्रबल हो जाता है तब वह पशु से भी बुरा होता है, वह ऐसा भयानक जन्तु बन जाता है, जो व्यवस्थित ढंग से अपनी ही जाति के जन्तुओं का शिकार करता है'', परन्तु ये क्षणिक आवेश होते हैं. मनुष्य अन्ततः मनुष्य ही रहता है. विवेक और संकल्पशक्ति के बल पर वह सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी बन गया. उसने प्रकृति की दासता कभी स्वीकार नहीं की और अपना सिर सीधा रखने वाला प्रकृति का एकमात्र जीवधारी बन गया. उसने प्रकृति को अपने अनुरूप नियमित किया जिससे अपनी इच्छानुसार वह उसका उपयोग कर सका. वस्तुतः यहीं से सृष्टि का एक नया इतिहास शुरू हुआ, जिसमें मानव की जय यात्रा का अंकन आरम्भ हुआ. चट्टानें इसके पृष्ठ हैं और भग्नावशेष अक्षर हैं.

जड़ से चैतन्य, चैतन्य से मन-बुद्धि और मन-बुद्धि से मनुष्यत्व का विकास! यह सचमुच विस्मित कर देने वाली एक ऐसी घटना है, जिसकी अवधारणा रक्त-कणों में एक अपूर्व झनझनाहट की अनुभूति का हेतु बन जाती है.

महाकर्षण की शक्ति जड़ में सबसे बड़ी शक्ति है. वह चेतन को नीचे खींचती है, परन्तु खींच नहीं पाती है. चेतन की ऊर्ध्वमुखी वृत्ति निरन्तर उठती जाती है. ऊर्ध्वमुखी चेतन उल्लसित होता है.

जड़ से मनुष्यत्व तक के विकास की शृंखला न तो मात्र संयोग पर आधारित है, न यह सब कुछ यों ही निरर्थक और निरुद्देश्य है. सृष्टि की इस रहस्य-लीला के पीछे किसी शक्ति की, भले ही वह अभी तक अज्ञात है— प्रेरणा होनी चाहिए. त्रिपुर सुन्दरी का त्रैलोक्यमोहन रूप निश्चय ही किसी महान् उद्देश्य के लिए है. हमारे विचार से यह महान् गणितज्ञ शिल्पी की महायोजना का एक अंग है. यह योजना अथवा शृंखला अभी अधूरी है. क्या आप किसी ऐसे मनुष्य की ओर इंगित कर सकते हैं जिसमें दोष, कमी या खोट न हो. तब फिर **मैन** को अधूरा अथवा अपूर्ण विकसित छोड़कर सुपरमैन की बात क्यों की जाए? इतिहास में मनुष्य की धारावाहिक जय यात्रा की कहानी पढ़ेंगे, साहित्य और कला में इसी के आवेगों, उद्वेगों और उल्लासों का अनुभव करेंगे. राजनीति अर्थशास्त्र आदि सर्वत्र इसी की शक्ति को झाँकते हुए पाएंगे, जो कला या विज्ञान अनादिकाल-प्रवाह में प्रवहमान जीवंत मानव समाज की विकास कथा को न कहे, वह विज्ञान अथवा कला कहे जाने का अधिकारी कदापि नहीं हो सकता है.

मनुष्य में कुछ पशुत्व, पशु-संस्कार भी हैं, जो थोड़ी-सी उत्तेजना पाते ही, स्वार्थों में व्याघात उपस्थित होते ही, उसके अहंकार को बेकाबू कर देते हैं. इसी के फलस्वरूप संसार में मार-काट, झगड़े, नोच-खसोट, विनाशकारी युद्ध आदि दिखाई पड़ते हैं. मनुष्यता की उच्चभूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य इन्हें क्षणिक एवं अस्थायी मानते हैं. वे तो यहाँ तक सोचते हैं कि ये अपने को उत्सर्ग करके महाकाल की लीला में सहायक होने की मानसोल्लासिनी वेदना है. मनुष्य के नाखून बढ़ते अवश्य हैं, परन्तु वह उन्हें काटता भी तो रहता है. एक स्थान पर कवीन्द्र रवीन्द्र ने भी लिखा है कि लोहार की दुकान में दिखाई देने वाले कूड़ा-करकट तथा हथोड़े की चोटों की खटखट के पीछे वीणा के उन तारों का निर्माण हो रहा है, जो सुमधुर संगीत का सृजन करेंगे. हम चाहते हैं कि हमारा युवावर्ग इस प्रकार की उदात्त एवं अन्तर्भेदी दृष्टि का धारणकर्ता बन सके. तभी यह सम्भव है कि वे मनुष्यता के उस सोपान पर पहुँच सकें जहाँ वे तादात्म्य स्थापन अथवा एकत्व की अनुभूति कर सकें. इस श्रेष्ठतर भावभूमि को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है कि वे परम्परा से रस ग्रहण करें और प्रगतिशील बनें—यानी अनावश्यक रूढ़ियों, गलत वर्जनाओं को नकार कर मानव की जय यात्रा के पथिक बनने का प्रयत्न करें. विकसित मनुष्य की भाँति आप भी अपनी त्रुटियों एवं मूर्खताओं पर हँसना सीखिए. अवसर बनाइए, अवसर न होने की शिकायत कर्मवीर नहीं करते हैं.

एक सामान्य बालक अनवरत् प्रयत्न एवं दृढ़ संकल्पशक्ति द्वारा कितना श्रेष्ठ मनुष्य बन सकता है, महात्मा गाँधी इसके जीवंत उदाहरण रहे. उन्होंने प्रवृत्तियों को छिपाया नहीं. वह उनसे डरे नहीं, उनके नाम पर वह लज्जित भी नहीं हुए, परन्तु साथ ही उनको नियन्त्रित करने में उन्होंने कभी किसी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती. उनका यह कथन हमारे युवा पाठकों का मार्गदर्शक होना चाहिए— ''प्रत्येक मनुष्य का यह पावन कर्तव्य है कि वह अपने भीतर पूरी सावधानी से झाँक कर देखे— आत्म-निरीक्षण करे और अपने को उस रूप में देखे, जैसाकि वह वास्तव में है और फिर अपनी कमियों को दूर करने में कोई बात उठा न रखे. वह अपने द्वारा किए जाने वाले अन्याय दुष्टतापूर्ण एवं मिथ्या अहंकार आदि के कृत्यों के परिप्रेक्ष्य में अपना आकलन करे और उनके निवारणार्थ संघर्ष करें.'' विश्वास कीजिए मानव की जय यात्रा इसी मार्ग से आगे बढ़ी है. आप तैयार हो जाइए.

●●●

युवाओं की सरकार, युवाओं से सरोकार

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (GSCC)

₹15 लाख
तक विद्यार्थियों को ऋण सुविधा...

...बिना किसी प्रोसेसिंग शुल्क के

4%
साधारण ब्याज दर से भुगतान

शेष ब्याज का वहन झारखण्ड सरकार द्वारा

15 वर्ष
तक ऋण वापसी की अवधि

ऋण बिना किसी जमानती सुरक्षा के

ऋण वापसी की प्रक्रिया पाठ्यक्रम पूर्ण होने के 1 वर्ष बाद से

अध्ययन अवधि में ही ऋण का ब्याज चुकाने पर ब्याज के दर में 1% की छूट

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

राष्ट्रीय घटनाक्रम

- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर अब उत्तर प्रदेश में राज्य राजधानी क्षेत्र (यूपीएससीआर) का गठन
- 1 जुलाई, 2024 से तीन नए आपराधिक कानून लागू : ब्रिटिश काल की भारतीय दंड संहिता सहित तीन कानून विस्थापित
- जेपी नड्डा अब राज्य सभा में सदन के नेता
- राहुल गाँधी लोक सभा में विपक्ष के नेता : 10 वर्ष के अंतराल के पश्चात् किसी विपक्षी को मिला यह दर्जा
- अनुसूचित जाति की सूचियों से छेड़छाड़ का अधिकार राज्यों को नहीं : सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार सरकार का 2015 का एक फैसला रद्द किया
- जमानत पर रिहाई के एक सप्ताह के भीतर हेमंत सोरेन पुन: झारखण्ड के मुख्यमंत्री
- 'सिख फॉर जस्टिस' पर प्रतिबन्ध की अवधि में 5 वर्ष की वृद्धि
- बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के दूसरे चरण का परीक्षण
- राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल व अशोक हॉल के नाम अब क्रमश: गणतंत्र मंडप व अशोक मंडप
- असम में चराइदेव जिले में स्थित अहोम राजवंश की 700 वर्ष पुरानी टीलेनुमा समाधि प्रणाली 'मैदाम' अब यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल
- दुर्गम पहाड़ियों पर तैनाती के लिए देश में ही निर्माणाधीन हल्के टैंक जोरावर के परीक्षण
- मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन के लिए हवाई लक्ष्य के रूप में इस्तेमाल हेतु विकसित 'अभ्यास' विमान का एक और सफल परीक्षण
- 17 वर्ष की शानदार सेवा के पश्चात् यूएच-3एच हेलीकॉप्टर की नौसेना से विदाई

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर अब उत्तर प्रदेश में राज्य राजधानी क्षेत्र (यूपीएससीआर) का गठन

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ व उसके आस-पास के क्षेत्रों में जनसंख्या के बढ़ते हुए दबाव के चलते इन क्षेत्रों में सुनियोजित विकास को बढ़ावा देने के लिए केन्द्रीय राजधानी दिल्ली के एनसीआर (नेशनल कैपिटल रीजन) की तर्ज पर प्रदेश में भी स्टेट कैपिटल रीजन (SCR) के गठन का निर्णय प्रदेश सरकार ने किया है. राज्य की राजधानी लखनऊ के अतिरिक्त सीमावर्ती पाँच अन्य जिले हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली व बाराबंकी इसमें शामिल किए गए हैं तथा इसे यूपीएससीआर (UPSCR–Uttar Pradesh State Capital Region) नाम दिया गया है. मूलत: कानपुर व कानपुर देहात सहित कुल 8 जिलों को इसमें शामिल करने का प्रस्ताव था, किन्तु 16 जुलाई, 2024 को राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक में पारित प्रस्ताव में कानपुर व कानपुर देहात को यूपीएससीआर से बाहर ही रखा गया है. इसमें लखनऊ के 2528 वर्ग किमी क्षेत्र के अतिरिक्त हरदोई के सीमावर्ती 5985 वर्ग किमी, सीतापुर के 5743 वर्ग किमी, उन्नाव के 4558 वर्ग किमी, रायबरेली के 4609 वर्ग किमी तथा बाराबंकी के 4402 वर्ग किमी क्षेत्र को शामिल किया गया है. इस प्रकार यूपीएससीआर का कुल क्षेत्रफल 27,826 वर्ग किमी है.

इसके लिए स्वीकृत अध्यादेश में उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (UP State Capital Region Development Authority–UP-SCRDA) के गठन का प्रावधान किया गया है, मुख्यमंत्री जिसके अध्यक्ष होंगे, तथा प्रदेश के मुख्य सचिव इसके वाइस चेयरमैन होंगे. प्राधिकरण का मुख्यालय लखनऊ में होगा.

1 जुलाई, 2024 से तीन नए आपराधिक कानून लागू : ब्रिटिश काल की भारतीय दंड संहिता सहित तीन कानून विस्थापित

भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक परिवर्तन के तहत् तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) 2023 व भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA), 2023 1 जुलाई, 2024 से देश भर में लागू हो गए हैं. इनमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 ने जहाँ 1973 की दण्ड प्रक्रिया संहिता (Code of Criminal Procedure–CrPC) को विस्थापित किया है, **भारतीय न्याय संहिता** ने ब्रिटिश काल के भारतीय दंड संहिता, 1860 (Indian Penal Code–IPC), 1860 तथा **भारतीय साक्ष्य अधिनियम** ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम (Indian Evidence Act) 1872 का स्थान लिया है. तीनों नए कानूनों को संसद ने दिसम्बर 2023 में पारित किया था तथा राष्ट्रपति का अनुमोदन भी 25 दिसम्बर, 2023 को इन्हें प्राप्त हो गया था, तथा इन्हें 1 जुलाई, 2024 से लागू करने के लिए अधिसूचना सरकार ने 24 फरवरी, 2024 को जारी की थी.

आईपीसी के स्थान पर लाई गई नई भारतीय न्याय संहिता में 358 धाराएं हैं, जबकि आईपीसी में 511 धाराएं थीं. इसी प्रकार सीआरपीसी की 484 धाराओं की तुलना में इसका स्थान लेने वाली भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में 531 धाराएं हैं तथा पुराने इंडियन एविडेंस एक्ट की 167 धाराओं की तुलना में इसका स्थान लेने वाले भारतीय साक्ष्य अधिनियम में 170 धाराएं हैं.

तीनों नए कानूनों से देश में आधुनिक न्याय प्रणाली का समावेश होगा, जिसके तहत् गम्भीर अपराधों में भी ऑनलाइन एफआईआर तथा जीरो एफआईआर सुगम होंगी तथा छोटी-छोटी शिकायतें दर्ज करने के लिए थानों के चक्कर लगाने तथा पुलिस कर्मियों को रिश्वत देने का दौर समाप्त होगा. त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए एफआईआर से लेकर फैसले तक के लिए समय सीमाएं निर्धारित की गई हैं. आधुनिक तकनीक के उपयोग तथा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को कानून का हिस्सा बनाने से मुकदमों के शीघ्र निपटान में मदद मिलेगी. पहली बार आतंकवाद को नए कानूनों में परिभाषित किया गया है तथा राजद्रोह के स्थान पर देशद्रोह को अपराध की श्रेणी में लाया गया है. नए कानूनों के तहत् अब राज्य को एकतरफा कोई केस वापस लेने का अधिकार नहीं है. पीड़ित को सुनवाई का अवसर दिए बिना न्यायालय मुकदमा वापस लेने को सहमति नहीं देगा.

नए कानूनों पर टिप्पणी करते हुए गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि नए कानून दंड के बदले न्याय देने को प्राथमिकता देंगे. उन्होंने कहा कि ये कानून भारतीय संसद में भारतीयों द्वारा भारतीयों के लिए बनाए गए

हैं, जो औपनिवेशिक काल के आपराधिक कानूनों को समाप्त करेंगे. इसे केवल नाम का बदलाव नहीं बल्कि आपराधिक न्याय प्रणाली में आमूल-चूल बदलाव उन्होंने बताया. इन कानूनों की आत्मा, शरीर और भावना सभी भारतीय हैं. उन्होंने कहा कि नए कानून भारतीय प्रकृति के अनुरूप राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करेंगे.

जेपी नड्डा अब राज्य सभा में सदन के नेता

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा अब नई सरकार में राज्य सभा में सदन के नेता हैं. इस आशय की घोषणा सभापति श्री जगदीप धनखड़ ने 27 जून, 2024 को राज्य सभा के 264वें सत्र के पहले ही दिन की. इससे पूर्व प्रधानमंत्री के रूप में श्री मोदी के दूसरे कार्यकाल में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल राज्य सभा में सदन के नेता रहे थे.

जेपी नड्डा

राज्य सभा में सदन का नेता प्रायः प्रधानमंत्री ही होता है, (यदि वह इस सदन का सदस्य है तो) अन्यथा अन्य किसी मंत्री को सदन के नेता के रूप में प्रधानमंत्री द्वारा नामित किया जाता है.

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे वर्ष 2021 से राज्य सभा में विपक्ष के नेता हैं.

अनुसूचित जाति की सूचियों से छेड़छाड़ का अधिकार राज्यों को नहीं : सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार सरकार का 2015 का एक फैसला रद्द किया

*दूरगामी महत्व के एक फैसले के तहत् सर्वोच्च न्यायालय ने 15 जुलाई, 2024 को यह स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति (SC) की सूचियों के साथ छेड़छाड़ करने का कोई अधिकार राज्यों को नहीं है. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ व न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ द्वारा दिए गए फैसले में यह कहा गया है कि संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत् प्रकाशित अनुसूचित जाति की सूचियों के साथ छेड़छाड़ करने की कोई क्षमता या अधिकार राज्य सरकार के पास नहीं है. इस फैसले के साथ ही शीर्ष अदालत ने बिहार सरकार की 1 जुलाई, 2015 की उस अधिसूचना को रद्द कर दिया जिसके तहत् **तांती-तंतवा** जाति को अति पिछड़ा वर्ग (EBC) से हटाकर अनुसूचित जाति की सूची में **पान-सवासी-पनर** के साथ विलय किया गया था. राज्य सरकार के इस कदम को पटना उच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा था.*

बिहार सरकार के इस कदम को रद्द करते हुए सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत् निर्दिष्ट अनुसूचित जाति सूची में केवल संसद द्वारा बनाए गए कानून द्वारा संशोधन या बदलाव किया जा सकता है. पीठ ने कहा, पटना हाई कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 341 का हवाला दिए बिना पूरी तरह से गलत आधार पर 2015 की कार्रवाई को 2017 में बरकरार रखा है.

पीठ ने कहा कि बिहार सरकार भी यह जानती थी कि किसी जाति का अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने का उसके पास कोई अधिकार नहीं है. इसलिए उसने 2011 में 'तांती-तंतवा' को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने के लिए अपना अनुरोध केन्द्र को भेजा था जिसे स्वीकार न करते हुए समीक्षा के लिए वापस कर दिया गया था. इसकी अनदेखी करते हुए राज्य सरकार ने अनुसूचित जाति सूची के लाभ को तांती-तंतवा समुदाय तक पहुँचाने के लिए अत्यंत पिछड़ी जातियों की सूची में शामिल 'तांती-तंतवा' को अनुसूचित जाति की सूची में दूसरे समुदाय पान, सवासी, पनर के साथ विलय करने की अधिसूचना 1 जुलाई, 2015 को जारी कर दी. सर्वोच्च न्यायालय की पीठ के 15 जुलाई, 2024 के फैसले में बिहार सरकार के इस प्रस्ताव को रद्द किया गया है.

राहुल गाँधी लोक सभा में विपक्ष के नेता : 10 वर्ष के अंतराल के पश्चात् किसी विपक्षी को मिला यह दर्जा

रायबरेली से कांग्रेसी सांसद राहुल गाँधी अब लोक सभा में विपक्ष के नेता हैं. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नई दिल्ली स्थित आवास पर इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक में उन्हें लोक सभा में विपक्ष का नेता स्वीकार किया गया. 54 वर्षीय राहुल गाँधी इस पद को सँभालने वाले गाँधी परिवार के तीसरे सदस्य हैं. उनसे पूर्व उनके पिता राजीव गाँधी 1989-90 के दौरान तथा माँ सोनिया गाँधी 1999–2004 के दौरान लोक सभा में विपक्ष की नेता रह चुकी हैं.

राहुल गाँधी

10 वर्ष के अंतराल के पश्चात् लोक सभा में विपक्ष के नेता का दर्जा किसी को प्राप्त हुआ है. *विपक्ष के नेता (नेता प्रतिपक्ष) पद के लिए विपक्षी दल के पास सदन की कुल सीटों की कम-से-कम 10 प्रतिशत सीटें होना आवश्यक है. वर्ष 2014 के पश्चात् किसी विपक्षी पार्टी के पास सीटों की संख्या 55 (543 सीटों का 10 प्रतिशत) भी नहीं थीं जिससे किसी भी विपक्षी पार्टी के नेता को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं दिया जा सकता था. 2024 के हालिया चुनाव में सबसे बड़े विपक्षी दल कांग्रेस की लोक सभा में सीटों की संख्या 99 है, जिससे उसके नेता को ही विपक्ष के नेता का दर्जा प्राप्त हुआ है.*

भारत में लोक सभा में विपक्ष के नेता को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त होता है तथा इसके लिए मासिक वेतन, कई तरह के भत्ते, सरकारी बंगला व अनेक संवैधानिक अधिकार भी उन्हें प्राप्त होते हैं.

जमानत पर रिहाई के एक सप्ताह के भीतर हेमंत सोरेन पुनः झारखण्ड के मुख्यमंत्री

नवम्बर-दिसम्बर 2019 के विधान सभा चुनावों के पश्चात् झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस व राष्ट्रीय जनता दल की गठबंधन सरकार में मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन ने भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 31 जनवरी, 2024 को गिरफ्तारी के समय झारखण्ड के मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया था. उनकी अनुपस्थिति में उनके ही एक विश्वासपात्र चंपई सोरेन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ 2 फरवरी, 2024 को ली थी. लगभग 5 महीने तक जेल में रहे हेमंत सोरेन की इस मामले में जमानत पर रिहाई 28 जून को हुई जिसके पश्चात् एक बार पुनः मुख्यमंत्री पद पर उनकी वापसी हो गई है. उन्हें मुख्यमंत्री पद हेतु पुनर्निर्वाचन के लिए मार्ग प्रशस्त करने को चंपई सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र 3 जुलाई को दे दिया तथा 4 जुलाई को ही

गठबंधन के नेता के रूप में दावेदारी प्रस्तुत करने पर तत्कालीन राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ उन्हें दिलाई. इस प्रकार हेमंत सोरेन अब तीसरी बार झारखण्ड के मुख्यमंत्री 4 जुलाई, 2024 को बने हैं.

इस समय झारखण्ड की गठबंधन सरकार में नेतृत्व परिवर्तन ऐसे समय में किया गया है, जब राज्य में विधान सभा चुनाव के केवल 2-3 माह ही शेष हैं.

झारखंड के मुख्यमंत्री

बाबूलाल मरांडी (बीजेपी)
15 नवंबर 2000 से 18 मार्च 2003

अर्जुन मुंडा (बीजेपी)
18 मार्च 2003 से 2 मार्च 2005

शिबू सोरेन (जेएमएम)
2 मार्च 2005 से 12 मार्च 2005

अर्जुन मुंडा (बीजेपी)
12 मार्च 2005 से 19 सितंबर 2006

मधु कोड़ा (निर्दलीय)
19 सितंबर 2006 से 27 अगस्त 2008

शिबू सोरेन (जेएमएम)
27 अगस्त 2008 से 19 जनवरी 2009

राष्ट्रपति शासन
19 जनवरी 2009 से 30 दिसंबर 2009

शिबू सोरेन (जेएमएम)
30 दिसंबर 2009 से 1 जून 2010

राष्ट्रपति शासन
1 जून 2010 से 11 सितंबर 2010

अर्जुन मुंडा (बीजेपी)
11 सितंबर 2010 से 18 जनवरी 2013

राष्ट्रपति शासन
18 जनवरी 2013 से 13 जुलाई 2013

हेमन्त सोरेन (जेएमएम)
13 जुलाई 2013 से 28 दिसंबर 2014

रघुवर दास (बीजेपी)
28 दिसंबर 2014 से 29 दिसंबर 2019

हेमन्त सोरेन (जेएमएम)
29 दिसंबर 2019 से 31 जनवरी 2024

चंपई सोरेन (जेएमएम)
2 फरवरी 2024 से 4 जुलाई 2024

हेमन्त सोरेन
(जेएमएम)
4 जुलाई 2024 को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

KBK Infographics

'सिख फॉर जस्टिस' पर प्रतिबन्ध की अवधि में 5 वर्ष की वृद्धि

केन्द्र सरकार ने राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' पर आरोपित प्रतिबन्ध को 5 वर्ष के लिए गत जुलाई माह में बढ़ा दिया है. गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम [Unlawful Activities (Prevention) Act], 1967 के सेक्शन 3 के तहत् 5 वर्ष के लिए प्रतिबन्ध इस संगठन पर जुलाई 2019 में आरोपित किया था. प्रतिबन्ध की अवधि में 5 वर्ष की वृद्धि की अधिसूचना गृह मंत्रालय द्वारा 9 जुलाई, 2024 को जारी की गई. इस संगठन की स्थापना गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वर्ष 2007 में की थी. संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू, जिसे अमेरिका व कनाडा की नागरिकता प्राप्त है, को 2020 में आतंकी घोषित कर दिया गया था.

संगठन पर प्रतिबन्ध की अवधि में 5 वर्ष की वृद्धि के सम्बन्ध में गृह मंत्रालय द्वारा 9 जुलाई को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि 'सिख फॉर जस्टिस' अभी भी उग्रवादी संगठनों व कार्यकर्ताओं के निकट सम्पर्क में है और एक सम्प्रभु खालिस्तान बनाने की दिशा में सक्रिय है. अधिसूचना के अनुसार यह संगठन लगातार राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है.

बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के दूसरे चरण का परीक्षण

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने अपनी बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली (Ballistic Missile Defence System) के दूसरे चरण का सफल परीक्षण ओडिशा में चाँदीपुर स्थित एकीकृत टेस्ट रेंज (ITR) से 24 जुलाई, 2024 को किया. इस परीक्षण के तहत् एक दुश्मन मिसाइल प्रारूप को उसके लक्ष्य तक पहुँचने से पहले इंटरसेप्टर मिसाइल AD-1 द्वारा आकाश में ही नष्ट करने में सफलता प्राप्त की गई. इस परीक्षण के लिए चाँदीपुर स्थित लॉन्च पैड से पृथ्वी-2 न्यूक्लीयर बैलिस्टिक मिसाइल पहले टारगेट मिसाइल के रूप में दागी गई. भूमि एवं समुद्र पर तैनात हथियार प्रणाली रडार द्वारा पता चलने पर, इसके चार मिनट बाद भद्रव जिले के धामरा में स्थित परीक्षण केन्द्र से इंटरसेप्टर मिसाइल एडी-1 का प्रक्षेपण किया गया जिसने टारगेट मिसाइल बनी पृथ्वी-2 को सफलतापूर्वक मार गिराया. यह परीक्षण युद्धक हथियार प्रणाली से जुड़े सभी मानकों पर खरा उतरा. इस परीक्षण के लिए बालासोर (बालेश्वर) जिला प्रशासन ने चाँदीपुर के आस-पास के 10 गाँवों के 10 हजार से अधिक लोगों को अस्थायी तौर पर अन्यत्र शिफ्ट कर दिया था.

दूसरे चरण की एडी-1 एंडो-एटमॉस्फीयरिक मिसाइल स्वदेश विकसित दो चरण की ठोस चालित जमीन से प्रक्षेपित मिसाइल प्रणाली है. 24 जुलाई के इसके ताजा परीक्षण ने 5000 किमी श्रेणी की बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए रक्षा पंक्ति की स्वदेशी क्षमता का प्रदर्शन किया है. डीआरडीओ द्वारा इस तरह के परीक्षण पहले भी किए जा चुके हैं. 24 जुलाई के सफल परीक्षण के लिए रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ की सराहना करते हुए कहा कि डीआरडीओ ने फिर से बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा क्षमता का प्रदर्शन किया है.

उल्लेखनीय है कि **इंटरसेप्टर एडी-1 मिसाइलों को अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलों को ध्वस्त करने के उद्देश्य से ही बनाया गया है. कोई देश अगर लम्बी दूरी से भारत पर मिसाइल दागता है, तो भारतीय सेना या नौसेना इसकी सहायता से उसे रास्ते में ही ध्वस्त कर सकेगी.** ऐसी मिसाइल का सफल परीक्षण कर भारत ने बैलिस्टिक मिसाइल के खतरों से निपटने में लगातार अपनी बढ़ती क्षमता का प्रदर्शन किया है.

राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल व अशोक हॉल के नाम अब क्रमश: गणतंत्र मंडप व अशोक मंडप

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉलों—'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर क्रमश: 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' कर दिया गया है. इस आशय की अधिसूचना राष्ट्रपति सचिवालय से 25 जुलाई, 2024 को जारी की गई. अधिसूचना में कहा गया है कि 'दरबार हॉल' राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने जैसे महत्वपूर्ण समारोहों एवं उत्सवों का स्थल है. 'दरबार' शब्द से आशय भारतीय शासकों व अंग्रेजों के दरबार एवं सभाओं से है. भारत के गणतंत्र

असम में चराइदेव जिले में स्थित अहोम राजवंश की 700 वर्ष पुरानी टीलेनुमा समाधि प्रणाली 'मैदाम' अब यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल

असम के चराइदेव (Charaideo) जिले में स्थित अहोम राजवंश की टीलेनुमा दफन प्रणाली जिन्हें **मोइदम** *(Moidam) या* **मैदाम** *नाम से जाना जाता है, को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों (World Heritage Sites) की सूची में जुलाई 2024 में शामिल किया गया है.*

मैदाम

यह शाही मैदाम केवल असम राज्य के चराइदेव में चीन से आई ताई-अहोम जनजातियों के राजाओं का कब्र स्थल हैं. इन जनजातियों के राजाओं ने 12वीं से 18वीं ईसवी के बीच उत्तर-पूर्व भारत में ब्रह्मपुत्र नदी घाटी के विभिन्न हिस्सों में अपनी राजधानी स्थापित की थी. इन कब्र स्थलों को असम के पिरामिड्स के रूप में भी जाना जाता है. असम के तत्कालीन शिवसागर जिले (वर्तमान में चराइदेव जिले) में स्थित इन मोइदम्स को विश्व धरोहर घोषित कराने का प्रस्ताव भारत सरकार ने 15 अप्रैल, 2014 को यूनेस्को के पास भेजा था. मोइदम्स को वर्ष 2014 में ही यूनेस्को की विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में शामिल कर लिया गया था.

विश्व धरोहर सूची में इसे शामिल करने का निर्णय यूनेस्को (UNESCO—United Nations Educational, Scientific and Cultural Organisation) की विश्व धरोहर समिति के भारत में नई दिल्ली में 21-31 जुलाई, 2024 को सम्पन्न 46वें सत्र में लिया गया. इसे मिलाकर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल भारतीय स्थलों की कुल संख्या अब 43 हो गई है. इनमें 35 स्थल सांस्कृतिक स्थलों (Cultural Properties) की सूची में हैं, जबकि 7 प्राकृतिक विरासत (Natural Heritage) की श्रेणी में तथा एक मिश्रित विरासत (Mixed Heritage) के रूप में वर्गीकृत है.

विश्व विरासत सूची में शामिल भारत के 43 स्थल
(जुलाई 2024 के अंत की स्थिति)

क्र.	स्थल	विश्व विरासत सूची में शामिल किए जाने का वर्ष	क्र.	स्थल	विश्व विरासत सूची में शामिल किए जाने का वर्ष
	सांस्कृतिक स्थल		23.	जंतर-मंतर जयपुर (राजस्थान)	2010
1.	आगरा किला, आगरा (उत्तर प्रदेश)	1983	24.	राजस्थान के राजपूताना शैली के 6 किले	2013
2.	ताजमहल, आगरा (उत्तर प्रदेश)	1983	25.	रानी की वाव (The Queen's Stepwell)	2014
3.	अजंता की गुफाएं (महाराष्ट्र)	1983	26.	बिहार का नालंदा महाविहार	2016
4.	एलोरा की गुफाएं (महाराष्ट्र)	1983	27.	चंडीगढ़ का कैपिटल कॉम्प्लैक्स**	2016
5.	सूर्य मन्दिर, कोणार्क, पुरी (ओडिशा)	1984	28.	अहमदाबाद	2017
6.	महाबलीपुरम् स्थित समारक समूह (तमिलनाडु)	1984	29.	मुम्बई की विक्टोरियन गोथिक एवं आर्ट डेको संरचनाएं	2018
7.	गोवा के चर्च एवं कॉन्वेंट (गोवा)	1986	30.	जयपुर सिटी	2019
8.	खजुराहो स्थित स्मारक समूह (मध्य प्रदेश)	1986	31.	काकतीय रुद्रेश्वर मंदिर, वारंगल (तेलंगाना)	2021
9.	हम्पी स्थित स्मारक समूह, बल्लारि (कर्नाटक)	1986	32.	हड़प्पा कालीन धौलावीरा (गुजरात)	2021
10.	फतेहपुर सीकरी, आगरा (उत्तर प्रदेश)	1986	33.	शांति निकेतन (प. बंगाल)	2023
11.	एलीफेंटा की गुफाएं (महाराष्ट्र)	1987	34.	होयसल के पवित्र मन्दिर समूह (कर्नाटक)	2023
12.	बृहदेश्वर मन्दिर* थंजावुर (तमिलनाडु)	1987	35.	असम में चराइदेव जिले में स्थित अहोम राजवंश की टीलेनुमा दफन प्रणाली (मैदाम)	2024
13.	पट्टाडकल स्थित स्मारक समूह (कर्नाटक)	1987		**प्राकृतिक स्थल**	
14.	सांची स्थित बौद्ध स्मारक (मध्य प्रदेश)	1989	1.	काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क (असम)	1985
15.	हुमायूँ का मकबरा (दिल्ली)	1993	2.	मानस वन्यजीव अभयारण्य (असम)	1985
16.	कुतुबमीनार व सम्बद्ध स्मारक (दिल्ली)	1993	3.	केवलादेव राष्ट्रीय पार्क, भरतपुर (राजस्थान)	1985
17.	माउंटेन रेलवे (दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे)@	1999	4.	सुन्दरबन राष्ट्रीय पार्क (प. बंगाल)	1987
18.	बोधगया-स्थित महाबोधि मन्दिर (बिहार)	2002	5.	नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क* चमोली (उत्तराखण्ड)	1988
19.	भीम बेटका की गुफाएं (मध्य प्रदेश)	2003	6.	पश्चिमी घाट (सह्याद्रि पर्वत) (मुख्यतः केरल में)	2012
20.	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल, मुम्बई (महाराष्ट्र)	2004	7.	ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क	2014
21.	चम्पानेर पावागढ़ आर्कियोलॉजिकल पार्क (गुजरात)	2004		**मिश्रित स्थल**	
22.	दिल्ली का लाल किला (दिल्ली)	2007	1.	कंजनजंघा राष्ट्रीय पार्क (सिक्किम)	2016

* इसके विस्तार के रूप में चोला मन्दिर को 2004 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया.
@ इसके विस्तार के रूप में नीलगिरि रेलवे को 2005 में व कालका–शिमला रेलवे को 2008 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया.
# इसके विस्तार के रूप में वैली ऑफ फ्लॉवर्स राष्ट्रीय पार्क को 2005 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया.
** स्विस–फ्रेंच वास्तुकार ली कार्बूजियर की 7 विभिन्न देशों में स्थित कुल 17 कृतियों को वर्ष 2016 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया था, चंडीगढ़ स्थित कैपिटल कॉम्पलैक्स उनमें से ही एक है. 16 अन्य कृतियाँ 6 अन्य देशों—अर्जेन्टीना, फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी, जापान व स्विट्ज़रलैण्ड में स्थित हैं.

दुर्गम पहाड़ियों पर तैनाती के लिए देश में ही निर्माणाधीन हल्के टैंक जोरावर के परीक्षण

*पहाड़ी इलाकों में युद्ध की स्थिति में जरूरतों को देखते हुए भारत ने देश में ही स्वदेशी हल्के टैंक **जोरावर** (Zorawar) का उत्पादन किया है. परीक्षण की दौर में चल रहे इस टैंक के ताजा परीक्षण जुलाई 2024 में गुजरात में किए गए हैं. इस टैंक को मुख्यत: चीन की सीमा से लगे दुर्गम पहाड़ी इलाकों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर तैनात करने के लिए तैयार किया गया है, पूर्वी लद्दाख के ऊँचाई वाले क्षेत्रों में खड़ी पहाड़ियों पर चढ़ने में सक्षम इस तरह के टैंक चीन ने पहले ही इस क्षेत्र में तैनात कर रखे हैं. गलवान घाटी में चीन से झड़प के पश्चात् लद्दाख सीमा पर इस तरह के टैंक की जरूरत महसूस की जा रही थी. इसी परिप्रेक्ष्य में दो वर्ष से भी कम समय में देश में इस टैंक को परीक्षण के लिए तैयार किया गया है. केवल 25 टन वजन वाले इस टैंक का यह वजन टी-90 जैसे भारी टैंकों का आधा है तथा वायु सेना के सी-7 श्रेणी के विमान द्वारा एक समय में ऐसे दो टैंकों की आपूर्ति कहीं भी की जा सकती है.*

भारतीय सेना के लिए जोरावर टैंक का विकास रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) तथा निजी क्षेत्र की लार्सन एण्ड टुब्रो (L&T) द्वारा किया गया है. टैंक के प्रारम्भिक परीक्षण गुजरात में एल एण्ड टी के हजीरा स्थित संयंत्र पर किए जा रहे हैं. शीघ्र ही इन्हें सेना को परीक्षणों के लिए सौंपा जा सकता है. अभी सेना को ऐसे 59 टैंकों की आपूर्ति की जानी है. आगे 295 और ऐसे टैंक खरीदने की सेना की योजना है.

मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन के लिए हवाई लक्ष्य के रूप में इस्तेमाल हेतु विकसित 'अभ्यास' विमान का एक और सफल परीक्षण

*रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने विभिन्न मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन के लिए 'टारगेट' के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले विमान **अभ्यास** का सफल परीक्षण ओडिशा के चाँदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण केन्द्र (Integrated Test Range–ITR) के 27 जून, 2024 को किया. इस हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (High Speed Expendable Aerial Target-HEAT) **अभ्यास** विमान का उपयोग विभिन्न मिसाइल प्रणालियों के मूल्यांकन के लिए हवाई लक्ष्य के रूप में होता है. आवश्यकता पड़ने पर इसका इस्तेमाल दुश्मन को भुलावा देने के लिए नकली विमान के रूप में भी किया जा सकता है. तेज गति से उड़ने वाले अभ्यास विमान पर लगाया जाने वाला सटीक निशाना मिसाइल की क्षमता को प्रदर्शित करता है.*

रक्षा सूत्रों के अनुसार अभ्यास अब बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार है. अभ्यास नाम के इस टारगेट विमान का विकास डीआरडीओ के बेंगलुरु स्थित एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लेशमेंट द्वारा किया गया है तथा इसका निर्माण हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. तथा लार्सन एवं टुब्रो द्वारा किया गया है.

17 वर्ष की शानदार सेवा के पश्चात् यूएच-3एच हेलीकॉप्टर की नौसेना से विदाई

*भारतीय नौसेना में 17 वर्ष तक शानदार सेवाएं दे चुके यूएच-3एच हेलीकॉप्टर को जून-2024 को विशाखापट्टनम में आईएनएस डेगा (INS Dega–नौसेना का विशाखापट्टनम स्थित एक हवाई ठिकाना) पर आयोजित डी-इंडक्शन समारोह में विदाई दी. UH-3H हेलीकॉप्टर वर्ष 2007 में **आईएनएस जलाश्व** के साथ भारतीय तट पर लाए गए थे (आईएनएस जलाश्व अमेरिका से आयातित युद्धपोत था) इन्हें **सारस** नाम से भारतीय नौसेना की एयर स्क्वेड्रान INAS 350 में शामिल करते हुए विशाखापट्टनम INS Dega से सम्बद्ध किया गया था. अपतटीय प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, मानवीय सहायता व आपदा राहत संचालन व अन्य विशेष अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका इस बहुमुखी हेलीकॉप्टर ने निभाई.*

आईएनएस डेगा पर 28 जून को यूएच-3एच हेलीकॉप्टर की नौसेना से डी इंडक्शन सेरेमनी की अध्यक्षता नौसेना की पूर्वी कमान के चीफ ऑफ स्टॉफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना ने की. आईएनएस 350 में यूएच-3एच हेलीकॉप्टर को अब सी किंग 42 सी हेलीकॉप्टर से प्रतिस्थापित किया जाएगा.

नौसेना में सेवा समाप्ति के पश्चात् एक यूएच-3एच हेलीकॉप्टर को भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए विशाखापट्टनम में किसी प्रमुख स्थान पर स्थायी रूप से प्रदर्शित किया जाएगा.

बनने के बाद इसकी प्रासंगिकता समाप्त हो गई. इसके विपरीत 'गणतंत्र' की अवधारणा प्राचीन काल से भारतीय समाज में गहराई से निहित है, इसलिए इस आयोजन स्थल के लिए 'गणतंत्र मंडप' एक उपयुक्त नाम है.

इसके अलावा 'अशोक' से आशय एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के प्रतीक सम्राट अशोक से है. भारत गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ के अशोक का सिंह शिखर है. यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है जिसका भारतीय धार्मिक परम्पराओं के साथ-साथ कला और संस्कृति में भी गहरा महत्व है.' अशोक हॉल' का नाम बदलकर 'अशोक मंडप' करने से भाषा में एकरूपता आती है और 'अशोक' शब्द से जुड़े प्रमुख मूल्यों को बरकरार रखते हुए अंग्रेजीकरण के निशान मिट जाते हैं. ●●●

JHARKHAND
SSC
उपकार
झारखण्ड
कर्मचारी चयन आयोग
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग
क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा

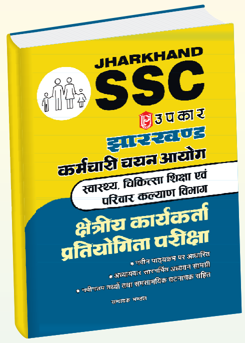

Code 2765 ₹ 405.00
सम्पादक मण्डल
* नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित
* अध्यायवार सारगर्भित अध्ययन सामग्री
* नवीनतम तथ्यों तथा समसामयिक घटनाचक्र सहित
उपकार प्रकाशन, आगरा
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- ब्रिटेन में संसदीय चुनावों में कंजरवेटिव पार्टी की करारी पराजय, 14 वर्ष के अंतराल के पश्चात् लेबर पार्टी की सत्ता में वापसी : कीर स्टार्मर नए प्रधानमंत्री
- चार माह के भीतर ही नेपाल में सत्ता हेतु गठबंधन परिवर्तन : नई साझा सरकार में के.पी. शर्मा ओली प्रधानमंत्री बने
- अमेरिकी राष्ट्रपति पद हेतु रिपब्लिकन उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा से 2 दिन पूर्व डोनाल्ड ट्रम्प पर जानलेवा हमला
- उदारवादी पेजेशकियन ईरान के नए राष्ट्रपति निर्वाचित
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की रूस व ऑस्ट्रिया की यात्रा
- चीन व भारत के विदेश मंत्रियों की द्विपक्षीय वार्ता : लद्दाख में एलएसी से सैन्य वापसी पर बल
- बिम्सटेक विदेश मंत्रियों का सम्मेलन नई दिल्ली में सम्पन्न
- शंघाई सहयोग संगठन का शिखर सम्मेलन कजाखस्तान में अस्ताना में सम्पन्न

ब्रिटेन में संसदीय चुनावों में कंजरवेटिव पार्टी की करारी पराजय, 14 वर्ष के अंतराल के पश्चात् लेबर पार्टी की सत्ता में वापसी : कीर स्टार्मर नए प्रधानमंत्री

ब्रिटेन में **हाउस ऑफ कॉमंस** (ब्रिटिश संसद का निचला सदन) के लिए आम चुनाव 4 जुलाई, 2024 को सम्पन्न हुए जिसमें निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली कंजरवेटिव पार्टी को करारी पराजय का सामना करना पड़ा है तथा सर कीर स्टार्मर (Keir Starmer) के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी ने भारी विजय प्राप्त कर सत्ता पर कब्जा किया है. लेबर पार्टी के स्टार्मर ने ही नए प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार वहाँ 5 जुलाई, 2024 से ही सँभाला है. इस चुनाव के परिणामस्वरूप 14 वर्ष के अंतराल के पश्चात् लेबर पार्टी की वहाँ सत्ता में वापसी हुई है. कीर स्टार्मर से पूर्व लेबर पार्टी के टोनी ब्लेयर 1997-2007 के दौरान एवं गोर्डन ब्राउन 2007-10 के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे थे तथा 2010 से अब तक (जून 2024 तक) कंजरवेटिव पार्टी का ही सत्ता पर कब्जा बरकरार रहा था. कंजरवेटिव पार्टी के भारतीय मूल के ऋषि सुनक 22 अक्टूबर, 2022 से ही प्रधानमंत्री बनाए गए थे. (44 वर्षीय ऋषि सुनक इन्फोसिस के संस्थापकों में से एक एन. आर. नारायणमूर्ति के दामाद हैं)

कीर स्टार्मर

जुलाई 2024 के आम चुनाव में स्टार्मर के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी 650 सदस्यीय सदन (हाउस ऑफ कॉमंस) में 411 सीटों पर विजयी रही है, जबकि कंजरवेटिव पार्टी की सीटों की संख्या 365 से घटकर 121 ही रह गई है, जो इसका अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है. तीसरी, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थिति में भी काफी सुधार इस चुनाव में हुआ है तथा उसकी सीटों की संख्या 11 से बढ़कर 72 हो गई है. 4 सीटें ग्रीन पार्टी के खाते में गई है. भारतीय मूल के 26 उम्मीदवार इस बार हाउस ऑफ कॉमंस के लिए निर्वाचित हुए हैं. पिछले 2019 के चुनाव में भारतीय मूल के 15 उम्मीदवार जीते थे.

कीर स्टार्मर ने अपनी नई सरकार में एंजेला रेनर (Angela Rayner) को उप-प्रधानमंत्री बनाया है, जबकि राचेल रीव्स (Rachel Reeves) को वित्त मंत्री (Chancellor of Exchequer) का दायित्व सौंपा गया है. राचेल रीव्स ब्रिटेन में पहली महिला वित्त मंत्री हैं. डेविड लेमी (David Lammy) को विदेश मंत्रालय (Secretary of State for Foreign and Development Affair) तथा येत्ते कूपर (Yvette Cooper) को गृह मंत्रालय (Secretary of State for Home Department) का दायित्व प्रधानमंत्री ने सौंपा है.

विगत वर्षों में लेबर पार्टी की नीतियाँ भारत को असहज करने वाली यद्यपि रही हैं, तथापि आशा की जा रही है कि आने वाले वर्षों में भारत व ब्रिटेन के आपसी सम्बन्ध पहले जैसे ही बने रहेंगे. अपने चुनाव अभियान के दौरान भारत के साथ सम्बन्धों को बढ़ावा देने, आर्थिक साझेदारी मजबूत करने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान व जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों पर सहयोग में वृद्धि करने की प्रतिबद्धता अपने चुनाव घोषणा-पत्र में पार्टी के नेता स्टार्मर ने जताई थी. भारत के साथ नए सिरे से रणनीतिक साझेदारी के पक्षधर कीर स्टार्मर ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते का पक्ष भी अपने चुनाव अभियान के दौरान लिया था. आम चुनावों में उनकी पार्टी की शानदार जीत के बाद 61 वर्षीय स्टार्मर के प्रधानमंत्री बनने पर उन्हें बधाई देते हुए भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के लिए उनके सकारात्मक एवं रचनात्मक सहयोग की आशा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने व्यक्त की है.

चार माह के भीतर ही नेपाल में सत्ता हेतु गठबंधन परिवर्तन : नई साझा सरकार में के.पी. शर्मा ओली प्रधानमंत्री बने

नवम्बर 2022 के आम चुनावों के पश्चात् राजनीतिक उथल-पुथल का शिकार रहे नेपाल में राजनीतिक जोड़-तोड़ के पश्चात् एक बार पुनः सत्ता परिवर्तन जुलाई 2024 में हुआ है. **अभी चार माह पूर्व ही शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस से गठबंधन तोड़ कर के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व**

वाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) (CPN-UML) के साथ गठबंधन प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड की नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केन्द्र)–CPN (MC) ने किया था जिससे 16 माह से विपक्ष में रही CPN-UML सत्ता में भागीदार हो गई थी, जबकि सत्ता में भागीदार रही नेपाली कांग्रेस विपक्ष में आ गई थी. इन तीनों बड़ी पार्टियों में 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में सर्वाधिक 89 सीटें नेपाली कांग्रेस के पास, तथा 78 सीटें सीपीएन (यूएमएल) के पास हैं, जबकि पुष्पकमल दहल के नेतृत्व वाली सीपीएन (एमसी) की सीटों की संख्या 32 ही है. **इस स्थिति में भी पहले शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस के साथ तथा बाद में के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन (यूएमएल) के साथ गठबंधन करके प्रचंड प्रधानमंत्री बने हुए थे.**

के.पी. शर्मा ओली

इस स्थिति ने एक बार पुनः पलटी जुलाई 2024 में मारी है, जब सरकार के गठन के लिए नेपाली कांग्रेस व सीपीएन (यूएमएल) ने गठबंधन किया है. 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में इन दोनों के सांसदों की कुल संख्या 167 (89 + 78) है, जो बहुमत सरकार के गठन के लिए आवश्यक 138 से काफी अधिक हैं. ऐसे में पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' की सरकार ने विश्वास मत खो दिया तथा नेपाली कांग्रेस व सीपीएन (यूएमएल) गठबंधन के नेता चुने गए के.पी. शर्मा ओली (खड्ग प्रसाद शर्मा ओली) को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री पद की शपथ 15 जुलाई, 2024 को दिलाई. उनकी सरकार में नेपाली कांग्रेस व सीपीएन (यूएमएल) से एक-एक उप-प्रधानमंत्री बनाए गए हैं. **नई सरकार के गठन के लिए दोनों पार्टियों के बीच हुए समझौते के तहत् 3 वर्ष के शेष बचे कार्यकाल में के.पी. शर्मा ओली (सीपीएन-यूएमएल) तथा शेर बहादुर देउबा (नेपाली कांग्रेस) बारी-बारी से डेढ़-डेढ़ वर्ष के लिए प्रधानमंत्री पद सँभालेंगे.** इस प्रकार, अब डेढ़ वर्ष पश्चात् शेर बहादुर देउबा के प्रधानमंत्री बनने की बारी होगी. 72 वर्षीय के.पी. शर्मा ओली तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने हैं. वह इससे पूर्व अक्टूबर 2015–अगस्त 2016 के दौरान तथा फरवरी 2018–जुलाई 2021 के दौरान प्रधानमंत्री रह चुके हैं.

नव नियुक्त प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के बधाई संदेश के प्रत्युत्तर में 15 जुलाई को ही कहा है कि वह भारत-नेपाल सम्बन्धों को मजबूत करने व द्विपक्षीय सम्बन्धों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए अपने भारतीय समकक्ष श्री नरेन्द्र मोदी के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

अमेरिकी राष्ट्रपति पद हेतु रिपब्लिकन उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा से 2 दिन पूर्व डोनाल्ड ट्रम्प पर जानलेवा हमला

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनावों की तैयारियों के बीच एक अत्यधिक सनसनीखेज घटना के तहत् राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को जानलेवा गोली का निशाना 13 जुलाई, 2024 को उस समय बनाया गया जब वह पेनसिल्वेनिया प्रान्त के बटलर शहर में एक चुनावी सभा को सम्बोधित कर रहे थे. चुनाव रैली के मंच से मात्र लगभग 140 मीटर दूर एक इमारत से चलाई गई गोलियों में से एक गोली उनके कान को छूती हुई निकल गई जिससे उनका कान चोटिल भी हुआ. हमले के समय चुनाव रैली में हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे. इनमें से एक व्यक्ति गोली का निशाना भी बना. हमला होते ही यूएस सीक्रेट सर्विस के एजेंट ट्रम्प को सुरक्षा घेरे में लेकर सुरक्षित स्थान पर ले गए. हमलावर, जिसकी पहचान 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में हो सकी, भी सीक्रेट सर्विस एजेंट की गोली से मारा गया. क्रुक्स द्वारा किए गए हमले का कोई कारण या किसी मामले से उसके सम्बन्ध आदि के बारे में कोई जानकारी पुलिस नहीं जुटा सकी है. ट्रम्प पर हुए इस जानलेवा हमले की अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन व भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित विश्वभर के नेताओं ने कड़ी निन्दा की है. हमले के पश्चात् उनसे बात कर उनकी सेहत की जानकारी राष्ट्रपति बाइडन ने ली है.

गोली से घायल डोनाल्ड ट्रम्प

चुनावी रैली में डोनाल्ड ट्रम्प पर यह हमला ऐसे समय हुआ जब दो दिन बाद ही रिपब्लिकन पार्टी द्वारा उन्हें अपना उम्मीदवार घोषित किया जाना था. पूर्व योजनानुसार 15 जुलाई, 2024 को रिपब्लिकन पार्टी की नेशनल कन्वेंशन में पार्टी ने नवम्बर 2024 में होने वाले चुनावों के लिए डोनाल्ड ट्रम्प को राष्ट्रपति पद हेतु अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया. इससे पूर्व ओहियो से सीनेटर 39 वर्षीय जेडी वेंस (J.D. Vance) को उपराष्ट्रपति पद के लिए ट्रम्प ने नामित किया. पूर्व वर्षों में डोनाल्ड ट्रम्प के आलोचक रहे जेडी वेंस 2016 में अपनी आत्मकथा ***'हिलबिली एलेजी'*** *के प्रकाशन के बाद बहुचर्चित हुए थे. बाद में वह उनके विश्वसनीय सहयोगी बने. वेंस की पत्नी उषा चिलुकुरी भारतीय मूल की हिन्दू महिला हैं. उनके माता-पिता 1970 के दशक में अमेरिका जा बसे थे तथा उषा का जन्म 1986 में सैन डियागो में ही हुआ था.*

उदारवादी पेजेशकियन ईरान के नए राष्ट्रपति निर्वाचित

जुलाई 2024 में ईरान में सम्पन्न चुनाव में उदारवादी मसूद पेजेशकियन (Masoud Pezeshkian) नए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं. इस चुनाव के तहत् राष्ट्रपति पद के लिए 5 जुलाई को सम्पन्न दूसरे दौर के मतदान में कट्टरपंथी माने जाने वाले सईद जलीली (Saeed Jalili) को उन्होंने पराजित किया. दूसरे दौर के मतदान में 54·76 प्रतिशत मत पेजेशकियन को मिले, जबकि जलीली 45·26 प्रतिशत मत ही प्राप्त कर सके. इस चुनाव के लिए पहले दौर में मतदान 28 जून, 2024 को कराया गया था, जिसमें उपर्युक्त दोनों के अतिरिक्त दो अन्य उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में थे. केवल 39·9 प्रतिशत मतदाताओं ने ही उस दौर में अपने मताधिकार का प्रयोग किया. किसी भी उम्मीदवार को निर्वाचन के लिए आवश्यक 50 प्रतिशत मत न मिलने के कारण दूसरे दौर का मतदान 5 जुलाई को कराया गया जिसमें, पहले दौर में पहले दो स्थानों पर रहे उम्मीदवारों में से ही किसी एक को मतदाताओं को चुनना था. दूसरे दौर के मतदान में 54·76 प्रतिशत मत प्राप्त करने वाले पेजेशकियन ने विजय दर्ज की. हिजाब विरोधी व सुधारवादी नेता पेजेशकियन को 1·63 करोड़ मत इस चुनाव में प्राप्त हुए, जबकि कट्टरपंथी सईद जलीली को 1·35 करोड़ मत मिले.

राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन

पेशे से हृदय रोग सर्जन रहे पेजेशकियन 1997 में देश के स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं. पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी के समर्थक रहे पेजेशकियन पश्चिमी देशों के साथ सम्बन्धों के भी पक्षधर रहे हैं. भारत के प्रति उनकी सोच भी सकारात्मक मानी जाती है. इससे ईरान व

भारत के सम्बन्धों में सुदृढ़ता बनी रहने की सम्भावना है. भारत में ईरानी राजदूत इराज इलाही का मानना है कि नए राष्ट्रपति मिलने के बाद भी ईरान की विदेश नीति व आंतरिक नीति में कोई परिवर्तन नहीं होगा.

ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए यह चुनाव निर्धारित समय से पूर्व ही राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के 19 मई, 2024 को एक विमान दुर्घटना में निधन के कारण कराए गए थे. नए निर्वाचित राष्ट्रपति पेजेशकियन द्वारा अगस्त 2024 में शपथ लेने की सम्भावना है.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की रूस व ऑस्ट्रिया की यात्रा

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 8-9 जुलाई, 2024 को रूस की यात्रा की

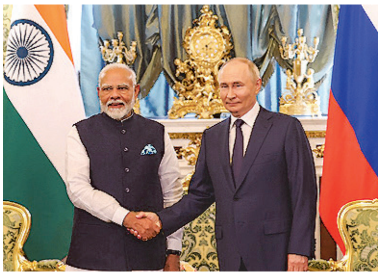

क्रेमलिन में रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जिसके पश्चात् 9-10 जुलाई को ऑस्ट्रिया की यात्रा पर वह रहे. **रूस की उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच वर्ष 2000 से शुरू हुए वार्षिक शिखर बैठक के सिलसिले में थी. इस व्यवस्था के तहत् दोनों देशों के शासन प्रमुख प्रतिवर्ष एक-दूसरे के यहाँ शिखर बैठक हेतु बारी-बारी से जाते हैं.** पिछले दो वर्षों 2022 व 2023 में यह शिखर बैठक नहीं हो सकी थी तथा उससे पूर्व दिसम्बर 2021 में रूसी राष्ट्रपति पुतिन शिखर वार्ता के लिए कुछ घण्टों के लिए ही भारत आए थे, जो इस व्यवस्था के तहत् 21वीं शिखर बैठक थी. उससे पूर्व 20वीं शिखर वार्ता के लिए भारतीय प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रूस की यात्रा 2019 में की थी जब व्लादिवोस्तक में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग उन्होंने लिया था. **इस प्रकार प्रधानमंत्री के रूप में श्री मोदी की 5 वर्ष के अंतराल के पश्चात् रूस की यह यात्रा थी.** तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् श्री मोदी की यह पहली ही द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी थी (इससे पूर्व जी-7 शिखर सम्मेलन में भागीदारी के लिए जून 2024 में इटली की यात्रा उन्होंने की थी).

ताजा यात्रा पर रूस में मॉस्को के निकट वनुकोवो (VNUKOVO) अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर के साथ श्री मोदी

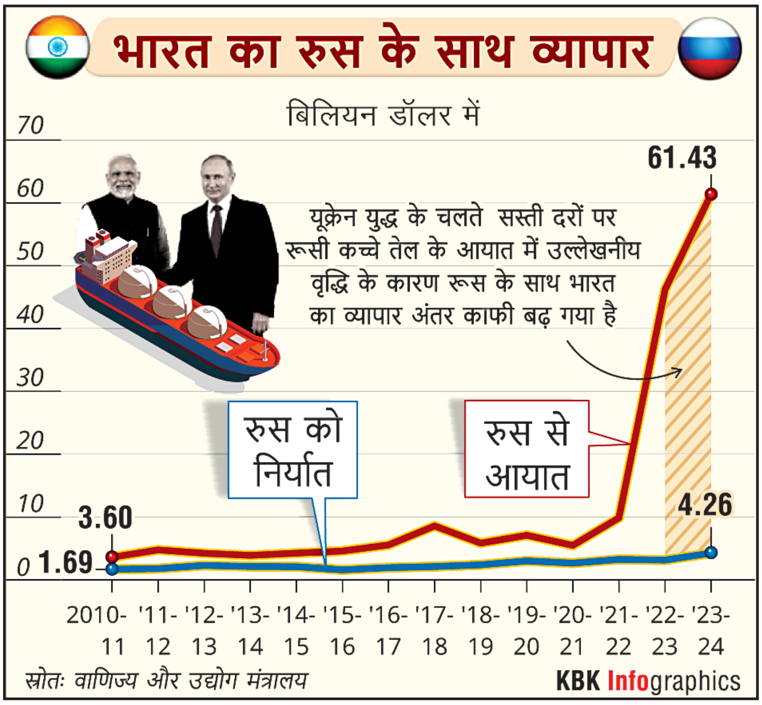

की अगवानी रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव ने की. मेजबान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उनका स्वागत राष्ट्रपति भवन में किया जहाँ उनके रात्रिभोज की मेजबानी भी पुतिन ने की. इस अवसर पर हुई बातचीत में उन भारतीयों की स्वदेश वापसी का मुद्दा श्री मोदी ने उठाया जिन्हें रोजगार देने के बहाने रूस बुलाकर यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध में तैनात कर दिया गया. इससे पूर्व मॉस्को में भारतीय समुदाय के एक समूह को भी श्री मोदी ने सम्बोधित किया. **श्री मोदी इससे 9 वर्ष पूर्व 2015 में मॉस्को गए थे.**

मॉस्को में 9 जुलाई को क्रेमलिन में मेजबान राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता से पूर्व श्री मोदी ने अज्ञात सैनिक के मकबरे (Tomb of the unknown Soldier) पर पुष्पांजलि भी अर्पित की. इस बार दोनों नेताओं में सैन्य सहयोग से ज्यादा आर्थिक, वाणिज्यिक, कनेक्टिविटी व ऊर्जा आदि पर चर्चा वार्ता के दौरान हुई. **वार्ता के मुद्दों से यह संकेत मिलता है कि दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में सम्बन्ध प्राथमिकता में नीचे आ गए हैं तथा आर्थिक एजेंडा अब अधिक-से-अधिक महत्वपूर्ण होने लगा है.** यूक्रेन युद्ध के दौरान अमेरिका व पश्चिमी देशों की आपत्तियों को दरकिनार कर भारत ने भारी मात्रा में कच्चे तेल की खरीद रूस से की है. इससे भारत को अपेक्षाकृत सस्ते मूल्यों पर तेल जहाँ उपलब्ध हुआ वहीं युद्ध लड़ रहे रूस को विदेशी मुद्रा उपलब्ध हो सकी. **इससे दोनों देशों के व्यापार में भी तीव्र वृद्धि इन वर्षों में हुई है.** वर्ष 2021 में 21वीं शिखर वार्ता में द्विपक्षीय व्यापार को 2025 तक 25 अरब डॉलर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जो अब 65 अरब डॉलर का हो चुका है तथा 2030 तक इसे बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य अब रखा गया है. भारत की जरूरतों के परिप्रेक्ष्य में लम्बी अवधि तक कच्चे तेल, कोयले व उर्वरकों की आपूर्ति के लिए सहमति रूस ने दी है. ऑटोमोबाइल, शिप बिल्डिंग व ट्रांसपोर्ट के क्षेत्र में सहयोग के लिए सम्भावनाएं तलाशने तथा रूसी रक्षा उपकरणों के लिए आवश्यक कल-पुर्जों का निर्माण भारत में ही करने को सहमति दोनों देशों में हुई है. आपसी कारोबार में वृद्धि के लिए गैर-शुल्कीय बाधाएं समाप्त करने, आपसी कारोबार को अपनी मुद्राओं में ही प्रबंधित तथा यूरेशियाई देशों के साथ स्वतंत्र व्यापार की सम्भावनाओं पर बातचीत करने को दोनों पक्ष सहमत हुए हैं. **द्विपक्षीय व्यापार सम्बर्द्धन के लिए रूस के दो शहरों—कजान (Kazan) व येकातेरिन बर्ग (Yekaterin burg) में नए भारतीय वाणिज्यिक दूतावास (Consulates) खोलने की घोषणा प्रधानमंत्री श्री मोदी ने की. भारत के ऐसे दो वाणिज्य दूतावास रूस में पहल ही सेंट पीटर्सबर्ग व व्लादिवोस्तक में हैं.**

यूक्रेन युद्ध के मामले में चर्चा करते हुए भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि बमों, गोलियों व बंदूकों के बीच शांति सम्भव नहीं है. उन्होंने विश्वासपूर्वक कहा कि भारत शांति का पक्षधर है तथा यूक्रेन में युद्ध रोकने के लिए हर सम्भव सहयोग के लिए तैयार है. नई पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए उन्होंने शांति को आवश्यक बताया.

मॉस्को प्रवास के दौरान श्री मोदी को भारत व रूस के बीच द्विपक्षीय सम्बन्धों को

बढ़ावा देने में असाधारण योगदान के लिए रूस के सर्वोच्च राजकीय सम्मान–**ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल** (The Order of St. Andrew the Apostle) से राष्ट्रपति पुतिन ने सम्मानित किया. श्री मोदी को यह सम्मान प्रदान करने की घोषणा रूस द्वारा 2019 में ही की गई थी. प्रधानमंत्री ने यह सम्मान देशवासियों को ही समर्पित किया. प्रधानमंत्री श्री मोदी रूस के 300 वर्ष पुराने इस सम्मान से सम्मानित किए जाने वाले पहले भारतीय हैं.

रूस की दो दिन की यात्रा के पश्चात् 9 जुलाई को ही श्री मोदी ऑस्ट्रिया की राजधानी विएना (Vienna) पहुँचे. भारत व ऑस्ट्रिया के राजनयिक सम्बन्ध 1949 में

ऑस्ट्रिया में चांसलर कार्ल नेहमर के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

स्थापित हुए थे, जिसके 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ऑस्ट्रिया की यह यात्रा श्री मोदी ने की. **वैसे 41 वर्ष के अंतराल के पश्चात् किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रिया की यह यात्रा थी. 41 वर्ष पूर्व 1983 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी ने ऑस्ट्रिया की यात्रा की थी. वह उससे पूर्व 1971 में भी ऑस्ट्रिया की यात्रा पर गईं थी तथा उनसे पूर्व 1955 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू ऑस्ट्रिया की यात्रा पर गए थे.** भारत के राष्ट्रपतियों में 1999 में तत्कालीन राष्ट्रपति के. आर. नारायणन ने व 2011 में तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने ऑस्ट्रिया की यात्रा की थी. ऑस्ट्रिया की ओर से वहाँ के राष्ट्रपति हैज फिचर 2005 में भारत की यात्रा पर आए थे.

ताजा यात्रा पर विएना पहुँचने पर हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री की अगवानी ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री एलेक्जेंडर शालेन बर्ग (Alexander Schallen barg) ने गार्ड ऑफ ऑनर के साथ की. इसी शाम होटल में जहाँ वह ठहरे हुए थे, वंदे मातरम् की विशेष प्रस्तुति उनके स्वागत में हुई. ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर (Karl Nehammer) के साथ आपसी सम्बन्धों पर श्री मोदी की वार्ता 10 जुलाई को हुई. चांसलर नेहमर के साथ प्रतिनिधिमण्डल स्तर की वार्ता में पारस्परिक सहयोग के विभिन्न मुद्दे शामिल थे. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, एआई, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन के अतिरिक्त व्यापार एवं निवेश के मुद्दे इनमें शामिल थे. व्यापार वृद्धि की महत्वपूर्ण सम्भावनाओं पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया. पिछले वर्ष भारत से ऑस्ट्रिया के लिए निर्यात 1·52 अरब डॉलर तथा आयात 1·41 अरब डॉलर रहा था. संयुक्त राष्ट्र संघ व अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं में सुधारों के लिए सहमति जताते हुए अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर परस्पर सहयोग के लिए विश्वास दिलाते हुए ऑस्ट्रियाई चांसलर ने कहा कि एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में ऑस्ट्रिया एक तटस्थ एवं यूरोपीय संघ के गैर-नाटो सदस्य के रूप में बातचीत के लिए उपलब्ध रहेगा. पारस्परिक सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वैन डेर बैलन (Alexander Van Der Bellen) के साथ भी वार्ता श्री मोदी की हुई.

10 जुलाई को ही भारत-ऑस्ट्रिया के प्रतिष्ठित वाणिज्यिक सीईओ की राउंड टेबल बिजनेस मीट को प्रधानमंत्री श्री मोदी व चांसलर नेहमर सम्बोधित किया. इस बैठक में ऑस्ट्रियाई कम्पनियों को भारत में निवेश के लिए श्री मोदी ने आमंत्रित किया. विएना में कुछ अन्य हस्तियों के साथ भी श्री मोदी की मुलाकात हुई. नोबेल विजेता एंटन जीलिंगर इनमें शामिल थे. 2 दिन के विएना प्रवास के पश्चात् स्वदेश वापसी से पूर्व ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति एवं चांसलर को भारत की यात्रा के लिए निमंत्रण भी भारतीय प्रधानमंत्री ने दिया.

शिखर सम्मेलन में भारत के विदेशी मंत्री का सम्बोधन

सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भाषण पढ़ा जिसमें संगठन के नए सदस्य के रूप में बेलारूस का स्वागत किया गया. विशेषतः पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए इन देशों को अलग-थलग और बेनकाब करने का आह्वान इसमें किया गया जो आतंकियों को पनाह देकर आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं. आतंकवाद से लड़ाई को एससीओ के मूल उद्देश्यों में से एक बताते हुए उन्होंने कहा कि इस पर यदि अंकुश नहीं लगाया गया तो यह क्षेत्रीय एवं वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा बन सकता है. चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को लेकर उन्होंने चीन को लक्ष्य करते हुए कहा कि कनेक्टिविटी व बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिए सम्प्रभुता व क्षेत्रीय अखण्डता का सम्मान भी आवश्यक है. उन्होंने कहा कि हम अपनी विदेश नीति के आधार के रूप में सम्प्रभुता, स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता, समानता और पारस्परिक लाभ के पहलू पर कायम हैं. साथ ही, अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप न करने, बल प्रयोग न करने तथा परस्पर सम्मान को दोहराते हैं.

चीन व भारत के विदेश मंत्रियों की द्विपक्षीय वार्ता : लद्दाख में एलएसी से सैन्य वापसी पर बल

कजाखस्तान में अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन से इतर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर व चीनी विदेश मंत्री वांग यी (Wang Yi) के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी 4 जुलाई, 2024 को हुई. मौजूदा सदी में दुनिया में हो रहे तेज

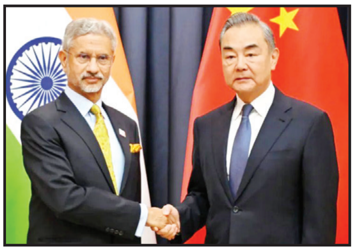

अस्ताना में द्विपक्षीय वार्ता के अवसर पर चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर

बदलावों के परिप्रेक्ष्य में भारत व चीन के लिए अच्छी पड़ोसी मित्रता कायम रखने तथा समान विकास हासिल करने के लिए सहमति दोनों पक्षों में रही, किन्तु भारत की ओर से यह स्पष्ट बता दिया गया है कि दोनों देशों के बीच स्थायी शांति के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) का सम्मान करना बहुत आवश्यक है. दोनों विदेश मंत्रियों के बीच लगभग 1 घण्टे तक चली यह बातचीत हाल ही के दिनों में दोनों देशों के बीच सबसे लम्बी कूटनीतिक वार्ता थी. वार्ता के पश्चात् चीनी विदेश मंत्रालय की एक टिप्पणी में कहा गया है कि पंचशील सिद्धान्त के तहत् दोनों बड़े पड़ोसियों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए. भारत व चीन को ग्लोबल साउथ के दो बड़े देश बताते हुए इन्हें विकसित देशों के दबाव में नहीं आने की बात चीनी विदेश मंत्रालय की टिप्पणी में कही गई है.

लद्दाख में सैन्य तैनाती की समाप्ति व द्विपक्षीय सम्बन्ध सामान्य बनाने की दिशा में कूटनीतिक व सैन्य चैनलों से अड़चनों को दूर करने के लिए दोगुने प्रयास करने में सहमति दोनों विदेश मंत्रियों में रही. दोनों पक्षों ने स्वीकार किया कि सीमा पर शांति बहाली व एलएसी का सम्मान करना बहुत आवश्यक है.

बिम्सटेक विदेश मंत्रियों का सम्मेलन नई दिल्ली में सम्पन्न

बंगाल की खाड़ी के आस-पास स्थित सात देशों के समूह बिम्सटेक (BIMSTEC–Bay of Bengal Initiative for Multi-sectoral Technical and Economic Cooperation) के विदेश मंत्रियों का 2 दिवसीय सम्मेलन नई दिल्ली में 11-12 जुलाई, 2024 को सम्पन्न हुआ. विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मेजबानी एवं अध्यक्षता में सम्पन्न इस सम्मेलन का उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा, कनेक्टिविटी, व्यापार एवं निवेश आदि के विस्तार पर अनौपचारिक विचार-विमर्श करना था. संगठन के विदेश मंत्रियों का ऐसा पहला सम्मेलन बैंकॉक में 17 जुलाई, 2023 को हुआ था. संगठन के देशों (**भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार व थाइलैण्ड**) के विदेश मंत्रियों की बैठक को सम्बोधित करते हुए मेजबान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि इन देशों में सहयोग की अपार सम्भावनाएं हैं, जिनका अभी तक ठीक तरह से दोहन नहीं किया गया है. इस क्षेत्र में मौजूद अवसरों को बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने को सभी सदस्य देशों के लिए एक चुनौती उन्होंने बताया. भारत के लिए बिम्सटेक देशों के साथ सम्बन्धों को **नेबरहुड फर्स्ट** (Neighbourhood First) **एक्ट ईस्ट,** व **सागर** (SAGAR–Security and Growth for All in the Region) नीतियों का ही हिस्सा बताया और कहा कि हमारा इरादा इस संगठन को और मजबूत बनाने और इसमें नई ऊर्जा का संचार करना होना चाहिए ताकि बाद में होने वाले शिखर सम्मेलन में ठोस फैसले लिए जा सकें. इसी बिम्सटेक का अगला (छठा) शिखर सम्मेलन सितम्बर 2024 में थाइलैण्ड में बैंकॉक में प्रस्तावित है, जबकि पिछला पाँचवाँ शिखर सम्मेलन श्रीलंका की मेजबानी में 30 मार्च, 2022 को वर्चुअल तरीके से हुआ था. थाइलैण्ड ही बिम्सटेक का मौजूदा अध्यक्ष है इसलिए अगला छठा शिखर सम्मेलन उसकी मेजबानी में ही होना है.

नई दिल्ली में बिम्सटेक के सदस्य राष्ट्रों के विदेश मंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

बिम्सटेक राष्ट्रों के विदेश मंत्रियों ने 12 जुलाई को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से संयुक्त रूप से मुलाकात की. कनेक्टिविटी, ऊर्जा, व्यापार, स्वास्थ्य, कृषि, विज्ञान, सुरक्षा तथा लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा उन्होंने विदेश मंत्रियों के साथ की. 2 दिवसीय बैठक के समापन पर इसे अत्यधिक उपयोगी सम्मेलन विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया.

शंघाई सहयोग संगठन का शिखर सम्मेलन कजाखस्तान में अस्ताना में सम्पन्न

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) का 24वाँ शिखर सम्मेलन (संगठन के राष्ट्र प्रमुखों की परिषद्—(Council of Heads of States) का सम्मेलन कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में 3-4 जुलाई, 2024 को सम्पन्न हुआ. कजाख राष्ट्रपति कासिम जोमार्ट टोकायेव (Kassym Jomart Tokayev) की मेजबानी में सम्पन्न इस सम्मेलन में समूह के सदस्य राष्ट्रों—उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोएव (Shavkat Mirziyoyev), रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन (Vladimir Putin), चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग (Xi Jinping), कजाखस्तान के राष्ट्रपति कासिम जोमार्ट (Kassym Jomart), किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सदिर जापारोव (Sadyr Japarov), ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान (Emomali Rahmon) व पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ (Shehbaz Sharif), ईरान के कार्यवाहक राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबेर (Mohammad Mokhber) तथा नए दसवें सदस्य बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको (Alexander Lukashenko) उपस्थित थे. घरेलू व्यस्तता के कारण भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस शिखर सम्मेलन में उपस्थित न हो सके तथा भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने किया. पर्यवेक्षक (Observer) का दर्जा प्राप्त मंगोलिया के राष्ट्रपति, तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति मेहमान के रूप में तथा संगठन के वार्ताकार राष्ट्रों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन		
क्र.	**वर्ष**	**आयोजन स्थल**
1.	2001	शंघाई (चीन)
2.	2002	सेंट पीटर्सबर्ग (रूस)
3.	2003	मॉस्को (रूस)
4.	2004	ताशकंद (उज्बेकिस्तान)
5.	2005	अस्ताना (कजाखस्तान)
6.	2006	शंघाई (चीन)
7.	2007	बिश्केक (किर्गिस्तान)
8.	2008	दुशांबे (ताजिकिस्तान)
9.	2009	येकाटेरिनबर्ग (रूस)
10.	2010	ताशकंद (उज्बेकिस्तान)
11.	2011	अस्ताना (कजाखस्तान)
12.	2012	बीजिंग (चीन)
13.	2013	बिश्केक (किर्गिस्तान)
14.	2014	दुशांबे (ताजिकिस्तान)
15.	2015	ऊफा (Ufa) (रूस)
16.	2016	ताशंकद (उज्बेकिस्तान)
17.	2017	अस्ताना (कजाखस्तान)
18.	2018	किंगदाओ (चीन)
19.	2019	बिश्केक (किर्गिस्तान)
20.	2020	रूस की मेजबानी में वर्चुअल मोड में सम्पन्न
21.	2021	दुशांबे (ताजिकिस्तान की मेजबानी में वर्चुअल मोड़ में सम्पन्न
22.	2022	समरकंद (उज्बेकिस्तान)
23.	2023	भारत की मेजबानी में वर्चुअल मोड में सम्पन्न
24.	2024	अस्ताना (कजाखस्तान)
25.	2025	चीन (प्रस्तावित)

एससीओ शिखर सम्मेलन में उपस्थित नेताओं का ग्रुप फोटो

शंघाई सहयोग संगठन : संक्षिप्त परिचय

- *मध्य एशिया में सुरक्षा चिन्ताओं के परिप्रेक्ष्य में पारस्परिक सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से शंघाई फाइव नाम से एक समूह की स्थापना रूस, चीन, किर्गिस्तान, कजाखस्तान व ताजिकिस्तान द्वारा अप्रैल 1996 में शंघाई में की गई थी. यह पाँचों देश शंघाई-फाइव के संस्थापक राष्ट्र थे. बाद में 2001 में उज्बेकिस्तान को इस समूह में शामिल कर इसका नाम भी शंघाई सहयोग संगठन किया गया.* ***इस प्रकार शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की औपचारिक स्थापना 15 जून, 2001 को हुई मानी जाती है.***
- ***भारत व पाकिस्तान को 9 जून, 2017 से इस संगठन का सदस्य बनाया गया था, जिससे एससीओ के सदस्यों की कुल संख्या 8 हो गई थी. वर्ष 2023 में ईरान तथा इस वर्ष 2024 में बेलारूस को भी शामिल किए जाने से इसके सदस्यों की संख्या 10 हो गई है.***
- *मंगोलिया को पर्यवेक्षक का दर्जा इसमें प्रदान किया गया है.*
- *आर्मेनिया, अजरबेजान, बहरीन कम्बोडिया, मिस्र, कुवैत, मालदीव, म्यांमार, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, श्रीलंका व तुर्किये को* ***वार्ता भागीदार*** *(Dialogue Partner) का दर्जा संगठन में प्राप्त है.*
- *शंघाई सहयोग संगठन के अस्तित्व में आने के पश्चात् उसका पहला ही विस्तार 2017 में हुआ था, जिसके तहत् भारत व पाकिस्तान को इसका सदस्य बनाया गया था. 2024 में बेलारूस इस संगठन का दसवाँ सदस्य बना है.*
- *आर्थिक सहयोग, ऊर्जा के क्षेत्र में साझेदारी तथा सांस्कृतिक, वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ आतंकवाद, अलगाववाद, उग्रवाद व नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध संघर्ष इस संगठन के उद्देश्यों में शामिल है.*
- *शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के सदस्य देशों की कुल जनसंख्या विश्व की कुल जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत, कुल भूभाग विश्व के कुल भूमि का 22 प्रतिशत तथा इनकी अर्थव्यवस्था का कुल आकार वैश्विक अर्थव्यवस्था का 30 प्रतिशत है.*

सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में सभी उपस्थित हस्तियों का स्वागत करते हुए एससीओ को एक ग्लोबल इकोनॉमिक प्लेटफॉर्म बनाने का आह्वान मेजबान राष्ट्रपति कासिम जोमार्ट टोकायेव ने किया. बेलारूस को आधिकारिक तौर पर संगठन की सदस्यता उद्घाटन समारोह में ही दिलाई गई. बेलारूस इस समूह का 10वाँ सदस्य है.

"Strengthening Multilateral Dialogue Striving Towards a Sustainable Peace and Prosperity" इस वर्ष इस शिखर सम्मेलन की थीम थी. क्षेत्रीय स्थिरता व स्थिरता को बढ़ावा, आतंकवाद, उग्रवाद व साइबर अपराध से निपटने के लिए रणनीतियों पर चर्चा, आर्थिक और व्यापारिक सहयोग के साथ-साथ सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग को बढ़ावा तथा पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान आदि इस सम्मेलन के मुख्य मुद्दों में शामिल थे. डिजिटल कनेक्टिविटी व क्षेत्रीय सम्पर्क की मजबूती भी सम्मेलन के उद्देश्यों में शामिल थे.

सम्मेलन में विभिन्न चर्चाओं के पश्चात् अस्ताना घोषणा-पत्र के अतिरिक्त ऊर्जा, वित्त व्यापार, सुरक्षा व सूचना सुरक्षा आदि सहित 25 रणनीतिक समझौतों को मंजूरी सम्मेलन में दी गई. क्षेत्रीय विकास के लिए 2035 तक एससीओ विकास रणनीति को सर्वसम्मति से अपनाया गया जिसमें आतंकवाद व उग्रवाद के विरुद्ध संघर्ष, ऊर्जा सहयोग, पर्यावरणीय सहयोग तथा आर्थिक विकास के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के प्रस्ताव शामिल हैं. अवैध नशीली दवाओं की तस्करी से निपटने के लिए भी एक प्रस्ताव सम्मेलन में स्वीकार किया गया. सदस्य देशों के शासन प्रमुखों की आपसी मुलाकातों में द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा भी की गई. यूक्रेन युद्ध के सिलसिले में यह वार्ताएं भी महत्वपूर्ण रही. भारत व चीन के रक्षा मंत्रियों की भी द्विपक्षीय वार्ता इस अवसर पर हुई.

एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद् का आगामी सम्मेलन (शिखर सम्मेलन) अगले वर्ष 2025 में चीन में प्रस्तावित है. ●●●

आर्थिक परिदृश्य
वर्तमान एवं भविष्य

- आर्थिक समीक्षा 2023-2024
- केन्द्रीय बजट : 2024-25

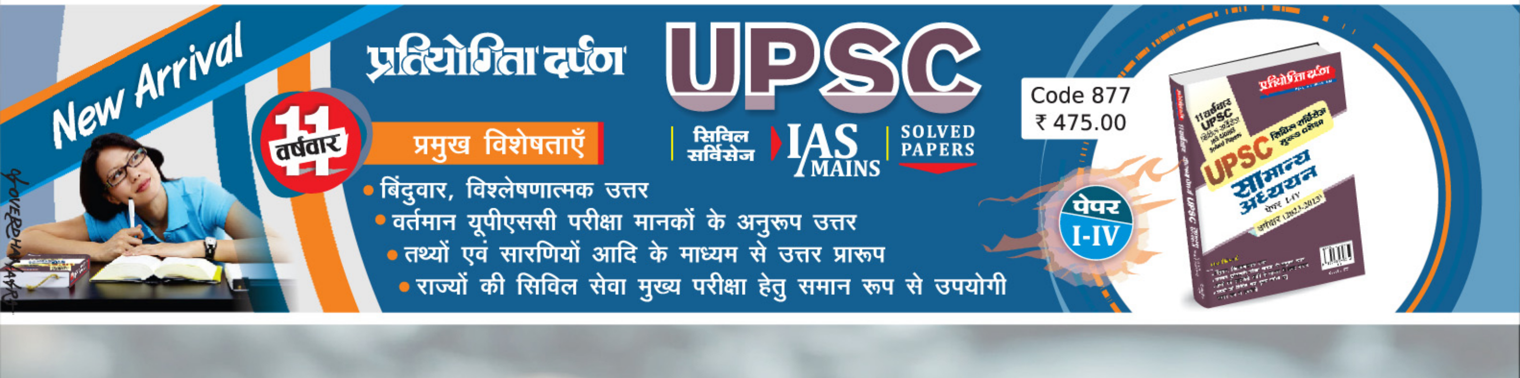

आर्थिक समीक्षा–2023-24

(अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों एवं चुनौतियों का लेखा-जोखा)

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नियमित केन्द्रीय बजट की प्रस्तुति से एक दिन पूर्व 2023-24 की आर्थिक समीक्षा केन्द्रीय वित्त मन्त्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 22 जुलाई, 2024 को संसद में प्रस्तुत की. वित्त मन्त्रालय में प्रमुख आर्थिक सलाहकार, श्री वी. अनंत नागेश्वरन के निर्देशन में तैयार की गई आर्थिक समीक्षा (2023-24) में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों व उसके समग्र निष्पादन एवं उपलब्धियों के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के समक्ष विद्यमान चुनौतियों आदि का लेखा-जोखा दर्शाया गया है, साथ ही अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में हाल ही के विकास कार्यों की समीक्षा की गई है. अर्थव्यवस्था की स्थिति, देश का मध्यावधि विकास परिदृश्य, राजकोषीय विकास, वैदेशिक क्षेत्र, मौद्रिक प्रबन्धन, कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र आदि की स्थिति का विश्लेषण इसमें शामिल हैं. साथ ही सरकार की इस सोच को भी प्रस्तुत करने का प्रयास इसमें किया गया है कि किस तरह से अमृत काल (वर्ष 2047 तक का समय) में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को वह साकार कर सकती है.

आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि महामारी के प्रति आर्थिक मोर्चे पर भ. ारत की नपीतुली प्रतिक्रिया में तीन प्रमुख घटक शामिल थे. पहला, बुनियादी ढाँचे में सार्वजनिक व्यय पर ध्यान केन्द्रित करना, जिसने नौकरियों व औद्योगिक उत्पादन की मजबूत माँग को पैदा करके अर्थव्यवस्था को बचाए रखा. **दूसरा, प्रतिकूलताओं के बीच लोक प्रशासन की स्वाभाविक प्रतिक्रिया** जिसमें सर्विस डिलीवरी का डिजिटलीकरण तथा तीसरा, **विभिन्न सेक्टर्स में लक्षित राहत के लिए आत्मनिर्भर अभियान.** इनसे मजबूत सुधारों में मदद मिली तथा मध्यम अवधि की विकास क्षमता में वृद्धि हुई. समीक्षा में बताया गया है कि वैश्विक संकटों, आपूर्ति शृंखला में व्यवधानों व मानसून की अनिश्चितता ने मुद्रास्फीति के दबाव को बीच-बीच में बढ़ाया जिसे प्रशासनिक व मौद्रिक नीतिगत प्रक्रियाओं द्वारा काफी सीमा तक नियंत्रित किया गया. सार्वजनिक निवेश में वृद्धि के बावजूद सरकार के राजकोषीय सन्तुलन में सुधार हुए. वस्तुओं की वैश्विक माँग में आई कमी को सेवाओं के निर्यात ने काफी सीमा तक सन्तुलित किया है. समीक्षा के अनुसार स्फीतिक दबाव अब कम हो रहे हैं तथा व्यापार के स्तर में सुधार होने लगा है तथा वैश्विक उत्पादन भी 2022 की तुलना में अब लचीला रहा है. समीक्षा के अनुसार इन घटनाक्रमों का विशुद्ध प्रभाव यह रहा है कि पिछले तीन वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है और व्यवस्थित तरीके से विस्तार हुआ है. वित्तीय वर्ष 2023-24 में वास्तविक जीडीपी 2019-20 के स्तर से 20 प्रतिशत अधिक थी. **यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसे केवल कुछ ही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं ने हासिल किया है,** साथ ही इसने वित्त वर्ष 2024-25 और उसके बाद भी मजबूत वृद्धि की प्रबल सम्भावना बनाई है. बेरोजगारी और बहुआयामी गरीबी में कमी और श्रम बल भागीदारी में वृद्धि के साथ विकास समावेशी रहा है. कुल मिलाकर, भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आशावादी है, और व्यापक आधारित और समावेशी विकास की उम्मीद कर रही है. इस वित्तीय वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर 6·5 से 7·0 प्रतिशत रहने तथा आने वाले वर्षों में लगातार लम्बे समय तक 7 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त करने की सम्भावना समीक्षा में व्यक्त की गई है. समीक्षा के अनुसार अनिश्चित वैश्विक हालात के बावजूद घरेलू स्थिति की वजह से भारत लगातार तीसरे वर्ष तेज आर्थिक वृद्धि दर प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है. **कृषि क्षेत्र में वृद्धि अपेक्षाकृत कम बताते हुए आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रचलित मूल्यों पर देश के सकल मूल्य सम्बर्द्धन (GVA) में कृषि, उद्योग व सेवा क्षेत्र का योगदान क्रमशः 17·7 प्रतिशत, 27·6 प्रतिशत व 54·7 प्रतिशत रहा है.**

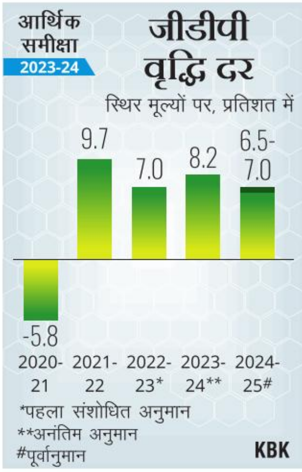

अमृतकाल के लिए विकास रणनीति के छह मुद्दों को मुख्य रूप से समीक्षा में चिह्नित किया गया है. इसमें निजी निवेश को जीडीपी के सापेक्ष 19·6 प्रतिशत के मौजूदा स्तर से

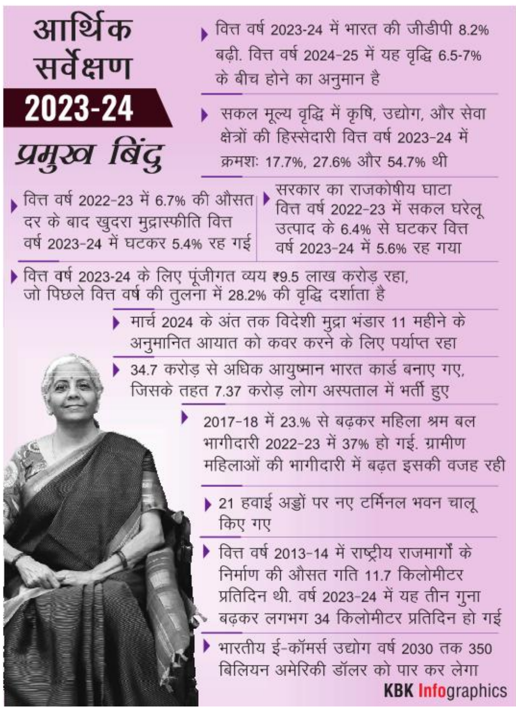

बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने, राज्य व स्थानीय सरकार के स्तर पर सहयोग से सूक्ष्म, लघु व मझोली औद्योगिक इकाइयों को मजबूत करते हुए निर्यात रणनीति बनाने, कृषि क्षेत्र में विकास की बाधाएँ दूर करने और बाजार को किसानों के हित के मुताबिक बनाने, भारत में हरित परिवर्तन के लिए सुरक्षित वित्त पोषण की व्यवस्था करने, शिक्षा व रोजगार के बीच खाई पाटने व राज्यों को मजबूत बनाने को शामिल किया गया है.

अर्थव्यवस्था के विगत महीनों में निष्पादन को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष व विश्व बैंक सहित अनेक वैश्विक एजेंसियों ने चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत में आर्थिक वृद्धि 7 प्रतिशत या इससे अधिक रहने का अनुमान व्यक्त किया है. आर्थिक समीक्षा 2023-24 में 2024-25 में विकास दर 6·5 से 7·0 प्रतिशत रहने का ही अनुमान लगाया गया है. इस मामले में मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन का कहना है कि वित्तीय बाजार में जोखिम की बढ़ रही आशंका भू-राजनीतिक संघर्ष में होने वाली वृद्धि तथा मानसून की अनिश्चितता को देखते हुए विकास दर अनुमान को थोड़ा संकुचित रखा गया है. नागेश्वरन के अनुसार यदि मानसून बेहतर नहीं रहता है तो कृषि उत्पादों की सप्लाई और कीमत प्रभावित हो सकती है. वैश्विक वित्तीय बाजार में गिरावट से भारतीय कॉर्पोरेट व रिटेल निवेश प्रभावित हो सकता है. भू-राजनीतिक संघर्ष से भी विकास दर प्रभावित हो सकती है.

उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में घरेलू स्तर पर हमारी औसत विकास दर आठ प्रतिशत रही है और सभी स्तर पर हमारे आर्थिक पैमाने मजबूत दिख रहे हैं. वस्तु और सेवा दोनों ही निर्यात बढ़ रहे हैं और इस वजह से चालू खाता घाटा गत वित्त वर्ष में 0·7 प्रतिशत हो गया है. कर्ज में कमी आ रही है और कर संग्रह बढ़ रहा है. भारत में पूँजीगत खर्च से लेकर निजी खर्च दोनों में बढ़ोत्तरी हो रही है. यही वजह है कि वर्ष 1991 से लेकर वित्त वर्ष 2024 के बीच प्रति व्यक्ति आय में 35 गुना वृद्धि हुई है और वर्ष 2047 तक प्रति व्यक्ति आय ₹ 14·9 लाख होने का अनुमान है. वित्त वर्ष 2022-23 में देश में प्रति व्यक्ति सालाना आय ₹ 2 लाख थी.

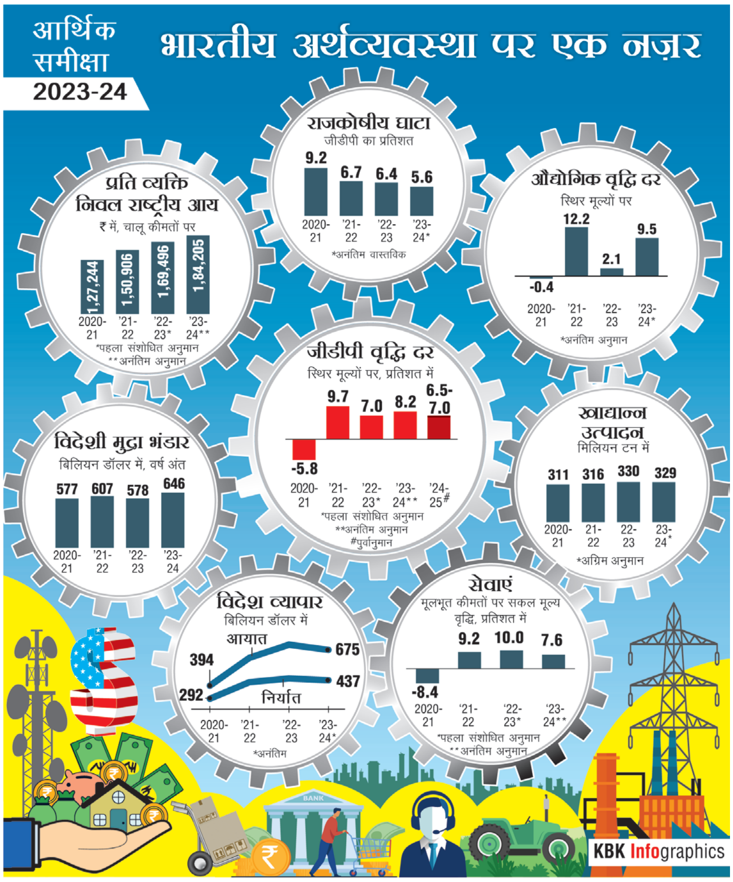

मौद्रिक प्रबन्धन

मौद्रिक प्रबन्धन एवं वित्तीय मध्यस्थता की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए आर्थिक समीक्षा के इस खण्ड में बताया गया है कि भारत के बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्रों ने 2023-24 में शानदार प्रदर्शन किया है. बैंक साख में द्विअंकीय एवं व्यापक आधार वाली वृद्धि के साथ-साथ सकल एवं निवल गैर-निष्पादित आस्तियाँ (gross and net non-performing assets) कई वर्षों के निचले स्तर पर हैं. भारतीय शेयर बाजार सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक रहा है जिसमें 2023-24 के दौरान निफ्टी (NIFTY) 26·8 प्रतिशत बढ़ा है जबकि 2022-23 के दौरान 8·2 प्रतिशत की वृद्धि इसमें हुई थी. भारतीय शेयर बाजार के बाजार पूँजीकरण (market capitalisation) में भी उल्लेखनीय वृद्धि 2023-24 में हुई तथा एमकैप-जीडीपी अनुपात विश्व में पाँचवाँ सबसे बड़ा हो गया. **'वर्ष 2047 तक सभी के लिए बीमा'** (Insurance for All by 2047) की दिशा में उठाए जा रहे कदमों के चलते भारत अगले 5 वर्षों में सबसे तेजी से उभर रहे बीमा बाजारों में से एक बनेगा.

समीक्षा में बताया गया है कि किसी देश में मौद्रिक नीति उसके आर्थिक विकास, मुद्रास्फीति और निवेश जैसे व्यापक आर्थिक संकेतकों पर अपने प्रभाव के माध्यम से देश की आर्थिक स्थितियों को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. **मौद्रिक नीति का मुख्य उद्देश्य विकास के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मूल्य स्थिरता बनाए रखना है.** मौद्रिक नीति को विभिन्न मानक, जैसे बैंकों के नकद आरक्षित अनुपात (CRR) और वैधानिक तरलता अनुपात (SLR), केन्द्रीय बैंक के खुले बाजार संचालन और ऋण की सीमा निर्धारित करना आदि, केन्द्रीय बैंक द्वारा इस समग्र उद्देश्य की दिशा में उपयोग किए जाते हैं.

समीक्षा के अनुसार 2023-24 के दौरान मौद्रिक और ऋण स्थितियों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक ₹ 2000 के बैंक नोटों की वापसी (मई 2023), एचडीएफसी का एचडीएफसी बैंक में विलय (जुलाई 2023) थे. इसमें बताया गया है कि 19 मई, 2023 को वापस लिए जाने की घोषणा के समय ₹ 2000 मूल्य के बैंक नोट ₹ 3·56 लाख के चलन में थे, जबकि 28 जून, 2024 को ₹ 7581 करोड़ मूल्य के नोट चलन में शेष थे. इस प्रकार 97·87 प्रतिशत नोट आरबीआई को वापस लौटाए जा चुके थे.

समीक्षा के अनुसार 2023-24 में रिजर्व मनी (M_0) में y_0y वृद्धि (29 मार्च, 2023 तक) 6·7 प्रतिशत थी जो एक वर्ष पूर्व 2022-23 में 9·7 प्रतिशत थी. ब्रॉड मनी (M_3) में वृद्धि 2023-24 में 11·2 प्रतिशत रही, जो एक वर्ष पूर्व 2022-23 में 9 प्रतिशत थी.

- विभिन्न मानकों के आधार पर वाणिज्यिक बैंकों की केस स्थिति का चित्रण आर्थिक समीक्षा में किया गया है. इसमें बताया

गिफ्ट सिटी आईएफएससी

(GIFT City IFSC)

गुजरात में साबरमती के तट पर गिफ्ट सिटी (Gift City : Gujarat International Finance Tec) को भारत के पहले इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विस सेंटर (IFSC) के रूप में विकसित किया जा रहा है जिसकी स्थापना भारत-केन्द्रित अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा व्यवस्था (India-Centric International Financial Services Business) को प्रोत्साहन देने तथा इसके लिए वैश्विक पूँजी अन्तर्प्रवाह एवं बाह्य प्रवाह के लिए एक पंसदीदा (Preferred) प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करने के दोहरे उद्देश्य से की गई है. समीक्षा के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में GIFT IFSC ने उन दोनों उद्देश्यों को प्राप्त करने में बहुत प्रगति की है.

एक विशिष्ट और यादगार वित्तीय क्षेत्राधिकार के रूप में आईएफएससी गिफ्ट सिटी की विशिष्टता तीन मूलभूत कारकों से उत्पन्न होती है. सबसे पहले, आईएफएससी को 'विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम' (FEMA) के तहत् एक गैर-निवासी क्षेत्र (Non Resident Zone) के रूप में नामित किया गया है, जिसका अर्थ है कि आईएफएससी में स्थापित संस्थाएँ पूँजी नियंत्रण प्रतिबंधों से बाहर हैं और इसलिए, ग्यारह अधिसूचित विदेशी मुद्राओं में से किसी में भी व्यवसाय कर सकती हैं. दूसरा, आईएफएससी को एक समर्पित और एकीकृत वित्तीय नियामक, अर्थात् **आईएफएससीए** *(अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र प्राधिकरण) (IFSCA–International Financial Services Centres Authority) के विनियामक दायरे में लाया गया है, जिसे संसद के एक अधिनियम के तहत् स्थापित किया गया है. सरकार द्वारा किए गए इस विनियामक निकाय ने वैश्विक निवेशकों और वित्तीय संस्थानों के बीच आईएफएससी गिफ्ट सिटी के आकर्षण को काफी हद तक बढ़ा दिया है, क्योंकि अब उन्हें सभी अनुमोदनों और लाइसेंसों के लिए केवल एक प्राधिकरण से निपटना पड़ता है. तीसरा, लगातार केन्द्रीय बजटों के माध्यम से, सरकार ने आईएफएससी के लिए एक अलग कर व्यवस्था प्रदान की है, जो अन्य प्रमुख वैश्विक वित्तीय केन्द्रों में उपलब्ध कराए जाने वाले कर के बराबर है. प्रतिस्पर्धी कर व्यवस्था ने यह सुनिश्चित किया है कि आईएफएससी से संचालित वित्तीय सेवा संस्थान नुकसान में न रहें.*

गया है कि विभिन्न क्षेत्रों में ऋणों में वृद्धि के चलते अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (SCR) द्वारा प्रदत ऋण मार्च 2024 के अंत में ₹ 164·3 लाख करोड़ था, जो मार्च 2023 के अंत की तुलना में 20·2 प्रतिशत अधिक था. एक वर्ष पूर्व इसमें वृद्धि 15 प्रतिशत ही रही थी. समीक्षा के अनुसार 2024-25 में भी यही प्रवृत्ति जारी है.

- कृषि एवं सहायक क्षेत्रों में वो प्रदत्त बैंक ऋण 2020-21 में ₹ 13·3 लाख करोड़ था, जो डेढ़ गुना होकर 2023-24 में ₹ 20·7 लाख करोड़ हो गया था. मार्च 2023 के अंत में कार्यशील किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) खातों की संख्या 7·4 करोड़ थी.
- बैंकों की वित्तीय स्थिति में आ रहे सुधार का विश्लेषण करते हुए आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (SCBs) की सकल गैर-निष्पादित आस्तियों (Gross Non-Performing Assets) का उनके सकल ऋणों से अनुपात 2018-19 से लगातार घट रहा है. मार्च 2018 के अंत में उनके सकल ऋणों के साथ यह अनुपात 11·2 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर था, जो घटते-घटते मार्च 2024 के अंत में 2·8 प्रतिशत ही रह गया था.

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के जीएनपीए अनुपात में गिरावट

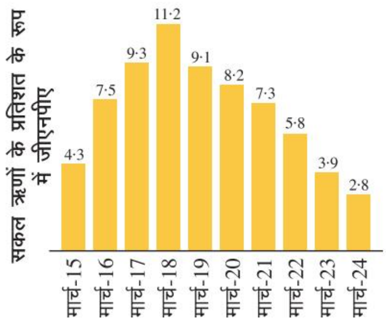

- प्राथमिक पूँजी बाजार की दशा भी 2023-24 में काफी मजबूत रही. प्राथमिक बाजार से पूँजी विदोहन के लिए 164 IPO (Initial Public Offers) 2022-23 में लाए गए थे, जिनसे जुटाई गई पूँजी ₹ 54,773 करोड़ थी. अर्थव्यवस्था में तेजी के चलते 2023-24 में IPO की संख्या 272 रही जिनसे जुटाई गई पूँजी ₹ 67,995 करोड़ रही. इस प्रकार IPOs की संख्या में 66 प्रतिशत तथा उनके जरिए पूँजी विदोहन में 24 प्रतिशत की वृद्धि 2023-24 में दर्ज की गई.

बाह्य क्षेत्र

आर्थिक समीक्षा में प्रस्तुत विश्लेषण के अनुसार बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 में भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत का बाह्य क्षेत्र मजबूत रहा. इसमें बताया गया है कि प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की कम माँग के कारण व्यापारिक निर्यात (Merchandise Export) कम हो गया, लेकिन सेवाओं का निर्यात बेहतर रहने से समग्र व्यापार घाटा (Overall trade deficit 2022-23) में 121·6 अरब डॉलर से 2023-24 में 78·1 अरब डॉलर रह गया. आर्थिक समीक्षा के अनुसार 2023-24 में व्यापार घाटा कम करने में कच्चे तेल की कम कीमतों ने भी मदद की. समीक्षा के अनुसार, व्यापारिक आयात में कमी और सेवा निर्यात में बढ़ोत्तरी से भारत के चालू खाता घाटे (CAD) में सुधार हुआ है. सेवाओं के निर्यात में सॉफ्टवेयर/आईटी सेवाओं ने समग्र निर्यात में वृद्धि को प्रेरित किया है, साथ ही व्यावसायिक सेवाओं का निर्यात भी बढ़ रहा है.

विदेशी व्यापार के मामले में विभिन्न वर्षों में देश के समग्र आयातों व निर्यातों (वस्तुगत व्यापार + सेवाओं का व्यापार) के आँकड़े उपर्युक्त चित्र में दर्शाए गए हैं, वस्तुओं व सेवाओं दोनों के ही आयात-निर्यात में भारत की स्थिति तालिका से स्पष्ट है. तालिका में दर्शाया गया है कि विश्व में वस्तुओं के कुल निर्यातक (merchandise export) में भारत की हिस्सेदारी वर्ष 2020 में 1·6 प्रतिशत थी, जो बढ़कर 2022 में 1·8 प्रतिशत हो गई थी. इसी अवधि में वाणिज्यिक सेवाओं (Commercial Services) के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 4·1 प्रतिशत से बढ़कर 4·4 प्रतिशत हो गई थी. वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को यदि मिला कर देखें तो इस समग्र निर्यात (वस्तु + सेवा निर्यात) में भारत की विश्व में हिस्सेदारी 2·1 प्रतिशत 2020 में थी, जो 2021 में 2·2 प्रतिशत तथा 2022 में 2·4 प्रतिशत हो गई थी.

भारत के व्यापार के प्रमुख पहलू (कैलेण्डर वर्षवार)			
	2020	**2021**	**2022**
निर्यात प्रदर्शन (प्रतिशत में)			
विश्व वस्तु निर्यात में हिस्सेदारी	*1·6*	*1·8*	*1·8*
विश्व वाणिज्यिक सेवा निर्यात में हिस्सेदारी	*4·1*	*4·0*	*4·4*
विश्व वस्तु प्लस सेवा निर्यात में हिस्सेदारी	*2·1*	*2·2*	*2·4*
आयात प्रदर्शन (प्रतिशत में)			
विश्व वस्तु आयात में हिस्सेदारी	*2·1*	*2·5*	*2·8*
विश्व वाणिज्यिक सेवा आयात में हिस्सेदारी	*3·3*	*3·5*	*4·0*
विश्व वस्तु प्लस सेवा आयात में हिस्सेदारी	*2·3*	*2·7*	*3·0*
विश्व व्यापार में भारत की रैंक			
मर्चेंडाइज वस्तु निर्यात	*21·0*	*18·0*	*18·0*
मर्चेंडाइज वस्तु आयात	*14·0*	*10·0*	*9·0*
सेवा निर्यात	*7·0*	*8·0*	*7·0*
सेवाओं का आयात	*10·0*	*10·0*	*8·0*

विदेशी व्यापार निदेशालय (DGFT) के एक प्रकाशन के आधार पर भारत के आयातों के सम्बन्ध में भी यही जानकारी देते हुए बताया गया है कि विश्व के वस्तुगत आयातों में भारत की हिस्सेदारी 2020 में 2·1 प्रतिशत थी जो बढ़कर 2021 में 2·5 प्रतिशत व 2022 में 2·8 प्रतिशत हो गई थी. इसी अवधि में वाणिज्यिक सेवाओं के आयातों में भारत की हिस्सेदारी 3·3 प्रतिशत से बढ़कर 4·0 प्रतिशत हो गई थी. वस्तुओं और सेवाओं के आयात को मिला कर समग्र वैश्विक आयातों में भारत की हिस्सेदारी 2020 में 2·3 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 3·0 प्रतिशत हो गई थी.

तालिका में यह भी दर्शाया गया है कि वैश्विक वस्तुगत निर्यातों (Merchandise exports) में भारत का विश्व में जहाँ 18वाँ स्थान 2022 में था, वस्तुगत आयातों में भारत का स्थान 9वाँ था. इसी प्रकार सेवाओं के निर्यात व आयात में भारत का विश्व में स्थान 2022 में क्रमशः सातवाँ व आठवाँ था.

भारत के वस्तुगत् निर्यातों एवं आयातों की संरचना

भारत के वस्तुगत विदेशी व्यापार के सम्बन्ध में एक और महत्वपूर्ण जानकारी जो आर्थिक समीक्षा में उपलब्ध कराई गई है, वह निर्यातों व आयातों की संरचना के बारे में है. डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ कॉमर्शियल इंटेलीजेंस एण्ड सर्विसेस (DGCI&S) के हवाले से समीक्षा में बताया गया है कि 2023-24 में भारत के कुल वस्तुगत निर्यातों में 18·9 प्रतिशत भाग पूँजीगत वस्तुओं का था, जबकि उपभोक्ता उत्पादों का भाग 47·5 प्रतिशत, मध्यवर्ती वस्तुओं का 28·4 प्रतिशत तथा कच्चे सामान का भाग 5·1 प्रतिशत ही था. (तुलना के लिए इस सम्बन्ध में 2022-23 के आँकड़े भी चित्र में दर्शाए गए हैं)

विभिन्न वर्गीकरणों में भारत के वस्तुगत निर्यातों की संरचना

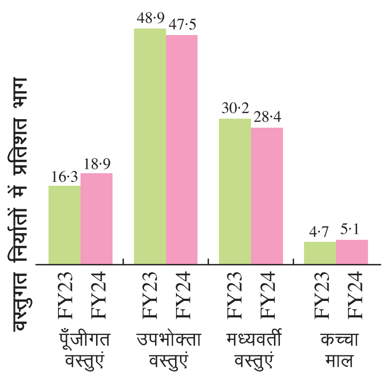

स्रोत : डीजीसीआई एण्ड एस

विभिन्न वर्गीकरणों में भारत के वस्तुगत आयातों की संरचना

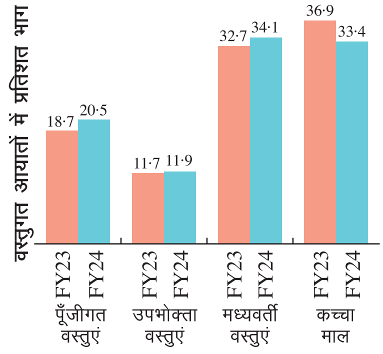

स्रोत : डीजीसीआई एण्ड एस

रक्षा निर्यातों में वृद्धि

भारत विश्व में हथियारों का सबसे बड़ा आयातक देश माना जाता है. रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए रक्षा उत्पादन में कमी लाने तथा रक्षा निर्यातों में वृद्धि के प्रयास सरकार द्वारा विशेष रूप से विगत वर्षों में किए जा रहे हैं. रक्षा मन्त्रालय के हवाले से आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि देश के रक्षा निर्यात, जो 2016-17 में 0·2 अरब डॉलर के थे, बढ़कर 2·5 अरब डॉलर के 2023-24 में हो गए थे. इनमें 25 प्रतिशत की वृद्धि 2023-24 में ही दर्ज की गई जब यह 2·0 अरब डॉलर से बढ़कर 2·5 अरब डॉलर के हुए.

भारत का बढ़ता रक्षा निर्यात

स्रोत : रक्षा मंत्रालय

कृषि एवं खाद्य प्रबन्धन

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के महत्व को चिन्हित करते हुए आर्थिक समीक्षा (2023-24) में बताया गया है कि भारतीय कृषि क्षेत्र लगभग 42·3 प्रतिशत आबादी को आजीविका सहायता प्रदान करता है और प्रचलित मूल्यों पर देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में इसकी हिस्सेदारी 18·2 प्रतिशत है. यह क्षेत्र उछाल वाला रहा है, जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि इसने पिछले 5 वर्षों में स्थिर कीमतों पर 4·18 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर्ज की है. 2023-24 के अनंतिम अनुमानों के अनुसार, कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 1·4 प्रतिशत रही, जो कि 2022-23 में 4·7 प्रतिशत थी. एमएसपी के समीक्षा के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) के माध्यम से किसानों के लिए सुनिश्चित लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराना, फसल विविधीकरण को सक्षम करना, डिजिटलीकरण एवं यंत्रीकरण को बढ़ावा देना, जैविक और प्राकृतिक खेती के माध्यम से टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने को प्रोत्साहित करना और उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करने के रूप में सरकार द्वारा की गई पहलों और उपायों का इस क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, जिसके चलते

विगत् पाँच वर्षों में देश में कृषि क्षेत्र में प्रति वर्ष औसतन 4·18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है

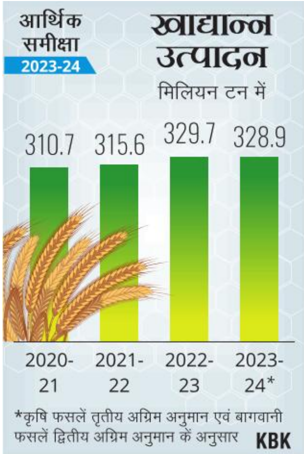

तथा देश में खाद्यान्न का भी पर्याप्त भण्डार है, जिसका लगभग 40 प्रतिशत भाग दो-तिहाई जनसंख्या को निःशुल्क वितरित किया जाता है. साथ ही भारत अपने खाद्यान्न उत्पादन का 7 प्रतिशत से अधिक भाग निर्यात भी करता है. इस प्रकार कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों में वृद्धि ने भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि में सकारात्मक योगदान दिया है.

प्रमुख कृषि उत्पादक होने के बावजूद देश में फसलों की उत्पादकता बहुत कम आर्थिक समीक्षा के अनुसार भारत यद्यपि एक प्रमुख कृषि उत्पादक देश है, **चावल, गेहूँ, कपास और गन्ना सहित अन्य फसलों का दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और दूध, दालों और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है फिर भी देश में फसलों की पैदावार अन्य प्रमुख उत्पादकों की तुलना में बहुत कम** है. भारत में प्रमुख फसलों की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता की विश्व मे सर्वाधिक उत्पादकता के साथ तुलना चित्र में दिखाई गई है. चित्र से स्पष्ट है कि भारत में मक्का की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता विश्व की सर्वोच्च उत्पादकता की तुलना में बहुत ही कम है. यह इस तथ्य के बावजूद है कि सरकार का अधिकांश समर्थन चावल और गेहूँ को जाता है. खंडित भूमि जोत (Fragmented land holdings), कम कृषि निवेश, कृषि मशीनीकरण की कमी (lack of farm mechanisation), गुणवत्ता वाले इनपुट्स तक अपर्याप्त पहुँच (Insufficient access to quality inputs) और अपर्याप्त विपणन बुनियादी ढाँचे (Inadequate marketing infrastructure) के कारण फसल उत्पादन के बाद नुकसान होता है, वर्षा पर निर्भरता और फसल उत्पादन के अल्पावधिक मौसम भी कम पैदावार के कुछ कारण हैं.

प्रमुख खरीफ फसलों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय उत्पादकता तुलना (2022)

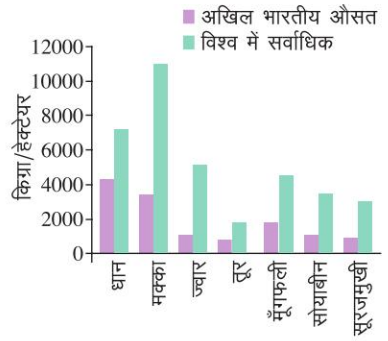

स्रोत : खरीफ फसलों के लिए मूल्य नीति रिपोर्ट 2024-25

किफायती ऋणों के माध्यम से कृषकों का सशक्तीकरण—आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारतीय कृषि पर छोटे भूस्वामियों (small landholders) का ही वर्चस्व बना हुआ है. **देश के लगभग 89·4 प्रतिशत कृषि परिवारों के पास 2 हेक्टेयर से कम भूमि है.** किसानों की अपनी कृषि भूमि में निवेश करने की क्षमता सीधे तौर पर किफायती ऋण तक पहुँच पर निर्भर करती है. इसलिए **सरकार की प्राथमिकता किसानों को समय पर लागत प्रभावी और पर्याप्त ऋण उपलब्ध कराना रही है जो गैर-संस्थागत ऋण (non institutional credit) पर निर्भरता को कम करता है और निवेश को बढ़ाता है.** इन उपायों ने गैर-संस्थागत ऋण की हिस्सेदारी को 1950 में 90 प्रतिशत से घटाकर 2021-22 में 23·40 प्रतिशत कर दिया है. समीक्षा के अनुसार **31 जनवरी, 2024 तक, कृषि को संवितरित कुल ऋण ₹ 22·84 लाख करोड़ था, जिसमें ₹ 13·67 लाख करोड़ फसल ऋण** (अल्पकालिक) और **₹ 9·17 लाख करोड़ सावधि ऋण के लिए आवंटित किए गए थे.**

आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि **किसान क्रेडिट कार्ड** (KCC) ने कृषि ऋण पहुँच को सुव्यवस्थित किया है. 31 जनवरी, 2024 तक बैंकों ने ₹ 9·4 लाख करोड़ की सीमा के साथ 7·5 करोड़ केसीसी जारी किए. एक और उपाय के रूप में, 2018-19 में मत्स्य पालन और पशुपालन गतिविधियों की कार्यशील पूँजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड को बढ़ाया गया तथा साथ ही संपार्श्विक-मुक्त ऋण (collateral free loans) की सीमा को बढ़ाकर ₹ 1·6 लाख कर दिया गया. उधारकर्ताओं, दुग्ध संघों और बैंकों के बीच त्रिपक्षीय समझौते (टीपीए) के मामले में, संपार्श्विक-मुक्त ऋण ₹ 3 लाख तक जा सकता है. 31 मार्च, 2024 तक, मत्स्य पालन और पशुपालन गतिविधियों के लिए क्रमशः 3·49 लाख और 34·5 लाख किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए.

कृषिगत उत्पादकता एवं किसानों की आय में वृद्धि के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई पीएम किसान, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, माइक्रो इरिगेशन फंड, पीएम प्रणाम, परम्परागत कृषि विकास योजना, फर्टिलाइजर्स सब्सिडी, डिजिटल एग्रीकल्चर आदि का ब्यौरा भी आर्थिक समीक्षा में दिया गया है.

उद्योग

उद्योगों के निष्पादन का विश्लेषण करते हुए आर्थिक समीक्षा (2023-24) में बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था में जीडीपी में 8·2 प्रतिशत की वृद्धि 9·5 प्रतिशत की औद्योगिक वृद्धि से ही प्रेरित थी. समीक्षा के अनुसार उद्योग उप-क्षेत्रों में से, विनिर्माण (manufacturing) और निर्माण (construction) ने दोहरे अंकों की वृद्धि हासिल की, जबकि खनन और उत्खनन (mining and quarrying) तथा विद्युत् और जल आपूर्ति ने भी मजबूत सकारात्मक वृद्धि 2023-24 में दर्ज की. यह औद्योगिक उत्पादन के व्यापक आधार वृद्धि को दर्शाता है. समीक्षा के अनुसार विगत दशक में, भारत के विनिर्माण परिदृश्य की क्षेत्रीय संरचना में काफी बदलाव हुए हैं. ऑटोमोबाइल, लकड़ी के उत्पाद, फर्नीचर और फार्मास्यूटिकल्स जैसे कुछ उपभोक्ता-उन्मुख उद्योगों ने उत्पादन हिस्सेदारी में बड़ी बढ़त हासिल की है और मशीनरी, रसायन, गैर-धातु खनिज, और रबड़ और प्लास्टिक उत्पादों जैसे उत्पादन-उन्मुख क्षेत्रों में भी हिस्सेदारी बढ़ी है, जिससे विकास की गतिशीलता सन्तुलित हुई है. इसी समय, पेट्रोलियम उत्पाद, कपड़ा, पेय और तम्बाकू जैसे क्षेत्रों में उनके उत्पादन हिस्सेदारी में धीरे-धीरे गिरावट देखी गई है.

विकास की ओर अग्रसर होते हुए कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण और एमएसएमई जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों को अधिक दक्षता, कौशल और गतिशीलता प्रदान करने के लिए चल रहे

प्रयासों को बढ़ावा देने से औद्योगिक विस्तार को अधिक सन्तुलन मिलेगा. एमएसएमई के लिए अनुपालन बोझ में और कमी से उनकी विकास सम्भावनाओं में काफी सुधार होगा. समीक्षा में बताया गया है कि 2022-23 में प्रचलित मूल्यों पर कुल सकल मूल्य सम्वर्द्धन (GVA) में विनिर्माण का हिस्सा 14·3 प्रतिशत था तथा 2021-22 में अखिल भारतीय विनिर्माण उत्पादन (all-India manufacturing output) में एमएसएमई की हिस्सेदारी 35·4 प्रतिशत थी. जुलाई 2020 में लॉन्च किया गया **उद्यम पंजीकरण पोर्टल** स्वघोषणा के आधार पर एक सरल ऑनलाइन व निःशुल्क पंजीकरण प्रक्रिया प्रदान करके एमएसएमई को औपचारिक बनाने में सहायक रहा है. देश के प्रमुख उद्योगों—सीमेन्ट, इस्पात, कोयला, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स व मोटर वाहन उद्योग आदि के निष्पादन का ब्यौरा भी समीक्षा में दिया गया है. औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि के लिए शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (Production Linked Incentive–PLI) योजना की प्रगति का ब्यौरा भी समीक्षा में है.

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम

(Central Public Sector Enterprises–CPSEs)

सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यरत् केन्द्रीय उपक्रमों के निष्पादन के सम्बन्ध में आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि 31 मार्च, 2023 तक देश में कुल 254 सीपीएसई प्रचालन में थे जिनमें से 66 प्रतिशत सीपीएसई सेवा क्षेत्र में संचालित थे. जबकि शेष विनिर्माण, प्रसंस्करण और खनन और अन्वेषण में. समीक्षा के अनुसार 2023-24 व 2024-25 में मजबूत वित्तीय मापदण्ड सीपीएसई ने हासिल किए. भारत के स्टॉक एक्सचेंजों पर कारोबार करने वाले 63 सीपीएसई का कुल बाजार पूँजीकरण (M-cap) 31 मार्च, 2023 तक ₹16·69 लाख करोड़ था, जबकि 31 मार्च, 2022 तक यह ₹15·46 लाख करोड़ हो गया था, जो 7·95[25] प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. वित्त वर्ष 2023 में परिचालन करने वाले सीपीएसई का कुल निवल लाभ ₹ 2·12 लाख करोड़ था. सीपीएसई के प्रमुख वित्तीय मापदण्ड नीचे दिए गए चार्ट में प्रस्तुत किए गए हैं.

चित्र में दर्शाया गया है कि वित्तीय वर्ष 2018-19 में देश में संचालित केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की कुल संख्या 248 थी जिनमें से 70 घाटे में चल रहे थे तथा लाभ में चल रहे उपक्रमों की कुल संख्या 178 थी. चार वर्ष पश्चात् कुल संचालित ऐसे उपक्रमों की कुल संख्या 250 हो गई थी जिनमें घाटे में चलने वाले उपक्रमों की संख्या 57 ही रह गई थी तथा शेष 193 हो गई थी.

सेवाएँ

सेवा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों की एक विस्तृत शृंखला को मोटे तौर पर दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है—सम्पर्क-गहन (contact intensive) सेवाएँ और गैर-सम्पर्क-गहन (non contact intensive) सेवाएँ. पहली श्रेणी में व्यापार, आतिथ्य, परिवहन, रियल एस्टेट, सामाजिक, सामुदायिक और व्यक्तिगत सेवाएँ जहाँ शामिल हैं वहीं दूसरी श्रेणी में वित्तीय, सूचना प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाएँ, संचार, प्रसारण और भण्डारण सेवाएँ शामिल हैं. इस क्षेत्र में लोक प्रशासन और रक्षा सेवाएँ भी शामिल हैं. आर्थिक समीक्षा के अनुसार सेवा क्षेत्र भारत की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बना हुआ है, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था के कुल आकार का लगभग 55 प्रतिशत रहा है. समीक्षा में बताया गया है कि महामारी से प्रभावित वर्ष 2021 को छोड़ कर पिछले एक दशक में सेवा क्षेत्र में 6 प्रतिशत से अधिक की वास्तविक वृद्धि सभी वर्षों में प्राप्त की गई. **विभिन्न अध्ययनों के हवाले से यह उल्लेख भी आर्थिक समीक्षा में किया गया है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस** (AI) के उपयोग से व्यावसायिक सेवाओं के विकास के अवसरों में उत्तरोत्तर कमी आने की सम्भावना है, और इसलिए दीर्घकालिक स्थिरता व रोजगार सृजन के लिए एक चुनौती इसे बताया गया है.

सेवा क्षेत्र जीवीए में वर्ष दर वर्ष वृद्धि

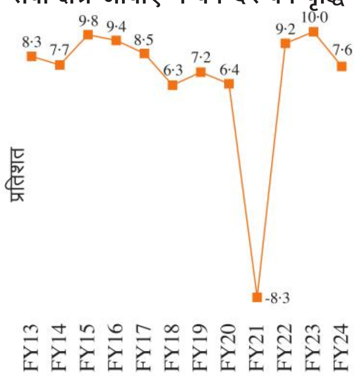

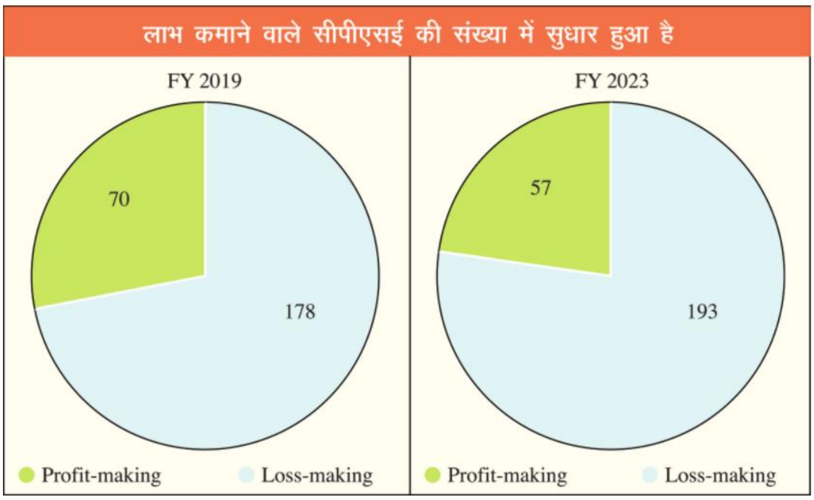

स्रोत : पीई सर्वेक्षण रिपोर्ट, लोक उद्यम विभाग

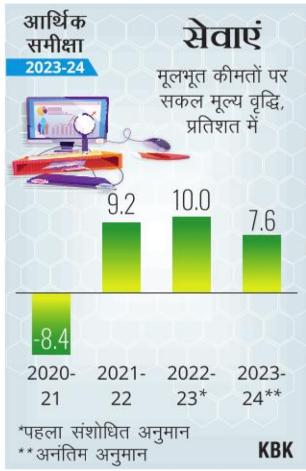

सेवाओं के खण्ड में सड़क, रेल, वायु एवं जल परिवहन के क्षेत्रों में हो रही विकास गतिविधियों वाले विश्लेषण के पश्चात् पर्यटन, रियल एस्टेट व दूरसंचार आदि क्षेत्रों में उपलब्धियों का उल्लेख आर्थिक समीक्षा में किया गया है. विदेशी पर्यटन के सम्बन्ध में इसमें बताया गया है कि भारत में पर्यटन क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है, विश्व आर्थिक मंच के यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक (TTDI) 2024 में भारत 39वें स्थान पर पहुँच गया है. महामारी के बाद पुनरुद्धार के दौर में 2023 में 92 लाख से अधिक विदेशी पर्यटकों का आगमन भारत में हुआ, जो कि वर्ष-दर-वर्ष 43·5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. समीक्षा के अनुसार पर्यटन के माध्यम से ₹ 2·3 लाख करोड़ से अधिक की विदेशी मुद्रा भारत ने अर्जित की हैं, जो कि वर्ष-दर-वर्ष 65·7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है. विश्व पर्यटन प्राप्तियों में भारत की विदेशी मुद्रा आय का हिस्सा 2021 में 1·38 प्रतिशत से बढ़कर 2022 में 1·58 प्रतिशत हो गया.

शेष पृष्ठ 46 पर

केन्द्रीय बजट 2024-25

—डॉ. रवि कांत

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए केन्द्र सरकार का बजट वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला

लोक सभा में बजट प्रस्तुत करती हुई वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण

सीतारमण ने 23 जुलाई, 2024 को संसद में प्रस्तुत किया. इससे पूर्व 2024-25 के लिए ही 1 फरवरी, 2024 को उन्हीं के द्वारा प्रस्तुत बजट अंतरिम बजट था. लोक सभा चुनाव निकट होने के कारण 4 माह के खर्चे चलाने के लिए ही अंतरिम बजट श्रीमती सीतारमण द्वारा उस समय प्रस्तुत किया गया था. चुनावोपरांत, अब नई सरकार के गठन के पश्चात् ही इस पूरे वित्तीय वर्ष के लिए नियमित बजट वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया गया है. **वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह रिकॉर्ड लगातार 7वाँ केन्द्रीय बजट (एक अंतरिम बजट सहित) है तथा इस मामले में मोरारजी देसाई द्वारा लगातार 6 बजट प्रस्तुत करने का रिकॉर्ड उन्होंने भंग किया है.** कुल मिलाकर सर्वाधिक 10 बार केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करने का रिकॉर्ड मोरारजी देसाई के ही नाम है.

अंतरिम बजट में चार समूहों (गरीब, महिलाएं, युवा व अन्नदाता) जिन्हें जातियाँ कहा गया था, पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता बताई गई थी, के लिए सरकार की पहलों का उल्लेख अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने किया. इसके साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 9 प्राथमिकताओं की परिकल्पना नए बजट में की गई है. **सबके लिए भरपूर अवसरों के सृजन के लिए इन सभी 9 प्राथमिकताओं के आधार पर आगामी बजट तैयार करने एवं क्रियाकलापों को निर्धारित करने की बात वित्त मंत्री ने कही है.**

विकसित भारत के लिए बजट में घोषित 9 प्राथमिकताएं

- कृषि में उत्पादकता और अनुकूलनीयता
- रोजगार और कौशल प्रशिक्षण
- समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय
- विनिर्माण और सेवाएं
- शहरी विकास
- ऊर्जा सुरक्षा
- बुनियादी ढाँचा (अवसंरचना)
- नवाचार, अनुसंधान और विकास
- अगली पीढ़ी के सुधार

इन्हीं प्राथमिकताओं के अनुरूप सरकार की विभिन्न नीतियों एवं योजनाओं का उल्लेख अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने किया. किसानों की खेतीबाड़ी के लिए कृषि और बागवानी की 32 फसलों की 109 उच्च पैदावार वाली किस्में जारी करना, सब्जी उत्पादन क्लस्टर विकसित करना, कृषि में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (Digital Public Infrastructure–DPI) लागू करना, औपचारिक क्षेत्रों में कामगारों के रूप में शामिल होने वाले सभी नवनियुक्तों को एक माह का वेतन तीन किश्तों में प्रदान करना, इन बजट घोषणाओं में शामिल है. रोजगार सम्बर्धन के लिए, एक अन्य नई योजना के तहत् प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए ईपीएफओ के लिए नियोक्ताओं के अंशदान के रूप में 2 वर्षों तक ₹ 3,000 प्रति माह की प्रतिपूर्ति सरकार द्वारा की जाएगी. बिहार, झारखण्ड, पं. बंगाल, ओडिशा व आन्ध्र-प्रदेश को शामिल करते हुए प्राकृतिक सम्पदाओं से समृद्ध पूर्वी भाग के चहुँमुखी विकास के लिए 'पूर्वोदय नामक योजना' की घोषणा वित्त मंत्री ने की है. पूर्वोत्तर क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार हेतु इंडिया पेमेंट्स बैंक की 100 से अधिक शाखाएं स्थापित की जाएँगी. प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् ग्रामीण व शहरी इलाकों में 3 करोड़ अतिरिक्त मकानों के निर्माण हेतु प्रावधान बजट में किया गया है. देश की 500 शीर्ष कम्पनियों में 5 वर्षों में एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण के लिए इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए एक योजना की शुरुआत करने की घोषणा भी बजट में की गई है. इन युवाओं को ₹ 5,000 प्रति माह इंटर्नशिप भत्ता व ₹ 6,000 की एकबारगी सहायता दी जाएगी.

अन्य बजटीय घोषणाएं

- मुद्रा ऋणों की सीमा को उन उद्यमियों के लिए मौजूदा ₹ 10 लाख से बढ़ाकर ₹ 20 लाख कर दिया जाएगा जिन्होंने 'तरुण' श्रेणी के अन्तर्गत ऋण लिया है और पहले के ऋणों को सफलतापूर्वक चुका दिया है.
- बिहार में गया स्थित विष्णुपद् मंदिर व बोधगया में महाबोधि मंदिर को विश्व स्तरीय तीर्थ-स्थल व पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने, राजगीर के धार्मिक महत्व को देखते हुए उसके समग्र विकास हेतु पहल करने, नालंदा विश्वविद्यालय की महत्ता के अनुरूप

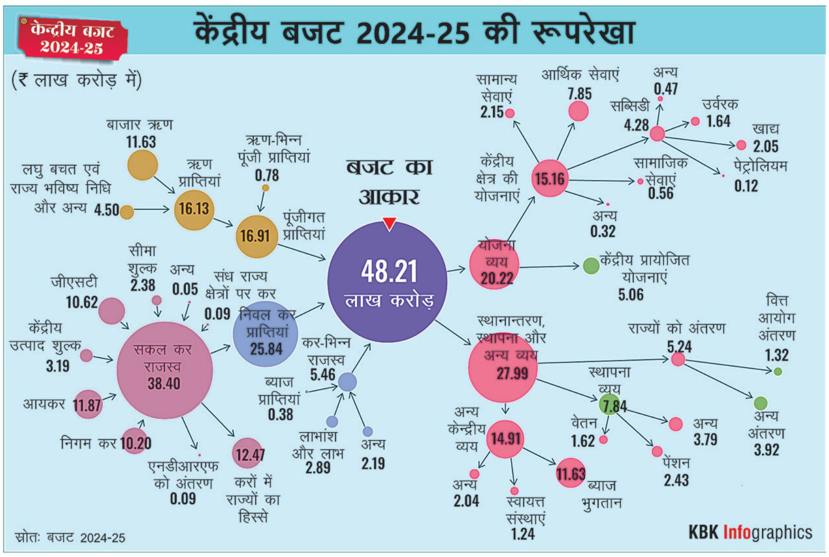

नालंदा को एक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने की घोषणा भी बजट में की गई है.

- अगले 10 वर्षों में अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को 5 गुणा बढ़ाने पर निरन्तर जोर देते हुए ₹ 1,000 करोड़ की उद्यम पूँजी निधि की व्यवस्था करने की घोषणा बजट में की गई है.

उल्लेखनीय है कि उपर्युक्त सभी बजटीय घोषणाएं शुरू में ही घोषित 9 प्राथमिकताओं के तहत् ही हैं. ऐसी ही एक अन्य घोषणा के तहत् माता-पिता और अभिभावकों द्वारा अवयस्क बच्चों के लिए अंशदान हेतु एनपीएस-वात्सल्य योजना शुरू की जाएगी. वयस्कता की आयु होने पर, इस योजना को सहज रूप से एक सामान्य एनपीएस खाते में बदला जा सकेगा.

सर्वाधिक बार केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करने का रिकॉर्ड मोरार जी देसाई के नाम

केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा 23 जुलाई, 2024 को प्रस्तुत केन्द्रीय बजट उनके द्वारा प्रस्तुत लगातार 7वाँ केन्द्रीय बजट (एक अंतरिम बजट सहित) था. इससे लगातार सर्वाधिक 7 बार केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करने का रिकॉर्ड उनके नाम हो गया है. वैसे सर्वाधिक 10 बार केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करने का रिकॉर्ड मोरार जी देसाई के नाम है. श्री देसाई ने श्री जवाहरलाल नेहरू व लाल बहादुर शास्त्री के नेतृत्व वाली सरकारों में वित्त मंत्री रहते हुए कुल मिलाकर 10 बार बजट (दो अंतरिम बजट सहित) प्रस्तुत किया (इनमें लगातार छह बार बजट प्रस्तुति शामिल है).

मोरार जी देसाई के बाद 9 बार केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करने का श्रेय पी. चिदम्बरम् को प्राप्त है. उन्होंने (एक अंतरिम बजट सहित) 9 बजट प्रस्तुत किए. उन्होंने पी.वी. नरसिंह राव व मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारों में वित्त मंत्री रहते हुए बजट पेश किए थे.

पी. चिदम्बरम के बाद, इस मामले में तीसरा स्थान प्रणब मुखर्जी का है जिन्होंने वित्त मंत्री रहते हुए कुल मिलाकर 8 बार केन्द्रीय बजट प्रस्तुत किए. इनके पश्चात् 7 बार केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करने वालों में श्रीमती निर्मला सीतारमण का नाम है.

2024-25 में सरकार की प्राप्तियाँ एवं व्यय का समायोजन

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान सरकार का कुल व्यय ₹ 45,03,097 करोड़ बजट में अनुमानित किया गया था, वास्तविक व्यय बजट अनुमानों से काफी अधिक रहा. संशोधित आकलन में 2023-24 में सरकार का कुल खर्च ₹ 44,42,542 करोड़ अनुमानित है. **2024-25 के दौरान सरकार का कुल व्यय और भी अधिक, ₹ 48,20,512 करोड़ नए बजट में प्रस्तावित है.** केन्द्र सरकार का यह अब तक का सबसे बड़ा बजट 2023-24 के दौरान हुए कुल व्यय ₹ 44,42,542 करोड़ (संशोधित अनुमान) से ₹ 3,77,970 करोड़ अधिक होगा.

2024-25 के लिए प्रस्तावित ₹ 48,20,512 करोड़ के कुल व्यय में ₹ 37,09,401 करोड़ राजस्व खाते में व ₹ 11,11,111 करोड़ पूँजी खाते में व्यय होंगे. संशोधित आकलन में 2023-24 में पूँजी खाते में सरकार का कुल व्यय ₹ 9,48,506 करोड़ अनुमानित किया गया है. इस प्रकार 2024-25 में सरकार के पूँजीगत व्यय में 17·1 प्रतिशत वृद्धि प्रस्तावित है. 2024-25 के दौरान ₹ 37,09,401 करोड़ के राजस्व व्यय के ब्याज भुगतान हेतु ही ₹ 11,62,940 करोड़ का प्रावधान किया गया है.

2024-25 में सरकार के कुल **₹ 48,20,512 करोड़ के प्रस्तावित व्यय की आपूर्ति ₹ 31,29,200 करोड़ की राजस्व प्राप्तियों से तथा शेष ₹ 16,91,312 करोड़ की आपूर्ति पूँजीगत प्राप्तियों से करने**

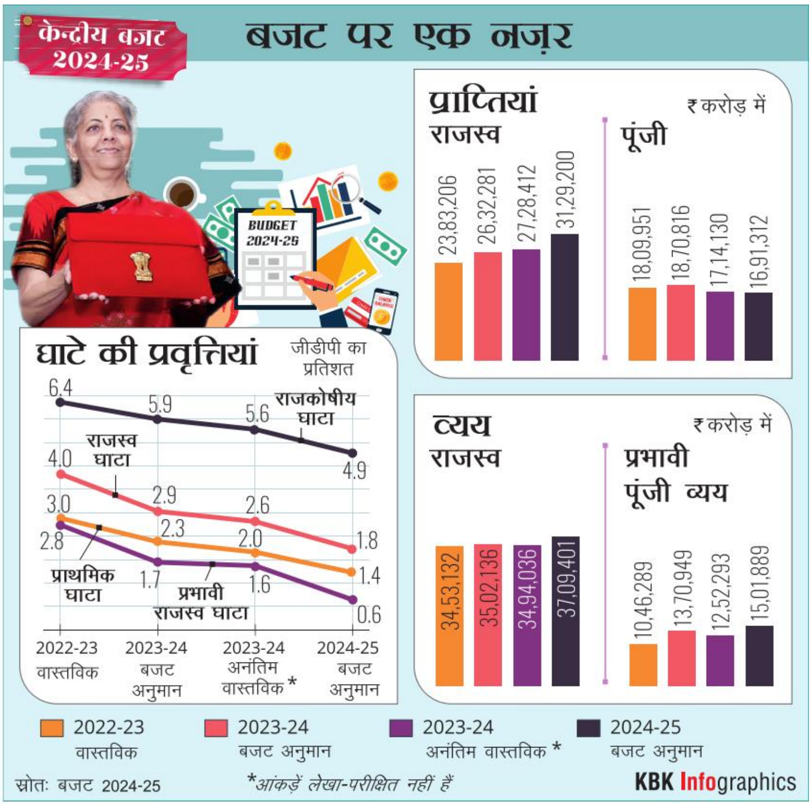

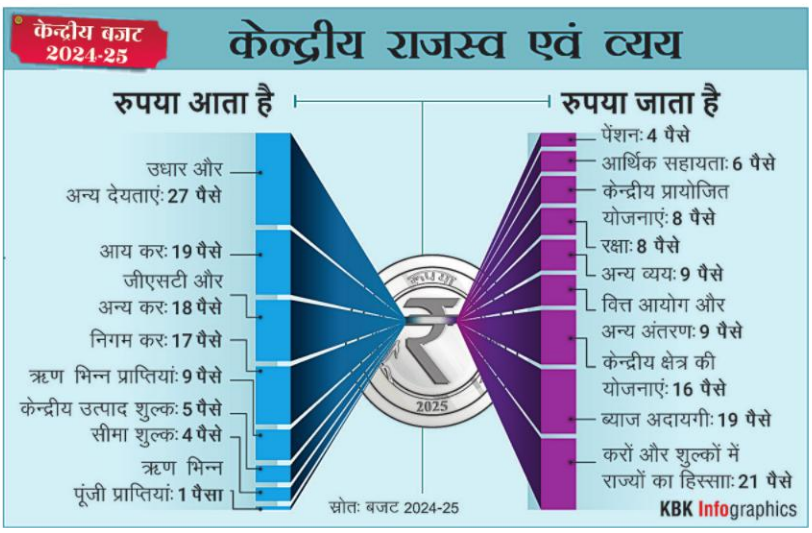

बजट का सार

(Budget At A Glance)

(₹ करोड़ में)

	2022-23 वास्तविक	2023-24 बजट अनुमान	2023-24 संशोधित अनुमान	2024-25 बजट अनुमान
1. राजस्व प्राप्तियाँ	23,83,206	26,32,281	27,28,412	31,29,200
2. कर राजस्व (केन्द्र को निवल)	20,97,786	23,30,631	23,26,524	25,83,499
3. कर-भिन्न राजस्व	2,85,421	3,01,650	4,01,888	5,45,701
4. पूँजी प्राप्तियाँ	18,09,951	18,70,816	17,14,130	16,91,312
5. ऋणों की वसूली	26,161	23,000	27,338	28,000
6. अन्य प्राप्तियाँ	46,035	61,000	33,122	50,000
7. उधार और अन्य देयताएं	17,37,755	17,86,816	16,53,670	16,13,312
8. कुल प्राप्तियाँ (1 + 4)	41,93,157	45,03,097	44,42,542	48,20,512
9. कुल व्यय (10 + 13)	41,93,157	45,03,097	44,42,542	48,20,512
10. राजस्व खाते पर जिसमें से	34,53,132	35,02,136	34,94,036	37,09,401
11. ब्याज भुगतान	9,28,517	10,79,971	10,63,871	11,62,940
12. पूँजीगत आस्तियों के सृजन हेतु सहायता अनुदान	3,06,264	3,69,988	3,03,787	3,90,778
13. पूँजी खाते पर	7,40,025	10,00,961	9,48,506	11,11,111
14. प्रभावी पूँजी व्यय (12 + 13)	10,46,289	13,70,949	12,52,293	15,01,889
15. राजस्व घाटा (10 – 1)	10,69,926 (4·0)	8,69,855 (2·9)	7,65,624 (2·6)	5,80,201 (1·8)
16. प्रभावी राजस्व घाटा (15 – 12)	7,63,662 (2·8)	4,99,867 (1·7)	4,61,837 (1·6)	1,89,423 (0·6)
17. राजकोषीय घाटा [9 – (1 + 5 + 6)]	17,37,755 (6·4)	17,86,816 (5·9)	16,53,670 (5·6)	16,13,312 (4·9)
18. प्राथमिक घाटा (17 – 11)	8,09,238 (3·0)	7,06,845 (2·3	5,89,799 (2·0)	4,50,372 (1·4)

नोट : कोष्ठक में दिए गए आँकड़े जीडीपी के प्रतिशत के रूप में है.

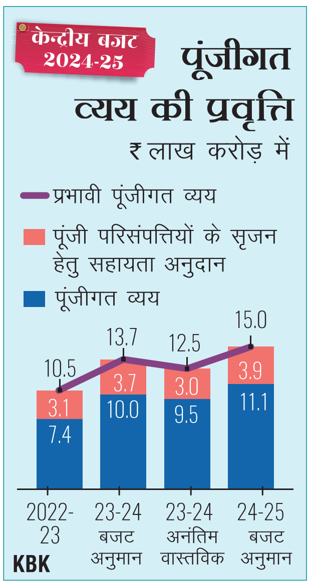

की बात बजट प्रस्तावों में कही गई है. ₹ 31,29,200 करोड़ की राजस्व प्राप्तियों में ₹ 25,83,499 करोड़ कर राजस्व (केन्द्र की निवल प्राप्तियाँ) से तथा शेष ₹ 5,45,701 करोड़ कर-भिन्न राजस्व (Non-Tax Revenue) से जुटाने का लक्ष्य है. ₹ 16,91,312 करोड़ की प्रस्तावित पूँजी प्राप्तियों में ₹ 28,000 करोड़ ऋणों की वसूली (Recovery of Loans) से व ₹ 16,13,312 करोड़ उधारियों से प्राप्त किए जाएंगे. सार्वजनिक उपक्रमों में विनिवेश (Disinvestment) द्वारा ₹ 50,000 करोड़ जुटाने का लक्ष्य बजट में निर्धारित किया गया है. सार्वजनिक उपक्रमों में विनिवेश पर कम ही निर्भरता इस बार बजट में रखी गई है. वित्तीय वर्ष 2023-24 में विनिवेश से ₹ 51,000 करोड़ जुटाने का लक्ष्य था, किन्तु संशोधित अनुमानों में यह प्राप्तियाँ ₹ 33,122 करोड़ ही अनुमानित हैं. इससे पूर्व 2022-23 में भी विनिवेश से ₹ 46,035 करोड़ ही प्राप्त किए जा सके थे.

प्राप्तियों एवं व्ययों के इन अनुमानों से 2024-25 में राजस्व घाटा (Revenue Deficit) ₹ 5,80,201 करोड़ रहने का अनुमान बजट में लगाया गया है. यह सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 1·8 प्रतिशत होगा (पूँजी परिसम्पत्तियों के सृजन के लिए दिए जाने वाले अनुदानों को राजस्व व्यय में से घटाने के पश्चात् प्रभावी राजस्व घाटा जीडीपी का 0·6 प्रतिशत ही रहेगा). 2023-24 में राजस्व घाटा जीडीपी का 2·9 प्रतिशत रहने का बजट अनुमान था, इसका संशोधित अनुमान जीडीपी के 2·6 प्रतिशत का है.

राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit)

2024-25 में राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit) ₹ 16,13,312 करोड़ बजट में अनुमानित है, जो सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 4·9 प्रतिशत होगा. 2023-24 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 5·9 प्रतिशत तक रखने का लक्ष्य पिछले वर्ष के बजट में निर्धारित किया गया था, संशोधित आकलन में यह 5·6 प्रतिशत अनुमानित है.

केन्द्रीय बजट 2024-25

कैसे खर्च होगा केंद्र सरकार का पैसा

2024-25 के लिए बजट अनुमान

₹ करोड़ में — कुल जोड़: 48,20,512

मद	राशि	मद	राशि
ब्याज	11,62,940	स्वास्थ्य	89,287
परिवहन	5,44,128	वित्त	86,339
रक्षा	4,54,773	शहरी विकास	82,577
प्रमुख सब्सिडी	3,81,175	ऊर्जा	68,769
राज्यों को अंतरण	3,22,787	संघ राज्य क्षेत्र	68,660
ग्रामीण विकास	2,65,808	सामाजिक कल्याण	56,501
पेंशन	2,43,296	वाणिज्य और उद्योग	47,559
कर प्रशासन	2,03,530	वैज्ञानिक विभाग	32,736
कृषि और संबद्ध कार्यकलाप	1,51,851	विदेश मामले	22,155
गृह	1,50,983	योजना एवं सांख्यिकी	6,291
शिक्षा	1,25,638	पूर्वोत्तर का विकास	5,900
आईटी और दूरसंचार	1,16,342	अन्य	1,44,477

स्रोतः बजट 2024-25 KBK Infographics

प्राथमिक घाटा

2024-25 में प्राथमिक घाटा जीडीपी का 1·4 प्रतिशत अनुमानित किया गया है. पिछले वर्ष 2023-24 में यह जीडीपी का 2·3 प्रतिशत बजट में अनुमानित था तथा संशोधित अनुमानों में यह जीडीपी का 2·0 प्रतिशत रहा है.

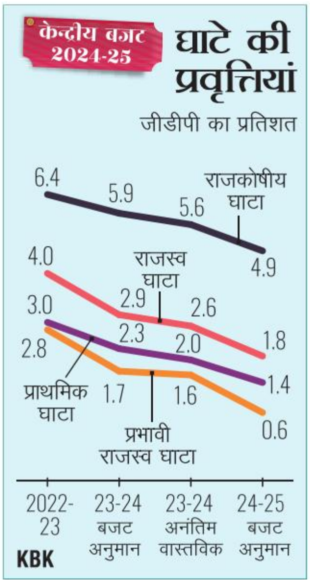

बजट 2024-25 के अप्रत्यक्ष कर प्रस्ताव

जीएसटी की सफलता से प्रोत्साहित होकर इसके लाभों को कई गुना बढ़ाने के लिए इसकी कर संरचना को अधिक सरल व तर्क संगत बनाने की घोषणा बजट में की गई है. सीमा शुल्क की संरचना को तर्क संगत व सरल बनाने के लिए इनकी दरों की व्यापक समीक्षा अगले 6 माह में करने की बात भी बजट प्रस्तावों में है. उपभोक्ताओं व उद्योगों को राहत पहुँचाने के लिए फिलहाल इस

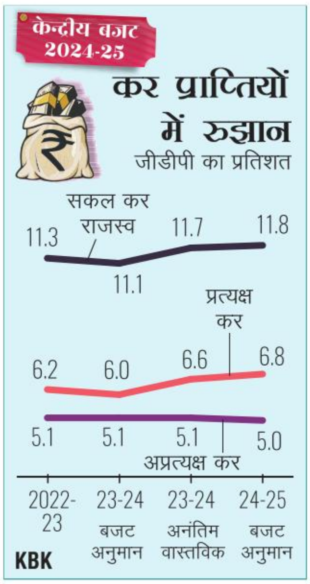

बजट में तीन और कैंसर दवाओं को सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट जहाँ बजट में दी गई है. वहीं कुछ धातुओं (metals) पर बेसिक कस्टम ड्यूटी (BCD) हटा दी गई है. **सोना व चाँदी पर सीमा शुल्क घटाकर 6 प्रतिशत तथा प्लेटिनम के मामले में यह 6·4 प्रतिशत किया गया है.** इससे उपभोक्ताओं व आभूषण निर्माताओं को भारी राहत मिली है. मोबाइल फोन, मोबाइल चार्जर तथा मोबाइल प्रिंटेड सर्किट, बोर्ड असेम्बली पर सीमा शुल्क घटाकर 15 प्रतिशत किया गया है. लीथियम, कोबाल्ट, ताँबा व रेयर अर्थ एलिमेंट जैसे 25 आवश्यक खनिजों को सीमा शुल्क से पूरी

केन्द्रीय बजट 2024-25

नई व्यक्तिगत आयकर दरें

नई आयकर व्यवस्था के तहत

आय के स्लैब	कर दरें
₹ 3 लाख तक	शून्य
₹ 3 से 7 लाख	5%
₹ 7 से 10 लाख	10%
₹ 10 से 12 लाख	15%
₹ 12 से 15 लाख	20%
₹ 15 लाख से अधिक	30%

- वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन ₹ 50,000 से बढ़ाकर ₹ 75,000 की गई
- लगभग 4 करोड़ वेतनभोगियों और पेंशनभोगियों को लाभ
- पेंशनभोगियों के लिए पारिवारिक पेंशन पर कटौती ₹ 15,000 से बढ़ाकर ₹ 25,000 की गई
- वेतनभोगी कर्मचारियों को ₹ 17,500 तक का लाभ होगा

KBK Infographics

तरह छूट बजट में दी गई है. सी-फूड निर्यात को अधिक प्रतिस्पर्द्धात्मक बनाने के लिए कुछ तरह के फिश फूड पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है.

दूसरी ओर, घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ टेलीकॉम इक्युपमेंट्स पर बीसीडी को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत, व अमोनियम नाइट्रेट पर यह 7·5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत किया गया है. पीबीसी फ्लेक्स बैनर बायोडिग्रेडेबल न होने के कारण, इनका आयात कम करने के लिए इन पर बीसीडी को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत इस बजट में किया गया है.

प्रत्यक्ष कर प्रस्ताव

कर संरचना को अधिक तर्क संगत बनाने तथा करदाताओं को राहत प्रदान करने के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों की व्यापक समीक्षा अगले 6 माह में करने की बात वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहीं है. उन्होंने बताया कि निगम कर व वैयक्तिक आय कर के सरलीकरण के लिए जो छूटों रहित कर की नई व्यवस्था 2022-23 से अपनाई गई थी, उसका कर दाताओं ने स्वागत किया है तथा दो-तिहाई से अधिक आय कर दाताओं ने नई कर-व्यवस्था को ही अपनाया है. नई कर व्यवस्था में वेतनभोगी आय कर दाताओं को कुछ और राहत प्रदान करते हुए स्टैण्डर्ड डिडक्शन की सीमा को ₹ 50,000 से बढ़ाकर ₹ 75,000 तथा पेंशन भोगियों के लिए

हलवा वितरण भी भारत में बजट निर्माण के तहत् एक परम्परा

हलवा समारोह भारत में बजट निर्माण से सम्बन्धित एक परम्परा है जो बजट तैयारी के अंतिम चरण का प्रतीक है. बजट निर्माण का अंतिम चरण प्रारम्भ होने से पूर्व बजट निर्माण प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों को हलवा वितरण वित्त मंत्री द्वारा नॉर्थ ब्लॉक (वित्त मंत्रालय) में किया जाता है. इसके साथ ही बजट की तैयारियों में लगे अधिकारियों का लॉक इन प्रारम्भ हो जाता है. कुछ वर्ष पूर्व जब बजट दस्तावेजों की छपाई नॉर्थ ब्लॉक में होती थी तो हलवा वितरण के पश्चात् बजट की छपाई से जुड़े कर्मचारी संसद में बजट पेश होने के पश्चात् ही नॉर्थ ब्लॉक से बाहर निकल सकते थे. आजकल तो बजट दस्तावेज मुख्यत: डिजिटल रूप में ही उपलब्ध होते हैं तथापि हलवा समारोह की परम्परा जारी है.

केन्द्रीय बजट 2024-25 की प्रस्तुति से एक सप्ताह पूर्व 16 जुलाई को नॉर्थ ब्लॉक में सम्बन्धित स्टॉफ को हलवा वितरित करती हुई, वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नियमित बजट वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा 23 जुलाई, 2024 को लोक सभा में प्रस्तुत किया गया. इस बजट से जुड़ा हलवा समारोह 16 जुलाई को नॉर्थ ब्लॉक में सम्पन्न हुआ था.

पारिवारिक पेंशन पर कटौती ₹ 15,000 से बढ़ाकर ₹ 25,000 बजट में किया गया है तथा कर दरों में भी कुछ राहत प्रदान करते हुए यह दरें निम्नलिखित अनुसार संशोधित की गई हैं—

वार्षिक आय	कर की दर
₹ 0-3 लाख	शून्य
₹ 3-7 लाख	5 प्रतिशत
₹ 7-10 लाख	10 प्रतिशत
₹ 10-12 लाख	15 प्रतिशत
₹ 12-15 लाख	20 प्रतिशत
₹ 15 लाख से अधिक	30 प्रतिशत

- इस नई संशोधित कर व्यवस्था से वेतनभोगी कर्मचारियों को ₹ 17,500 तक बचत आय कर में होगी.
- बाहरी पूँजी निवेश आकर्षित करने के लिए विदेशी कम्पनियों पर कॉर्पोरेट टैक्स की दर (विशेष दरों पर वसूले जाने वाले कर को छोड़कर) 40 प्रतिशत से घटाकर 35 प्रतिशत की गई है. इस फैसले से विदेशी कम्पनियों के भारत में प्रवेश को बढ़ावा मिलेगा.
- कैपिटल गेन्स टैक्स संरचना में किए गए एक परिवर्तन के तहत् अब कुछ वित्तीय परिसम्पत्तियों पर शॉर्ट टर्म गेन्स पर 20 प्रतिशत तथा सभी वित्तीय व गैर वित्तीय परिसम्पत्तियों पर लॉन्ग टर्म गेन्स पर 12·5 प्रतिशत की दर से लगेगा. रियल एस्टेट के क्रय-विक्रय पर कैपिटल गेन की गणना के लिए इंडक्सेशन की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है. अब पुरानी सम्पत्ति बेचने पर होने वाले लाभ पर सीधे ही 12·5 प्रतिशत कैपिटल गेन टैक्स देय होगा.
- सभी वर्ग के निवेशकों के लिए एंजेल टैक्स को नए बजट में समाप्त कर दिया गया है. इससे स्टार्ट-अप्स को विशेष रूप से राहत मिलेगी (**एंजेल टैक्स एक आय कर है, जो उस समय लगता है जब कोई असूचीबद्ध कम्पनी किसी निवेशक को अपने शेयरों की बिक्री उसके उचित बाजार मूल्य से अधिक मूल्य पर करती है**).
- प्रतिभूतियों के फ्यूचर व ऑप्शस (F&O) पर सिक्युरिटीज, ट्रांजेक्शन टैक्स (STT) को दो गुना कर दिया गया है.

उपर्युक्त कर प्रस्तावों के अतिरिक्त अपीलों में लम्बित आय कर विवादों के समाधान के लिए एक नई **विवाद से विश्वास योजना** लाने तथा कर न्यायाधिकरणों, उच्च न्यायालयों व सर्वोच्च न्यायालय में प्रत्यक्ष कर, उत्पाद शुल्क व सेवा कर से सम्बन्धित अपील दायर करने की मौद्रिक सीमा को बढ़ाकर क्रमश: ₹ 60 लाख, ₹ 2 करोड़ व ₹ 5 करोड़ करने का प्रस्ताव बजट में किया गया है.

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला नियमित बजट प्रधानमंत्री के रूप में उनके अब तक के कार्यकाल का यह 12वाँ बजट (दो अंतरिम बजट सहित).
- बजट में 2024-25 में सरकार का कुल व्यय ₹ 48·20 लाख करोड़ प्रस्तावित, जिसमें पूँजीगत व्यय कुल व्यय का 23 प्रतिशत.
- 2024-25 में सरकार का राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4·9 प्रतिशत तथा प्राथमिक घाटा जीडीपी का 1·4 प्रतिशत प्रस्तावित.
- 9 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए.
- बिहार, झारखण्ड, प. बंगाल, ओडिशा व आन्ध्र प्रदेश के सर्वांगीण विकास हेतु पूर्वोदय योजना.
- बिहार व आन्ध्र प्रदेश के लिए वित्तीय सहायता पर बल.
- पहली बार औपचारिक क्षेत्र में काम पर आने वाले कर्मचारियों के लिए एक माह का वेतन प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) के तहत् सरकार द्वारा दिया जाएगा (अधिकतम ₹ 15,000).
- स्वदेशी उच्च शिक्षा संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए ₹ 10 लाख तक के उच्च शिक्षा ऋण के लिए प्रति वर्ष एक लाख छात्रों को ई वाउचर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिसमें ऋण राशि का 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान के रूप में होगा.
- स्पेस इकोनॉमी के अगले 10 वर्षों में 5 गुना विस्तार के लिए ₹ 1,000 करोड़ के वेंचर कैपिटल फंड की व्यवस्था.
- जनजातीय समुदायों की स्थिति में सुधार के लिए एक नए **प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान** शुरू करने की घोषणा.
- 63,000 गाँवों को इसके दायरे में लाकर 5 करोड़ जनजातीय लोगों को लाभान्वित करने का लक्ष्य.
- अवयस्क बच्चों के लिए एक नई पेंशन योजना '**वात्सल्य**' की घोषणा. अवयस्क के वयस्कता की आयु प्राप्त करने पर इस योजना को स्वत: ही एक सामान्य नेशनल पेंशन स्कीम में बदला जा सकेगा.
- प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को आगे और प्रोत्साहित करने की घोषणा.

●●●

उपकार
प्रैक्टिस सैट
रेलवे भर्ती बोर्ड
असिस्टेंट लोको पायलट/टेक्निशियन
प्रथम चरण-कम्प्यूटर आधारित परीक्षा
विषय विशेषज्ञों द्वारा संकलित
योग्यता आधारित प्रश्न (व्याख्यात्मक हल सहित)
Code : 2555
₹ 145.00
नवीन पैटर्न पर आधारित 20 प्रैक्टिस सैट्स
सम्पादक मण्डल
उपकार प्रकाशन, आगरा
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

- 2023-24 में देश में ₹ 1·27 लाख करोड़ का रक्षा उत्पादन
- केवल भारतीय उद्योगों से ही खरीदे जाने के लिए 346 रक्षा सम्बन्धी वस्तुओं की पाँचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी
- 2016-23 की अवधि में पाकिस्तान की जनसंख्या में 2·55 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि : हिन्दू जनसंख्या भी बढ़ी
- भारत में 2024-25 में आर्थिक वृद्धि 7·0 प्रतिशत रहने का मुद्रा कोष का जुलाई 2024 का नया पूर्वानुमान : विश्व में सर्वोच्च वृद्धि भारत में ही रहेगी
- भारत में जनसंख्या 2062 में अपने सर्वोच्च स्तर पर होगी : वैश्विक जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट 2024
- एशियाई विकास बैंक के ताजा आकलन में भी भारतीय अर्थव्यवस्था ही सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था
- नीति आयोग का पुनर्गठन (2024)
- 2023-24 के लिए ईपीएफ जमाओं पर 8·25 प्रतिशत ब्याज को वित्त मंत्रालय की मंजूरी
- 2023-24 में ऋणात्मक वृद्धि के पश्चात् 2024-25 की पहली तिमाही में देश के निर्यातों व आयातों में धनात्मक वृद्धि

2023-24 में देश में ₹ 1·27 लाख करोड़ का रक्षा उत्पादन

आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में सरकार की विभिन्न नीतियों एवं पहलों के परिणाम देश में रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में सामने आए हैं तथा बीते वर्ष 2023-24 में मूल्य की दृष्टि से स्वदेशी रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में अब तक की सर्वोच्च वृद्धि प्राप्त की गई है. रक्षा से सम्बन्धित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (Defence Public Sector Undertaking–DPSUs), रक्षा सामग्रियों का उत्पादन करने वाले अन्य सार्वजनिक उपक्रमों (Other PSUs manufacturing defence items) व निजी कम्पनियों से प्राप्त आँकड़ों के अनुसार देश में रक्षा उत्पादन का मूल्य 2023-24 में रिकॉर्ड ₹ 1,26,887 करोड़ रहा है, जो पूर्व वर्ष 2022-23 में ₹ 1,08,684 करोड़ था. इस प्रकार रक्षा उत्पादन में 16·7 प्रतिशत की वृद्धि 2023-24 में प्राप्त की गई.

रक्षा मंत्रालय की 5 जुलाई, 2024 की विज्ञप्ति के अनुसार 2023-24 में रक्षा उत्पादन के कुल मूल्य में डीपीएसयू व अन्य पीएसयू का योगदान 79·2 प्रतिशत तथा निजी क्षेत्र का योगदान 20·8 प्रतिशत रहा है.

रक्षा मंत्रालय की 5 जुलाई, 2024 की विज्ञप्ति के अनुसार विगत 5 वर्षों में देश में रक्षा उत्पादन के आँकड़े निम्नलिखित रहे हैं—

वर्ष	कुल रक्षा उत्पादन (₹ करोड़)	डीपीएसयू/पीएसयू का योगदान (₹ करोड़)	निजी कम्पनियों का योगदान (₹ करोड़)
2019-20	79,071	63,177	15,894
2020-21	84,643	67,375	17,268
2021-22	94,845	74,925	19,920
2022-23	1,08,684	87,601	21,083
2023-24	1,26,887	1,00,381	26,506

रक्षा मंत्रालय का मानना है कि रक्षा निर्यातों में वृद्धि ने भी देश में रक्षा उत्पादन में वृद्धि में विशेष योगदान दिया है. रक्षा मंत्रालय की 5 जुलाई, 2024 की विज्ञप्ति के अनुसार 2022-23 में देश के कुल रक्षा निर्यात ₹ 15,920 करोड़ के थे जो 2023-24 में ₹ 21,083 करोड़ के रहे हैं. यह विगत वर्ष में रक्षा निर्यातों में 32·5 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है.

केवल भारतीय उद्योगों से ही खरीदे जाने के लिए 346 रक्षा सम्बन्धी वस्तुओं की पाँचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी

रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देकर रक्षा उत्पादों का आयात कम करने तथा उस दिशा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए रक्षा उत्पादन विभाग Department of Defence Production–DPP) ने 346 वस्तुओं की पाँचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (Positive Indigenisation List-PIL) 16 जुलाई, 2024 को जारी की है. महत्वपूर्ण लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट्स/सिस्टम/सब सिस्टम/असेंबली/सब असेंबली स्पेयर व कम्पोनेंट तथा कच्चा माल इनमें शामिल हैं जिनका आयात प्रतिस्थापन मूल्य ₹ 1,048 करोड़ है. निर्धारित समय सीमा के पश्चात् इन वस्तुओं की खरीद भारतीय उद्योगों से ही की जाएगी. विभिन्न वस्तुओं के लिए यह समय सीमा सृजन डिफेंस पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है. (वर्ष 2020 में रक्षा मंत्रालय द्वारा लॉन्च किए गए सृजन डिफेंस पोर्टल पर एसएमएसई कम्पनियों व स्टार्ट-अप कम्पनियों सहित उद्योगों को स्वदेशीकरण के लिए रक्षा उत्पादों की सूची रक्षा मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई जाती है) इस समय सीमा के पश्चात् सूची में जारी नई वस्तुओं की खरीद भारतीय उद्योगों से ही की जाएगी. इससे आयात के ₹ 1,048 करोड़ बचने की बात रक्षा मंत्रालय की 16 जुलाई की विज्ञप्ति में कही गई है. इसके साथ ही इससे अर्थव्यवस्था में वृद्धि को गति मिलेगी, रक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी. घरेलू रक्षा उद्योग की क्षमताओं में भी इससे वृद्धि होगी.

उल्लेखनीय है कि भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा उत्पादन कम्पनियों में हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, बीईएमएल लिमिटेड, इंडिया आप्टेल लिमिटेड, मझगाँव डाक शिपबिल्डर्स

लिमिटेड, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एण्ड इंजीनियर्स लिमिटेड, हिन्दुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड शामिल हैं.

उल्लेखनीय है कि रक्षा उत्पादों के स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों (DPSUs) के लिए 4666 वस्तुओं वाली ऐसी चार सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियाँ (PILs) रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा पहले ही जारी की जा चुकी हैं. जिनमें से 2972 वस्तुएँ, जिनका आयात प्रतिस्थापन मूल्य ₹ 3,400 करोड़ है, का स्वदेशीकरण भी पहले ही किया जा चुका है. डीपीएसयू के लिए यह पाँच सूचियाँ सैन्य मामलों के विभाग (Department of Military Affairs-DMA) द्वारा अधिसूचित 509 वस्तुओं की पाँच सूचियों से अलग हैं. इन सूचियों में अत्यधिक जटिल प्रणालियाँ, सेंसर, हथियार व गोला-बारूद शामिल हैं.

2016-23 की अवधि में पाकिस्तान की जनसंख्या में 2·55 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि : हिन्दू जनसंख्या भी बढ़ी

पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो (Pakistan Bureau of Statistics) ने देश की वर्ष 2023 की (सातवीं) जनगणना एवं आवासीय गणना के आँकड़े 18 जुलाई, 2024 को जारी किए. इस गणना में देश की कुल जनसंख्या 2023 में 24,04,58,089 दर्ज की गई है, जो 2017 में (छठी गणना में) 207·68 मिलियन थी. इस प्रकार **जनसंख्या में वार्षिक वृद्धि दर 2·55 प्रतिशत इस अवधि में रही है. इस दर से इसकी जनसंख्या 2050 में दोगुना हो जाएगी.**

- ताजा 2023 की जनगणना में देश में पुरुषों की जनसंख्या 124·32 मिलियन व महिलाओं की संख्या 117·15 मिलियन दर्ज की गई है. इस प्रकार लिंगानुपात 1·06 पाया गया है.
- 2017 की तुलना में 2023 में पाकिस्तान में बहुसंख्यक मुस्लिम जनसंख्या का अनुपात 96·47 प्रतिशत से घटकर 96·35 प्रतिशत रह गया है.
- 2017 की तुलना में 2023 में पाकिस्तान में हिन्दू जनसंख्या 3·5 मिलियन से बढ़कर 3·8 मिलियन हो गई है, किन्तु कुल जनसंख्या में हिन्दू जनसंख्या का अनुपात 1·73 प्रतिशत से घटकर 1·61 प्रतिशत रह गया है.
- सन्दर्भित अवधि में ईसाई जनसंख्या 2·6 मिलियन से बढ़कर 3·3 मिलियन हो गई है तथा इस अवधि में कुल जनसंख्या में ईसाई जनसंख्या का अनुपात भी 1·27 प्रतिशत से बढ़कर 1·37 प्रतिशत हो गया है.
- 2023 की गणना में पाकिस्तान में सिख जनसंख्या 15,998 तथा पारसी जनसंख्या 2,348 दर्ज की गई है.

तथ्य एक दृष्टि में—भारत में तिलहनों के प्रमुख उत्पादक राज्य

क्र.	राज्य	उत्पादन (2023-24) (कृषि मंत्रालय के तीसरे अग्रिम अनुमान)
	मूँगफली	
1.	गुजरात	46·42
2.	राजस्थान	20·16
3.	मध्य प्रदेश	9·91
4.	तमिलनाडु	8·80
5.	कर्नाटक	3·69
	सोयाबीन	
1.	मध्य प्रदेश	54·72
2.	महाराष्ट्र	52·33
3.	राजस्थान	11·70
4.	कर्नाटक	4·13
5.	गुजरात	3·78
	रेपसीड एवं सरसों	
1.	राजस्थान	59·77
2.	उत्तर प्रदेश	18·75
3.	मध्य प्रदेश	17·48
4.	हरियाणा	14·19
5.	प. बंगाल	7·88
	अरंडी का बीज (Castor Seed)	
1.	गुजरात	15·52
2.	राजस्थान	3·24
3.	आन्ध्र प्रदेश	0·25
4.	ओडिशा	0·04
5.	तमिलनाडु	0·02
	नाइगर सीड (Niger Seed)	
1.	ओडिशा	0·13
2.	छत्तीसगढ़	0·05
3.	असम	0·03
4.	मध्य प्रदेश	0·03
5.	प. बंगाल	0·01
	तिल (Sesamum)	
1.	प. बंगाल	2·62
2.	गुजरात	1·31
3.	मध्य प्रदेश	1·22
4.	उत्तर प्रदेश	1·19
5.	राजस्थान	0·71
	सूरजमुखी (Sunflower)	
1.	कर्नाटक	0·68
2.	हरियाणा	0·29
3.	ओडिशा	0·23
4.	तेलंगाना	0·15
5.	बिहार	0·09
	कुसुम्ब (Safflower)	
1.	महाराष्ट्र	0·33
2.	कर्नाटक	0·13
3.	तेलंगाना	0·04
4.	आन्ध्र प्रदेश	0·01
5.	बिहार	0·71

वाणिज्यिक फसलें

	गन्ने के प्रमुख उत्पादक राज्य	
1.	उत्तर प्रदेश	2055·61
2.	महाराष्ट्र	1120·88
3.	कर्नाटक	418·11
4.	तमिलनाडु	158·10
5.	गुजरात	147·03
	कपास के प्रमुख उत्पादक राज्य	(उत्पादन लाख गाँठें)
1.	गुजरात	90·60
2.	महाराष्ट्र	80·45
3.	तेलंगाना	50·80
4.	राजस्थान	26·22
5.	कर्नाटक	20·47
	जूट के प्रमुख उत्पादक राज्य	(उत्पादन लाख गाँठें)
1.	प. बंगाल	77·04
2.	बिहार	7·85
3.	असम	6·65
4.	ओडिशा	0·40
	मेस्ता के प्रमुख उत्पादक राज्य	(उत्पादन लाख गाँठें)
1.	बिहार	2·00
2.	प. बंगाल	1·62
3.	असम	0·20
4.	ओडिशा	0·18
5.	आन्ध्र प्रदेश	0·12

भारत में 2024-25 में आर्थिक वृद्धि 7·0 प्रतिशत रहने का मुद्रा कोष का जुलाई 2024 का नया पूर्वानुमान : विश्व में सर्वोच्च वृद्धि भारत में ही रहेगी

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के ताजा आकलन अनुसार बीते वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि विश्व की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सर्वोच्च (8·2 प्रतिशत) रही है.

विश्व के विभिन्न भागों एवं देशों में आर्थिक स्थिति, चुनौतियों एवं विकास की स्थिति के सम्बन्ध में अपने नए ताजा आकलन अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने 5 जुलाई, 2024 में अपनी ताजा **वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक** (World Economic Outlook) रिपोर्ट में व्यक्त किए हैं. 16 जुलाई, 2024 को जारी इस रिपोर्ट में 2024 के दौरान विश्व में स्थिरता की स्थिति ही बनी रहने का अनुमान व्यक्त किया है. 2024 व 2025 में वैश्विक जीडीपी में वृद्धि क्रमशः 3·2 प्रतिशत व 3·3 प्रतिशत ही रहने के अपने अप्रैल 2024 के पूर्वानुमान ही इसने जुलाई 2024 में भी बरकरार रखे हैं. इससे पूर्व 2023 में भी वैश्विक वृद्धि 3·3 प्रतिशत रही थी. 2023 की तुलना में 2024 में विकसित देशों में वृद्धि में किसी परिवर्तन का अनुमान आईएमएफ का नहीं है. विकसित देशों में वृद्धि 2023 में 1·7 प्रतिशत रही थी, जो 2024 में भी इतनी ही सम्भावित है. इसके विपरीत उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं व विकासशील देशों (एमर्जिंग मार्केट्स एण्ड डेवलपिंग इकोनॉमीज) में 2024 व 2025 में वृद्धि अब 4·3–4·3 अनुमानित है.

भारत के सम्बन्ध में 2024-25 के लिए अपने ग्रोथ पूर्वानुमान में 0·2 प्रतिशत बिन्दु का सुधार आईएमएफ ने जुलाई 2024 में किया है. भारत में 2024-25 में वृद्धि 6·8 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान आईएमएफ ने अप्रैल 2024 में व्यक्त किया था. इसे बढ़ाकर अब 7·0 प्रतिशत रहने का कोष का जुलाई 2024 का ताजा पूर्वानुमान है. 2025-26 के लिए भारत के लिए अप्रैल 2024 के 6·5 प्रतिशत के पूर्वानुमान में कोई परिवर्तन कोष ने जुलाई 2024 की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में नहीं किया है.

चीन में 2024 व 2025 में आर्थिक वृद्धि के अपने अप्रैल 2024 के पूर्वानुमानों में 0·4–0·4 प्रतिशत बिन्दु की वृद्धि आईएमएफ ने जुलाई 2024 की है. 2024 में वहाँ जीडीपी में वृद्धि 5·0 प्रतिशत रहने तथा 2025 में यह 4·5 प्रतिशत रहने का आईएमएफ का ताजा जुलाई 2024 का पूर्वानुमान है.

जापान में 2024 में आर्थिक वृद्धि 0·7 प्रतिशत ही रहने का आईएमएफ का जुलाई 2024 का ताजा अनुमान है, जबकि 2025 में वहाँ यह वृद्धि 1·0 प्रतिशत ही सम्भावित है.

विश्व के प्रमुख क्षेत्रों एवं देशों में 2023 में प्राप्त की गई वृद्धि दरें तथा 2024 व 2025 के लिए मुद्रा कोष के पूर्वानुमान बॉक्स में दर्शाए गए हैं. इस विश्लेषण से स्पष्ट है कि 2023 में भारत में वृद्धि सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सर्वोच्च रही है तथा 2024 व 2025 में भी

भारत में जनसंख्या 2062 में अपने सर्वोच्च स्तर पर होगी : वैश्विक जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट 2024

*विश्व में जनसंख्या की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र संघ के जनसंख्या विभाग (United Nations Population Division–UNPD) की **द्विवार्षिक वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2024** (World Population Prospects 2024) रिपोर्ट 11 जुलाई, 2024 को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जारी हुई. इसमें बताया गया है कि भारत जो 2023 में चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश हो गया था, की जनसंख्या 2062 में अपने सर्वोच्च स्तर (1·70 अरब) पर होगी जिसके बाद इसमें गिरावट शुरू होगी, जिसके बावजूद 2100 तक 150 करोड़ जनसंख्या के साथ विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश यह बना रहेगा.*

विश्व की कुल जनसंख्या जो 2030 में 8·5 अरब होने का अनुमान है, 2063 में 10 अरब का बिन्दु पार कर जाएगी तथा 2080 के दशक के मध्य में यह अपने सर्वोच्च स्तर 10·3 अरब पर पहुँचने के पश्चात् धीरे-धीरे घटेगी तथा इस सदी के अन्त तक 10 अरब से नीचे आ जाएगी. इस प्रकार सदी के अन्त तक वैश्विक जनसंख्या मौजूदा स्तर से 2 अरब अधिक होगी.

रिपोर्ट के अनुसार अंगोला, केन्द्रीय अफ्रीकी गणराज्य, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, नाइजर व सोमालिया में जनसंख्या में तीव्र वृद्धि का सिलसिला बना रहेगा तथा 2024 से 2054 के दौरान इनकी जनसंख्या दोगुनी हो जाएगी.

- *वर्तमान में दूसरी बड़ी जनसंख्या वाले देश चीन में 2024 से 2054 के बीच जनसंख्या में बड़ी गिरावट आएगी तथा 2100 तक चीन की जनसंख्या वर्तमान समय से आधी से कम (लगभग 63 करोड़ रह जाएगी.)*
- *रिपोर्ट के अनुसार 2054 में 38·9 करोड़ जनसंख्या के साथ पाकिस्तान भारत व चीन के पश्चात् तीसरी बड़ी जनसंख्या वाला देश हो जाएगा तथा उस समय 38·4 करोड़ जनसंख्या के साथ अमेरिका विश्व का चौथी बड़ी जनसंख्या वाला देश हो जाएगा.*
- *वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्ट्स, 2024 के अनुसार विश्व में **जन्म के समय जीवन प्रत्याशा** (Life expectancy at birth) 2024 में 73·3 वर्ष है तथा वर्ष 2054 तक यह 77·4 वर्ष होने की आशा है. इससे वर्ष 2080 तक विश्व में 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 2·2 अरब होगी जो 18 वर्ष से कम उम्र की जनसंख्या से अधिक होगी.*
- *रिपोर्ट के अनुसार विश्व के लगभग 100 देशों/क्षेत्रों में कार्यशील आयु वर्ग (20–64 वर्ष) की जनसंख्या में 2054 तक वृद्धि होगी. इससे 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' का लाभ उठाने की स्थिति में यह होंगे. इसका भरपूर लाभ उठाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य व आधारिक संरचना में निवेश इन्हें करना चाहिए.*
- *रिपोर्ट के अनुसार विश्व के आधे से अधिक देशों व क्षेत्रों में प्रजनन दर रिप्लेसमेंट लेवल (जो दीर्घकाल में जनसंख्या को स्थिर बनाए रखती है, तथा जो 2·1 जन्म प्रति महिला है) से कम है, इसके बावजूद इसका वैश्विक औसत 2·25 जन्म प्रति महिला बना हुआ है.*
- ***रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में 63 देशों/क्षेत्रों में जनसंख्या 2024 से पूर्व ही अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच चुकी थी.** (चीन, जापान व जर्मनी ऐसे देशों की श्रेणी में आते हैं) जबकि 48 अन्य देशों/क्षेत्रों में यह स्थिति 2024 व 2054 के दौरान आनी है. शेष 126 देशों/क्षेत्रों जिनमें भारत, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, नाइजीरिया व अमेरिका भी शामिल हैं, में 2054 के बाद भी जनसंख्या वृद्धि जारी रहेगी इन देशों में यह सदी के दूसरे हाफ में उच्चतम स्तर पर पहुँचेगी. रिपोर्ट के अनुसार भारत में जनसंख्या 2062 में अपने उच्चतम स्तर (1·701 अरब) पर होगी.*

विभिन्न देशों/क्षेत्रों में जीडीपी वृद्धि के मुद्राकोष के जुलाई 2024 के अनुमान			
	अनुमानित वृद्धि	जुलाई, 2024 के पूर्वानुमान	
	2023	2024	2025
सम्पूर्ण विश्व	**3·3**	**3·2**	**3·3**
विकसित अर्थव्यवस्थाएँ	1·7	1·7	1·8
अमेरिका	2·5	2·6	1·9
यूरो क्षेत्र	0·5	0·9	1·5
जापान	1·9	0·7	1·0
यूनाइटेड किंगडम	0·1	0·7	1·5
एमर्जिंग मार्केट्स एण्ड डेवलपिंग इकोनोमीज (EMDE)	**4·4**	**4·3**	**4·3**
चीन	5·2	5·0	4·5
भारत*	8·2	7·0	6·5
रूस	3·6	3·2	1·5
ब्राजील	2·9	2·1	2·4
द. अफ्रीका	0·7	0·9	1·2
कम आय वाले विकासशील देश	**3·9**	**4·4**	**5·3**

* भारत के लिए 2023 से तात्पर्य 2023-24 से तथा 2024 से तात्पर्य 2024-25 से है.

भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि विश्व की सभी प्रमुख अर्थव्यवस्था में सर्वोच्च ही रहेगी.

एशियाई विकास बैंक के ताजा आकलन में भी भारतीय अर्थव्यवस्था ही सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है तथा आने वाले वर्षों में भी यह सबसे तेज गति से ही आगे बढ़ेगी. यह बात अब विश्व के सभी वित्तीय एजेंसियाँ व रेटिंग एजेंसियाँ स्वीकार करते हैं. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के बाद एशियाई विकास बैंक (ADB) ने भी जुलाई 2024 में जारी अपनी एक रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था को एशिया में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था करार दिया है. मनीला स्थित एशियाई विकास बैंक की जुलाई 2024 की एशियन डेवलपमेंट आउटलुक (ADO) में बताया गया है कि विकासशील एशिया में 2024 में वृद्धि 5·0 प्रतिशत अनुमानित है, जबकि अगले वर्ष 2025 में यह 4·9 प्रतिशत रहेगी.

एशिया में चीन में वृद्धि 2023 में 5·2 प्रतिशत तथा भारत में यह 8·2 प्रतिशत रही है. चीन में वृद्धि 2024 व 2025 में क्रमशः 4·8 प्रतिशत व 4·5 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान एशियाई विकास बैंक ने अप्रैल 2024 में व्यक्त किया था. दोनों ही वर्षों के लिए इन पूर्वानुमानों में जुलाई 2024 में कोई परिवर्तन एडीबी ने नहीं किया है.

भारत में 2024-25 में 7·0 प्रतिशत व 2025-26 में 7·2 प्रतिशत वृद्धि का एशियाई विकास बैंक का पूर्वानुमान अप्रैल 2024 में था. इन पूर्वानुमानों में भी कोई परिवर्तन जुलाई 2024 में एडीबी ने नहीं किया है. **इससे इन दोनों वर्षों में भारत में ही वृद्धि सर्वोच्च बने रहने का एडीबी का अनुमान बरकरार है.** 2023-24 में भारत में 8·2 प्रतिशत की वृद्धि पहले ही विश्व में सर्वोच्च रही है.

एशिया के अन्य प्रमुख राष्ट्रों में दक्षिण कोरिया में 2024 में वृद्धि 2·5 प्रतिशत, इंडोनेशिया में 5 प्रतिशत, मलेशिया में 4·5 प्रतिशत, फिलीपींस में 6·0 प्रतिशत-सिंगापुर में 2·4 प्रतिशत, थाइलैण्ड में 2·6 प्रतिशत तथा वियतनाम में 6·0 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान एशियाई विकास बैंक की जुलाई 2024 की एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट में व्यक्त किया गया है.

नीति आयोग का पुनर्गठन (2024)

एक थिंक टैंक के रूप में 1 जनवरी, 2015 से अस्तित्व में आए नीति (NITI–National Institution for Transforming India) आयोग का पुनर्गठन 16 जुलाई, 2024 को किया है. इसके उपाध्यक्ष एवं पूर्वकालिक सदस्यों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है, जबकि पदेन सदस्यों व विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुछ परिवर्तन इस पुनर्गठन के तहत् किया गया है. पुनर्गठन आयोग का स्वरूप निम्नलिखित है–

अध्यक्ष–*प्रधानमंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी)*

उपाध्यक्ष–*सुमन के. बेरी*

पूर्वकालिक सदस्य *(Full-Time Members)*	*(i) डॉ. बी.के. सारस्वत* *(ii) प्रो. रमेश चन्द* *(iii) डॉ. वी. के. पाल* *(iv) अरविंद विरमानी*
पदेन सदस्य *(Ex-Officio Members)*	*(i) राजनाथ सिंह (रक्षा मंत्री)* *(ii) अमित शाह (सहकारिता व गृह मंत्री)* *(iii) शिवराज सिंह चौहान (कृषि मंत्री)* *(iv) निर्मला सीतारमण (वित्त मंत्री)*
विशेष आमंत्रित सदस्य *(Special Invitees Members)*	*(i) नितिन गडकरी (सड़क परिवहन मंत्री)* *(ii) जे.पी. नड्डा (स्वास्थ्य मंत्री)* *(iii) एच.डी. कुमार स्वामी (भारी उद्योग मंत्री)* *(iv) जीतनराम मांझी (एमएसएमई मंत्री)* *(v) राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह (पंचायती राज मंत्री)* *(vi) डॉ. वीरेन्द्र कुमार (सामाजिक न्याय मंत्री)* *(vii) के. राममोहन नायडू (नागरिक उड्डयन मंत्री)* *(viii) जुएल ओराम (आदिवासी मामलों के मंत्री)* *(ix) अन्नपूर्णा देवी (महिला एवं बाल कल्याण मंत्री)* *(x) चिराग पासवान (खाद्य प्रसंस्करण मंत्री)* *(xi) राव इन्द्रजीत सिंह (राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार)*

2023-24 के लिए ईपीएफ जमाओं पर 8·25 प्रतिशत ब्याज को वित्त मंत्रालय की मंजूरी

कर्मचारी भविष्य निधि (EPF) जमाओं पर 2023-24 के लिए 8·25 प्रतिशत ब्याज की संस्तुति कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के न्यासी तन्त्र (Board of Trustees) ने फरवरी 2024 में की थी. ट्रस्ट की इस सिफारिश को वित्त मंत्रालय ने मंजूरी 11 जुलाई, 2024 को प्रदान कर दी है. पिछले वर्ष 2022-23 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि जमाओं पर ब्याज 8·15 प्रतिशत व उससे पूर्व 2021-22 के लिए, 8·10 प्रतिशत था. जो पिछले चार दशकों में इसकी सबसे कम ब्याज थी. उससे पूर्व 2020-21 में इन खातों पर देय ब्याज 8·5 प्रतिशत था.

हाल ही के वर्षों में ईपीएफ जमाओं पर देय ब्याज

वर्ष	ब्याज दर (प्रतिशत)
2023-24	8·25
2022-23	8·15
2021-22	8·10
2020-21	8·50
2019-20	8·50
2018-19	8·65
2017-18	8·55
2016-17	8·65
2015-16	8·80

2023-24 में ऋणात्मक वृद्धि के पश्चात् 2024-25 की पहली तिमाही में देश के निर्यातों व आयातों में धनात्मक वृद्धि

रूस-यूक्रेन युद्ध, लाल सागर व्यवधान के साथ-साथ इजरायल व हमास के टकराव आदि के चलते बीते वित्तीय वर्ष में भारत के विदेशी व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था जिससे देश के वस्तुगत निर्यातों में 3·11 प्रतिशत तथा आयातों में 5·41 प्रतिशत की ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की गई थी. व्यापार में गिरावट की स्थिति में सुधार आना 2023-24 के उत्तरार्द्ध में बना रहा जिसका असर चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में परिलक्षित हो रहा है. इससे इस वित्तीय वर्ष (2024-25) की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2024) में देश के निर्यातों व आयातों में दोनों में ही धनात्मक वृद्धि दर्ज की गई है. वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ घरेलू अर्थव्यवस्था में आ रही मजबूती के चलते

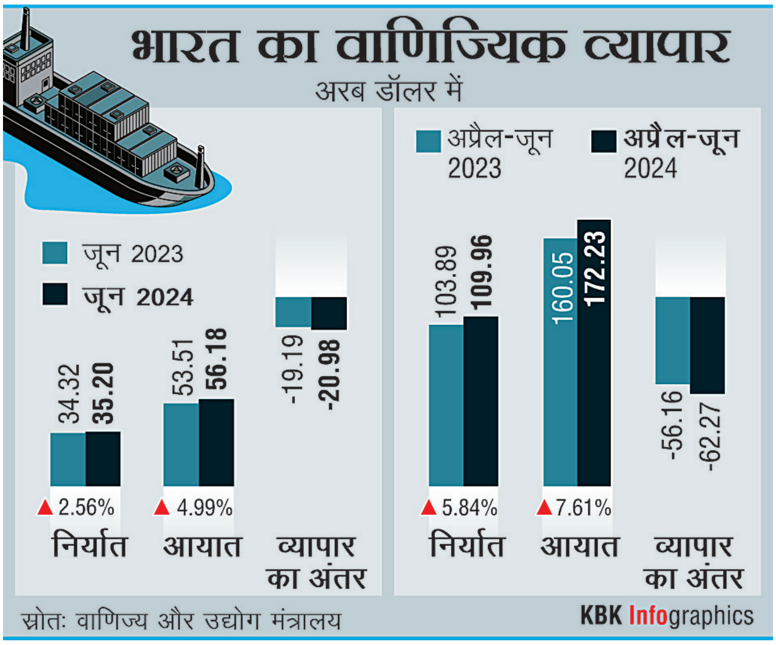

भारत के विदेशी व्यापार के आँकड़े एक दृष्टि में

वस्तुगत व्यापार (Merchandise Trade) (अरब डॉलर में)

	अप्रैल-जून (2023-24)	*(अप्रैल-जून) (2024-25)*	*2023-24 Q_1 की तुलना में 2024-25 Q_1 में वृद्धि (प्रतिशत)*
निर्यात	*103·89*	*109·96*	*6·76*
आयात	*160·05*	*172·23*	*7·64*
व्यापार शेष	*–56·16*	*–62·27*	

सेवाओं का व्यापार (Trade in Services) (अरब डॉलर में)

	अप्रैल-जून (2023-24)	*अप्रैल-जून (2024-25)*	*2023-24 Q_1 की तुलना में 2024-25 Q_1 में वृद्धि (प्रतिशत)*
निर्यात (प्राप्तियाँ)	*80·57*	*90·37*	*12·1*
आयात (भुगतान)	*45·45*	*50·67*	*11·48*
व्यापार शेष	*35·12*	*39·70*	

वस्तुगत एवं सेवाओं का व्यापार (अरब डॉलर में)

	अप्रैल-जून (2023-24)	*अप्रैल-जून (2024-25)*	*2023-24 Q_1 की तुलना में 2024-25 Q_1 में वृद्धि (प्रतिशत)*
निर्यात (प्राप्तियाँ)	*184·46*	*200·33*	*8·60*
आयात (भुगतान)	*205·50*	*222·89*	*8·47*
व्यापार शेष	*–21·04*	*–22·56*	

शेष पृष्ठ 46 पर

नवीनतम सामान्य ज्ञान

शब्द संक्षेप (Abbreviation)

एसडब्ल्यूआईएफटी (स्विफ्ट)–सिंगल विंडो इंटरफेस फॉर फेसिलिटेशन ट्रेड

SWIFT–Single Window Interface for Fecilitating Trade

व्याख्या–व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए सभी तरह की औपचारिकताएं व जरूरतें एक ही खिड़की से सम्पन्न कराने की सुविधा ताकि व्यापारियों/निवेशकों को अपनी जरूरतें को पूरा करने के लिए जगह-जगह भटकना न पड़े.

नियुक्तियाँ (Appointments)

विक्रम मिसरी भारत के नए विदेश सचिव

भारतीय विदेश सेवा (IFS) के 1989 बैच के अधिकारी विक्रम मिसरी (Vikram Misri) भारत के नए विदेश सचिव नियुक्त किए गए हैं. चीनी मामलों के विशेषज्ञ श्री मिसरी चीन में भारत के राजदूत रहने के पश्चात् 1 जनवरी, 2022 से उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्यरत् थे.

विक्रम मिसरी

विदेश सचिव पद पर विनय मोहन क्वात्रा का स्थान उन्होंने 15 जुलाई, 2024 से लिया है.

विनय मोहन क्वात्रा अब अमेरिका में भारत के नए राजदूत

विदेश सचिव रहे विनय मोहन क्वात्रा अब अमेरिका में भारत के राजदूत जुलाई 2024 में नियुक्त किए गए हैं. तरनजीत सिंह संधू की जनवरी में सेवानिवृत्ति के पश्चात् यह पद रिक्त था.

1 मई, 2022 से 14 जुलाई, 2024 तक विदेश सचिव रहे विनय क्वात्रा पूर्व वर्षों में फ्रांस व नेपाल में राजदूत रह चुके थे.

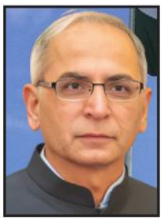

विनय मोहन क्वात्रा

धीरेन्द्र के. ओझा प्रेस सूचना ब्यूरो के नए महानिदेशक

भारतीय सूचना सेवा (IIS) के वरिष्ठ अधिकारी धीरेन्द्र के. ओझा को 'प्रेस सूचना ब्यूरो' (PIB) का महानिदेशक जुलाई 2024 में नियुक्त किया गया है. इस पद पर रहते हुए केन्द्र सरकार के मुख्य प्रवक्ता भी वह होंगे इस पद पर शेफाली शरण, जिन्हें अब प्रकाशन विभाग का महानिदेशक नियुक्त किया गया है, का स्थान श्री ओझा ने लिया है. भारतीय राजस्व सेवा की ही शेफाली शरण 1 अप्रैल, 2023 से पीआईबी की महानिदेशक थी.

रॉबर्ट जेराडे रवि को 6 माह के लिए बीएसएनएल के अध्यक्ष सह प्रबन्ध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार

दूरसंचार विभाग में महानिदेशक (एसआरई) के पद पर कार्यरत् रॉबर्ट जेराडे रवि को भारत संचार निगम लि. (BSNL) के चेयरमैन सह प्रबन्ध निदेशक (CMD) का कार्यभार अतिरिक्त प्रभार के रूप में 15 जुलाई, 2024 से सौंपा है. इस पद पर पी.के. पुरवार का कार्यभार जो जुलाई 2019 से सीएमडी थे तथा 14 जुलाई, 2024 को सेवानिवृत्त हुए हैं, का दायित्व भी रवि जेगड़े को 6 माह के लिए सौंपा गया है.

रवि अग्रवाल केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के नए अध्यक्ष

भारतीय राजस्व सेवा (IRS) के रवि अग्रवाल केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) के नए अध्यक्ष 1 जुलाई, 2024 से बनाए गए हैं. इस पद पर नितिन गुप्ता, जिनका बढ़ा हुआ कार्यकाल 30 जून को समाप्त हुआ है, का स्थान श्री रवि अग्रवाल ने लिया है. इस पद पर उनकी यह नियुक्ति 30 जून, 2025 तक के लिए की गई है. इस पद पर नियुक्ति से पूर्व जुलाई 2023 से वह सीबीडीटी में ही सदस्य प्रशासन के रूप में कार्यरत् थे.

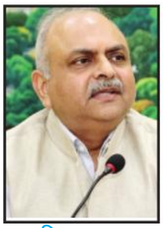

रवि अग्रवाल

डॉ. बी.एन. गंगाधर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अध्यक्ष

'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हैल्थ एण्ड न्यूरोसाइंसेज' (NIMHANS) के निदेशक रहे डॉ. बीएन गंगाधर को 'राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग' (National Medical Commission) का अध्यक्ष जुलाई 2024 में नियुक्त किया गया है. इस नियुक्ति से पूर्व वह **चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेटिंग बोर्ड** (Medical Assessment and Rating Board) के अध्यक्ष थे तथा कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार भी सँभाले हुए थे. इस पद पर उनकी यह नियुक्ति 4 वर्ष के लिए (अधिकतम 70 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो) की गई है.

डॉ. संजय बिहारी चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेटिंग बोर्ड के नए अध्यक्ष

तिरुवनंतपुरम स्थित श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. संजय बिहारी को **चिकित्सा मूल्यांकन एवं रेटिंग बोर्ड** का अध्यक्ष जुलाई 2024 में नियुक्त किया गया है. इस पद पर उनकी यह नियुक्ति 4 वर्ष के लिए (अधिकतम 70 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो) की गई है.

सर्वोच्च न्यायालय में दो नए न्यायाधीश

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन. कोटिस्वर सिंह तथा मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर. महादेवन को सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति जुलाई 2024 में प्रदान की गई है. सर्वोच्च न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी. वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम की संस्तुति पर सर्वोच्च न्यायालय में इनकी नियुक्ति के आदेश राष्ट्रपति ने 17 जुलाई को जारी किए. 18 जुलाई को सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में शपथ सर्वोच्च न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़ ने ग्रहण कराई.

न्यायमूर्ति कोटिस्वर सिंह   न्यायमूर्ति आर. महादेवन

इन नियुक्तियों के पश्चात् सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या अब 34 (मुख्य न्यायाधीश सहित) हो गई है तथा न्यायाधीशों का कोई पद अब वहाँ रिक्त नहीं है.

उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे राजिंदर खन्ना अब अतिरिक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बने

जनवरी 2018 से उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (Deputy National Security Adviser–Deputy NSA) रहे राजिंदर खन्ना को अब अतिरिक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (Additional NSA) सरकार ने जुलाई 2024 में नियुक्त किया है. यह पहला ही अवसर है जब अतिरिक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद पर कोई नियुक्ति सरकार द्वारा की गई है.

राजिंदर खन्ना

भारतीय पुलिस सेवा के 1978 बैच के ओडिशा कैडर के अधिकारी राजिंदर खन्ना उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में नियुक्ति से पूर्व दिसम्बर 2014 से दिसम्बर 2016 तक रिसर्च एण्ड एनेलिसिस विंग (R & AW) के प्रमुख रह चुके थे.

दो नए उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की नियुक्ति से उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की संख्या अब तीन हुई

उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे राजिंदर खन्ना का प्रोन्नयन अतिरिक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के पद पर करने के साथ ही दो नए उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की नियुक्तियाँ भी सरकार ने जुलाई 2024 में की हैं. इनमें टी.वी. रविचन्द्रन व पवन कपूर शामिल हैं. इन नियुक्तियों से पूर्व टी.वी. रविचन्द्रन आईपीएस अधिकारी हैं, जो खुफिया ब्यूरो (IB) में विशेष निदेशक के रूप में कार्यरत् थे, जबकि पवन कपूर विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) थे. पवन कपूर ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कार्यालय में विक्रम मिसरी का स्थान लिया था. एनएसए कार्यालय में तीसरे उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पंकज कुमार सिंह हैं. सीमा सुरक्षा बल (BSF) के महानिदेशक रहे पंकज कुमार सिंह को जनवरी 2023 में 2 वर्ष के लिए उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया था.

इस प्रकार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के अधीन अब एक अतिरिक्त राष्ट्रीय सलाहकार तथा तीन उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कार्यशील रहेंगे.

शेखर कपूर भारत के अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के निदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गोवा में होने वाले भारत के अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) के निदेशक का दायित्व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता शेखर कपूर को जुलाई 2024 में सौंपा है. उन्हें यह जिम्मेदारी 2 वर्ष के लिए, महोत्सव के 55वें व 56वें संस्करण के लिए दी गई है.

शेखर कपूर

के.वी. सुब्रमण्यम फेडरल बैंक के नए प्रबन्ध निदेशक सह सीईओ होंगे

अप्रैल 2024 तक कोटक महिन्द्रा बैंक के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर रहे कृष्णन वेंकट सुब्रमण्यम को अब निजी क्षेत्र के ही फेडरल बैंक में मैनेजिंग डायरेक्टर सह सीईओ नियुक्त किया गया है. वह अपना यह कार्यभार 23 सितम्बर, 2024 से सँभालेंगे, जब निवर्तमान एमडी सह सीईओ श्याम श्रीनिवासन का इस पद पर कार्यकाल पूरा होगा.

श्री सुब्रमण्यम की इस पद पर नियुक्ति 3 वर्ष के लिए की गई है.

एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती अब इस बीमा कम्पनी के प्रबन्ध निदेशक सह सीईओ बने

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती की इस पद पर नियुक्ति अप्रैल 2023 में 29 जून, 2024 तक के लिए ही की गई थी. तत्पश्चात् 30 जून, 2024 से उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र की इस बीमा कम्पनी के प्रबन्ध निदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकरी (MD & CEO) का दर्जा दिया गया है. इससे 7 जून, 2025 तक वह एलआईसी के **प्रबन्ध निदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी** (MD & CEO) रहेंगे.

बी.एस. राहुल यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कम्पनी के नए चेयरमैन सह प्रबन्ध निदेशक

एग्रीकल्चर उद्देश्यों रेंस कम्पनी ऑफ इंडिया लि. के जनरल मैनेजर रहे भूपेश सुशील राहुल को साधारण बीमा क्षेत्र की यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कम्पनी लि. (UIICL) का चेयरमैन सह प्रबन्ध निदेशक (CMD) मई 2024 में नियुक्त किया गया है. यह पद फरवरी 2024 से ही रिक्त था. इस पद पर राहुल की नियुक्ति अप्रैल 2027 के अंत तक (अथवा उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक, जो भी पहले हो), की गई है.

बी.एस. राहुल

सीएसआईआर की महानिदेशक एन-कलई सेल्वी के कार्यकाल में 2 वर्ष की वृद्धि

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (Council of Scientific and Industrial Research–CSIR) की महानिदेशक डॉ. एन. कलई सेल्वी के इस पद पर कार्यकाल में 2 वर्ष की वृद्धि सरकार ने जुलाई 2024 में की है. इस पद पर 2 वर्ष के लिए उनकी नियुक्ति अगस्त 2022 में की गई थी. अब अगस्त 2026 तक वह इस पद पर रह सकेंगी. डॉ. कलई सेल्वी सीएसआईआर की पहली महिला महानिदेशक हैं.

अनुज त्यागी एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी के नए चेयरमैन सह प्रबन्ध निदेशक

निजी क्षेत्र की साधारण बीमा कम्पनी एचडीएफसी एर्गो (HDFC ERGO) से कई वर्षों से सम्बद्ध रहे अनुज त्यागी 1 जुलाई, 2024 से इस कम्पनी के प्रबन्ध निदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (MD & CEO) 1 जुलाई, 2024 से बनाए गए हैं. इस नियुक्ति से पूर्व अप्रैल 2023 से वह इस कम्पनी के संयुक्त प्रबन्ध निदेशक (Joint MD) थे. प्रबन्ध निदेशक सह सीईओ पद पर रीतेश कुमार का स्थान उन्होंने लिया है.

अजित कुमार के. के. धनलक्ष्मी बैंक के प्रबन्ध निदेशक

वरिष्ठ बैंकर अजित कुमार के.के. निजी क्षेत्र के धनलक्ष्मी बैंक के प्रबन्ध निदेशक (MD) पद पर जून 2024 में नियुक्त किए गए हैं. फेडरल बैंक में बैंकिंग के विभिन्न पहलुओं में 36 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त अजित कुमार की धनलक्ष्मी बैंक में यह नियुक्ति 3 वर्ष के लिए की गई है.

सी.एस. शेट्टी भारतीय स्टेट बैंक के नए चेयरमैन होंगे

भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन पद हेतु वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (Financial Services Institution Bureau–FSIB) ने बैंक के वरिष्ठतम प्रबन्ध निदेशक चल्ला श्री निवासुलु शेट्टी (C.S. Setty) के नाम

पुर्तगाल के एंटोनियो कोस्टा यूरोपीय परिषद् के नए अध्यक्ष, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष पद पर उर्सुला वॉन डेर लेयेन बरकरार

एंटोनिया कोस्टा

पुर्तगाल के पूर्व प्रधानमंत्री एंटोनिया कोस्टा यूरोपीय संघ के शीर्ष निकाय यूरोपीय परिषद् (European Council–EC) के नए अध्यक्ष जून 2024 में चुने गए हैं. इस पद पर बेल्जियम के पूर्व प्रधानमंत्री चार्ल्स मिशेल (Charles Michel) दिसम्बर 2019 से यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष हैं, का स्थान 1 अक्टूबर, 2024 से वह लेंगे. इस पद पर उनका यह कार्यकाल 2·5 वर्ष का होगा. इस पद पर उनका एक बार पुनः निर्वाचन भी किया जा सकता है. इस प्रकार कोई व्यक्ति अधिकतम 5 वर्ष तक इस पद पर रह सकता है.

यूरोपीय परिषद् यूरोपीय संघ का शीर्ष निकाय है. इसमें यूरोपीय संघ के 27 राष्ट्रों के शासन प्रमुखों के अतिरिक्त यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष तथा यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष शामिल होते हैं. यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष का चुनाव परिषद् के 27 राष्ट्रों के शासन प्रमुखों द्वारा गुप्त मतदान से होता है.

उर्सुला वॉन डेर लेयेन

यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष के चुनाव के पश्चात् यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव यूरोपीय संसद में 19 जुलाई को हुआ. आयोग की निवर्तमान अध्यक्ष जर्मनी की उर्सुला वॉन डेर लेयेन (Ursula Van der Leyen) ही 5 वर्ष के एक और कार्यकाल हेतु इस पद पर चुनी गई हैं. वह 1 नवम्बर, 2019 से ही यह पद सँभाले हुए हैं. 720 सदस्यीय यूरोपीय संसद में इसके लिए 19 जुलाई, 2024 को हुए, गुप्त मतदान में 401 मत उर्सुला वॉन डेर लेयन को प्राप्त हुए. इस पद पर पाँच वर्ष का उनका दूसरा कार्यकाल 1 नवम्बर, 2024 से शुरू होगा.

नीदरलैण्ड्स के मार्क रूटे 1 अक्टूबर, 2024 से नाटो के नए महासचिव होंगे

मार्क रूटे

नीदरलैण्ड्स के पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रूटे (Mark Rutte) 32 देशों के नाटो (NATO–North Atlantic Treaty Organization) के अगले महासचिव होंगे. अक्टूबर 2010 से 2024 तक 14 वर्षों तक नीदरलैण्ड्स के प्रधानमंत्री रहे मार्क रूटे को नाटो का महासचिव 26 जून, 2024 को चुना गया था. ***नाटो महासचिव के रूप में कार्यभार 1 अक्टूबर, 2024 से वह सँभालेंगे जब मौजूदा महासचिव जेंस स्टोलटेनबर्ग (Jens Stoltenberg) का बढ़ा हुआ कार्यकाल समाप्त होगा.*** *नॉर्वे के* ***स्टोलटेनबर्ग*** *अक्टूबर 2014 से यह कार्यभार सँभाले हुए हैं.*

मार्क रूटे वह नाटो के 14वें महासचिव होंगे. मार्क रूटे की नाटो महासचिव पद पर यह नियुक्ति ऐसे समय में की गई है जब यूक्रेन युद्ध जारी है तथा जो यूरोपीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण समय है.

नाटो के महासचिव

क्र.	महासचिव	कार्यकाल	क्र.	महासचिव	कार्यकाल
1.	*हेस्टिंग्स इस्मे (ब्रिटेन)*	*अप्रैल 1952–मई 1957*	8.	*विली क्लाएस (बेल्जियम)*	*अक्टूबर 1994–अक्टूबर 1995*
2.	*पॉल हेनरी स्पाक (बेल्जियम)*	*मई 1957–अप्रैल 1961*		*सर्गियो बालांजिनो (इटली) कार्यवाहक*	*अक्टूबर 1995–दिसम्बर 1995*
3.	*दिर्क स्टिकर (नीदरलैण्ड्स)*	*अप्रैल 1961–अगस्त, 1964*	9.	*जेवियर सोलाना (स्पेन)*	*दिसम्बर 1995–अक्टूबर 1999*
4.	*मैनलियो ब्रोसियो (इटली)*	*अगस्त 1964–अक्टूबर 1971*	10.	*जॉर्ज राबर्टसन (ब्रिटेन)*	*अक्टूबर 1999–दिसम्बर 2003*
5.	*जोसेफ लुस (नीदरलैण्डस)*	*अक्टूबर 1971–जून 1984*		*अलीसांद्रो एम-रिज्जो (इटली) कार्यवाहक*	*दिसम्बर 2003–जनवरी 2004*
6.	*पीटर कैरिंगटन (ब्रिटेन)*	*जून 1984–जुलाई 1988*	11.	*जाप डे हूप शेफ़र (नीदरलैण्ड्स)*	*जनवरी 2004–अगस्त 2009*
7.	*मैनफ्रेड वोर्नर (जर्मनी)*	*जुलाई 1988–अगस्त 1994*	12.	*एंडर्स फॉग रासमुसेन (डेनमार्क)*	*अगस्त 2009–अक्टूबर 2014*
	सर्गियो बालांजिनो (इटली) कार्यवाहक	*अगस्त 1994–अक्टूबर 1994*	13.	*जेंस स्टोलटेनबर्ग (नॉर्वे)*	*अक्टूबर 2014–अक्टूबर 2024*
			14.	*मार्क रूटे*	*अक्टूबर 2024.......*

की संस्तुति की है. प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिमण्डल की नियुक्ति समिति (Appointment Committee of the Cabinet—ACC) द्वारा अनुमोदन के पश्चात् श्री शेट्टी इस पद पर दिनेश कुमार खारा, जो अगस्त 2024 में सेवानिवृत्त होंगे, का स्थान लेंगे. 35 वर्ष से अधिक समय तक बैंक से सम्बद्ध रहे श्री शेट्टी 2020 से इस बैंक के प्रबन्ध निदेशक हैं.

सी.एस. शेट्टी

नवीन चन्द्र झा एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कम्पनी के नए प्रबन्ध निदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी

भारतीय स्टेट बैंक से विगत तीन दशकों से सम्बद्ध रहे नवीन चन्द्र झा को साधारण बीमा कम्पनी एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कम्पनी का प्रबन्ध निदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (MD & CEO) जुलाई 2024 में नियुक्त किया गया है. इस नियुक्ति से पूर्व श्री झा भारतीय स्टेट बैंक में उप-प्रबन्ध निदेशक के रूप में कार्यरत् थे. एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कम्पनी के चेयरमैन पद पर किशोर कुमार पोलुदासु का स्थान लिया है.

गिरिजा सुब्रमण्यम न्यू इंडिया एश्योरेंस कम्पनी की नई चेयरमैन सह प्रबन्ध निदेशक

सितम्बर 2022 से सार्वजनिक क्षेत्र की एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी (AIC) ऑफ इंडिया की प्रबन्ध निदेशक रहीं गिरिजा सुब्रमण्यम को देश की सबसे बड़ी साधारण बीमा कम्पनी न्यू इंडिया एश्योरेंस कम्पनी लि. की चेयरमैन सह प्रबन्ध

गिरिजा सुब्रमण्यम

निदेशक जून 2024 में नियुक्त किया है. इस पद पर नीरजा कपूर, जो अप्रैल 2024 में सेवानिवृत्त हुई थीं, का स्थान गिरिजा सुब्रमण्यम ने लिया है.

पुरस्कार/सम्मान
(Awards/Honours)

अरुंधति रॉय को पेन पिंटर पुरस्कार (2024)

वर्ष 1997 में बुकर पुरस्कार से सम्मानित भारतीय लेखिका अरुंधति रॉय को निर्भीक एवं मुखर लेखन के लिए **इंगलिश पेन** (English PEN) चैरिटी द्वारा स्थापित **पेन पिंटर पुरस्कार** (2024) प्रदान करने की घोषणा इंगलिश पेन द्वारा जून 2024 में की गई है. उन्हें साहसी लेखक की कैटेगरी में यह पुरस्कार 10 अक्टूबर, 2024 को लंदन में ब्रिटिश लाइब्रेरी में आयोजित समारोह में दिया जाएगा.

पेन पिंटर पुरस्कार की स्थापना नोबेल साहित्य पुरस्कार (2005) के विजेता ब्रिटिश नाटककार, उपन्यासकार व कवि हेरोल्ड पिंटर की स्मृति में **इंगलिश पेन** नामक चैरिटी द्वारा 2009 में की गई थी.

शाहरुख खान को लोकार्नो फिल्म महोत्सव का कॅरियर एचीवमेंट पुरस्कार

स्विट्जरलैण्ड के प्रसिद्ध (77वें) लोकार्नो (Locarno) फिल्म महोत्सव में बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान को कॅरियर एचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा. महोत्सव के आयोजकों की एक विज्ञप्ति के अनुसार सिनेमा में योगदान के लिए 'किंग खान' के रूप में विख्यात शाहरुख खान को यह अवॉर्ड 'पार्डो अला कॅरियर असकोना-लोकार्नो टूरिज्म' (Pardo alla Carriera Ascona-Locarno Tourism) दिया जाएगा. इस वर्ष यह महोत्सव 7-17 अगस्त, 2024 को लोकार्नो में होना है. महोत्सव में शाहरुख खान को यह पुरस्कार 10 अगस्त को दिया जाएगा. इससे पूर्व यह पुरस्कार इटली के फिल्म निर्माता फ्रांसेस्का रोसी, अमेरिकी गायक एवं अभिनेता हैरी बेलाफोंटे व मलेशियाई डायरेक्टर त्साई मिंग-लियांग को मिल चुका है. **इस पुरस्कार से सम्मानित किए जाने वाले वह पहले भारतीय अभिनेता हैं.**

शाहरुख खान

फुटबॉल के क्षेत्र के अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के पुरस्कार (2023-24)

फुटबॉल के क्षेत्र में सत्र 2023-24 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भारतीय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को रूस का सर्वोच्च 'ऑर्डर ऑफ सेंट एड्र्यू द एपोस्टल' सम्मान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को रूस के सर्वोच्च राजकीय सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल (Order of St. andrew the Apostle) से जुलाई 2024 में सम्मानित किया गया है. उन्हें यह सम्मान उनकी 8-9 जुलाई की रूस यात्रा के दौरान 9 जुलाई को मेजबान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को में प्रदान किया रूस का यह सर्वोच्च सम्मान प्राप्त करने वाले श्री मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं.

उल्लेखनीय है कि विगत 10 वर्षों से प्रधानमंत्री पद को सुशोभित कर रहे श्री नरेन्द्र मोदी को अन्य प्रमुख देशों ने भी अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया है. इन पुरस्कारों/सम्मानों की सूची निम्नलिखित है—

श्री मोदी को रूस के सर्वोच्च राजकीय सम्मान से सम्मानित करते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को अन्य विभिन्न देशों से मिले राजकीय सम्मान

***ग्रांड क्रॉस द लीजन ऑफ ऑनर** (Grand Cross of the Legion of Honour)—(फ्रांस, जुलाई 2023)—यह फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक एवं सैन्य सम्मान है, जो विश्व के गिने-चुने लोगों को ही अब तक दिया गया है. श्री मोदी फ्रांस का यह सर्वोच्च सम्मान पाने वाले पहले भारतीय हैं.*

***ऑर्डर ऑफ नील** (Order of the Nill) (मिस्र, जून 2023)—मिस्र का यह सर्वोच्च नगारिक सम्मान उन राष्ट्राध्यक्षों या हस्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने मिस्र या मानवता की अमूल्य सेवा की हो.*

***कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू** (Companion of the Order of Logohu), पापुआ न्यू गिनी (मई 2023)—प्रशान्त द्वीप देशों की एकता का समर्थन करने और ग्लोबल साउथ के लिए अगुआई करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को मई 2023 में पापुआ न्यू गिनी का सर्वोच्च सम्मान वहाँ के गवर्नर जनरल सर बॉब डाबे ने प्रदान किया.*

***कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी** (मई 2023)—वैश्विक नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री मोदी को फिजी का यह सर्वोच्च सम्मान वहाँ के प्रधानमंत्री सितिवेनी राबुका ने मई 2023 में प्रदान किया.*

***रिपब्लिक ऑफ पलाऊ का एबाक्ल अवॉर्ड** (Ebakl Award), फिजी (मई 2023)— प्रधानमंत्री मोदी की मई 2023 की पापुआ न्यू गिनी की यात्रा के दौरान रिपब्लिक ऑफ पलाऊ के राष्ट्रपति सुरगेल व्हिप्स जूनियर ने उन्हें अपने देश के इस सर्वोच्च एबाक्ल अवॉर्ड से सम्मानित किया था.*

***ऑर्डर ऑफ द ड्रूक ग्यालपो** (Order of the Druk Gyalpu), भूटान (दिसम्बर 2021)—दिसम्बर 2021 में प्रधानमंत्री मोदी को भूटान ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो' (ड्रैगन किंग) से सम्मानित किए जाने की घोषणा (पुरस्कृत 2024 में) की थी.*

***लीजन ऑफ मेरिट** (Legion of Merit), अमेरिका (दिसम्बर 2020)—अमेरिकी सैन्य बलों का यह सर्वोच्च सम्मान प्रधानमंत्री श्री मोदी को दिसम्बर 2020 में उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान तत्काल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रदान किया था.*

***किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां** (King Hamad Order of the Renaissance) (बहरीन, 2019)—प्रधानमंत्री मोदी को 2019 में बहरीन में 'द किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां' से सम्मानित किया गया था. यह बहरीन द्वारा प्रदान किया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है.*

***ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्वनूड रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन** (मालदीव, 2019)—वर्ष 2019 में मालदीव ने प्रधानमंत्री मोदी को ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्वनूड रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन' से सम्मानित किया. यह सम्मान मालदीव का विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है.*

***ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू** (Order of the St. Andrew) (रूस, 2019)—रूस ने 2019 में अपने इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू' से प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया.*

***ऑर्डर ऑफ जायद** (Order of Zayed) (संयुक्त अरब अमीरात, 2019)—संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने प्रधानमंत्री मोदी को 2019 में ऑर्डर ऑफ जायद से सम्मानित किया गया. यह संयुक्त अरब अमीरात (UAE) का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है.*

***ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन** (Grand Collar of the State of Palestin) (फिलिस्तीन, 2018)—यह विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को दिया जाने वाला फिलिस्तीन का सर्वोच्च सम्मान है. प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2018 में जब फिलिस्तीन की यात्रा पर थे. तब उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया गया था.*

***स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान** (State Order of Ghazi Amir Amanullah) (अफगानिस्तान, 2016)—वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री मोदी को अफगानिस्तान के इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान से सम्मानित किया गया था.*

***ऑर्डर ऑफ द किंग अब्दुलअजीज अल सॉद** (Order of the King Abdullaziz Al Saud) (सऊदी अरब, 2016)—प्रधानमंत्री मोदी को 2016 में सऊदी अरब की यात्रा के दौरान वहाँ के इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया था.*

खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों व क्लबों आदि की अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) के पुरस्कार का वितरण 19 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में एक समारोह में किया गया.

केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया व संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू आदि की उपस्थिति में सम्पन्न इस समारोह में सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर का पुरस्कार मिजोरम के लालियान जुआला चांग्ते (Lallianzuala Chhangte) को तथा सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर का पुरस्कार तमिलनाडु की इंदुमति

अभिनव बिंद्रा को ओलम्पिक समिति का सर्वोच्च सम्मान ओलम्पिक ऑर्डर

ओलम्पिक खेलों में किसी वैयक्तिक स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी अभिनव बिन्द्रा को ओलम्पिक मूवमेन्ट में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए ओलम्पिक ऑर्डर से सम्मानित करने की घोषणा अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (IOC) ने 23 जुलाई, 2024 को की. ***इस सम्मान से सम्मानित किए जाने वाले वह पहले भारतीय खिलाड़ी.***

अभिनव बिन्द्रा

आईओसी का यह सर्वोच्च सम्मान उन्हें 10 अगस्त, 2024 को पेरिस में अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति के 142वें सत्र में दिया जाएगा. 41 वर्षीय अभिनव बिन्द्रा ने 2018 से आईओसी के एथलीट कमीशन के सदस्य हैं. इस सम्मान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी उन्हें बधाई दी है

अभिनव बिन्द्रा ने 2008 में बीजिंग ओलम्पिक, खेलों में पुरुषों की 10 मी. एयर राइफल स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक जीता था, जो किसी भारतीय द्वारा ओलम्पिक खेलों में जीता गया पहला वैयक्तिक स्वर्ण पदक था.

गौरतलब है कि हाल ही में पेरिस ओलम्पिक 2024 में मनु भाकर द्वारा 10 मी एयर राइफल में जीता गया कांस्य मैडल किसी महिला द्वारा शूटिंग में जीता गया पहला ओलम्पिक मेडल है.

कथिरेसन (Indumathi Kathiresan) को इस समारोह में दिया गया. **चांग्ते को लगातार दूसरे वर्ष एआईएफएफ का यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है जिससे एक से अधिक बार यह पुरस्कार जीतने वाले पाँचवें खिलाड़ी वह हो गए हैं.** इंदुमति यह पुरस्कार जीतने वाली तमिलनाडु की पहली खिलाड़ी हैं.

वर्ष 2023-24 के लिए दिए गए प्रमुख पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित हैं—

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

पुरुष—लालियानजुआला चांग्ते (मिजोरम)

महिला—इंदुमति कथिरेसन (तमिलनाडु)

सर्वश्रेष्ठ होनहार खिलाड़ी (Most promising player)

पुरुष—डेविड लालहलन सांगा

महिला—नेहा

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कोच (Coach of the year)

पुरुष—खालिद जमील

महिला—शुक्ला दत्ता

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ रेफरी—रामचंद्रन वेंकटेश

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ सहायक रेफरी—उज्ज्वल हलदर

गुलबेंकियन मानवता पुरस्कार (2024)

टिकाऊ कृषि (Sustainable agriculture) में महत्वपूर्ण योगदान के लिए पुर्तगाल स्थित कैलूस्टे गुलबेंकियन फाउंडेशन (Calouste gulbenkian Foundation) का 10 लाख यूरो का पुरस्कार वर्ष 2024 के लिए रायथू साधिकारा संस्था द्वारा 2016 में शुरू की गई पहल **आन्ध्र प्रदेश कम्यूनिटी मैनेज्ड नेचुरल फार्मिंग** (APCNF), ओहियो स्टेट यूनीवर्सिटी (अमेरिका) से सम्बद्ध भारतीय मूल के मृदा विज्ञानी डॉ. रतन लाल तथा मिस्र के एक संगठन SEKEM को संयुक्त रूप से दिया जाएगा.

पुरस्कार हेतु उनका चयन जर्मनी की पूर्व चांसलर एंजेला मर्केल की अध्यक्षता वाली ज्यूरी द्वारा किया गया.

पुस्तकें
(Books)

द पर्सनल इज़ : ऐक्टिविस्ट मेमोइर पॉलिटिकल (The Personal is Political : An Activist's Memoir)—अरुणा रॉय

आई हैव द स्ट्रीट्स : ए कुटी क्रिकेट स्टोरी (I Have the Streets : A Kutti Cricket Story)—रविचन्द्रन अश्विन व सिद्धार्थ मोंगा

ब्ल्यू सिस्टर्स (Blue Sisters)—कोको मेलोर्स

हिलबिली एलिगी : मेमोइर ऑफ ए फैमिली एण्ड कल्चर इन क्राइसेज़ (Hillbilly Elegy : A Memoir of a Family and Culture in Crisis)—जे.डी. वेंस (अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन उम्मीदवार द्वारा 2016 में लिखित पुस्तक, जो उस समय अत्यधिक लोकप्रिय हुई थी).

वर्ष/दिवस/सप्ताह
(Year/Days/Week)

जुलाई 2024

1 जुलाई—भारतीय स्टेट बैंक का स्थापना दिवस

1 जुलाई—राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (भारत)

1 जुलाई—चार्टर्ड एकाउण्टेंट दिवस (भारत)

1 जुलाई—कनाडा का राष्ट्रीय दिवस

4 जुलाई—संयुक्त राज्य अमेरिका का स्वतन्त्रता दिवस

6 जुलाई (जुलाई का पहला शनिवार)—अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस

6 जुलाई—विश्व जूनोसिस दिवस

11 जुलाई—विश्व जनसंख्या दिवस

14 जुलाई—फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस (Bastille Day)

15 जुलाई—विश्व युवा कौशल दिवस

17 जुलाई—विश्व इमोजी दिवस (World Emoji Day)

18 जुलाई—अन्तर्राष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस

(दक्षिण अफ्रीकी नेता नेल्सन मंडेला द्वारा शान्ति के क्षेत्र में दिए योगदान का सम्मान करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नवम्बर 2009 में एक प्रस्ताव पारित कर उनके जन्मदिवस 18 जुलाई को 'अन्तर्राष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस' घोषित किया था. 2010 पहला ऐसा वर्ष था, जब इस दिन को 'अन्तर्राष्ट्रीय नेल्सन मंडेला दिवस' के रूप में मनाया गया था.)

प्रति वर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित

इंदिरा गाँधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा 49 वर्ष पूर्व, 1975 में 25 जून को आपातकाल की घोषणा को संविधान की हत्या मानते हुए सरकार ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित किया है. इस आशय की अधिसूचना गृह मंत्रालय द्वारा 11 जुलाई, 2024 को जारी की गई. अधिसूचना में कहा गया है कि आपातकाल की अवधि के दौरान सरकार द्वारा सत्ता का घोर दुरुपयोग किया गया और भारत के लोगों पर ज्यादतियाँ और अत्याचार किए गए. इसलिए आपातकाल की अवधि के दौरान सत्ता के घोर दुरुपयोग का सामना और संघर्ष करने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित किया गया है.

19 जुलाई—बैंक राष्ट्रीयकरण दिवस

(भारत में वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीय-करण सर्वप्रथम 19 जुलाई, 1969 को हुआ था, जब 14 बड़े बैंक राष्ट्रीयकृत किए गए थे.)

20 जुलाई—विश्व शतरंज दिवस

20 जुलाई—चन्द्रमा पर पहली बार मनुष्य के कदम पड़ने की वर्षगाँठ.

(चन्द्रमा पर मनुष्य के कदम पहली बार 20 जुलाई, 1969 को पड़े थे, जब अमेरिका के नील आर्मस्ट्रांग व एडविन एल्ड्रिन चन्द्रमा की सतह पर उतरे थे.)

22 जुलाई—राष्ट्रीय आम दिवस

26 जुलाई—कारगिल विजय दिवस

(1999 में 26 जुलाई को ही भारतीय जवानों ने कारगिल की चोटियों से पाकिस्तानी सेना को खदेड़ कर तिरंगा वहाँ फहराया था. इस विजय में भारतीय वायु सेना के ऑपरेशन '**सफेद सागर**' तथा थल सेना के ऑपरेशन '**विजय**' की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी. यह वर्ष 2024 कारगिल विजय का रजत जयंती वर्ष है. इस उपलक्ष्य में एक विशेष **हवाई प्रदर्शन** भटिण्डा में किसियाना वायु सेना केन्द्र पर 20 जुलाई, 2024 को किया गया है.)

28 जुलाई—विश्व हेपेटाइटिस दिवस

29 जुलाई—अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

30 जुलाई—विश्व मानव तस्करी निषेध दिवस (World Day Against Trafficking in Persons)

(संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2013 में एक प्रस्ताव पारित कर 30 जुलाई को मानव तस्करी निषेध दिवस घोषित किया था)

दुर्घटना
(Accident)

उत्तर प्रदेश में हाथरस में एक सत्संग के पश्चात् मची भगदड़ में कम-से-कम 121 लोगों की मृत्यु

उत्तर प्रदेश में हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलरई मुगलगढ़ी गाँव में 2 जुलाई, 2024 को नारायण साकार हरि महाराज उर्फ भोले बाबा के सत्संग के पश्चात् मची भगदड़ में कम-से-कम 121 लोगों की मौत भीड़ में कुचले जाने व दम घुटने से हो गई. बड़ी संख्या में घायलों को हाथरस, अलीगढ़ व आगरा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया. भगदड़ में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके परिजनों को ₹ 2-2 लाख की राहत प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राहत कोष से प्रदान करने की घोषणा की है, जबकि इतनी ही राशि की मदद प्रदान करने की घोषणा उत्तर प्रदेश सरकार ने भी की है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं घटनास्थल का दौरा 3 जुलाई को किया. भगदड़ की जाँच के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है.

सत्संग कार्यक्रम के आयोजकों ने इस कार्यक्रम के लिए लगभग 20 हजार लोगों के लिए अनुमति प्रशासन से ली थी, किन्तु उपस्थिति खबरों के अनुसार इससे कई गुना अधिक रही. **सत्संग करने वाले भोले बाबा का मूल नाम सूरजपाल सिंह है.**

नेपाल में यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त

नेपाल के काठमांडू स्थित त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 24 जुलाई, 2024 को एक छोटा यात्री विमान उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया. चालन दल सहित कुल 19 लोग इस विमान पर सवार थे. चालक इस दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हुआ, जबकि शेष सभी इस दुर्घटना में मारे गए.

नेपाल की निजी मौर्य एयरलाइंस का यह विमान पोखरा जा रहा था जो टेकऑफ करते ही गलत दिशा में गया और तुरन्त ही उसमें आग लग गई.

आईएनएस ब्रह्मपुत्र में अग्निकांड से पोत क्षतिग्रस्त

मरम्मत के लिए डॉकयार्ड लाए गए भारतीय नौसेना के बहुउद्देशीय युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र के एक भाग में 21 जुलाई, 2024 को आग लग गई. आग लगने से यह युद्धपोत एक ओर झुक गया है. युद्धपोत पर सवार नाविकों में से एक का पता नहीं चल सका, जबकि शेष को बचा लिया गया है.

गार्डन रीच शिप बिल्डर्स, कोलकाता द्वारा निर्मित इस पूर्णतः स्वदेशी युद्धपोत को सन् 2000 में नौसेना में शामिल किया गया था.

अन्तरिक्ष
(Space)

चीनी स्टार्ट-अप कम्पनी का रॉकेट प्रक्षेपण विफल, तीन मौसम उपग्रह नष्ट हुए

चीन में अंतरिक्ष क्षेत्र की एक स्टार्ट-अप कम्पनी को बड़ा झटका गत जुलाई माह में उस समय लगा जब कम्पनी द्वारा किया गया रॉकेट प्रक्षेपण असफल रहा. इससे मौसम सम्बन्धी तीन सैटेलाइट भी नष्ट हो गए. आई स्पेस (i space) कम्पनी द्वारा हाइपरबोला-1 (Hyperbola-1) रॉकेट गोबी रेगिस्तान में जिउक्वान (Jiuquan) सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से 4 जुलाई को प्रक्षेपित किया गया था. रॉकेट के पहले, दूसरे व तीसरे चरण ने सामान्य रूप से काम किया, लेकिन चौथे चरण में विसंगति के कारण यह निर्धारित कक्षा में नहीं पहुँचा और नष्ट हो गया. कम्पनी के अनुसार, हाइपरबोला-1 की क्षमता 300 किलो पेलोड ले जाने की है. यह तियानजिन स्थित युन्याओ एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी (Yunyao Aerosapce Technology) कम्पनी के लिए तीन मौसम उपग्रह लेकर जा रहा था, किन्तु यह अपनी निर्धारित कक्षा में नहीं पहुँच सका. युन्याओ एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी की योजना इस वर्ष लगभग 40 उपग्रह लॉन्च करने की है.

विविध
(Miscellaneous)

ड्रोन इंटरनेशनल एक्सपो

विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन व मानव रहित प्रणालियों की बढ़ती हुई उपयोगिता को देखते हुए 2 दिवसीय **ड्रोन इंटरनेशनल एक्सपो** का आयोजन नई दिल्ली में प्रगति मैदान में 4-5 जुलाई, 2024 को किया गया. 25 से अधिक देशों के ड्रोन निर्माताओं ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन इस प्रदर्शनी में किया.

कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती के अवसर पर स्मारक डाक टिकट

कारगिल विजय दिवस (कारगिल युद्ध में भारत की शानदार जीत) की रजत जयंती के अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट भारतीय

डाक टिकट का फोटो

डाक विभाग ने 26 जुलाई, 2024 को लद्दाख के द्रास में जारी किया. यह स्मारक टिकट जारी करते हुए डाक विभाग ने कहा कि यह टिकट न केवल हमारे सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाता है कि बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि हमारे सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को आने वाली पीढ़ियों द्वारा याद किया जाए और उनका सम्मान किया जाए.

विश्व के सबसे बड़े नौसैनिक अभ्यास रिमपैक-2024 में भारत की भागीदारी

*अमेरिकी नौसेना की मेजबानी में विश्व का यह सबसे बड़ा द्विवार्षिक नौसैनिक अभ्यास–**रिम ऑफ द पैसिफिक** (Rim of the Pacific–RIMPAC) हवाई के पर्ल हार्बर में 27 जून, 2024 को शुरू हुआ है. 6 सप्ताह के इस नौसैनिक अभ्यास का बंदरगाह चरण 7 जुलाई तक चला. भारत सहित 29 देश अमेरिकी नौसेना के नेतृत्व वाले इस बहुआयामी अभ्यास में शामिल हैं. भारत की ओर से आईएनएस शिवालिक भारत-जापान द्विपक्षीय अभ्यास **जिमेक्स-24** पूरा होने के बाद रिमपैक-24 में भागीदारी के लिए 27 जून को ही पर्ल हार्बर पहुँच गया था.*

'रिम ऑफ द पैसिफिक'** एक्सरसाइज, विश्व का सबसे बड़ा **अन्तर्राष्ट्रीय** समुद्री अभ्यास है. 1971 में शुरू हुआ यह द्विवार्षिक अभ्यास सामान्यतः सम संख्या वाले वर्षों में जून-जुलाई माह में **हवाई के पर्ल हार्बर में यूनाइटेड स्टेट्स नेवी के** इंडो पैसिफिक कमांड **(जिसका मुख्यालय पर्ल हार्बर में है) की मेजबानी में आयोजित किया जाता है.

भारत व थाइलैण्ड संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री (2024)

*भारत व थाइलैण्ड का संयुक्त सैन्य अभ्यास **मैत्री** (MAITREE) थाइलैण्ड के टाक प्रान्त के फोर्ट वाचिराप्रकन (Vachiraprakan) में 1-15 जुलाई, 2024 को सम्पन्न हुआ. इस संयुक्त अभ्यास में भारतीय सेना की 76 सदस्यीय टुकड़ी में लद्दाख स्काउट्स के कर्मी मुख्यतः शामिल थे. 15 दिवसीय इस अभ्यास का उद्देश्य भारत व थाइलैण्ड के बीच सैन्य सहयोग को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय-VII के अन्तर्गत जंगल एवं शहरी वातावरण में उग्रवाद व आतंकवाद से निपटने के लिए अभियानों को अंजाम देने में संयुक्त क्षमताओं का विस्तार करना था.*

भारत-थाइलैण्ड संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री का यह 13वाँ संस्करण था. इस अभ्यास का पिछला 12वाँ संस्करण सितम्बर 2019 में मेघालय में उमरोई में आयोजित किया गया था.

भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास–नोमैडिक एलीफेंट (2024)

*भारत व मंगोलिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास **नोमैडिक एलीफेंट** (Nomadic Elephant) का 16वाँ संस्करण मेघालय के उमरोई में विदेशी प्रशिक्षण नोड में 3-16 जुलाई, 2024 को सम्पन्न हुआ. इस संयुक्त अभ्यास में 45 सदस्यीय भारतीय दल का प्रतिनिधित्व सिक्किम स्काउट्स की एक बटालियन तथा अन्य शाखाओं के सैन्यकर्मियों द्वारा किया गया. 3 जुलाई को इस सैन्य अभ्यास के उद्घाटन समारोह में भारत में मंगोलिया के राजदूत डबाजाविन गनबोल्ड भी उपस्थित थे.*

***नोमैडिक एलीफेंट एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जो बारी-बारी से भारत व मंगोलिया में आयोजित किया जाता है. इसका पिछला संस्करण जुलाई 2023 में मंगोलिया में** आयोजित किया गया था.*

शेष पृष्ठ 29 का

भारत में पर्यटन के विस्तार की अपार सम्भावनाओं का उल्लेख करते हुए इस दिशा में विभिन्न सरकारी पहलों का भी उल्लेख किया गया है. **'तीर्थयात्रा पुनर्नवीकरण' और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान** (Pilgrimage Rejuvenation and Spritual Augmentation Drive- PRASAD– प्रसाद) योजना के तहत् पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए 29 नए स्थलों की पहचान की गई है. इनमें से 12वाँ उद्घाटन भी किया जा चुका है. और इसी प्रकार स्वदेश दर्शन 2·0, एकीकृत पर्यटन गंतव्य विकास पर ध्यान केन्द्रित करते हुए 32 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में 55 गंतव्यों को लक्षित करता है.

दूरसंचार (Telecommunications)

दूरसंचार को भारत में डिजिटल सेवाओं के तेज विकास का प्रवेश द्वार आर्थिक समीक्षा में बताया गया है. इसमें बताया गया है कि भारत में कुल टेलीघनत्व (प्रति 100 जनसंख्या पर टेलिफोन की संख्या) मार्च 2014 में 75·2 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2024 में 85·7 प्रतिशत हो गया. मार्च 2024 के अंत में देश में वायरलेस टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या 116·5 करोड़ थी. डिजिटल इंडिया अभियान के अंग के रूप में इंटरनेट और ब्रॉडबैंड के विकास पर काफी जोर सरकार ने दिया है. परिणामस्वरूप, इंटरनेट ग्राहकों की संख्या मार्च 2024 में 25·1 करोड़ से बढ़कर मार्च 2024 में 95·4 करोड़ हो गई, जिनमें से 91·4 करोड़ वायरलेस फोन के जरिए इंटरनेट एक्सेस कर रहे हैं. मार्च 2024 में इंटरनेट घनत्व भी बढ़कर 68·2 प्रतिशत हो गया. डेटा की लागत में काफी कमी आई है, जिससे प्रति ग्राहक औसत वायरलेस डेटा उपयोग में काफी सुधार हुआ है. दूरसंचार के क्षेत्र में 5जी सेवाओं का जिक्र करते हुए आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारत में 5जी सेवाएँ पहली बार अक्टूबर 2022 में शुरू की गई थीं. वर्तमान में, भारत विश्व में सबसे तेजी से बढ़ते 5जी नेटवर्कों में से एक है. 5जी सेवाओं के प्रारम्भ के बाद, मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड में भारत की अन्तर्राष्ट्रीय रैंक 118 से बढ़कर 15 (मार्च 2024) हो गई है.

●●●

शेष पृष्ठ 39 का

सन्दर्भित तिमाही (अप्रैल-जून 2024) में देश के वस्तुगत निर्यातों में 6·76 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. वाणिज्य मंत्रालय द्वारा 15 जुलाई, 2024 को जारी आँकड़ों के अनुसार अप्रैल-जून 2023 में भारत के वस्तुगत निर्यात जहाँ 103·89 अरब डॉलर के थे, अप्रैल-जून 2024 में यह 109·96 अरब डॉलर (अनंतिम) के हो गए. इसी प्रकार अप्रैल-जून 2023 की तुलना में अप्रैल-जून 2024 में वस्तुगत आयात 160·05 अरब डॉलर से बढ़ कर 172·23 अरब डॉलर के हो गए. अप्रैल-जून 2023 की तुलना में यह 7·64 प्रतिशत अधिक है. इन आँकड़ों के साथ वस्तुगत व्यापार घाटा (Trade Deficit) अप्रैल-जून 2024 में 62·27 अरब डॉलर रहा है.

विदेशी व्यापार के इन आँकड़ों में सेवाओं के व्यापार के अनंतिम आँकड़े भी जोड़े जाएं, तो अप्रैल-जून 2024 भारत के कुल निर्यात (वस्तुगत व सेवाओं के निर्यात मिलाकर) 200·33 अरब डॉलर व आयात 222·89 अरब डॉलर के रहे हैं तथा समग्र विदेशी व्यापार घाटा 22·56 अरब डॉलर का रहा है. 2023-24 में देश के वस्तुगत आयात-निर्यात, सेवाओं के आयात-निर्यात तथा दोनों के संयुक्त आयात-निर्यात के यह अनंतिम आँकड़े (पूर्व वर्ष की समान अवधि के आँकड़ों के साथ तुलना सहित आगे तालिका में दर्शाए गए हैं.

ज्ञातव्य है कि पूर्व वित्तीय वर्ष 2023-24 में पूरे वर्ष के दौरान भारत के कुल वस्तुगत निर्यात 437·06 अरब डॉलर के व आयात 677·24 अरब डॉलर के रहे थे, (अनंतिम आँकड़े). इस प्रकार 2023-24 में पूरे वर्ष में व्यापार घाटा 240·17 अरब डॉलर का रहा था.

●●●

खेलकूद

क्रिकेट

जसप्रीत बुमराह व स्मृति मंधाना आईसीसी के प्लेयर ऑफ द मंथ

(पहली बार एक ही देश के दो खिलाड़ियों को यह पुरस्कार)

टी-20 विश्व कप (2024) में भारत की विजय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) ने जून 2024 के लिए 'प्लेयर ऑफ द मंथ' घोषित किया है. महिला क्रिकेटर्स में यह सम्मान भारत की स्मृति मंधाना को दिया गया है. आईसीसी द्वारा जनवरी 2021 में शुरू किया गया यह पुरस्कार भारत के कुल 11 खिलाड़ियों को 12 बार दिया जा चुका है (शुभमन गिल को आईसीसी का यह पुरस्कार दो बार मिला है) ***यह पहला अवसर है कि आईसीसी के 'प्लेयर ऑफ द मंथ' सम्मान के इतिहास में पुरुष व महिला, दोनों क्रिकेटरों के पुरस्कार एक ही देश के खिलाड़ियों को दिए गए.***

स्मृति मंधाना व जसप्रीत बुमराह

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के रूप में पुरस्कृत भारतीय क्रिकेटर

पुरुष	महिला
रिषभ पंत (जनवरी 2021)	*हरमनप्रीत कौर (सितम्बर 2022)*
रविचन्द्रन अश्विन (फरवरी 2021)	*दीप्ति शर्मा (दिसम्बर 2023)*
भुवनेश्वर कुमार (मार्च 2021)	*स्मृति मंधाना (जून 2024)*
श्रेयस अय्यर (फरवरी 2022)	
विराट कोहली (अक्टूबर 2022)	
शुभमन गिल (जनवरी 2023)	
शुभमन गिल (सितम्बर 2023)	
यशस्वी जायसवाल (फरवरी 2024)	
जसप्रीत बुमराह (जून 2024)	

जिम्बाब्वे के विरुद्ध टी-20 शृंखला भारत ने 4–1 से जीती

जिम्बाब्वे के दौरे पर भारत की क्रिकेट टीम ने 5 टी-20 मैचों की शृंखला मेजबान टीम के विरुद्ध जुलाई 2024 में खेली. हरारे में खेले गए इन पाँचों मैचों में से केवल पहला मैच ही जिम्बाब्वे ने जीता. शेष चारों मैच जीत कर भारत ने यह शृंखला 4–1 से जीती. इस शृंखला का चौथा मैच 13 जुलाई को भारत ने 10 विकेट से जीता, जबकि पाँचवाँ अंतिम मैच 14 जुलाई को 42 रनों से भारत ने जीता.

इस शृंखला के लिए भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल तथा कोच वीवीएस लक्ष्मण थे. शुभमन गिल को पहली बार ही टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैचों में भारतीय टीम का नेतृत्व सौंपा गया था.

द. अफ्रीका-भारत महिला क्रिकेट शृंखला (2024)

एक टेस्ट मैच व 3-3 मैचों की ओडीआई व टी-20 शृंखलाएं खेलने के लिए द. अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम ने भारत दौरा जून-जुलाई 2024 में किया. इनमें टी-20 मैचों की शृंखला 1-1 से बराबर रही, जबकि ओडीआई शृंखला 3–0 से भारत ने जीती.

दोनों टीमों के बीच 28 जून-1 जुलाई, 2024 को चेन्नई में खेला गया एक मात्र टेस्ट मैच भारत ने 10 विकेट से जीता.

इस टेस्ट मैच में पहले ही दिन शेफाली वर्मा (205 रन) व स्मृति मंधाना की (149 रन) पारियों के चलते 525 रन बने, जो महिला टेस्ट में नया विश्व रिकॉर्ड है.

भारत की शेफाली वर्मा ने 197 गेंदों पर दोहरा शतक बनाकर महिला टेस्ट मैच में सबसे तेज गति से दोहरा शतक बनाने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया.

भारत की स्नेहा राणा ने इस टेस्ट मैच में 10 विकेट लेकर किसी महिला टेस्ट मैच में 10 विकेट लेने वाली पहली भारतीय स्पिनर होने का श्रेय अपने नाम किया.

इन तीनों ही शृंखलाओं में भारतीय टीम का नेतृत्व हरमनप्रीत कौर ने किया.

गौतम गम्भीर भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच

राहुल द्रविड़ के स्थान पर पूर्व क्रिकेटर गौतम गम्भीर अब भारतीय क्रिकेट टीम (पुरुषों की मुख्य टीम) के मुख्य कोच जुलाई 2024 में बनाए गए हैं. 2007 का टी-20 विश्व कप तथा 2011 का वन डे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे गौतम गम्भीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाए जाने की घोषणा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव जय शाह ने 9 जुलाई को की. इस पद पर उनका कार्यकाल दिसम्बर 2027 तक रहेगा.

गौतम गम्भीर

इस पद पर राहुल द्रविड़ का स्थान गौतम गम्भीर ने लिया है. राहुल द्रविड़ का इस पद पर कार्यकाल टी-20 विश्व कप (2024) की समाप्ति तक ही था.

- *गौतम गम्भीर ने अपने अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट कॅरियर में कुल 58 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें 9 शतकों सहित कुल 4154 रन उन्होंने बनाए हैं. टेस्ट क्रिकेट में उनका उच्चतम स्कोर 206 रन था.*
- *उनके द्वारा खेले गए एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय (ODI) मैचों की संख्या 147 रही जिनमें 11 शतकों सहित कुल 5238 रन उन्होंने बनाए. एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनका उच्चतम स्कोर 150 रन (अविजित) था.*
- *टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 37 मैच गौतम गम्भीर ने खेले जिनमें कुल 932 रन उन्होंने बनाए. टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैचों में उनका उच्चतम स्कोर 75 रन था.*

स्क्वैश

एशियाई युगल स्क्वैश चैम्पियनशिप : अभय सिंह के दोहरे खिताब

मलेशिया में जोहोर में जुलाई 2024 में सम्पन्न एशियाई युगल स्क्वैश चैम्पियनशिप में भारत के अभय सिंह दोहरे खिताब जीतने में सफल रहे. **अपने ही देश के वेलावन सेंथिल कुमार के साथ जोड़ी बनाकर पुरुषों का युगल खिताब उन्होंने जीता. बाद में जोशना चेन्नपा के साथ जोड़ी बनाकर मिश्रित युगल खिताब भी जीतने में सफलता उन्होंने प्राप्त की.**

शतरंज

लियॉन मास्टर्स शतरंज (2024) विश्वनाथन आनंद विजेता

स्पेन में जून 2024 के अंतिम सप्ताह में सम्पन्न लियॉन मास्टर्स शतरंज का खिताब भारत के विश्वनाथन आनंद ने फाइनल में स्पेन के जैमे सैंटोस लटासा को 3–1 से हराकर जीता. **5 बार के विश्व चैम्पियन 54 वर्षीय विश्वनाथन आनंद ने 10वीं बार यह खिताब जीता है.**

बिलियर्ड्स

एशियाई बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप (2024)

सऊदी अरब में रियाद में जुलाई 2024 में सम्पन्न एशियाई बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप में पुरुषों का खिताब भारत के ध्रुव सितवाला ने फाइनल में अपने ही देश के पंकज आडवाणी को हराकर जीता. **ध्रुव सितवाला का यह तीसरा एशियाई बिलियर्ड्स खिताब है.**

इस आयोजन में भारत की अनुपमा रामचन्द्रन महिलाओं का एशियाई स्नूकर खिताब जीतने में सफल रही.

बैडमिन्टन

कनाडा ओपन बैडमिंटन (2024)

कैलगरी (कनाडा) में बीडब्ल्यूएफ के सुपर-500 लेवल के कनाडा ओपन बैडमिंटन (2024) में पुरुषों का एकल खिताब जापान के कोकी वातानाबे ने फाइनल में फ्रांस के एलेक्स लेनियर को हराकर अपने नाम किया, जबकि महिलाओं के एकल खिताब के लिए थाइलैण्ड की बुसानन ओंग बाम रुंगफान ने डेनमार्क की लाइन क्जार्सफेल्ट को फाइनल में हराया.

फॉर्मूला-1 रेस

जुलाई 2024 में तीन फॉर्मूला-1 रेसों (ब्रिटिश ग्रांड प्रिक्स, हंगेरियन ग्रांड प्रिक्स तथा बेल्जियम ग्रांड प्रिक्स) का आयोजन

जून 2024 में तीन फॉर्मूला-1 रेसों के आयोजन के पश्चात् ऐसी 3 रेसों का आयोजन जुलाई माह में भी हुआ. इनमें ब्रिटिश ग्रांड प्रिक्स (7 जुलाई), हंगेरियन ग्रांड प्रिक्स (21 जुलाई) व बेल्जियम ग्रांड प्रिक्स (28 जुलाई) शामिल थीं. 7 जुलाई को सिल्वरस्टोन सर्किट में आयोजित ब्रिटिश ग्रांड प्रिक्स फॉर्मूला-1 रेस में मर्सिडीज टीम के लुइस हैमिल्टन विजेता रहे, जबकि रैडबुल के मैक्स वर्स्टापेन का इसमें दूसरा स्थान रहा.

21 जुलाई को हंगरी में हुगारोरिंग में हंगेरियन ग्रांड प्रिक्स में मैकलॉरेन टीम के ही ओ. पियास्त्री व एल. नॉरिस क्रमशः विजेता व उपविजेता रहे. जुलाई 2024 की तीसरी अन्तिम रेस बेल्जियम ग्रांड प्रिक्स थी. 28 जुलाई को स्पा–फ्रैंकोरचैम्प्स में इस रेस में पहला व दूसरा स्थान क्रमशः रैडबुल के मैक्स वर्स्टापेन व फरारी के सी. लेकलेर्क ने प्राप्त किया.

हंगेरियन फॉर्मूला-2 रेस में भारत के कुश मैनी विजता

बेंगलुरु के 23 वर्षीय रेसिंग ड्राइवर कुश मैनी जुलाई 2024 में हंगरी में हुंगारोरिंग

(Hungaroring) सर्किट में फॉर्मूला-2 रेस के विजेता घोषित किए गए. यह रेस मूलतः रिचर्ड वर्सचूर ने जीती थी, किन्तु तकनीकी आधार पर डिस्क्वालीफाई कर दिए जाने पर कुश मैनी को विजेता घोषित किया गया. इन्विक्टा रेसिंग के चालक कुश मैनी फॉर्मूला-2 रेस जीतने वाले भारत के पहले चालक हैं.

टेनिस

विम्बलडन टेनिस (2024) : कार्लोस अल्कराज लगातार दूसरे वर्ष पुरुष एकल के विजेता

लंदन में 1-15 जुलाई, 2024 को सम्पन्न विश्व के सबसे प्राचीन टेनिस टूर्नामेंट (137वें) विम्बलडन टूर्नामेंट में पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः कार्लोस अल्कराज (Carlos Alcaraz) व बारबोरा क्रेजसिकोवा (Barbora Krejcikova) ने जीते.

पुरुषों के एकल खिताब के लिए स्पेन के 21 वर्षीय कार्लोस अल्कराज ने

कार्लोस अल्कराज ट्रॉफी के साथ

14 जुलाई को फाइनल मुकाबले में रिकॉर्ड 24 ग्रांड स्लैम एकल खिताब विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच (Novak Djokovic)

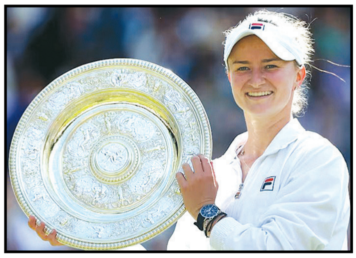

बारबोरा क्रेजसिकोवा ट्रॉफी के साथ

को फाइनल में 6–2, 6–2, 7–6 (7–4) से पराजित किया. **अल्कराज ने लगातार दूसरे वर्ष यह खिताब अपने नाम किया है. पिछले वर्ष 2023 में जोकोविच को ही फाइनल में हराकर अल्कराज ने यह खिताब जीता था. इस खिताबी विजय से कार्लोस अल्कराज के खाते में अब चार ग्रांड स्लैम एकल खिताब हो गए हैं. अभी एक माह पूर्व जून 2024 में फ्रांसीसी ओपन तथा 2022 में अमेरिकी ओपन में एकल खिताब अल्कराज ने जीता था.** महिलाओं के एकल खिताब के लिए इटली की जैसमीन पाओलिनी को फाइनल में चैक गणराज्य की बारबोरा क्रेजसिकोवा ने हराया. **क्रेजसिकोवा का यह दूसरा ग्रांड स्लैम एकल खिताब है. इससे पूर्व 2021 में फ्रांसीसी ओपन उन्होंने जीता था.**

विम्बलडन टूर्नामेन्ट का पुरुषों का युगल खिताब हैरी हैलियोवारा (फिनलैण्ड) हेनरी

पैटेन (ब्रिटेन) की जोड़ी ने फाइनल में मैक्स पुरसैल व जॉर्डन थॉम्पसन की ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को हराकर जहाँ जीता वहीं महिलाओं का युगल कैटरिना सिनियाकोवा (चैक गणराज्य) व टेलर टाउन सैंड (अमेरिका) की जोड़ी ने गैबरीला डाब्रोस्की (कनाडा) व एरिन रूटलिफे (न्यूजीलैण्ड) की जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता. इस टूर्नामेन्ट का मिश्रित युगल खिताब जान जीलिंस्की (पोलैण्ड) व ह्सीह सू-वी (चीनी ताइपे) की जोड़ी ने सांटियागो गोंजालेज व गियुलाना ऑल्मोस (दोनों मेक्सिको) की जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता.

विम्बलडन टेनिस (2024) (1–14 जुलाई, 2024) विजेता एवं उपविजेता

पुरुष एकल	विजेता	कार्लोस अल्कराज (स्पेन)
	उपविजेता	नोवाक जोकोविच (सर्बिया)
महिला एकल	विजेता	बारबोरा क्रेजसिकोवा (चैक गणराज्य)
	उपविजेता	जैसमीन पाओलिनी (इटली)
पुरुष युगल	विजेता	हैरी हेलियोवारा (फिनलैण्ड) व हेनरी पैटेन (ब्रिटेन)
	उपविजेता	मैक्स पुरसैल व जॉर्डन थॉम्पसन (दोनों ऑस्ट्रेलिया)
महिला युगल	विजेता	कैटरिना सिनियाकोवा (चैक गणराज्य) व टेलर टाउन सैंड (अमेरिका)
	उपविजेता	गैबरीला डाब्रोस्की (कनाडा) व एरिन रूटलिफे (न्यूजीलैण्ड)
मिश्रित युगल	विजेता	जान ज़ीलिंस्की (पोलैण्ड) व ह्सीह सू-वी (चीनी ताइपे)
	उपविजेता	सांटियागो गोंजालेज व गियुलाना ऑल्मोस (दोनों मेक्सिको)

लिएंडर पेस व विजय अमृतराज 'टेनिस हॉल ऑफ फेम' में शामिल किए जाने वाले पहले एशियाई टेनिस स्टार

लिएंडर पेस व विजय अमृतराज : टेनिस के हॉल ऑफ फेम में

अपने-अपने समय में टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी रहे लिएंडर पेस व विजय अमृतराज ने गत जुलाई माह में इतिहास रचा जब इन टेनिस स्टार्स को टेनिस के इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में 21 जुलाई, 2024 को शामिल किया गया. इनके साथ ही टेनिस पत्रकार रिचर्ड इवांस को भी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया. लिएंडर पेस व विजय अमृतराज 265वें व 267वें सदस्य के रूप में हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए. टेनिस के इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने वाले वह पहले एशियाई हैं.

इस उपलक्ष्य में अमेरिका में न्यूपोर्ट में टेनिस हॉल ऑफ फेम के भवन में एक भव्य समारोह में क्रिस एवर्ट, मार्टिना नवरातिलोवा, आन्द्रे अगासी आदि टेनिस जगत् की दिग्गज हस्तियों की उपस्थिति में लिएंडर पेस, विजय अमृतराज व रिचर्ड इवांस को सम्मानित किया गया.

विगत आठ वर्षों में विम्बलडन में हर बार नई महिला एकल चैम्पियन

वर्ष	महिला एकल विजेता
2016	सेरेना विलियम्स
2017	गर्बाइन मुरुगुजा
2018	एंजलिक कर्बर
2019	सिमोना हालेप
2021	एश्ले बार्टी
2022	एलिना रिवाकिना
2023	मार्केता वोंद्रोसोवा
2024	बारबोरा क्रेजसिकोवा

फ्रांसीसी खिलाड़ी के साथ जोड़ी बना युकी भांबरी ने स्विस ओपन में युगल खिताब जीता

भारत के युकी भांबरी जुलाई 2024 में फ्रांस के अलबानो ओलिबेट्टी के साथ जोड़ी बना कर ग्स्टाड (स्विट्जरलैण्ड) में स्विस ओपन टेनिस का युगल खिताब जीतने में सफल रहे. पुरुषों के इस टूर्नामेन्ट का एकल खिताब इटली के माट्टेयो बेरेटिनी ने फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस को फाइनल में हराकर अपने नाम किया.

गोल्फ

ओपन चैम्पियनशिप (ब्रिटिश ओपन)

वर्ष के चार मेजर गोल्फ टूर्नामेन्टस में से चौथे द ओपन चैम्पियनशिप (ब्रिटिश ओपन) का आयोजन 18–21 जुलाई, 2024 को ट्रून (स्कॉटलैण्ड) में हुआ. इसका खिताब अमेरिका के ही एलेक्जेंडर विक्टर शाफले ने ही जीता. टोक्यो ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले शाफले का इस वर्ष (2024 का) यह दूसरा मेजर खिताब है. इससे पूर्व मई 2024 में पीजीए चैम्पियनशिप के भी वह विजेता रहे थे.

एलेक्जेंडर विक्टर शाफले

एथलेटिक्स

63वीं राष्ट्रीय अन्तर्राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (2024) : हरियाणा का टीम खिताब

63वीं राष्ट्रीय अन्तर्राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप पंचकुला (हरियाणा) में 27–30 जून, 2024 को सम्पन्न हुई. इसमें पुरुष व महिला दोनों ही वर्गों में टीम चैम्पियनशिप हरियाणा के नाम रही. सर्वाधिक 133 अंकों के साथ ओवरऑल चैम्पियनशिप भी हरियाणा ने जीती. 122 अंकों के साथ तमिलनाडु का दूसरा तथा 66 अंकों के साथ पंजाब का तीसरा स्थान रहा.

केरल के तिहरी कूद एथलीट अब्दुल्ला अबूबेकर को पुरुषों में तथा हरियाणा की 400 मी धाविका किरन पहल को महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया गया. इस आयोजन में 100 मीटर की दौड़, पुरुष वर्ग में पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह (10·32 सेकण्ड) ने तथा महिला वर्ग में कर्नाटक की एस.एस. स्नेहा (11·62 सेकण्ड) ने जीती. पुरुष व महिला दोनों ही वर्गों में विभिन्न स्पर्द्धाओं में स्वर्ण पदक विजेताओं के नाम अंग्रांकित तालिका में प्रदर्शित हैं—

अविनाश सांबले का 3,000 मीटर स्टीपल चेज में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

भारतीय एथलीट अविनाश सांबले ने 7 जुलाई, 2024 को पेरिस में पेरिस डायमंड लीग प्रतियोगिता में 3,000 मीटर स्टीपल चेज में 8 मिनट 9·91 सेकण्ड का समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया. इस स्पर्द्धा में अपना ही 2022 में बनाया हुआ 8 मिनट 11·20 सेकण्ड का रिकॉर्ड उन्होंने भंग किया.

63वीं राष्ट्रीय अन्तर्राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (27-30 जून, 2024; पंचकुला) (वैयक्तिक स्पर्द्धाओं के विजेता)						
पुरुष वर्ग						
	विजेता		**राष्ट्रीय रिकॉर्ड**			**प्रतियोगिता स्थान**
100 मीटर	गुरिंदरवीर सिंह (पंजाब)	10·32	एम. हो. लीधर	10:23	11.10.2023	बेंगलुरु
200 मीटर	अनिमेश कुजूर (ओडिशा)	20·65	अमलान बोरगोहेन	20·52	6.4.2022	थेनहीपालम
400 मीटर	मु. अनास याहिया (केरल)	45·93	मु. अनास याहिया	45·21	13.7.2019	क्लादनो
800 मीटर	श्याम मिलन बिंद (मध्य प्रदेश)	1:47·24	जिंसन जॉन्सन	1:45·65	27.6.2018	गुवाहाटी
1500 मीटर	परवेज़ खान (हरियाणा)	3:42·95	जिंसन जॉन्सन	3:35·24	1.9.2019	बर्लिन
5000 मीटर	गुलवीर सिंह (उ.प्र.)	13:34·67	गुलवीर सिंह	13:18·92	9.6.2024	बालनट
10000 मीटर	कार्तिक कुमार (उ.प्र.)	29:50·11	गुलवीर सिंह सान जुआन	17:41·81	16.3.2024	कैपिस्ट्रानो
110 मीटर बाधा दौड़	तेजस शिरसे (महाराष्ट्र)	13·54	तेजस शिरसे	13·41	22.5.2024	जाइवास्काइला
400 मीटर बाधा दौड़	निखिल भारद्वाज (पंजाब)	50·21	ए. धारून	48·80	16.3.2019	पटियाला
4 × 100 मीटर	ओडिशा	40·02	राष्ट्रीय टीम	38·89	12.10.2010	नई दिल्ली
4 × 400 मीटर	हरियाणा	3:08·00	राष्ट्रीय टीम	2:59·05	26.8.2023	बुडापेस्ट
3000 मीटर स्टीपल चेज	अविनाश सांबले (महाराष्ट्र)	8:31·75	अविनाश सांबले	8:9·91	7.7.2024	पेरिस
20 किमी पैदल चाल	संजय कुमार (राजस्थान)	1:26·13	अक्शदीप सिंह	1:19·55	14.2.2023	राँची
ऊँची कूद	सर्वेश कुशारे (महाराष्ट्र)	2·25 मी	तेजस्विन शंकर	2·29 मी	27.4.2018	लुबाक
लम्बी कूद	आर्या एस. (कर्नाटक)	7·78 मी	जेस्विन एल्ड्रिन	8·42 मी	2.3.2023	बेल्लारी
तिहरी कूद	अब्दुल्ला अबूबेकर (केरल)	17·00 मी	प्रवीन चित्रवेल	17·37 मी	6.5.2012	हवाना
डिस्कस थ्रो	निर्भय सिंह (हरियाणा)	55·44 मी	विकास गौंडा	66·28 मी	12.4.2012	नॉरमन
हैमर थ्रो	प्रवीण कुमार (राजस्थान)	68·76 मी	नीरज कुमार	70·73 मी	29.6.2016	हैदराबाद
जेवलिन थ्रो	साहिल सिलवाल (हरियाणा)	81·81 मी	नीरज चोपड़ा	89·94 मी	30.6.2022	स्टॉकहोम
शॉट पुट	तजिंदरपाल सिंह तूर (पंजाब)	19·93 मी	तजिंदरपाल सिंह तूर	21·77 मी	19.6.2023	भुवनेश्वर
पोल वाल्ट	युगेन्द्रन आर. (तमिलनाडु)	5·00 मी	शिव सुब्रमण्यम	5·31 मी	3.10.2022	गुजरात
डेकाथलॉन	थौफीक एन. (केरल)	7042 अंक	टी. शंकर	7666	3.10.2023	हांग झोउ

महिला वर्ग						
100 मीटर	स्नेहा एस.एस. (कर्नाटक)	11·62	दुती चन्द	11·17	21.6.2021	पटियाला
200 मीटर	श्रवणी नंदा (ओडिशा)	23·89	सरस्वती साहा	22·82	28.8.2002	लुधियाना
400 मीटर	किरण पहल (हरियाणा)	50·92	हिमा दास	50·79	26.8.2018	जकार्ता
800 मीटर	केएम चंदा (दिल्ली)	2:01·53	टिंटू लुका	1:59·17	4.9.2010	स्प्लिट

1500 मीटर	लिलीदास (प. बंगाल)	4:13·87	दीक्षा	4:04·78	11.5.2024	लॉस एंजेल्स
5000 मीटर	अंकिता (उत्तराखण्ड)	16:10·31	पारुल चौधरी	15:10·35	16.5.2023	बालनट
10000 मीटर	संजीवनी जाधव (महाराष्ट्र)	33:42·54	प्रोजा श्रीधरन	31:50·47	21.11.2010	गुआंग झोऊ
100 मीटर बाधा दौड़	ज्योति याराजी (आन्ध्र प्रदेश	13·06	ज्योति याराजी	12·78	4.8.2023	चेंगडू
400 मीटर बाधा दौड़	ओलिम्वा स्टेफा (तमिलनाडु)	59·43	पी.टी. ऊषा	55·42	8.8.1984	लॉस एंजेल्स
4 × 100 मीटर	कर्नाटक	45·38	राष्ट्रीय टीम	43·37	21.6.2021	पटियाला
4 × 400 मीटर	आन्ध्र प्रदेश	3:41·84	राष्ट्रीय टीम	3:26·89	27.8.2004	एथेंस
3000 मीटर स्टीपल चेज	पारुल चौधरी (उत्तर प्रदेश)	9:45·70	पारुल चौधरी	9:15·31	27.8.2023	बुडापेस्ट
20 किमी पैदल चाल	रवीना (हरियाणा)	1:39·53	प्रियंका गोस्वामी	1:28·45	13.2.2021	राँची
ऊँची कूद	ख्याति माथुर (उत्तर प्रदेश)	1·86 मी	सहना कुमारी	1·92 मी	23.6.2012	हैदराबाद
लम्बी कूद	ऐंसी सोजन ई (केरल)	6·59 मी	अंजू बी. जॉर्ज	6·83 मी	27.8.2004	एथेंस
तिहरी कूद	शीना वी (केरल)	13·44 मी	मयूरबा जॉनी	14·11 मी	9.7.2011	कोबे
डिस्कस थ्रो	सीमा (हरियाणा)	57·19 मी	कमलप्रीत कौर	66·59	21.6.2021	पटियाला
हैमर थ्रो	मंजूबाला (राजस्थान)	63·66 मी	सरिता सिंह	65·25 मी	1.6.2017	पटियाला
जेवलिन थ्रो	अन्नू रानी (उत्तर प्रदेश)	54·70 मी	अन्नू रानी	63·82 मी	8.5.2022	जमशेदपुर
शॉट पुट	आभा खाटुआ (महाराष्ट्र)	17·63 मी	आभा खाटुआ	18·41मी	13.5.2024	भुवनेश्वर
पोल वाल्ट	रोजी पॉलराज (तमिलनाडु)	4·0 मी	रोजी मीना पॉलराज	4·21 मी	15.10.2022	गाँधीनगर
हेप्टाथलॉन	अगासरा नंदिनी (तेलंगाना)	5806 अंक	जे.जे. शोभा	6211	17.3.2004	–

PRATIYOGITA DARPAN

SCAN and ORDER
Your Favourite
Books Effortlessly

SCAN ME!

ChatBot

फुटबॉल

यूएफा यूरो 2024 : स्पेन रिकॉर्ड चौथी बार विजेता

यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन (UEFA) के तत्वावधान में यूरोप की पुरुषों की राष्ट्रीय टीमों के लिए 4-4 वर्ष के अन्तराल पर होने वाली यूएफा ***यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप*** *(UEFA Euro 2024) का आयोजन जर्मनी की मेजबानी में 14 जून–14 जुलाई, 2024 तक हुआ. यूरोप की 24 राष्ट्रीय टीमें यूरोपियन चैम्पियनशिप के इस 17वें संस्करण में शामिल थीं. टूर्नामेन्ट के तहत् 51 कुल मैच 10 विभिन्न शहरों में खेले गए.*

टूर्नामेन्ट का फाइनल मैच स्पेन व इंग्लैण्ड के बीच 14 जुलाई को बर्लिन के ओलम्पिया स्टेडियम में खेला गया, जिसमें इंग्लैण्ड को 2–1 से हराकर स्पेन रिकॉर्ड चौथी बार यूरो कप का विजेता बना. (इंग्लैण्ड की यूरो कप फाइनल में यह लगातार दूसरी हार है. इससे पूर्व पिछले 2020 के आयोजन में इटली से पराजय का सामना इंग्लैण्ड ने किया था) स्पेन के निको विलियम्स को फाइनल मैच में ***प्लेयर ऑफ द मैच*** *का पुरस्कार मिला.*

यूरो 2024 विजेता ट्रॉफी के साथ स्पेन की टीम

स्पेन के ही रोड्री (Rodri) को ***प्लेयर ऑफ द टूर्नामेन्ट*** *तथा स्पेन के ही लेमिन यामल (Lamine Yamal) को* ***यंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेन्ट*** *का पुरस्कार दिया गया.*

- ***यूएफा यूरो 2024 में 6 खिलाड़ियों ने सर्वाधिक 3–3 गोल किए.***
- ***यूएफा यूरो के आगामी 18वें संस्करण यूरो 2028 का आयोजन यूनाइटेड किंगडम व आयरलैण्ड की मेजबानी में होगा.***

यूरो कप के विजेता

क्रं.	वर्ष	विजेता	क्रमांक	वर्ष	विजेता
1.	1960	सोवियत संघ	10.	1996	जर्मनी
2.	1964	स्पेन	11.	2000	फ्रांस
3.	1968	इटली	12.	2004	ग्रीस
4.	1972	प. जर्मनी	13.	2008	स्पेन
5.	1976	चैकोस्लोवाकिया	14.	2012	स्पेन
6.	1980	प. जर्मनी	15.	2016	पुर्तगाल
7.	1984	फ्रांस	16.	2020 (2021)	इटली
8.	1988	नीदरलैण्ड्स	17.	2024	स्पेन
9.	1992	डेनमार्क			

2024 कोपा अमेरिका कप : अर्जेन्टीना 16वीं बार विजेता

द. अमेरिका की फुटबॉल संचालन समिति CONMEBOL (South American Football Confederation) के तत्वावधान में 4–4 वर्ष के अन्तराल के पश्चात् आयोजित किए जाने वाले कोपा अमेरिका कप के 48वें संस्करण का आयोजन अमेरिका की मेजबानी में 20 जून–14 जुलाई, 2024 को हुआ. उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका की 16 राष्ट्रीय टीमें टूर्नामेन्ट में शामिल थी. कुल 32 मैच इन टीमों में खेले गए.

टूर्नामेन्ट का फाइनल मैच गत विजेता अर्जेन्टीना व कोलम्बिया के बीच अमेरिका में मियामी गार्डन्स में 14 जुलाई, 2024 को खेला गया, जिसमें अतिरिक्त समय में लौतारो मार्टिनेज द्वारा किए गए गोल के आधार पर अर्जेन्टीना ने 1–0 से जीता. इसके साथ ही रिकॉर्ड 16वीं बार कोपा अमेरिका कप पर कब्जा अर्जेन्टीना ने किया. (अर्जेन्टीना के बाद 15 बार इसे उरुग्वे ने व 9 बार ब्राजील ने इसे जीता है) अर्जेन्टीना की टीम के कप्तान लियोनिल मैसी थे. टूर्नामेन्ट में तीसरा व चौथा स्थान क्रमशः उरुग्वे व कनाडा का रहा.

कोपा अमेरिका 2024 ट्रॉफी के साथ अर्जेन्टीना टीम

टूर्नामेन्ट में सर्वाधिक 5 गोल अर्जेन्टीना के लौतारो मार्टिनेज (Lautaro Martinez) ने किए तथा ***सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर*** *का पुरस्कार भी अर्जेन्टीना के ही एमीलियानो मार्टिनेज (Emiliano Martinez) को मिला. कोलम्बिया के जेम्स रॉड्रिग्ज (James Radriguez) को* ***टूर्नामेन्ट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी*** *घोषित किया गया, जबकि* ***फेयर प्ले अवार्ड*** *कोलम्बिया को मिला.*

स्पेन के मनोलो मार्केज भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच

स्पेन के मनोलो मार्केज़ (Manolo Marquez) भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच जुलाई 2024 में नियुक्त किए गए हैं. 55 वर्षीय मार्केज फिलहाल इंडियन सुपर लीग (ISL) में एफसी गोवा टीम के कोच हैं. 2024-25 सत्र के दौरान एफसी गोवा के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका को जारी रखते हुए भारत की पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच की भूमिका भी वह निभाएंगे.

मनोलो मार्केज

स्पेन के मार्केज़ 2020 से ही भारत में फुटबॉल की कोचिंग दे रहे हैं. 2020-23 के दौरान हैदराबाद एफसी टीम के प्रशिक्षक रहे थे जिसके पश्चात् एफसी गोवा से वह जुड़े. एफसी गोवा के साथ अपनी जिम्मेदारी पूरी करके राष्ट्रीय टीम की भूमिका वह पूर्णकालिक कोच के रूप में निभाएंगे.

भारत की पुरुषों की सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के पद पर इगोर स्टिमाक (Igor Stimac) का स्थान मार्केज ने लिया है. फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स में भारतीय टीम की करारी पराजय के पश्चात् क्रोएशियाई स्टिमाक को जून 2024 में इस पद से बर्खास्त कर दिया गया था.

विविध

नीता अम्बानी अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की सदस्य पुनर्निर्वाचित

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक नीता अम्बानी को सर्वसम्मति से दोबारा भारत से अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (IOC) का सदस्य चुना गया है. पेरिस में गत 24 जुलाई को आईओसी के 142वें सत्र के दौरान हुए मतदान में नीता को शत-प्रतिशत मत इसके लिए प्राप्त हुए. नीता को पहली बार 2016 में रियो डि जिनेरियो ओलम्पिक खेलो के दौरान इस प्रतिष्ठित संस्था में शामिल किया गया था. वह आईओसी में शामिल होने वाली भारत की पहली महिला हैं.

नीता अम्बानी

उत्तर प्रदेश सामान्य ज्ञान एवं समसामयिकी 2024

अतिरिक्तांक

प्रतियोगिता दर्पण

परीक्षानामा

उत्तर प्रदेश

पी. सी. एस.

प्रारम्भिक परीक्षा

सामान्य अध्ययन

संक्षिप्त विवेचन

- विगत एक वर्ष के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों का बिन्दुवार प्रस्तुतीकरण
- राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय तथा उत्तर प्रदेश समसामयिक घटनाक्रमों का समावेश
- उत्तर प्रदेश सामान्य ज्ञान का बिन्दुवार प्रस्तुतीकरण
- भारत तथा उत्तर प्रदेश का बजट 2024-25 एवं आर्थिक समीक्षा का समावेश
- परीक्षोपयोगी महत्वपूर्ण सूचनाओं के साथ बॉक्स तथा सारणी का समावेश
- गत वर्षों की परीक्षा प्रारूप पर आधारित

Code No. 849 ₹ 270.00

उत्तर प्रदेश राज्य की अन्य परीक्षाओं के लिए भी उपयोगी

ISBN : 978-93-91068-90-5

प्रतियोगिता दर्पण | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास रोड, आगरा-282 005 | फोन : (0562) 2530966, 2531101 • हल्द्वानी मो. 07060421008 | • E-mail : sales@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

पेरिस ओलम्पिक-2024 में भारत के लिए पहला पदक जीतने का श्रेय मनु भाकर को

26 जुलाई, 2024 से पेरिस में शुरू हुए (33वें) ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों में भारत के लिए पहला पदक मनु भाकर ने निशानेबाजी में 10 मी एयर पिस्टल स्पर्द्धा में 28 जुलाई को ही जीता है. ओलम्पिक खेलों में निशानेबाजी (Shooting) में भारत का अब तक का यह पाँचवाँ पदक यद्यपि है, हरियाणा के झज्जर की ***22 वर्षीय मनु ओलम्पिक में निशानेबाजी (Shooting) में कोई पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं.*** *निशानेबाजी में इससे पूर्व पदक जीतने वाले 4 अन्य भारतीय निशानेबाज–राज्यवर्धन राठौड़ (2004, कांस्य), अभिनव बिन्द्रा (2008, स्वर्ण), विजय कुमार (2012, रजत) तथा गगन नारंग (2012, कांस्य पदक) रहे हैं.*

ओलम्पिक पदक के साथ मनु भाकर

पेरिस ओलम्पिक में देश को पहला पदक दिलाने के बाद 30 जुलाई, 2024 को 10 मी एयर पिस्टल मिक्स्ड इवेंट में अपने साथी निशानेबाज सबरजोत सिंह के साथ मिलकर कांस्य पदक जीता.

यह पंक्तियाँ लिखे जाने तक शूटिंग के साथ-साथ अन्य खेलों की भी विभिन्न स्पर्द्धाएं अभी शेष थीं जिनमें पदकों की भारतीय दल को आशा है.

पेरिस ओलम्पिक में विभिन्न खेलों के लिए 117 खिलाड़ियों के साथ 140 सपोर्टिंग स्टाफ सहित 257 सदस्यीय दल भारत ने भेजा है. निशानेबाजी में ही 2012 में कांस्य पदक जीतने वाले गगन नारंग भारतीय दल के प्रमुख (Chief-de-mission) हैं. *117 खिलाड़ियों में सर्वाधिक 29 खिलाड़ी (18 पुरुष + 11 महिलाएँ) एथलेटिक्स के लिए, 21 (11 पुरुष + 10 महिलाएँ) निशोनबाजी के लिए, 19 हॉकी के लिए, 8 (4 पुरुष + 4 महिला) टेबल टेनिस के लिए, 7 (4 पुरुष + 3 महिला) बैडमिंटन के लिए, 6 (3 पुरुष + 3 महिला) तीरंदाजी के लिए, 6 (2 पुरुष + 4 महिला) मुक्केबाजी के लिए, 6 (1 पुरुष + 5 महिला) कुश्ती के लिए, 3 (तीनों पुरुष) टेनिस के लिए, 2(1 पुरुष + 1 महिला) तैराकी के लिए, 2 (1 पुरुष + 1 महिला) सेलिंग के लिए गोल्फ के लिए 4 तथा 1-1 खिलाड़ी जूडो, रोइंग, घुड़सवारी व भारोत्तोलन के लिए हैं.*

पिछली बार टोक्यो ओलम्पिक में विभिन्न खेलों के लिए कुल 121 खिलाड़ियों सहित 228 सदस्यीय दल (सपोर्टिंग स्टाफ सहित) भारत ने भेजा था तथा 1 स्वर्ण, 2 रजत व 4 कांस्य सहित कुंल 7 पदक भारत ने जीते थे.

प्राचीन ओलंपिक खेल

PARIS 2024

प्राचीन ओलंपिक खेल यूनान के ओलंपिया शहर में 776 ईसा पूर्व से आरंभ हुए. इनका आयोजन प्रत्येक चार वर्षों के अंतराल में होता रहा. 393 ईसवी में रोमन सम्राट थियोडोसियस ने ओलंपिक खेलों पर प्रतिबंध लगा दिया

खेल कैसे आरंभ हुए

ग्रीस के देवी–देवताओं के पिता जीयस के सम्मान में एक धार्मिक पर्व के रूप में इन खेलों का शुभारंभ ओलंपिया शहर में हुआ. समस्त एथलीट पुरुष हुआ करते थे. ग्रीस के विभिन्न स्थानों से, जिसमें पश्चिम में आइबेरिया (स्पेन) तथा पूर्व में तुर्की तक से प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ी आया करते थे

उन दिनों की प्राचीन स्पर्धाएं

एलिस के एक निवासी कोरोइबोस ने 600 फीट की पैदल दौड में पहला पदक जीता. पहले 13 ओलंपिक खेलों में यही एक एथलेटिक स्पर्धा थी. ईसा पूर्व पांचवीं शताब्दी से खेल अधिक स्पर्धाओं के साथ पांच दिन तक बढ़ा दिए गए. स्पर्धाओं में तीन पैदल दौड़ (स्टेडियन, डायलोस और डोलिकोस) पेंटेथलॉन, पुगमे (मुक्केबाज़ी) और पेल (कुश्ती) शामिल किए गए

क्या खेल स्पर्धाएं निष्पक्ष थीं

इसका जवाब है सम्भवतः नहीं. वस्तुतः राजनीति, राष्ट्रवादिता, व्यवसायीकरण और एथलेटिक्स आपस में करीब से जुड़े हुए थे. खेलों पर नियंत्रण का मतलब प्रतिष्ठा, आर्थिक लाभ और राजनैतिक दबदबा माना जाता था. पीसा और एलिस जैसे शहर खेल आयोजन को लेकर हमेशा झगड़ते थे. ऐसे भी उदाहरण देखने में आए जब खेलों के आयोजन में रुकावट डाली गई. इसके उपरांत एक ओलंपिक संधि भी लागू की गई

खिलाड़ियों के गैर पेशेवर होने की बाध्यता

इसका पालन हमेशा नहीं होता था. एथलीटों को सम्मान के रुप में पुरस्कार दिए जाते थे. कुछ स्पर्धाएं ईसा पूर्व आठवीं, सातवीं और छठी शताब्दी में आरंभ की गयीं और तब एथलीटों को बड़ी सम्पदा का आश्वासन दिया जाता था. वस्तुतः एथलीट शब्द एक प्राचीन (ग्रीक) शब्द है, जिसका अर्थ था पुरस्कार के लिए प्रतियोगिता में शामिल होना

क्या खेल केवल पुरुषों के लिए थे

जीयस की पत्नी "हेरा" के सम्मान में ओलंपिक खेलों के अलावा अलग से महिलाओं के लिए उत्सव आयोजित होते थे. अविवाहित लड़कियां पैदल दौड़ में शामिल होती थीं. विवाहित महिलाओं के लिए प्राचीन ओलंपिक खेलों में भाग लेने की मनाही थी

छवि और सूचना स्रोतः यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया पुरातत्व और एंथ्रोपोलोजी संग्रहालय

ओलंपिक प्रतीक और शुभंकर © सीओजेओपी2024

KBK SportsGraphics

रोजगार समाचार

जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2025-26 में कक्षा-6 में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा, 2025

देश के विभिन्न भागों में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालयों में सत्र 2025-26 में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन 18 जनवरी, 2025 को तथा कुछ राज्यों में 12 अप्रैल, 2025 को किया जाएगा. 2 घण्टे की इस चयन परीक्षा में 50 अंकों की मानसिक योग्यता परीक्षा तथा 25-25 अंकों की अंकगणित व भाषा परीक्षा शामिल होगी. चयन परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी को नवोदय विद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा. इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एवं पंजीकरण हेतु नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट www.navodaya.gov.in देखें. प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी का जन्म 1 मई, 2013 से पूर्व तथा 31 जुलाई, 2015 के बाद का नहीं होना चाहिए.

आवेदन के इच्छुक विद्यार्थी उसी जिले में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं, जहाँ सत्र 2024-25 में किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा-5 में वह पढ़ रहे हैं.

इस प्रवेश परीक्षा के लिए अन्य विस्तृत जानकारी के लिए नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट देखें. प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाने की अन्तिम तिथि 16 सितम्बर, 2024 है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित उपकार जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा (कक्षा-6 के लिए)** से सम्बन्धित पुस्तकों का अध्ययन अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा. पुस्तकों के अंग्रेजी संस्करण भी उपलब्ध हैं.

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस में जूनियर असिस्टेंट्स की भर्ती

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि. में जूनियर असिस्टेंट्स के 200 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन कम्पनी द्वारा 14 अगस्त, 2024 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की संख्या अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग है, जो कुल मिलाकर 200 हैं. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—कम-से-कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक, साथ में कम्प्यूटर की वांछित जानकारी एवं योग्यता.

आयु सीमा (1 जुलाई, 2024 को)—21-28 वर्ष, विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आयोजित की जाने वाली 200 अंकों की वस्तुनिष्ठ किस्म की प्रतियोगिता परीक्षा में इंगलिश लैंग्वेज, लॉजिकल रीजनिंग, जनरल अवेयरनैस (With special emphasis on housing finance industry), न्यूमेरिकल एबिलिटी व कम्प्यूटर स्किल के 40-40 प्रश्न होंगे. परीक्षा के लिए निर्धारित समय 120 मिनट है यह ऑनलाइन परीक्षा केवल अंग्रेजी भाषा में होगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में ऑनलाइन आवेदन व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि. की वेबसाइट www.lichousing.com देखें.

उत्तराखण्ड अपर निजी सचिव परीक्षा-2024

उत्तराखण्ड सचिवालय में अपर निजी सचिव के 96 तथा उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग में ऐसे ही 3 पदों सहित कुल 99 रिक्त पदों की भर्ती के लिए उपर्युक्त प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा किया जाएगा. इस परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन 7 अगस्त, 2024 तक आमंत्रित किए गए हैं. रिक्तियों की यह संख्या घट-बढ़ सकती है. उपलब्ध रिक्तियों में से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियुमानुसार आरक्षित हैं.

शैक्षणिक योग्यता—स्नातक की उपाधि तथा साथ में हिन्दी-अंग्रेजी में आशुलेखन (Stenographer) में कम्प्यूटर टाइपिंग की निर्धारित योग्यता.

आयु सीमा (1 जुलाई, 2024 को)—21-42 वर्ष, विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती हेतु आयोजित की जाने वाली दो चरणों की परीक्षा में पहला चरण टाइपिंग व आशुलेखन की परीक्षा का होगा. दूसरे चरण में सामान्य अध्ययन तथा निबन्ध एवं आलेखन की परीक्षा होगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में अन्य विस्तृत जानकारी व ऑनलाइन आवेदन हेतु उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की वेबसाइट https://psc.uk.gov.in देखें.

मध्य प्रदेश में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण हेतु प्रवेश परीक्षा-2024 (ANMTST-2024) (केवल लड़कियों के लिए)

मध्य प्रदेश में शासकीय महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण हेतु महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण चयन परीक्षा (ANM Training Selection Test–ANMTST)-2024 का आयोजन मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा 28 व 29 अगस्त, 2024 को किया जाएगा. इस ऑनलाइन परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन 7 अगस्त, 2024 तक आमंत्रित किए गए हैं. प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों की कुल संख्या 740 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस प्रवेश परीक्षा में उपलब्ध है. अभ्यर्थियों का मध्य प्रदेश का मूल निवासी होना तथा आधार पंजीयन होना आवश्यक है.

शैक्षणिक योग्यता—भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान व अंग्रेजी विषयों के साथ न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं कक्षा उत्तीर्ण (आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को 5 प्रतिशत अंक की छूट).

आयु सीमा (31 दिसम्बर, 2024 को)—न्यूनतम 17 वर्ष. अधिकतम आयु सीमा नियमानुसार है.

इस ऑनलाइन चयन परीक्षा के प्रश्न-पत्र में भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन

विज्ञान, सामान्य ज्ञान एवं अंग्रेजी के 20-20 अंकों के प्रश्न होंगे.

इस प्रवेश परीक्षा के सम्बन्ध में ऑनलाइन आवेदन व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु कर्मचारी चयन मण्डल की वेबसाइट www.esb.mponline.gov.in देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित पुस्तक मध्य प्रदेश महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण हेतु प्रवेश परीक्षा का अध्ययन लाभकारी होगा.

रैस्ट ऑफ हरियाणा एवं मेवात कैडर में विभिन्न विषयों में पीजीटी की रिक्तियाँ

रैस्ट ऑफ हरियाणा एवं मेवात कैडर में अंग्रेजी, बायोलॉजी, कैमिस्ट्री, कॉमर्स, इकोनॉमिक्स, हिन्दी, गृहविज्ञान, फाइन आर्ट्स, संस्कृत, डीपीई, गणित व सोशल साइंस आदि विभिन्न विषयों के लिए पीजीटी (पोस्ट ग्रेजुएट टीचर्स) के पद पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा 14 अगस्त, 2024 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 3069 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—विभिन्न विषयों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता की जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें.

आयु सीमा (14 अगस्त, 2024 को)—18-42 वर्ष, विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित किए जाने वाले 100 अंकों के वस्तुनिष्ठ प्रकृति के प्रश्नों वाले स्क्रीनिंग टेस्ट में निष्पादन के आधार पर उम्मीदवारों को 150 अंकों की विषय ज्ञान परीक्षा (Subject Knowledge Test) हेतु आमंत्रित किया जाएगा. फाइनल सिलेक्शन सब्जेक्ट नॉलेज टेस्ट व साक्षात्कार के आधार पर होगा.

इन रिक्तियों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी व ऑनलाइन आवेदन हेतु हरियाणा लोक सेवा आयोग की वेबसाइट www.hpsc.gov.in देखें.

नेतरहाट आवासीय विद्यालय में कक्षा-6 में प्रवेश हेतु नेतरहाट प्रवेश परीक्षा–2024-25

झारखण्ड स्थित नेतरहाट आवासीय विद्यालय में सत्र 2024-25 में कक्षा-6 में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन 29 सितम्बर, 2024 को दो पालियों में होगा. पहली पाली में 100 अंकों की परीक्षा में हिन्दी व गणित की 50-50 अंकों की वस्तुनिष्ठ व विषयनिष्ठ प्रकृति की परीक्षा होगी. दूसरी पाली में 100 अंकों की परीक्षा में सामान्य ज्ञान, विज्ञान व मानसिक योग्यता के वस्तुनिष्ठ व विषयनिष्ठ प्रश्न होंगे. प्रवेश परीक्षा में प्रश्नों का स्तर सामान्यतः पाँचवीं कक्षा तक का होगा.

झारखण्ड राज्य के मूल निवासी, जिनकी उम्र 1 अगस्त, 2024 को 10-12 वर्ष के बीच हो तथा जिन्होंने झारखण्ड राज्य के अन्तर्गत किसी भी मान्यता प्राप्त विद्यालय से कक्षा 5 की परीक्षा उत्तीर्ण हो, इस प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं. इच्छुक आवेदक इसके लिए आवेदन-पत्र का प्रारूप विद्यालय की वेबसाइट www.netarhatvidyalaya.com से डाउनलोड कर सकते हैं (इसी वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है) पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन-पत्र नेतरहाट आवासीय विद्यालय के प्राचार्य के पते पर स्पीड पोस्ट से अथवा हाथों-हाथ जमा कर सकते हैं अथवा उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा कर सकते हैं. भरे हुए आवेदन-पत्र स्वीकार किए जाने की अंतिम तिथि 31 अगस्त, 2024 है.

इस प्रवेश परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु उपर्युक्त वेबसाइट अथवा स्थानीय समाचार-पत्रों में विस्तृत विज्ञापन देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित पुस्तक का अध्ययन करें.

उत्तराखण्ड अध्यापक पात्रता परीक्षा 2024 (UTET-I व UTET-II)

प्राथमिक शिक्षक (कक्षा I-V) तथा उच्च प्राथमिक शिक्षक (कक्षा VI-VIII) के रूप में नियुक्ति हेतु पात्रता प्रदान करने के लिए उत्तराखण्ड अध्यापक पात्रता परीक्षा प्रथम एवं द्वितीय (UTET-I तथा UTET-II) 2024 का आयोजन उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् रामनगर, नैनीताल द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर 26 अक्टूबर, 2024 को दो पालियों में किया जाएगा. इस परीक्षा में शामिल होने के लिए इच्छुक अर्ह अभ्यर्थियों से परिषद् की वेबसाइट www.ubse.uk.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन 17 अगस्त, 2024 तक आमंत्रित किए गए हैं. (परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए अंतिम तिथि 19 अगस्त, 2024 है) आवश्यक शैक्षणिक योग्यता धारक इस परीक्षा में शामिल होने के पात्र हैं. प्राथमिक स्तर (I-V) के लिए UTET-I की परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित इस परीक्षा में बाल विकास तथा शिक्षक विज्ञान (चाइल्ड डेवलपमेंट एण्ड पैडोगॉजी), भाषा प्रथम व भाषा द्वितीय, गणित व पर्यावरण अध्ययन के 30-30 बहुविकल्पीय प्रश्न (कुल 150 प्रश्न) होंगे. 150 अंकों की इस परीक्षा में प्रत्येक प्रश्न 1-1 अंक का होगा. UTET-II के लिए प्रश्न-पत्र में बाल विकास एवं पैडोगॉजी, भाषा प्रथम, भाषा द्वितीय के 30-30 अंकों के 30-30 प्रश्नों के साथ 60 अंकों का गणित एवं विज्ञान खण्ड (गणित/विज्ञान के शिक्षक के लिए/सामाजिक अध्ययन का खण्ड (सामाजिक अध्ययन के शिक्षकों के लिए) शामिल होगा. परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अर्ह अभ्यर्थी से परिषद् की वेबसाइट www.ubse.uk.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन 17 अगस्त, 2024 तक ही कर सकते हैं. परीक्षा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् (रामनगर), नैनीताल की उपर्युक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.

भारतीय रिजर्व बैंक में बी ग्रेड अधिकारियों की रिक्तियाँ

भारतीय रिजर्व बैंक में अधिकारी ग्रेड बी (DR-जनरल, DR-DEPR व DR-DSIM) के कुल मिलाकर 94 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन 16 अगस्त, 2024 तक भारतीय रिजर्व बैंक सर्विसेज बोर्ड, मुम्बई द्वारा आमंत्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तियों में से 66 रिक्तियाँ ग्रेड बी (DR-जनरल) के लिए हैं. अन्य रिक्तियों में 21 रिक्तियाँ ग्रेड बी (DR) DEPR के लिए तथा 7 रिक्तियाँ ग्रेड बी (DE) DSIM के लिए है. इनके सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी के लिए विस्तृत विज्ञापन बैंक की वेबसाइट पर देखें. यहाँ दी गई जानकारी मुख्यतः ग्रेड बी (DR) General की रिक्तियों के लिए ही है. उपलब्ध रिक्तियों में से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए नियमानुसार आरक्षित हैं.

शैक्षणिक योग्यता—(i) DR-जनरल पदों के लिए न्यूनतम 60% अंकों के साथ स्नातक (अनुसूचित जाति/जनजाति/PWD मामलों में न्यूनतम 50%) या कम-से-कम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर/प्रोफेशनल डिग्री (SC/ST/PwBD मामलों में पास मार्क्स). अन्य पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता की जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें.

शेष पृष्ठ 186 पर

उत्तराखण्ड अध्यापक पात्रता परीक्षा

(UTTARAKHAND TEACHER ELIGIBILITY TEST)

UTET

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

(गत वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित)

Code 2114 • ₹ 430/-

Code 2219 • ₹ 520/-

Code 2220 • ₹ 470/-

अन्य उपयोगी पुस्तकें

Code 2518 • ₹ 110/-

प्रैक्टिस सैट

Code 2602 ₹ 250.00 Code 2601 ₹ 260.00 Code 2600 ₹ 270.00

उपकार प्रकाशन | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास रोड, आगरा-282 005 | फोन : (0562) 2530966, 2531101 • हल्द्वानी मो. 07060421008 | • E-mail : sales@upkar.in • Website : www.upkar.in

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन

भारत ने पिछले वर्ष राष्ट्रीय क्वांटम मिशन शुरू किया और दुनिया के उन कुछ देशों

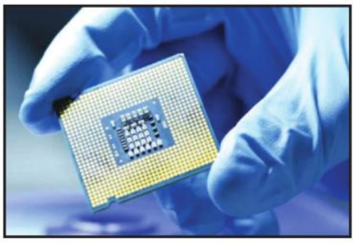

में से एक बन गया है, जिसके पास क्वांटम तकनीक की शक्ति का दोहन करने के लिए एक समर्पित कार्यक्रम है.

ये तकनीकें, जो पदार्थ के सबसे छोटे कणों के विशेष गुणों का उपयोग करती हैं, हमारे युग की कुछ सबसे कठिन समस्याओं, जैसे स्वच्छ ऊर्जा और सस्ती स्वास्थ्य सेवा के लिए मौलिक समाधान प्रदान कर सकती हैं.

क्वांटम विज्ञान अनुसंधान में भारत का आधार अपेक्षाकृत मजबूत है, लेकिन अभी भी इसमें काफी प्रगति की आवश्यकता है.

इस क्षेत्र में देश की मौजूदा क्षमताओं का आकलन करने वाली एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यह पता चला है कि चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देश भारत से काफी आगे हैं.

इन देशों ने न केवल अनुसंधान के लिए काफी अधिक धन आवंटित किया है, बल्कि उनके पास इस क्षेत्र के लिए समर्पित एक बड़ा कार्यबल भी है.

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के बारे में

- भारत ने वर्षों की चर्चा के बाद वर्ष 2023 में राष्ट्रीय क्वांटम मिशन की स्थापना की घोषणा की.
- इस मिशन का उद्देश्य क्वांटम से सम्बन्धित विज्ञान और प्रौद्योगिकी में क्षमताओं का विकास करना है, जो कम्प्यूटिंग, संचार, सेंसर और सामग्रियों पर केंद्रित है. क्वांटम तकनीकें अपने सबसे छोटे पैमाने पर पदार्थ के अजीबोगरीब व्यवहार का लाभ उठाती हैं.
- इलेक्ट्रॉन जैसे उप-परमाणु कण एक साथ कई स्थानों पर मौजूद हो सकते हैं और पूर्व की अंत:क्रियाओं के कारण विशाल दूरी पर समान कणों के व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं. इन अद्वितीय गुणों की कई बार प्रयोगात्मक रूप से पुष्टि की गई है.
- हाल ही में, वैज्ञानिकों ने व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए इन गुणों का उपयोग करना शुरू कर दिया है. उदाहरण के लिए, सुपरपोजिशन, एक साथ कई अवस्थाओं में मौजूद रहने की क्षमता, पारम्परिक तकनीकों की पहुँच से परे कार्यों को करने के लिए उपयोग की जा सकती है.
- हालाँकि क्वांटम कंप्यूटर वर्तमान में अपनी क्षमताओं में सीमित हैं, लेकिन अधिक उन्नत संस्करण ऐसी गणनाएँ कर सकते हैं जो पारंपरिक कंप्यूटरों के लिए असंभव या बहुत समय लेने वाली हैं. मौजूदा तकनीकों की बाधाओं को पार करके, क्वांटम-सक्षम परिवर्तन अगले एक या दो दशक के भीतर एक नई अर्थव्यवस्था के लिए आधार तैयार कर सकता है.
- भारत का लक्ष्य इन क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को तेजी से बढ़ाना है ताकि प्रौद्योगिकी साझेदारी के माध्यम से प्रारम्भिक सफलता का लाभ उठाया जा सके, तीव्र आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जा सके और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों तक पहुँच सुनिश्चित की जा सके.

क्वांटम टेक्नोलॉजीज की है काफी संभावना

- दरअसल क्वांटम प्रौद्योगिकी 20वीं सदी की शुरुआत में विकसित क्वांटम यांत्रिकी के सिद्धांतों पर आधारित है जिसका उद्देश्य प्रकृति को परमाणुओं एवं प्राथमिक कणों जैसे—इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन, न्यूट्रान, बोसॉन आदि के पैमाने पर वर्णित करना है.
- क्वांटम प्रौद्योगिकी का उपयोग सुरक्षित संचार, बेहतर पूर्वानुमान के माध्यम से आपदा प्रबंधन, कंप्यूटिंग, सिमुलेशन, रसायन विज्ञान, स्वास्थ्य सेवा, क्रिप्टोग्राफी, इमेजिंग आदि में किया जाता है.
- क्वांटम टेक्नोलॉजीज में भारतीय अनुसंधान एवं विकास के परिदृश्य की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय क्वांटम मिशन अभी पहला कदम है और इसमें अभी बहुत कुछ करना बाकी है.
- यह रिपोर्ट इतिहास रिसर्च एंड डिजिटल नामक एक गैर-लाभकारी कम्पनी द्वारा तैयार की गई है, जो भारत में प्रौद्योगिकी और व्यवसाय के विकास का अध्ययन करना चाहती है.
- रिपोर्ट में कहा गया है कि मिशन के लिए भारत ने 750 मिलियन डॉलर का निवेश किया है, लेकिन क्वांटम से सम्बन्धित शोध पर अन्य देशों द्वारा किए जा रहे खर्च की तुलना में यह बहुत कम है.
- अनुमान है कि चीन इस प्रयास में 15 बिलियन डॉलर का निवेश कर रहा है, जबकि अमेरिका लगभग 3·75 बिलियन डॉलर का निवेश कर रहा है. इसके अलावा चीन और अमेरिका पंजीकृत पेटेंट का एक बड़ा हिस्सा हासिल कर रहे हैं.
- 2015 और 2020 के बीच, चीनी और अमेरिकी शोधकर्ताओं ने क्रमश: 23,335 और 8,935 क्वांटम-सम्बन्धित पेटेंट हासिल किए. हालाँकि पेटेंट डेटाबेस के अनुसार, इसी अवधि में भारतीय शोध. कर्ताओं के पास केवल 339 ऐसे पेटेंट थे. प्राप्त पेटेंट की संख्या के हिसाब से भारत नौवें स्थान पर था.

2050 तक पृथ्वी की 90% मृदा के क्षरण की आशंका

मोरक्को के अगादीर में आयोजित एक सम्मेलन में यूनेस्को के महानिदेशक ने 194 सदस्य देशों से मृदा संरक्षण और पुनर्वास में सुधार करने का आग्रह किया, क्योंकि संगठन ने चेतावनी दी है कि 2050 तक पृथ्वी की 90% तक मृदा क्षरित हो सकती है.

यह चिंताजनक भविष्यवाणी वैश्विक जैवविविधता और मानव जीवन के लिए एक बड़े खतरे को उजागर करती है.

यूनेस्को का कहना है कि मरुस्थलीकरण के विश्व एटलस के अनुसार, 75% मिट्टी पहले से ही क्षरित हो चुकी है, जिसका सीधा असर 3·2 बिलियन लोगों पर पड़ रहा है. मौजूदा रुझान के अनुसार 2050 तक इसका असर 90% तक बढ़ सकता है.

यूनेस्को मृदा गुणवत्ता मापन मानकीकृत करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर 'विश्व मृदा स्वास्थ्य सूचकांक' स्थापित करेगा.

अपोफिस क्षुद्रग्रह के बारे में

- जब 2004 में अपोफिस की खोज की गई थी, तब वैज्ञानिकों को लगा था कि पृथ्वी से टकराने की केवल 2·7% संभावना है लेकिन हाल के दिनों में किसी भी बड़े क्षुद्रग्रह के पृथ्वी से टकराने की यह सबसे अधिक संभावना है.
- शुरुआती अवलोकनों से पता चला कि अगर 2029 में नहीं, तो अपोफिस 2036 या 2068 में पृथ्वी से टकरा सकता है.
- क्षुद्रग्रह के आकार को देखते हुए इसकी अधिकतम चौड़ाई लगभग 450 मीटर है अर्थात् इसके पृथ्वी से टकराने से बड़े पैमाने पर क्षति हो सकती है.
- कुछ वैज्ञानिकों ने इसके सम्भावित प्रभाव की तुलना उस घटना से की है जिसने लगभग 66 मिलियन वर्ष पहले डायनासोर और अधिकांश अन्य मौजूदा जीवन को मिटा दिया था.
- हालाँकि बाद के अवलोकनों से पता चला कि ये शुरुआती आशंकाएँ निराधार थीं पृथ्वी को 2029, 2036 या 2068 में अपोफिस से कोई खतरा नहीं था.
- क्षुद्रग्रह 2029 में पृथ्वी के सबसे करीब आएगा, जब यह 32,000 किमी की दूरी से गुजरेगा.
  यह खुली आँखों से दिखाई देने के लिए पर्याप्त नजदीक होगा.

ग्रहों की सुरक्षा के क्षेत्र में कदम रखने की इसरो की योजना

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानि इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने हाल ही

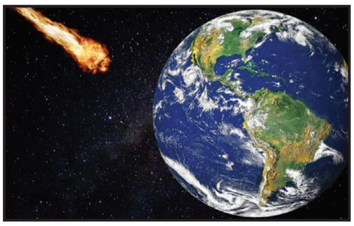

  में वक्तव्य दिया था कि वर्ष 2029 में जब क्षुद्रग्रह अपोफिस पृथ्वी के समीप लगभग 32,000 किमी की दूरी से गुजरेगा, तो 'हमें उससे मिलने जाना चाहिए'.
- श्री एस सोमनाथ की टिप्पणियों से इसरो की ग्रह रक्षा में क्षमताएं विकसित करने की मंशा का पता चलता है, एक ऐसा क्षेत्र जिसमें अभी तक इसने प्रवेश नहीं किया है, जबकि क्षुद्रग्रह का अध्ययन करने का मिशन, संभावित विनाशकारी परिणामों वाले खगोलीय पिंडों को, पृथ्वी से टकराने से रोकने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम बनाने की दिशा में पहला कदम होगा.
- उम्मीद है कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी अपना स्वयं का अंतरिक्ष यान भेज सकती है, या अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ सहयोग कर सकती है. नासा के एक मिशन की पुष्टि पहले ही हो चुकी है.

अंतरिक्ष से आने वाले संभावित खतरे

- अपोफिस भले ही कोई खतरा न पैदा करता हो, लेकिन क्षुद्रग्रह हर समय पृथ्वी की ओर बढ़ रहे हैं.
- वास्तव में, हर दिन हजारों की संख्या में ये पृथ्वी के वायुमण्डल में प्रवेश करते हैं. ज्यादातर बहुत छोटे होते हैं और घर्षण के कारण वायुमण्डल में जल जाते हैं.
- कुछ मामलों में, बिना जले हुए टुकड़े सतह पर आ जाते हैं, हालाँकि वे इतने बड़े नहीं होते कि ज्यादा नुकसान पहुँचा सकें. हालाँकि कभी-कभी क्षुद्रग्रह नुकसान पहुँचाते हैं.
- वर्ष 2013 में, जब 20 मीटर चौड़ा क्षुद्रग्रह वायुमण्डल में प्रवेश कर गया और एक रूसी शहर से लगभग 30 किमी ऊपर विस्फोट हुआ, जिससे 400-500 किलो टन टीएनटी के विस्फोट के बराबर ऊर्जा निकली, जो कि हिरोशिमा पर विस्फोट किए गए परमाणु बम से निकलने वाली ऊर्जा से 26 से 33 गुना अधिक मानी गई. चिंता की बात यह है कि क्षुद्रग्रह का पता वायुमण्डल में प्रवेश करने के बाद ही चला. ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि यह सूर्य की दिशा से आया था और इसकी चमक के कारण छिप गया था.

ग्रह रक्षा के हालिया प्रयास

- वर्ष 2022 में नासा द्वारा प्रक्षेपित एक अंतरिक्ष यान डिमोर्फोस नामक क्षुद्रग्रह से टकराया था, और इसका आकार और प्रक्षेप पथ दोनों बदल दिया.
- डिमोर्फोस पृथ्वी के लिए कोई खतरा नहीं था, और हमारे ग्रह से लगभग 11 मिलियन किमी दूर सूर्य की परिक्रमा कर रहा था. लेकिन इसने ग्रह रक्षा कार्यक्रम की शुरुआत को दर्शाया.
- हालाँकि औपचारिक घोषणाएं अभी होनी बाकी हैं, लेकिन क्षुद्रग्रह का नजदीक से अध्ययन करने के लिए निजी एजेंसियों सहित कई मिशन लॉन्च किए जाने की उम्मीद है.
- नासा ने पहले ही अपने एक अंतरिक्ष यान को अपोफिस पर नजर रखने के लिए भेज दिया है, जिसने पहले क्षुद्रग्रह बेन्नू का अध्ययन किया था. यह अंतरिक्ष यान अप्रैल 2029 में अपोफिस से 4,000 किमी की दूरी तक जाएगा और फिर 18 महीने तक क्षुद्रग्रह का पीछा करेगा, डेटा एकत्र करेगा और इसकी सतह का विश्लेषण करेगा.

उपकार उत्तर प्रदेश सामान्य ज्ञान

नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर सहित

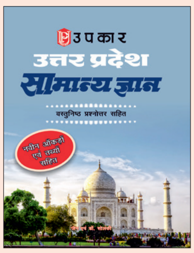

Code No. 108 | ₹ 120/-

जैन एवं डॉ. सोलंकी

उपकार प्रकाशन, आगरा

• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

पर्यावरण-अनुकूल सुपरकैपेसिटर

- हाल ही में तिरुवनंतपुरम के गवर्नमेंट कॉलेज फॉर विमेन के शोधकर्ताओं ने नारियल के छिलकों से उत्पादित सक्रिय कार्बन का उपयोग करके पर्यावरण-अनुकूल सुपरकैपेसिटर विकसित करने की विधि विकसित की है.

- **महत्व**—पारम्परिक कैपेसिटर की तुलना में यह काफी अधिक धारिता और ऊर्जा भंडारण क्षमता वाले सुपरकैपेसिटर, टिकाऊ ऊर्जा भंडारण समाधानों की खोज में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में उभरे हैं.
- नारियल के छिलके से प्राप्त सक्रिय कार्बन से बने प्रोटोटाइप सुपरकैपेसिटर मौजूदा सुपरकैपेसिटर की तुलना में चार गुना अधिक कुशल हैं.
- **सुपरकैपेसिटर**—यह ऊर्जा भंडारित करने वाला इलेक्ट्रोकेमिकल उपकरण है. इसका उपयोग आयनों के प्रतिवर्ती अवशोषण (Adsorption) और निष्कासन (Desorption) द्वारा चार्ज को भंडारित करने एवं वितरित करने के लिए किया जा सकता है.

मार्स ओडिसी ऑर्बिटर

- हाल ही में, नासा के मार्स ओडिसी ऑर्बिटर ने मंगल ग्रह पर स्थित सौर मण्डल के सबसे बड़े ज्वालामुखी ओलंपस मॉन्स की फोटो ली है.

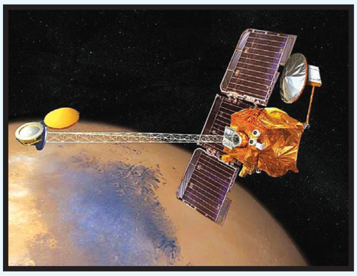

- मार्स ओडिसी मिशन-इसे वर्ष 2001 में लॉन्च किया गया था. यह सबसे लम्बी अवधि वाला लगातार सक्रिय ऑर्बिटल मिशन है.
- यह पहला अंतरिक्ष यान है, जिसने मंगल ग्रह की सतह का निर्माण करने वाले रासायनिक तत्वों और खनिजों की प्राप्ति का मानचित्र बनाया है.
- **उद्देश्य**—मंगल की उथली उप-सतह में हाइड्रोजन की प्रचुरता का पता लगाना.
- मंगल की सतह पर प्राप्त खनिजों की उच्च स्थानिक (Spatial) और वर्णक्रमीय (Spectral) रिजॉल्यूशन वाली छवियाँ प्राप्त करना.
- मंगल ग्रह के नियर-स्पेस विकिरण वातावरण की विशेषताओं का पता लगाना.

ग्लोबल इंडियाएआई (INDIAai) शिखर सम्मेलन, 2024

- हाल ही में भारत द्वारा आयोजित मंडपम, नई दिल्ली में 'ग्लोबल इंडिया एआई (INDIA ai) शिखर सम्मेलन, 2024' सम्पन्न हुआ.

- इस सम्मेलन में 2,000 एआई विशेषज्ञों और चिकित्सकों ने विभिन्न सत्रों में भाग लिया वही वर्चुअल भागीदारी 10,000 से भी अधिक रही.
- ज्ञातव्य है कि भारत 2024 में GPAI का अध्यक्ष है.
- **विशेषताएं और परिणाम**—वैश्विक भागीदारी पर सहयोगात्मक एआई (सीएआईजीपी) के
- उपयोग को बढ़ाने की बात पर जोर दिया गया.
- इसी सम्मेलन के दौरान ओईसीडी– ओसीडीई और जीपीएआई ने नई दिल्ली में एआई पर एक नई एकीकृत साझेदारी की घोषणा की.
- भविष्य के दृष्टिकोण—हमारे समाजों और अर्थव्यवस्थाओं के भविष्य को आकार देने में एआई की परिवर्तनकारी क्षमता को पहचानना.
- एआई प्रणालियों द्वारा उत्पन्न उभरते जोखिमों और चुनौतियों को स्वीकार करना.
- भरोसेमंद और मानव-केंद्रित एआई को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता साझा करना.
- नई दिल्ली 2023 जीपीएआई मंत्रिस्तरीय घोषणा को मान्यता देना, जिसमें जीपीएआई की अद्वितीय और स्वतंत्र पहचान को एक नोडल पहल के रूप में महत्व दिया गया है जो एआई नवाचार और शासन पर वैश्विक सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

अरुणाचल प्रदेश में दो सींग वाले मेढक की नई प्रजाति की खोज

- हाल ही में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) के शोधकर्ताओं ने अरुणाचल प्रदेश के ताले वन्यजीव अभयारण्य से जंगल में रहने वाले हॉर्ड फ्रॉग की एक नई प्रजाति की खोज की है.

- इस नई प्रजाति को जेनोफ्रीस अपातानी नाम दिया गया है.
- यह जेनोफ्रीस अपातानी नाम यहाँ के प्रमुख अपातानी समुदाय के नाम पर रखा गया है, जो जंगली वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.
- **महत्व**—इस खोज से भारत की हर्पेटोफीनल विविधता में और वृद्धि हुई है. हर्पेटोफौनल जीवों का समूह है, जिसमें उभयचर और सरीसृप, दोनों शामिल हैं.
- **विशेषता**—शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में जेनोफ्रीज प्रजाति पूर्वी हिमालय और देश के इंडो-बर्मा जैवविविधता वाले हॉट स्पॉट में वितरित है.
- यह मेढक गिरी हुई पत्तियों के ढेर में पाया जाता है. यह चाय की पत्तियों के बीच रहने के लिए जाना जाता है.
- इसके दो छोटे सींग होते हैं और इसका रंग गहरा भूरा होता है.

वैज्ञानिकों ने 'ब्रिज रीकॉम्बिनेज मैकेनिज्म' नामक प्राकृतिक रूप से मौजूद DNA एडिटिंग टूल की खोज की

- हाल ही में जेनेटिक इंजीनियरिंग शोधकर्ताओं ने एक ऐसे उपकरण की खोज की है जिसका उपयोग बड़े पैमाने पर जीन को सम्पादित करने के लिए किया जा सकता है.

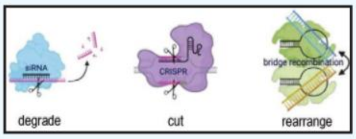

- यह उपकरण शोधकर्ताओं को बहुत लम्बे डीएनए अनुक्रमों पर पुनर्व्यवस्थित करने, पुनर्संयोजन करने, डुप्लिकेट करने, स्थानांतरित करने और अन्य सम्पादन कार्य करने की अनुमति देगा.
- भविष्य में, इससे बीमारियों के लिए अधिक उन्नत जीन सम्पादन चिकित्सा और उपचार की उम्मीद है.
- यह अगली पीढ़ी की जीनोमिक डिजाइन विधि, जिसे ब्रिज रीकॉम्बिनेज मैकेनिज्म कहा जाता है, हमारे आनुवंशिक तंत्र में स्वाभाविक रूप से मौजूद है, और इसका उपयोग डीएनए को प्रोग्राम और सम्पादित करने के लिए किया जा सकता है.
- ब्रिज रीकॉम्बिनेज मैकेनिज्म (BRM) गतिमान जेनेटिक तत्वों (Mobile Genetic Elements) या 'जंपिंग जीन' पर आधारित होती है. ये जंपिंग जीन DNA के एक हिस्से से खुद को अलग करके दूसरे हिस्से में जुड़ सकते हैं. इस प्रकार ये जीन किसी जीव के DNA अनुक्रम को बदल सकते हैं. ये जीन सभी प्रकार के जीवधारियों में मौजूद होते हैं.
- जंपिंग जीन DNA के ही खंड होते हैं. इनमें रीकॉम्बिनेज एंजाइम के साथ-साथ जीन के सिरों पर DNA के अतिरिक्त खंड होते हैं, जिसके चलते ये जीन DNA से जुड़ जाते हैं और DNA अनुक्रम में कुछ बदलाव भी कर देते हैं.
- CRISPR और RNAi के साथ तुलना—CRISPR और RNAi मुख्य रूप से जीन अभिव्यक्ति को अवरुद्ध या सक्रिय करके काम करते हैं.
- आरएनएआई जीन को सम्पादित करने के लिए आरएनए अणुओं को लक्षित करता है, जबकि सीआरआईएसपीआर सीधे डीएनए को सम्पादित करता है.

इलेक्ट्रिक वाहन में पुनर्योजी ब्रेकिंग या रिजनरेटिव ब्रेकिंग

- वर्तमान समय में मोटर यान कम्पनियाँ नई इलेक्ट्रिक कारों के निर्माण में रिजनरेटिव ब्रेकिंग का व्यापक रूप से उपयोग कर रही हैं.

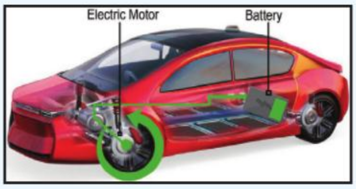

- रिजनरेटिव ब्रेकिंग एक ब्रेक प्रणाली है जिसे पहियों की गतिज ऊर्जा को ऐसे रूप में परिवर्तित करने के लिए डिजाइन किया गया है जिसे संगृहीत किया जा सकता है और अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा सकता है.
- इस प्रकार, यह एक ऐसी प्रक्रिया बनाता है जिसमें वाहन के पहियों को दी जाने वाली ऊर्जा का कम-से-कम हिस्सा उस स्थिति में पुनः प्राप्त किया जा सकता है जब वाहन को इसकी आवश्यकता नहीं होती है.
- रिजनरेटिव ब्रेकिंग, ब्रेकिंग सिस्टम की संयुक्त गतिज ऊर्जा और स्थितिज ऊर्जा को जनरेटर का उपयोग करके सीधे विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करने के सिद्धांत पर काम करता है.
- इस विद्युत् ऊर्जा का उपयोग बैटरी को रिचार्ज करने के लिए किया जाता है. इसलिए, इलेक्ट्रिक वाहनों में ब्रेक लगाने से माइलेज थोड़ा बढ़ जाता है.
- गतिशील ब्रेकिंग का दूसरा प्रकार रिओस्टेटिक ब्रेकिंग है, जिसमें विद्युत् धारा को प्रतिरोधकों की एक सारणी में भेजा जाता है जो विद्युत् ऊर्जा को गर्मी के रूप में नष्ट कर देता है. अक्सर किसी वाहन के लिए पुनर्योजी और रिओस्टेटिक ब्रेकिंग दोनों का होना आवश्यक होता है, क्योंकि प्राप्त विद्युत् ऊर्जा को तुरन्त संगृहीत या उपयोग नहीं किया जा सकता है.
- पुनर्योजी ब्रेकिंग एक सरल ऊर्जा पुनर्प्राप्ति तंत्र है, लेकिन पुनर्योजी ब्रेकिंग के कुछ नुकसान भी हैं. उदाहरण के लिए, यह अकेले अक्सर इलेक्ट्रिक वाहन को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं होता है.
- इसे पारम्परिक प्रणाली के साथ मिलकर इस्तेमाल किया जाना चाहिए जो गतिज ऊर्जा का कुछ हिस्सा गर्मी के रूप में नष्ट कर देती है.

नवीन संशोधित संस्करण

उपकार

छत्तीसगढ़ वृहद् संदर्भ

(नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित)

लेखकद्वय : संजय त्रिपाठी एवं श्रीमती चंदन त्रिपाठी

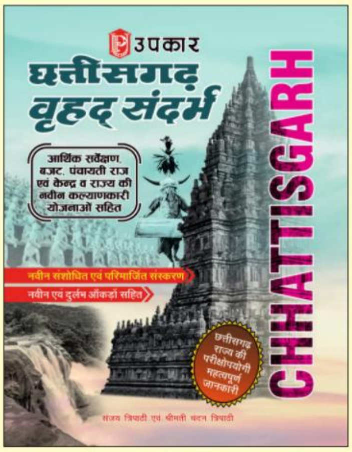

कोड नं. : 1437 मूल्य : ₹ 395/-

पुस्तक की विशेषताएँ

पुस्तक का प्रथम खण्ड 'छत्तीसगढ़ : विविध अध्ययन' सामान्य विषयों का है जिसमें छत्तीसगढ़ के भूगोल, जलवायु, कृषि, खनिज, वन, उद्योग, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था एवं अन्य विविध विषयों पर प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराई गई है.

पुस्तक का द्वितीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ का इतिहास, कला एवं स्थापत्य' का है जिसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास के प्रत्येक काल का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है.

पुस्तक का तृतीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ की संस्कृति' का है जिसमें छत्तीसगढ़ी संस्कृति से सम्बन्धित प्रदेश की संस्कृतिगत विशिष्टताओं से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों का उल्लेख किया गया है.

छत्तीसगढ़ राज्य से सम्बन्धित प्रामाणिक जानकारी अब एक ही पुस्तक में उपलब्ध

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
- E-mail : sales@upkar.in
- Website : www.upkar.in

भारत में निपाह मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज का परीक्षण वर्ष 2025 से शुरू होने की सम्भावना

- भारतीय दवा नियामक द्वारा हरी झंडी प्राप्त होने के बाद भारत में निपाह मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज एमबीपी1एफ5 की सुरक्षा और प्रभावकारिता का परीक्षण करने के लिए मानव नैदानिक परीक्षण अगले वर्ष यानी वर्ष 2025 से शुरू हो सकता है.

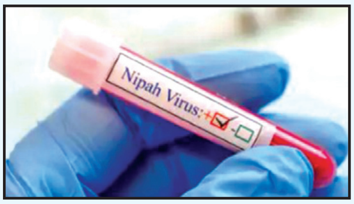

- गौरतलब है कि वर्तमान में कई टीकों पर परीक्षण चल रहे हैं, लेकिन दुनिया में कहीं भी निपाह वायरस के खिलाफ कोई स्वीकृत टीका नहीं है. यही कारण है कि निपाह वायरस से संक्रमित लोगों में मृत्यु दर 40% से 75% है.
- भारत और बांग्लादेश को इस परीक्षण के लिए इसलिए चुना गया है, क्योंकि हाल के वर्षों में इन दोनों देशों में निपाह वायरस के प्रकोप की सूचना मिली है. केरल में निपाह का प्रकोप 2018, 2019, 2021 और 2023 में हुआ है. बांग्लादेश के मामले में, निपाह का प्रकोप 2001 से हो रहा है.
- निपाह मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज वर्तमान में अमेरिका में चरण-1 के क्लिनिकल परीक्षण से गुजर रही है.
- **मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज**—मोनोक्लोनल एंटीबॉडी एक प्राकृतिक एंटीबॉडी की तरह कार्य करने वाले प्रयोगशाला में बनाए गए प्रोटीन होते हैं.
- एंटीबॉडी शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली के भाग होते हैं जो एंटीजन को ढूँढ़ कर उन्हें नष्ट कर देते हैं.
- **निपाह वायरस**—निपाह वायरस (NiV) एक जूनोटिक वायरस है (यह जानवरों से मनुष्यों में फैलता है) और यह दूषित भोजन के माध्यम से या सीधे लोगों के बीच भी फैल सकता है.
- निपाह वायरस की पहचान सबसे पहले 1999 में मलेशिया में सुअर पालन करने वाले लोगों में हुए प्रकोप के दौरान हुई थी.
- निपाह वायरस संक्रमण के लिए फिलहाल कोई दवा या टीका नहीं है, हालाँकि WHO ने निपाह को WHO रिसर्च एंड डेवलपमेंट ब्लूप्रिंट के लिए प्राथमिकता वाली बीमारी के रूप में पहचाना है.
- टेरोपोडिडे परिवार के फल चमगादड़ निपाह वायरस के प्राकृतिक मेजबान हैं.

हाइड्रोजन फ्यूल सेल द्वारा संचालित विश्व की पहली वाणिज्यिक यात्री नौका

- हाल ही में विश्व की पहली वाणिज्यिक यात्री नौका जो कि 100% हाइड्रोजन फ्यूल सेल द्वारा संचालित है, सैन फ्रांसिस्को खाड़ी में परिचालन के लिए लॉन्च की गई है.

- 21 मीटर लम्बी इस यात्री नौका को एमवी सी चेंज नाम दिया गया है. यह नौका 100% नेट जीरो उत्सर्जन क्षमता से युक्त है. वर्तमान डीजल-चालित नौकाओं से अलग, जो प्रदूषक उत्सर्जित करती हैं, हाइड्रोजन-चालित सी चेंज केवल गर्मी और जल वाष्प को उपोत्पाद के रूप में उत्पन्न करती है.
- यह नौका एक बार में लगभग 550 किमी की यात्रा कर सकती है. साथ ही एक बार फ्यूल भरने पर यह लगातार 16 घण्टे तक यात्रा कर सकती है.
- सी चेंज परियोजना को निवेश फर्म स्विच मैरीटाइम द्वारा वित्त पोषित और प्रबंधित किया गया है. साथ ही इसका निर्माण कैलिफोर्निया के अल्मेडा में बे शिप एंड यॉट और वाशिंगटन के बेलिंगहैम में ऑल-अमेरिकन मरीन द्वारा किया गया है.
- **उद्देश्य**—डीजल चालित जहाजों को कम करना व ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार कार्बन उत्सर्जन को कम करने की योजना का हिस्सा है.
- यह तकनीक शिपिंग उद्योग को कार्बन न्यूट्रल करने में मदद कर सकती है, जो दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 3 प्रतिशत पैदा करता है.
- उल्लेखनीय है कि अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन, जो वाणिज्यिक नौवहन को नियंत्रित करता है, सदी के मध्य तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को आधा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है.
- **हाइड्रोजन फ्यूल सेल (HFC)**—यह एक विद्युत्-रासायनिक अभिक्रिया में ऑक्सीजन और हाइड्रोजन को मिलाकर विद्युत का उत्पादन करता है.
- HFC चालित वाहन पार्टिकुलेट्स, नाइट्रोजन के ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड सहित टेलपाइप प्रदूषक उत्सर्जन से पूर्णतया मुक्त होते हैं.

उपकार
वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान करेन्ट अफेयर्स कौन क्या है? 2025
• नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित
• संक्षिप्त व सारगर्भित विवेचन
• वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश
सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण

Code 102 ₹ 65/-
लेखक : खन्ना एवं वर्मा
उपकार प्रकाशन, आगरा
• E-mail : care@upkar.in
• Website : www.upkar.in

दिव्य दर्पण

संघ एवं राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा हेतु अत्यन्त महत्वपूर्ण

आपका विश्वास ही आपकी सफलता और असफलता का निर्णायक होता है. हम किसी भी कार्यक्षेत्र से हो यदि हमें अपनी योग्यता, कौशल और इच्छाशक्ति पर विश्वास है, तो हम बड़ा-से-बड़ा कार्य भी कर सकते है , और यदि पहले ही हमने यह मान लिया है कि इसे करने में अक्षम है, तो अनेकों कोशिश के बाद भी हम उस कार्य में अधिक उत्साहजनक परिणाम प्राप्त नहीं कर पाते है.

सिविल सेवा हेतु प्रश्नोत्तर प्रसंग

एक आदमी हाथियों के एक समूह के पास से जा रहा था, जो अपने अगले पैर में बँधी एक छोटी-सी रस्सी से रुके हुए थे. वह इस तथ्य से चकित था कि विशाल हाथी रस्सी को तोड़ने और खुद को आजाद करने का प्रयास भी नहीं कर रहे थे. उसने पास खड़े एक हाथी प्रशिक्षक से अपनी हैरान मनःस्थिति व्यक्त की. प्रशिक्षक ने कहा "जब वे बहुत छोटे होते हैं, तो हम उन्हें बाँधने के लिए उसी आकार की रस्सी का उपयोग करते हैं और उस उम्र में उन्हें पकड़ने के लिए यह पर्याप्त होती है. जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, उन्हें यह विश्वास करने के लिए तैयार किया जाता है कि वे इससे अलग नहीं हो सकते. उन्हें लगता है कि रस्सी अभी भी उन्हें बांध कर रख सकती है, इसलिए वे कभी भी आजाद होने की कोशिश नहीं करते." हालांकि यह हाथियों का झूठा विश्वास ही है कि उन्हें जीवन भर के लिए आजादी से वंचित कर दिया गया है. इसी तरह, बहुत से लोग अपने जीवन में सफलता की दिशा में काम करने की कोशिश ही नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वे पहले एक बार असफल हो चुके हैं. इसलिए कोशिश करते रहें और असफलता के कुछ झूठे विश्वासों से बँधे न रहें.

संविधान एवं राजव्यवस्था

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—हाल ही में लागू भारतीय न्याय संहिता सहित तीन नए आपराधिक कानूनों की पृष्ठभूमि, सुधार के लिए समितियाँ और नए आपराधिक कानूनों की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए.

चर्चा में क्यों ?

21 दिसम्बर, 2023 को संसद में पारित तीन नए आपराधिक कानून देश में 1 जुलाई, 2024 से लागू हो गए हैं.

उत्तर—न्याय संहिता से तात्पर्य ऐसे कार्य और आचरण को व्यावहारिक बनाना है, जो सामाजिक और नैतिक व्यवहार पर आधारित हो. अतः ऐसे कार्य और आचरण को जब व्यवहार में लाने और उल्लंघन पर सजा आदि के लिए जब कुछ नियम और विनियम बनाए जाते हैं, तो इन्हें न्याय संहिता का नाम दिया जाता है.

पृष्ठभूमि

- भारत में प्राचीन काल से ही न्याय और नैतिकता के लिए दिशा-निर्देश स्थापित किए जाते रहे हैं. उदाहरण के लिए प्राचीन ग्रंथ व धर्मशास्त्रों; जैसे—मनुस्मृति और मौर्य काल के दौरान अर्थशास्त्र जिसमें शासन व्यवस्था के संचालन के लिए कानूनों को लागू करने, दण्ड देने और न्याय प्रणाली के प्रबन्धन के लिए नियम आदि का विस्तार से उल्लेख किया गया है.
- मध्यकालीन भारत, जहाँ अधिकांश समय मुस्लिम शासन रहा वहाँ शरिया कानूनी प्रणाली का आपराधिक कानूनों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा.
- मध्यकालीन भारत के बाद औपनिवेशिक युग में 1773 के रेगुलेटिंग एक्ट के तहत् ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी ने एक कानूनी ढाँचा लागू किया जिसमें अंग्रेजी कानून की शुरुआत और न्याय के वितरण की निगरानी के लिए अदालतों की स्थापना शामिल थी.
- 1860 का भारतीय दण्ड संहिता (IPC), जिसे थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने तैयार किया था, आधिकारिक तौर पर 1 जनवरी, 1862 को लागू की गई थी. यह संहिता भारत में एक मौलिक आपराधिक कानून था, जिसमें विभिन्न अपराधों और उनसे सम्बन्धित दण्डों का विवरण दिया गया था.
- वहीं 1898 में अधिनियमित, दण्ड प्रक्रिया संहिता (CrPC) ने आपराधिक न्याय कार्यवाही के प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित किए, इसमें कानून प्रवर्तन की शक्तियों, मुकदमों के संचालन की प्रक्रियाओं और न्यायपालिका की जिम्मेदारियों को रेखांकित किया गया.
- गौरतलब है कि वर्तमान समय में इन्हीं औपनिवेशिक काल के समय से चले आ रहे कानूनों में बड़े बदलाव किए गए है.

नए आपराधिक कानून

- वर्तमान के नए आपराधिक कानूनों ने भारतीय दण्ड संहिता (IPC) 1860, दण्ड प्रक्रिया संहिता (CrPC) 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की जगह ली है. नए आपराधिक कानूनों को क्रमशः भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) नाम दिया गया है.

प्रमुख समितियाँ

- ***मलीमथ समिति—****इसका गठन वर्ष 2003 में किया गया. समिति के गठन का उद्देश्य आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार के लिए सिफारिश करना था. पीड़ित को गम्भीर अपराधों से जुड़े मामलों में भाग लेने की अनुमति और उसे पर्याप्त मुआवजा देने की समिति द्वारा सिफारिश की गई.*
- ***न्यायमूर्ति वर्मा पैनल—****वर्ष 2013 में दी गई अपनी प्रमुख सिफारिश में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न करने के आरोपी अपराधियों के लिए त्वरित सुनवाई और बढ़ी हुई सजा सुनिश्चित करने के लिए प्रावधान आदि की बात कही.*
- ***रणबीर सिंह समिति—****इसका गठन 2020 में आपराधिक कानून की तीन संहिताओं [भारतीय दण्ड संहिता (आईपीसी), 1860; दण्ड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872] की समीक्षा करने के लिए किया गया था.*
- ***विधि आयोग—****विधि आयोग भी समय-समय पर आपराधिक कानूनों में सुधार के लिए अपनी रिपोर्ट देता रहा है.*

नए आपराधिक कानून

पुराना नाम	नया नाम	प्रमुख विशेषताएँ
भारतीय दण्ड संहिता (IPC), 1860	भारतीय न्याय संहिता (BNS)	● पुराने कानून की 511 धाराओं के स्थान पर कुल 358 धाराएँ. ● 20 नए अपराध शामिल, 23 अपराधों में अनिवार्य न्यूनतम सजा का प्रावधान. ● पहली बार आतंकवाद व आतंकवादी कृत्यों को अलग-अलग अपराध माना गया. ● धारा 150 के तहत् राजद्रोह का उल्लेख. ● मॉब लिंचिंग को 'हत्या' के बराबर का अपराध माना गया है. ● महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों पर अधिक ध्यान दिया गया.
दण्ड प्रक्रिया संहिता (CrPC), 1973	भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS)	● नए कानून में कुल 531 धाराएँ. ● इस कानून में 9 नई धाराएँ जोड़ी गईं. ● कानूनी कार्यवाही के विभिन्न चरणों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक मोड के उपयोग को अनिवार्य बनाया गया है. ● नए कानून में दस्तावेजी प्रोटोकॉल के अनुसार अब तलाशी की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को समीक्षा के लिए मजिस्ट्रेट को तुरन्त प्रस्तुत करना आवश्यक है. ● भगोड़ा घोषित व्यक्तियों के खिलाफ भी मुकदमा चलाने का प्रावधान.
भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872	भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA)	● नए अधिनियम ने 'दस्तावेज' की परिभाषा को अधिक स्पष्ट किया है. ● साक्ष्य की रिकॉर्डिंग में ऑडियो, वीडियो और रिकॉर्डिंग को भी शामिल किया गया है. ● अभियुक्तों में से किसी एक के लगातार अनुपस्थिति पर भी मुकदमा आगे बढ़ सकता है.

नए कानूनों के अन्तर्गत शामिल नए अपराध

- मॉब लिंचिंग (पाँच या उससे अधिक व्यक्तियों का समूह भेदभावपूर्ण कारकों के आधार पर हत्या) के लिए दण्ड स्थापित करता है. मॉब लिंचिंग को हत्या के समान अपराध माना गया है. इसके लिए आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदण्ड तक की सजा का प्रावधान किया गया है.
- पहली बार, संगठित अपराध का विनियमन नियमित आपराधिक कानून के दायरे में आता है.
- BNS के अंतर्गत आतंकवाद को नियमित आपराधिक कानून में शामिल किया गया है.
- BNS में एक नया प्रावधान जो किसी सरकारी कर्मचारी को आधिकारिक कर्तव्यों का पालन करने से रोकने या मजबूर करने के उद्देश्य से आत्महत्या करने के प्रयासों को अपराध बनाता है.
- BNS की धारा 69 में शादी के लिए धोखे वादे को अपराध मानता है. यह निर्दिष्ट करता है कि 'धोखेबाज साधनों' में किसी की असली पहचान छुपाने के बाद नौकरी, पदोन्नति, प्रलोभन या शादी के झूठे वादे शामिल हैं.

हटाए गए अपराध

- BNS ने धारा 377 को निरस्त कर दिया है, जो समलैंगिकता और अन्य 'अप्राकृतिक' यौन गतिविधियों को अपराध मानती थी.
- BNS ने व्यभिचार के अपराध को हटा दिया है, जिसे 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक माना था.
- BNS ने IPC की धारा 310 के तहत् प्रावधान को पूरी तरह से हटा दिया है, जो डकैती या बच्चे चोरी करने में आदतन शामिल व्यक्तियों को अपराधी बनाता है और उन्हें ठग के रूप में लेबल करता है, क्योंकि कुछ जनजातियों के लिए आपराधिकता की औपनिवेशिक धारणाओं को जोड़ने की आलोचना की गई थी.

प्रमुख धाराओं के तहत् अपराध

अपराध	पूर्व में IPC धारा	वर्तमान में BNS धारा
हत्या	302	103
हत्या की कोशिश	307	109
गैर-इरादतन हत्या	304	105
रेप और गैंगरेप	375,376	63,64 और 70
दहेज हत्या	304 B	80
देशद्रोह	124	152
मानहानि	499, 500	356

समालोचनात्मक मूल्यांकन

नए कानूनों में परिवर्तन के बाद भी पुराने आपराधिक कानूनों का लगभग 75% नए कानून में बरकरार रखा गया है. अतः इस आधार पर इसकी एक आलोचना की जा रही है कि कानून का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अब भी अपरिवर्तित बना हुआ है. नए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 187 पुलिस हिरासत की अधिकतम अवधि को 15 दिनों से बढ़ाकर 60 या 90 दिन कर देती है, जोकि यूएपीए, पोटा और टाडा जैसे पिछले कानूनों द्वारा लगाए गए प्रतिबन्धों की तुलना में काफी वृद्धि को दर्शाता है. इस विस्तार से व्यक्तिगत अधिकारों और स्वतंत्रताओं पर गम्भीर प्रभाव पड़ सकता है. इसके अलावा, 'झूठी और भ्रामक जानकारी' और 'भारत की संप्रभुता, एकता और अखण्डता को खतरे में डालने वाले कृत्य' जैसे अस्पष्ट अपराधों की शुरुआत चिंताजनक है. इन अस्पष्ट प्रावधानों में स्पष्टता का अभाव है और ये कानून प्रवर्तन एजेंसियों को विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार दे सकते हैं, जिससे संभावित रूप से अधिकार का दुरुपयोग हो सकता है.

निष्कर्ष

1 जुलाई , 2024 से प्रभावी नए कानून जहाँ पुलिसकर्मियों, न्यायिक अधिकारियों,

न्यायालय कर्मियों और जेल अधिकारियों के लिए नए परिवर्तनों के प्रति अधिक सजग और जानकारी की माँग करती है. दूसरा नए परिवर्तन व्यावहारिक रूप से पुराने प्रावधानों से कितने कारगर साबित होंगे यह अभी कुछ समय के बाद अधिक स्पष्ट होगा.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—हाल ही में लागू तीन नए आपराधिक कानूनों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

1. भारतीय दण्ड संहिता (IPC) 1860 को थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने तैयार किया था.

2. नए आपराधिक कानूनों में धारा 103 के तहत् हत्या के अपराध को सम्मिलित किया गया है.

3. भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ने दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 का स्थान लिया है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3

उत्तर—(D)

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—हाल ही में गठित 18वीं लोक सभा में महिला प्रतिनिधित्व की स्थिति और महिला सांसदों में क्रमिक वृद्धि के साथ भारत में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व के प्रमुख कारणों का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए.

> **चर्चा में क्यों ?**
>
> *18वीं लोक सभा के लिए सम्पन्न चुनावों में कुल 74 महिलाएं देशभर से सांसद के रूप में चुन कर आई हैं, जोकि पिछली 17वीं लोक सभा से लगभग 4 कम है. 17वीं लोक सभा में महिला सांसदों की संख्या 78 (अब तक किसी भी लोक सभा में सबसे अधिक महिला सांसदों की संख्या) थी, गौरतलब है कि 9 जून, 2024 को 18वीं लोक सभा के लिए नई मंत्रिपरिषद् के शपथ ग्रहण समारोह में कुल 7 महिला सांसदों ने मंत्री के रूप में शपथ ली.*

उत्तर—लोक सभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व विशेष रूप से हाल ही में सम्पन्न 18वीं लोक सभा सत्र और भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के रुझानों के साथ महत्वपूर्ण रुचि का विषय रहा है. 18वीं लोक सभा में महिला सांसदों की स्थिति, पिछले कुछ वर्षों में महिला सांसदों की क्रमिक वृद्धि, पार्टी में भागीदारी और महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व के प्रमुख कारणों पर विचार करने के लिए महत्वपूर्ण पहलू हैं.

18वीं लोक सभा में महिला सांसदों की स्थिति

- 18वीं लोक सभा में कुल 74 महिला सांसद निर्वाचित होकर आई, जो पिछली लोक सभा में 78 सांसदों से थोड़ी कम है.
- गौरतलब है कि ये 74 नवनिर्वाचित महिलाएँ निचले सदन के कुल निर्वाचित सदस्यों का केवल 13·63% प्रतिनिधित्व करती हैं, जो कि संविधान (106वाँ संशोधन) अधिनियम, 2023 के प्रावधान और अगले परिसीमन के बाद महिलाओं के लिए आवंटित 33% सीटों से काफी कम है.
- उल्लेखनीय है कि वर्तमान लोक सभा के लिए सबसे ज्यादा महिला सांसद पश्चिम बंगाल से चुन कर आई हैं. यह कुल 11 प्रतिनिधियों के साथ सबसे अधिक महिला सांसदों वाला राज्य बन गया है. ऑल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस 37·93% के

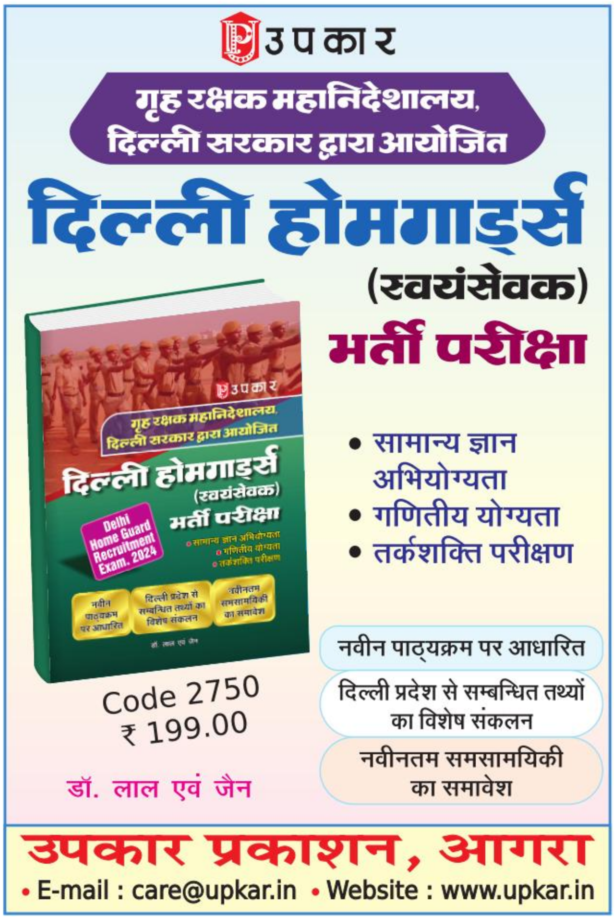

विभिन्न लोक सभाओं में महिला सांसदों का अनुपात

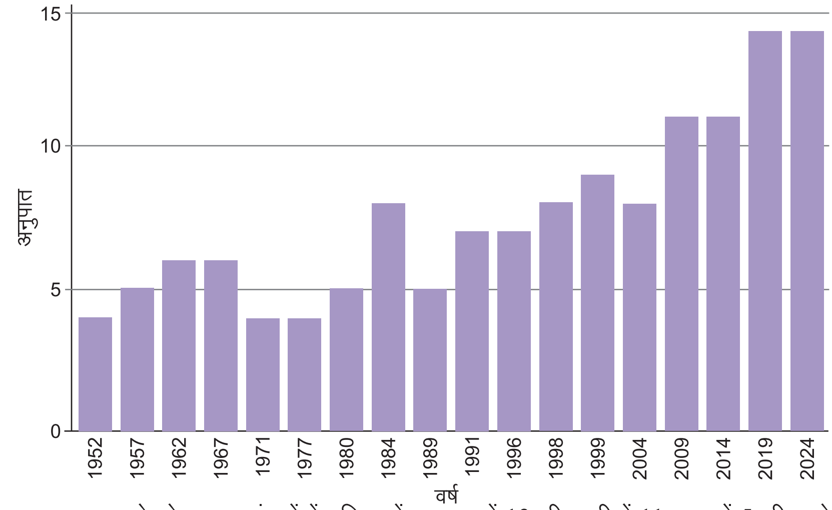

साथ अपने लोकसभा सांसदों में महिलाओं के उच्चतम अनुपात वाली पार्टी के रूप में सबसे आगे है.

महिला सांसदों में क्रमिक वृद्धि

- पिछले कुछ वर्षों में लोक सभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में क्रमिक वृद्धि देखी गई है, हालाँकि यह प्रगति लगातार नहीं रही है.
- 1952 में निचले सदन में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 4·41% थी, जो अगले दशक में थोड़ी बढ़कर 6% से अधिक हो गई, लेकिन 1971 में 4% से नीचे गिर गई.
- कुछ उतार-चढ़ाव के बावजूद, महिलाओं का प्रतिनिधित्व लगातार बढ़ा है, 2009 में 10% का आँकड़ा पार कर गया और 2019 में 14·36% (अब तक सर्वाधिक प्रतिशत) पहुँच गया.
- हालाँकि, भारत अभी भी दक्षिण अफ्रीका, यूके और यूएसए जैसे अन्य देशों से पीछे है, जहाँ संसद सदस्यों के रूप में महिलाओं का प्रतिशत अधिक है.
- उदाहरण के लिए अमेरिका में यह आँकड़ा लगभग 32% है, जबकि पड़ोसी देश बांग्लादेश में 21% है.
- उल्लेखनीय है कि 1957 के लोक सभा चुनाव में सिर्फ 45 महिला उम्मीदवार थीं; जो कि वर्ष 2024 के लोक सभा चुनावों में 799 महिलाएँ थीं,जो कुल उम्मीदवारों का 9·5% है. इनमें से 74 निर्वाचित हुईं, जो 543 सीटों वाली सदन में सांसदों का 13·63% प्रतिनिधित्व करती हैं.

18वीं लोक सभा में पार्टी की भागीदारी

- 18वीं लोक सभा में, महिला सांसद कुल 14 विभिन्न राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करती हैं. भाजपा में सबसे अधिक 31 महिला सांसद हैं, उसके बाद कांग्रेस में 13, टीएमसी में 11, सपा में 5, डीएमके में 3 और चिराग पासवान के नेतृत्व वाली एलजेपीआरवी में 2 और जेडी (यू) में 2 महिला सांसद हैं.
- इसके अलावा, सात पार्टियों में एक-एक महिला सांसद हैं.
- लोक सभा में दोहरे अंकों वाली महिला सांसदों वाली तीन पार्टियों में, टीएमसी का अनुपात सबसे अधिक 37·93% है, उसके बाद कांग्रेस का 13·13% और भाजपा का 12·92% है.

महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व के प्रमुख कारण

- लोक सभा में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व के लिए कई कारक जिम्मेदार ठहराए जा सकते हैं. महिलाओं को अक्सर कार्यालय के लिए दौड़ने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता है, प्रतिस्पर्धा करने में अनिच्छा, 'बड़ी राजनीति' में शामिल होने का डर, और पारिवारिक कारणों से राजनीतिक महत्वाकांक्षा की कमी का सामना करना पड़ता है.
- इसके अतिरिक्त, लैंगिक असमानताएँ, सांस्कृतिक और सामाजिक अपेक्षाएँ, और उच्च-स्तर की निरक्षरता महिलाओं की राजनीति में भागीदारी में बाधा डालती हैं.
- राजनीतिक शिक्षा की कमी और राजनीतिक व्यवस्था के भीतर संरचनात्मक कमियाँ भी महिला उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पेश करती हैं.

निष्कर्ष

- लोक सभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पहलू है. हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों में महिला सांसदों की संख्या में धीरे-धीरे वृद्धि हुई है, लेकिन 18वीं लोक सभा में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की वर्तमान स्थिति, राजनीति में महिलाओं के कम

विभिन्न पार्टियों से जीतीं महिला सांसदों की संख्या व अनुपात

कुल 74 महिला सांसद निर्वाचित

पार्टी	पार्टी द्वारा कुल जीती गई सीटें	महिला सांसद	महिला सांसद (प्रतिशत में)
शिरोमणि अकाली दल	1	1	100·00
अपना दल (सोनीलाल)	1	1	100·00
लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)	5	2	40·00
ऑल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस	29	11	37·93
झारखण्ड मुक्ति मोर्चा	3	1	33·30
युवजन श्रमिका रायथू पार्टी	4	1	25·00
राष्ट्रीय जनता दल	5	1	20·00
जनता दल (यू)	12	2	16·70
द्रविड़ मुनेत्र कड़गम	19	3	15·80
समाजवादी पार्टी	37	5	13·51
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	99	13	13·13
भारतीय जनता पार्टी	240	31	12·92
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार)	8	1	12·50
तेलुगू देशम् पार्टी	16	1	6·25

प्रतिनिधित्व में योगदान देने वाले कारकों को दूर करने के लिए निरन्तर प्रयासों की आवश्यकता को उजागर करती है.

- नारी शक्ति वंदना अधिनियम, संवैधानिक उपाय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता जैसी पहल लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न–निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. 18वीं लोक सभा के लिए सम्पन्न चुनावों में कुल 74 महिलाएँ देशभर से सांसद के रूप में चुन कर आई हैं.

2. 17वीं लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 78 थी, जोकि अब तक किसी भी लोक सभा में सबसे अधिक महिला सांसदों की संख्या है.

2. वर्तमान लोक सभा के लिए सबसे ज्यादा 11 महिला सांसद पश्चिम बंगाल से चुन कर आई हैं.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3

उत्तर–(D)

सुरक्षा

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न–देश की सामरिक सुरक्षा सम्बन्धी नीतियों और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को आकार देने में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) की भूमिका और महत्व पर चर्चा करें.

चर्चा में क्यों ?

जुलाई 2024 में उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार राजिंदर खन्ना को अतिरिक्त NSA नियुक्त किया गया है. यह पहली बार है जब अतिरिक्त NSA का पद भरा गया है, यह पद हमेशा से मौजूद था, लेकिन अब तक खाली था. इससे पूर्व जून 2024 में अजीत डोभाल को लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) नियुक्त किया गया है.

उत्तर–राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् का वरिष्ठ सदस्य और प्रधानमंत्री के प्रमुख विदेश और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति सलाहकार होता है. NSA एक ऐसे संगठन की अध्यक्षता करता है, जिसमें एक उपराष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और तीन डिप्टी NSA होते हैं. NSA की नई भूमिका सलाहकारी और संचालनात्मक प्रकृति की होती है.

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की भूमिका और महत्व

- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् का वरिष्ठ अधिकारी होता है, तथा राष्ट्रीय सुरक्षा नीति और अन्तर्राष्ट्रीय मामलों पर भारत के प्रधानमंत्री का मुख्य सलाहकार होता है.
- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) का कार्य भारत के प्रधानमंत्री को भारत के आंतरिक और बाह्य खतरों एवं अवसरों से सम्बन्धित सभी मामलों पर नियमित रूप से सलाह देना तथा प्रधानमंत्री की ओर से रणनीतिक और संवेदनशील मुद्दों की देखरेख करना है.
- भारत के एनएसए चीन के साथ प्रधानमंत्री के विशेष वार्ताकार के रूप में भी कार्य

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त (NSA)

भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद नवम्बर 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में सृजित किया गया था तथा श्री डोभाल भारत के पाँचवें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं इस पद पर रहे सभी पाँच व्यक्तियों के नाम व उनके कार्यकाल निम्नलिखित हैं–

क्र.	नाम	कार्यकाल
1.	बृजेश मिश्र	नवम्बर 1998–मई 2004
2.	जे. एन. दीक्षित	मई 2004–जनवरी 2005
3.	एम. के. नारायणन	जनवरी 2005–जनवरी 2010
4.	शिवशंकर मेनन	जनवरी 2010–मई 2014
5.	अजीत डोभाल	मई 2014 से अब तक

- *खुफिया ब्यूरो (IB) तथा रॉ (RAW) के प्रमुख भी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के माध्यम से ही अपनी रिपोर्ट प्रधानमंत्री को प्रस्तुत करते हैं.*
- *राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के पद पर रहते हुए अजीत डोभाल को भारत व चीन के बीच राजनीतिक स्तर की सीमा वार्ता के लिए भारत के अधिकृत वार्ताकार भी सरकार ने नवम्बर 2014 में नियुक्त किया था.*

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद्

- मुख्यालय–नई दिल्ली
- नेतृत्व–भारत के प्रधानमंत्री द्वारा

संगठनात्मक ढाँचा

- तीन स्तरीय संरचना जिसमें सामरिक नीति समूह (एसपीजी), राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् सचिवालय (एनएससीएस) शामिल हैं.

सामरिक नीति समूह (एसपीजी)

- अध्यक्षता–कैबिनेट सचिव
- कार्य–एनएससी को नीतिगत सिफारिशें देना.
- विशेष–सशस्त्र बलों, खुफिया ब्यूरो और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (R&AW) के प्रमुख शामिल.

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी)

- कार्य–राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर एनएससी को दीर्घकालिक विश्लेषण और नीति सिफारिशें प्रदान करना
- विशेष–वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारी, शिक्षाविद और नागरिक समाज के विशेषज्ञ शामिल

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् सचिवालय (एनएससीएस)

- प्रधानमंत्री की देखरेख में कार्यरत्
- सचिव–एनएसए
- विशेष–आंतरिक और बाह्य सुरक्षा से सम्बन्धित सभी मामलों के लिए सर्वोच्च निकाय के रूप में कार्य

करते हैं तथा सुरक्षा मामलों पर पाकिस्तान और इजरायल के लिए दूत भी होते हैं.

- प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल एनएसए के पद को कैबिनेट मंत्री के स्तर तक बढ़ाया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन को उच्च रक्षा प्रबन्धन के साथ एकीकृत करके अधिकार क्षेत्र को भी बढ़ाया है.
- एनएसए सभी खुफिया रिपोर्ट (रॉ और आईबी) प्राप्त करता है और प्रधानमंत्री को उनकी प्रस्तुति का समन्वय करता है.
- एनएसए सुरक्षा मुद्दों पर उच्चस्तरीय राजनयिक बातचीत में भाग लेता है.
- राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् के सचिव के रूप में कार्य करती है.

निष्कर्ष

- वर्तमान में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों और क्षेत्रीय गतिशीलता को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् की भूमिका और भी बढ़ जाती है. भारत के दो पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान के साथ सीमा विवाद व आतंकवाद जैसी समस्याओं के समाधान और देश की बाह्य तथा आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् ने पिछले कुछ वर्षों से महती भूमिका निभाई है.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

1. वर्तमान में लगातार तीसरे कार्यकाल हेतु अजीत डोभाल को उपराष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया है.

2. भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद वर्ष 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल विहारी बाजपेयी के कार्यकाल में सृजित किया गया था.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2
(D) न तो 1, न ही 2

उत्तर—(B)

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—भारत और चीन के साथ अपने सम्बन्धों के संदर्भ में बांग्लादेश की विदेश नीति की उभरती गतिशीलता पर चर्चा कीजिए.

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की चीन यात्रा और इससे पूर्व जून माह में 2 दिवसीय भारत की यात्रा के बाद यह कयास लगाए जा रहे हैं कि बांग्लादेश अपने दो सबसे महत्वपूर्ण पड़ोसी देशों भारत और चीन के साथ एक सन्तुलित विदेश नीति को अपना रहा है या इस का प्रयास कर रहा है.

उत्तर—बांग्लादेश की विदेश नीति में दो क्षेत्रीय शक्तियों, भारत और चीन के बीच सम्बन्धों में एक सन्तुलन की स्थिति दिखती है जिसका उद्देश्य अपने रणनीतिक हितों को बनाए रखते हुए आर्थिक लाभ को अधिकतम करना है. हालाँकि, प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत के बाद चीन यात्रा के परिणामों से पता चलता है कि संतुलन कार्य अपेक्षित परिणाम नहीं दे रहा है, विशेष रूप से बीजिंग से अपेक्षाओं को पूरा करने में. ऐसा इसलिए क्योंकि आर्थिक सहयोग बांग्लादेश–चीन सम्बन्धों का प्राथमिक चालक रहा है, जिसमें चीन पिछले 13 वर्षों से बांग्लादेश का प्रमुख व्यापारिक भागीदार रहा है. उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 तक, बांग्लादेश में चीनी निवेश कुल $3·2 बिलियन रहा, जिससे यह देश का दूसरा सबसे बड़ा विदेशी निवेश स्रोत बना रहा है.

बांग्लादेश-चीन सम्बन्ध

- चीन ने रेलवे परियोजनाओं, पुलों, राजमार्गों और बिजली स्टेशनों सहित बांग्लादेश के बुनियादी ढाँचे के विकास में प्रमुख योगदान दिया है.
- इस बुनियादी ढाँचे के विकास ने बांग्लादेश की आर्थिक वृद्धि को मजबूत किया है.
- बांग्लादेश के प्रधानमंत्री की हाल की यात्रा के परिणामस्वरूप 21 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए, जिनमें तीन नए समझौता ज्ञापन शामिल हैं, जिससे सम्बन्ध 'रणनीतिक साझेदारी' से बढ़कर 'व्यापक रणनीतिक सहकारी साझेदारी' बन गए.
- यात्रा के दौरान, चीनी प्रधानमंत्री ली क्यिांग ने 1 बिलियन डॉलर की आर्थिक सहायता का वादा किया, जबकि प्रधानमंत्री हसीना ने बांग्लादेश के विशेष आर्थिक क्षेत्रों और बंगबंधु औद्योगिक पार्क में चीनी निवेश को और बढ़ावा दिया, विशेष रूप से चीनी व्यापारियों के लिए एक निर्यात-प्रसंस्करण क्षेत्र की स्थापना की.
- 2026 के बाद बांग्लादेशी वस्तुओं के 98% के लिए शून्य–टैरिफ उपचार का विस्तार करने की चीन की प्रतिज्ञा, बांग्लादेश की विकास योजनाओं के लिए समर्थन और विभिन्न क्षेत्रों में चीनी निवेश को प्रोत्साहित करना, सभी बढ़ते आर्थिक सम्बन्धों की ओर इशारा करते हैं.
- ये उपर्युक्त घटनाक्रम चीन की भागीदारी के साथ, चीन-बांग्लादेश सम्बन्धों की बढ़ती गहराई को दर्शाते हैं, हालाँकि चीन और भारत के बीच संतुलित रुख बनाए रखने के बांग्लादेश के प्रयासों को थोड़ा जटिल बना सकते हैं.

भारत-बांग्लादेश सम्बन्ध

- बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना पहली बार 9 जून को प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित हुई. तत्पश्चात् अगले दो सप्ताह से भी कम समय में वे पुनः 2 दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत आईं. नई सरकार के गठन के बाद यह किसी विदेशी देश के प्रमुख की पहली भारत यात्रा थी. अतः यह यात्रा भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते सम्बन्धों को दर्शाती है.

भारत-बांग्लादेश सम्बन्ध

- *वर्ष 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता (मुक्ति संग्राम) में भारत की अहम् भूमिका.*
- *आर्थिक रूप से बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है.*
- *वर्ष 2022 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (CEPA) पर हस्ताक्षर.*
- *भारत और बांग्लादेश के बीच वर्ष 2015 में भूमि सीमा समझौता (एलबीए) सम्पन्न.*
- *सामरिक दृष्टि से भारत अपने पड़ोसी देशों में सबसे लम्बी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश के साथ साझा करता है. भारत और बांग्लादेश के बीच लगभग 4096·7 किमी की सीमा है.*
- *जल संसाधनों के सम्बन्ध में भारत और बांग्लादेश 50 से भी अधिक नदियों को साझा करते हैं. तीस्ता नदी जल बँटवारे को लेकर लम्बे समय से दोनों देश बातचीत के स्तर पर हैं.*
- *नदी जल बँटवारे के अतिरिक्त भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अवैध बांग्लादेशी प्रवासन भी एक प्रमुख सम्बन्धों में गतिरोध का मुद्दा बना रहता है.*

- विदेश नीति के जानकारों के अनुसार शेख हसीना की यह भारत यात्रा संकेत है कि बीजिंग से बढ़ती नजदीकी उसके हितों के लिए कोई खतरा नहीं है.
- आर्थिक सम्बन्धों के आधार पर देखा जाए, तो बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा विकास साझेदार है तथा भारत की ऋण सहायता के तहत् लगभग एक-चौथाई प्रतिबद्धता बांग्लादेश के साथ की गई है.
- बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, वहीं भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है.

संतुलित नीति का मूल्यांकन

- एक 'राजनीतिक मित्र' के रूप में भारत और एक 'विकास के मित्र' के रूप में चीन के बीच का अन्तर उस सूक्ष्म दृष्टिकोण को दर्शाता है जिसे बांग्लादेश ने बनाए रखने का प्रयास किया है.
- बांग्लादेश के भारत-चीन संतुलन कार्य को अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है, जबकि चीन के साथ आर्थिक सहयोग से विकास लाभ हुआ है, इसने ऋण निर्भरता और रणनीतिक भेद्यता के बारे में चिन्ताओं को भी जन्म दिया है.
- दक्षिण एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलती भू-राजनीतिक स्थिति ने बांग्लादेश के तटस्थ रुख को बनाए रखना और भी मुश्किल बना दिया है. देश क्षेत्रीय सुरक्षा, जल अधिकार और आर्थिक एकीकरण जैसी जटिल चिंताओं से निपट रहा है, जिससे दोनों महाशक्तियों के साथ सम्बन्धों में तनाव पैदा होने की सम्भावना है.

निष्कर्ष

- जैसे-जैसे बांग्लादेश आगे बढ़ रहा है, उसे अपनी विदेश नीति की रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि भारत और चीन के बीच एक आदर्श संतुलन बनाना तेजी से मायावी साबित हो सकता है.
- एक सूक्ष्म दृष्टिकोण जो बांग्लादेश के दीर्घकालिक हितों को प्राथमिकता देता है, जबकि लचीला, मुद्दा-आधारित संरेखण बनाए रखता है, जो अधिक प्रभावी हो सकता है. बांग्लादेश की दुविधा और अनुभव प्रतिस्पर्धी शक्तियों के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में छोटे देशों के सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित करते हैं. अन्य बातों के अलावा, 21वीं सदी में क्षेत्रीय और वैश्विक भू-राजनीति के जटिल चक्र में नेविगेट करने के लिए चतुर कूटनीति, आर्थिक विविधीकरण और राष्ट्रीय हितों की स्पष्ट दृष्टि की आवश्यकता होगी.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

1. बांग्लादेश का भारत दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश है.
2. चीन, बांग्लादेश को निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश है.
3. चीन पिछले 13 वर्षों से बांग्लादेश का प्रमुख व्यापारिक भागीदार देश बना हुआ है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3

उत्तर—(D)

अर्थव्यवस्था

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—"भारत में रोजगार की समस्या का समाधान कल्याणवाद न होकर कौशल सृजन हो सकता है." भारत के वर्तमान सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य के संदर्भ में आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए.

> **चर्चा में क्यों ?**
>
> *मानव विकास संस्थान और 'अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन' (ILO) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गई भारत रोजगार रिपोर्ट–2024 के अनुसार, भारत की कार्यशील आबादी 2011 में 61 प्रतिशत से बढ़कर 2021 में 64 प्रतिशत हो गई और 2036 में इसके 65 प्रतिशत तक पहुँचने का अनुमान है. हालाँकि, 2022 में आर्थिक गतिविधियों में शामिल युवाओं का प्रतिशत घटकर 37 प्रतिशत रह गया. सतत् रोजगार वृद्धि को बढ़ावा देने और देश की भविष्य की समृद्धि को सुरक्षित करने के लिए निरन्तर सतर्कता और प्रभावी नीतिगत उपाय की आवश्यकता है.*

उत्तर—भारत में बढ़ती युवा जनसंख्या के बीच वर्तमान में सबसे बड़ी समस्या रोजगार की है. भारत का अधिकांश रोजगार असंगठित क्षेत्र में है. अतः उच्च गुणवत्ता या कौशल परक रोजगार के लिए अभी भी बहुत व्यावहारिक प्रयास और नीतियों की आवश्यकता है. यही कारण है कि भारत के विकास के सम्बन्ध में कहा जाता है कि यह संवृद्धि विहीन विकास है. ऐसा इसलिए, क्योंकि वर्तमान में भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है , लेकिन संगठित रोजगार के सम्बन्ध में भारत आज भी अपने से कम विकासशील देशों से भी पीछे है. जो लोग मानते हैं कि मात्र देश के आर्थिक विकास से नौकरी की समस्या का तुरन्त समाधान हो जाएगा, वे यह स्वीकार करने में विफल रहते हैं कि रोजगार और बेरोजगारी पर 50 वर्ष के राष्ट्रीय सर्वेक्षणों से पता चला है कि भारत में नौकरी की उपलब्धता देश की आर्थिक वृद्धि दर के साथ नहीं बढ़ी है.

उच्च गुणवत्ता या कौशल परक रोजगार का अभाव

- भारत सरकार द्वारा वर्ष 2005 में न्यूनतम रोजगार गारंटी कार्यक्रम 'नरेगा' की शुरुआत की गई जिसे वर्ष 2009 में 'मनरेगा' नाम दिया गया. इस कार्यक्रम के तहत् न्यूनतम 100 दिनों के रोजगार का प्रावधान किया गया. ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कार्यक्रम के लाभ देखने को मिले हैं, लेकिन कौशल परक रोजगार का यह कोई स्थायी समाधान प्रदान करने में विफल रहा है.
- यही कारण है कि आलोचकों का मानना है कि सरकार के ग्रामीण और शहरी रोजगार गारन्टी पहल मुख्य रूप से गरीबों को राहत या 'संकट' रोजगार प्रदान करने से सम्बन्धित है. अतः ऐसे अल्पकालिक राहत रोजगार विकल्प के स्थान पर कौशलयुक्त और रोजगार प्रदान करने वाले स्थायी कार्यक्रमों की दीर्घकालिक आवश्यकता है.

शेष पृष्ठ 105 पर

उपकार
अखिल भारतीय बार परीक्षा
Code 2732 ₹ 265.00
अभिनव मिश्र
English Edition Code 3066 ₹ 180.00
उपकार प्रकाशन, आगरा–5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

समाचार-पत्रों का शौकीन पाठक होना काफी उपयोगी होने वाला है.

प्रश्न-पत्र I के लिए, आपको वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्नों का बहुत अभ्यास करने की आवश्यकता है; प्रश्न-पत्र II के लिए, आपको बहुत अधिक लेखन अभ्यास की आवश्यकता है.

UPSC-CAPF-AC परीक्षा 2023 के नतीजे, ईमानदारी से किए गए प्रयासों का बड़ा पुरस्कार

—अतुल कपूर

हाल ही में UPSC CAPF-AC परीक्षा 2023 के नतीजे घोषित किए गए और कई मेधावी और योग्य उम्मीदवारों ने मेरिट-लिस्ट में जगह बनाई.

पिछले 2 वर्षों से, मैं इस परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वालों के सम्मान कार्यक्रमों का हिस्सा रहा हूँ और आगामी उम्मीदवारों के लाभ के लिए परिणाम को कवर करने का वादा किया था.

इसलिए, इस वर्ष मैं UPSC-CAPF परीक्षा 2023 में शीर्ष रैंक पाने वाले कुछ ऐसे उम्मीदवारों के सम्पर्क में आया, जिनके पास सपने थे और एक असाधारण अभियान और आत्म-विश्वास का प्रदर्शन करके, उन्होंने अपने सपनों को वास्तविकता में बदल दिया.

सबसे पहले, UPSC-CAPF परीक्षा-योजना के बारे में थोड़ा जान लेते हैं. UPSC-CAPF परीक्षा हर वर्ष संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) जैसे अर्द्धसैनिक बलों में सहायक कमांडेंट (एसी) के पद के लिए उम्मीदवारों की भर्ती के लिए आयोजित की जाती है.

UPSC-CAPF परीक्षा 3 चरणों में आयोजित की जाती है.

1. लिखित परीक्षा

- प्रश्न-पत्र I (250 अंक; 2 घण्टे)
  - सामान्य योग्यता और बुद्धिमत्ता
  - वस्तुनिष्ठ प्रकार; 125 प्रश्न
- प्रश्न-पत्र II (200 अंक; 3 घण्टे)
  - सामान्य अध्ययन, निबंध और समझ
  - व्यक्तिपरक प्रश्न
  - भाग A : निबंध (80 अंक)
  - भाग B : समझ, संक्षेप में लिखना, और अन्य संचार/भाषा (120 अंक)

(दोनों परीक्षाएँ एक ही दिन आयोजित की जाती हैं)

2. शारीरिक मानक/शारीरिक योग्यता परीक्षण/चिकित्सा परीक्षण

3. साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण)—150 अंक

1. लिखित परीक्षा

प्रश्न-पत्र I : पाठ्यक्रम

सामान्य योग्यता और बुद्धिमत्ता

- सामान्य योग्यता प्रश्न
- सामान्य विज्ञान
- राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएँ
- भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था
- भारत का इतिहास
- भारतीय और विश्व भूगोल

प्रश्न-पत्र II : पाठ्यक्रम

CAPF प्रश्न-पत्र II को 2 भागों में विभाजित किया गया है—भाग A और भाग B.

भाग A : संकेतित विषयों जैसे भूगोल, राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और मानवाधिकार समस्याओं के बारे में जागरूकता, विश्लेषणात्मक कौशल और आधुनिक भारतीय इतिहास, विशेष रूप से स्वतंत्रता आंदोलन आदि से सम्बन्धित निबन्ध.

भाग B : कॉम्प्रिहेंशन पैसेज

- सारांश लेखन
- प्रतिवाद विकसित करना
- सरल व्याकरण और भाषा परीक्षण के अन्य पहलू

2. शारीरिक दक्षता परीक्षण

आप CAPF लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करके अगले चरण में पहुँचेंगे. यह चरण उम्मीदवारों के शारीरिक मानकों को पूरा करने के लिए है और ये UPSC की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हैं.

3. साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण)

CAPF परीक्षा-लिखित की तैयारी कैसे करें?

परीक्षा-योजना और पाठ्यक्रम पर एक नज़र डालने से यह आभास होता है कि इसके लिए व्यापक तैयारी की आवश्यकता है. प्रभावी तैयारी के लिए, उम्मीदवारों को कम-से-कम एक वर्ष समर्पित करना चाहिए और लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए.

जबकि NCERT पुस्तकें वैचारिक स्पष्टता के लिए सबसे अच्छा संसाधन हैं, आपको पूरे पाठ्यक्रम के लिए लगन से तैयारी करने के लिए मानक पाठ्यपुस्तकों की आवश्यकता होती है. परीक्षकों की अपेक्षाओं और वर्तमान रुझानों को समझने के लिए, पिछले वर्षों के पेपर एक बेहतरीन संसाधन हैं.

कई युवा सपनों के सपनों में नई जान

जब UPSC-CAPF परीक्षा के अंतिम परिणाम घोषित किए गए, तो एक पलक झपकते ही कई उम्मीदवारों की जिंदगी बदल गई, जिन्होंने मेरिट-लिस्ट में अपना नाम पाया. UPSC-CAPF परीक्षा में सफलता कई युवा सपनों को नया जीवन देती है, जिन्होंने 'रक्षा सेवा' में कॅरियर बनाने के लिए बहुत प्रयास किए हैं.

मेरा उद्देश्य भविष्य के उम्मीदवारों को इस परीक्षा से परिचित कराना और सफल उम्मीदवारों के विचार जानना है, मैंने उनसे कई तरह के सवाल पूछे, जैसे कि रक्षा सेवा में कॅरियर क्यों? उनके पास जानकारी का स्रोत क्या है? इसके लिए क्या करना है? क्या पढ़ना है? कैसे तैयारी करनी है? उन्होंने किस चरण में तैयारी शुरू की? क्या वे किसी अन्य परीक्षा की भी तैयारी कर रहे थे? क्या उन्होंने खुद की मदद ली या उन्होंने तैयारी के लिए किसी मार्गदर्शन का सहारा लिया? आदर्श रूप से, किसी को इस परीक्षा की तैयारी कब शुरू करनी चाहिए? आपने साक्षात्कार के लिए कैसे तैयारी की?

यह केवल यहीं तक सीमित नहीं था, हमने इस बारे में भी पूछा कि यूपीएससी एक योग्य उम्मीदवार में क्या गुण देखता है और UPSC-CAPF परीक्षा के लिए किस तरह की मेहनत करनी चाहिए.

मुझे काफी उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली और यहाँ, मैं इसे आपके लाभ के लिए प्रस्तुत कर रहा हूँ ताकि आप सफल उम्मीदवारों के अनुभवों को जान सकें और कुछ अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकें जो आपको अपनी खुद की रणनीति बनाने में मदद कर सकती हैं.

सबसे पहले, मैं आपको कुछ सफल उम्मीदवारों से मिलवाता हूँ—

प्रगुण तिवारी
(AIR 3; UPSC CAPF 2023)

वह दिल्ली विश्वविद्यालय से भौतिकी स्नातक हैं. यह उनका दूसरा प्रयास था जिसने

उन्हें एकल अंकों की रैंक दी. 2022 में अपने अंतिम प्रयास में, वह 2 अंकों से अंतिम कट-ऑफ से चूक गए थे.

अंशुमान राज

(AIR 9; UPSC CAPF 2023)

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) में कॅरियर बनाने की अंशुमान की प्रेरणा राष्ट्र की सेवा और सुरक्षा की गहरी इच्छा से उपजी है.

सुमित नारायण

(AIR 10; UPSC CAPF 2023)

सुमित ने IMU कोलकाता से मरीन इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की और कुछ समय तक शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया में काम किया. 2020-22 में JNU से आपदा अध्ययन में मास्टर्स करने के दौरान, उन्होंने तेल रिसाव के खतरों के विषय पर एक शोध कार्य किया और एक मोल्दोवियन प्रकाशक, एलिवा प्रेस के साथ इसी शीर्षक से एक पुस्तक भी प्रकाशित की.

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हुए, उन्होंने UGC NET और IIT GATE भी पास किया. उनके शौक—पढ़ना, शोध, रचनात्मक और तकनीकी लेखन और शिक्षा स्वयं-सेवा हैं.

करंडे अक्षय गोकुलदास

(AIR 28; UPSC CAPF 2023)

आदित्य मोहन सिन्हा

(AIR 29; UPSC CAPF 2023)

आदित्य मोहन सिन्हा बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के रहने वाले हैं. वे VIT यूनिवर्सिटी, वेल्लोर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं.

अरित्रा चटर्जी

(AIR 64; UPSC CAPF 2023)

यह सफलता उन्हें अपने पहले ही प्रयास में मिली है.

शिवांगिनी राय

(AIR 69; UPSC CAPF 2023)

शिवांगी मऊ यूपी से हैं.

वत्सल उपाध्याय

(AIR 77; UPSC CAPF 2023)

वत्सल सिर्फ 21 वर्ष के हैं और उन्होंने पहली बार में ही यह परीक्षा पास कर ली है. वह उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद के रहने वाले हैं.

कुँवर विपुल सिंह

(AIR 118; UPSC CAPF 2023)

योगेश कुमार

(AIR 167; UPSC CAPF 2023)

योगेश रेवाड़ी, हरियाणा से हैं.

शरद चौहान

(AIR 202; UPSC CAPF 2023)

शरद उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के रहने वाले हैं.

सौरव प्रकाश नेगी

(AIR 214; UPSC CAPF 2023)

सौरव हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले से हैं. उन्होंने DU के CLC लॉ फैकल्टी से LLB किया है.

अभिषेक कौंडल

(AIR 231; UPSC CAPF 2023)

सुधांशु सिंह

(AIR 233; UPSC CAPF 2023)

सुधांशु आईआईटी दिल्ली से स्नातक हैं.

प्रेम सिंह मीना

(AIR 287; UPSC CAPF 2023)

प्रेम ने दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज से गणित ऑनर्स में स्नातक की पढ़ाई पूरी की. वह सवाई माधोपुर, राजस्थान से हैं.

सफल उम्मीदवारों की सलाह

मुझे पूरी उम्मीद है कि इन प्रतिभाशाली युवाओं की विविध पृष्ठभूमि के साथ, यह पहल आपको कुछ उपयोगी जानकारी देगी और शायद आप इनमें से किसी से जुड़ पाएंगे और यह भावना पैदा करेंगे कि आप भी आने वाली UPSC-CAPF परीक्षा में टॉपर हो सकते हैं.

जैसा कि **प्रगुण तिवारी** (AIR 3) कहते हैं, "मैं इस विश्वास से सहमत हूँ कि इस परीक्षा की तैयारी हमें हमारे भविष्य के प्रयासों में मदद करती है अगर कोई अंतिम सूची में चयनित नहीं होता है. इस परीक्षा की तैयारी हमें कड़ी मेहनत, रणनीति निर्माण, धैर्य और साहस जैसे गुणों से भर देती है. जीवन में सफल होने के लिए ये गुण बहुत जरूरी हैं."

गम्भीर मुद्दों पर बात करने से पहले, मैंने शिवांगिनी से पूछा, जो एकमात्र महिला प्रतिनिधि हैं, कि रक्षा सेवाओं में कॅरियर चुनने की प्रेरणा क्या है और महिलाएँ इस परीक्षा की ओर क्यों आकर्षित नहीं होती हैं?

उन्होंने कहा, रक्षा सेवाओं के लिए कम इच्छुक महिलाओं के पीछे कारण पर्याप्त रोल मॉडल की कमी, सेना के बारे में नकारात्मक धारणा, महिलाओं से जुड़ी रूढ़िवादिता, पितृसत्तात्मक मानसिकता आदि हैं.

हमारे पास रानी लक्ष्मी बाई, रुद्रमा देवी जैसी योद्धा महिलाओं के ऐतिहासिक उदाहरण हैं, मौजूदा मानदंडों को चुनौती देने का समय आ गया है और महिलाओं को राष्ट्र को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुरुष समकक्षों के साथ समान भागीदारी करके अपनी क्षमताओं को साबित करने की आवश्यकता है.

निश्चित रूप से, **शिवांगिनी** की शुरुआती टिप्पणी ग्लास सीलिंग को तोड़ देगी (महिलाओं द्वारा एक अदृश्य बाधा को तोड़ कार्यस्थल में सफलता प्राप्त करना) और कई महिला उम्मीदवारों को UPSC-CAPF को एक बड़े अवसर और एक पुरस्कृत कॅरियर के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करेगी.

आदित्य से एक और प्रेरक पहलू सामने आया, जिन्होंने कहा, "भविष्य के उम्मीदवारों के लिए संदेश सरल है; UPSC-CAPF के साथ चुने गए अधिकांश उम्मीदवारों को अतीत में किसी समय असफलता का सामना करना पड़ा होगा. अगर वे अपना भाग्य बदल सकते हैं, तो हर कोई कर सकता है."

अब, सबसे पहले बुनियादी बात पर आते हैं—

रक्षा सेवाओं में कॅरियर क्यों?

पुरस्कृत कॅरियर के बारे में बात करते हुए, **प्रगुण तिवारी** (AIR 3) ने कहा, "रक्षा सेवाओं में कॅरियर प्रतिष्ठित और संतुष्टिदायक है, क्योंकि यह राष्ट्र के लिए काम करने के सर्वोत्तम अवसरों में से एक प्रदान करता है. देशभक्ति से भरा एक अनुशासित जीवन इसे अन्य सरकारी नौकरियों से अलग बनाता है.

अंशुमान (AIR 9) के लिए यह कर्तव्य, अनुशासन की भावना और राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान करने के अवसर के कारण था, जो बेहद प्रेरणादायक हैं.

अंशुमान ने कहा, "नौकरी की गतिशील और चुनौतीपूर्ण प्रकृति, व्यक्तिगत विकास और विविध अनुभवों के वादे के साथ, मेरी साहसिक भावना को आकर्षित करती है. लोगों के जीवन में एक ठोस बदलाव लाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का मौका CAPF में शामिल होने के लिए मेरी प्रतिबद्धता को प्रेरित करता है.

रक्षा सेवाओं में कॅरियर राष्ट्र की सेवा और सुरक्षा का सम्मान प्रदान करता है, साहस, अनुशासन और बलिदान के मूल्यों को अपनाता है जो अंततः स्वयं से परे एक बड़े उद्देश्य में योगदान देता है."

करंडे अक्षय गोकुलदास (AIR 28) ने 3 प्राथमिक कारणों को सूचीबद्ध किया है जिन्होंने उन्हें कॅरियर विकल्प के रूप में रक्षा चुनने के लिए प्रेरित किया. **सबसे पहले,** देशभक्ति की आंतरिक भावना और राष्ट्र की सेवा करने की इच्छा. **दूसरा,** गर्व और सम्मान. रक्षा बलों में सेवा करने से गर्व और सम्मान की भावना आती है, यह जानकर कि आप राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान दे रहे हैं. तीसरा, नेतृत्व और जिम्मेदारी.

अक्षय ने कहा, "यह नेतृत्व कौशल विकसित करने और अपने कॅरियर की शुरुआत में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ लेने के अवसर प्रदान करता है."

आदित्य (AIR 29) ने अपने गहरे आकर्षण को दर्शाते हुए कहा, "अपने जीवन के बहुत शुरुआती चरण से ही मैं वर्दीधारी सेवाओं में शामिल होना चाहता था. मैं उनके अनुशासित जीवन, उनकी प्रतिष्ठा और उनके कर्तव्य की भावना से मोहित था. साथ ही, मेरे परिवार का वर्दीधारी बलों में सेवा करने का इतिहास रहा है. मेरे परदादा और मेरे दादा भी पुलिस सेवा में थे."

शिवांगिनी राय (AIR 69) के लिए, रक्षा में कॅरियर कई कारणों से अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद लगता है, जैसे कि यह साथी नागरिकों के बीच सुरक्षा और संरक्षा की भावना पैदा करके हमें गर्व और संतुष्टि की अनूठी भावना प्रदान करता है. इसके लिए रक्षा कर्मियों का समाज में भी बहुत सम्मान किया जाता है.

खुलकर बात करते हुए, शिवांगिनी ने कहा, "जो लोग नीरसता से दूर, एक साहसिक कार्य की तलाश करते हैं, उनके लिए रक्षा सेवाएँ कई तरह के चुनौतीपूर्ण और रोमांचकारी अनुभव प्रदान करती हैं."

आदर्श रूप से, किसी को इस परीक्षा की तैयारी कब शुरू करनी चाहिए?

सावधानी के साथ, **प्रगुण तिवारी** संतुलित दृष्टिकोण रखने के महत्व पर प्रकाश डालते हैं; एक ऐसी तैयारी जो आपकी स्नातक की पढ़ाई को प्रभावित न करे. प्रतियोगिता कठिन-से-कठिन होती जा रही है, जो उम्मीदवारों को उनके स्कूल और कॉलेज जीवन में ही तैयारी करने के लिए मजबूर करती है. लेकिन मेरे हिसाब से, कॉलेज की पढ़ाई को भी उचित तरीके से समय देना उतना ही महत्वपूर्ण है. क्योंकि यह हमें प्लान बी देता है और यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि साक्षात्कार में, उनके स्नातक विषयों के बारे में प्रश्न पूछे जाते हैं.

सुमित नारायण ने अपने विचारों को विस्तार से समझाया. उन्होंने कहा, "पिछले कुछ वर्षों में यूपीएससी परीक्षाओं और विशेष रूप से इस परीक्षा के लिए आवेदकों की संख्या में वृद्धि हुई है. मुझे नहीं लगता कि स्कूली शिक्षा के दौरान बच्चों को किसी भी तरह की नौकरी के लिए प्रेरित या प्रोत्साहित करना जरूरी है. उन्हें कॉलेज जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जो तकनीकी, सामाजिक या वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करने के अलावा उनके व्यक्तित्व विकास में भी मदद करता है. मेरी राय में, किसी को अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद और यदि संभव हो तो इंटर्नशिप करने या अपने क्षेत्र में कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद इस परीक्षा की तैयारी शुरू करनी चाहिए, ताकि वे अपनी स्नातक शिक्षा के माध्यम से प्राप्त ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग से परिचित हो सकें. नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा इसे बढ़ावा और प्रोत्साहित भी किया गया है.

वत्सल का मानना है कि 10वीं या 12वीं कक्षा के बाद तैयारी करने से उम्मीदवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा क्योंकि अच्छे परिणाम के लिए पूरे मन से एक वर्ष की तैयारी ही काफी है. स्नातक होने से पहले तैयारी करने वाले उम्मीदवार बहुत अधिक उम्मीदें रखते हैं और इससे उनके जीवन का आनंद बाधित होता है.

उन्होंने कहा, "मेरी सलाह होगी कि वे अपने स्नातक के अंतिम वर्षों के दौरान इस परीक्षा की तैयारी करें और उससे पहले उन्हें केवल अपनी वर्तमान पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए और जीवन का आनंद लेना चाहिए."

अंशुमान का मानना है कि यह सबसे अच्छा होगा यदि आप अपनी तैयारी स्नातक के दूसरे या अंतिम वर्ष में शुरू करें.

आदित्य तर्कसंगत दृष्टिकोण अपनाने की वकालत करते हैं; उन्होंने कहा, "वास्तव में, मैं इसका गवाह हूँ. इन परीक्षाओं को लेकर युवाओं में काफी उत्साह है और वे जल्द से जल्द प्रतियोगिता के लिए प्रासंगिक बनना चाहते हैं, लेकिन मेरा सुझाव है कि उन्हें पहले अपना आधार मजबूत करने और अपनी स्नातक धाराओं में अच्छा प्रदर्शन करने पर ध्यान देना चाहिए, पूरी तैयारी केवल स्नातक के अंतिम वर्ष के दौरान या उसके बाद ही शुरू करनी चाहिए, उससे पहले उन्हें केवल आकस्मिक पढ़ने और रुचि पैदा करने के लिए यूपीएससी विषयों को पढ़ना चाहिए."

आदर्श रूप से, कम-से-कम एक वर्ष पहले तैयारी शुरू करनी चाहिए, **अक्षय** ने कहा महत्वपूर्ण बात यह है कि लगातार प्रयास करना है. हमें अंतिम समय में रटने के बजाय लगातार और केंद्रित अध्ययन पर जोर देना चाहिए.

शिवांगिनी ने कहा, "चूँकि सीएपीएफ-एसी परीक्षा के लिए आयु सीमा 20 से 25 वर्ष है और उम्मीदवार के पास स्नातक की डिग्री होनी चाहिए, इसलिए कोई भी स्नातक के बाद या उसके दौरान शुरू कर सकता है ताकि वह जल्द से जल्द परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त कर सके."

अगला, हम एक महत्वपूर्ण पहलू पर चलते हैं जो आपकी यात्रा का मार्ग तय करता है;

परीक्षा के बारे में जानकारी का स्रोत, यह तैयारी कैसे करें?

प्रगुण को इस परीक्षा के बारे में जानकारी और मार्गदर्शन एक मित्र से मिला जो डिफेंस की तैयारी कर रहा था और उसे इस परीक्षा के विभिन्न चरणों के बारे में बताया.

एक योजनाबद्ध दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए **आदित्य** ने कहा, "बेशक, एक सटीक रणनीति निर्धारित करना और उसका ईमानदारी से पालन करना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बिना, आप अपने आस-पास के विभिन्न उम्मीदवारों की कई अलग-अलग राय में भटक सकते हैं. परीक्षा पास करने के लिए हर किसी को अपनी रणनीति बनानी चाहिए, जो उनके लिए सबसे उपयुक्त हो क्योंकि हर उम्मीदवार की ताकत और कमजोरियाँ अलग होती हैं."

"मेरी रणनीति सरल थी, अपनी तैयारी के शुरुआती वर्षों के दौरान, मैंने एक मजबूत पुस्तक सूची बनाने की कोशिश की, जिसका मैं पालन कर सकूँ और जिसे मैं कई बार दोहरा सकूँ, इससे मुझे परीक्षाओं में सटीक होने में मदद मिली क्योंकि मैंने बहुत सारी किताबें नहीं पढ़ी थीं, लेकिन मैंने जो किताबें पढ़ीं, वे मेरे सुझावों पर आधारित थीं. स्टैटिक भाग के कई बार संशोधन मेरी तैयारी का आधार थे."

वत्सल ने कहा, मैंने अपनी इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष के दौरान यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी थी. यही वह समय था जब मुझे एहसास हुआ कि मेरा स्वाभाविक झुकाव सरकारी नौकरी की ओर है और मैं इसी तरह देश की सेवा करना चाहता हूँ.

मैं यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहा था और कुछ समय बाद मुझे यूपीएससी द्वारा ग्रुप ए केंद्रीय सेवाओं के लिए आयोजित इस विशेष परीक्षा के बारे में पता चला जिसका पाठ्यक्रम और परीक्षा संरचना कुछ हद तक सिविल सेवा परीक्षा के समान है.

सुमित नारायण ने सीधे तौर पर कहा, "परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया के बारे में सटीक जानकारी के लिए सीएपीएफ और यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइटों से शुरुआत करें."

शिवांगिनी ने कहा कि गूगल पर भी कई वेबसाइट हैं जो इस बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करती हैं.

अक्षय ने 2018 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक पूरा करने के बाद अपनी तैयारी शुरू की. वह 22 वर्ष का था जब उसने परीक्षा के बारे में प्रासंगिक जानकारी एकत्र करने के बाद अपनी गम्भीर तैयारी शुरू की.

जल्दी से हम अपने अगले प्रश्न की ओर बढ़ते हैं;

इससे पहले बीच में रोक मैं थोड़ी बात करना चाहूँगा **राकेश निखज,** डिप्टी कमांडेंट, CISF के बारे में, जो एक मार्गदर्शक रहे हैं और अपनी कई पहलों में से एक UPSC-CAPF उम्मीदवारों की मदद करने का निःस्वार्थ काम कर रहे हैं और उन्होंने UPSC-CAPF उम्मीदवारों के लिए निःशुल्क साक्षात्कार सत्र का आयोजन किया.

हमारे समाज को उनके जैसे लोगों की जरूरत है जो शिक्षित और महत्वाकांक्षी युवाओं की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं जो समर्थन और दिशा की तलाश करते हैं.

क्या पढ़ें? कैसे तैयारी करें?

अंशुमान ने NCERT से शुरुआत करने और फिर एम. लक्ष्मीकांत (राजनीति), स्पेक्ट्रम (इतिहास), रमेश सिंह (अर्थव्यवस्था) जैसी मानक पुस्तकों के साथ इसे पूरक बनाने का सुझाव दिया. NCERT को रेखांकित करें और फिर प्रश्न अभ्यास के साथ कई बार दोहराएं.

अक्षय सुझाव देते हैं—पाठ्यक्रम और पिछले प्रश्न-पत्र—आधिकारिक पाठ्यक्रम से शुरू करें और पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्रों को हल करें.

सामान्य ज्ञान और समसामयिक मामले—द हिन्दू, इंडियन एक्सप्रेस जैसे समाचार पत्र और योजना, कुरुक्षेत्र जैसी पत्रिकाएँ नियमित रूप से पढ़ें.

सुमित नारायण द्वारा सुझाई गई पुस्तकें और अध्ययन मार्गदर्शिकाएँ—

(i) इतिहास—6-12वीं नई एनसीईआरटी,

(ii) भूगोल—6-12वीं नई एनसीईआरटी,

(iii) अर्थशास्त्र—9-12वीं नई एनसीईआरटी,

(iv) राजनीति—11वीं-12वीं नई एनसीईआरटी,

(v) विज्ञान—6-10वीं नई एनसीईआरटी,

(vi) पर्यावरण—कोई एक करेंट अफेयर्स पत्रिका.

संसाधन के बारे में व्यापक दृष्टिकोण के बाद, अगला बड़ा प्रश्नः

तैयारी कैसे करें?

वत्सल का मानना है कि किसी भी परीक्षा को पास करने में रणनीति काफी महत्वपूर्ण होती है.

उन्होंने कहा, "मैंने पढ़ाई और रिवीजन की चक्रीय रणनीति का पालन किया. मैंने रिवीजन के लिए मॉक-टेस्ट का भी इस्तेमाल किया. मुझे थकान और हतोत्साह जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा क्योंकि परीक्षा प्रक्रिया को पूरा होने में ही 1 वर्ष लग जाता है और उससे पहले भी मैं पिछले 2 वर्षों से तैयारी कर रहा था, लेकिन मैं अपनी इच्छा शक्ति का इस्तेमाल करके इन चुनौतियों से पार पाने में कामयाब रहा.

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस चरण के दौरान परिवार और दोस्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए प्रेरित रहने के लिए अपने परिवार और अपने कुछ सच्चे/अच्छे दोस्तों से जुड़े रहना महत्वपूर्ण है.

इसका उत्तर देते हुए, **आदित्य** का मानना है कि हमें परीक्षक के उद्देश्य और इरादे को समझने की आवश्यकता है और इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि हमें कैसे तैयारी करनी चाहिए. उन्होंने कहा, "UPSC ऐसे उम्मीदवारों की तलाश करता है जो कड़ी मेहनत करने वाले, लगातार बने रहने वाले, अच्छी समस्या-समाधान क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल, दिमाग की उपस्थिति, आगे की ओर देखने वाले दृष्टिकोण और मूल्य प्रणाली के उच्च मानकों वाले हों. ये गुण हर व्यक्ति में समाहित होते हैं; उन्हें बस इसे अपने भीतर से उजागर करने की आवश्यकता है."

शिवांगिनी ने कहा, "कोई भी व्यक्ति पाठ्यक्रम और पिछले वर्ष के प्रश्नों का विश्लेषण करके शुरुआत कर सकता है. फिर,

इतिहास, भूगोल, अर्थव्यवस्था, विज्ञान की NCERT की किताबें पढ़ें और कुछ मानक पुस्तकों का सन्दर्भ लें, जैसे—राजनीति के लिए एम. लक्ष्मीकांत, आधुनिक इतिहास के लिए स्पेक्ट्रम.

प्रश्न-पत्र II के लिए, उन्होंने कहा कि निबंध, तर्क, रिपोर्ट, सटीक आदि लिखने का अभ्यास वास्तविक परीक्षा के लिए लेखन कौशल और गति विकसित करने में मदद करता है. कोई व्यक्ति पिछले पेपर से व्याकरण भाग के रुझान का विश्लेषण कर सकता है और फिर आवश्यकतानुसार मुफ्त YouTube वीडियो देख सकता है.

उन्होंने कहा, "PYQ और MOCK का अभ्यास करने से कमजोर क्षेत्रों का पता लगाने में मदद मिलती है, और इस प्रकार उन पर काम करके सुधार करना महत्वपूर्ण है."

अपनी तैयारी के दौरान, वत्सल ने समसामयिक मामलों पर विशेष जोर दिया क्योंकि समकालीन मुद्दे हमें निबंध, तर्क के साथ-साथ रिपोर्ट लेखन में भी मदद करते हैं.

उन्होंने कहा, "मैंने अपनी तैयारी को एक निश्चित दिशा में रखने के लिए सीमित संसाधनों का उपयोग किया. इसके अलावा मैं वास्तविक परीक्षा से कुछ दिन पहले मासिक और वार्षिक पत्रिकाओं के समसामयिक मामलों के संकलन को भी देखता था. इसने पेपर I और II दोनों में मेरे अंक बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

कुंवर विपुल सिंह भी बुनियादी पुस्तकों (जैसे NCERTs) और कुछ मानक पुस्तकों जैसे लक्ष्मीकांत (राजनीति) और स्पेक्ट्रम (आधुनिक इतिहास) के लिए जाने का सुझाव देते हैं.

सौरव ने कहा, "करंट अफेयर्स के लिए इनमें से कोई भी समाचार-पत्र पढ़ना चाहिए, जैसे कि इंडियन एक्सप्रेस या द हिन्दू, और इसके पूरक के रूप में कोई मासिक पत्रिका भी पढ़ सकते हैं." साथ ही CAPF के लिए रक्षा करंट अफेयर्स पर भी ध्यान देना चाहिए. निबंध के लिए कोई विशेष पुस्तक नहीं है, अखबार के स्पष्ट हिस्से को नियमित रूप से पढ़ना चाहिए और PYQ और वर्तमान विषयों का विश्लेषण करके महत्वपूर्ण विषयों पर नोट्स तैयार करना चाहिए."

सुधांशु ने एक योजनाबद्ध रणनीति का सुझाव दिया; उन्होंने कहा, "मैं तैयारी की यात्रा को 2 खंडों में विभाजित करूँगा—**पहला,** हमारे आस-पास के प्रमुख मुद्दों के बारे में एक बुनियादी विचार प्राप्त करने के लिए समाचार पत्र पढ़ना. यह कॉलेज के पहले वर्ष से ही शुरू किया जा सकता है क्योंकि हमें अपने व्यक्तित्व को आकार देने के लिए कॉलेज जीवन का आनंद लेना चाहिए. **दूसरा,** स्नातक होने के बाद पूरी तरह से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए. और एक वर्ष की तैयारी के साथ एक समर्पित प्रयास किया जाना चाहिए.

शरद की राय में, निबंध में पेपर II का 40% हिस्सा होता है, इसलिए उचित और समर्पित अभ्यास की आवश्यकता होती है. निबंध की तैयारी के लिए, शुरुआत में, व्यक्ति को सप्ताह में 3-4 सामान्य अध्ययन लेख अखबार या किसी मानक पुस्तक से पढ़ने चाहिए और फिर अभिव्यक्ति की सुंदरता या शब्द सीमा या समय सीमा की परवाह किए बिना उन्हें अपने शब्दों में लिखने का प्रयास करना चाहिए. यह प्रारम्भिक कदम निबंध लिखते समय आत्मविश्वास निर्माण में मदद करता है. उसके बाद धीरे-धीरे उचित प्रारूप, शब्द सीमा, समय सीमा, अद्यतन डेटा, उद्धरण के साथ-साथ अच्छी लिखावट पर टिके रहने का प्रयास करें.

उन्होंने कहा, "मैं आपको गारंटी देता हूँ कि यह तरीका न केवल प्रश्न-पत्र II में अच्छे अंक लाने में मदद करेगा, बल्कि जीवन भर आत्मविश्वास में भी सुधार करेगा."

प्रेम सिंह मीना 2021 से तैयारी कर रहे हैं. यह उनका दूसरा प्रयास था जिसने उन्हें यह सफलता दिलाई. अपने पहले प्रयास में, वे प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सके. फिर, दूसरे प्रयास में उन्होंने अपनी रणनीति बदली और पिछले वर्ष के प्रश्नों पर ध्यान केंद्रित किया और पाठ्यक्रम को कई बार संशोधित किया. पेपर II के लिए, उन्होंने पिछले वर्षों में पूछे गए विषयों के आधार पर 100 से अधिक निबंध लिखे और जो उनके पक्ष में काम आए.

चर्चा के बीच, कार्यरत उम्मीदवारों के लिए एक रणनीति के बारे में एक बिन्दु उभरा.

इस बारे में **सुमित नारायण** ने कहा, "इस परीक्षा की तैयारी कर रहे कई उम्मीदवार साथ-साथ काम भी कर रहे हैं. हाँ, यह मुश्किल है. लेकिन सही दिशा और मार्गदर्शन से ऐसे उम्मीदवार इसे अपने लिए आसान बना सकते हैं. वे इस बात पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं कि उन्हें इस परीक्षा को पास करने के लिए वास्तव में क्या पढ़ना है. कुछ कम्पनियों में शनिवार और रविवार को छुट्टी होती है, सप्ताहांत में पढ़ाई की जा सकती है और जैसे-जैसे परीक्षा की तारीख नजदीक आती है, छुट्टी का विकल्प चुना जा सकता है.

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए **विपुल** ने कहा, "कार्यरत उम्मीदवारों के लिए, समय प्रबंधन एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है, जिसमें एक अच्छी तरह से संरचित अध्ययन योजना शामिल है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं—

1. परीक्षा का पाठ्यक्रम और इसके छोटे विवरण.
2. बुनियादी किताबें (जैसे NCERT) और कुछ मानक पुस्तकें.
3. त्वरित संशोधन के लिए संक्षिप्त नोट्स बनाना.
4. PYQ का विश्लेषण.
5. प्रश्न-पत्र II के लिए समाचार पत्र और पेपर I के लिए कोई भी मानक करंट अफेयर्स पत्रिका पढ़ना.
6. इस पेपर में गुणवत्तापूर्ण उत्तर और समय प्रबंधन के लिए पेपर II के लिए विशेष रूप से अभ्यास करना सबसे महत्वपूर्ण है.
7. अनुशासित अध्ययन के लिए किसी भी अच्छी ऑनलाइन कोचिंग (यदि आवश्यक हो) में शामिल हों.
8. शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें.

यदि कोई कार्यरत उम्मीदवार निरन्तरता और अनुशासित तरीके से उपरोक्त बिन्दुओं का पालन करता है, तो वह निश्चित रूप से इस परीक्षा को अच्छे अंकों से पास करेगा.

आदित्य ने कहा, "मेरे कई दोस्त नौकरी के साथ-साथ तैयारी कर रहे हैं, उन्हें नौकरी की सुरक्षा तो है, लेकिन समय की असुरक्षा. लेकिन अगर वे लगातार अपने दिन के 4 से 5 घंटे तैयारी में लगाएं, तो वे 2 से 3 वर्ष में परीक्षा पास कर सकते हैं."

उनके मन की बात और जिस तरह से उनमें से हर एक ने अपनी राय साझा की, उसे देखते हुए मेरा अगला सवाल प्लान-बी के बारे में था—

क्या आप किसी और परीक्षा की भी तैयारी कर रहे थे?

अंशुमान CAPF और BPSC के उम्मीदवार थे. आप दूसरी सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए भी जा सकते हैं, क्योंकि उनका सिलेबस 80-90% एक जैसा होता है.

शिवांगिनी यूपीएससी-सिविल सेवा परीक्षा और सीएपीएफ-एसी परीक्षा की तैयारी एक साथ कर रही थीं.

अक्षय सिविल सेवा परीक्षा, संयुक्त रक्षा परीक्षा आदि जैसी अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था, जिनका पाठ्यक्रम ओवरलैपिंग है.

कुछ सामान्य लक्ष्यों के साथ, मैंने तैयारी-योजना के बारे में उनके दिमाग को पढ़ने का प्रयास किया;

क्या यह प्रयास स्वयं-सहायता (स्व-अध्ययन) के साथ था या आपने तैयारी के लिए कुछ मार्गदर्शन लिया?

Catalogue

PRATIYOGITA DARPAN

Group of Publications

Read Every Month

Crafted with indepth study material by professional experts.

M/s. PRATIYOGITA DARPAN
1, State Bank Colony, Khandari,
Agra-Mathura Bypass Road, Agra-282 005
Ph. : (0562) 2530966, 2531101
E-mail : care@pdgroup.in

Branch Offices :
8-310/1, A.K. House, Heeranagar, Haldwani,
Distt. Nainital-263139 (Uttarakhand)
Mob. : 07060421008

Purchase books and subscription online at www.pratiyogitadarpan.org

Available on : pdgroup.in amazon Flipkart

Pratiyogita Darpan Special Extra Issues

Mission UPSC

Crack It !

Code 800 ₹ 325.00

Code 790 ₹ 370.00

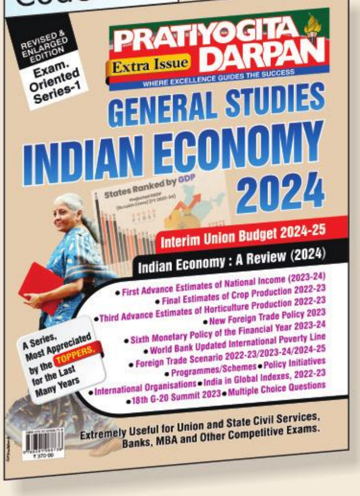

Code 807 ₹ 145.00

Extremely Useful for Union & State Civil Services and Other Competitive Exams.

Code 862 ₹ 300.00

Code 791 ₹ 335.00

Code 815 ₹ 120.00

Pratiyogita Darpan Special Extra Issues

Code 878 ₹ 145.00

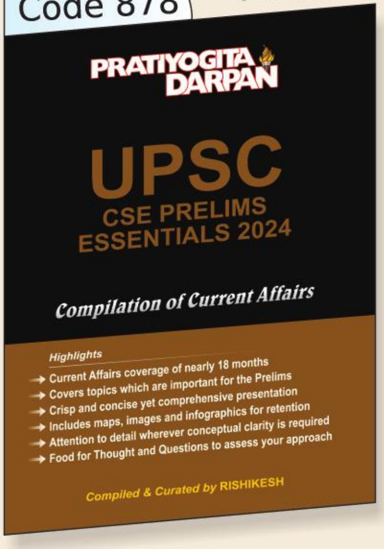

Code 865 ₹ 380.00

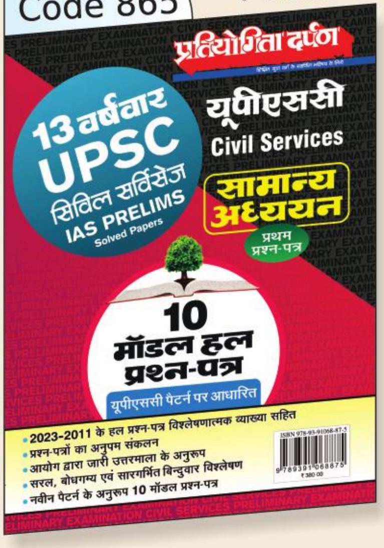

Code 867 ₹ 335.00

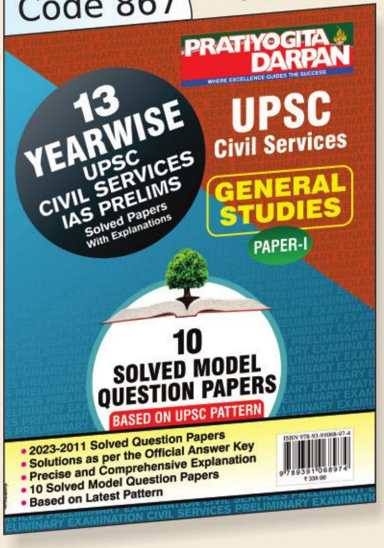

Code 798 ₹ 165.00

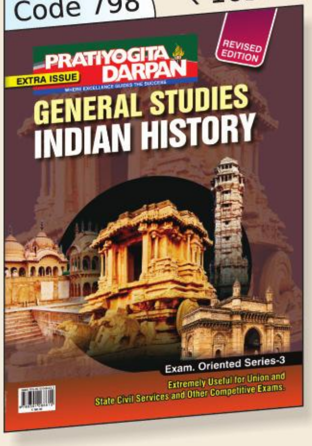

Code 795 ₹ 170.00

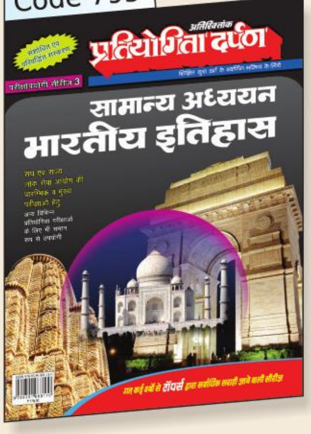

Code 793 ₹ 355.00

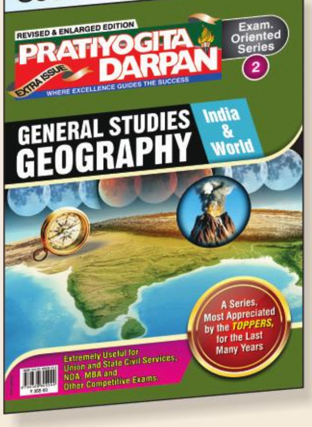

Code 792 ₹ 265.00

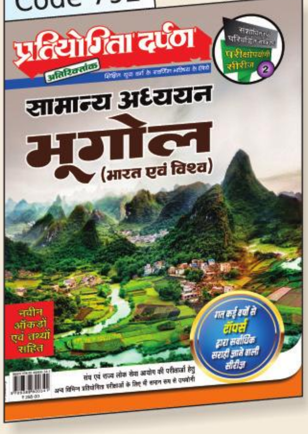

Code 797 ₹ 245.00

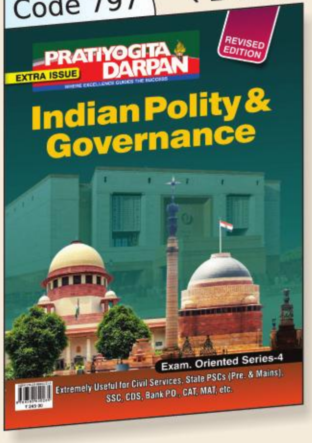

Code 794 ₹ 245.00

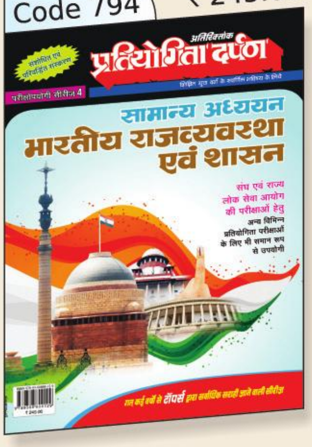

Code 812 ₹ 135.00

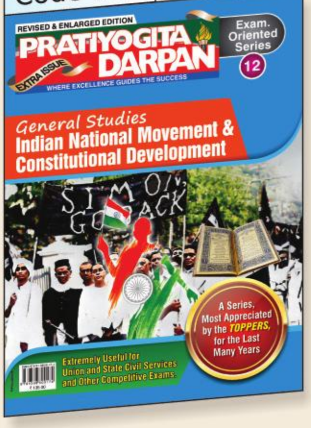

Code 823 ₹ 130.00

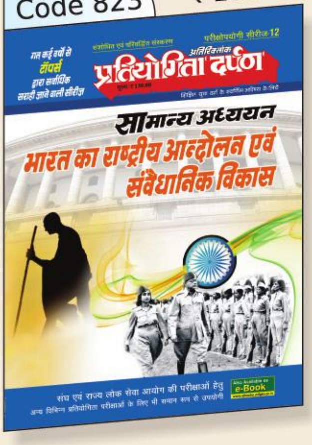

Pratiyogita Darpan Special Extra Issues

Code 846 ₹ 215.00

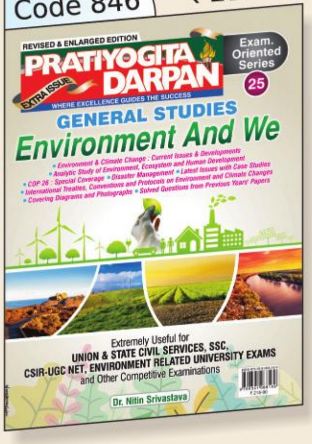

Code 796 ₹ 165.00

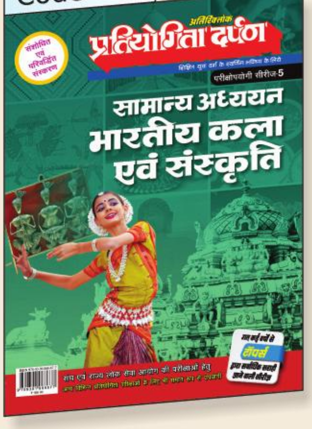

Code 828 ₹ 245.00

Code 836 ₹ 180.00

Code 826 ₹ 299.00

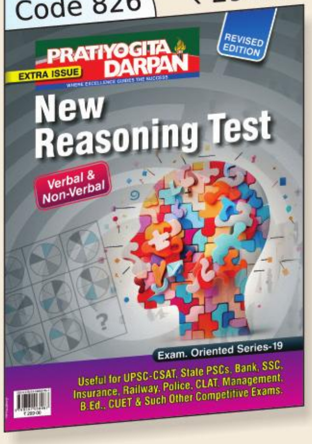

Code 825 ₹ 165.00

Code 843 ₹ 200.00

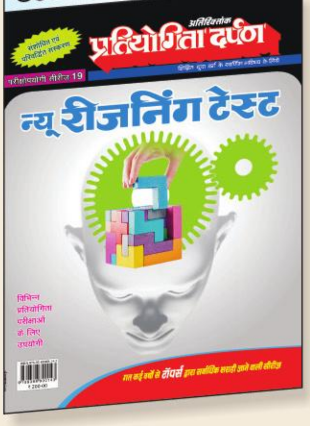

Code 820 ₹ 295.00

Code 861 ₹ 355.00

Code 860 ₹ 135.00

Code 822 ₹ 130.00

Code 847 ₹ 245.00

Pratiyogita Darpan Special Extra Issues

Code 848 ₹ 220.00

Code 849 ₹ 270.00

Code 831 ₹ 125.00

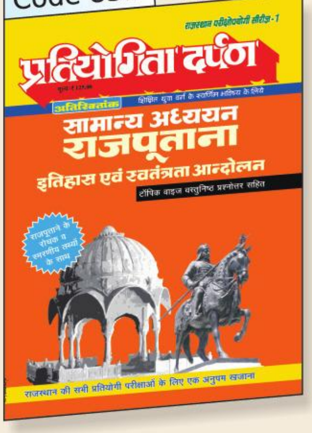

Code 832 ₹ 160.00

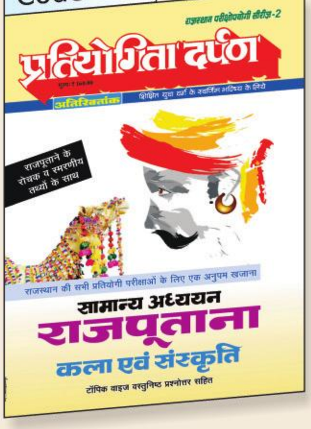

Code 833 ₹ 220.00

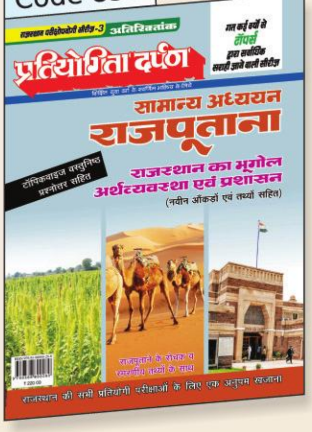

Code 841 ₹ 255.00

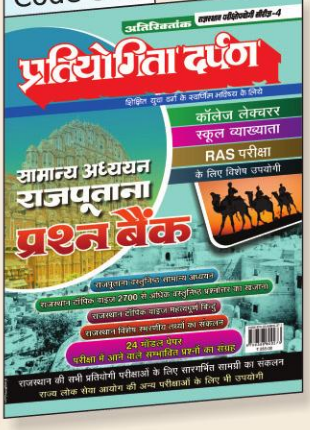

Code 850 ₹ 180.00

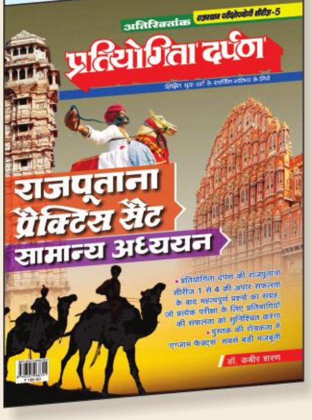

Code 851 ₹ 320.00

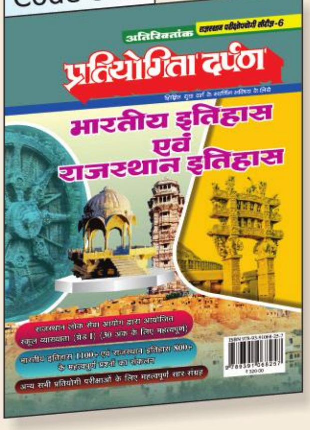

For Purchase Online log on to

www.pdgroup.in

PRATIYOGITA DARPAN

Civil Services Mains

Code 886 ₹ 335.00

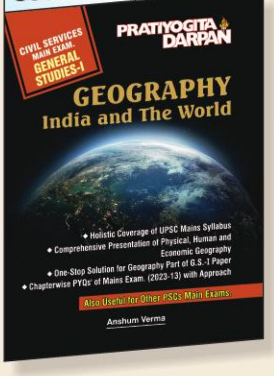

Code 856 ₹ 335.00

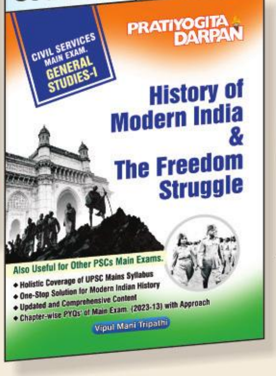

Code 868 ₹ 135.00

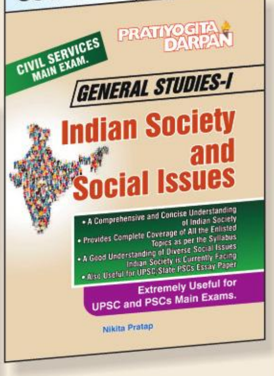

Code 872 ₹ 580.00

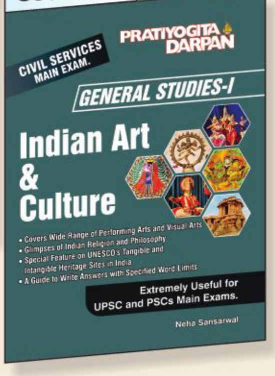

Code 874 ₹ 170.00

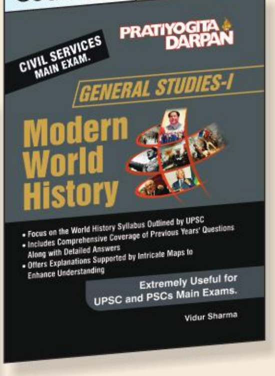

Code 857 ₹ 160.00

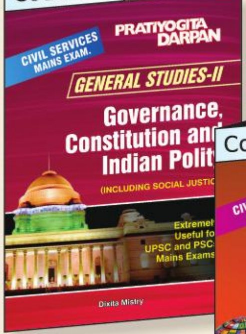

Code 875 ₹ 235.00

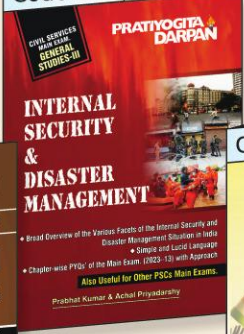

Code 855 ₹ 150.00

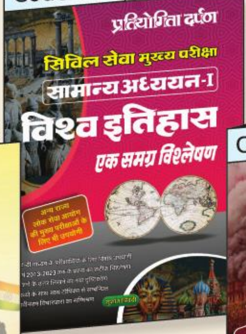

Code 864 ₹ 155.00

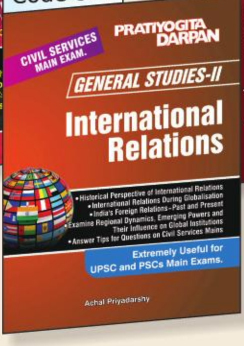

Code 873 ₹ 120.00

Code 859 ₹ 160.00

Code 869 ₹ 445.00

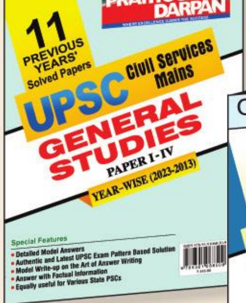

Code 853 ₹ 120.00

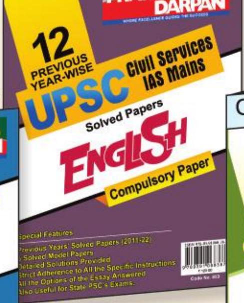

Code 852 ₹ 185.00

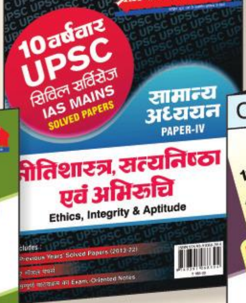

Code 858 ₹ 195.00

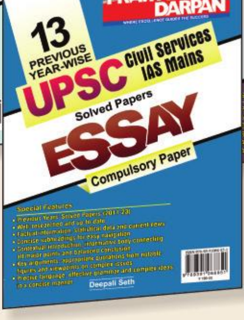

Code 871 ₹ 95.00

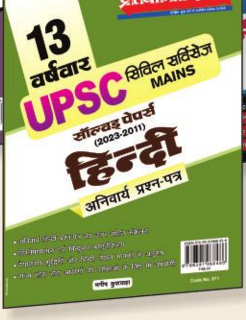

Code 877 ₹ 475.00

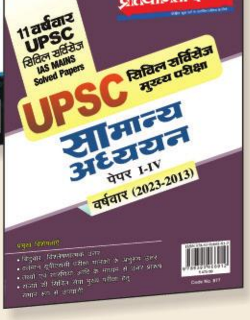

Civil Services Mains Optionals

Code 804 ₹ 175.00

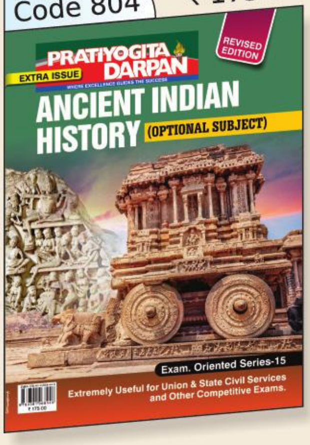

Code 837 ₹ 175.00

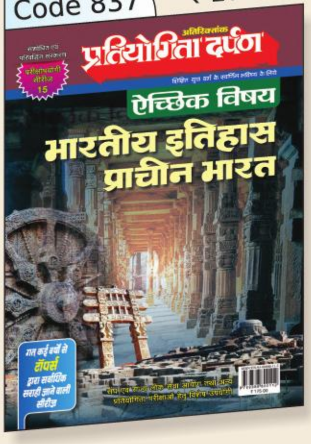

Code 806 ₹ 185.00

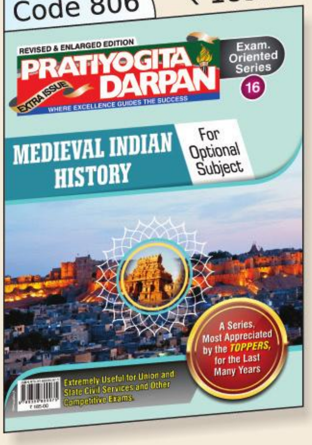

Code 838 ₹ 199.00

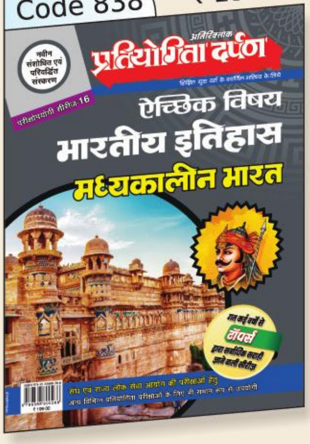

Code 802 ₹ 180.00

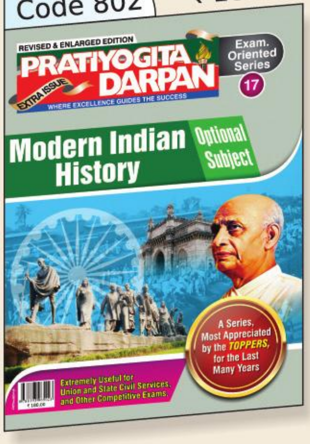

Code 839 ₹ 255.00

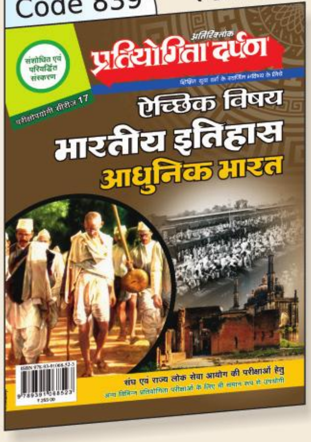

Code 821 ₹ 250.00

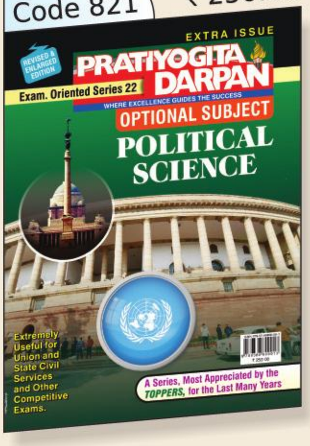

Code 866 ₹ 220.00

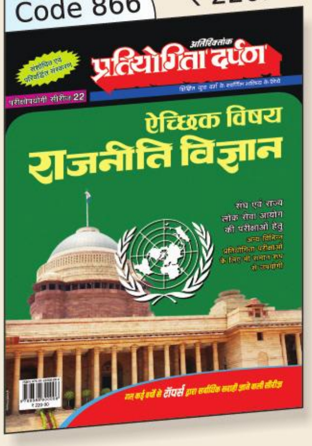

Code 824 ₹ 235.00

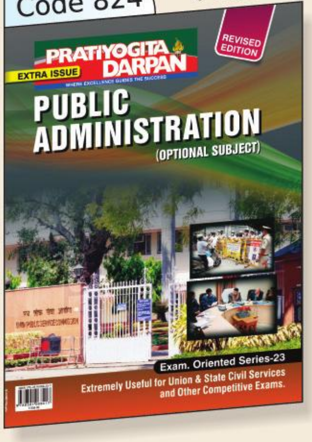

Code 813 ₹ 270.00

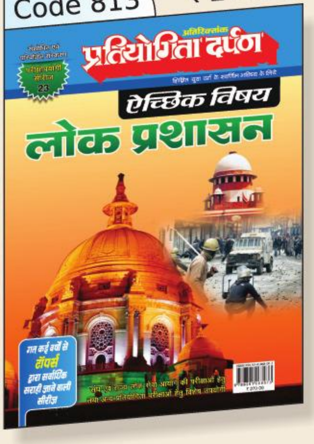

Code 805 ₹ 350.00

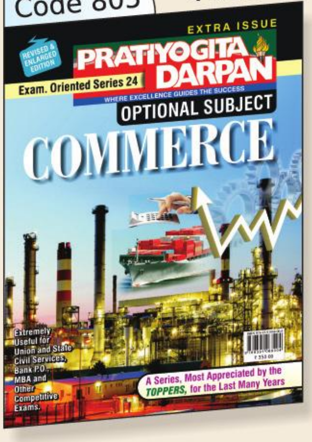

Code 816 ₹ 335.00

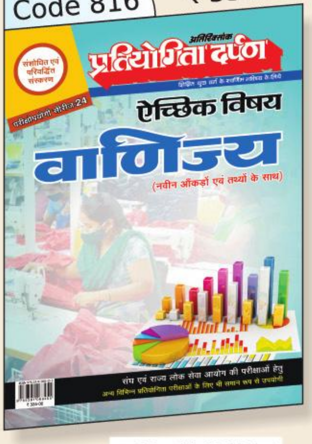

New Arrival

Scan to complete your order

upgrade your preparation

Privilege Subscription Offer!

प्रतियोगिता दर्पण		PRATIYOGITA DARPAN		सामान्य ज्ञान दर्पण		सक्सेस मिरर	
ONE YEAR		**ONE YEAR**		**ONE YEAR**		**ONE YEAR**	
Ordinary Post	₹ 1130/-	Ordinary Post	₹ 1125/-	Ordinary Post	₹ 405/-	Ordinary Post	₹ 225/-
Registered Post	₹ 1350/-	Registered Post	₹ 1345/-	Registered Post	₹ 620/-	Registered Post	₹ 440/-
TWO YEAR		**TWO YEAR**		**TWO YEAR**		**TWO YEAR**	
Ordinary Post	₹ 2105/-	Ordinary Post	₹ 2100/-	Ordinary Post	₹ 755/-	Ordinary Post	₹ 420/-
Registered Post	₹ 2545/-	Registered Post	₹ 2540/-	Registered Post	₹ 1185/-	Registered Post	₹ 850/-
₹ 125/-		**₹ 125/-**		**₹ 45/-**		**₹ 25/-**	

Scan the QR Code with QR Reader **to read the content of the magazine.** Download QR Reader FREE from App Store.

ORDER FORM

To subscribe online : www.pdgroup.in

Yes! Send Pratiyogita Darpan (English) ☐ Pratiyogita Darpan (Hindi) ☐ Samanya Gyan Darpan ☐ Success Mirror (Hindi) ☐

☐ 2 years (24 Issues) for ₹............................

☐ 1 Year (12 Issues) for ₹ ....

My subscription starts with............................issue.

Name (Mr./Mrs./Miss) ....

Address (Home/Office) ....

....

Phones (Home/Office) .... Mobile ....

E-mail ....

☐ Enclosed M.O./D.D./Cheque No.............................

Note:
- You can also pay through Credit Card or Net Banking* facility on our website.
- Cheque & D.D. should be payable at Agra only in favour of PRATIYOGITA DARPAN.
- Please allow 2-4 weeks for commencement of your subscription.

*Please check your bank for this facility.

PRATIYOGITA DARPAN | 1, State Bank Colony, Khandari, Agra-Mathura Bypass Road, Agra-282 005 | Ph. : (0562) 2530966, 2531101 • **Haldwani** M. 07060421008 | • E-mail : sales@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

प्रगुण ने परीक्षा की तैयारी खुद की. उन्होंने कोई कोचिंग नहीं ली. **प्रगुण** ने कहा, "मैंने पाठ्यक्रम का विश्लेषण किया और इसमें शामिल विभिन्न विषयों के लिए रणनीति बनाई. फिर, मैंने YouTube, Chat-GPT जैसे प्लेटफार्मों से बहुत मदद ली.

मैं अपने अनुभव से कह सकता हूँ कि कोचिंग किसी भी परीक्षा के लिए जरूरी नहीं है, बल्कि यह एक व्यक्तिगत पसंद है, **वत्सल** ने कहा. यदि कोई समय प्रबंधन और रणनीति से सम्बन्धित मुद्दों का सामना कर रहा है, तो वह एक कोचिंग संस्थान में शामिल हो सकता है. मैं खुद ऐसे किसी संस्थान में शामिल नहीं हुआ था, मेरे लिए स्व-अध्ययन पर्याप्त था.

नोट्स बनाना और समाचार पत्र पढ़ना महत्वपूर्ण है क्योंकि नोट्स बनाने से आप कुशलतापूर्वक ज्ञान को बनाए रख सकते हैं और संशोधित कर सकते हैं और समाचार पत्र के साथ-साथ प्रतियोगिता दर्पण जैसी करंट अफेयर्स पत्रिकाएँ आपको वर्तमान विषयों से अपडेट रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं जो पेपर के साथ-साथ साक्षात्कार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.

पूरा सिलेबस या उसका कुछ हिस्सा पूरा करने के बाद रिवीजन के लिए टेस्ट सीरीज का इस्तेमाल करना चाहिए. टेस्ट सीरीज में कम अंक अधिक अध्ययन करने के लिए प्रेरणा का स्रोत होने चाहिए, न कि हतोत्साहन का. इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कितना समय पढ़ते हैं, केवल एक चीज मायने रखती है कि आपका ज्ञान समृद्ध होना चाहिए. कई लोग दिन में 12 घंटे पढ़ते हैं और परीक्षा पास नहीं कर पाते हैं और कई लोग दिन में 5-6 घंटे पढ़ते हैं और अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होते हैं, इसलिए अध्ययन की गुणवत्ता मात्रा से अधिक महत्वपूर्ण है.

अंशुमान ने यूट्यूब की मदद से खुद से तैयारी की. पिछले वर्ष के प्रश्नों ने इस यात्रा में प्रकाश की किरण की तरह काम किया.

शिवांगिनी के लिए सभी विषयों को शामिल करते हुए एक यथार्थवादी अध्ययन कार्यक्रम बनाना और उस पर टिके रहना रणनीति थी. स्व-अध्ययन और कोचिंगः अपनी सुविधा के अनुसार, यदि आवश्यक हो तो स्व-अध्ययन और कोचिंग के बीच संतुलन बनाएं. नियमित संशोधनः जानकारी को बनाए रखने के लिए आपने जो पढ़ा है उसे नियमित रूप से संशोधित करें. मॉक टेस्ट और अभ्यासः अपनी तैयारी का आकलन करने और समय प्रबंधन में सुधार करने के लिए नियमित मॉक टेस्ट लें.

अक्षय ने अनुशासित स्व-अध्ययन दृष्टिकोण, पुस्तकों और ऑनलाइन सामग्री जैसे संसाधनों के उपयोग पर जोर दिया. उन्होंने कहा, "मुझे आपको एक आवश्यक पुस्तक बतानी चाहिए जिसे हर डिफेंस उम्मीदवार को पढ़ना चाहिए; पुस्तक का नाम है 'अवेकन योरसेल्फ विदइन यू'."

आदित्य ने कहा, "कोचिंग ज्वाइन करना जरूरी नहीं है, लेकिन उम्मीदवार को तैयारी की रूपरेखा प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन उपलब्ध विभिन्न कोचिंग की सामग्री को पढ़ने की आवश्यकता हो सकती है. नोट्स बनाना हमेशा काम आता है क्योंकि इससे आपको आसानी से रिवीजन करने में मदद मिलती है. उम्मीदवारों के लिए नियमित आधार पर समाचार पत्र पढ़ना जरूरी है.

लिखित भाग के लिए वत्सल ने स्व-अध्ययन का विकल्प चुना और एक टेस्ट सीरीज में शामिल हुआ और मेरे लिए यही काफी था और साक्षात्कार भाग के लिए मैंने कुछ मॉक इंटरव्यू दिए.

योगेश ने मार्गदर्शन भाग पर एक संतुलित दृष्टिकोण के बारे में विस्तार से बात की और कहा, "इस परीक्षा की गतिशील प्रकृति को देखते हुए, यह आमतौर पर माना जाता है कि कोचिंग बहुत आवश्यक हिस्सा है. लेकिन कोचिंग आपको सफलता की गारंटी नहीं देती है. यह सुविधा प्रदान कर सकती है लेकिन बहुत अधिक निर्भरता गणनात्मक त्रुटि होगी. इसलिए, इस तैयारी शृंखला में महत्वपूर्ण बात सही मार्गदर्शन और आंतरिक दृढ़ विश्वास है.

कोचिंग की प्रभावशीलता के बारे में संदेह करने के बजाय, अध्ययन करते समय आकांक्षी को अपने लक्ष्यों और आकांक्षाओं के प्रति सच्चा होना चाहिए. इस प्रकार, प्राथमिकता छोटे लक्ष्य बनाना और यात्रा को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ उन्हें पूरा करना होना चाहिए. इसलिए, कोचिंग में शामिल होना या न होना एक व्यक्तिपरक बात है लेकिन दृढ़ता के साथ अध्ययन करना पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ होना चाहिए.

विविध दृष्टिकोणों के साथ, हम अंतिम चरण, साक्षात्कार (व्यक्तित्व परीक्षण) पर पहुँचे, वह चरण जो बहुत मायने रखता है.

आपने साक्षात्कार के लिए कैसे तैयारी की?

अरित्रा ने व्यक्तित्व परीक्षण को जीवन की तरह माना. साक्षात्कार एक आत्म-चिंतनशील प्रक्रिया है, जिसमें हम ईमानदारी से बोर्ड के सामने खुद को अभिव्यक्त करते हैं और इसके परिणामस्वरूप, बोर्ड सेवाओं के अनुसार हमारी उपयुक्तता के मापदंडों का आकलन करता है.

इसके लिए, 'आत्मविश्वास', 'अभिव्यक्ति की शक्ति' और 'विचार की स्पष्टता' सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

इस प्रक्रिया में, अपने सिद्धांतों और मूल्यों के सम्बन्ध में खुद की गहन समझ और DAF की बारीकियों की स्पष्ट समझ सुनिश्चित करेगी कि हम इस प्रक्रिया में सफल हों. साथ ही, सेना में शामिल होने और मातृभूमि की सेवा करने का जोश और उत्साह अपने साथ रखना न भूलें.

शिवांगिनी को साक्षात्कार की तैयारी के दौरान महान् वरिष्ठों से जुड़ने का अवसर मिला, जिन्होंने उम्मीदवारों को निरन्तर मार्गदर्शन दिया, उनमें से एक CISF DC राकेश निखज सर हैं. इसके साथ ही दोस्तों और कोचिंग संस्थानों के साथ मॉक प्रैक्टिस ने भी बहुत मदद की.

अक्षय ने साक्षात्कार में सफल होने के लिए कुछ चरणों के बारे में बात की.

ये चरण हैं–

- **खुद को समझना**–हमें अपनी पृष्ठभूमि, प्रेरणा और लक्ष्यों के बारे में सामान्य प्रश्नों के उत्तर तैयार करने चाहिए.
- **संचार कौशल का अभ्यास करना**–हमें अपने संचार कौशल और बॉडी लैंग्वेज को बेहतर बनाने पर काम करने की जरूरत है.
- **करंट अफेयर्स**–हमें करंट अफेयर्स और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए.
- **मॉक इंटरव्यू**–हमें फॉर्मेट से सहज होने के लिए मॉक इंटरव्यू में भाग लेने की जरूरत है

साक्षात्कार के लिए **अंशुमान** ने राकेश निखज सर की मदद ली. उन्होंने छोटे और अधिक प्रभावी बिन्दुवार उत्तरों के साथ मेरे साक्षात्कार को आकार देने में मेरी मदद की.

अंत में, आइए शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) पर कुछ प्रकाश डालते हैं

एक महत्वपूर्ण चरण, शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) को देखते हुए मैंने अभिषेक कौंडल से उनके विचार रखने को कहा.

अभिषेक ने CAPF-AC परीक्षा में शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) की महत्वपूर्ण भूमिका और आवश्यक तैयारी पर कुछ प्रकाश डाला.

"PET अनिवार्य है, और उम्मीदवारों को चयन प्रक्रिया के अगले चरण यानी व्यक्तित्व परीक्षण में जाने के लिए इस चरण में उत्तीर्ण होना चाहिए."

यदि कोई उम्मीदवार आवश्यक मानकों को पूरा करने में विफल रहता है, तो उसे भर्ती प्रक्रिया से अयोग्य घोषित कर दिया जाता है.

जैसा कि हम जानते हैं कि एक सहायक कमांडेंट के कर्तव्य शारीरिक रूप से माँग

शेष पृष्ठ 100 पर

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "निरन्तर प्रयास व सकारात्मक नजरिए के साथ अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहना."

—कृतिका भारद्वाज

सिविल सेवा परीक्षा, 2023 में चयनित (370वाँ स्थान)

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2023 में चयनित होकर सुश्री कृतिका भारद्वाज ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई की पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

सुश्री कृतिका—बहुत-बहुत धन्यवाद सर!

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थीं, और उच्च सफलता के प्रति आशावान थीं ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

सुश्री कृतिका—यूपीएससी सिविल सेवा की परीक्षा में, हमेशा की तरह बढ़ती अनिश्चितता के चलते इसमें अपनी सफलता का निश्चित अनुमान लगाना बहुत कठिन है, परन्तु इस बार मैं अपनी तैयारी को लेकर सन्तुष्ट थी और सकारात्मक परिणाम की आशा कर रही थी. इस समाचार के बाद प्रसन्नता की अनुभूति हुई.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी थी और इसका कोई विशेष कारण ?

सुश्री कृतिका—मेरी सेवा प्राथमिकताएं इस प्रकार थी—भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय राजस्व सेवा आदि. इस क्रम का कोई विशेष कारण नहीं था. मैंने अपनी रुचि व प्रवृत्ति के अनुसार सेवाओं का चयन किया.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ?

सुश्री कृतिका—इतिहास.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

सुश्री कृतिका—यह मेरा चौथा प्रयास था.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं ? क्या इनमें से किसी टॉपर्स से आप प्रभावित हुई ?

सुश्री कृतिका—टॉपर्स की रणनीति से हमारी तैयारी में सहायता अवश्य मिलती है. हमें इनसे सीखने व सुधार के लिए बहुत कुछ मिलता है. मैंने एक नहीं, अपितु अनेक टॉपर्स से बहुत कुछ सीखा.

यद्यपि मेरा यह भी मानना है कि अंततः हमें इस परीक्षा में स्वनिर्धारित रणनीति अपनानी चाहिए.

प्र. द.—नए कलेवर वाली प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ? आपकी प्रश्न-पत्र 1 और प्रश्न-पत्र 2 की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

सुश्री कृतिका—प्रारम्भिक परीक्षा सिविल सेवा परीक्षा का एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण पढ़ाव है. इसमें प्रश्न-पत्र 1 एवं प्रश्न-पत्र 2 के लिए मेरी प्राथमिकता थी, यूपीएससी के गत वर्ष के प्रश्न हल करना. इससे हमें अपनी तैयारी का स्तर व यूपीएससी की आकांक्षाओं का अनुमान लगता है. इसके अतिरिक्त मैंने दोनों प्रारम्भिक परीक्षा प्रश्न-पत्रों के लिए मॉक टेस्ट का भी सहारा लिया जिससे मुझे सीमित समय में अधिकतम प्रश्न हल करने का अभ्यास हुआ.

प्र. द.—ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) के लिए क्या सावधानी बरती ?

सुश्री कृतिका—मॉक टेस्ट में निरन्तर अभ्यास. बहुत जटिल व कठिन गणित के प्रश्नों को मैंने छोड़ दिया था.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है—कैसे तैयारी करें ? कौनसा वैकल्पिक विषय लें ? क्या, कहाँ से और कितना पढ़ें ? इस तरह के अनेक प्रश्नों से मस्तिष्क घिरा रहता है—शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

सुश्री कृतिका—अथाह पाठ्यक्रम, जटिल प्रतिस्पर्धा व प्रश्नों की बढ़ती अनिश्चितता के चलते, यूपीएससी की तैयारी वास्तव में बहुत कठिन है. सोशल मीडिया व इंटरनेट पर सूचना के महासागर में डूबकर भटक जाना स्वाभाविक है. इसलिए बुनियादी किताबें जैसे—एनसीईआरटी व प्रतियोगिता दर्पण शुरुआती दौर में अत्यंत लाभदायक है.

पाठ्यक्रम को मुख्य आधार बनाकर उसको छोटे भागों में बाँटकर अपनी तैयारी में अग्रसर हों.

मैंने अपने असफल प्रयासों से सीख लेकर अपनी रणनीति को संशोधित किया और यूपीएससी में सफलता प्राप्त की.

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखती हैं ?

सुश्री कृतिका—मैं उन्हें सफलता की ओर जाती हुई सीढ़ियों की तरह देखती हूँ.

प्र. द.—वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

सुश्री कृतिका—वैकल्पिक विषय हमारी तैयारी का एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है. यह हमें इस भवसागर से उबार भी सकता है और डुबा भी. इसलिए हमें इसका चुनाव अति ध्यानपूर्वक करना चाहिए.

विषय ऐसा हो जिसका न केवल हमें प्रारम्भिक ज्ञान हो बल्कि जिसमें हमारी रुचि भी हो.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

सुश्री कृतिका—मैंने अपनी स्नातक व परास्नातक डिग्री इतिहास विषय से हासिल की है और इस विषय में अपने आपको सहज अनुभव करती हूँ.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व—*महात्मा गाँधी, रबीन्द्रनाथ टैगोर, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम.*

सबल पक्ष—*अनुभवों से सीखना और सकारात्मकता.*

दुर्बल पक्ष—*अधिक बोलने की प्रवृत्ति.*

रुचियाँ—*किताबें पढ़ना, मंडल चित्रकला.*

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया ?

सुश्री कृतिका—मुख्य परीक्षा की रणनीति में सबसे महत्वपूर्ण होता है उत्तर लेखन अभ्यास. मैंने पाया कि निश्चित समय में उपयुक्त उत्तर लिखने का अभ्यास अत्यंत आवश्यक है.

प्र. द.—आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ? आपने इस प्रयास में निबन्ध लिखने के लिए कौनसा विषय चुना और क्यों ?

सुश्री कृतिका—निबन्ध लेखन मुझे निजी रूप से बहुत पसन्द है, क्योंकि इसमें मुझे अपने विचारों को सृजनात्मक और मौलिक रूप में अभिव्यक्त करने का अवसर मिलता है. इसका श्रेय में अपने पिताजी को देना चाहती हूँ जिन्होंने मुझे अनेक विचारों की विचारधाराओं इत्यादि से परिचित कराया व लिखने की कला सिखायी.

चयनित निबन्ध विषय—1. चिंतन एक तरह का खेल है, यह तब तक प्रारम्भ नहीं होता, जब तक एक विरोधी पक्ष न हो, 2. शिक्षा वह है, जो विद्यालय में सीखी गई बातों को भूल जाने के बाद भी शेष रह जाती है.

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई ?

सुश्री कृतिका—शुरुआती प्रयासों में समय-प्रबंधन चुनौतीपूर्ण लगा, परन्तु निरन्तर अभ्यास के साथ मैंने इसमें सुधार ला किया.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ? आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ? आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

सुश्री कृतिका—साक्षात्कार की ठोस तैयारी मैंने मुख्य परीक्षा के उपरांत शुरू की. इसके लिए मैंने अपने पिताजी के साथ मौखिक अभ्यास किया व अन्य उम्मीदवार साथियों के साथ करंट अफेयर्स (Current Affairs) पर नियमित चर्चा की. अपने डैफ (Detailed Application Form) को ध्यानपूर्वक पढ़ा. मेरा साक्षात्कार माननीय डॉ. दिनेश दासा सर और अन्य बोर्ड सदस्य के साथ हुआ. यह अनुभव बहुत सुखद व ज्ञानवर्धक था. मुझसे अधिकतम प्रश्न मेरे वैकल्पिक विषय इतिहास से पूछे गए—जो मेरी शिक्षात्मक पृष्ठभूमि का भी अहम् अंग है. इसके अतिरिक्त आगरा, हिन्दू कॉलेज इत्यादि पर भी चर्चा हुई.

व्यक्ति परिचय

नाम : कृतिका भारद्वाज

पिता का नाम : डॉ. विनोद भारद्वाज

माता का नाम : डॉ. आरती भारद्वाज

शैक्षिक योग्यता—

10th 2012 : सीबीएसई, डीपीएस आगरा—10 सीजीपीए

12th 2014 : सीबीएसई, डीपीएस, आगरा—96·8 प्रतिशत

स्नातक 2014-17 : हिन्दू कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)—75 प्रतिशत

परास्नातक 2017-19 : हिन्दू कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)—67·25 प्रतिशत

प्र. द.—सिविल सेवा—केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थी ?

सुश्री कृतिका—केवल यही लक्ष्य था जिसके लिए मैं पूरी दृढ़ निष्ठा से प्रयास कर रही थी.

प्र. द.—आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगी रही. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

सुश्री कृतिका—सिविल सेवा में चयनित होने की इच्छा मेरे मन में स्कूल के दिनों से थी और इस विचार को मैंने अपनी शैक्षणिक यात्रा में साथ रखा. अपनी प्रतिभा व जज्बे को अपने देश व समाज के लिए कुछ सकारात्मक करने के सपने ने हमेशा मुझे प्रेरित किया.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

सुश्री कृतिका—स्नातक. स्वयं यूपीएससी भी इसे न्यूनतम योग्यता मानती है.

हालाँकि, यह सबके लिए भिन्न-भिन्न है, परन्तु सामान्यतः एक वर्ष की केंद्रित तैयारी आवश्यक है.

प्र. द.—आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की संभावनाएं ज्यादा हैं ?

सुश्री कृतिका—ऐसा प्रतीत होता है, परन्तु यह पूरी तरह सत्य नहीं है. निरन्तर प्रयास दृढ़ निष्ठा के साथ किसी विषय से इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ जा सकता है.

प्र. द.—आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

सुश्री कृतिका—चूँकि मैंने अंग्रेजी माध्यम से परीक्षा दी है, मुझे इस विषय में बहुत जानकारी नहीं है, किन्तु यह सत्य है कि हिन्दी माध्यम उम्मीदवारों को उचित व मानक पढ़ाई के स्रोत व सामग्री जुटाने में थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, परन्तु इंटरनेट ने चीजों को सरल अवश्य बनाया है.

प्र. द.—आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

सुश्री कृतिका—स्कूल में जब मैंने मानविकी विषयों का चयन किया तब मेरे मन में यह विचार उपजा कि आगे चलकर मैं सिविल सेवा का रास्ता चुन सकती हूँ.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया ?

सुश्री कृतिका—अपने परास्नातक के बाद मैंने अपनी तैयारी आरम्भ की.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिये कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

सुश्री कृतिका—मैंने ऐसा कुछ निर्धारित नहीं किया था, बस पूरी लगन, निष्ठा व आत्मविश्वास के साथ मैंने तैयारी शुरू की.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का ?

सुश्री कृतिका—अपने स्कूल के दिनों से ही ये विचार और परीक्षा में बैठने का निर्णय मेरा अपना था.

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

सुश्री कृतिका—तैयारी के शुरुआती दौर में, कठिन प्रतिस्पर्धा के चलते, शैक्षिक व आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यार्थियों को थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है. पर मेरा मानना है कि जब हम एकाग्रता से किसी लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं, तो सफलता अवश्य प्राप्त होती है.

शेष पृष्ठ 100 पर

ईमानदारी के साथ एकाग्रचित होकर निरन्तर परिश्रम करना तथा कार्यों के प्रति स्वयं के उत्तरदायित्व का निर्धारण : मेरी सफलता के मूलमंत्र.

—संजय कुमार यादव

67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (96वाँ स्थान)

बिहार राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर श्री संजय कुमार यादव ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—बिहार लोक सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री संजय—जी, धन्यवाद एवं प्रतियोगिता दर्पण परिवार का आभार विशेषतः मेरी तैयारी के दौरान सटीक एवं उचित मार्गदर्शन तथा सफलता में सहयोगी बनने के लिए.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री संजय—मैं अपनी तैयारी को लेकर संतुष्ट था, परन्तु विगत कई असफलताओं के कारण आशंकित भी था. सफलता के समाचार पाकर मैं थोड़ी देर के लिए भावुक हो गया था.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी थी और इसका कोई विशेष कारण ?

श्री संजय—मेरी पहली प्राथमिकता बिहार पुलिस सेवा थी, इसको प्रथम प्राथमिकता देने का कारण यह था कि मैं पहले सैनिक के रूप में भारतीय सेना का हिस्सा रह चुका था और मेरी रुचि वर्दी के साथ जुड़ी हुई थी.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ?

श्री संजय—हिन्दी भाषा एवं साहित्य, मेरा वैकल्पिक विषय था.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री संजय—यह मेरा 7वाँ प्रयास था.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किसी टॉपर्स से आप प्रभावित हुए ?

श्री संजय—परिणाम जानने से पहले, मैं टॉपर्स के बारे में कुछ विशेष नहीं सोचता था, मेरा मानना है कि टॉपर्स भी आम उम्मीदवार होते हैं; हाँ वह ज्यादा अनुशासित और चीजों को तय समय में करने वाले होते हैं. मैं प्रतियोगिता दर्पण में टॉपर्स के साक्षात्कार को पढ़ता था और उनमें से अनुकरणीय बातों को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाता था जैसे कि शॉर्ट्स नोट्स कैसे बनाएं, अन्तिम समय की रणनीति इत्यादि.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के पश्चात् सम्मुख आने वाली प्रमुख चुनौतियों में यथा कैसे तैयारी करें ? कौनसा वैकल्पिक विषय लें ? क्या, कहाँ से और कितना पढ़ें ? इस तरह के अनेक प्रश्नों से मस्तिष्क घिरा रहता है—शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री संजय—मैं सेना में 1997 में शामिल हो गया था और अपनी सैन्य सेवा के दौरान ही 2003 में मुझे पहली बार यूपीएससी के पैटर्न को समझने का मौका मिला. उसके बाद यूपीएससी ने अपने पैटर्न को संशोधित भी किया, परन्तु मैं मानसिक रूप से स्वयं को तैयार कर चुका था और नए पैटर्न के अनुसार खुद को अपग्रेड करता रहा. हालाँकि, सैन्य सेवा की विविधता के कारण मैं अपनी तैयारी को सही तरीके से सेना से सेवानिवृत्त होने के पश्चात् ही आरम्भ कर सका. यूपीएससी में सफल नहीं होने के पश्चात् उसी रणनीति को मैंने बीपीएससी के साथ और बीपीएससी की जरूरत को ध्यान में रखते हुए लागू किया और सफल रहा.

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री संजय—सैन्य सेवा से सेवानिवृत्ति के पश्चात् मैंने बैंकिंग सेक्टर को जॉइन किया (आर्थिक कारणों से) अतः जितना समय बीपीएससी को देना चाहिए था वह मैं नहीं दे पाया. इसका एक अन्य कारण तत्कालीन ऑनलाइन मोड़ के कम प्रभावी तथा विस्तार के कारण उचित मार्गदर्शन का न मिलना. मैं कोविड को एक अवसर के रूप में देखता हूँ जिसके कारण ऑनलाइन मोड़ के विस्तार, विविधता तथा प्रभावकारिता में वृद्धि हुई जिसके परिणामस्वरूप पढ़ाई को बढ़ावा मिला.

प्र. द.—वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

श्री संजय—विषय की रुचि, समझ और उचित मार्गदर्शन वैकल्पिक विषय को तय करने के कुछ प्रमुख मानक हो सकते है. इसमें विषय की रुचि को मैं अधिक महत्व देना चाहूँगा.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री संजय—हिन्दी भाषा एवं साहित्य में मेरी रुचि आरम्भ से ही रही है और अपने परास्नातक (एम.ए.) तक की शिक्षा में हिन्दी एक विषय के रूप में मेरे पाठ्यक्रम का हिस्सा रही है.

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया ?

श्री संजय—मुख्य परीक्षा की तैयारी में विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का आकलन कर प्रकरणों (टॉपिक) की प्राथमिकता सूची तैयार करके उनका बारम्बार रिवीजन तथा उन पर आधारित प्रश्नों का लेखन मेरी मुख्य रणनीति का हिस्सा रहे.

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई ?

श्री संजय—मेरे अनुसार समय-प्रबंधन इस परीक्षा में सफलता की आधारशिला है. मैंने अपने इस बार के प्रयास में व्यापक रूप से उत्तर-लेखन का अभ्यास किया. उत्तर-लेखन में नवाचारों के प्रयोग (यथास्थान डायग्राम व चित्रों का प्रयोग) ने समय-प्रबंधन में मेरी सहायता की.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु आपने किस प्रकार की तैयारी की तथा आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ? आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

श्री संजय—साक्षात्कार हेतु मैंने अपने बायोडाटा पर कार्य किया और अपने कार्यक्षेत्र से जुड़े प्रश्नों पर विशेष महत्व दिया. मेरा साक्षात्कार अरुण भगत सर के बोर्ड में हुआ था. साक्षात्कार

में लगभग सभी प्रश्न मेरे बायोडाटा में पूर्व के कार्यानुभव तथा समकालीन घटनाक्रमों से सम्बन्धित थे.

प्र. द.—सिविल सेवा-केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री संजय—मैं सेना से सेवानिवृत्त होने के पश्चात् केनरा बैंक में कार्यरत् था. अतः मेरे पास कॅरियर विकल्प उपलब्ध था.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री संजय—सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी प्रायः स्नातक स्तर से शुरू कर देनी चाहिए. सामान्य अध्ययन और वैकल्पिक विषय की तैयारी स्नातक स्तर से करने से विषय पर पकड़ एवं वस्तुनिष्ठता काफी अच्छी हो जाती है. सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी सामान्यतः 1·5 से 2 वर्षों की होती है.

प्र. द.—क्या आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं अधिक हैं ?

श्री संजय—मेरे अनुसार व्यक्ति किसी भी विषय से सफलता प्राप्त कर सकता है. विषय की सफलता परीक्षार्थी द्वारा लिखे गए सही एवं सटीक कंटेन्ट, बेहतर प्रस्तुति और प्रश्नों के सारे आयामों को प्रस्तुत करने पर निर्भर करता है. इसीलिए आप विज्ञान विषयों या मानविकी विषयों में से किसी भी विषय से सफलता प्राप्त कर सकते हैं.

प्र. द.—आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री संजय—मेरे अनुसार सिविल सेवा परीक्षा में माध्यम का आपकी सफलता से कोई विशेष महत्व नहीं रहता है. वर्तमान में हिन्दी माध्यम में भी पर्याप्त अध्ययन सामग्री की उपलब्धता है.

प्र. द.—आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री संजय—अपने पूर्व की सेवाओं में रहते हुए मैंने सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व को समझा था.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का निर्णय लिया ?

श्री संजय—सेना में रहते हुए ही मैंने सिविल सेवा में जाने का मन बना लिया था और सेवानिवृत्ति के पश्चात् मैंने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का निर्णय लिया.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी रणनीति बनाई थी ?

श्री संजय—मैंने तैयारी आरम्भ करने के साथ ही यह सोच लिया था कि मुझे इस सेवा में अंतिम रूप से चयनित होना है.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का ?

श्री संजय—यह मेरा अपना निर्णय था.

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री संजय—अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है; सामान्य पृष्ठभूमि के अभ्यर्थी को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, परन्तु सही रणनीति और दृढ़ इच्छाशक्ति से अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री संजय—ईमानदारी के साथ एकाग्रचित होकर निरन्तर परिश्रम करना, प्राथमिकताओं के आधार पर कार्यों का निष्पादन तथा उन कार्यों के प्रति स्वयं के उत्तरदायित्व का निर्धारण मेरी सफलता के मूल मंत्र रहे.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री संजय—सेना के मेरे सहकर्मियों, केनरा बैंक के साथियों, मेरी पत्नी और मेरे मित्रों को मैं अपनी सफलता का श्रेय देना चाहूँगा.

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री संजय—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में सभी तथ्यों को सही तरीके से और आवश्यकता एवं पैटर्न के अनुरूप प्रस्तुत किया जाना चाहिए.

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

श्री संजय—प्रतियोगिता दर्पण उच्च स्तर की मानक पत्रिका है और इस पत्रिका ने न केवल बीपीएससी में मेरे चयन को आसान बनाया बल्कि बैंकिंग में भी मेरे पूर्व चयन में महत्वपूर्ण सहयोगी रही.

प्र. द.—क्या आपने सिविल सेवा परीक्षा से सम्बद्ध प्रतियोगिता दर्पण मासिक पत्रिका में आने वाले नियमित रणनीति सम्बन्धी लेख पढ़े और इन्हें तैयारी के सन्दर्भ में उपयोगी पाया ?

श्री संजय—जी, मैं इन लेख को पढ़ता था और इसका लाभ मुझे उत्तराखण्ड सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में भी मिला (मैं साक्षात्कार के लिए UKPSC में भी शॉर्टलिस्ट रहा हूँ); इन लेख का सूक्ष्म विश्लेषण मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण रहा.

प्र. द.—क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से उम्मीदवारों के बीच बहुत पसंद की जा रही हैं ?

श्री संजय—जी, मैंने इनका सार्थक उपयोग किया था. एक ओर जहाँ यह विषय के प्रति मेरी समझ या बोध को गहरा करने में सहायक रहीं, वहीं दूसरी ओर इसके तथ्य आधारित विश्लेषणों ने उत्तर को आकर्षक बनाने में महती भूमिका निभाई.

प्र. द.—क्या आपने प्रतियोगिता दर्पण-समसामयिकी वार्षिकी का उपयोग किया ?

श्री संजय—जी हाँ मैं समसामयिकी वार्षिकी को अपनी तैयारी का हिस्सा मानता हूँ.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व—*कलाम साहब, राजा राम मोहन राय, स्वामी विवेकानंद मेरे पसंदीदा व्यक्तित्व हैं*

सबल पक्ष—*समस्या के सामने गिव अप नहीं करना, रणनीति बनाना और उस पर व्यापक रूप से अमल करना.*

दुर्बल पक्ष—*भावुकता, कुछ स्तर पर अंतर्मुखी स्वभाव*

रुचियाँ—*स्वयं को शारीरिक रूप से सक्रिय रखना, साइकिल चलाना और किताब पढ़ना.*

व्यक्ति परिचय

नाम : संजय कुमार यादव

पिता का नाम : श्री सुदर्शन यादव

माता का नाम : श्रीमती पानपती देवी

जन्मतिथि : 20 मार्च, 1980

शैक्षिक योग्यता—

MA (इतिहास) : 2012 नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय, 59·50%

BA (इतिहास) : 2008 पटना विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, पटना, 54·75%

12th : 1997 BIEC Patna, भगवानपुर महाविद्यालय, 66·00

10th : 1995 BSEB Patna, उच्च विद्यालय, कॉलहुआँ, 59·87%

पूर्व चयन :

1. भारतीय सेना (तोपखाना)
2. केनरा बैंक

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री संजय—सही रणनीति बनाएं और उस पर अमल करें, व्यावहारिक बनें, स्वयं के प्रति ईमानदार रहें और सार्थक दिशा में प्रयास करें. सिविल सेवा में चयन हो या न हो आप जागरूक नागरिक बनें और जहाँ भी कार्य करें; जो भी कार्य करें उसमें अपना बेहतर दें और जब तक कार्य करें पूरी तन्मयता के साथ करें.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं. ●●●

दृढ़ इच्छाशक्ति, उचित रणनीति एवं समय के साथ स्वयं का परिष्कार एवं परिमार्जन : मेरी सफलता के आधार स्तम्भ.

—धीरेन्द्र कुमार झा

67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (176वाँ स्थान)

बिहार राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर श्री धीरेन्द्र कुमार झा ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—बिहार लोक सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री धीरेन्द्र—जी, बहुत-बहुत धन्यवाद और प्रतियोगिता दर्पण परिवार का आभार विशेषतः मेरी सफलता में सहयोगी बनने के लिए.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट एवं उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री धीरेन्द्र—मैं अपनी तैयारी तथा परीक्षा में निष्पादन को लेकर पूरी तरह से सन्तुष्ट था तथा इसी के आधार पर मैं अपनी सफलता के प्रति आशान्वित था. सफलता की सूचना पाकर मुझे खुशी का अनुभव हुआ और मैंने भगवान और अपने मित्रों को धन्यवाद दिया.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी थी और इसका कोई विशेष कारण ?

श्री धीरेन्द्र—मेरी पहली प्राथमिकता बिहार पुलिस सेवा थी, इसको प्रथम प्राथमिकता पर रखने का कारण यह था कि मैं पहले पुलिस अवर निरीक्षक के रूप में झारखण्ड पुलिस विशेष शाखा में सेवा दे रहा था और मेरी रुचि वर्दी के साथ हमेशा जुड़ी रही है.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ?

श्री धीरेन्द्र—मैथिली भाषा एवं साहित्य, मेरा वैकल्पिक विषय था.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री धीरेन्द्र—यह मेरा प्रथम प्रयास था.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किसी टॉपर्स से आप प्रभावित हुए ?

श्री धीरेन्द्र—पहले मुझे ऐसा लगता था कि टॉपर्स का व्यक्तित्व कुछ असाधारण होता होगा, परन्तु अब मेरा मानना है कि टॉपर्स भी सामान्य व्यक्ति होते हैं बस वह अपना निष्पादन बेहतर तरीके से करते हैं.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद सर्वप्रथम सामने आने वाली चुनौतियों में कैसे तैयारी करें ? कौनसा वैकल्पिक विषय लें ? क्या, कहाँ से और कितना पढ़ें ? इत्यादि होती हैं इस प्रकार के अनेक प्रश्नों के समाधान हेतु शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री धीरेन्द्र—मैं झारखण्ड पुलिस का सदस्य था और अपनी पुलिस सेवा के दौरान ही मुझे पहली बार बीपीएससी के प्रति आकर्षण का अनुभव हुआ, उसके बाद मैं स्वयं को तैयार करने लगा. मैंने अपनी तैयारी को बीपीएससी पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए परिवर्तित किया और अंततः सफलता को प्राप्त किया.

प्र. द.—वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

श्री धीरेन्द्र—विषय की रुचि, समग्र समझ और अध्ययन सामग्री की उपलब्धता तथा सही मार्गदर्शन का उपलब्ध होना प्रमुख बिन्दु होने चाहिए.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री धीरेन्द्र—विषय की रुचि सबसे प्रमुख कारण रहा, मैथिली मेरी मातृभाषा है, यह सरल, सहज, रुचिकर और ग्राह्य है.

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया ?

श्री धीरेन्द्र—मुख्य परीक्षा की तैयारी में अध्ययन किए गए प्रकरणों (शैक्षिक) का बारम्बार रिवीजन, उत्तर लेखन को प्राथमिकता तथा उत्तर पर अपने सीनियर व गुरुजनों के मिले हुए Remark's के अनुरूप सुधार मेरी मुख्य रणनीति का हिस्सा रहे.

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई ?

श्री धीरेन्द्र—इस बार की परीक्षा के लिए मैंने व्यापक रूप से उत्तर लेखन का अभ्यास किया था अतः समय-प्रबंधन की विशेष समस्या नहीं हुई, परन्तु वैकल्पिक प्रश्न-पत्र में कुछ समस्या हुई थी जिसे मैंने किसी तरह मैनेज कर लिया था.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की. आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ? आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

श्री धीरेन्द्र—साक्षात्कार हेतु मैंने अपने बायोडाटा पर कार्य किया और अपने कार्य क्षेत्र से जुड़े प्रश्नों पर विशेष महत्व दिया, विशेषतः पुलिस सेवा से सम्बन्धित प्रश्नों को विशेष रूप से तैयार किया था. मेरा साक्षात्कार दीप्ति मैडम के बोर्ड में हुआ था. साक्षात्कार में लगभग सभी प्रश्न मेरे बायोडाटा, समसामयिक घटनाक्रम और मेरे पुलिस सेवा के कार्यानुभव से सम्बन्धित थे.

प्र. द.—केवल सिविल सेवा ही एकमात्र लक्ष्य था या किसी अन्य कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री धीरेन्द्र—मैं पुलिस सेवा में कार्य कर रहा था, परन्तु प्रारम्भ से ही मेरी अभिलाषा एवं लक्ष्य बिहार राज्य में सेवाएं देने की थी, जिसके लिए मैंने स्वयं को समय के साथ तैयार किया.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री धीरेन्द्र—सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी प्रायः स्नातक में प्रवेश के साथ ही शुरू कर देनी चाहिए, लेकिन इसके लिए इण्टरमीडिएट स्तर से ही अपने आपको मानसिक रूप से तैयार करना चाहिए. सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी सामान्यतः 1·5 से 2 वर्षों की होती है.

प्र. द.—क्या आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं अधिक हैं ?

श्री धीरेन्द्र—मेरे अनुसार यदि देखा जाए, तो परीक्षार्थी किसी भी विषय के साथ सफलता प्राप्त कर सकता है. वस्तुतः परीक्षार्थी द्वारा लिखे गए सही एवं सटीक कंटेन्ट, बेहतर प्रस्तुति और प्रश्नों के विविध आयामों को प्रस्तुत करने के कौशल पर निर्भर करता है. इसीलिए आप विज्ञान विषयों या मानविकी विषयों में से किसी भी विषय से सफलता हासिल कर सकते हैं.

प्र. द.—इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम से तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में आपके क्या विचार हैं ?

श्री धीरेन्द्र—मेरे अनुसार सिविल सेवा परीक्षा में माध्यम का आपकी सफलता से कोई विशेष महत्व नहीं रहता है. आज के समय में हिन्दी माध्यम में भी पर्याप्त अध्ययन सामग्री की उपलब्धता है.

सबसे बड़ी बात है इच्छाशक्ति यदि वह है, तो माध्यम कोई भी हो सफलता प्राप्त हो सकती है.

प्र. द.—क्या तैयारी के प्रारम्भ में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी रणनीति बनाई थी ?

श्री धीरेन्द्र—मैंने तैयारी आरम्भ करने के साथ ही यह सोच लिया था कि मुझे इस सेवा में अंतिम रूप से चयनित होना है.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का ?

श्री धीरेन्द्र—यह मेरा अपना निर्णय था; हालाँकि मेरे किसी भी निर्णय पर मेरे माता-पिता का विश्वास और सपोर्ट हमेशा रहा है.

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री धीरेन्द्र—अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है; सामान्य शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति के अभ्यर्थी को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, परन्तु ऐसी परिस्थितियों में भी सही रणनीति और मजबूत इच्छाशक्ति से अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री धीरेन्द्र—कार्य के प्रति अपने आप को तत्पर रखना , समय के अनुसार अपने आप को तैयार रखना, अपनी कमजोरियों की पहचान और उनको दूर करने का हर सम्भव प्रयास करना. मेरी सफलता के कारण रहे.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री धीरेन्द्र—मेरे तत्कालीन पुलिस अधीक्षक परिवार के साथियों, मेरी पत्नी और मेरे मित्र को मैं अपनी सफलता का श्रेय देना चाहूँगा.

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री धीरेन्द्र—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में सभी तथ्यों को सही तरीके से और आवश्यकता के अनुरूप प्रस्तुत किए जाने के साथ-साथ समयानुसार अपडेट किया जाना चाहिए.

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

श्री धीरेन्द्र—प्रतियोगिता दर्पण विद्यार्थियों के लिए एक लोकप्रिय और मानक पत्रिका है और इस पत्रिका ने न केवल बीपीएससी में मेरे चयन को आसान बनाया, बल्कि झारखंड पुलिस अवर निरीक्षक प्रतियोगिता परीक्षा एवं बिहार पुलिस अवर सेवा की तैयारी के दौरान भी हमें इसका समुचित लाभ मिला था.

प्र. द.—क्या आपने प्रतियोगिता दर्पण सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से उम्मीदवारों के बीच बहुत पसंद की जा रही है ?

श्री धीरेन्द्र—जी मैंने इसका सार्थक उपयोग किया था.

प्र. द.—क्या आपने प्रतियोगिता दर्पण समसामयिकी वार्षिकी का उपयोग किया ?

श्री धीरेन्द्र—जी, हाँ मैं समसामयिकी वार्षिकी को अपनी तैयारी का अभिन्न अंग मानता हूँ.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व—*भगवान बिरसा मुंडा, कवि कोकिल विद्यापति, स्वामी विवेकानंद मेरे पसंदीदा व्यक्तित्व हैं.*

सबल पक्ष—*समस्या के आने पर स्वयं को मजबूत एवं सकारात्मक रखना, सही रणनीति बनाना और उन समस्याओं से ऊपर उठना.*

दुर्बल पक्ष—*भावुकता तथा शीघ्रता से किसी पर विश्वास कर लेना.*

रुचियाँ—*मैथिली गीत सुनना, दोस्तों से बातें करना, नई-नई चीजों के बारे में जानने को उत्सुक होना.*

व्यक्ति परिचय

नाम : धीरेन्द्र कुमार झा
पिता का नाम : श्री आनंद झा
माता का नाम : श्रीमती चमेली देवी
जन्मतिथि : 08.02.1996
शैक्षिक योग्यता—
BCA (कम्प्यूटर) : 2016 IGNOU New Delhi, 66·14%
12th (विज्ञान) : 2013 ठाकुर प्रसाद सिंह महाविद्यालय पटना, 68·60%
10th : 2011 राजदेव जनता हाई स्कूल नवनगर, 59·87%
पूर्व चयन :
1. पुलिस अवर निरीक्षक झारखण्ड पुलिस

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री धीरेन्द्र—किसी भी कार्य के लिए सही रणनीति का होना बहुत आवश्यक है एक सही और सटीक रणनीति बनाकर यदि उसका अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, तो सफलता मिलना तय है.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं. ●●●

विभिन्न परीक्षोपयोगी पत्रिकाओं के
जिस्ट को प्राप्त करने के लिए स्कैन करें

परीक्षोपयोगी पत्रिकाओं के सार पर आधारित प्रश्नोत्तर

सं.लो.से.आ. और रा.लो.से.आ. आयोग की मुख्य परीक्षाओं हेतु

योजना पर आधारित प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. विशाल बाजार अवसरों के साथ भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में विपुल संभावनाएं विद्यमान हैं. इस सन्दर्भ में खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों को व्यापक बनाने के उपाय सुझाएं. (150 शब्द)

उत्तर—खाद्य प्रसंस्करण विभिन्न पैकेज्ड उत्पादों के शेल्फ जीवन को बेहतर बनाता है अर्थात् यह वह प्रकिया है, जो खेतों से जल्दी खराब होने वाली फसलों को ऐसे उत्पादों में परिवर्तित करती है जिन्हें लम्बे समय तक संरक्षित किया जा सकता है.

वर्तमान में भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के तेजी से बढ़ने के प्रमुख कारण—बदलती जीवनशैली, शहरीकरण और पैकेज्ड तथा सेल्फ कुक्ड खाद्य उत्पादों की बढ़ती माँग, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति बढ़ती जागरूकता हैं. अतः खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों को व्यापक बनाने की आवश्यकता है, जिसके लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं—

- जल्दी खराब होने वाले फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण के साथ-साथ फल और सब्जी केंद्रों को बढ़ाया जा सकता है.
- कच्चे माल का कुशल उपयोग करने और खाद्य उत्पादों के उत्पादन को संगठित करने के लिए एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता है.
- खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उत्पादन, डिजाइन, पैकेजिंग, वितरण, मूल्य आदि की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना और तकनीकी सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है.
- बाजार में सामूहिक ब्रांड प्रमोशन जैसे उपकरण विकसित करने की भी आवश्यकता है ताकि ऋण, सक्षम वातावरण, विपणन और विस्तार सेवा युक्त बाजार का निर्माण किया जा सके.

निष्कर्षतः खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र अर्थव्यवस्था का प्रमुख उभरता हुआ क्षेत्र है जिसको सरकारी तथा तकनीकी सहायता से और अधिक युक्ति संगत बनाया जा सकता है.

प्रश्न 2. "विकसित भारत की संकल्पना में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का विशेष महत्व है. यह कृषि क्षेत्र के विकास के साथ-साथ रोजगार के अवसरों में वृद्धि में भी सहायक है." विश्लेषण कीजिए. (250 शब्द)

उत्तर—भारत सरकार ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र का संकल्प लिया है. अतः अगले 25 वर्षों में एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए कृषि में बड़े बदलाव करने होंगे और कृषि के भीतर विकास प्रतिमान को परम्परागत **कृषि से कृषि व्यवसाय में बदलने** की आवश्यकता है. कृषि क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन में खाद्य प्रसंस्करण उप-क्षेत्र का व्यापक योगदान हो सकता है.

हरित क्रांति के परिणामस्वरूप भारत खाद्य उत्पादन के मामले में कमी की स्थिति से अधिशेष की स्थिति में आ गया है. अतः इस कृषि अधिशेष का उपयोग खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में किया जा सकता है. इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु भारत सरकार के द्वारा चलाए गए **'मेक इन इंडिया'** कार्यक्रम का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में भी उपयोग बढ़ाकर देश में प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा दिया जा सकता है. यही कारण है कि, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को **सूर्योदय क्षेत्र** घोषित किया गया, जिससे कृषि क्षेत्र से प्राप्त कच्चे माल का उपयोग करके प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा दिया जा सके.

2019-20 के नवीनतम वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण के अनुसार पंजीकृत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में लगे व्यक्तियों की कुल संख्या 20·32 लाख थी. एनएसएसओ के 73वें दौर, 2015-16 के अनुसार अपंजीकृत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र ने 51·11 लाख श्रमिकों को रोजगार प्रदान किया. **पीएम किसान सम्पदा योजना** के माध्यम से खेत से लेकर खुदरा दुकान तक कुशल आपूर्ति शृंखला प्रबंधन के साथ आधुनिक बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया जा रहा है. इस योजना के परिणामस्वरूप रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है तथा कृषि अधिशेष की बर्बादी भी कम हुई है.

अतः खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में न केवल रोजगार की व्यापक संभावना मौजूद हैं बल्कि यह कृषि क्षेत्र के विकास को भी मजबूत आधार प्रदान करता है. इसके लिए हाल ही में **'लोकल फॉर वोकल'** और **'एक जिला एक उत्पाद'** जैसे अभियान भी चलाए गए हैं.

कुरुक्षेत्र पर आधारित प्रश्नोत्तर

प्रश्न 3. "डेयरी उद्योग में मशीनीकरण, स्वचालन और नवाचार न केवल उद्योग के विकास के लिए जरूरी हैं, बल्कि समय की माँग भी है." विवेचना कीजिए. (150 शब्द)

उत्तर—डेयरी उत्पाद मानव पोषण की आधारशिला के रूप में काम करते हैं, जो कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन जैसे आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं, जिससे मनुष्य स्वस्थ और निरोगी रहता है. हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर प्रौद्योगिकी द्वारा डेयरी उद्योग में उत्पादकता, स्थिरता और दक्षता में वृद्धि हुई है.

डेयरी क्षेत्र में स्वचालित रोबोट, सॉफ्टवेयर, सेंसर और कैमरों द्वारा दूध की गुणवत्ता, आवृत्ति और मात्रा की गणना, प्रत्येक मवेशी की पहचान और उसके व्यवहार आदि का अध्ययन किया जा सकता है. इससे मानव श्रम सम्बन्धी खर्चे और समय की बचत होगी. साथ ही डेटा द्वारा मवेशियों के स्वास्थ्य और कल्याण की निगरानी की जा सकती है.

अधिक टिकाऊ तकनीकों जैसे—कम पानी और ऊर्जा का उपयोग करने के लिए, स्मार्ट खलिहान और स्वचालित सिंचाई प्रणाली तापमान और आर्द्रता को नियंत्रित करने, अपशिष्ट को बायोगैस में बदलने के लिए खाद प्रबंधन जैसी तकनीकों का उपयोग करके डेयरी फार्मिंग के पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को भी कम किया जा सकता है. वहीं शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए उपभोक्ताओं को कम चीनी वाले खाद्य पदार्थों को उपलब्ध कराया जा सकेगा.

निष्कर्षत: भविष्य में डेयरी फार्म प्रबंधन पर प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा. चूँकि यह क्षेत्र लगातार बदल रहा है अत: इस दिशा में डेयरी उद्योग में विकास के लिए मशीनीकरण, स्वचालन और नवाचारों को अपनाने से उपभोक्ताओं के साथ-साथ डेयरी उत्पादकों को भी लाभ होगा.

प्रश्न 4. "नवीकरणीय ऊर्जा का अर्थ केवल बिजली उपलब्ध कराना नहीं है; इसका अर्थ एक स्थायी और अनुकूलनशील ग्रामीण भारत बनाना है." विश्लेषण कीजिए. (250 शब्द)

उत्तर—नवीकरणीय ऊर्जा से तात्पर्य ऐसी ऊर्जा से है, जिसकी खपत की तुलना में पुन:पूर्ति की दर अधिक है. ये अधिक स्वच्छ और वहनीय ऊर्जा स्रोत हैं. उदाहरण के लिए, सूर्य का प्रकाश और वायु आदि.

ग्रामीण भारत सौर ऊर्जा उत्पादन में एक गेम चेंजर के रूप में उभरा है. इससे न केवल ग्रामीण घरों को बिजली की आपूर्ति हुई है बल्कि कृषि उद्देश्यों के लिए स्वच्छ ऊर्जा भी प्राप्त हुई है जिसका प्रभाव उत्पादकता और स्थिरता पर पड़ा है. इसी क्रम में पवन और सौर ऊर्जा के संयोजन के हाइब्रिड दृष्टिकोण को पवन-सौर हाइब्रिड नीति के तहत् बढ़ावा दिया गया है.

इसी क्रम में मिनी ग्रिड और सोलर होम सिस्टम जैसे विकेंद्रीकृत अक्षय ऊर्जा समाधान दूरस्थ और ऑफ-ग्रिड ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं. ये उन गाँवों को विश्वसनीय बिजली प्रदान करते हैं, जो राष्ट्रीय ग्रिड से नहीं जुड़े हैं. साथ ही, ये जीवन की गुणवत्ता में सुधार करते हैं और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं.

विकेन्द्रित सौर ड्रायर ने उपज की शेल्फ लाइफ बढ़ाकर और कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करके कृषि प्रसंस्करण में क्रांति ला दी है जिससे ग्रामीण किसानों को अपनी फसल की बेहतर कीमतें मिलती हैं. सौर सिंचाई पंपों ने किसानों को लगातार और किफायती जल आपूर्ति प्रदान करके बढ़िया फसल उपज प्राप्त करने में सक्षम बनाया है इससे डीजल जनरेटर पर निर्भरता भी कम होती है, जिससे पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा मिलता है.

निष्कर्षत: सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय तकनीकों को अपनाकर, ग्रामीण क्षेत्र ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त कर सकते हैं, कृषि उत्पादकता बढ़ा सकते हैं और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं. इस दिशा में भारत सरकार द्वारा सौर ऊर्जा उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन, प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना जैसी योजनाएं चलाई जा रही है, जो ग्रामीण किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है.

डाउन टू अर्थ पर आधारित प्रश्नोत्तर

प्रश्न 5. वर्ष 2024 की ग्रीष्म ऋतु में भारत सहित दुनिया भर के अधिकांश देश हीट वेव और तापमान वृद्धि का सामना कर रहे हैं. हीट वेव और ताप वृद्धि के संभावित कारणों पर चर्चा कीजिए. (150 शब्द)

उत्तर—पूर्व औद्योगिक काल (1850 -1900) से अब तक 1·1 डिग्री सेल्सियस के तापमान की वृद्धि हो चुकी है. तापमान में यह वृद्धि ग्लोबल वार्मिंग का संकेत देती है. इसके निम्नलिखित कारण हैं—

- शहरों का विस्तार, भूमि आवरण में परिवर्तन, शहरों के मानव जनित स्रोतों तथा शहरी क्षेत्रों की आवासीय बनावट ताप वृद्धि के प्रमुख कारण है.
- अरब सागर के तापमान में वृद्धि होने और पश्चिम से गर्म हवाओं का आना भी उत्तर भारत में हीट वेव का एक प्रमुख कारण है.
- एल-नीनो भी ताप वृद्धि और हीट वेव का एक अन्य प्रमुख कारण है. यह समुद्री जल और सतह के तापमान में वृद्धि करती है जिसकी वजह से मध्य एशिया, भारत सहित विश्व के अधिकांश देश ताप वृद्धि का सामना कर रहे हैं.
- ग्रामीण क्षेत्रों में ताप वृद्धि में भूमि उपयोग में बदलाव और विभिन्न सिंचाई विधियाँ मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं. ये ग्रामीण क्षेत्रों में वायुमंडलीय नमी को बढ़ा देती है जिससे आर्द्र गर्मी की संभावना बढ़ जाती है.

अतः निश्चित रूप से अरब सागर का गर्म होना, एल-नीनो, शहरीकरण और ग्रीन हाउस गैसें तापमान वृद्धि के प्रमुख कारण हैं. ऐसे में ताप वृद्धि तथा हीट वेव के कारणों पर अंकुश लगाने के लिए विश्व समुदाय को तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है.

प्रश्न 6. "नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत, ऊर्जा क्षेत्र में नई संभावनाओं के साथ-साथ नई-नई चुनौतियाँ भी लाता है." आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए.

(250 शब्द)

उत्तर—नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत से तात्पर्य ऊर्जा के ऐसे स्रोतों से है, जो उपयोग के साथ समाप्त नहीं होते हैं. इनकी खपत की तुलना में पुनःभरण की दर उच्च होती है. नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में मुख्यतः कंप्रेस्ड बायो गैस, सौर तथा पवन ऊर्जा को शामिल किया जाता है. नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में भारत वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर है.

कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) एक स्वच्छ ईंधन है. इसे खेतों से निकलने वाले अवशेषों और ठोस कचरे से बनाया जाता है. सीबीजी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के द्वारा देशभर में 5,000 सीबीजी संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं. सीबीजी के उत्पादन में खेतों से अपशिष्ट का जुटाव, संयंत्रों के रखरखाव तथा कुशल कर्मचारियों का अभाव जैसी चुनौतियाँ विद्यमान हैं.

कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में पवन ऊर्जा का योगदान 32 प्रतिशत या 45 गीगावाट है, जो सौर ऊर्जा के बाद दूसरे स्थान पर है. इस सन्दर्भ में केंद्र सरकार का लक्ष्य 2030 तक पवन ऊर्जा क्षमता को 172 गीगावाट तक बढ़ाना है, किन्तु वर्ष भर समान उत्पादन न होना, पवन ऊर्जा क्षेत्र में निवेशकों का कोई खास रुचि न लेना एक प्रमुख चुनौती है.

वित्तीय वर्ष 2013-14 में सौर ऊर्जा से स्थापित क्षमता 1·2 गीगावाट से बढ़कर 2023-24 में 82 गीगावाट हो गई है. अतः पिछले दशक से सौर ऊर्जा क्षेत्र में ऊर्जा उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है. वहीं दूसरी ओर अधिकांश सौर ऊर्जा परियोजनाओं का समय पर पूरा न होना, ग्रिड का एकीकरण न होना और सोलर पैनल का रखरखाव भी सौर ऊर्जा के उत्पादन में प्रमुख चुनौतियाँ हैं.

अतः यह कहा जा सकता है कि नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत न केवल ऊर्जा के नए मार्ग खोलता है बल्कि ऊर्जा के पारम्परिक स्रोतों का प्रतिस्थापन भी प्रदान करता है. अतः भारत सरकार को इस क्षेत्र में विद्यमान चुनौतियों को कम-से-कम करने की जरूरत है.

विज्ञान प्रगति पर आधारित प्रश्नोत्तर

प्रश्न 7. हाल ही में इसरो के द्वारा प्रक्षेपित इनसेट-3डीएस उपग्रह के प्राथमिक उद्देश्यों पर चर्चा कीजिए. **(150 शब्द)**

उत्तर—इसरो के द्वारा इनसेट-3डीएस उपग्रह को जीएसएलवी-एफ 14 रॉकेट से लॉन्च करके भू-स्थैतिक कक्षा में स्थापित किया गया. इसका कार्य मौसम सम्बन्धी सटीक जानकारियाँ उपलब्ध कराना है.

इसरो ने इस श्रेणी का पहला मौसम उपग्रह 'इनसैट-3डी' वर्ष 2013 में लॉन्च किया था. 'इनसैट-3डीएस' 'इनसैट-3डी' का ही उन्नत स्वरूप है. इनसैट-3 शृंखला के उपग्रहों में 6 अलग-अलग प्रकार के जियोस्टेशनरी उपग्रह हैं, जिनमें 'इनसैट-3डीएस' 7वाँ उपग्रह है. 'इनसैट-3डीएस' के प्राथमिक उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

- **मौसम अवलोकन**—उन्नत मौसम विज्ञान उपकरणों के माध्यम से सटीक और व्यापक मौसम डेटा संग्रहण का कार्य करना.

- **खोज और बचाव**—उपग्रह आधारित खोज और बचाव सेवाएं प्रदान करना, जिससे आपात स्थिति में लोगों की मदद की जा सके.
- **पर्यावरण निगरानी**—पर्यावरणीय स्थितियों जैसे—जैव विविधता, पर्यावरण प्रदूषण इत्यादि का अवलोकन एवं निगरानी करना.
- **डाटा रिले**—उपयोगकर्ताओं को दूरस्थ स्थानों से डाटा रिले द्वारा नदी, नहर, पोखर में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखकर डेटा जमा करना एवं सेवाएं प्रदान करना.
- **वायुमंडलीय और महासागरीय अवलोकन**—वायुमंडलीय और महासागरीय प्रक्रियाओं जैसे—आर्द्रता, नमी इत्यादि का अवलोकन, अध्ययन एवं विश्लेषण करना.

अतः इनसेट श्रेणी के उपग्रहों की सहायता से मौसम सम्बन्धी सटीक जानकारियाँ जुटाकर जहाँ एक ओर आपदाओं से बचा जा सकता है, तो वहीं दूसरी ओर कृषि प्रणाली में भी सुधार लाया जा सकता है.

प्रश्न 8. कृत्रिम और प्राकृतिक वर्षा से आप क्या समझते हैं ? कृत्रिम वर्षा के संभावित सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा कीजिए. (250 शब्द)

उत्तर—जब वायुमंडल में प्राकृतिक रूप से बने बादल स्वयं बरसात कराते हैं, तो उसे प्राकृतिक वर्षा कहते हैं वहीं इसके विपरीत जब बादलों में बरसात के बीज डालकर वर्षा कराई जाती है, तो उसे कृत्रिम वर्षा कहते हैं. कृत्रिम वर्षा में उपयोग की जाने वाली तकनीक का नाम क्लाउड सीडिंग है.

क्लाउड सीडिंग के जरिए करवाई गई कृत्रिम बारिश सामान्य बारिश की तुलना में ज्यादा तेज होती है. सिल्वर आयोडाइड या पोटैशियम आयोडाइड एक ऐसा केमिकल है जिसके चारों ओर पानी के कण जमा होने लगते हैं और बूँदें बनने लगती हैं. जब ये बूँदें भारी हो जाती हैं, तो वजन के कारण पानी की बूँदें धरती पर गिरने लगती हैं जिससे बारिश होती है.

कृत्रिम वर्षा के सकारात्मक उपयोग

- कृषि में सिंचाई के लिए तथा पीने योग्य पानी की उपलब्धता के लिए.
- वायु प्रदूषण जैसे—फॉग, धूम्र, कोहरा आदि से बचाव के लिए.
- मरुस्थलीय क्षेत्र जैसे—दुबई आदि में गर्मी से बचाव तथा राहत के रूप में.
- जंगलों में लगने वाली आग पर तत्काल काबू पाने के लिए.

कृत्रिम वर्षा के नकारात्मक उपयोग

- युद्ध जैसी परिस्थितियों में दुश्मन देशों के ठिकानों पर कृत्रिम वर्षा करके उन्हें नुकसान पहुँचाया जा सकता है जैसे कि अमेरिका ने वियतनाम युद्ध के दौरान किया था.
- बादलों से कृत्रिम वर्षा कराके दूसरे राज्य या देशों की वर्षा को कम किया जा सकता है.
- किसी दूसरे देश या राज्य के महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों पर कृत्रिम रूप से एसिड वर्षा कराके सांस्कृतिक धरोहर के महत्व को कम किया जा सकता है.

अतः एक ओर जहाँ सूखा प्रभावित तथा प्रदूषण वाले क्षेत्रों के लिए कृत्रिम वर्षा वरदान है, तो वहीं दूसरी ओर इसके कुछ दुष्परिणाम भी हैं. अतः हमें कृत्रिम वर्षा का उपयोग बहुत सोच-समझकर करना चाहिए, क्योंकि इससे प्राकृतिक वर्षा के चक्र पर भी नकारात्मक असर पड़ सकते हैं.

विभिन्न परीक्षोपयोगी पत्रिकाओं के
जिस्ट को प्राप्त करने के लिए स्कैन करें
PRATIYOGITA DARPAN

स्मरणीय तथ्य

राष्ट्रीय

1. हाल ही में किस मंत्रालय ने 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' (जीआईबी) और 'खरमोर' (लेसर फ्लोरिकन) संरक्षण के अगले चरण के लिए ₹ 56 करोड़ मंजूर किए हैं ? ***—पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी)***
☞ वर्ष 2016 में शुरू 'बस्टर्ड रिकवरी प्रोजेक्ट' जिसके लिए जुलाई 2018 में, MoEFCC, राजस्थान वन विभाग और WII के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए. इन्हीं तीनों पक्षों द्वारा संचालित परियोजना के भाग के रूप में, दो जीआईबी संरक्षण प्रजनन केन्द्र और एक लेसर फ्लोरिकन केन्द्र क्रमशः राजस्थान के सम, रामदेवरा और सोरसन में कार्य कर रहे हैं. ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जिसका वैज्ञानिक नामः अर्डियोटिस नाइग्रिसेप्स है, वर्तमान में आईयूसीएन रेड लिस्ट स्थिति में गम्भीर रूप से संकटग्रस्त है, वही भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची I में आता है.
2. राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा किस अवधि के लिए कुल ₹ 6003·65 करोड़ की लागत से अनुमोदित किया गया है ? ***—2023-24 से 2030-31***
☞ इस अनुमोदित कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना, क्वांटम प्रौद्योगिकी (क्यूटी) में एक नवीन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है.
3. दिसम्बर 2023 में संसद द्वारा पारित तीन आपराधिक कानून किस तिथि से आधिकारिक तौर पर लागू हो गए है ? ***—1 जुलाई, 2024 से***
☞ 1 जुलाई, 2024 से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) ने क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 का स्थान लिया है.
4. प्रोजेक्ट नेक्सस जिसका भारत संस्थापक सदस्य और प्रथम प्रस्तावक देश है, इसमें दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के कितने और देश शामिल हैं ? ***—4***
☞ प्रोजेक्ट नेक्सस एक घरेलू त्वरित भुगतान प्रणालियों (एफपीएस) को आपस में जोड़कर तत्काल सीमा पार खुदरा भुगतान को सक्षम करने की एक बहुपक्षीय अन्तर्राष्ट्रीय पहल है. इसमें भारत सहित दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के 4 देश मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाइलैंड के एफपीएस को नेक्सस के माध्यम से आपस में जोड़ा जाएगा. गौरतलब है कि प्रोजेक्ट नेक्सस की संकल्पना बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) के इनोवेशन हब द्वारा की गई है.
5. हाल ही में किस तिथि को अपसौर की स्थिति देखने को मिली है ? ***—5 जुलाई, 2024***
☞ पृथ्वी हर वर्ष जुलाई में अपसौर (अपसौर) अवस्था में पहुँचती है. इस वर्ष यह 5 जुलाई को हुआ. यह पृथ्वी की कक्षा में वह बिन्दु है जब वह सूर्य से सबसे अधिक दूर होती है. अपसौर पर, पृथ्वी की सूर्य से दूरी लगभग 152·1 मिलियन किमी होती है.
6. हालिया रिपोर्ट्स के आधार पर पता चला है कि दिल्ली में पिछले 5 वर्षों की तुलना में इस वर्ष डेंगू के अधिक मामले सामने आए हैं. डेंगू जाँच के लिए किस टेस्ट का प्रयोग किया जाता है ? ***—एलिसा टेस्ट***
☞ डेंगू वायरस मादा एडीज (एई) मच्छर के काटने से फैलता है. डेंगू बुखार का पता लगाने के लिए IgM और IgG एंटीबॉडी टेस्ट और NS1 एंटीजन टेस्ट किए जाते हैं. दोनों ही एलिसा किट के जरिए किए जाते हैं और इसलिए इन्हें एलिसा टेस्ट के नाम से भी जाना जाता है.
7. हाल ही में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कितने कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र प्रदान किए है ? ***—10 कीर्ति चक्र और 26 शौर्य चक्र***
☞ स्वतंत्रता के बाद, पहले 3 वीरता पुरस्कार अर्थात् परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र भारत सरकार द्वारा 26 जनवरी, 1950 को स्थापित किए गए, जो 15 अगस्त, 1947 से प्रभावी माने गए. जनवरी 1967 में तीन वीरता पुरस्कारों अर्थात् अशोक चक्र श्रेणी-I, अशोक चक्र श्रेणी-II और अशोक चक्र श्रेणी-III का नाम बदलकर क्रमशः अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र कर दिया गया. इन पुरस्कारों का वरीयता क्रम परमवीर चक्र, अशोक चक्र, महावीर चक्र, कीर्ति चक्र, वीर चक्र और शौर्य चक्र है.
8. हाल ही में जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कौनसे थल सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार सँभाला है ? ***—30वें***
☞ जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इनसे पूर्व जनरल मनोज पांडे के स्थान पर थल सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार सँभाला है.
9. हाल ही में किसे पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है ? ***—न्यायमूर्ति शील नागू को***
☞ पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू को नियुक्त किया गया है. भारत में कुल 25 उच्च न्यायालय हैं.
10. हाल ही में नीति आयोग द्वारा जारी सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) भारत सूचकांक में किसने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है ? ***—केरल और उत्तराखंड***
☞ नीति आयोग द्वारा जारी एसडीजी भारत सूचकांक (चौथा संस्करण) में केरल और उत्तराखंड 79-79 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य हैं. इस सूचकांक में बिहार 57 अंकों के साथ सबसे निचले स्थान पर है. गौरतलब है कि इस सूचकांक का पहला संस्करण वर्ष 2018 में प्रकाशित हुआ था.
11. भारत का पहला अन्तर्राष्ट्रीय जेनएआई कॉन्क्लेव किस राज्य में आयोजित किया गया है ? ***—केरल में***
☞ भारत का पहला अन्तर्राष्ट्रीय जेनएआई कॉन्क्लेव केरल सरकार द्वारा आईबीएम के सहयोग से 11-12 जुलाई, 2024 तक ग्रैंड हयात, मुलवुकाड, कोच्चि में आयोजित किया गया.
12. हाल ही में किस राज्य की पुलिस अधीनस्थ चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में पहली बार 3 ट्रांसजेंडर ने परीक्षा उत्तीर्ण की है ? ***—बिहार***
☞ मधु कश्यप सहित रोहित झा और बंटी कुमार (तीनों ट्रांसजेंडर) ने बिहार पुलिस अधीनस्थ चयन आयोग (बीपीएसएससी) द्वारा आयोजित परीक्षा को पास कर राज्य में एसआई पदों के लिए अर्हता प्राप्त की है, जो बिहार के ट्रांस समुदाय के लिए पहली बार है. गौरतलब है कि पिछले वर्ष किए गए बिहार जाति सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य में 40,827 ट्रांसजेंडर हैं.
13. हाल ही में किस भारतीय पूर्व क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त गया है ? ***—गौतम गम्भीर को***
☞ गौतम गम्भीर ने मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का स्थान लिया है. गौतम गम्भीर का इस पद पर कार्यकाल दिसम्बर 2027 तक रहेगा.
14. भगवान जगन्नाथ की 147वीं वार्षिक रथ यात्रा महोत्सव इस वर्ष कितने दिन तक आयोजित की गई ? ***—2 दिन***
☞ आमतौर पर एक ही दिन में आयोजित होने वाला यह उत्सव इस वर्ष 7 और 8 जुलाई, 2024 को 2 दिनों तक आयोजित किया गया. गौरतलब है कि इस यात्रा का यह 2 दिवसीय आयोजन 53 वर्षों के बाद हुआ है. इससे पूर्व वर्ष 1971 में इसका 2 दिवसीय आयोजन किया गया था. जगन्नाथ रथ यात्रा भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और उनकी बहन सुभद्रा की प्रतीकात्मक यात्रा है.

15. हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी ओडिशा की 4 दिवसीय यात्रा के दौरान किस ऐतिहासिक महत्व की गुफाओं का दौरा किया है ? *—उदयगिरि गुफाओं का*

☞ उदयगिरि की गुफाएं ब्राह्मी लिपि में खुदे हाथीगुम्फा शिलालेख के लिए प्रसिद्ध हैं. इस शिलालेख में ओडिशा के प्राचीन नाम कलिंग के महान सम्राट खारवेल द्वारा किए गए विभिन्न सैन्य अभियानों का विवरण है.

अन्तर्राष्ट्रीय

1. हाल ही में जारी लैंसेट रिपोर्ट के अनुसार भारत के किस शहर में हर वर्ष होने वाली मौतों में से लगभग 11·5 प्रतिशत यानी 12,000 मौतें केवल वायु प्रदूषण के कारण होती हैं ? *—नई दिल्ली*

☞ हाल ही में जारी लैंसेट रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में हर वर्ष होने वाली मौतों में से लगभग 11·5 प्रतिशत यानी लगभग 12,000 मौतें वायु प्रदूषण के कारण होती हैं. अध्ययन में कहा गया है कि 10 शहरों—अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, शिमला और वाराणसी में हर वर्ष औसतन 33,000 से अधिक मौतें वायु प्रदूषण के कारण होती हैं.

2. हाल ही में एससीओ शिखर सम्मेलन के राष्ट्राध्यक्ष परिषद् की बैठक कहाँ आयोजित की गई है ? *—अस्ताना (कजाकिस्तान)*

☞ हाल ही में एससीओ शिखर सम्मेलन का आयोजन कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में किया गया था. गौरतलब है कि एससीओ की स्थापना 15 जून, 2001 को शंघाई में एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के रूप में की गई थी. वर्तमान में इसके सदस्य देश—भारत, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस हैं. बेलारूस 4 जुलाई, 2024 को 10वें सदस्य देश के रूप में SCO में शामिल हुआ. 9 जून, 2017 को भारत और पाकिस्तान पूर्णकालिक सदस्य के है. रूप में एससीओ में शामिल हो गए. अफगानिस्तान और मंगोलिया को पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है ?

3. हाल ही में किस देश की नौसेना ने भारत के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) के साथ 800 टन वजनी समुद्री जहाज के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं ? *—बांग्लादेश*

☞ हाल ही में हुआ यह समझौता रक्षा उपकरणों की खरीद के लिए भारत द्वारा बांग्लादेश को दी गई 500 मिलियन डॉलर की ऋण सहायता के तहत् हस्ताक्षरित होने वाला एक प्रमुख अनुबंध है.

4. एक्सिओम-4 मिशन जिसके तहत् भारत ने अपने 4 प्रशिक्षित गगनयान अंतरिक्ष यात्रियों में से 2 को इस मिशन के तहत् अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए चुना है. किस अन्तर्राष्ट्रीय संस्था द्वारा इस मिशन को लॉन्च किया जाएगा ? *—नासा और एक निजी अमेरिकी कम्पनी एक्सिओम*

☞ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने 4 प्रशिक्षित गगनयान अंतरिक्ष यात्रियों में से 2 को इस वर्ष के अंत में अमेरिका के नासा के साथ मिलकर एक्सिओम-4 मिशन के तहत् अन्तर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक मिशन के लिए चुना है. इस मिशन पर केवल एक अंतरिक्ष यात्री ही जाएगा. एक्सिओम-4 मिशन नासा और एक निजी अमेरिकी कम्पनी एक्सिओम स्पेस का चौथा निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है.

5. हाल ही में किस पहले व्यक्ति का मिर्गी के दौरे को नियंत्रित करने के लिए सफल मस्तिष्क प्रत्यारोपण किया गया है ? *—ओरान नोल्सन (ब्रिटेन)*

☞ डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डीबीएस) डिवाइस, जो मस्तिष्क में गहरे तक विद्युत् संकेत भेजती है, ने नोल्सन के दिन के समय होने वाले दौरे को 80 प्रतिशत तक सफलतापूर्वक कम कर दिया है. मिर्गी एक ऐसी स्थिति है जिसके कारण बार-बार दौरे पड़ते हैं. यह मस्तिष्क में असामान्य विद्युत् गतिविधि के कारण होता है. वर्ष 2022 के लैंसेट रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति 1,000 लोगों में से 3 से 11·9 लोग मिर्गी से पीड़ित हैं.

6. हाल ही में यूनाइटेड किंगडम में कीर स्टार्मर ने नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की है. यह किस पार्टी से सम्बन्धित हैं ? *—लेबर पार्टी*

☞ 5 जुलाई, 2024 को यूनाइटेड किंगडम की लेबर पार्टी विजयी हुई और कीर स्टार्मर नए प्रधानमंत्री बने. इसने कंजरवेटिव पार्टी के 14 वर्ष के शासन के बाद वापसी की है.

7. हाल ही में किस देश ने पहली बार किसी महिला को देश के शीर्ष सैनिक चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद पर नियुक्त किया है ? *—कनाडा ने*

☞ कनाडा ने सैन्य इंजीनियर कैरिगनन को शीर्ष सैनिक चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद पर नियुक्त किया है.

8. हाल ही में प्रसिद्ध उपन्यासकार इस्माइल कदारे का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया. वह किस देश से सम्बन्धित है ? *—अल्बानिया*

☞ प्रसिद्ध अल्बानियाई उपन्यासकार इस्माइल कदारे का वर्ष 1963 में प्रकाशित उपन्यास 'द जनरल ऑफ द डेड आर्मी' ने काफी प्रसिद्धि प्राप्त की थी. गौरतलब है कि वर्ष 2023 में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने उन्हें ग्रैंड ऑफिसर ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर की उपाधि से सम्मानित किया था.

9. कोटा भारू, जो हाल ही में ईस्ट कोस्ट रेल लिंक (ईसीआरएल) के लिए चर्चा में था, किस देश में स्थित है ? *—मलेशिया में*

☞ पूर्वी तटीय रेल लिंक (ईसीआरएल) मलेशिया के उत्तर-पूर्वी तट के निकट केलंतन नदी पर स्थित कोटा भारू को देश के पश्चिमी तट पर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मलक्का जलडमरूमध्य पर स्थित पोर्ट क्लैंग से जोड़ेगा.

10. आगामी विश्व शतरंज चैम्पियनशिप की मेजबानी किस देश को सौंपी गई है ? *—सिंगापुर*

☞ हाल ही में सिंगापुर ने विश्व शतरंज चैम्पियनशिप के लिए मेजबानी का अधिकार हासिल कर लिया है. यह प्रतियोगिता 20 नवम्बर से 15 दिसम्बर के बीच आयोजित की जाएगी.

11. 4 जुलाई, 2024 को संयुक्त राज्य अमेरिका का कौनसा स्वतंत्रता दिवस मनाया गया है ? *—248वाँ*

☞ 4 जुलाई को संयुक्त राज्य अमेरिका का 248वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया.

12. आगामी कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज-29 का आयोजन किस देश में किया जाएगा ? *—बाकू अजरबैजान में*

☞ 11 से 22 नवम्बर, 2024 के बीच CoP 29 का आयोजन बाकू अजरबैजान में किया जाएगा. गौरतलब है कि CoP28 का आयोजन दुबई, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया गया था.

13. हाल ही में कहाँ 11 जुलाई, 2024 को नाटो की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया है ? *—वाशिंगटन डीसी में*

☞ 4 अप्रैल, 1949 को गठित उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की वार्षिक बैठक का आयोजन अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में किया गया. गौरतलब है कि नाटो में 32 देश शामिल हैं और इस समूह में नवीनतम सदस्य स्वीडन (2024) है.

14. हाल ही में किस देश ने प्रधानमंत्री मोदी को अपनी देश की यात्रा के दौरान सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सम्मानित किया है ? *—रूस*

☞ रूस ने प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा के दौरान उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सम्मानित किया. इस पुरस्कार की घोषणा वर्ष 2019 में ही की गई थी.

15. हाल ही में चर्चा में रहा चितवन राष्ट्रीय उद्यान किस देश में अवस्थित है ? *—नेपाल*

☞ नेपाल के चितवन क्षेत्र में भूस्खलन के बाद त्रिशूली नदी में दो बसों के बह जाने के बाद 7 भारतीय नागरिकों सहित कम-से-कम 65 लोग लापता बताए जा रहे हैं. यह क्षेत्र चितवन राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आता है जिसे 1973 में नेपाल के पहले राष्ट्रीय उद्यान के रूप में स्थापित किया गया था.

●●●

विश्व परिदृश्य

✍ डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

भारत व बांग्लादेश-सम्बन्धों को मजबूत करने की नई कोशिश

अवामी लीग की नेता तथा बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद 21-22 जून, 2024 को 2 दिन की भारत यात्रा पर आईं थीं. मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के बाद भारत आने वाली वह पहली राष्ट्राध्यक्ष थीं. इसके पहले वे 9 जून, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत आईं थीं. प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोहों में इस बार भी भारत के 7 पड़ोसियों को आमंत्रित किया था. इसमें सार्क के 5 देशों—मालद्वीव, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल तथा भूटान के अलावा मॉरिशस तथा सेशेल्स के राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया था. अपनी **पड़ोस पहले** की नीति के अन्तर्गत भारत 2014 तथा 2019 के प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोहों में भी अपने पड़ोसी देशों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित कर चुका है.

शेख हसीना की भारत यात्रा 21-22 जून, 2024

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री की 2 सप्ताह से भी कम समय में सम्पन्न हुई भारत की दूसरी यात्रा कई मामलों में महत्वपूर्ण है. यात्रा के अन्त में जारी संयुक्त दस्तावेज को भविष्य के लिए सहयोग का एक साझा विजन कहा गया है—इसका शीर्षक है—India-Bangladesh Shared Vision for Future : Enhancing Connectivity, Commerce and Collaboration for Shared Prosperity.

इस यात्रा के कतिपय महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नवत् हैं—

1. चीन और तीस्ता नदी परियोजना— बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के दोबारा इतनी जल्दी भारत आने का मुख्य कारण चीन है. वस्तुतः चीन ने बांग्लादेश की तीस्ता नदी के विकास हेतु एक नदी विकास प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया है जिस पर चीन इस प्रोजेक्ट में वित्तीय सहायता देने हेतु सहमत है. इसके पहले शेख हसीना भारत को विश्वास में लेना चाहती हैं, क्योंकि भारत अपने निकट चीन की इस उपस्थिति का विरोध करता रहा है. यदि भारत व बांग्लादेश के बीच तीस्ता नदी के विवाद की पृष्ठभूमि को देखा जाए तो यह मामला संवेदनशील है. तीस्ता नदी उत्तरी सिक्किम में स्थित **सो ल्हामो झील** से निकलकर पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग से होते हुए उत्तरी बांग्लादेश में प्रवेश करती है तथा बांग्लादेश में ही ब्रह्मपुत्र नदी में मिल जाती है. यह नदी उत्तरी बांग्लादेश में सिंचाई का प्रमुख साधन है. बांग्लादेश गंगा नदी के 1996 के जल बँटवारे की तरह ही तीस्ता नदी के जल बँटवारे के लिए भारत के साथ समझौता करने का प्रयास करता रहा है. वर्ष 2011 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की बांग्लादेश यात्रा के समय इस समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने थे. लेकिन अन्तिम अवसर पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दार्जिलिंग के किसानों के हितों का हवाला देकर इस समझौते का विरोध कर दिया था. उनके निरन्तर विरोध के चलते इस समझौते पर आज तक हस्ताक्षर नहीं हो पाए हैं. इस समझौते के एवज में बांग्लादेश अपनी भूमि से होकर उत्तर-पूर्वी राज्यों तक पहुँच के लिए भारत को एक रास्ता भी देना चाहता था. तीस्ता नदी पर समझौता न होने के कारण बांग्लादेश द्वारा रास्ता देने का मामला भी लटक गया. उक्त स्थिति में बांग्लादेश ने तीस्ता प्रोजेक्ट की योजना बनाई है. इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बांग्लादेश में एक स्टोरेज का निर्माण किया जाएगा, जिसमें तीस्ता नदी से बरसात में पानी भरा जाएगा तथा गर्मी के दिनों में सिंचाई के लिए इसका प्रयोग किया जाएगा. चीन इस प्रोजेक्ट के बहाने बांग्लादेश में भी अपने पैर फैलाना चाहता है. शेख हसीना का तर्क है कि जब भारत तीस्ता नदी में जल बँटवारे के लिए समझौता नहीं कर पा रहा है तो बांग्लादेश द्वारा अपने हितों की रक्षा करने के लिए तीस्ता प्रोजेक्ट तैयार किया गया है. 21-22 जून, 2024 को शेख हसीना की भारत यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि भारत तीस्ता प्रोजेक्ट को क्रियान्वित करने के लिए तैयार हो गया है तथा इसके लिए दोनों देशों की सहमति से तकनीकी अध्ययन भी शीघ्र आरम्भ किया जाएगा.

इससे फिलहाल चीन के बांग्लादेश में प्रवेश का खतरा टल गया है, लेकिन चीन भविष्य में दोबारा इस तरह का मौका तलाशने की कोशिश अवश्य करेगा.

2. गंगा जल बँटवारा समझौता, 1996 का नवीनीकरण— सीमा पार बहने वाली नदियों के जल का बँटवारा दोनों देशों के बीच सहयोग व तनाव दोनों का एक महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है. इसी बीच बांग्लादेश ने 1996 में गंगा जल बँटवारे के लिए ऐतिहासिक समझौते को भी आगे बढ़ाने की पेशकश की है. उल्लेखनीय है कि गंगा जल बँटवारा समझौता 1996 में 30 वर्ष की अवधि के लिए हुआ था तथा इसकी 30 वर्ष की अवधि 2026 में समाप्त हो रही है. इस यात्रा के दौरान दोनों देश इस समझौते का नवीनीकरण करने के लिए बातचीत करने पर सहमत हुए हैं. लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर भी यह माँग की है कि पश्चिम बंगाल को शामिल किए बिना गंगा जल बँटवारे में बांग्लादेश के साथ कोई बातचीत नहीं की जानी चाहिए. उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार वैदेशिक मामलों में राजनीतिक दृष्टि से भले ही किसी राज्य की शर्त मान ले, लेकिन कानूनी दृष्टि से केन्द्र सरकार विदेश नीति के मामलों में निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है. इसका कारण है कि विदेश नीति सम्बन्धी मामले संविधान की 7वीं अनुसूची में संघ सूची में शामिल हैं. इसके साथ ही अनुच्छेद 253 के अन्तर्गत संसद को किसी अन्तर्राष्ट्रीय समझौते को लागू करने के लिए राज्य सूची के विषयों पर भी कानून बनाने का अधिकार है. उक्त व्यवस्था के आलोक में कह सकते हैं कि ममता बनर्जी का विरोध राजनीतिक है, उसका कोई संवैधानिक अथवा कानूनी अधिकार नहीं है.

3. यातायात सम्पर्कता सहयोग— भारत व बांग्लादेश के बीच आपसी लाभ का एक महत्वपूर्ण बिन्दु सम्पर्कता भी है. इस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की है कि जहाँ एक ओर भारत बांग्लादेश को नेपाल तथा भूटान से व्यापार करने के लिए न केवल अपनी रेल यातायात सुविधाओं के प्रयोग का अधिकार देगा वहीं भारत भी बांग्लादेश के यातायात साधनों का प्रयोग कर अपने उत्तर-पूर्व के राज्यों से सम्पर्क कर सकेगा. उल्लेखनीय है कि पहले बांग्लादेश, भूटान, भारत तथा नेपाल ने बी. बी.आई.एन. सम्पर्कता परियोजना को लागू करने पर विचार किया था. इस परियोजना के अन्तर्गत इन चारों देशों को स्थल मार्ग से जोड़ा जाना था, लेकिन भूटान की असहमति के बाद यह परियोजना अन्तिम रूप नहीं ले

क्या है गंगा जल समझौता, 1996?

वर्ष 1996 में बांग्लादेश में अवामी लीग के सत्ता में आने के बाद उसकी नेता शेख हसीना ने 10-12 दिसम्बर, 1996 को भारत की यात्रा की. इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के मध्य गंगा जल के बँटवारे के लिए 30 वर्षीय एक स्थायी समझौते पर हस्ताक्षर हुए जिसके मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं—

- *यदि गंगा के पानी की उपलब्धता 70 हजार क्यूसेक से कम है, तो दोनों देशों को बराबर-बराबर पानी प्राप्त होगा.*
- *यदि उपलब्ध पानी की मात्रा 70 हजार क्यूसेक से 75 हजार क्यूसेक के बीच है, तो बांग्लादेश का हिस्सा 35 हजार क्यूसेक होगा तथा शेष पानी भारत को प्राप्त होगा.*
- *यदि गंगा में उपलब्ध पानी की मात्रा 75 हजार क्यूसेक से अधिक है, तो भारत का हिस्सा 40 हजार क्यूसेक होगा तथा शेष पानी बांग्लादेश को मिलेगा.*

यह समझौता दोनों देशों के सम्बन्धों में एक मील का पत्थर है तथा इससे दोनों देशों को अन्य नदियों के जल के बँटवारे में मार्गदर्शन प्राप्त होगा. वर्तमान में दोनों देशों के मध्य 54 साझी नदियों के जल के बँटवारे का मामला लम्बित है. गंगा जल समझौता 2026 में समाप्त हो रहा है. जून 2024 में शेख हसीना की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने इस जल समझौते के नवीनीकरण पर सहमति व्यक्त की है तथा इसके लिए एक तकनीकी समिति का भी गठन किया गया है.

सकी. फिर भी भारत व बांग्लादेश के बीच वर्तमान यातायात समझौते से जहाँ बांग्लादेश को अपना व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी वहीं भारत को अपने उत्तर-पूर्व के क्षेत्रों से सम्पर्कता के लिए एक नया विकल्प मिल सकेगा.

यातायात सहयोग के मामले में दोनों देशों ने कतिपय अन्य पहलों पर भी सहमति व्यक्त की है, जैसे कोलकाता तथा बांग्लादेश के राजशाही के बीच नई रेल सेवा, कोलकाता तथा चिटगाँव के बीच नई बस सेवा, दोनों देशों के बीच एक नई गुड्स रेल अथवा मालगाड़ी सेवा, तथा भारत की सहायता से बांग्लादेश के सिराजगंज में एक इनलैंड कन्टेनर डिपो की स्थापना.

4. ऊर्जा सहयोग—दोनों देश दक्षिण एशिया में अन्त:क्षेत्रीय बिजली व्यापार को बढ़ाना चाहते हैं. एक तरफ जहाँ बांग्लादेश में क्लीन बिजली की कमी है वहीं नेपाल में जल विद्युत अधिक है. अत: भारत ने अपने बिजली ग्रिड के माध्यम से बांग्लादेश को नेपाल से बिजली खरीदने पर अनुमति दे दी है. अब बांग्लादेश नेपाल से बिजली खरीद सकेगा जिसकी आपूर्ति भारतीय बिजली ग्रिड से की जाएगी. दोनों देशों ने बिहार के कटिहार से बाग्लादेश के डालगाँव तक बिजली ग्रिड के शीघ्र निर्माण पर भी सहमति व्यक्त की है.

5. उभरती हुई तकनीकियों में सहयोग—दोनों देश इस बात से सहमत थे कि वर्तमान में जीवन्त, समावेशी तथा डिजिटल सशक्तीकरण पर आधारित समाज के विकास की आवश्यकता है. इसके लिए दोनों देशों ने इस यात्रा के समय दो दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए हैं—

1. भारत-बांग्लादेश जीवन्त भविष्य के लिए डिजिटल साझेदारी पर साझा दृष्टिकोण (Shared Vision for India-Bangladesh Digital Partnership for Sustainable Future).

2. भारत-बांग्लादेश जीवन्त विकास के लिए हरित साझेदारी पर साझा दृष्टिकोण (Shared Vision for India-Bangladesh Green Partnership for a Sustainable Future).

इन दोनों दृष्टिकोणों को दोनों देश भारत के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य तथा बांग्लादेश के स्मार्ट बांग्लादेश 2041 के लक्ष्य के साथ समायोजित करने का प्रयास करेंगे. जहाँ भारत 2047 में अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे कर रहा है, वहीं बांग्लादेश 2041 में अपने स्वतंत्र देश के रूप में निर्माण के 70 वर्ष पूरा कर रहा है. इसीलिए इन वर्षों को विकास लक्ष्यों में स्थान दिया गया है.

6. व्यापार तथा निवेश—दोनों देशों ने अपनी जनता की समृद्धि को बढ़ाने के लिए व्यापार तथा निवेश सम्बन्धों को मजबूत बनाने पर सहमति व्यक्त की. इसके लिए दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (Comprehensive Economic partnership Agreement–CEPA) हेतु वार्ताओं की शीघ्र शुरूआत करने, भारत द्वारा बांग्लादेश में दो मुक्त व्यापार क्षेत्र—मोंगला तथा मीरसराय को शीघ्र कियाशील बनाने, व्यापार सम्पर्कता तथा इसके लिए ढ़ाँचागत सुविधाओं के विकास पर सहमति व्यक्त की.

7. विकास साझेदारी—विकास साझेदारी भारत व बांग्लादेश के सम्बन्धों में एक महत्वपूर्ण आयाम है. भारत-बांग्लादेश में विकास की कई परियोजनाओं में सहायता प्रदान कर रहा है. इस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने इस बात पर सहमति की विकास साझेदारी का विस्तार करने के लिए दोनों देश एक फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे. इससे भारत की विकास योजनाएं बांग्लादेश की प्राथमिकताओं के अनुसार वहाँ की जनता तक पहुँच सकेंगी.

8. सहयोग के अन्य क्षेत्र—यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अन्य कतिपय क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है. ये क्षेत्र हैं—प्रतिरक्षा, नीली अर्थव्यवस्था (Blue Economy), हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में सहयोग, क्षेत्रीय मंचों में सहयोग, संस्कृति, शिक्षा तथा जनता के बीच सहयोग. भारत ने बांग्लादेश से इलाज कराने आ रहे नागरिकों को ई-मेडिकल वीजा देने की सुविधा प्रदान करने की घोषणा की है. बांग्लादेश ने भारत के इन्डो-पैसिफिक ओसन पहल (Indo Pacific Ocean Initiative) के आपदा प्रबन्धन स्तम्भ में शामिल होने पर सहमति व्यक्त की है.

10. दस समझौते—इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच दो साझा दृष्टिकोण पत्र तथा 8 समझौते हस्ताक्षरित किए गए, जिनका विवरण निम्नवत् हैं—

1. ग्रीन साझेदारी पर भारत-बांग्लादेश साझा दृष्टिकोण

2. डिजिटल साझेदारी पर बांग्लादेश साझा दृष्टिकोण

3. समुद्री सहयोग तथा नीली अर्थव्यवस्था में सहयोग पर सहमति-पत्र

4. संयुक्त छोटे सेटेलाइट में सहयोग के लिए सहमति-पत्र

5. एक दूसरे के यहाँ रेलवे सुविधा देने के लिए सहमति-पत्र

6. समुद्री शोध में सहयोग के लिए सहमति-पत्र

7. भारत में बांग्लादेश के सैन्य अधिकारियों के सैन्य प्रशिक्षण के लिए सहमति-पत्र

8. स्वास्थ्य तथा मेडिसिन में सहयोग-पत्र का नवीनीकरण

9. आपदा प्रबन्धन में सहयोग के सहमति-पत्र का नवीनीकरण

10. मत्स्य पालन में सहयोग के सहमति-पत्र का नवीनीकरण

निष्कर्ष

बांग्लादेश सहित अन्य पड़ोसियों के साथ भारत के वर्तमान सम्बन्धों में 2 चुनौतियाँ प्रमुख हैं—चीन का बढ़ता सामरिक व आर्थिक प्रभाव तथा इन देशों की घरेलू नीति. बांग्लादेश भी इन चुनौतियों से दूर नहीं है. नेपाल, मालद्वीव, श्रीलंका आदि कई देशों में एक न एक राजनीतिक दल ऐसा है जो सत्ता में आने के बाद चीन समर्थित नीतियों का अनुसरण करता है तथा भारत के साथ उसके तनाव उत्पन्न होते हैं. वर्तमान में नेपाल के माओवादी दल

तथा मालद्वीव में मोइजू की पार्टी इसके प्रमुख उदाहरण हैं. बांग्लादेश में अभी स्थिति भारत के पक्ष में है, क्योंकि शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग सत्ता में है. लेकिन वहाँ की विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी-बी.एन.पी. पाकिस्तान व चीन दोनों के साथ घनिष्ठ सम्बन्धों की पक्षधर है. 1991 के बाद जब से दोबारा बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुरूआत हुई पहले 5 वर्ष अर्थात् 1991 से 1996 तक बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की नेता खालिदा जिया सत्ता में रहीं, उसके बाद 1996 से 2001 तक अवामी लीग की वर्तमान प्रधानमंत्री शेख हसीना सत्ता में रही, तथा 2001 से 2006 तक पुनः खालिदा जिया का शासन रहा. 2008 के चुनावों के बाद से लगातार शेख हसीना सत्ता में रही है तथा वे निरन्तरता में चौथी बार फरवरी 2024 में फिर सत्ता में आ गई हैं. इस प्रकार 2008 से लगातार बांग्लादेश में भारत समर्थक अवामी लीग का शासन रहा है, लेकिन जब भी वहाँ दूसरी पार्टी बी.एन.पी. सत्ता में आती है तो चीन को लेकर भारत की चुनौतियाँ बढ़ जाएंगी.

इस समस्या के बावजूद इतना अवश्य है कि अवामी लीग के शासन काल में गत दशकों में दोनों देशों ने महत्वपूर्ण आर्थिक व विकास साझेदारी, नदियों के जल के उपयोग में सहयोग तथा सम्पर्कता सुविधाओं का विकास किया है. अब दोनों देश सम्पर्कता के साथ-साथ क्लीन ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपने सहयोग को मजबूत बनाने का प्रयास कर रहे हैं. इसके अलावा क्षेत्रीय व वैश्विक मामलों में दोनों देशों के बीच हितों का सामंजस्य पाया जाता हैं. इसीलिए भारत ने जी-20 सम्मेलन के दौरान दक्षिण एशिया से केवल बांग्लादेश को ही अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया था. जब तक बांग्लादेश में अवामी लीग की सरकार है भारत तथा बांग्लादेश के बीच आपसी समझ से सम्बन्ध मजबूत होते रहेंगे. फिर भी चीन को लेकर भारत को सतर्क होने की आवश्यकता है.

भारत व यूनान–साझा सामरिक दृष्टिकोण की तलाश

वैसे तो भारत व यूनान या आधुनिक ग्रीस के सम्बन्ध बहुत प्राचीन हैं, लेकिन बाद में विशेषकर शीत युद्ध काल में सम्बन्ध अधिक प्रगाढ़ नहीं रहे हैं, लेकिन अब 21वीं शताब्दी में दोनों के बीच एक जैसा सामरिक दृष्टिकोण दिखाई दे रहा है तथा दोनों देश इस साझा सामरिक दृष्टिकोण को कार्यान्वित करने व उसे मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं. अगर लिखित इतिहास को ही लेकर चलें, तो भारत व यूनान के सम्बन्ध 2500 वर्ष से चले आ रहे हैं, जब ई.पू. 326 में सिकन्दर ने भारत पर आक्रमण किया था. सिकन्दर के जाने के बाद उसके प्रतिनिधि सेल्यूकस निकेटर ने उत्तरी-पश्चिमी सीमा पर शासन किया. चन्द्रगुप्त मौर्य के शासन काल में सेल्यूकस ने मेगस्थनीज को वहाँ अपना राजदूत नियुक्त किया. मेगस्थनीज ने अपनी पुस्तक 'इंडिका' में 'पाटलिपुत्र' के प्रशासन तथा भारत के बारे में जानकारी दी थी. भारत व यूनानी सांस्कृतिक आदान-प्रदान से मूर्तिकला की गांधार शैली का विकास हुआ जो आज भी प्रचलित है. भाषा विज्ञानियों ने यह भी प्रमाणित कर दिया है कि भारत की प्राचीन भाषा संस्कृत तथा ग्रीक भाषा के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध रहा है. निष्कर्षतः प्राचीन काल से ही भारत व यूनान के बीच सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा व्यापारिक आदान-प्रदान की लम्बी परम्परा रही है. दोनों देशों ने 1950 में कूटनीतिक सम्बन्ध स्थापित किए. लेकिन आजादी के बाद शीत युद्ध काल में भारत व यूनान के औपचारिक सम्बन्ध तो कायम हुए, लेकिन शीत युद्ध की सामरिक विवशताओं के चलते दोनों देशों के सम्बन्ध अधिक व्यापक नहीं हो सके.

उत्तर-शीत युद्ध काल में भारत व यूनान के सम्बन्धों में क्रमशः नए साझा सामरिक हितों का समावेश हुआ. अब दोनों देशों ने अपने सम्बन्धों का स्तर सामरिक साझेदारी तक ले जाने का निर्णय लिया है. इसमें यूनान के भारतविदों (Indologists) का विशेष योगदान है जो दोनों देशों के प्राचीन सांस्कृतिक आदान-प्रदान की पृष्ठभूमि में आज भी उस साझा विरासत पर शोध व अध्ययन कर रहे हैं. भारत सरकार ने 2002 में भारत में यूनानी राजदूत दिमित्रिस वेलिसारोपैलास (Dimitris Velissaropoulos) को भारत के प्रतिष्ठित सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया था. उन्होंने भारत के बारे में कई महत्वपूर्ण पुस्तकों का प्रकाशन किया है. इसी तरह यूनान के भारतविद् निकोलस कजानास को 2021 में पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. प्रोफेसर कजानास ने भारत में साहित्य व शिक्षा पर महत्वपूर्ण काम किया है. इस प्रकार के अध्ययन व सम्मान दोनों देशों के बीच पुराने सांस्कृतिक सम्बन्धों को पुनर्जीवित करने का प्रयास है.

भारत-यूनान सामरिक साझेदारी की शुरुआत

भारत व यूनान दोनों देशों ने 2023 में अपने सम्बन्धों को सामरिक साझेदारी के स्तर तक उठाने का निर्णय तब लिया जब भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूनानी प्रधानमंत्री के आमंत्रण पर 25 अगस्त, 2023 को यूनान की ऐतिहासिक यात्रा की. यह यात्रा ऐतिहासिक इस अर्थ में थी कि यह 40 वर्षों में भारत के किसी प्रधानमंत्री की पहली यूनान यात्रा थी. इसके पहले भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी ने 1983 में यूनान की यात्रा की थी. मोदी की यात्रा को भारत व यूनान के सम्बन्धों में टर्निंग पाइन्ट माना गया है. इस यात्रा के महत्वपूर्ण बिन्दु निम्नलिखित थे—

1. दोनों देशों ने पहली बार अपने सम्बन्धों को सामरिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने पर सहमति व्यक्त की. उल्लेखनीय है कि भारत सामरिक साझेदारी की व्यवस्था प्राथमिकता वाले देशों के साथ ही करता है. यह भी सहमति बनी कि इस सामरिक साझेदारी के अन्तर्गत दोनों देश राजनीतिक, सुरक्षा तथा आर्थिक मामलों में अपने द्विपक्षीय सम्बन्धों का विस्तार करेंगे.

2. दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों प्राचीन काल से समुद्री यातायात का प्रयोग करने वाले देश हैं तथा दोनों का एक समुद्री दृष्टिकोण है. दोनों ने भूमध्य सागर तथा हिन्द-प्रशान्त महासागर में एक खुली व नियम आधारित व्यवस्था की स्थापना के लिए एक साझा दृष्टिकोण को रेखांकित किया. इन दोनों समुद्री क्षेत्रों में नियम आधारित व्यवस्था 1982 के संयुक्त राष्ट्र के समुद्री कानून, देशों की सम्प्रभुता व क्षेत्रीय अखण्डता का सम्मान तथा समुद्री यातायात की स्वतंत्रता पर आधारित होगी. ऐसी व्यवस्था विश्व में शांति व स्थिरता में सहायक होगी. उल्लेखनीय है कि इस तरह की नियम आधारित व्यवस्था की माँग कहीं न कही भूमध्य सागर में तुर्की के बढ़ते प्रभुत्व तथा हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र चीन के बढ़ते प्रभुत्व को रोकने के लिए यूनान तथा चीन के साझा सामरिक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है.

3. दोनों देशों ने जनता के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का निर्णय लिया. इसके लिए दोनों देशों ने अपने अधिकारियों को राजनीति, आर्थिक, प्रतिरक्षा तथा अन्य मामलों में विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करने के लिए निर्देशित किया. दोनों देशों में यह भी सहमति बनी कि 2030 तक दोनों देशों के व्यापार को दोगुना किया जाएगा. वर्तमान में दोनों देशों के बीच व्यापार केवल दो बिलियन डॉलर है. यह भी तय हुआ कि दोनों देश भारत व यूनान के बीच सीधी हवाई सेवा की शुरुआत करेंगे.

4. इसी यात्रा के दौरान यूनान के राष्ट्रपति ने भारत के प्रधानमंत्री मोदी को यूनान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान **ग्रांड क्रास ऑफ द आर्डर ऑफ आनर** (Grand Cross of the Order of Honour) से सम्मानित किया. इसी दौरान मोदी ने यूनान में रहने वाले भारतीयों को सम्बोधित किया तथा यह सम्मान उनकी मेहनत व लगन को समर्पित करने की घोषणा की. उल्लेखनीय है कि वर्तमान में यूनान में लगभग 1200 भारतीय निवास करते हैं.

यूनानी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा, फरवरी 2024

सामरिक साझेदारी की स्थापना के बाद दोनों देश उच्च-स्तरीय विचार-विमर्श का क्रम बनाए हुए हैं. इसी क्रम ने भारत के आमंत्रण पर यूनान के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस (Kyriakos Mitsotakis) ने 21-22 फरवरी, 2024 को भारत की यात्रा की. उन्हें भारत द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले वैश्विक विचार-विमर्श **9वें रायसीना डायलाग** में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था. भारत ने 2016 में इस सामरिक विचार-विमर्श की शुरुआत की थी जिसमें विश्व के कई सामरिक विद्वान व राजनेता भाग लेते हैं. रायसीना डायलाग में भाग लेने के साथ-साथ यूनानी प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के साथ विभिन्न द्विपक्षीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श भी किया. उन्हें राष्ट्रपति भवन में राजकीय सम्मान भी दिया गया. प्रधानमंत्री मोदी ने उनके सम्मान में अलग से दोपहर के भोजन का कार्यक्रम भी आयोजित किया. यूनानी प्रधानमंत्री ने मुम्बई जाकर भारतीय उद्योगपतियों से भी मुलाकात की. यूनानी प्रधानमंत्री की इस यात्रा के अन्त में 22 फरवरी को दोनों देशों द्वारा एक संयुक्त वक्तव्य भी जारी किया गया, जिसके मुख्य बिन्दु निम्नलिखित हैं—

(अ) साझा मूल्य तथा सामरिक साझेदारी—दोनों पक्षों ने इस बात को दोहराया कि वे अपनी सामरिक साझेदारी के अन्तर्गत राजनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा, प्रतिरक्षा, समुद्री यातायात तथा सांस्कृतिक क्षेत्रों में सहयोग को व्यापक बनाएंगे. दोनों देशों ने इस बात को रेखांकित किया कि वे कतिपय साझा मूल्यों जैसे—लोकतंत्र, स्वतंत्रता, मानवाधिकारों का सम्मान, अन्तर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा, नियम आधारित वैश्विक व्यवस्था, अन्तर्राष्ट्रीय कानून के सम्मान पर विश्वास करते हैं. उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि उनके ऐतिहासिक व सांस्कृतिक सम्बन्ध वर्तमान सामरिक साझेदारी की आधारशिला हैं.

(ब) राजनीतिक, सुरक्षा तथा प्रतिरक्षा क्षेत्र में सहयोग—इस सम्बन्ध में दोनों देशों ने निम्न निर्णय लिए—

1. दोनों देश पूर्वी भूमध्य सागर तथा हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा तथा मिश्रित सुरक्षा चुनौतियों आदि में सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसके लिए दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच नियमित वार्ताओं का क्रम जारी किया जाएगा. दोनों देशों ने दोबारा भूमध्य सागर तथा हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के 1982 के समुद्री कानून पर आधारित एक खुली व नियम आधारित व्यवस्था की स्थापना का समर्थन किया.

2. दोनों देशों ने प्रस्तावित भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (India-Middle East-Europe Economic Corridor) के माध्यम से सम्पर्कता बढ़ाने पर जोर दिया. उल्लेखनीय है कि सितम्बर 2023 में जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन के दौरान इस गलियारे का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया था. यह गलियारा भारत के कांदला व मुम्बई बन्दरगाहों से आरम्भ होकर यू.ए.ई., सउदी अरब तथा इजराइल के हैफा बन्दरगाह होते हुए यूनान के पियारिस बन्दरगाह को जोड़ेगा. इस प्रकार भारत के लिए यूनान यूरोप जाने के लिए प्रवेश द्वार की तरह है.

3. भारत ने 2019 में हिन्द प्रशान्त क्षेत्र में शांति व सहयोग के लिए इन्डो-पैसिफिक ओसन इनीसिएटिव (Indo-Pacific Ocean Initiative) की स्थापना की थी. यूनान के प्रधानमंत्री ने भारत की इस पहल में अपनी भागीदारी की इच्छा जताई. अतः भविष्य में यूनान भी भारत की इस पहल का हिस्सा हो सकता है.

4. दोनों देशों ने प्रतिरक्षा के क्षेत्र में नियमित विचार-विमर्श करने, प्रतिरक्षा उत्पादन में नवोन्मेष के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की. इस सम्बन्ध में दोनों देशों ने एक सहमति पत्र पर भी हस्ताक्षर किए है.

(स) आर्थिक सहयोग, व्यापार तथा निवेश—आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में निम्न बिन्दु उल्लेखनीय हैं—

1. यूनानी प्रधानमंत्री ने अपने देश में भारतीय निवेश को बढ़ावा देने के लिए भारत के उद्योगपतियों व व्यावसायिओं से दिल्ली व मुम्बई में विचार-विमर्श किया. उन्होंने यूनान के इनर्जी, लॉजिस्टिक, बन्दरगाहों के विकास आदि क्षेत्रों में भारतीय निवेश का आह्वान किया. इसके साथ ही दोनों देशों ने शिपिंग, औषधि उद्योग तथा कृषि क्षेत्र में पहले से चल रहे सहयोग को और अधिक व्यापक बनाने पर सहमति व्यक्त की.

2. दोनों देशों ने डिजिटल अर्थव्यवस्था तथा नवोन्मेष के क्षेत्र में उत्तम व्यवहारों अथवा बेस्ट प्रैक्टिस को साझा करने पर सहमति व्यक्त की. दोनों देशों ने भारत के यू.पी.आई. सिस्टम तथा यूनानी वित्तीय सिस्टम को लिंक करने के निर्णय का स्वागत किया. इससे दोनों देशों के बीच वित्तीय हस्तांतरण तथा लेन-देन में सुविधा होगी.

3. दोनों देशों ने विज्ञान व तकनीकी के कतिपय नए क्षेत्रों जैसे नैनो टेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी तथा क्लीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की. इसके साथ ही दोनों देशों ने समाज के आर्थिक व सामाजिक विकास में आधुनिक संचार तकनीकी की भूमिका को स्वीकार करते हुए इसमें भी ज्ञान व प्रशिक्षण हेतु सहयोग बढ़ाने पर बल दिया.

(द) आव्रजन, नागरिकों की गतिशीलता तथा जनता के बीच सम्पर्क—इस सम्बन्ध में दोनों देशों में नागरिकों के एक दूसरे के यहाँ आवागमन को सुविधाजनक बनाने हेतु यथा शीघ्र माइग्रेशन एण्ड मोबिलिटी साझेदारी समझौते (Migration and Mobility Partnership Agreement–MMPA) पर हस्ताक्षर करने पर सहमति बनी है. इसके साथ ही दोनों देशों ने अपने प्राचीन सांस्कृतिक सम्बन्धों के आलोक में सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाने का निर्णय लिया. इसके साथ ही यह भी तय हुआ कि दोनों देश शिक्षा के क्षेत्र में आदान-प्रदान को गति प्रदान करेंगे.

(य) भारत-यूरोपीय संघ सम्बन्ध—उल्लेखनीय है कि यूनान यूरोपीय संघ का एक सदस्य है. भारत व यूरोपीय संघ के साथ पहले से सामरिक साझेदारी की प्रक्रिया चल रही है. दोनों देशों ने इस सामरिक साझेदारी को भी मजबूत बनाने का संकल्प लिया. वर्तमान में भारत तथा यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हेतु वार्ताओं का क्रम चल रहा है, लेकिन कतिपय तकनीकी असहमतियों से यह समझौता अभी तक मूर्तरूप नहीं ले पाया.

(र) वैश्विक मामलों में सहयोग—भारत तथा यूनान के प्रधानमंत्रियों ने इस यात्रा के दौरान कतिपय वैश्विक विषयों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की. दोनों नेताओं ने आतंकवाद के प्रत्येक रूप को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया. उन्होंने सीमा पार आतंकवाद की भर्त्सना की तथा सभी देशों से आतंकवाद के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने का आह्वान किया. दोनों देशों ने जलवायु परिवर्तन की चुनौती तथा इससे जुड़े मुद्दों पर सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की. उल्लेखनीय है कि 9वीं अवर ओसन कॉन्फ्रेंस

(Our Ocean Conference) यूनान में अप्रैल 2024 में हुई थी जिसमें भारत ने भी भाग लिया था.

(ल) **बहुपक्षीय मंचों में सहयोग**—1. दोनों देशों ने बहुपक्षीयता के सिद्धान्त (Multilateralism) तथा संयुक्त राष्ट्र के सिद्धान्तों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की. दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि वे इन सिद्धान्तों को मजबूत करने के लिए आपस में साथ मिलकर कार्य करेंगे.

2. दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र तथा सुरक्षा परिषद् में व्यापक सुधारों को आवश्यक बताया. इस अवसर पर भारत ने 2025-26 के लिए सुरक्षा परिषद् की अस्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन करने का आश्वासन भी दिया.

3. यूनान के प्रधानमंत्री ने भारत की पहल—**इंटरनेशनल सोलर एलायन्स** को महत्वपूर्ण माना. यूनान ने हाल ही में भारत के नेतृत्व में 'इंटरनेशनल सोलर एलायन्स' की सदस्यता ग्रहण की है. भारत द्वारा इंटरनेशनल सोलर एलायन्स की शुरुआत 2015 के पेरिस जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान की गई थी.

निष्कर्ष

इसमें कोई दोराय नहीं है कि भारत व यूनान के बीच गत कुछ वर्षों में सामरिक साझेदारी का तेजी से विकास हुआ है. अन्य बातों के अलावा इसका प्रमुख कारण तुर्की की भारत विरोधी तथा यूनान विरोधी नीतियाँ हैं. साइप्रस के मामले में 1974 से ही यूनान व तुर्की के बीच तनाव चल रहा है. साइप्रस भूमध्य सागर स्थित एक देश है जिसमें दक्षिण में ग्रीक जातीय समूह के लोग रहते हैं तथा उसके उत्तर में तुकी जाति समूह के लोग निवास करते हैं. दोनों को क्रमशः यूनान तथा तुर्की का समर्थन प्राप्त है. दोनों जातीय समूहों के मध्य तनातनी चलती रहती है. इस सम्बन्ध में तुर्की ने कई बार भूमध्य सागर में अपने सैनिक ताकत दिखाकर यूनान को दबाने की कोशिश की है. दूसरी तरफ तुर्की पाकिस्तान का भी सामरिक मित्र है तथा 2020 से लगातार संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है. सितम्बर 2023 में तुर्की के राष्ट्रपति रिसेप तैयप एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने सम्बोधन में कश्मीर मामले का समाधान कर वहाँ शांति स्थापना की माँग की. इसके पहले 2020 तथा 2022 में भी वे संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मामला उठा चुके हैं. भारत ने तुर्की के दृष्टिकोण को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया है तथा 2023 में ही तुर्की की एक कम्पनी को दिए गए शिप निर्माण के एक ठेके को रद्द कर दिया है. यह भी उल्लेखनीय है कि तुर्की ने ही भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान व मालद्वीव को लड़ाकू ड्रोन विमानों की आपूर्ति की है.

उधर अमेरिका तथा यूरोपीय देश हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में चीन की आक्रामक नीति का विरोध कर रहे हैं. ऐसी स्थिति में भारत तथा यूनान के बीच सामरिक साझेदारी का विकास एक स्वाभाविक घटना है. इसीलिए दोनों देश भूमध्य सागर व हिन्द-प्रशान्त सागर में नियम आधारित व्यवस्था की स्थापना की माँग कर रहे हैं. इसके अतिरिक्त भारत-मध्यपूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे में भी भारत व यूनान के बीच सहयोग की नई संभावना बन रही है. भविष्य में इस परियोजना से दोनों देशों के बीच व्यापार तथा अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने में मदद मिलेगी. यूनान यूरोपीय संघ का सदस्य है तथा भारत-यूरोपीय संघ की सामरिक साझेदारी भी दोनों देशों के सम्बन्धों के भविष्य के लिए अनुकूल है. ●●●

शेष पृष्ठ 83 का

वाले होते हैं और इसके लिए उच्च स्तर की फिटनेस की आवश्यकता होती है. इसलिए, पीईटी उम्मीदवार की शारीरिक फिटनेस, सहनशक्ति और धीरज का आकलन करता है, यह सुनिश्चित करता है कि वे माँग वाली भूमिकाओं के लिए फिट हैं.

पीईटी में, **लड़कों** के लिए चार स्पर्धाएँ हैं—16 सेकंड में 100 मीटर, 3 मिनट और 45 सेकंड में 800 मीटर, 3·5 मीटर की लम्बी कूद (3 प्रयास), और 4·5 मीटर की शॉट पुट (3 प्रयास). **लड़कियों** के लिए, 3 स्पर्धाएँ हैं—18 सेकंड में 100 मीटर, 4 मिनट और 45 सेकंड में 800 मीटर और 3 मीटर की लंबी कूद. रोजाना दौड़ने और पैरों की कसरत करने से 100 और 800 मीटर की स्पर्धाओं के लिए तैयारी करने में मदद मिलेगी.

इनमें से लम्बी कूद सबसे चुनौतीपूर्ण स्पर्धा है और कई उम्मीदवार इसमें असफल हो जाते हैं, क्योंकि इसके लिए उचित तकनीक की आवश्यकता होती है. लम्बी कूद की उचित तकनीकों के बारे में YouTube पर कई वीडियो उपलब्ध हैं और उम्मीदवार उन्हें देखकर लम्बी कूद का अभ्यास कर सकते हैं.

हर दिन के बजाय सप्ताह में एक या दो बार लम्बी कूद का अभ्यास करना उचित है, क्योंकि इस गतिविधि के दौरान शरीर को चोट लगने का अधिक खतरा होता है. शॉटपुट इन सभी में सबसे आसान स्पर्धा है और इसे बिना अधिक अभ्यास के किया जा सकता है, हालाँकि घर पर एक या दो बार अभ्यास करने की सलाह दी जाती है.

अवसर का लाभ उठाएं और लगन से इसकी तैयारी करें

यह प्रयास काफी विस्तृत रहा है और हमने कई आयामों को छुआ और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह लेख आपको UPSC-CAPF परीक्षा के बारे में आपके मन में उठने वाले कई प्रश्नों के जवाब देगा.

मेरा निरन्तर प्रयास रहा है कि महत्वपूर्ण चीजों को सामने लाया जाए और रक्षा सेवाओं के इच्छुक उम्मीदवार इस पहल का भरपूर लाभ उठाएंगे और न केवल इस परीक्षा में बल्कि वे जो कुछ भी करेंगे उसमें उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे.

मेरी शुभकामनाएँ आपके साथ हैं!

●●●

शेष पृष्ठ 85 का

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगी ?

सुश्री कृतिका—अपने माता-पिता को जिन्होंने मुझ पर विश्वास कर मेरा उत्साहवर्धन किया.

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखती हैं ?

सुश्री कृतिका—एक मानक, प्रतियोगिता पत्रिका यूपीएससी की परीक्षा प्रणाली से मिलती-जुलती होनी चाहिए. इसमें संक्षेप में उपयोगी सूचना के साथ प्रश्नावली भी सहायता करती है.

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

सुश्री कृतिका—अपनी तैयारी के शुरूआती दौर में मैंने प्रतियोगिता दर्पण का प्रयोग किया. इसके साथ इसके विशेष इतिहास संस्करण से भी मुझे बहुत सहायता मिली. हर भाग का सारगर्भित व सरल रूप से वर्णन व बहुविकल्पीय प्रश्नों ने भी मदद की. यह सराहनीय है.

प्र. द.—क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज और प्रतियोगिता दर्पण समसामयिकी वार्षिकी का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से उम्मीदवारों के बीच बहुत पसंद की जा रही हैं ?

सुश्री कृतिका—जी.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी ?

सुश्री कृतिका—सिविल सेवा की राह चुनने से पहले अपने आपको समझाए कि आपने यह लक्ष्य क्यों चुना. इससे आपको इस कठिन राह पर डटे रहने की प्रेरणा मिलेगी. एक बार निर्णय करने के बाद 'निष्काम कर्मयोग' की भावना से लक्ष्य की ओर बढ़े.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं. ●●●

फोकस 1

सतत् विकास लक्ष्य भारत सूचकांक-4 (2023-24) : भारत की उपलब्धियों का लेखा-जोखा

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

- *सतत् विकास लक्ष्य भारत सूचकांक या एसडीजी इंडिया इंडेक्स में भारत का समग्र स्कोर 2018 में 57 से बढ़कर 2019-20 में 60, 2020-21 में 66 तथा 2023-24 में 71 हो गया.*
- *सरकार द्वारा लक्षित क्रियाकलाप जैसे कि प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत अभियान, प्रधानमंत्री जन धन योजना, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन-आरोग्य-योजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पीएम-मुद्रा योजना, सौभाग्य योजना, स्टार्ट-अप इंडिया आदि का प्रभाव पड़ा और तेजी से सुधार हुआ.*
- *एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 में केरल और उत्तराखण्ड 79-79 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य हैं.*
- *एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 में बिहार 57 अंकों के साथ सूचकांक में सबसे निचले स्थान पर है, उसके बाद झारखण्ड 62 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है.*
- *एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 में राज्यों के लिए स्कोर 2023-24 में 57 से 79 तक है, जो वर्ष 2018 के 42 से 69 की सीमा से काफी सुधार दर्शाता है.*
- *लक्ष्य 1 (गरीबी उन्मूलन), 8 (समुचित निर्माण कार्य और आर्थिक विकास), 13 (जलवायु के अनुकूल कार्रवाई) में उल्लेखनीय प्रगति हुई है.*
- *लक्ष्य 13 (जलवायु के अनुकूल कार्रवाई) के स्कोर में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई है, जो 2020-21 में 54 से बढ़कर 2023-24 में 67 हो गया है, इसके बाद लक्ष्य 1 (गरीबी उन्मूलन) का स्कोर 60 से बढ़कर 72 हो गया है.*
- *लक्ष्य 10 असमानताओं में कमी और लक्ष्य-15 भूमि पर जीवन के मामले में निष्पादन एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2018 के सापेक्ष एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 में खराब हो गया है.*
- *10 नए प्रवेशकों—अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मणिपुर, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के साथ 32 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश अग्रणी श्रेणी में हैं.*
- *2018 और 2023-24 के बीच, सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाला राज्य उत्तर प्रदेश (स्कोर में 25 की वृद्धि) है, इसके बाद क्रमशः जम्मू-कश्मीर (21), उत्तराखण्ड (19), सिक्किम (18), हरियाणा (17), असम, त्रिपुरा और पंजाब (16-16), मध्य प्रदेश और ओडिशा (15-15) हैं.*
- *लक्ष्य 14 को सूचकांक के लिए समग्र स्कोर की गणना में शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि इसका सम्बन्ध केवल 9 तटीय राज्यों से सम्बन्धित है.*

एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय प्रगति को मापने के लिए देश के प्रमुख उपकरण का चौथा संस्करण 12 जुलाई, 2024 को नीति आयोग द्वारा जारी किया गया.

एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के राष्ट्रीय संकेतक की संरचना (एनआईएफ) से जुड़े 113 संकेतकों पर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की राष्ट्रीय प्रगति को मापता है और ट्रैक करता है. एसडीजी इंडिया इंडेक्स प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश के लिए 16 एसडीजी पर लक्ष्यवार स्कोर की गणना करता है. 16 एसडीजी में इसके प्रदर्शन के आधार पर उप-राष्ट्रीय इकाई के समग्र प्रदर्शन को मापने के लिए लक्ष्य-वार स्कोर से समग्र राज्य और केंद्रशासित प्रदेश स्कोर या समग्र स्कोर तैयार किए जाते हैं. ये स्कोर 0-100 के बीच होते हैं, और यदि कोई राज्य/केंद्रशासित प्रदेश 100 का स्कोर प्राप्त करता है, तो यह दर्शाता है कि उसने लक्ष्य हासिल कर लिया है. किसी राज्य/केंद्रशासित प्रदेश का स्कोर जितना अधिक होगा, लक्ष्य की दिशा में उतनी ही अधिक दूरी तय की हुई मानी जाती है.

सतत् विकास पर 2030 एजेंडा को अपनाने के बाद से एसडीजी के प्रति भारत की प्रतिबद्धता नीति आयोग की अगुवाई में एसडीजी स्थानीयकरण पर ठोस प्रयासों में परिलक्षित होती है, जो राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर काम करता है. नीति आयोग के पास देश में सतत् विकास लक्ष्यों को अपनाने और उनकी निगरानी करने तथा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के बीच प्रतिस्पर्धी और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने का दोहरा दायित्व है. राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर नीति आयोग ने सतत् विकास लक्ष्यों को संस्थागत करके—न केवल सतत् विकास को एक स्वतंत्र या समानांतर ढाँचे के रूप में देखना, बल्कि संस्थागत स्वामित्व, सहयोगात्मक प्रतिस्पर्धा, क्षमता विकास और समग्र समाज के दृष्टिकोण का पालन करके विकास के बारे में राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय सोच का अभिन्न अंग बनाना इत्यादि पर ध्यान केंद्रित किया है.

एसडीजी इंडिया इंडेक्स के चौथे संस्करण की मुख्य विशेषताएं और परिणाम

- भारत का समग्र स्कोर 2018 में 57 से बढ़कर 2020-21 में 66 और 2023-24 में 71 हो गया.
- भारत ने इंडेक्स के 2020-21 और 2023-24 संस्करणों के बीच एसडीजी पर प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं. लक्ष्य 1 (गरीबी उन्मूलन), 8 (समुचित निर्माण कार्य और आर्थिक विकास), 13 (जलवायु के अनुकूल कार्रवाई) में उल्लेखनीय प्रगति देखी गई है. ये अब 'फ्रंट रनर' श्रेणी (65-99 के बीच का स्कोर) में हैं.
- इनमें से, लक्ष्य 13 (जलवायु के अनुकूल कार्रवाई) ने सबसे अधिक सुधार दिखाया है, जिसका स्कोर 54 से बढ़कर 67 हो गया है. लक्ष्य 1 (गरीबी उन्मूलन) का स्थान इसके ठीक बाद है, जिसका स्कोर 60 से बढ़कर 72 हो गया है. यह प्रगति नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने में केंद्र और राज्य सरकारों के केंद्रित कार्यक्रम सम्बन्धी क्रियाकलापों और योजनाओं के प्रभावों को चिह्नित करती है.
- 2018 के बाद से भारत ने कई प्रमुख सतत् विकास लक्ष्यों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है. लक्ष्य 1 (गरीबी उन्मूलन), 3 (अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली), 6 (स्वच्छ जल और स्वच्छता), 7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा), 9 (उद्योग, नवाचार और इंफ्रास्ट्रक्चर) और 11 (स्थायी शहर और समुदाय) में उल्लेखनीय प्रगति हुई है.
- खाद्य और पोषण सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युतीकरण, सभी के लिए आवास, स्वच्छता, खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन

एसडीजी इण्डिया इण्डेक्स 4 (2023-24) लक्ष्यवार भारत की उपलब्धि

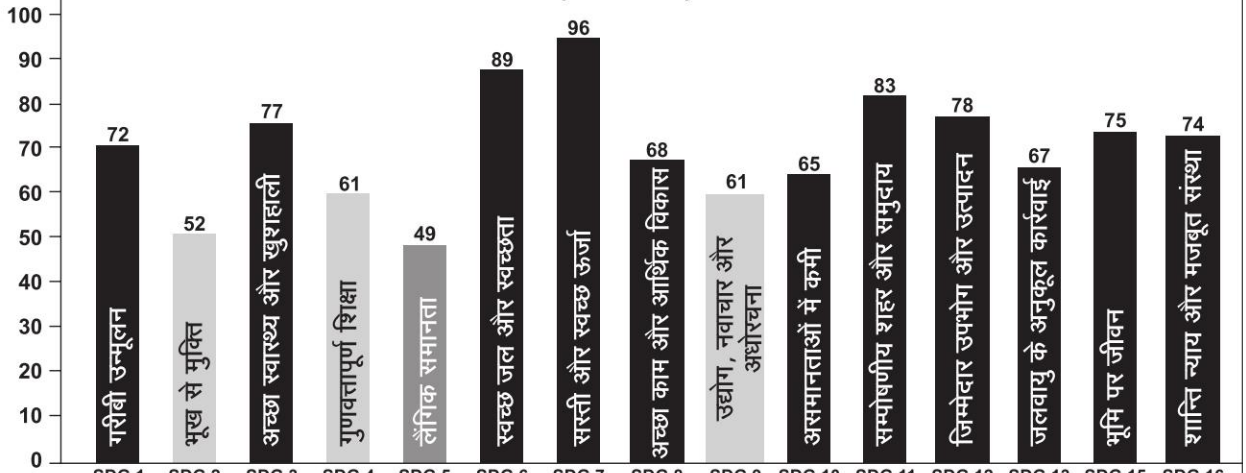

	SDG 1	SDG 2	SDG 3	SDG 4	SDG 5	SDG 6	SDG 7	SDG 8	SDG 9	SDG 10	SDG 11	SDG 12	SDG 13	SDG 15	SDG 16
2023-24	72	52	77	61	49	89	96	68	61	65	83	78	67	75	74
2020-21	60	47	74	57	48	83	92	61	55	67	79	74	54	66	74
2019-20	50	35	61	58	42	88	70	64	65	64	53	55	50	66	72
2018	54	48	52	58	36	63	51	65	44	71	39			90	71

● आकांक्षी (0-49) ● उपलब्धि हासिलकर्ता (50-64) ● अग्रणी (65-99) ● सफल राज्य (100)

और ऊर्जा सुनिश्चित करने पर सरकार के ध्यान ने सुधारों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है.

सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक प्रमुख क्रियाकलापों में शामिल हैं—

- प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत् 4 करोड़ से अधिक घर,
- ग्रामीण क्षेत्रों में 11 करोड़ शौचालय और 2·23 लाख सामुदायिक स्वच्छता परिसर
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत् 10 करोड़ एलपीजी कनेक्शन,
- जल जीवन मिशन के तहत् 14·9 करोड़ से अधिक घरों में नल का जल कनेक्शन
- आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत् 30 करोड़ से अधिक लाभार्थी
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत् 80 करोड़ से अधिक लोगों को कवरेज
- 1,50,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तक पहुँच जो प्राथमिक चिकित्सा देखभाल प्रदान करते हैं और सस्ती जेनेरिक दवाएं प्रदान करते हैं
- प्रधानमंत्री जन धन खातों के माध्यम से ₹ 34 लाख करोड़ का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी).
- कौशल भारत मिशन के तहत् 1·4 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित और कौशलयुक्त बनाया गया है तथा 54 लाख युवाओं को पुनः कौशलयुक्त बनाया गया है.
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत् युवाओं की उद्यमशीलता सम्बन्धी आकांक्षाओं के लिए ₹ 43 करोड़ ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जो कुल मिलाकर ₹ 22·5 लाख करोड़ हैं. इसके अलावा फंड्स ऑफ फंड्स भी दिए गए हैं.
- युवाओं की सहायता के लिए स्टार्ट-अप इंडिया और स्टार्ट-अप गारंटी योजनाएं.
- बिजली तक पहुँच के लिए सौभाग्य योजना.
- नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर देने के परिणामस्वरूप पिछले दशक में सौर ऊर्जा क्षमता 2·82 गीगावॉट से बढ़कर 73·32 गीगावॉट हो गई है.
- 2017 और 2023 के बीच, भारत ने लगभग 100 गीगावॉट स्थापित विद्युत् क्षमता जोड़ी है, जिसमें से लगभग 80% गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित संसाधनों से प्राप्त हुई है.
- इंटरनेट डेटा की लागत में 97% की कमी के साथ डिजिटल बुनियादी ढाँचे में सुधार, जिसने बदले में वित्तीय समावेशन को सकारात्मक रूप से प्रभावित और बढ़ावा दिया है.

राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों के परिणाम

- एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 में एसडीजी यात्रा में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रदर्शन में सकारात्मक रुझान दर्ज की गई है. राज्यों के लिए स्कोर अब 57 से 79 के बीच है, जबकि केंद्र शासित प्रदेशों का स्कोर 65 से 77 के बीच है. यह 2020-21 के स्कोर की तुलना में सुधार दर्शाता है, जहाँ राज्यों के लिए यह सीमा 52 से 75 और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए 62 से 79 थी.

राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों का उनके समग्र स्कोर के सन्दर्भ में प्रदर्शन नीचे दिया गया है—

- सूचकांक में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्कोर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है.
- अग्रणी स्थिति—इस वर्ष, 32 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने 65 से 79 के बीच स्कोर प्राप्त किया है, जबकि 2020-21 के संस्करण में इस संवर्ग में शामिल राज्यों की संख्या 22 थी. उल्लेखनीय रूप से, अग्रणी श्रेणी में 10 नए राज्य और केंद्रशासित प्रदेश हैं. इनमें अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मणिपुर, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव शामिल हैं.
- एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 सभी राज्यों में समग्र स्कोर में वृद्धि को दर्शाता है, जिसमें 1 से 8 अंकों तक का सुधार हुआ है. स्कोर सुधार के मामले में असम, मणिपुर, पंजाब, पश्चिम बंगाल और जम्मू और कश्मीर सबसे आगे हैं, जिनमें से प्रत्येक ने 2020-21 संस्करण के बाद से 8 अंकों का सकारात्मक बदलाव हासिल किया है.

लक्ष्य वार परिणाम

लक्ष्य 1-गरीबी उन्मूलन

लक्ष्य-1 (गरीबी उन्मूलन) में 2020-21 (सूचकांक 3) से 2023-24 (सूचकांक 4) तक 12 अंकों का सुधार हुआ है, जो प्रदर्शनकर्ता से अग्रणी श्रेणी में आगे बढ़ा है.

- बहुआयामी गरीबी 2015-16 और 2019-21 के बीच 24·8% से लगभग आधी होकर 14·96% हो गई.
- 2022-23 के लिए बहुआयामी गरीबी में और गिरावट आने की संभावना है और यह 11·28% हो जाएगी, 2013-14 और 2022-23 के बीच 24·8 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकलेंगे.
- 2023-2024 में मनरेगा के तहत् रोजगार की माँग करने वाले 99·7% लोगों को रोजगार की पेशकश की गई.
- एनएफएचएस-5 (2019-21) के अनुसार 95·4% परिवार पक्के/अर्द्ध-पक्के घरों में रहते हैं.
- एनएफएचएस-5 (2019-21) के अनुसार 41% परिवारों में कम-से-कम एक सदस्य स्वास्थ्य बीमा या स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत आता है, जो एनएफएचएस-4 (2015-16) के 28·7% से बेहतर है.

लक्ष्य 2-भूख से मुक्ति

लक्ष्य 2 के समग्र स्कोर में सुधार, एसडीजी इंडिया इंडेक्स 3 (2020-21) में आकांक्षी श्रेणी से एसडीजी इंडिया इंडेक्स 4 (2023-24) में प्रदर्शनकर्ता श्रेणी में पहुँच गया.

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए), 2013 के अंतर्गत 99·01% लाभार्थी शामिल.
- चावल और गेहूँ की उत्पादकता में सुधार, जो 2018-19 में 2995·21 किग्रा/हेक्टेयर से बढ़कर टीई 2021-22 में 3052·25 किग्रा/हेक्टेयर हो गई.
- कृषि में प्रति श्रमिक सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) (स्थिर मूल्य) में 2018-19 में ₹ 0·71 लाख से बढ़कर 2022-23 में ₹ 0·86 लाख हो गई.

लक्ष्य 3-अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली

- कुल स्कोर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो 2018 में 52 से बढ़कर 2023-24 में 77 हो गया है.
- प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर मातृ मृत्यु दर 97 हो गई है.
- 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में मृत्यु दर (प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर) 2016-18 में 36 से घटकर 2018-20 में 32 हो गई है.
- 9-11 महीने की आयु के 93·23% बच्चों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है.
- लक्ष्य के मुकाबले 87·13% तपेदिक के मामले सूचित किए गए हैं.
- कुल प्रसवों में से 97·18% प्रसव स्वास्थ्य संस्थानों में हो रहे हैं.

एसडीजी 4-गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

- प्रारम्भिक शिक्षा के लिए समायोजित शुद्ध प्रवेश दर (एएनईआर) 2021-22 के लिए 96·5% है, जो 2018-19 में 87·26% थी, जिसमें 14 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश 100% की समायोजित शुद्ध प्रवेश दर (एएनईआर) हासिल कर चुके हैं.
- 2021-22 के लिए छात्र शिक्षक अनुपात 18 है, इस प्रकार वर्ष 2030 का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है.
- 88·65% स्कूलों में बिजली और पीने के पानी की दोनों सुविधाएं है.
- उच्च शिक्षा (18-23 वर्ष) में महिलाओं और पुरुषों के बीच 100% समानता का स्तर प्राप्त किया जा चुका है

लक्ष्य 5-लैंगिक समानता

- कुल स्कोर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है जो 2018 में 36 से बढ़कर 2023-24 में 49 हो गया है.
- जन्म के समय लिंगानुपात (प्रति 1,000 पुरुषों पर महिलाएँ) 929 पर है
- महिला से पुरुष आय (नियमित वेतनभोगी कर्मचारी) का बेहतर अनुपात 2018-19 में 0·74 से बढ़कर 2022-23 में 0·76 हो गया.
- महिला से पुरुष श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) (15-59 वर्ष) का बेहतर अनुपात 2018-19 में 0·33 से बढ़कर 2022-23 में 0·48 हो गया.
- एनएचएफएस-5 के अनुसार 74·1% विवाहित महिलाओं की परिवार नियोजन की माँग किसी भी आधुनिक विधि से पूरी हो जाती है.
- एनएचएफएस-5 के अनुसार 53·90% महिलाओं के पास मोबाइल फोन है जिसका वे स्वयं उपयोग करती हैं (15-59 वर्ष की आयु).
- एनएचएफएस-5 के अनुसार 88·70% विवाहित महिलाएँ तीन घरेलू निर्णयों में भाग लेती हैं.

एसडीजी 6-स्वच्छ जल और स्वच्छता

- 2018 में 63 से 2023-24 में 89 तक स्कोर में उल्लेखनीय सुधार.
- लक्ष्य के अनुसार सभी व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया है और सभी जिलों ने स्वच्छ भारत मिशन (जी) के तहत खुले में शौच (ओडीएफ) से मुक्त होने की पुष्टि की है.
- 99·29% ग्रामीण परिवारों ने अपने पीने के पानी के स्रोत में सुधार किया है.
- 94·7% स्कूलों में लड़कियों के लिए कार्यात्मक शौचालय हैं.
- ब्लॉक/मंडल/तालुकों में जल स्रोतों का अतिदोहन 2017 में 17·24% से घटकर 2022 में 11·23% हो गया है.

लक्ष्य 7 - सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा

- सभी एसडीजी में उच्चतम स्कोर भी 2018 में 51 से 2023-24 में 96 तक महत्वपूर्ण सुधार.
- सौभाग्य योजना के तहत् 100% घरों में बिजली की पहुँच का लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है.
- घरों में खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन (एलपीजी + पीएनजी) कनेक्शन में महत्वपूर्ण सुधार 92·02% (2020) से 96·35% (2024) तक.

लक्ष्य 8-अच्छा काम और आर्थिक विकास

- 2022-23 में स्थिर मूल्यों पर भारत के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद की वार्षिक वृद्धि दर 5·88%.
- बेरोजगारी दर (15-59 वर्ष) में 2018-19 में 6·2% से 2022-23 में 3·40% तक की कमी.
- श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) (%) (15-59 वर्ष) में 2018-19 में 53·6% से 2022-23 में 61·60% तक की वृद्धि.
- 95·70% परिवारों में से कम-से-कम एक सदस्य के पास बैंक या डाकघर में खाता है.
- प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) में 55·63% खाते महिलाओं के नाम हैं.

एसडीजी 9-उद्योग, नवाचार और अधोरचना

- समग्र स्कोर 2018 में 41 से 2023-24 में 61 तक का सुधार.
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत् अब सभी लक्षित बस्तियों में से 99·70% सभी मौसम के अनुकूल सड़कों से जुड़ गई हैं, जो 2017-18 में 47·38% से बेहतर स्थिति को दर्शाती हैं.
- 93·3% घरों में कम-से-कम एक मोबाइल फोन है.
- 95·08% गाँवों में 3जी/4जी मोबाइल इंटरनेट कवरेज है.

सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों की उपलब्धियाँ

राज्य	SDG 7	SDG 6	SDG 16	SDG 15	SDG 3	SDG 8	SDG 10	SDG 11	SDG 12	SDG 1	SDG 2	SDG 13	SDG 4	SDG 9	SDG 5	समग्र अंक
उत्तराखण्ड	100	94	81	94	84	80	69	89	86	83	66	71	73	62	56	79
केरल	100	87	82	88	80	74	71	84	53	81	84	80	82	69	66	79
तमिलनाडु	100	90	78	72	77	81	76	81	78	92	75	81	76	67	53	78
गोवा	100	100	83	79	79	74	87	85	47	79	74	54	72	76	61	77
हिमाचल प्रदेश	100	99	85	78	83	88	80	77	78	71	51	62	77	59	62	77
पंजाब	100	74	81	65	79	68	77	94	76	84	83	66	75	69	47	76
सिक्किम	83	97	80	72	66	84	80	88	75	66	77	81	67	55	65	76
कर्नाटक	100	90	81	70	80	86	69	85	85	73	56	73	63	62	51	75
गुजरात	98	98	87	76	90	76	69	94	67	75	41	74	58	61	52	74
आंध्र प्रदेश	100	91	79	77	78	69	67	85	93	86	67	70	52	49	51	74
तेलंगाना	100	90	67	82	73	84	65	86	75	91	58	59	64	60	49	74
महाराष्ट्र	100	93	76	68	84	73	66	98	77	69	45	73	67	58	53	73
मिजोरम	100	94	84	67	69	81	43	70	57	74	76	79	65	55	69	72
हरियाणा	100	80	67	65	73	69	73	86	71	67	75	60	77	72	46	72
मणिपुर	88	83	69	83	75	57	79	83	67	74	77	71	65	62	45	72
त्रिपुरा	74	82	82	95	79	74	77	80	99	71	63	51	52	39	45	71
पश्चिम बंगाल	100	86	82	91	79	63	70	54	94	63	56	44	60	66	45	70
राजस्थान	100	60	70	54	73	65	49	75	89	82	64	62	63	53	52	67
मध्य प्रदेश	90	87	73	90	56	64	54	86	92	67	48	63	49	39	48	67
उत्तर प्रदेश	100	92	77	70	61	60	66	82	85	57	50	52	54	53	42	67
छत्तीसगढ़	87	93	71	78	56	67	72	79	95	70	40	47	63	39	51	67
ओडिशा	84	88	62	76	73	75	64	74	85	73	45	64	40	48	39	66
असम	100	85	67	91	60	63	68	59	75	75	47	59	41	44	42	65
अरुणाचल प्रदेश	74	85	63	80	70	75	67	46	90	49	81	61	52	28	54	65
मेघालय	62	80	66	71	71	57	77	42	76	63	52	80	40	44	58	63
नगालैण्ड	50	86	65	74	63	76	55	38	59	63	60	79	46	50	74	63
झारखण्ड	70	86	60	95	77	64	59	74	71	56	28	30	61	53	42	62
बिहार	81	98	68	73	67	54	56	57	74	39	24	34	32	53	44	57
केंद्रशासित प्रदेश	SDG 7	SDG 6	SDG 16	SDG 15	SDG 3	SDG 8	SDG 10	SDG 11	SDG 12	SDG 1	SDG 2	SDG 13	SDG 4	SDG 9	SDG 5	समग्र अंक
चंडीगढ़	100	99	75	80	89	77	75	100	59	70	71	80	84	55	48	77
जम्मू और कश्मीर	100	86	81	61	78	78	74	82	87	64	73	71	56	59	53	74
पुदुचेरी	100	98	79	76	65	67	80	72	60	58	84	48	76	76	64	74
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	100	100	65	94	69	72	79	81	64	60	69	26	63	50	60	70
दिल्ली	100	86	51	68	93	58	56	75	43	67	80	49	85	75	60	70
दादर और नागर हवेली और दमन और दीव	52	73	80	99	70	73	71	89	76	89	22	38	67	55	41	66
लक्षद्वीप	83	95	81	55	69	63	70	50	64	83	83	13	67	48	65	66
लद्दाख	100	95	90	42	67	86	49	33	50	79	57	63	53	43	63	65
भारत	96	89	74	75	77	68	65	83	78	72	52	67	61	61	49	71
लक्ष्य	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100

● आकांक्षी (0-49) ● उपलब्धि हासिलकर्ता (50-64) ● अग्रणी (65-99) ● सफल राज्य (100)

लक्ष्य 10-असमानताओं में कमी

इस लक्ष्य में उपलब्धि निराशाजनक रही है. समग्र स्कोर एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2018 में 71 से नीचे गिर कर एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 में 65 के स्तर पर आ गया है.

- पंचायती राज संस्थाओं की 45·61% सीटें महिलाओं के पास हैं.
- राज्य विधान सभाओं में अजा/अजजा व्यक्तियों का 28·57% प्रतिनिधित्व.

एसडीजी 11-सम्पोषणीय शहर और समुदाय

- समग्र स्कोर 2018 में 39 से 2023-24 में 83 तक उल्लेखनीय सुधार.
- शहरी क्षेत्रों में उत्पन्न सीवेज के प्रतिशत के रूप में स्थापित सीवेज उपचार क्षमता 2018 में 38·86% से बढ़कर 2020-21 में 51% हो गई है.
- संसाधित नगरपालिका ठोस अपशिष्ट का प्रतिशत 2020 में 68% से बढ़कर 2024 में 78·46% हो गया है.
- 97% वार्डों में 100% डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण है.
- 90% वार्डों में एसबीएम (यू) के तहत् 100% स्रोत पृथक्करण है.

लक्ष्य 12-जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन

- 2022 में उत्पन्न होने वाले 91·5% बायोमेडिकल कचरे का उपचार किया गया.
- 2022-23 में उत्पन्न होने वाले कुल खतरनाक कचरे में से 54·99% खतरनाक कचरे का रीसाइक्लिंग/इस्तेमाल किया गया जो 2018-19 में 44.89% की तुलना में वृद्धि है.

लक्ष्य 13-जलवायु के अनुकूल कार्रवाई

- एसडीजी इंडिया इंडेक्स 3 (2020-21) में कुल मिलाकर लक्ष्य 13 के समग्र स्कोर में 13 अंकों का उच्च-स्तरीय सुधार हुआ है, जो 54 (प्रदर्शनकारी श्रेणी) से बढ़कर एसडीजी इंडिया इंडेक्स 4 (2023-24) में 67 (अग्रणी श्रेणी) हो गया है.
- आपदा सम्बन्धित तैयारी सूचकांक के अनुसार आपदा तैयारी स्कोर 19·20 पर है.
- अक्षय ऊर्जा से बिजली उत्पादन में सुधार 2020 में 36·37% से बढ़कर 2024 में 43·28% हो गया है.
- 94·86% उद्योग पर्यावरण मानकों का अनुपालन करते हैं.

लक्ष्य 15-भूमि पर जीवन

एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2018 में स्कोर 90 था जो एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2020-21 में नीचे गिर कर 66 हो गया लेकिन उसके बाद हुए सुधार से यह एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 में 75 तक पहुँच गया लेकिन यह अभी भी 2018 के स्तर से नीचे है.

- इस लक्ष्य के अंतर्गत अग्रणी (फ्रंट रनर) श्रेणी में राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की संख्या 2020-21 में 17 से बढ़कर 2023-24 में 32 हो गई.
- भारत में वन की स्थिति पर रिपोर्ट 2021 के अनुसार लगभग 25% भौगोलिक क्षेत्र वनों और वृक्षों के अंतर्गत आच्छादित है.
- भारत में वन की स्थिति पर रिपोर्ट 2021 के अनुसार वन क्षेत्र में कार्बन स्टॉक में 1·11% की वृद्धि हुई है.

लक्ष्य 16 - शांति, न्याय और मजबूत संस्था

- मार्च 2024 तक 95·5% आबादी आधार कवरेज के अंतर्गत होगी.
- एनएफएचएस-5 (2019-21) के अनुसार 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के जन्म का 89% पंजीकरण.
- एनसीआरबी 2022 के अनुसार आईपीसी अपराधों की चार्जशीट की दर 71·3%

●●●

शेष पृष्ठ 69 का

भारत में वर्तमान बेरोजगारी दर

- *स्वतंत्र थिंक टैंक 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' (CMIE) के नवीनतम आँकड़ों के अनुसार, भारत में बेरोजगारी दर जून 2024 में 9·2 प्रतिशत रही, जो मई 2024 में 7 प्रतिशत से काफी अधिक है.*
- *CMIE के उपभोक्ता पिरामिड घरेलू सर्वेक्षण से पता चलता है कि जून 2024 में महिला बेरोजगारी राष्ट्रीय औसत से अधिक 18·5 प्रतिशत तक पहुँच गई. यह पिछले वर्ष की इसी अवधि के 15·1 प्रतिशत से अधिक है. वहीं, पुरुष बेरोजगारी 7·8 प्रतिशत रही, जो जून 2023 में 7·7 प्रतिशत से थोड़ी अधिक है.*
- *श्रम भागीदारी दर (LPR) मई में 40·8 प्रतिशत से जून 2024 में 41·4 प्रतिशत हो गई है.*
- *शहरी बेरोजगारी दर 8·6 प्रतिशत से बढ़कर 8·9 प्रतिशत हो गई.*

- गौरतलब है कि बेरोजगारी ज्यादातर खराब कौशल और प्रशिक्षण के मौजूदा स्तर को देखते हुए रोजगार की योग्यता का मामला है. दशकों की उपेक्षा की भरपाई के लिए, वाणिज्यिक फर्मों में प्रशिक्षुता से जुड़े एक बड़े पैमाने पर व्यावसायिक शिक्षा पहल को तुरन्त शुरू किया जाना चाहिए.
- **उदाहरण के लिए**—(i) जर्मनी में, संभावित नियोक्ता व्यावसायिक कार्य-क्रमों में योगदान देते हैं, जिसमें स्कूल छोड़ने वाले लोग दाखिला लेते हैं, जिससे फर्मों को कर्मचारी स्क्रीनिंग पर पैसे की बचत होती है, (ii) कैलिफोर्निया सामुदायिक कॉलेज-सह-व्यावसायिक प्रणाली स्थानीय व्यवसायों के साथ सहयोग करती है.
- विकासशील देशों में, केन्या युवा रोजगार और अवसर परियोजना, जनरेशन इंडिया कार्यक्रम, कोलंबिया में युवा भविष्य निर्माण कार्यक्रम, तथा अनेक अफ्रीकी देशों में हरामबी युवा रोजगार त्वरक परियोजनाएँ, जैसे कुछ हद तक सफल उदाहरण मौजूद हैं.
- भारत में, निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में अनेक पूँजीगत सब्सिडी हैं, जो श्रम-प्रतिस्थापन पूँजी-गहन दिशाओं में निवेश को प्रभावित करती हैं.
- पूँजीगत सब्सिडी को वेतन सब्सिडी द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए, विशेष रूप से संगठित क्षेत्रों में प्रमुख उद्यमों के लिए, बशर्ते कि वे नई नियमित नौकरियाँ पैदा करें.
- गैर-कृषि घरेलू उद्यमों के लिए तकनीकी सहायता और विस्तार सेवाओं (प्रबन्धन प्रशिक्षण सहित) पर समान ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि उन्हें उत्पादक नौकरियाँ पैदा करने में मदद मिल सके.
- नौकरी प्रोत्साहन पर बहस पूरी तरह से माँग की कमी के मुद्दे को अनदेखा कर देती है जिसका सामना हमारे निजी निवेशक बड़े पैमाने पर उपभोक्ता बाजार में करते हैं. यह समस्या हमारी उच्च आय और धन असमानता के कारण और भी गम्भीर हो गई है, जिसमें समृद्धि के लाभ शीर्ष पर केंद्रित हैं, जबकि निचले स्तर पर लोगों को स्थिर आय और नौकरियों का सामना करना पड़ रहा है.

निष्कर्ष

- सरकार द्वारा वर्तमान में धनी लोगों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सब्सिडी को काफी कम करके एक छोटी बुनियादी आय अनुपूरक का समर्थन किया जा सकता है. ●●●

फोकस 2

लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष : भूमिका और महत्व

✍ डॉ. रवि प्रताप सिंह

10 वर्ष बाद अन्ततः लोक सभा को विपक्ष का नेता (LoP) मिल गया है. लोक सभा के अध्यक्ष (Speaker) द्वारा 18वीं लोक सभा के दूसरे सबसे बड़े दल कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान कर दी है.

16वीं लोक सभा की अध्यक्ष सुमित्रा महाजन द्वारा लोक सभा के दूसरे सबसे बड़े दल कांग्रेस के नेता को इस आधार पर नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान नहीं की थी कि कांग्रेस के निर्वाचित सांसदों की संख्या लोक सभा की कुल सदस्य संख्या (543) के 10 प्रतिशत से कम थी. 16वीं लोक सभा में कांग्रेस के सांसदों की कुल संख्या 44 थी, जो तथाकथित 10 प्रतिशत संख्या (55) से कम थी. इसी परम्परा का हवाला देते हुए 17वीं लोक सभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने दूसरे सबसे बड़े दल कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान नहीं की थी. 17वीं लोक सभा में कांग्रेस के निर्वाचित सांसदों की संख्या 52 थी.

लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष : अवधारणा

नेता प्रतिपक्ष एक वैधानिक पद है जिसे संसद में विपक्ष के नेताओं के वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977 द्वारा मान्यता प्राप्त है. इस अधिनियम में, संसद के किसी भी सदन के सम्बन्ध में 'नेता प्रतिपक्ष' का अर्थ है, राज्य सभा या लोक सभा का वह सदस्य, जो उस समय, उस सदन में सरकार के विरोध में सबसे अधिक संख्याबल वाले दल का नेता है और जिसे राज्य सभा के सभापति या लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा मान्यता प्राप्त है.

जहाँ सरकार के विरोध में दो या अधिक दल हैं, वहाँ राज्य सभा या लोक सभा में समान संख्याबल वाले दल हैं, वहाँ राज्य सभा के सभापति या लोक सभा के अध्यक्ष, जैसा भी मामला हो, दलों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, ऐसे दलों के नेताओं में से किसी एक को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता देंगे और ऐसी मान्यता अंतिम और निर्णायक होगी. 16वीं और 17वीं लोक सभा में कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं था, क्योंकि 1950 के दशक में स्पीकर द्वारा जारी एक निर्देश के अनुसार सदन में पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए, उस सदन में उसके कम-से-कम 10% सदस्य होने चाहिए (निर्देश 121). यह निर्देश संसदीय दलों को संसद में कुछ सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से उनकी मान्यता और वर्गीकरण के लिए जारी किया गया था.

1952 में पहली लोक सभा के गठन के साथ ही नेता प्रतिपक्ष को मान्यता दिए जाने के सम्बन्ध में 10 प्रतिशत नियम अस्तित्व में आया था. लोक सभा प्रक्रिया पर लागू होने वाले नियम लोक सभा अध्यक्ष को सदन के कामकाज के लिए निर्देश देने की शक्ति प्रदान करते हैं. 1956 में लोक सभा के तत्कालीन अध्यक्ष जी. वी. मावलंकर द्वारा दिए गए, निर्देश क्रमांक 120-123 के तहत् पहली बार 10 प्रतिशत नियम संसद में प्रयुक्त किया गया. ये निर्देश सदन में सर्वाधिक सांसदों वाले दल के नेता को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा दिए जाने से सम्बन्धित हैं और सदस्यों को इस दर्जे के लिए ऐसी पार्टी से सम्बद्ध होना होता है जिसे एक संसदीय पार्टी के रूप में 'मान्यता' प्राप्त है. इन निर्देशों में अन्य शर्तों के अतिरिक्त एक शर्त यह भी थी कि इस दर्जे के लिए लोक सभा में न्यूनतम सीटें संविधान में उल्लिखित लोक सभा कोरम पूरा करने के लिए आवश्यक 10 प्रतिशत सीटें प्राप्त होनी चाहिए.

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 1952 में पहली लोक सभा के गठन के कई वर्षों तक 10 प्रतिशत वाला निर्देश लागू रहा और प्रत्येक पार्टी द्वारा चुनाव में प्राप्त सीटों के अनुसार ही विपक्षी दल का दर्जा मिलता था. 1969 के चुनावों में पहली बार औपचारिक रूप से लोक सभा में विपक्षी दल अस्तित्व में आया.

लेकिन यह निर्देश विपक्ष के नेता की मान्यता से सम्बन्धित नहीं है. इस प्रकार, इस सम्बन्ध में स्पीकर के निर्णय अब तक निर्देश 121 (सी) द्वारा निर्धारित किए गए हैं, जिसमें पार्टी या समूह को मान्यता देने के लिए एक शर्त यह रखी गई है कि "कम-से-कम सदन की बैठक के लिए निर्धारित कोरम के बराबर संख्या होनी चाहिए, जो सदन के कुल सदस्यों की संख्या का 10वाँ हिस्सा है". संसद में मान्यता प्राप्त दलों और समूहों के नेता और मुख्य सचेतक (सुविधाएँ) अधिनियम, 1998 भी लोक सभा में मान्यता प्राप्त पार्टी को उस पार्टी के रूप में सन्दर्भित करता है जिसके पास 55 से कम सदस्य नहीं हैं. लोक सभा के पूर्व महासचिव पी.डी.टी. आचार्य ने स्पष्ट रूप से तर्क दिया है, "नेता प्रतिपक्ष की परिभाषा से पता चलता है कि किसी व्यक्ति को नेता प्रतिपक्ष मानने के लिए 2 शर्तें पूरी होनी चाहिए. पहली, सरकार के विरोध में पार्टी संख्यात्मक रूप से सबसे बड़ी होनी चाहिए. दूसरी, उस पार्टी को लोक सभा के स्पीकर द्वारा पार्टी के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए. स्पीकर किसी पार्टी को तभी इस रूप में मान्यता दे सकते हैं, जब उसके पास सदन की कुल संख्या का 10% हो. दूसरे शब्दों में, केवल वही पार्टी नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए दावा कर सकती है, जिसके पास सदन की कुल संख्या का कम-से-कम 10% हो. निर्देश 121 के तहत्, जिस पार्टी के पास 10% से कम सदस्य हैं, उसे एक ऐसे समूह के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा, जो विपक्ष के नेता के पद का दावा नहीं कर सकता है." आचार्य ने आगे स्पष्ट किया, "हालाँकि भारत के संविधान की 10वीं अनुसूची (दल-बदल विरोधी कानून) के अधिनियमन ने एक तरह से स्पीकर द्वारा पार्टियों को पार्टियों और समूहों में वर्गीकृत करने को अप्रासंगिक बना दिया है. इस अनुसूची के तहत्, सदन में सदस्यों की संख्या चाहे जितनी भी हो, सभी राजनीतिक दल 'पार्टियाँ' हैं. इस प्रकार, 'समूह' शब्द को 10वीं अनुसूची द्वारा मान्यता नहीं दी गई है. इसलिए, दसवीं अनुसूची के अनुरूप, नेता प्रतिपक्ष अधिनियम में आवश्यक परिवर्तन किए जाने चाहिए थे, ताकि अध्यक्ष सदन में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नेता को मान्यता दे सकें, भले ही उसके पास 10% सदस्य हों या नहीं." आचार्य का सुझाव है.

नेता प्रतिपक्ष की स्थिति और स्तर

नेता प्रतिपक्ष लोक सभा अध्यक्ष के बाईं ओर अग्रिम पंक्ति में बैठता है और उसे कुछ विशेष विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं, जैसे कि अध्यक्ष-निर्वाचित को मंच पर ले जाना. नेता प्रतिपक्ष को संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान अग्रिम पंक्ति में बैठने का भी अधिकार प्राप्त है. नेता प्रतिपक्ष का मुख्य कर्तव्य सदन में विपक्ष की आवाज बनना है. 2012 में प्रकाशित संसद पर एक आधिकारिक पुस्तिका में कहा गया है कि लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष को 'एक छाया प्रधानमंत्री' (Shadow Prime Minister) माना जाता है, जिसके पास एक छाया मंत्रिमण डल (shadow Cabinet) होता है, जो सरकार के इस्तीफा देने या सदन में हारने पर प्रशासन सँभालने के लिए तैयार रहता है". ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, कनाडा तथा यू.के. में वेस्टमिन्स्टर संसदीय प्रणाली के अनुरूप छाया मंत्रिमण्डल (Shadow Cabinet) होता है. चूँकि संसदीय प्रणाली 'पारस्परिक सहनशीलता' पर आधारित है, इसलिए नेता प्रतिपक्ष प्रधानमंत्री को शासन

करने देता है और बदले में उसे विरोध करने की अनुमति होती है. पुस्तिका में कहा गया है, "सदन के कामकाज को सुचारु रूप से चलाने में उनकी सक्रिय भूमिका सरकार की भूमिका जितनी ही महत्वपूर्ण है."

नेता प्रतिपक्ष पद का विकास

नेता प्रतिपक्ष संसदीय पदाधिकारियों में से एक है, जिसकी भूमिका, हालाँकि किसी नियम में परिभाषित नहीं है, लेकिन सदन के कामकाज में उसकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है. वह हमेशा सदन में मुख्य विपक्षी दल का प्रतिनिधित्व करने वाला एक वरिष्ठ नेता होता है.

ब्रिटिश संसद में, नेता प्रतिपक्ष को 'छाया प्रधानमंत्री' कहा जाता है, ऐसा इसलिए कहा जाता है, क्योंकि वह मौजूदा सरकार के गिरने पर सरकार सँभालने के लिए हमेशा तैयार रहता है. वहाँ, नेता प्रतिपक्ष एक छाया मंत्रिमण्डल भी बनाता है. इस प्रकार, वेस्टमिंस्टर परम्परा के तहत् इस संसदीय पदाधिकारी की भूमिका न केवल सरकार का विरोध और आलोचना करना है, बल्कि मौजूदा सरकार के गिरने की स्थिति में वैकल्पिक सरकार बनाने की जिम्मेदारी लेना भी है. इसी प्रकार की संवैधानिक/परम्परागत व्यवस्था ऑस्ट्रेलिया, कनाडा तथा न्यूजीलैण्ड में भी है .

नेता प्रतिपक्ष के पद की जड़ें स्वतंत्रता-पूर्व युग में हैं. मोतीलाल नेहरू जैसे उल्लेखनीय नेता वैधानिक मान्यता और पुरस्कार पाने वाले शुरुआती लोगों में से थे. इस शुरुआती मान्यता ने भारतीय संसदीय प्रणाली में इस पद की औपचारिक स्थापना के लिए आधार तैयार किया.

भारतीय संसद के सदनों में नेता प्रतिपक्ष एक वैधानिक पद है भले ही भारतीय संविधान में नेता प्रतिपक्ष का कोई उल्लेख नहीं है. आजादी के बाद भी नेता प्रतिपक्ष देश के संसदीय लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है.

1968 में संसद की एक उप समिति ने, जिसे पीठासीन अधिकारियों की समिति कहा गया था, अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की थी कि सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को (चाहे वह नियमित पार्टी के नेता हों या विभिन्न समूहों से मिल कर बनी पार्टी का सदस्य) नेता प्रतिपक्ष माना जाना चाहिए. ऐसा लगता है कि 1977 के कानून में इस सिफारिश को माना गया था. इसमें नेता प्रतिपक्ष को अलग वेतन, कार्यालय और स्टाफ उपलब्ध कराने की बात है.

इस पद को 1969 तक मान्यता नहीं मिली थी जब राम सुभग सिंह लोक सभा के पहले मान्यता प्राप्त नेता प्रतिपक्ष बने. उन्होंने 1969 से 1971 तक नेता प्रतिपक्ष के रूप में कार्य किया. इस पद को संसद में **विपक्ष के नेताओं के वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977** के माध्यम से वैधानिक मान्यता प्राप्त हुई. 1977 के लोक सभा के आम चुनावों से पहले, दिसम्बर 1969 से दिसम्बर 1970 तक की एक वर्ष की संक्षिप्त अवधि को छोड़कर संसद में कोई आधिकारिक विपक्ष नहीं था. आजादी के बाद यह पहला मौका था जब लोक सभा में एक मान्यता प्राप्त विपक्षी दल और नेता प्रतिपक्ष था. 1977 में विपक्ष ने लोक सभा में महत्वपूर्ण संख्या बल प्राप्त कर लिया था और संसद में विपक्ष के नेताओं को उनके कार्यों को प्रभावी ढंग से करने में सक्षम बनाने के लिए संसद में विपक्ष के नेताओं के वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977 पारित किया गया था.

1985 में 10 प्रतिशत वाले निर्देश में तब और परिवर्तन आ गया जब संसद ने संविधान में 10वीं अनुसूची को शामिल कर लिया और लोक प्रतिनिधि कानून 1951 में धारा 29ए को जोड़ दिया. इन दोनों परिवर्तनों का संयुक्त असर यह हुआ कि भारतीय निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दल को मान्यता देने की शक्ति मिल गई. इन संशोधनों का परिणाम यह हुआ कि यदि निर्वाचन आयोग द्वारा मान्य किसी पार्टी का लोक सभा में एक भी सदस्य है तो उसे इस सदन में संसदीय पार्टी की औपचारिक मान्यता मिलेगी. इसलिए इन दो परिवर्तनों द्वारा निर्देशों का निष्पादन केवल कार्यवाही

लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष
(1969 के बाद से)

लोक सभा	नेता प्रतिपक्ष	कार्यकाल	
		से	तक
पहली (1952-57)	—	—	—
दूसरी (1957-62)	—	—	—
तीसरी (1962-67)	—	—	—
चौथी (1967-70)	डॉ. राम सुभग सिंह	17.12.1969	27.12.1970
पाँचवीं (1971-77)	—	—	—
छठी (1977-79)	श्री वाई. बी. चव्हाण श्री सी. एम. स्टीफेन श्री वाई. बी. चव्हाण श्री जगजीवन राम	23.3.1977 12.4.1978 10.7.1979 28.7.1979	12.4.1978 10.7.1979 28.7.1979 22.8.1979
सातवीं (1980-84)	—	—	—
आठवीं (1985-89)	—	—	—
नौवीं (1989-91)	श्री राजीव गांधी श्री लाल कृष्ण आडवानी	18.12.1989 24.12.1990	24.12.1990 13.3.1991
दसवीं (1991-96)	श्री लाल कृष्ण आडवानी श्री अटल बिहारी वाजपेयी	21.6.1991 21.7.1993	20.7.1993 10.5.1996
ग्यारहवीं (1996-97)	श्री वी.पी. नरसिंहराव श्री अटल बिहारी वाजपेयी	16.5.1996 1.6.1996	1.6.1996 4.12.1997
बारहवीं (1998-99)	श्री शरद पवार	19.3.1998	26.4.1999
तेरहवीं (1999-04)	श्रीमती सोनिया गांधी	13.10.1999	6.2.2004
चौदहवीं (2004-09)	श्री लाल कृष्ण आडवानी	22.5.2004	18.5.2009
पन्द्रहवीं (2009-14)	श्री लाल कृष्ण आडवानी श्रीमती सुषमा स्वराज	22.5.2009 21.12.2009	21.12.2009 19.5.2014
सोलहवीं (2014-19)	—	—	—
सत्रहवीं (2019-24)	—	—	—
अठारहवीं (2024)	राहुल गांधी	9.6.2024	आज तक

से सम्बन्धित रह गया है. यानी लोक सभा अध्यक्ष का चयन, सीटों का आवंटन, संसदीय कागजात का प्रावधान एवं अन्य. किसी पार्टी के लिए 10 प्रतिशत सीट हासिल करने की आवश्यकता नहीं रह गई है, क्योंकि निर्वाचन आयोग की शक्तियाँ इन आवश्यकताओं से सीमित नहीं होतीं.

नेता प्रतिपक्ष को प्रायः 'सैडो प्रधानमंत्री' के रूप में सन्दर्भित किया जाता है और वह एक छाया मंत्रिमण्डल बनाता है, जो विपक्षी सदस्यों का एक समूह होता है जो सरकार के मंत्रिमण्डल की भूमिकाओं को दर्शाता है. यह सैडो मंत्रिमण्डल मौजूदा सरकार के गिरने पर सरकार को सँभालने के लिए तैयार रहता है. अधिनियम के अनुसार, लोक सभा या राज्य सभा का कोई सदस्य जो वर्तमान में सरकार का विरोध करने वाली पार्टी के सदन का नेता है और जिसे लोक सभा के अध्यक्ष या राज्य सभा के सभापति द्वारा आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई है, उसे 'नेता प्रतिपक्ष' कहा जाता है. विपक्ष में कई राजनीतिक दल शामिल हो सकते हैं, लेकिन लोक सभा की कुल संख्या का 10वाँ हिस्सा रखने वाली पार्टी को नेता प्रतिपक्ष माना जाता है. नियमों के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष को नामित करने के लिए किसी राजनीतिक दल के पास 55 सदस्य होने चाहिए, क्योंकि लोक सभा में 543 सदस्य हैं. लोक सभा अध्यक्ष प्रतिपक्ष को मान्यता प्रदान करते हैं, "बशर्ते विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी के पास सदन में कम-से-कम 55 सांसद हों." हालाँकि, संविधान में विपक्ष के नेता के पद का कोई उल्लेख नहीं है.

नेता प्रतिपक्ष का वेतन और भत्ते

- नेता प्रतिपक्ष, जब तक वह नेता प्रतिपक्ष के रूप में बना रहता है, उसे प्रति माह वेतन और प्रतिदिन भत्ते उसी दर से प्राप्त करने का अधिकार होगा जैसा कि संसद सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम, 1954 की धारा 3 में संसद सदस्यों के सम्बन्ध में निर्दिष्ट है. इस अधिनियम के तहत् वेतन या भत्ते प्राप्त करने वाला कोई भी नेता प्रतिपक्ष संसद के किसी भी सदन की सदस्यता के सम्बन्ध में वेतन या भत्ते के रूप में संसद द्वारा प्रदान की गई निधि से कोई राशि प्राप्त करने का हकदार नहीं होगा.
- नेता प्रतिपक्ष संसद सदस्यों के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम की धारा 8 के तहत् निर्दिष्ट उसी दर पर निर्वाचन क्षेत्र भत्ता प्राप्त करने का भी हकदार होगा.
- बशर्ते कि 17 सितम्बर, 2001 से नेता प्रतिपक्ष को उसी दर पर सत्कार भत्ता दिया जाएगा जिस दर पर मंत्रियों के वेतन और भत्ता अधिनियम, 1952 की धारा 5 के अन्तर्गत प्रत्येक अन्य मंत्री को सत्कार भत्ता दिया जाता है जो मंत्रिमण्डल का सदस्य है.
- नेता प्रतिपक्ष, जब तक वह नेता बना रहता है और उसके तुरन्त बाद एक महीने की अवधि के लिए, बिना किराए के सुसज्जित आवास के उपयोग का हकदार है और ऐसे आवास के रख-रखाव के सम्बन्ध में नेता प्रतिपक्ष पर व्यक्तिगत रूप से कोई शुल्क नहीं लगेगा.
- नेता प्रतिपक्ष की मृत्यु की स्थिति में, उसका परिवार उसके द्वारा अधिगृहीत सुसज्जित आवास के उपयोग का हकदार होगा.

(क) उसकी मृत्यु के तुरन्त बाद एक महीने की अवधि के लिए, बिना किराए के भुगतान के और ऐसे आवास के रख-रखाव के सम्बन्ध में उसके परिवार पर कोई शुल्क नहीं लगेगा; और

(ख) केन्द्र सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित दरों पर किराए का भुगतान करने तथा ऐसी अवधि के दौरान उस आवास में खपत की गई बिजली और पानी के सम्बन्ध में शुल्क का भुगतान करने पर, एक महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए आवास खाली करने की अनुमति दी जाएगी.

- नेता प्रतिपक्ष को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त है, तथा उन्हें प्रति माह ₹ 3·3 लाख वेतन मिलेगा. उन्हें कैबिनेट मंत्री की सुरक्षा भी मिलेगी, जिसमें Z+ श्रेणी की सुरक्षा शामिल हो सकती है. उन्हें कैबिनेट मंत्री के समान एक बंगला तथा कार्यालय स्टाफ मिलेगा.

नेता प्रतिपक्ष की भूमिका

चूँकि भारतीय संसद में विपक्ष में अलग-अलग विचारधाराओं और एजेंडों वाली कई पार्टियाँ शामिल हैं, इसलिए नेता प्रतिपक्ष की भूमिका चुनौतियों भरी होती है. नेता प्रतिपक्ष संसदीय कार्यवाही में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो सत्तारूढ़ सरकार पर आवश्यक जाँच और संतुलन प्रदान करते हैं. वे सुनिश्चित करते हैं कि विविध दृष्टिकोणों पर विचार किया जाए और वैकल्पिक दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व किया जाए. नेता प्रतिपक्ष को प्रायः छाया मंत्रिमण्डल के साथ छाया प्रधानमंत्री के रूप में संदर्भित किया जाता है, जो लोक सभा में उनकी विशुद्ध शक्ति के कारण होता है.

विशेष रूप से, 16वीं और 17वीं लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष नहीं था, क्योंकि सत्तारूढ़ दल के अलावा कोई भी राजनीतिक दल नेता प्रतिपक्ष को नामित करने के लिए आवश्यक न्यूनतम लोक सभा सीटें हासिल करने में सक्षम नहीं हुआ था. 2014 के लोक सभा चुनावों में, दूसरी सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने 44 लोक सभा सीटें जीतीं—जो कि लक्ष्य से काफी कम थीं. 2019 के लोक सभा चुनावों में, फिर से कांग्रेस 52 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी. यह अपेक्षित संख्या से तीन कम थी. 2024 के लोक सभा चुनावों के बाद, कांग्रेस चुनाव में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और 2019 के लोक सभा चुनाव में अपनी सीटों की संख्या 52 से बढ़ाकर 99 कर ली. इसी आधार पर अब कांग्रेस संसदीय दल के नेता राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में स्वीकार कर लिया गया है. संयुक्त रूप से 18वीं लोक सभा में सबसे बड़े विपक्षी समूह I.N.D.I. एलायंस की कुल संख्या 234 है.

लोक सभा के नेता प्रतिपक्ष की भूमिका और उत्तरदायित्व

1. नेता प्रतिपक्ष विपक्ष की आवाज और चिंताओं का प्रतिनिधित्व करता है
2. सरकार की नीतियों का विरोध करता है और उनके औचित्व पर प्रश्न उठाता है
3. संसद के बाहर सरकार की विफलताओं को उजागर करता है
4. नेता प्रतिपक्ष 'शैडो कैबिनेट' का नेता होता है
5. महत्वपूर्ण मामलों पर सदन में बहस की माँग करता है
6. प्रधानमंत्री, देश हित में नीतियों, बाहरी खतरों और राष्ट्रीय सुरक्षा पर विपक्ष के नेता से सलाह ले सकते हैं
7. नेता प्रतिपक्ष को विदेश में रहते हुए दलीय राजनीति से दूर रहना चाहिए
8. महत्वपूर्ण नियुक्तियों में भूमिका

नेता प्रतिपक्ष को लोक लेखा समिति, सार्वजनिक उपक्रमों की समिति, अनुमान समिति, कई संयुक्त संसदीय समितियों आदि सहित महत्वपूर्ण समितियों का सदस्य होने का अधिकार है.

लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष लोकपाल, केन्द्रीय जाँच ब्यूरो के निदेशक, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की महत्वपूर्ण नियुक्तियों के अलावा केन्द्रीय सतर्कता आयोग, केन्द्रीय सूचना आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष के चयन के लिए महत्वपूर्ण समितियों का सदस्य बन जाता है. प्रधानमंत्री ऐसे सभी समितियों के अध्यक्ष होते हैं. ●●●

फोकस 3

लोकतांत्रिक गठबंधन सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत की विदेश नीति : चुनौतियाँ और अवसर

✍ डॉ. मनीष देव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत जी-7 के 50वें शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली की यात्रा से की. भारतीय प्रधानमंत्री को उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी से एक गर्मजोशी भरा व्यक्तिगत निमंत्रण मिला, जिसमें उन्होंने जी-7 (विकसित देशों के समूह) के 50वें शिखर सम्मेलन में उनकी उपस्थिति की इच्छा व्यक्त की. प्रधानमंत्री मोदी की इटली यात्रा और विश्व नेताओं के साथ आमने-सामने की बैठक बहुध्रुवीय विश्व में देश की विदेश नीति के लिए उनकी प्रमुख रणनीति को दर्शाती है. मोदी ने भारत को अमेरिका, यूरोप, रूस और चीन के बीच मजबूत स्थिति में रखा है. जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि भारत रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर सम्भव प्रयास करना जारी रखेगा और शांति का रास्ता 'बातचीत और कूटनीति' से ही निकाला जाता है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की दूसरी विदेश यात्रा रूस जाकर की, जो पश्चिमी जगत (जी-7 समूह के देशों सहित सम्पूर्ण यूरोप) के लिए यह एक स्पष्ट संकेत है कि भारत भू-राजनीति में अपनी शर्तें खुद तय करता है. यह स्वाभाविक ही है कि प्रधानमंत्री की रूस की यात्रा और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन द्वारा उनका भव्य स्वागत पश्चिमी जगत को पसंद नहीं आया होगा, लेकिन जब इसे जी-7 के 50 वें शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री की यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ भेंट के सन्दर्भ में देखा जाएगा तो इससे भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की ध्वनि ही परिलक्षित होगी. रूस के साथ भारत के सम्बन्ध मजबूत बने रहेंगे, भले ही वह यूक्रेन में युद्ध और हिंसा पर अपनी आलोचना व्यक्त करता हो. आम चुनावों से ठीक पहले ईरान के चाबहार बंदरगाह पर टर्मिनल विकसित करने के लिए भारत के हालिया समझौते के साथ भी देखा जाए तो यह इस धारणा की पुष्टि करता है कि भारत पश्चिम के साथ अपनी शर्तों पर व्यवहार करेगा.

पड़ोसी पहले

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 जून, 2024 को अपने शपथ ग्रहण समारोह में पड़ोसी देशों के नेताओं को आमंत्रित करके 'पड़ोसी पहले' की नीति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जैसा कि उनके पहले दो कार्यकालों के दौरान अपनाया गया था. नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के उद्घाटन के अवसर पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे सहित पड़ोस और हिन्द महासागर क्षेत्र के नेताओं की उपस्थिति इन देशों को भारत सरकार द्वारा दिए गए महत्व पर जोर देती है. शपथ ग्रहण समारोह में भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे, नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भी शामिल हुए, जिन्हें आमंत्रित व्यक्ति के रूप में शामिल किए जाने से भारत और मालदीव के बीच वर्तमान में तनावपूर्ण सम्बन्धों के मद्देनजर राजनयिक हलकों में आश्चर्य हुआ. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के 8 सदस्य देशों के नेताओं को 2014 में मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था, जबकि बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) के सदस्यों के नेताओं के साथ-साथ मॉरीशस और किर्गिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष/शासनाध्यक्ष 2019 में उनके शपथ ग्रहण समारोह में अतिथि थे. तीसरे शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान और चीन के नेताओं को आमंत्रित न किए जाने को इन देशों के साथ सम्बन्धों में आए ठहराव के सन्दर्भ में देखा जाना चाहिए. यह जग जाहिर है कि पाकिस्तान सीमा पार से देश में, विशेष रूप से जम्मू एवं कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देता है, तो वहीं चीन के साथ सीमा विवाद से जुड़ी कटुता में कोई कमी नहीं आई है.

बांग्लादेश भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति में एक विशेष स्थान रखता है और सड़क, रेल, जलमार्ग और ऊर्जा सम्पर्क को मजबूत करने के लिए नई दिल्ली द्वारा सॉफ्ट ऋण या अनुदान के रूप में प्रदान किए गए अरबों डॉलर की वित्तीय सहायता से लाभान्वित हुआ है. बांग्लादेश हाल ही में भारत के सबसे बड़े निर्यात गंतव्यों की सूची में दक्षिण-एशिया में देश का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार बना हुआ है. प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार ने रणनीतिक उत्तर-पूर्वी राज्यों से सम्बन्धित सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए बहुत कुछ किया है, जिसमें आतंकवादी समूहों पर नकेल कसना भी शामिल है, और जापान ने बांग्लादेश में अपने विकास सहयोग को भारत की कनेक्टिविटी पहलों के साथ जोड़ दिया है.

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को आमंत्रित करना और इस अवसर पर उनकी यात्रा 'इंडिया आउट' अभियान और रक्षा से लेकर व्यापार तक के क्षेत्रों में मालदीव को चीन के करीब लाने के लिए कई कदम उठाने के मद्देनजर बहुत महत्वपूर्ण है.

श्रीलंका को 2022 में अपने आर्थिक संकट के दौरान मुद्रा समर्थन, ऋणों के आस्थगित भुगतान और खाद्य, ईंधन और दवाओं को खरीदने के लिए ऋण की लाइनों सहित लगभग 4 बिलियन डॉलर की भारतीय सहायता से लाभ हुआ, और दोनों पक्ष अब वित्तीय, ऊर्जा और भौतिक सम्पर्क को बढ़ावा देने के लिए कई पहलों पर काम कर रहे हैं.

भूटान और नेपाल भी भारत के लिए महत्वपूर्ण साझेदार हैं, खासकर इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने के चीन के प्रयासों के संदर्भ में. विदेश मंत्रालय ने कहा है कि शपथ ग्रहण में भाग लेने के लिए इन नेताओं की यात्रा 'पड़ोसी पहले' नीति और 'सागर' दृष्टि या क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास को दी गई सर्वोच्च प्राथमिकता के अनुरूप है. इस अवसर पर पाकिस्तान और चीन के नेताओं को शामिल न किए जाने को इन देशों के साथ कटु सम्बन्धों के आलोक में देखा जाना चाहिए. जबकि भारत हमेशा सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराता है, चीन के साथ सीमा संघर्ष भारत को दक्षिण एशियाई क्षेत्र की क्षेत्रीय राजनीति में चीनी नेतृत्व की भूमिका के बारे में सतर्क रखता है.

हालिया दिनों में जिस प्रकार जम्मू एवं कश्मीर के लोगों ने लोक सभा के चुनाव में रिकॉर्ड मतदान किया और उसके बाद जम्मू क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों में अचानक बढ़ोत्तरी हुई है उसे देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि पाकिस्तान के प्रति नई सरकार के दृष्टिकोण में कोई परिवर्तन आएगा. भारत और पाकिस्तान के बीच सम्बन्ध उस समय तक अच्छे नहीं हो सकते जब तक कि पाकिस्तानी सरकार, आईएसआई और यहाँ तक की पाकिस्तानी सेना भारत में सक्रिय अलगाववादी ताकतों और उनसे समर्थित आतंकवादियों को अपना समर्थन जारी रखना बन्द नहीं कर देती.

भू-राजनीति का बदलता स्वरूप

जब से नई सरकार ने नई दिल्ली में सत्ता सँभाली है, तब से दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है. यूके में लेबर पार्टी की बड़ी जीत, फ्रांस में नेशनल असेंबली के चुनावों में

खंडित जनादेश, ईरानी संसद के अपेक्षाकृत उदारवादी सदस्य मसूद पेजेशकियन का ईरान के राष्ट्रपति के रूप में जीतना, यूरोप में कट्टर दक्षिणपंथी दलों का उदय, संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड जॉन ट्रम्प की अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति तथा डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोसफ रौबिनेट बाइडन का चुनाव से हट जाना और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को समर्थन देने की घोषणा से चुनाव का रोचक हो जाना, मोदी सरकार के लिए पश्चिम के प्रति अपनी नीतियों को फिर से तैयार करने की चुनौती होगी.

यूरोपीय संघ के 6 देश—इटली, फिनलैंड, स्लोवाकिया, हंगरी, क्रोएशिया और चेक गणराज्य—में कट्टर दक्षिणपंथी दल सरकार में हैं. स्वीडन में, कार्यपालिका का अस्तित्व राष्ट्रवादी स्वीडन डेमोक्रेट्स, संसद में दूसरी सबसे बड़ी ताकत के साथ विश्वास और आपूर्ति समझौते पर निर्भर करता है. नीदरलैंड में, इस्लाम विरोधी उग्रवादी गीर्ट वाइल्डर्स सत्ता समीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका में हैं, जिन्होंने हाल के डच इतिहास में सबसे दक्षिणपंथी सरकार बनाने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता किया है. यूरोपीय संघ के नेताओं के पैरों तले की जमीन खिसक गई है, क्योंकि 27 सदस्यीय ब्लॉक में मतदान के बाद यूरोपीय संसद में स्पष्ट रूप से दक्षिण पंथियों की ओर झुकाव देखने को मिला है, जिससे सदस्य देशों की सरकारें हिल गई हैं और मुख्यधारा के समूह दोराहे पर खड़े हो गए हैं. फ्रांस में उदारवादियों और जर्मनी में ग्रीन्स को करारा झटका लगने से मुख्यधारा के मध्यमार्गी गठबंधन के लिए अगले 5 वर्षों के लिए यूरोप का मार्ग निर्धारित करना मुश्किल होता दिख रहा है, जिससे हरित समझौते सहित यूरोपीय संघ की प्रमुख परियोजनाओं पर असर पड़ रहा है.

मेलेंचन और उसके सहयोगियों के नेतृत्व वाले न्यू पॉपुलर फ्रंट (NFP) गठबंधन ने संसदीय चुनावों के दूसरे दौर में फ्रांस की 577 सीटों वाली नेशनल असेंबली में सर्वाधिक 187 सीटें जीत कर बहुपक्षीयता के आधार को मजबूती प्रदान की है. इस परिणाम ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को झटका दिया, जिनके मध्यमार्गी एनसेंबल गठबंधन ने 159 सीटें जीतने में कामयाबी हासिल की. मरीन ले पेन की धुर दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली (RN) और उसके सहयोगी आश्चर्यजनक रूप से 142 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे. इससे मैक्रों या तो वाम और दक्षिणपंथी उदारवादियों के साथ एक नाजुक गठबंधन बनाने की कोशिश कर सकते हैं या वामपंथी एनएफपी खेमे को सरकार का नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं. वह दिन-प्रतिदिन के मामलों को सँभालने के लिए बिना किसी राजनीतिक संबद्धता वाली तकनीकी सरकार का भी सहारा ले सकते हैं. खंडित परिणाम यूरोपीय संघ और उससे आगे फ्रांस की भूमिका को कमजोर करने और किसी के लिए भी घरेलू एजेंडे को आगे बढ़ाना मुश्किल बना देंगे. राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के घनिष्ठ सम्बन्ध हैं, जब तक सत्ता इमैनुएल मैक्रों के पास है तब तक भारत और फ्रांस के बीच आर्थिक, राजनीतिक और कूटनीतिक सम्बन्ध सौहार्दपूर्ण बने रहेंगे.

कंजर्वेटिव पार्टी की सत्ता के दौर में, भारत और यूके के बीच सम्बन्ध, विभिन्न स्तरों पर संवादों के साथ, काफी गहरे हुए. रक्षा, व्यापार, वित्त मंत्रियों के बीच और प्रधानमंत्रियों के बीच द्विवार्षिक भारत-यूके शिखर सम्मेलनों के माध्यम से. 2021 में सम्बन्धों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' तक बढ़ाया गया और 'रोडमैप 2030' का अनावरण किया गया, लोगों से लोगों के सम्बन्धों को पुनर्जीवित करने और व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग को फिर से सक्रिय करने की दिशा में भी कार्य किया गया. 2022 में दोनों देशों के बीच एक मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर बातचीत भी शुरू हुई, हालाँकि यह अभी तक किसी ठोस अंजाम तक नहीं पहुँच सकी है. लेबर पार्टी के साथ भारत के सम्बन्धों में उतार-चढ़ाव आया है और कुछ उल्लेखनीय गिरावटें भी आई हैं. 2024 में, हर किसी के मन में यह सवाल है कि यूके के नए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी की सरकार का कार्यकाल भारत-यूके सम्बन्धों को कैसे प्रभावित करेगा? यदि शुरुआती संकेतों पर भरोसा किया जाए, तो स्टारमर सम्बन्धों में निरन्तरता सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक दिखाई दे रहे हैं. लेकिन लेबर पार्टी से चुनाव जीते 25 मुस्लिम सांसद और ब्रिटेन में मुसलमानों का लेबर पार्टी को मिला व्यापक समर्थन भारत की भारतीय जनता पार्टी सहित गठबंधित सरकार के प्रति प्रधानमंत्री स्टार्मर सरकार की विदेश नीति में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल सकता है, विशेषतौर पर जम्मू एवं कश्मीर से जुड़े मामलों में. इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके विदेश मंत्री एस. जयशंकर को यूके के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों की पटकथा नए सिरे से लिखनी होगी.

मसूद पेजेशकियन की जीत ईरान के राजनीतिक परिदृश्य में अधिक उदारवादी आवाजों की ओर धीरे-धीरे बदलाव का संकेत दे सकती है. यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो यह भारत के लिए भविष्य में ईरान के साथ व्यापक मुद्दों पर जुड़ने के अवसर पैदा कर सकता है, क्योंकि पश्चिमी देश, विशेष रूप से अमेरिका, कुछ प्रतिबंधों को वापस लेने पर विचार कर सकते हैं. भारत के कच्चे तेल के प्रमुख स्रोतों में से एक के रूप में, ईरान भारत को तेल निर्यात बढ़ाने पर भी विचार कर सकता है, जो सम्भावित रूप से चल रहे पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच अधिक अनुकूल शर्तों की पेशकश कर सकता है. पेजेशकियन से भारत-ईरान आर्थिक सम्बन्धों को बनाए रखने और उन्हें गहरा करने की उम्मीद है, जिसमें रणनीतिक चाबहार बंदरगाह परियोजना पर विशेष ध्यान दिया जाएगा जो भारत की अफगानिस्तान और मध्य एशिया से कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण है. वह मौजूदा सहयोग और इस परियोजना में आगे बढ़ने की सम्भावना है.

भारत-अमेरिका सम्बन्धों के लिए आकाश सीमा है—शाब्दिक अर्थ में, क्योंकि दोनों अंतरिक्ष क्षेत्र में गहन आदान-प्रदान और सहयोग करते हैं. कुल मिलाकर, मोदी की वापसी से सम्बन्धों में निरंतरता देखने को मिलेगी, भले ही संयुक्त राज्य अमेरिका में नवम्बर के राष्ट्रपति चुनाव में कोई भी जीतता हो.

मध्य-पूर्व के प्रति भारत की विदेश नीति

कूटनीतिक क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वाधिक सफलता विश्व के अधिकांश मुस्लिम देशों के साथ भारत के सम्बन्धों को प्रगाढ़ बनाने में सफलता मिली है. खाड़ी क्षेत्र के लगभग सभी देशों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खाड़ी क्षेत्र भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार और उसके 'विस्तारित पड़ोस' का एक अभिन्न अंग बन गया है. 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता सँभालने के बाद से खाड़ी देशों के साथ भारत के सम्बन्धों में बदलाव आया है और आने वाले वर्षों में ये और भी मजबूत होंगे. खाड़ी क्षेत्र भारत के लिए एक विदेश और सुरक्षा नीति प्राथमिकता बन गया है, जिसमें भारत की भी रुचि और प्रभाव बढ़ रहा है. पहले, यह सम्बन्ध केवल ऊर्जा, व्यापार और भारतीय प्रवासियों पर केन्द्रित था, अब ये सम्बन्ध राजनीतिक सम्बन्धों, निवेश और रक्षा और सुरक्षा सहयोग को शामिल करते हुए एक नए ढाँचे में विकसित हुआ. आज, भारत की प्राथमिकताओं में आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए निवेश आकर्षित करना, क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं (अरब सागर और खाड़ी सहित) को सम्बोधित करना और अपनी क्षेत्रीय उपस्थिति और प्रभाव को बढ़ाना शामिल है. प्रधानमंत्री मोदी की 2015 में यूएई की यात्रा 34 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यूएई की पहली यात्रा थी, जबकि अगस्त 2019 में उनकी

बहरीन की यात्रा किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी. उनकी हालिया यूएई यात्रा खाड़ी देश की उनकी 7वीं यात्रा थी. यूएई लगातार खाड़ी क्षेत्र के भीतर भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार रहा है.

खाड़ी क्षेत्र में लगभग 8·8 मिलियन भारतीय नागरिक रहते हैं, इसलिए खाड़ी के देशों में स्थिरता में भारत की बड़ी हिस्सेदारी है. खाड़ी सहयोग परिषद् (जीसीसी) भारत का सबसे बड़ा क्षेत्रीय ब्लॉक व्यापारिक साझेदार है. वित्त वर्ष 2022-23 में जीसीसी के साथ व्यापार भारत के कुल व्यापार का 15·8 प्रतिशत था, जबकि यूरोपीय संघ के साथ कुल व्यापार का 11·6 प्रतिशत था. भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का 6वाँ सबसे बड़ा स्रोत है, जो FY24 में 2·9 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा है.

खाड़ी क्षेत्र में भारत के बढ़ते रणनीतिक और आर्थिक हितों के परिणामस्वरूप निवेश, राजनीतिक सम्बन्धों और रक्षा और सुरक्षा सहयोग के आधार पर भारत-खाड़ी सम्बन्धों के लिए एक नया ढाँचा तैयार हुआ है. भारत में बढ़ते खाड़ी देशों द्वारा किये गए निवेश ने भारत और खाड़ी देशों के बीच आर्थिक सहयोग को भी बढ़ाया है. सबसे खास बात यह है कि भारत के तेजी से आकर्षक आर्थिक बाजार बनने के साथ, सऊदी अरब और यूएई ने भारत में क्रमशः 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 75 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश लक्ष्य की घोषणा की थी.

भारत **I2U2** समूह के साथ जुड़ा और **भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे** (IMEC) में शामिल हो गया है. फरवरी 2024 में पीएम मोदी की यूएई यात्रा के दौरान, भारत और यूएई समकक्षों ने IMEC पर एक अंतर-सरकारी रूपरेखा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए.

यह मानने का कोई कारण नहीं है कि भारत और खाड़ी देशों के बीच भारत के द्विपक्षीय सम्बन्ध कमजोर होंगे या उनमें कोई बदलाव आएगा. पिछले 10 वर्षों में, प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत छाप खाड़ी देशों के साथ भारत के समृद्ध सम्बन्धों का आधार रही है. सम्बन्धों की नई मजबूती नरेंद्र मोदी की विदेश नीति के 5 स्तम्भों में निहित है—**सम्मान-राष्ट्र की सम्प्रभुता के लिए सम्मान; संवाद-अधिक से अधिक जुड़ाव; सुरक्षा-सुरक्षा; समृद्धि-साझा समृद्धि; संस्कृति और सभ्यता-**एक ऐसी संस्कृति का संचार करना कि दुनिया एक परिवार है. सभी समय में, ये सम्बन्ध धर्म के सिद्धांतों पर नहीं, बल्कि सभ्यतागत दर्शन, व्यापार, साझा समृद्धि और आपसी विश्वास पर आधारित थे. सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, कतर, ओमान के नेतृत्व के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत सम्बन्ध भारत और इन देशों के साथ सम्बन्धों को और मजबूत करेंगे.

रूस के साथ सम्बन्धों को फिर से मजबूत करना : आर्थिक और राजनीतिक कूटनीति का संयोजन

यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण की शुरुआत के बाद से रूस की अपनी पहली यात्रा में दो दिवसीय हाई-प्रोफाइल यात्रा पर निकले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 जुलाई, 2024 को कहा, "भारत एक शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए सहायक भूमिका निभाना चाहता है". रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 8 जुलाई, 2024 को भारतीय प्रधानमंत्री के लिए एक निजी रात्रिभोज का आयोजन किया.

मोदी ने मास्को के लिए अपने प्रस्थान वक्तव्य में कहा, भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी पिछले 10 वर्षों में आगे बढ़ी है, जिसमें ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच आदान-प्रदान के क्षेत्र शामिल हैं."

रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-हमास संघर्ष जैसे चल रहे वैश्विक संघर्षों के बारे में, भारत का मानना है कि इस तरह के संकट को हल करने के लिए बातचीत सबसे अच्छा तरीका है. भारत इस स्थिति पर कायम है कि सैन्य साधनों के माध्यम से कोई समाधान नहीं हो सकता है और बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने के लिए पसंदीदा रास्ते हैं. भारत ने लगातार संयुक्त राष्ट्र चार्टर को कायम रखने की वकालत की है, जिसमें क्षेत्रीय अखंडता और सम्प्रभुता के सिद्धांत शामिल हैं. जहाँ तक नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन का सवाल है, भारत के दृष्टिकोण को आर्थिक कूटनीति के सन्दर्भ में समझा जाना चाहिए. भारत अब रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदारों में से एक बन गया है. इससे देश का धन तो बच ही रहा है, लेकिन रूस के साथ उसका व्यापार गम्भीर रूप से असंतुलित है. रूसी संस्थाओं पर वित्तीय और अन्य प्रतिबंधों ने उस तेल के भुगतान को भी बहुत मुश्किल बना दिया है. भारत ने लम्बे समय से तर्क दिया है कि रूस को चीन की और आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुतिन तक भारत की पहुँच और निकटता जरूरी है. रूसी राष्ट्रपति के प्रति प्रधानमंत्री मोदी का इशारा उनके लिए स्पष्ट संकेत देता है कि नरेंद्र मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिंगपिंग के अलावा एकमात्र बड़े नेता हैं जो उनसे बात करते हैं, लेकिन शी जिंगपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की कोई इच्छा नहीं रखते हैं. अब तक, मोदी अमेरिका के साथ बढ़ती निकटता और ईरान और रूस जैसे अमेरिकी प्रतिद्वंद्वियों के साथ दोस्ती को संतुलित करने में कामयाब रहे हैं. लेकिन हर कोई संतुलन बनाने से थक जाता है. यह मानने का कोई कारण नहीं है कि यह मोदी के तीसरे कार्यकाल को परिभाषित करेगा जैसा कि उनके पहले दो कार्यकालों ने किया था.

संतुलनकारी कूटनीति

अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने खुद को एक ऐसे देश के नेता के रूप में स्थापित किया जो अपनी आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुसार अपनी कार्य योजना तय करने में सक्षम है. भारत ने 18वीं लोक सभा के सामान्य अभियान की शुरुआत से कुछ महीने पहले एक शानदार जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करके, विशेष रूप से साथी विकासशील देशों के नेतृत्व की भूमिका निभाई. 18वीं लोक सभा के चुनावों में खंडित जनादेश के साथ, इसका मतलब यह नहीं है कि सहयोगियों पर निर्भरता मोदी सरकार को पड़ोसियों या अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, चीन और रूस जैसे प्रमुख वैश्विक खिलाड़ियों के प्रति अपनी नीति बदलने के लिए मजबूर करेगी. इसकी सम्भावनाएँ बहुत कम हैं.

चीन के प्रति सतर्क रुख

जहाँ तक चीन के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों का सवाल है, मोदी सरकार भारत-चीन सीमा पर चीन की हरकतों पर कड़ी नजर रखते हुए सतर्क रुख अपनाएगी. भारत क्वाड (QUAD) के दायरे को और आगे बढ़ाते हुए अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मजबूत गठबंधन बनाने में कोई कसर वाकी नहीं छोड़ेगा. इसके अलावा, नई मोदी सरकार आसियान और दक्षिण-पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया के देशों के साथ सम्बन्धों को और मजबूत बनाएगी. ये कदम इस क्षेत्र को चीन की विस्तारवादी नीति को रोकने और नियंत्रित करने में मदद करेंगे.

वैश्विक राजनीतिक-आर्थिक क्षेत्र में मोदी 3·0 की ताकत इस तथ्य में निहित है कि उपभोक्ता वस्तुओं के लिए एक बड़े बाजार और निवेश के लिए एक अच्छे और अनुकूल रास्ते के साथ भारत को द्विपक्षीय सम्बन्धों में न तो अलग-थलग किया जा सकता है और न ही नजरअंदाज किया जा सकता है. यदि वास्तव में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय पुनर्स्थापन की प्रक्रिया चल रही है, तो यह चीन, अमेरिका के साथ सम्बन्धों के साथ-साथ जी-20, ब्रिक्स+, क्वाड, आई2यू2, इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फोरम और यहाँ तक कि शायद शंघाई सहयोग जैसे निकायों के भीतर और उनके बीच की गतिशीलता में भी प्रकट हो सकती है. ●●●

ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक स्थल

ऐतिहासिक व्यक्तित्व

संत कबीर दास

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी.

जीवन परिचय

मध्ययुगीन हिन्दी भक्त कवियों में पहले महत्वपूर्ण भक्त कवि कबीर माने जाते है. संत रैदास, पीपा, धन्ना, सेन आदि संतों को कबीर का ही समकालीन माना जाता है.

जन्मतिथि व जन्म स्थान—संत कबीर की जन्मतिथि, जन्म स्थान और मृत्यु के समय में अलग-अलग जानकारियाँ मिलती हैं यही कारण है कि इनके जीवन परिचय के सम्बन्ध में इन तिथियों को सम्भावित ही लिखा जाता है.

- कबीर-पंथियों में जन्म स्थान को लेकर एक दोहा—"चौदह सौ पचपन साल गए, चंद्रवार एक ठाट ठए. जेठ सुदी बरसात को, पूरनमासी प्रकट भए" प्रसिद्ध है. इस दोहे के आधार पर ही कबीर का जन्म सवंत् 1455 (सन् 1398 ई.), जेष्ठ पूर्णिमा, सोमवार के दिन माना जाता है.
- कबीर के जन्म स्थान के सम्बन्ध में जो स्थान सर्वाधिक मान्य हैं, उसमें 'काशी' और 'मगहर' विशेष रूप से हैं. कबीर पंथ में इन दोनों स्थानों में भी सबसे मान्य स्थान 'काशी' है. 'काशी' जन्म स्थान के सम्बन्ध में एक साखी में भी उल्लेख है कि "काशी में प्रकट भए, रामानंद चेताए. तू बामन मैं काशी का जुलाहा, बूझहुँ मोर गियाना."
- **माता-पिता**—जनश्रुतियाँ कबीर को एक अनाम विधवा ब्राह्मणी के गर्भ से उत्पन्न होने की बात कहती है, जिसे रामानंद ने पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया था. माना जाता है कि लोक-लज्जा के डर से विधवा ब्राह्मणी ने कबीर को 'लहरतारा' तालाब के किनारे फेंक दिया और वहाँ से गुजरने वाले नीरू-नीमा नामक जुलाहा दम्पति ने उनका लालन-पालन किया.
- **नामकरण**—'कबीर' नाम मुस्लिम धर्म और संस्कृति से सम्बन्ध है. जनश्रुतियों के अनुसार जब जुलाहा दम्पति लहरतारा तालाब के पास मिले बच्चे के नामकरण के लिए एक मौलवी के पास गए तो उसने 'कुरान' देखकर उनका नाम 'कबीर' रख दिया.
- **शिक्षा-दीक्षा**—सामान्यतः मान्यता यह है कि कबीर अनपढ़ थे. वे बहुश्रुत थे और उन्होंने सत्संगति से ज्ञानार्जन किया. इसके सम्बन्ध में उनकी प्रसिद्ध कृति "पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ पंडित भया न कोय","तू कहता कागद की लेखी हौं कहता आँखिन की देखी." यही कारण है कि कबीर पंथ में कबीर का महत्व पोथी ज्ञान और लेखन के कारण नहीं बल्कि 'मुख' वचन या 'शब्द' साधना के कारण है.
- जनश्रुतियों और कबीर पंथ में 'रामानंद' को कबीर का गुरु माना गया है. कबीर, गुरु को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं. अतः साक्ष्य में वे अपने आत्मज्ञान को गुरु कहते हैं. यह परम्परा बुद्ध, महावीर आदि की 'आत्मदीपोभव' में भी दिखती है, कबीर इसी परम्परा में जाने जाते है.
- कबीर पंथ में वीरसिंह, बिजली, सूरतगोपाल, धर्मदास, तत्वा, जीवा, जागूदास, भागूदास, मलूकदास, गरीबदास आदि कबीर के मुख्य शिष्य माने जाते हैं.
- **मृत्यु और मृत्यु स्थान**—कबीर की जन्मतिथि के समान ही उनकी मृत्यु तिथि भी कुछ विवादित है. कबीर पंथ में प्रचलित और विद्वानों द्वारा स्वीकृत तिथि सवंत् 1575 है. इस सम्बन्ध में एक दोहा "संवत् पंद्रह सौ पछत्तरा किया मगहर को गौन. माघसुदी एकादसी रलो पवन में पवन." कबीर के मृत्यु स्थान के सम्बन्ध में 'मगहर' सबसे अधिक स्वीकृत है.
- **कबीर का साहित्य**—कबीर साहित्य की व्यवस्थित खोजबीन और संख्या निर्धारण का पहला प्रयास जी.एच. वेस्टकाट ने अपनी पुस्तक 'कबीर और कबीर पंथ' (1907 ई.) में किया. उन्होंने कबीर के 82 ग्रंथों की सूची दी है. इसके अतिरिक्त कुछ अन्य विद्वान् जैसे मिश्रबंधुओं ने 'हिन्दी नवरत्न' (1910 ई.) में 75, 'मिश्रबंधु विनोद' (1929 ई.) के तीसरे संस्करण में 84 तथा डॉ. रामकुमार वर्मा ने 'संत कबीर' (1943 ई.) में 86 ग्रंथों की सूची दी है.

कबीर के प्रामाणिक साहित्य

- **कबीर वचनावली (1916 ई.)**—साहित्यकार अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ने 1916 ई. में इसका सम्पादन किया.
- **कबीर ग्रंथावली (1928 ई.)**—साहित्यकार श्यामसुंदर दास ने 1928 ई. में इसका सम्पादन किया. वर्ष 1961 ई. में डॉ. पारसनाथ तिवारी ने भारतीय हिन्दी परिषद्, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ओर से भी इसका एक अन्य सम्पादन कराया था.
- **संत कबीर (1943 ई.)**—डॉ. रामकुमार वर्मा ने 1943 में 'गुरुग्रंथ साहिब' में संकलित कबीर की वाणी पर 'संत कबीर' के नाम से एक स्वतंत्र पुस्तक सम्पादित की. सिखों के पाँचवें गुरु अर्जुनदेव द्वारा सन् 1604 ई. में संकलित और उनका सबसे पूज्य ग्रंथ होने के कारण इस संकलन को प्रामाणिक माना जाता है.
- **कबीर बानी (1965 ई.)**—साहित्यकार अली सरदार जाफरी ने 1965 ई. में इसका सम्पादन किया था.
- **कबीर बीजक (1972 ई.)**—साहित्यकार डॉ. शुकदेव सिंह ने 1972 ई. में इसका सम्पादन कराया. गौरतलब है कि इसमें रमैनी, सबद, साखी के अलावा सारे काव्य रूप, कहरा से लेकर विप्रमतीसी तक मिलते हैं.
- **कबीर वाड्मय**—इसे तीन खण्डों रमैनी, सबद और साखी में सम्पादित और प्रकाशित डॉ. जयदेव सिंह और डॉ. वासुदेव ने किया.

अन्य तथ्य—कबीर की मूल रचनाओं का उनके शिष्य धर्मदास ने 'बीजक' नाम से संग्रह किया है, जिसके तीन भाग हैं—साखी, सबद और रमैनी. कबीर की शिक्षाओं और सिद्धान्तों का निरूपण 'साखी' में हुआ है. यह दोहा व छन्द में लिखा गया है. सबद, गेय पद में लिखा गया है. इसमें भावावेश की प्रधानता है. रमैनी, चौपाई एवं छंद में रचित है. इसमें कबीर के रहस्यवादी और दार्शनिक विचारों को प्रकट किया गया है.

प्रशांत चंद्र (पी. सी.) महालनोबिस (1893-1972 ई.)

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस (29 जून)' के अवसर पर 'ई–सांख्यिकी पोर्टल' लॉन्च किया है. 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' पी.सी. महालनोबिस के जन्म दिवस पर मनाया जाता है.

प्रारम्भिक जीवन

- प्रशांत चंद्र (पी. सी.) महालनोबिस का जन्म 29 जून, 1893 को कोलकाता में हुआ था.
- भौतिकी में पहला स्थान प्राप्त करने वाले महालनोबिस ने पहले कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज से भौतिकी विषय में ऑनर्स तथा लंदन से उच्च शिक्षा लेकर कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से भौतिकी और गणित दोनों विषयों में डिग्री हासिल की थी तथा रॉयल सोसाइटी, लंदन के 'फैलो' भी चुने गए थे.
- प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी और मौसम विज्ञानी सीटीआर विल्सन के साथ कैवेंडिश लैबोरेटरी में भी महालनोबिस ने कार्य किया था.
- महालनोबिस द्वारा सुझाई गई सांख्यिकीय माप ने दुनिया को बताया कि कैसे सांख्यिकी का प्रयोग आम जनता की भलाई के लिए किया जा सकता है।

स्वतंत्रता पूर्व प्रमुख कार्य

- महालनोबिस ने 1931 ई. में 'भारतीय सांख्यिकी संस्थान' (ISI) की स्थापना की थी, जब सांख्यिकी विषय अपनी प्रारम्भिक अवस्था में था.
- आईएसआई के अलावा, महालनोबिस ने 1941 ई. में कलकत्ता विश्वविद्यालय में सांख्यिकी विभाग की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान करने वाला एशिया का पहला पूर्ण विकसित विभाग था.
- महालनोबिस ने 1938 ई. में कोलकाता में भारत में पहला सांख्यिकी सम्मेलन आयोजित किया, जिसके अध्यक्ष आर.ए. फिशर थे, जो उस समय दुनिया के सबसे अच्छे सांख्यिकीविद् थे. 1933 ई. की शुरुआत में ही उन्होंने 'सांख्य : द इंडियन जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स' की स्थापना की, जो भारत में विज्ञान के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ.

स्वतंत्रता के बाद प्रमुख कार्य

- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने उन्हें नवगठित केन्द्रीय मंत्रिमण्डल का सांख्यिकी सलाहकार नियुक्त किया था तथा देश में राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाने के उद्देश्य के लिए महालनोबिस की अध्यक्षता में 'राष्ट्रीय आय समिति' का गठन किया था.
- रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 'विश्व भारती' संस्थान की स्थापना करके प्रो. महालनोबिस को वहाँ का सचिव नियुक्त किया था.
- हम अक्सर अखबारों में विभिन्न विषयों पर किए गए सर्वेक्षणों पर आधारित खबरें पढ़ते हैं, इसका श्रेय भी उन्हीं को जाता है, क्योंकि उन्होंने ही उस दौर में अपने कार्यों से देश की विकास सम्बन्धी नीतियों के निर्माण में सर्वे की उपयोगिता से लोगों का परिचय कराया था. इसके अलावा प्रशांत चंद्र महालनोबिस को अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है.
- महालनोबिस को सरकार द्वारा 'भारतीय सांख्यिकी का पिता' कहने का सम्मान भी प्राप्त है. प्रशांत चन्द्र महालनोबिस अपनी मृत्यु तक भारतीय सांख्यिकी संस्थान के निदेशक और सचिव बने रहे. उनका निधन 28 जून, 1972 को हुआ था.
- **राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस–** इसे वर्ष 2007 में पहली बार मनाया गया था.
- **अन्य तथ्य–** महालनोबिस ने भारत की दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-61) की रूपरेखा तैयार की थी. इसीलिए, दूसरी पंचवर्षीय योजना को महालनोबिस योजना भी कहा जाता है. इस योजना में सार्वजनिक क्षेत्र के विकास और तेजी से औद्योगीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया था.
- इन्होंने 'महालनोबिस डिस्टेंस' की अवधारणा प्रस्तुत की थी. यह एक सांख्यिकीय माप है.
- **सम्मान–** स्वतंत्र भारत के पहले दो दशकों में राष्ट्र निर्माण में उनके सक्रिय योगदान के लिए वर्ष 1968 में भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार – 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया.
- सरकार ने 'महालनोबिस अन्तर्राष्ट्रीय' पुरस्कार की स्थापना की है. यह पुरस्कार किसी व्यक्ति को विकासशील देश या क्षेत्र में सांख्यिकी में जीवनभर की उपलब्धियों के लिए दिया जाता है.

सुचेता कृपलानी (1908 ई.–74 ई.)

चर्चा में क्यों ?

25 जून, 2024 को सुचेता कृपलानी की जयंती स्वतंत्रता आंदोलन और भारतीय राजनीति में अग्रणी भूमिका के रूप में उनके उल्लेखनीय योगदान की स्मृति में मनाई जाती है.

प्रारम्भिक जीवन

- सुचेता कृपलानी का जन्म जून, 1908 ई. में अंबाला (पंजाब) में हुआ था. उन्होंने अपनी शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ कॉलेज से पूरी की.
- कृपलानी ने 1939 ई. तक बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में संवैधानिक इतिहास की शिक्षिका के रूप में अपना पेशेवर कॅरियर शुरू किया.
- 1936 ई. में, उन्होंने कांग्रेस पार्टी के सदस्य और एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी आचार्य कृपलानी से विवाह किया.
- वह 1938 ई. में कांग्रेस पार्टी की सदस्य बनीं और डेढ़ वर्ष तक विदेश विभाग और महिला अनुभाग की सचिव रहीं.

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका

- कृपलानी ने 1940 के दशक में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया. इसमें 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में उनकी भागीदारी भी शामिल थी– वे सरकार की गिरफ्तारी से बचती रहीं, हालाँकि उन्हें अंततः 1944 में गिरफ्तार कर लिया गया और एक वर्ष तक हिरासत में रखा गया.

संविधान निर्माण में योगदान

- 1946 ई. में कृपलानी संयुक्त प्रांत से संविधान सभा के लिए चुनी गईं. वह ध्वज प्रस्तुति समिति की सदस्य थीं , जिसने संविधान सभा के समक्ष पहला भारतीय ध्वज प्रस्तुत किया था.

अन्य योगदान

- एक कट्टर गाँधीवादी के रूप में, वह भारतीय विभाजन के दंगों के दौरान गाँधी के साथ बंगाल गई.
- कृपलानी ने भारत के विभाजन के दौरान शरणार्थियों के पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई: उन्होंने कांग्रेस पार्टी द्वारा गठित राहत और पुनर्वास समिति के सचिव के रूप में कार्य किया.
- कृपलानी स्वतंत्र भारत की पहली महिला सांसदों में से एक थीं. वह प्रांतीय संसद (1950-52), प्रथम लोक सभा (1952-56) और द्वितीय लोक सभा (1957-62) की सदस्य रहीं.

पहली महिला मुख्यमंत्री

- उत्तर प्रदेश में उनका राजनीतिक जीवन सफल रहा और उन्होंने उत्तर प्रदेश विधान सभा की सदस्य (1943-50) और श्रम, सामुदायिक विकास और उद्योग मंत्री (1960-63) सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया.
- कृपलानी कांग्रेस पार्टी के टिकट पर राज्य की मुख्यमंत्री चुनी गईं, जिससे उन्हें किसी भारतीय राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री होने का गौरव प्राप्त हुआ. उन्होंने अक्टूबर 1963 से मार्च 1967 तक पद सँभाला.
- कृपलानी विदेशी देशों और संगठनों में कई प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा रहीं. उन्होंने तुर्की (1954) में संसदीय प्रतिनिधिमंडल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई; अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (1961), संयुक्त राष्ट्र महासभा (1949) और नागरिक जिम्मेदारी और सार्वजनिक जीवन में एशियाई महिलाओं की बढ़ती भागीदारी (1956) पर संयुक्त राष्ट्र संगोष्ठी मे प्रमुख भूमिका निभाई. 1974 ई. में उनका निधन हो गया.
- **प्रमुख लेखन—** कृपलानी ने 'सुचेता: एक अधूरी आत्मकथा' लिखी जिसमें 1947 तक के उनके जीवन का वर्णन है.

ऐतिहासिक स्थल

उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थ स्थल

सारनाथ

- सारनाथ सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है, क्योंकि यहीं पर गौतम बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना पहला उपदेश दिया था.
- वाराणसी के पास स्थित सारनाथ में धामेक स्तूप है, जो उस स्थान को चिह्नित करता है जहाँ बुद्ध ने धर्म का उपदेश दिया था. सारनाथ पुरातत्व संग्रहालय में बौद्ध कलाकृतियों का एक प्रभावशाली संग्रह है, जिसमें अशोक की प्रसिद्ध सिंह राजधानी भी शामिल है, जो अब भारत का राष्ट्रीय प्रतीक है.

कुशीनगर

- कुशीनगर वह स्थान है जहाँ बुद्ध ने अपनी मृत्यु के बाद महापरिनिर्वाण (अंतिम निर्वाण) प्राप्त किया था.
- महापरिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध की एक लेटी हुई मूर्ति है, जो उनके अंतिम क्षणों को दर्शाती है.
- माना जाता है कि रामाभर स्तूप बुद्ध का अंतिम संस्कार स्थल है.

श्रावस्ती

- श्रावस्ती, एक प्राचीन शहर, बुद्ध के जीवनकाल के दौरान बौद्ध धर्म का एक प्रमुख केन्द्र था.
- ऐसा माना जाता है कि बुद्ध ने यहाँ 24 मानसून ऋतुएं बिताईं, शिक्षा दी और चमत्कार किए.
- धनी व्यापारी अनाथपिंडिका द्वारा दान किया गया जेतवन मठ, श्रावस्ती के सबसे महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है.

कपिलवस्तु

- राज्य राजमार्ग 1A पर गोरखपुर से 97 किमी उत्तर में स्थित कपिलवस्तु स्तूप में खुदाई के दौरान बुद्ध के अवशेष मिले थे. कपिलवस्तु, जहाँ भगवान बुद्ध ने अपने जीवन के पहले 29 वर्ष बिताए थे, अब एक अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है.
- इस स्थल पर एक बड़ा स्तूप है, जहाँ पुरातात्विक खुदाई के दौरान बुद्ध के अवशेष मिले थे.

कौशाम्बी

- कौशाम्बी बुद्ध की शिक्षाओं से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण स्थल है. ऐसा माना जाता है कि बुद्ध ने कई बार कौशाम्बी का दौरा किया और यहाँ उपदेश दिए.
- सम्राट् अशोक द्वारा बनवाया गया अशोक स्तम्भ बौद्ध धर्म में शहर के ऐतिहासिक महत्व का प्रमाण है.
- प्राचीन मठों, स्तूपों और किलों के खंडहर शहर के अतीत की जानकारी देते हैं.

संकिसा

- संकिसा या संकस्या बौद्ध परम्परा के अनुसार, वह स्थान है जहाँ बुद्ध अपनी माँ को अभिधर्म का उपदेश देने के बाद तुषित स्वर्ग से उतरे थे.
- इस स्थल को एक पत्थर के हाथी और एक सीढ़ी द्वारा चिह्नित किया गया है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह वह मार्ग है जिससे बुद्ध अपने अवतरण के दौरान गुजरे थे.

●●●

अन्य प्रमुख चर्चित ऐतिहासिक व्यक्तित्व	
पिंगली वेंकैया (1876-1963 ई.)	● *4 जुलाई, 2024 को इनकी पुण्यतिथि मनाई गई.* ● *ये गाँधीवादी सिद्धान्तों को मानने वाले प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे.* ● *इनका जन्म आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टम में हुआ था.* ● *पिंगली ने महात्मा गाँधी के अनुरोध पर 'भारतीय राष्ट्रीय ध्वज' का डिजाइन तैयार किया था. यही कारण है कि वर्ष 2022 में इनके 146वें जन्मोत्सव पर 'तिरंगा उत्सव' मनाया गया था. वर्ष 2009 में पिंगली के सम्मान में भारतीय डाक विभाग ने एक टिकट भी जारी किया था.* ● *गौरतलब है कि 1931 में कांग्रेस ने कराची के अखिल भारतीय सम्मेलन में पिंगली द्वारा ही डिजाइन राष्ट्रीय ध्वज को कुछ संशोधनों के साथ केसरिया, सफेद और हरे तीन रंगों से बने राष्ट्रीय ध्वज को सर्वसम्मति से स्वीकार किया था.* ● *22 जुलाई, 1947 को संविधान सभा में 'राष्ट्रीय ध्वज' को अपनाया गया. इसके कुछ समय बाद इसमें चरखे की जगह अशोक चक्र को शामिल किया था.*
लक्ष्मण सतपथी (1916-2001 ई.)	● ***जन्म**—15 जून, 1916* ● ***स्थान**—ब्रिटिशकालीन सोनपुर रियासत (वर्तमान ओडिशा)* ● ***योगदान**—सोनपुर प्रजामडंल आंदोलन के अग्रणी नेता.* ● *इन्होंने अपने भाई राम सतपथी व अन्य डोलामणि दाश, मोहन मिश्रा, भीमसेन व पीतांबर भाई और प्रणबंधु दास के साथ मिलकर 'सोनपुर प्रजामंडल समिति' का गठन किया.* ● *3 अक्टूबर, 2001 को कालापाथर गाँव में इनका निधन हुआ.*

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

भारतीय विरासत और संस्कृति

अभय मुद्रा (Abhaya Mudra)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में लोक सभा में विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले भाषण में राहुल गाँधी ने अभय मुद्रा का जिक्र किया, जिससे यह चर्चा का विषय बना हुआ है.

प्रमुख तथ्य

- संसद में विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले सम्बोधन में राहुल गाँधी ने बार-बार 'अभय मुद्रा' का जिक्र किया. उन्होंने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कहा कि सभी धर्मों ने अहिंसा और निडरता की बात की है.

अभय मुद्रा का अर्थ

- संस्कृत में, मुद्रा शब्द का अर्थ मुहर, चिह्न या मुद्रा हो सकता है, लेकिन बौद्ध सन्दर्भ में बसवेल और लोपेज, प्रिंसटन डिक्शनरी ऑफ बुद्धिज्म, 2013 के अनुसार इसका अर्थ 'हवन अनुष्ठान' के दौरान किए गए हाथ से आहुति कि मुद्रा या साधना के दौरान ध्यान आदि की मुद्रा, इसके अतिरिक्त बुद्ध, बोधिसत्व, तांत्रिक देवताओं और अन्य बौद्ध छवियों में दशाई गई मुद्रा का अर्थ अभय मुद्रा से लगाया जाता है.
- गौरतलब है कि मुद्राएं आमतौर पर बुद्ध (या बुद्धरूप) के दृश्य चित्रण से जुड़ी होती हैं, जिसमें अलग-अलग हाव-भाव अलग-अलग मनोदशा और अर्थ व्यक्त करते हैं, जो बुद्ध की प्राप्ति की अवस्थाओं की सूक्ष्म अभिव्यक्तियों को दर्शाते हैं.
- सबसे शुरुआती बुद्धरूप चित्रण में चार मुद्राएं हैं—अभय मुद्रा, या 'निर्भयता का इशारा'; भूमिस्पर्श मुद्रा, या 'पृथ्वी को छूने वाला इशारा'; धर्मचक्र मुद्रा, या 'धर्म के पहिये का इशारा'; और ध्यान मुद्रा, या 'ध्यान का इशारा'.
- जैसे-जैसे महायान और वज्रयान बौद्ध धर्म विकसित हुआ और बौद्ध कलाकृतियाँ भारत से परे फैलीं, सैकड़ों मुद्राएं बौद्ध प्रतिमा विज्ञान का हिस्सा बन गईं. तांत्रिक बौद्ध परम्पराओं में, मुद्राएं गतिशील अनुष्ठानिक हस्त गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं, जो भौतिक अर्पण, पूजा के रूपों और कल्पित देवताओं के साथ सम्बन्धों का प्रतीक हैं.

अभय मुद्रा (निर्भयता का संकेत)

- अभय मुद्रा (निर्भयता की मुद्रा) सुरक्षा, शांति, परोपकार और भय को दूर करने का प्रतिनिधित्व करती है.
- थेरवाद बौद्ध धर्म में, इसे आमतौर पर दाहिने हाथ को कंधे की ऊँचाई तक उठाकर, हाथ को मोड़कर और हथेली को बाहर की ओर करके, उंगलियों को सीधा करके और जोड़कर और बाएं हाथ को खड़े होकर नीचे लटकाकर बनाया जाता है.
- थाइलैंड और लाओस में, यह मुद्रा चलते हुए बुद्ध से जुड़ी है, जिसे अक्सर दोनों हाथों से एकसमान अभय मुद्रा बनाते हुए दिखाया जाता है.
- मुद्रा का उपयोग संभवतः बौद्ध धर्म की शुरुआत से पहले अजनबियों से सम्पर्क करते समय मित्रता का प्रस्ताव रखने वाले अच्छे इरादों के प्रतीक के रूप में किया जाता था.
- गांधार कला में, इसे उपदेश देने की क्रिया को दिखाते समय देखा जाता है. इसका उपयोग चीन में चौथी और 7वीं शताब्दी के वेई और सुई युग के दौरान भी किया गया था.

गौतम बुद्ध से जुड़ी विभिन्न मुद्राएं और प्रतीक

धर्मचक्र मुद्रा—*संस्कृत में 'धर्मचक्र' शब्द का अर्थ धर्म चक्र है, इसलिए, धर्मचक्र मुद्रा धर्म चक्र के घूमने का प्रतिनिधित्व करती है. इस मुद्रा में गौतम बुद्ध, दोनों हाथों के अंगूठे और तर्जनी के सिरों को जोड़कर एक चक्र बनाते हुए दिखाया जाता है, जो धर्म चक्र का प्रतीक है. गौरतलब है कि ज्ञान प्राप्त करने के बाद सारनाथ में अपने पहले उपदेश के दौरान, बुद्ध ने धर्मचक्र मुद्रा का प्रदर्शन किया, जो उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक को दर्शाता है.*

भूमिस्पर्श मुद्रा—*इस मुद्रा का अर्थ है 'पृथ्वी को छूना.' इस मुद्रा वाली बुद्ध प्रतिमाओं को 'पृथ्वी-साक्षी' बुद्ध कहा जाता है, जो उन्हें दुनिया भर में बुद्ध के सबसे पहचाने जाने वाले प्रतिनिधित्वों में से एक बनाता है. यह मुद्रा बुद्ध की इस मान्यता का प्रतीक है कि पृथ्वी ने उनके ज्ञानोदय की गवाही दी, जो उनके जागरण के क्षण को चिह्नित करती है.*

उत्तरबोधि मुद्रा—*उत्तरबोधि मुद्रा बुद्ध के हाथ की मुद्रा ज्ञानोदय के शिखर पर पहुँचने का प्रतीक है. यह एक हाथ को हृदय पर रखकर बनाई जाती है, जिसमें तर्जनी उँगलियाँ ऊपर की ओर स्पर्श करती हैं और इशारा करती हैं, तथा शेष उँगलियाँ आपस में जुड़ी होती हैं. यह मुद्रा दिव्य सार्वभौमिक ऊर्जा के साथ सम्बन्ध का भी प्रतिनिधित्व करती है.*

ध्यान मुद्रा—*ध्यान मुद्रा, जिसे समाधि मुद्रा या योग मुद्रा भी कहा जाता है, का उपयोग बुद्ध के समय से बहुत पहले योगियों द्वारा विभिन्न एकाग्रता, उपचार और ध्यान प्रथाओं में किया जाता रहा है. ऐसा माना जाता है कि इसकी उत्पत्ति भारत के गांधार क्षेत्र में हुई थी, जो चीन में बौद्ध धर्म के प्रसार से पहले हुई थी. ध्यान मुद्रा आमतौर पर दक्षिण-पूर्व एशिया में थेरवाद बौद्ध धर्म के भीतर प्रचलित है, जहाँ अंगूठे हथेलियों के खिलाफ दबाए जाते हैं.*

अंजलि मुद्रा—*अंजलि मुद्रा, जिसे नमस्कार मुद्रा भी कहा जाता है, स्वागत, आराधना और प्रार्थना का प्रतीक है. अंजलि मुद्रा आमतौर पर हृदय चक्र पर की जाती है, जिसमें अंगूठे छाती को धीरे से छूते हैं.*

करण मुद्रा—*करण मुद्रा एक पवित्र बौद्ध मुद्रा है, जो बाधाओं और भय को दूर करने के लिए माना जाता है.*

वज्र मुद्रा—*वज्र मुद्रा सभी बौद्ध सिद्धांतों की एकता का प्रतीक है. वज्र मुद्रा करने के लिए, दाहिनी मुट्ठी बनाई जाती है, और बाईं तर्जनी को दाहिनी मुट्ठी के भीतर बंद किया जाता है, जिसमें दाहिनी तर्जनी की नोक बाईं तर्जनी की नोक को छूती या लपेटती है.*

वरद मुद्रा—*वरद मुद्रा को सभी 5 अंगुलियों के विस्तार द्वारा दर्शाया जाता है, जो उदारता, आतिथ्य, दान, करुणा और ईमानदारी का प्रतीक है. इसे अक्सर दाहिने हाथ में अभय मुद्रा के साथ जोड़ा जाता है और कभी-कभी उनकी समानताओं के कारण वितर्क मुद्रा के साथ भ्रमित किया जाता है.*

- यह मुद्रा बुद्ध द्वारा हाथी द्वारा आक्रमण किए जाने पर इस्तेमाल की गई थी, तथा इसे वश में करने के लिए कई भित्तिचित्रों और लिपियों में दर्शाया गया है. आक्रमण के बावजूद, बुद्ध शांत रहे और प्रेम और करुणा के भाव में अपना हाथ बढ़ाया, जिससे हाथी उनके सामने घुटने टेकने लगा. यह मुद्रा न केवल सुरक्षा का संकेत है, बल्कि जरूरतमंदों को आश्रय प्रदान करने का प्रतीक भी है.
- महायान बौद्ध धर्म में, उत्तरी विद्यालयों के देवता अक्सर दूसरे हाथ का उपयोग करके इसे किसी अन्य मुद्रा के साथ जोड़ते थे.
- जापान में, जब अभय मुद्रा का उपयोग मध्यमा उंगली को थोड़ा आगे की ओर करके किया जाता है, तो यह शिंगोन सम्प्रदाय का प्रतीक है.

हिन्दू धर्म में अभय मुद्रा

- समय बीतने के साथ हिन्दू देवताओं के चित्रण में अभय मुद्रा का चित्रण किया जाने लगा, और अंततः बुद्ध को पौराणिक भगवान विष्णु के नौवें अवतार के रूप में हिन्दू देवताओं में शामिल कर लिया गया.
- इंडोलॉजी की विशेषज्ञ वेंडी डोनिगर ने अपनी प्रसिद्ध कृति 'द हिन्दूज : एन अल्टरनेटिव हिस्ट्री' में उल्लेख किया है कि हिन्दुओं ने 450 ई. से छठी शताब्दी के बीच बुद्ध को विष्णु के अवतार के रूप में देखना शुरू किया.
- बुद्ध अवतार का सबसे पहला सन्दर्भ विष्णु पुराण में मिलता है, जो 400-500 ई. का है.
- हिन्दू धर्म के विशाल मिश्रण में विभिन्न परम्पराएं, प्रथाएं और सांस्कृतिक प्रभाव समाहित हो गए, जिसके परिणामस्वरूप कला और देवताओं के दृश्य चित्रण में विविध अभिव्यक्तियाँ सामने आईं.
- अभय मुद्रा, जो निडरता का एक संकेत है, भगवान शिव, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के चित्रण में प्रमुखता से दिखाई गई.

अन्य धर्मों में अभय मुद्रा

- 11वीं सदी में इटली में जन्मे ईसाई संत सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी को लकड़ी के ऊपर उनकी एक तस्वीर में उनको एक हाथ ऊपर उठाए हुए (अभय मुद्रा में) दिखाया गया है.
- जैन तीर्थंकरों को भी कई बार इस मुद्रा में दिखाया गया है. चार भुजाओं वाली भगवान महावीर की यक्षिणी की मूर्ति बदामी (कर्नाटक के बगलकोट जिला) की जैन गुफाओं से मिली है.

शासन व्यवस्था

संसदीय और अध्यक्षीय व्यवस्था (Parliamentary and Presidential System)

सुर्खियों में क्यों ?

भारत में 18वीं लोक सभा चुनावों के बाद हाल ही में ब्रिटेन में चुनाव सम्पन्न व 14 वर्ष बाद लेबर पार्टी की जीत और अगले कुछ माह बाद अमेरिका राष्ट्रपति के चुनावों के कारण संसदीय और अध्यक्षीय शासन व्यवस्था वर्तमान में चर्चा में बनी हुई है.

प्रमुख तथ्य

विधान सभा और कार्यपालिका के बीच सम्बन्धों के आधार पर, लोकतांत्रिक सरकार के दो महत्वपूर्ण मॉडलों की पहचान की गई है—संसदीय प्रणाली और राष्ट्रपति प्रणाली. दोनों प्रणालियों की अपनी विशिष्ट विशेषताएं और शक्तियाँ और कमजोरियाँ होती हैं, जो एक प्रणाली को दूसरी प्रणाली से अलग करती है. दोनों ही लोकतांत्रिक सरकार के लिए अनुकूल है.

भारत सहित ब्रिटेन में जहाँ संसदीय प्रणाली अपनाई गई है, वहीं अमेरिका में राष्ट्रपति प्रणाली को अपनाया गया है. इसके साथ ही, अर्द्ध संसदीय प्रणाली और राष्ट्रपति प्रणाली के गुण वाली संकर प्रणाली फ्रांस, क्रोएशिया, लिथुआनिया, पोलैंड, यूक्रेन जैसे कई देशों में पाई जाती है.

संसदीय प्रणाली

- संसदीय प्रणाली का तात्पर्य सरकार के उस रूप से है, जिसमें सरकार की कार्यपालिका और विधायिका आपस में जुड़ी हुई होती हैं. इसमें, कार्यपालिका, विधायिका से तय की जाती है, जो इसके प्रति जिम्मेदार और जवाबदेह होती है और इसके द्वारा खारिज भी की जा सकती है.
- जे. डब्ल्यू. गार्नर (1952) का कहना है कि सरकार का संसदीय रूप "वह व्यवस्था है जिसमें अविलम्ब और कानूनी तौर पर वास्तविक कार्यपालिका-मंत्रालय या मंत्रिमंडल-अपनी राजनीतिक नीतियों और कार्यों के लिए विधायिका या इसकी किसी एक शाखा (आमतौर पर सदन) के प्रति जिम्मेदार होती है."
- इस प्रणाली की शुरुआत ब्रिटेन में हुई थी और इसे भारत, जापान, जर्मनी, इटली, स्वीडन, कनाडा, न्यूजीलैंड, इजरायल, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों ने भी कुछ अंतरों के साथ अपनाया है. भारत और ब्रिटेन की संसदीय प्रणाली में कुछ अंतर है.

संसदीय प्रणाली की विशेषताएं

(क) दो कार्यकारी प्रमुख, (ख) कार्यपालिका और विधायिका, (ग) सामूहिक जिम्मेदारी, (घ) सरकार के प्रमुख का नेतृत्व, (ङ) तय अवधि का अभाव.

भारत और ब्रिटेन की संसदीय प्रणाली में मुख्य अंतर

व्यवस्था	ब्रिटेन	भारत
मतदान पात्रता	• *18 वर्ष या अधिक* • *संसदीय चुनाव में उच्च सदन के सदस्य मतदान नहीं कर सकते.*	• *18 वर्ष या अधिक (61वें संविधान संशोधन, 1988 द्वारा इसे 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किया गया).* • *मतदान के लिए सभी पात्र.*
मतदान प्रक्रिया	• *डाक मतपत्र द्वारा*	• *इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) से.*
प्रधानमंत्री पद	• *प्रधानमंत्री का पद 'कन्वेंशन' पर आधारित.* • *प्रधानमंत्री केवल निचले सदन यानि हाउस ऑफ कॉमन्स से ही हो सकता है.*	• *संविधान के अनुच्छेद 75 में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा.* • *किसी भी सदन से हो सकता है.*
शपथ	• *प्रधानमंत्री सहित निर्वाचित सदस्य 'राजशाही के प्रति निष्ठा' की शपथ लेते है.*	• *'संविधान के प्रति निष्ठा' की शपथ लेते है.*
अन्य	• *यहाँ 'संसदीय सर्वोच्चता' को महत्व दिया गया है.*	• *भारत में संसदीय संप्रभुता 'संवैधानिक सर्वोच्चता' के अधीन है.*

संसदीय प्रणाली : प्रमुख विशेषताएं	
कार्यकारी प्रमुख	● *दो कार्यकारी प्रमुख—(1) राज्य प्रमुख (उदाहरण—राष्ट्रपति), (2) सरकार का प्रमुख (उदाहरण—प्रधानमंत्री).* ● *वास्तविक शक्ति सरकार के मुखिया के पास.* ● *राज्य प्रमुख का पद वंशानुगत (ब्रिटेन, स्पेन, बेल्जियम, डेनमार्क आदि) या निर्वाचित (भारत, जर्मनी, इटली, ऑस्ट्रेलिया आदि) होता है, जबकि सरकार का मुखिया जनता द्वारा निर्वाचित होकर आता है.*
सामूहिक जिम्मेदारी	● *इस व्यवस्था में सरकार के सभी कार्यों के लिए मंत्रिपरिषद् समान रूप से जिम्मेदार है, इसलिए सामूहिक नीतिगत निर्णय के बाद मंत्रिपरिषद् का कोई भी सदस्य सरकार के कार्यों को रद्द नहीं कर सकता है.* ● *सामूहिक जिम्मेदारी का सिद्धान्त सन्तुलन और संयम को प्रोत्साहित करने के साथ ही एक अनुशासित दल के लक्ष्य को भी प्राप्त करने का साधन है.*
सरकार का नेतृत्व	● *संसदीय प्रणाली में वास्तविक शक्ति या नेतृत्व सरकार के प्रमुख के रूप में प्रधानमंत्री के पास होता है. प्रधानमंत्री ही विधायिका, मंत्रिपरिषद् और बहुमत दल का नेता होता है.*
कार्यकाल की अवधि	● *संसदीय प्रणाली में कार्यकाल की कोई निश्चित अवधि तय नहीं है. विधायिका (सामान्यतया निचला सदन) एक अविश्वास के प्रस्ताव के माध्यम से अपनी अवधि की समाप्ति से पहले सरकार को हटा सकती है.*
संसदीय प्रणाली में सरकार	● *संसदीय प्रणाली में प्रधानमंत्री और मंत्रियों की मंत्रिपरिषद् या मंत्रिमण्डल युक्त विधायिका या सरकार अलग से नहीं चुनी जाती बल्कि विधायी चुनावों के आधार पर बनाई जाती है, जो समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं.*

राष्ट्रपति प्रणाली

- राष्ट्रपति प्रणाली सरकार का वह स्वरूप है, जिसमें सरकार की कार्यकारी और विधायी शाखाएं अलग होती हैं और दोनों में ही आपसी स्वतंत्रता होती है. इसमें, कार्यपालिका और विधायिका को अलग से चुना जाता है और इनके पास स्वतंत्र शक्तियों होती हैं और कार्यपालिका प्रत्यक्ष रूप से विधान सभा को जवाबदेह नहीं होती है और न ही इसे विधान सभा द्वारा भंग किया जा सकता है.
- जे. डब्ल्यू. गार्नर (1952) के अनुसार, राष्ट्रपति सरकार "ऐसी प्रणाली है, जिसमें कार्यकारी (राज्य के प्रमुख और उनके मंत्रियों सहित) अपनी अवधि या कार्यकाल के मामले में संवैधानिक रूप से विधान सभा से स्वतंत्र होते हैं और यह अपनी राजनीतिक नीतियों के लिए विधान सभा को जवाबदेह नहीं होते".
- इस प्रणाली का सबसे अच्छा उदाहरण संयुक्त राज्य अमेरिका है, जहाँ यह प्रणाली पैदा हुई और इसे अर्जेंटीना, ब्राजील, मैक्सिको, चिली, कोलंबिया, आदि ने अपनाया.
- यह प्रणाली अफ्रीकी देशों जैसे कि घाना, केन्या, जिम्बाब्वे, आदि और कुछ एशियाई देशों जैसे कि इंडोनेशिया, मालदीव, फिलीपींस, आदि में भी मौजूद है.

राष्ट्रपति प्रणाली की विशेषताएं

- संसदीय प्रणाली की तरह ही राष्ट्रपति प्रणाली की भी अपनी विशेषताएं हैं, जो इसे संसदीय प्रणाली से अलग करती है. इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं—(क) एक ही मुखिया, (ख) शक्तियों का विभाजन, (ग) राष्ट्रपति और मंत्रिमण्डल के सदस्य, (घ) कानून बनाने का अधिकार और (ङ) कार्यालयों की तय अवधि.

राष्ट्रपति प्रणाली : प्रमुख विशेषताएं	
कार्यकारी प्रमुख	● *इस प्रणाली में 'राष्ट्रपति' कार्यकारी प्रमुख होता है.* ● *एंड्रयू हेवुड के अनुसार इस प्रणाली में राष्ट्रपति 'दो ताज' पहनता है. वह राज्य व सरकार का मुखिया होता है.*
शक्तियों का विभाजन	● *इस प्रणाली में शक्तियों और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से सरकार की तीन शाखाओं—विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में विभाजित कर दिया जाता है.* ● *इस प्रणाली में कार्यकारी (राष्ट्रपति और उसके मंत्री) विधान सभा से नहीं बल्कि राष्ट्रपति और विधान सभा को अपने-अपने चुनावों से अलग-अलग चुना जाता है.* ● *दूसरा, राष्ट्रपति सीधे रूप से निर्वाचन मंडल के प्रति जवाबदेह और जिम्मेदार होता है, न कि विधान सभा के प्रति.* ● *तीसरा विधायिका, राष्ट्रपति को उसकी अवधि की समाप्ति से पहले हटा नहीं सकती.* ● *चौथा राष्ट्रपति, विधायिका के कार्यकाल की समाप्ति से पहले इसे भंग नहीं कर सकता है.* ● *पाँचवाँ, राष्ट्रपति सहित कार्यपालिका के सदस्य विधान सभा के सदस्य नहीं बन सकते और विधान सभा के सदस्य भी कार्यपालिका के सदस्य नहीं बन सकते हैं.*

मानव स्वास्थ्य एवं उपचार

लैक्टोज इंटोलरेन्स (Lactose Intolerance)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में शिकागो विश्वविद्यालय में मानव आनुवंशिकी विभाग द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि भारत में लैक्टोज इंटोलरेन्स की एक गम्भीर स्थिति है, जिसकी दर विभिन्न क्षेत्रों में 27% से 66% तक है.

प्रमुख तथ्य

लैक्टोज इंटोलरेन्स

- लैक्टोज इंटोलरेन्स को शरीर की दूध की चीनी या लैक्टोज को पचाने में असमर्थता के रूप में परिभाषित किया जाता है.
- जब कोई व्यक्ति दूध में पाई जाने वाली मिठास के लिए जिम्मेदार लैक्टोज को ठीक से पचाने में असमर्थ होता है, तो ऐसी स्थिति को उसके सम्बन्ध में लैक्टोज इंटोलरेन्स की स्थिति कहा जाता है. इसे 'लैक्टोज मैलाबॉस्पशन' के रूप में भी जाना जाता है.
- नतीजतन, उन्हें डेयरी उत्पादों के सेवन के बाद दस्त, गैस और अन्य पेट

सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है.

- गौरतलब है कि यह पाचन विकार तब होता है जब आपके शरीर में एंजाइम लैक्टेज की पर्याप्त मात्रा नहीं होती है.
- उल्लेखनीय है कि लैक्टेज छोटी आंत में बनता है और दूध और अन्य डेयरी उत्पादों में पाए जाने वाले लैक्टोज को सरल शर्करा (ग्लूकोज और गैलेक्टोज) में तोड़ देता है जिसे आपका शरीर आसानी से अवशोषित कर सकता है.

लैक्टोज इंटोलरेन्स की प्रचलित दर

- लैक्टोज इंटोलरेन्स के प्रसार की दर अफ्रीकी, अमेरिकी और एशियाई आबादी में जहाँ 75-95% है वहीं यूरोपीय लोगों में यह 18-26% तक होती है.
- शिकागो विश्वविद्यालय के मानव आनुवंशिकी विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि भारत में लैक्टोज इंटोलरेन्स की प्रचलन दर बहुत अधिक है, जो विभिन्न क्षेत्रों में 27% से 66% तक है.
- गौरतलब है कि लैक्टोज इंटोलरेन्स वंशानुगत भी हो सकती है, जिसके लक्षण बचपन या किशोरावस्था में दिखाई देते हैं.
- द्वितीयक लैक्टोज इंटोलरेन्स सर्जरी, कीमोथेरेपी या छोटी आँत को प्रभावित करने वाली कुछ चिकित्सा स्थितियों, जैसे—संक्रमण, अल्सरेटिव कोलाइटिस या क्रोहन रोग के कारण अचानक विकसित हो सकती है.

आनुवंशिक लैक्टेज की कमी

- जन्मजात लैक्टेज की कमी एक दुर्लभ विकार है, यह स्थिति मुख्य रूप से फिनलैंड में पाई जाती है, जो 60,000 नवजात शिशुओं में से लगभग 1 को प्रभावित करती है.
- वैश्विक आबादी के लगभग 65% लोगों में शैशवावस्था के बाद लैक्टोज को पचाने की क्षमता कम हो जाती है.
- लैक्टेज नॉनपरसिस्टेंस पूर्वी एशियाई मूल के व्यक्तियों में सबसे आम है, इन समुदायों में 70 से 100% व्यापकता है.
- जन्मजात लैक्टेज की कमी एलसीटी जीन में आनुवंशिक भिन्नताओं के कारण होती है, जो लैक्टेज एंजाइम के उत्पादन और कार्य को प्रभावित करती है. इससे माँ का दूध पीने वाले शिशुओं में लैक्टोज का पाचन खराब हो जाता है.
- जबकि वयस्कों में लैक्टेज की गैर-स्थिरता बचपन के बाद एलसीटी जीन की घटती गतिविधि के कारण होती है, जिसे एमसीएम6 जीन के भीतर एक डीएनए अनुक्रम द्वारा नियंत्रित किया जाता है.
- इस अनुक्रम में परिवर्तन छोटी आँत में लैक्टेज उत्पादन को प्रभावित कर सकता है, जिससे जीवन भर लैक्टोज को पचाने की क्षमता प्रभावित होती है.

लैक्टोज इंटोलरेन्स की जाँच

- लैक्टोज इंटोलरेन्स का ब्रेथ टेक्निक या एंडोस्कोपिक बायोप्सी के माध्यम से किया जाता है. इसमें व्यक्ति को 2 घण्टे तक हर 15 मिनट में एक ट्यूब में साँस लेने की आवश्यकता होती है. इसके बाद साँस में हाइड्रोजन की मात्रा की गणना की जाती है, जिससे स्थिति का निदान करने में मदद मिलती है.
- गैस्ट्रोस्कोपी और छोटी आँत की बायोप्सी भी की जा सकती है और व्यक्ति में लैक्टोज इंटोलरेन्स का निदान करने के लिए लैक्टोज की मात्रा की गणना की जा सकती है. इसका सही ढंग से निदान करना जरूरी है, क्योंकि दूध और दूध उत्पाद कैल्शियम और विटामिन डी के महत्वपूर्ण स्रोत हैं. इनका सेवन बंद करना किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सही नहीं है.

अर्थव्यवस्था

भुगतान संतुलन (Balance of Payments)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा जारी आँकडों के आधार पर भारत के चालू खाते ने वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान अधिशेष दर्ज किया. यह पिछली 11 तिमाहियों में पहली बार है जब भारत ने अधिशेष दर्ज किया था.

प्रमुख तथ्य

- भुगतान संतुलन (BoP) किसी देश का अन्य देशों के साथ लेन-देन यानि आयात और निर्यात का एक बही खाता होता है.
- BoP खाता से पता चलता है कि कितना पैसा देश से बाहर गया और कितना पैसा आया. गौरतलब है कि BoP खाता में देश में आने वाले सभी पैसे को सकारात्मक और बाहर जाने वाले सभी पैसे को नकारात्मक चिह्नित किया जाता है. इस प्रकार, BoP तालिका में, ऋणात्मक चिह्न घाटे की ओर इशारा करता है.
- BoP खाता इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह रुपए की सापेक्ष माँग *बनाम* विदेशी मुद्राओं की माँग (डॉलर के सन्दर्भ में) को दर्शाता है.
- काल्पनिक रूप से, यदि दुनिया में केवल दो देश हों, भारत और अमेरिका, तो हर बार जब कोई भारतीय अमेरिकी वस्तु या सेवा खरीदना चाहेगा, या अमेरिका में निवेश करना चाहेगा, तो उसे उस लेन-देन को पूरा करने के लिए आवश्यक डॉलर खरीदने के लिए पहले एक निश्चित संख्या में रुपए देने होंगे.
- अंत में, विनिमय दर दो मुद्राओं की सापेक्ष माँग से निर्धारित होगी—यदि भारतीयों ने अमेरिकियों की तुलना में अधिक डॉलर की माँग की, तो रुपए के सापेक्ष डॉलर की 'कीमत' (या विनिमय दर) बढ़ जाएगी.

BoP के अंतर्गत खाते

- इसके अंतर्गत दो खाते होते है—(1) चालू खाता और (2) पूँजी खाता.
- चालू खाते के अंतर्गत जहाँ वस्तुओं का व्यापार, और सेवाओं का व्यापार सम्मिलित होता है वहीं पूँजी खाता उन लेन-देन को दर्शाता है, जो चालू खपत से कम और निवेश से अधिक सम्बन्धित हैं, जैसे कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई).
- जब बीओपी अधिशेष होता है—चालू और पूँजी खाते का शुद्ध—जिसका अर्थ है कि देश में अरबों डॉलर आ रहे हैं, तो आरबीआई इन डॉलर को अपने विदेशी मुद्रा भंडार में जोड़ता है.
- अगर RBI ऐसा नहीं करता, तो रुपए की विनिमय दर बढ़ जाती और भारत के निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो जाती. आम आदमी के दिमाग में जो छवि बनती है, उसके विपरीत, 'घाटा' और 'अधिशेष' शब्द हमेशा क्रमशः 'बुरा' और 'अच्छा' से सम्बन्धित नहीं होते. इसलिए, चालू खाता घाटा हमेशा अर्थव्यवस्था के लिए बुरा नहीं हो सकता है, न ही चालू खाता अधिशेष जरूरी तौर पर एक अच्छा विकास है.

वर्तमान आँकड़ें

- जनवरी-मार्च 2024 तिमाही में देश के चालू खाता शेष में 5·7 बिलियन डॉलर या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0·6 प्रतिशत अधिशेष दर्ज किया गया, जो कम व्यापारिक व्यापार घाटे से प्रेरित था.
- चालू खाता घाटा वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात और आयात के बीच का अंतर है. यह देश के बाहरी क्षेत्र का एक प्रमुख संकेतक है.

व्यापार संतुलन

- व्यापार संतुलन एक निश्चित समय अवधि में किसी देश के निर्यात और आयात के मौद्रिक मूल्य के बीच का अंतर है. कभी-कभी वस्तुओं के लिए व्यापार संतुलन और सेवाओं के लिए व्यापार संतुलन के बीच अंतर किया जाता है.
- व्यापार संतुलन किसी निश्चित अवधि में निर्यात और आयात के प्रवाह चर को मापता है. व्यापार संतुलन की धारणा का अर्थ यह नहीं है कि निर्यात और आयात एक-दूसरे के साथ 'संतुलन में' हैं.
- उदाहरण के लिए, यदि कोई देश आयात की तुलना में अधिक मूल्य का निर्यात करता है, तो उसका व्यापार अधिशेष या सकारात्मक व्यापार संतुलन होता है, और इसके विपरीत, यदि कोई देश निर्यात की तुलना में अधिक मूल्य का आयात करता है, तो उसका व्यापार घाटा या नकारात्मक व्यापार संतुलन होता है.

व्यापार संतुलन में घाटा क्या दर्शाता है ?

- व्यापार संतुलन वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात के मूल्य और वस्तुओं और सेवाओं के आयात के मूल्य के बीच का अंतर है. व्यापार घाटे का मतलब है कि देश निर्यात की तुलना में अधिक वस्तुओं और सेवाओं का आयात कर रहा है; व्यापार अधिशेष का मतलब इसके विपरीत है.
- चालू खाता शेष तब व्यापार संतुलन प्लस शुद्ध कारक आय (जैसे—विदेशी निवेश या श्रमिकों के प्रेषण से ब्याज और लाभांश) और विदेश से स्थानांतरण (जैसे—विदेशी सहायता) है, जो आमतौर पर कुल का एक छोटा-सा हिस्सा होता है. चूँकि (अधिकांश देशों के लिए) व्यापार संतुलन और चालू खाते के बीच बहुत कम अंतर होता है, इसलिए चालू खाता घाटा अक्सर संरक्षणवादियों की परेशानी बढ़ा देता है, जो जाहिर तौर पर यह भूल जाते हैं कि निर्यात करने का एक मुख्य कारण आयात करने में सक्षम होना है—सोचते हैं कि निर्यात 'अच्छा' है और आयात 'बुरा' है.
- चालू खाते को राष्ट्रीय (सार्वजनिक और निजी दोनों) बचत और निवेश के बीच के अंतर के रूप में भी व्यक्त किया जा सकता है. इसलिए चालू खाता घाटा निवेश के सापेक्ष राष्ट्रीय बचत के निम्न स्तर या निवेश की उच्च दर या दोनों को दर्शा सकता है.
- संयुक्त राज्य अमेरिका जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाएं चालू खाता घाटा चलाती हैं, जबकि विकासशील और उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्थाएं अक्सर अधिशेष या अधिशेष के निकट चलती हैं. बहुत गरीब देश आमतौर पर अपने सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में बड़े चालू खाता घाटे चलाते हैं, जिन्हें आधिकारिक अनुदान और ऋण द्वारा वित्त पोषित किया जाता है.

व्यापार संतुलन और BoP के चालू खाते पर शेष राशि के बीच अंतर

- व्यापार संतुलन (BoT) वह अंतर है, जो माल के निर्यात और आयात से प्राप्त होता है. भुगतान संतुलन (BoP) विदेशी मुद्रा के प्रवाह और बहिर्वाह के बीच का अंतर है. माल से सम्बन्धित लेन-देन BoT में शामिल हैं.

विदेशी मुद्रा भंडार में RBI की भूमिका

- RBI देश के विदेशी मुद्रा भंडार के संरक्षक के रूप में कार्य करता है और विनिमय नियंत्रण का प्रबंधन करता है.
- गौरतलब है कि RBI अधिनियम में यह प्रावधान है कि केंद्र सरकार उस दर का निर्धारण करता है जिस पर RBI बैंकों को विदेशी मुद्रा खरीदेगा या बेचेगा. बदले में, यह दर अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के प्रति भारत के दायित्वों द्वारा शासित होगी.
- विदेशी मुद्रा बाजार को RBI द्वारा अभेद्य विनिमय नियंत्रण विनियमों के साथ विनियमित किया जाता है. इन डॉलर को विदेशी क्रॉस करेंसी मार्केट में बेचना केंद्रीय बैंक द्वारा प्रतिबंधित है.

दार्शनिक अवधारणा

संप्रभुता (Sovereignty)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में जलवायु परिवर्तन, साइबर अपराध और वित्तीय संकट जैसी 21वीं सदी की समस्याओं के बीच, संप्रभुता के सम्बन्ध में एक विचार अधिक प्रचलित हो रहा है कि केवल यह अवधारणा क्षेत्रीयता तक ही सीमित है या इसका व्यक्तिगत अर्थ व निहितार्थ भी होना चाहिए.

प्रमुख तथ्य

वर्तमान में कई समकालीन राजनीतिक संकटों और मुद्दों में संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की अवधारणाएं स्पष्ट रूप से सामने आईं. उदाहरण के लिए, दो-राज्य समाधान को लम्बे समय से चले आ रहे इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष के स्थायी समाधान के रूप में देखा जा रहा है, जिसके तहत इजरायल राज्य और प्रस्तावित फिलिस्तीन राज्य के बीच क्षेत्रीय सीमांकन की आवश्यकता है.

इसके अतिरिक्त वर्ष 2016 में, जब यूनाइटेड किंगडम ने यूरोपीय संघ छोड़ने के लिए (ब्रेक्सिट) जनमत संग्रह में मतदान किया था, तो इसे कई लोगों ने लंदन के वेस्टमिंस्टर में ब्रिटिश संसद की संप्रभुता की बहाली के रूप में देखा था.

ऐसे मुद्दे इस बात को रेखांकित करते हैं कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की अवधारणाएं न केवल अकादमिक सरोकारों के सन्दर्भ में केंद्रीय हैं, बल्कि इनका लोगों के रोजमर्रा के जीवन पर भी वास्तविक प्रभाव पड़ता है.

अतः यहाँ संप्रभुता की अवधारणा का विश्लेषण करने तथा समकालीन राजनीति से उदाहरणों के साथ इसकी केंद्रीय विशेषताओं को प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है.

संप्रभुता क्या है ?

- संप्रभुता की अवधारणा राजनीति विज्ञान की सबसे केंद्रीय अवधारणाओं में से एक है.
- संप्रभुता की अवधारणा से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतकारों में से एक जॉन ऑस्टिन हैं, जिन्होंने 19वीं शताब्दी में इसकी तीन व्यापक विशेषताएं निर्धारित की थीं.
- प्रथम, संप्रभुता से तात्पर्य सर्वोच्च सत्ता से है, जिसे एक व्यक्ति के रूप में पहचाना जा सकता है, जैसे कि मध्यकाल में सम्राट, या जैसा कि हम आधुनिक काल में अधिक अभ्यस्त हो गए हैं, संसद जैसे व्यक्तियों के एक निकाय के रूप में, जो लोगों का प्रतिनिधित्व करता है.
- दूसरा, किसी भी राज्य व्यवस्था में लोगों को संप्रभु के प्रति आदतन आज्ञाकारिता दिखानी चाहिए, जोकि संप्रभु के अधिकार का प्रतीक है.
- तीसरा, संप्रभु से बड़ा कोई ऐसा प्राधिकार नहीं है, जिसके अधीन वे जा सकें. उदाहरण के लिए, यूनाइटेड किंगडम के यूरोपीय संघ से बाहर निकलने को तीसरी विशेषता के उदाहरण के रूप में ही देखा गया. वह यह कि ब्रिटिश संसद को यूरोपीय संसद की श्रेष्ठता को स्वीकार नहीं करना चाहिए.

संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता

- संप्रभु के अधिकार में एक स्पष्ट क्षेत्रीय सीमांकन होना चाहिए. इसे आमतौर पर संप्रभु के अधिकार क्षेत्र की पूरी क्षेत्रीय सीमा को कवर करने के रूप में समझा जाता है, जिसमें क्षेत्र के ऊपर हवाई क्षेत्र

शेष पृष्ठ 226 पर

जलवायु कूटनीति लेख

भारत की जलवायु कूटनीति : नई प्राथमिकताएं और नीति विकल्प

1992 में जलवायु परिवर्तन वार्ता की शुरुआत के बाद से, भारत ने मुख्य रूप से सामान्य, लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों (सीबीडीआर) के सिद्धांत के माध्यम से न्याय संगत जलवायु नीतियों की वकालत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. विकसित और विकासशील देशों के बीच अंतर को कम करने का विरोध करने के लिए 2009 के कोपेनहेगन शिखर सम्मेलन में 'बिगाड़ने वाला' (Spoiler) करार दिए जाने के बावजूद, भारत की जलवायु कूटनीति में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं. स्वैच्छिक उत्सर्जन तीव्रता में कमी के लक्ष्यों को अपनाकर और अधिक लचीलापन दिखाकर, भारत एक विघ्नकारी (Obstructionist) के रूप में पहचाने जाने वाले से हटकर एक वैश्विक जलवायु नेता के रूप में उभर रहा है, जो विशेष रूप से 2015 के पेरिस शिखर सम्मेलन में स्पष्ट हुआ है.

भारत की जलवायु कूटनीति व बदलाव

प्रारंभिक धारणाएं : बिगाड़ने वाला रुख (Early Perceptions : The Spoiler Stance)—भारत को अक्सर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर, विशेषकर जलवायु परिवर्तन वार्ताओं में, 'बिगाड़ने वाला' करार दिया गया है. 2009 के कोपेनहेगन शिखर सम्मेलन में, अन्य उभरते देशों के साथ, भारत पर रक्षात्मक रुख के माध्यम से आम सहमति में बाधा डालने का आरोप लगाया गया था. हालाँकि, यह धारणा उन सक्रिय कदमों के लिए जिम्मेदार नहीं है जिन्हें भारत ने पहले ही घरेलू स्तर पर उठाना शुरू कर दिया था.

जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) [(National Action Plan on Climate Change (NAPCC)]—2008 में, भारत ने जलवायु परिवर्तन पर अपनी राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) शुरू की, जो सौर ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, टिकाऊ आवास और जल संरक्षण जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित थी. यह योजना भारत की जलवायु नीति में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो विशिष्ट राष्ट्रीय मिशनों के माध्यम से जलवायु मुद्दों को सम्बोधित करने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है.

जयराम रमेश का नेतृत्व : एक रणनीतिक बदलाव (Jairam Ramesh's Leadership : A Strategic Shift)—तत्कालीन पर्यावरण और वन राज्य मंत्री, जयराम रमेश के नेतृत्व में, भारत ने अधिक लचीले रुख अपनाना शुरू किया. इनके कार्यकाल में बाध्यकारी उत्सर्जन कटौती और कानूनी प्रतिबद्धताओं से बचने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 'प्रति व्यक्ति उत्सर्जन' पहल के खिलाफ लम्बे समय से चले आ रहे रुख से विचलन देखा गया. यह बदलाव भारत की जलवायु कमजोरियों और जलवायु कार्रवाई के सह-लाभों की बढ़ती समझ से प्रेरित था, जो अधिक प्रगतिशील जलवायु कूटनीति की ओर बढ़ने का संकेत था.

नरेंद्र मोदी का कार्यकाल : जलवायु को विदेश नीति में एकीकृत करना (Narendra Modi's Era : Integrating Climate into Foreign Policy)—प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारत की जलवायु कूटनीति को और अधिक पुनर्जीवित किया गया. वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में चुने जाने के बाद जलवायु परिवर्तन पर प्रधानमंत्री मोदी से सक्रिय कदम उठाने की उम्मीद की गई थी. ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए अमेरिका और चीन की संयुक्त घोषणा ने भारत पर कार्रवाई करने का दबाव बढ़ा दिया. इसके बावजूद, भारत ने बाहरी दबाव के आगे न झुकने के अपने रुख को बरकरार रखा, यहाँ तक कि मोदी ने जलवायु परिवर्तन को भारत की विदेश नीति में एकीकृत कर दिया.

अन्तर्राष्ट्रीय भागीदारी और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य (International Engagements and Clean Energy Goals)—मोदी की अन्तर्राष्ट्रीय यात्राओं में रक्षा और व्यापार जैसे अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन पर सहयोग पर जोर दिया गया. घरेलू स्तर पर, सरकार ने महत्वाकांक्षी स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों की घोषणा की, जिसमें 2022 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को चार गुना बढ़ाकर 175 गीगावाट करने की योजना भी शामिल है. इन कदमों ने वैश्विक जलवायु चर्चाओं में भारत की सक्रिय भागीदारी के लिए मंच तैयार किया.

पेरिस शिखर सम्मेलन : स्पॉइलर से ब्रिजिंग नेशन तक (Paris Summit : From Spoiler to Bridging Nation)—जैसे-जैसे पेरिस शिखर सम्मेलन नजदीक आया, भारत की प्रतिष्ठा एक 'स्पॉइलर' से 'ब्रिजिंग' राष्ट्र में बदल गई, जो वैश्विक विकास को जलवायु कार्रवाई के साथ जोड़ने में माहिर है. जलवायु न्याय और कोयला उत्पादन लक्ष्यों के आह्वान के लिए औद्योगिक और अल्प विकसित दोनों देशों की आलोचना का सामना करने के बावजूद, भारत ने वार्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. पेरिस समझौता अंततः विभिन्न पहलुओं में अक्षुण्ण भेदभाव सिद्धांतों के साथ सम्पन्न हुआ, जो अपनी मूल माँगों को बनाए रखते हुए समझौता करने की भारत की क्षमता को प्रदर्शित करता है.

अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) (International Solar Alliance–ISA)—पेरिस शिखर सम्मेलन में अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के शुभारम्भ से जलवायु नेतृत्व के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और अधिक प्रदर्शित किया गया. आईएसए, जिसका मुख्यालय गुरुग्राम (हरियाणा) भारत में स्थित है, पहला संधि-आधारित अन्तर्राष्ट्रीय सरकारी संगठन है, जो स्वच्छ ऊर्जा में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत के समर्पण का प्रतीक है.

द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग (Bilateral and Multilateral Co-operation)—भारत ने स्वच्छ ऊर्जा निवेश बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन से निपटने में अन्य देशों की सहायता के लिए कई द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए हैं. विशेष रूप से, भारत ने सात प्रशांत द्वीप देशों के लिए जलवायु पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के साथ सहयोग किया, जो एक सक्रिय और सहायक वैश्विक भागीदार के रूप में उसकी भूमिका को दर्शाता है.

भारत की जलवायु कूटनीति के आंतरिक चालक (Internal Drivers of India's Climate Diplomacy)—भारत की जलवायु कूटनीति घरेलू कार्यों और अन्तर्राष्ट्रीय नीति दोनों से प्रभावित होकर महत्वपूर्ण रूप से विकसित हुई है. ऐतिहासिक रूप से, भारत के अन्तर्राष्ट्रीय जलवायु रुख ने जलवायु कार्रवाई पर विकास और सम्प्रभुता को प्राथमिकता दी, यह तर्क देते हुए कि औद्योगिक राष्ट्र जलवायु परिवर्तन को सम्बोधित करने के लिए प्राथमिक जिम्मेदारी निभाते हैं. हालाँकि, भारत में जलवायु परिवर्तन के खतरों की बढ़ती पहचान ने 2000 के दशक के अंत में जलवायु राजनीति से जलवायु नीति की ओर बदलाव को प्रेरित किया.

वैज्ञानिक ज्ञान और सार्वजनिक जागरूकता (Scientific Knowledge and Public Awareness)—इस बदलाव के मुख्य घरेलू चालकों में से एक आईपीसीसी द्वारा हिमालय ग्लेशियर के पिघलने की गलत भविष्यवाणी पर विवाद था, जिसके कारण

वर्ष 2010 में जलवायु परिवर्तन आकलन के लिए भारतीय नेटवर्क की स्थापना हुई. इस पहल का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन पर निष्पक्ष, क्षेत्रीय रूप से केंद्रित वैज्ञानिक ज्ञान उत्पन्न करना था. सांसदों के साथ-साथ वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और पर्यावरणविदों ने भारत की जलवायु कमजोरियों को उजागर करते हुए पारम्परिक पदों को चुनौती देना शुरू कर दिया. मीडिया कवरेज में वृद्धि ने भी सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाई, जिससे पर्यावरणीय मुद्दों पर सरकार की जवाबदेही के लिए अधिक उम्मीदें पैदा हुईं.

प्रमुख व्यक्तित्व और नीति परिवर्तन (Key Personalities and Policy Changes)—प्रमुख व्यक्तित्वों ने भारत की जलवायु कूटनीति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. जयराम रमेश के तहत, भारत ने स्वैच्छिक उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों को अपनाया और कम प्रति व्यक्ति उत्सर्जन तर्क से दूर चला गया. रमेश ने जलवायु वार्ता में विकासशील देशों के हितों की रक्षा के लिए बेसिक देशों (ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन) के गठन की भी सुविधा प्रदान की. घरेलू स्तर पर, उन्होंने पर्यावरण और विकास लक्ष्यों को संरेखित करने की वकालत की, पर्यावरण नियमों के पालन पर जोर दिया और मानसून, हिमनदी मंदी और पारिस्थितिक नाजुकता पर निर्भरता के कारण जलवायु परिवर्तन के प्रति भारत की संवेदनशीलता को उजागर किया.

न्यूनीकरण के सह-लाभों को पहचानना (Recognizing Co-benefits of Mitigation)—भारत की जलवायु कूटनीति को आकार देने में, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में शमन प्रयासों के सह-लाभों को पहचानना महत्वपूर्ण रहा है. सरकार ने उद्योग के समर्थन और जुड़ाव से प्रेरित जलवायु और ऊर्जा लक्ष्यों को क्योटो प्रोटोकॉल के स्वच्छ विकास तंत्र के साथ जोड़ा है. शमन कार्यों से 'मेक इन इंडिया' जैसी पहल के माध्यम से स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों को लाभ होता है, जो स्वच्छ ऊर्जा पर जोर देता है. सरकार नवीकरणीय ऊर्जा को ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित करने, आयात पर निर्भरता कम करने और सभी के लिए ऊर्जा पहुँच सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मानती है, जो 'अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' (आईएसए) के लिए उसके मजबूत समर्थन को दर्शाता है.

भारत की जलवायु कूटनीति के बाहरी चालक (External Drivers of India's Climate Diplomacy)—भारत की जलवायु कूटनीति को अन्तर्राष्ट्रीय कारकों द्वारा महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया गया है, जो इसके आंतरिक बदलावों का पूरक है. विदेश नीति से जुड़े इन कारकों ने वैश्विक जलवायु वार्ता में भारत के सक्रिय रुख को प्रेरित किया है.

विदेश नीति की आकांक्षाएं (Foreign Policy Aspirations)—भारत की विदेश नीति की आकांक्षाओं ने इसकी जलवायु कूटनीति को सीधे प्रभावित किया है. जैसे-जैसे भारत वैश्विक शासन में एक बड़ी भूमिका चाहता है, यह अधिक जिम्मेदार जलवायु स्थितियों की ओर बढ़ गया है। ऐतिहासिक रूप से, 'रणनीतिक स्वायत्तता' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता ने इसे लाभकारी साझेदारी बनाने और आम मुद्दों पर वैश्विक चर्चाओं में पूरी तरह से भाग लेने से रोक दिया. हालाँकि, 2008 के वित्तीय संकट के बाद पश्चिम की सापेक्ष गिरावट के साथ-साथ भारत और चीन जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के उदय ने भारत को जलवायु वार्ता जैसे मंचों पर अधिक प्रभाव डालने के लिए प्रोत्साहित किया. बेसिक और ब्रिक्स जैसे समूहों के साथ जुड़ाव ने भारत को पारम्परिक रूप से पश्चिमी प्रभुत्व वाली वैश्विक व्यवस्था को चुनौती देने की अनुमति दी है. प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की कल्पना न केवल एक भागीदार के रूप में बल्कि जलवायु कार्रवाई में एक संभावित नेता के रूप में की है, जो एक व्यावहारिक दृष्टिकोण की वकालत करता है जो मुख्य राष्ट्रीय हितों के साथ लचीलेपन को संतुलित करता है.

अन्तर्राष्ट्रीय दबाव और रणनीतिक स्थिति (International Pressure and Strategic Positioning)—भारत को कोपेनहेगन शिखर सम्मेलन के बाद से बाध्यकारी उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों को अपनाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दबाव का सामना करना पड़ा है. सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों (सीबीडीआर) के सिद्धांत की रक्षा में बेसिक देशों की प्रारम्भिक एकता के बावजूद, यह एकजुटता कैनकन शिखर सम्मेलन या CoP-16 के बाद कमजोर हो गई. ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों ने अन्य क्षेत्रीय समूहों के साथ गठबंधन किया, जबकि चीन, जो 2007 से दुनिया का सबसे बड़ा उत्सर्जक है, ने शमन के लिए डाउन-टू-अप के दृष्टिकोण का समर्थन करना शुरू कर दिया. भारत को चीन के समर्थन की आवश्यकता है, लेकिन अपने उच्च उत्सर्जन प्रोफाइल से जुड़े होने से सावधान रहते हुए, उसने खुद को तेजी से अलग-थलग पाया. जी-2 (अमेरिका और चीन) के उद्भव और 2014 में उनकी संयुक्त जलवायु घोषणा ने भारत को और भी किनारे कर दिया. फिर भी, भारत भेदभाव पर जोर देकर पेरिस समझौते को सुरक्षित करने में कामयाब रहा, जो विकसित देशों के विरोध के बावजूद एक कूटनीतिक उपलब्धि थी.

विकासशील देशों के हितों का समर्थन करना (Championing Developing Nations' Interests)—भारत ने लगातार विकासशील देशों के हितों की वकालत की है और उनकी ओर से नेतृत्व के लिए प्रयास किया है. अपर्याप्त जलवायु प्रतिबद्धताओं के लिए इसे मालदीव और बांग्लादेश जैसे पड़ोसियों की आलोचना का सामना करना पड़ा है, जबकि चीन ने नवीकरणीय ऊर्जा और रणनीतिक निवेश में प्रगति के माध्यम से विकासशील देशों के बीच प्रभाव हासिल किया है. इसके बावजूद, भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) जैसी पहल और पेरिस समझौते के प्रति अटूट समर्थन के माध्यम से अपनी वैश्विक स्थिति मजबूत की है. 2017 जी-20 शिखर सम्मेलन में मोदी के प्रस्ताव और सामूहिक जलवायु नेतृत्व के लिए उनकी वकालत अन्तर्राष्ट्रीय जलवायु प्रशासन में एजेंडा-निर्धारक होने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है.

निष्कर्ष : भारत की सामूहिक नेतृत्व रणनीति (Conclusion : India's Collective Leadership Strategy)—आपसी हितों और गैर-पदानुक्रमित सहयोग पर जोर देने वाली भारत की सामूहिक नेतृत्व की रणनीति का उद्देश्य वैश्विक जलवायु प्रशासन में अनिश्चितताओं को खत्म करना है. घरेलू स्तर पर, भारत सभी के लिए ऊर्जा पहुँच को बढ़ावा देता है, जबकि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर, यह अपने पर्यावरणीय लोकाचार और संरक्षण के समृद्ध इतिहास को रेखांकित करता है. साझेदारी और सहयोग के माध्यम से, भारत जलवायु नैतिकता और न्याय पर आधारित वैश्विक जलवायु प्रशासन में शून्य-राशि मॉडल को एक सार्थक दृष्टिकोण के साथ बदलना चाहता है. भारत की जलवायु कूटनीति रुकावट से सुलह की ओर विकसित हुई है, जिसने खुद को अन्तर्राष्ट्रीय जलवायु वार्ता में एक जोड़ने वाले राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है. रणनीतिक रूप से आंतरिक और बाहरी दोनों कारकों का लाभ उठाकर, भारत वैश्विक जलवायु प्रशासन में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी भूमिका बढ़ा रहा है, जो जलवायु चुनौतियों के लिए न्यायसंगत और टिकाऊ समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध है.

मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न

प्रश्न : *1992 की जलवायु परिवर्तन वार्ता से लेकर हाल के वर्षों तक भारत की जलवायु कूटनीति के विकास पर चर्चा कीजिए. इस परिवर्तन को प्रभावित करने वाले प्रमुख आंतरिक और बाह्य कारकों पर प्रकाश डालिए.*

●●●

सुरक्षा लेख

भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत : आवश्यकता और महत्व

राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत एक धारणा है कि एक सरकार और उसके अंगों को राज्य और उसके नागरिकों को सभी प्रकार के 'राष्ट्रीय' खतरों से बचाना चाहिए. राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत द्वारा राजनेताओं को देश के भू-राजनीतिक हितों की पहचान करने और प्राथमिकता देने में सहायता की जाती है. इसमें देश की सभी सामाजिक, आर्थिक, सैन्य और राजनयिक पहल शामिल हैं जिनका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा में अपने हितों को आगे बढ़ाना और उनकी रक्षा करना है.

पारम्परिक खतरे, जो विशेष रूप से राज्य को नुकसान पहुँचाते हैं, और गैर-पारम्परिक खतरे, जो राज्य, व्यक्ति और पूरी मानवता को प्रभावित करते हैं, को किसी भी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति द्वारा ध्यान में रखा जाना चाहिए. इसे लोकतांत्रिक सिद्धांतों और भारतीय संविधान की सीमा के भीतर भी कार्य करना चाहिए. खुफिया, रक्षा और अन्य सुरक्षा-सम्बन्धित मामलों से सम्बन्धित नीतियों के अलावा, रणनीति में अक्सर संभावित खतरों, संसाधन आवंटन, राजनयिक और सैन्य संचालन और अन्य वस्तुओं का मूल्यांकन शामिल होता है.

रणनीतिक और सैन्य समुदायों के बीच वर्षों के विचार-विमर्श के बाद, भारत ने 'राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति' (एनएसएस) को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. अंतिम कैबिनेट मंजूरी का अनुरोध करने से पहले, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् सचिवालय (एनएससीएस) रणनीति का मसौदा तैयार करने के लिए कई केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों से इनपुट इकट्ठा कर रहा है. भारत पहली बार राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी कर रहा है.

संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और रूस जैसे विकसित देशों में राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतियाँ लागू हैं, जिनके पास परिष्कृत सैन्य और सुरक्षा प्रणालियाँ हैं. पाकिस्तान ने एक राष्ट्रीय सुरक्षा नीति 2022-2026 प्रकाशित की है, और चीन के पास भी एक व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा नीति है.

भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत की आवश्यकता

- **द्वेषपूर्ण पड़ोसी (Hostile Neighbours)**—चीन और पाकिस्तान परमाणु हथियारों से लैस भारत के दो शत्रु पड़ोसी हैं. दोनों ही भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रुख अपनाते हैं. किसी भी राज्य की ओर से कोई त्रुटि परमाणु आदान-प्रदान को गति प्रदान कर सकती है. रणनीतिक सिद्धांत रखने से परमाणु हथियारों से उत्पन्न होने वाले खतरे को कम करने में मदद मिलेगी. हिन्द महासागर के डिएगो गार्सिया द्वीप पर तैनात अमेरिकी परमाणु हथियारों को लेकर भारत की ओर से भी चिंता जताई गई है. प्रौद्योगिकी में प्रगति और वैश्विक राजनीति में बदलाव के साथ तालमेल बिठाने के लिए भारत की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता विकसित होनी चाहिए.
- **नया इंडो-पैसिफिक सुरक्षा ढाँचा (New Indo-Pacific Security Framework)**—इंडो-पैसिफिक क्षेत्र गुरुत्वाकर्षण के नए रणनीतिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जिसमें शक्ति का संतुलन उत्तरी अमेरिका और यूरोप से इस क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है. इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में, एक विकसित सुरक्षा ढाँचे द्वारा 'सहकारी सुरक्षा' के मैट्रिक्स के हिस्से के रूप में 'प्रतिस्पर्धी सहयोग' की कल्पना की गई है.
- **राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति का उन्मुखीकरण (Orienting National Security and Foreign Policy)**—राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यक्रमों को विदेश नीति के साथ समन्वयित करने के लिए बहुत कम काम किया गया है, जिसका मुख्य कारण सुरक्षा सिद्धांत की कमी है. उदाहरण के लिए, यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान के प्रति किस प्रकार की विदेश नीति पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित विश्वव्यापी आतंकवाद से निपटने के लिए सबसे अच्छा काम करेगी.
- **रणनीतिक अनिश्चितता का चरण (Phase of Strategic Uncertainty)**—शीत युद्ध की समाप्ति ने एक जटिल और अप्रत्याशित वैश्विक परिदृश्य तैयार किया है, जिसमें संभावित विरोधियों की संख्या बढ़ रही है और सशस्त्र बलों के लिए मिशनों का विस्तार हो रहा है. वैश्विक राजनीति गैर-राज्य संस्थाओं जैसे कि अन्तर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों, बहुराष्ट्रीय व्यवसायों, सरदारों और जातीय सरदारों से प्रभावित हो रही है, जबकि कुछ क्षेत्रीय समूह राज्य की भूमिका निभा रहे हैं. जिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है वे हैं आतंकवाद, जातीय विविधता, छोटे हथियारों का प्रसार, मादक पदार्थों की तस्करी और धार्मिक कट्टरता.
- **तीनों सेवाओं का एकीकरण (Integration of Triservices)**—सरकार द्वारा चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ पद की स्थापना तीनों सेवाओं के बीच एकीकरण प्राप्त करने की दिशा में पहला कदम है. सरकार के एजेंडे में अगला आइटम ज्वाइंट थिएटर कमांड है. साझा थिएटरों के सम्बन्ध में, तीनों सेवाओं के बीच भिन्नताएं हैं. एक राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत एकता प्राप्त करने और अंतर-सेवा संघर्ष को रोकने के लिए एक रोडमैप के रूप में काम कर सकता है.
- **पारम्परिक खतरों से परे चिंताएं (Concerns Beyond Conventional Threats)**—जनजातीय क्षेत्रों में वामपंथी कट्टरवाद जैसी सामाजिक और आर्थिक समस्याएं, घरेलू स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं. अपने कई पड़ोसियों के साथ भारत की व्यापक और छिद्रपूर्ण सीमाएं हथियारों, दवाओं और लोगों की तस्करी के साधन के रूप में उपयोग की जाती हैं.
- **साइबर सुरक्षा और तकनीकी प्रगति (Cybersecurity and Technological Advancements)**—प्रौद्योगिकी कमजोरियाँ पैदा करने और क्षमताओं में सुधार दोनों के द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करती है. एक बड़ी चिंता साइबर सुरक्षा है, जिसके लिए अत्यधिक विकसित तकनीकी कौशल की आवश्यकता होती है. साइबर आतंकवाद, महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे पर हमले आर्थिक इंजनों को पंगु बनाने की क्षमता रखते हैं.
- **पर्यावरणीय निम्नीकरण और जलवायु परिवर्तन (Environmental Degradation and Climate Change)**—समुद्र के स्तर में वृद्धि, ग्लेशियर का पिघलना, कृषि सम्बन्धी कमजोरियाँ, पानी की कमी, प्रेरित प्रवासन, ऊर्जा असुरक्षा आदि पर्यावरणीय परिवर्तनों के उदाहरण हैं जिनका सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है.
- **राष्ट्रीय सुरक्षा ढाँचे को मजबूत करने की आवश्यकता (Need to Strengthen

National Security Structure)—राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् (एनएससी) का अपनी सलाह देने की क्षमता का पूरी तरह से उपयोग नहीं किया गया है, जो देश की सुरक्षा ढाँचे को मजबूत करने की आवश्यकता को दर्शाता है. राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) की शक्तियाँ बढ़ाना तत्काल आवश्यकता है.

भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत का महत्व

- **समावेशी दृष्टिकोण (Inclusive Approach)**—एक एनएसएस समग्र दृष्टिकोण में बाहरी और आंतरिक दोनों तरह के विभिन्न सुरक्षा मुद्दों से निपटने के लिए एक सम्पूर्ण रूपरेखा प्रदान करता है.
- **व्यापक रूप से परिभाषित उद्देश्य (Comprehensively Defined Objectives)**—यह उन परिसम्पत्तियों और हितों की स्पष्ट परिभाषा प्रदान करता है जिनके लिए सुरक्षा की आवश्यकता होती है और साथ ही संभावित जोखिमों की पहचान भी होती है.
- **नीतिगत सलाह (Policy Advice)**—एनएसएस नीतिगत सलाह प्रदान करता है, राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए योजनाओं और कार्यक्रमों को विकसित करने और उन्हें क्रियान्वित करने में सरकार की सहायता करता है.
- **प्राथमिकता (Prioritisation)**—यह सुरक्षा चिंताओं के क्रम में सहायता करता है, संसाधनों और प्रयासों को सबसे गंभीर समस्याओं की ओर निर्देशित करने की अनुमति देता है.
- **कुशल संसाधन आवंटन (Efficient Resource Allocation)**—यह संसाधन आवंटन में मदद करता है, जिससे सुरक्षा बढ़ाने के लिए धन और लोगों के संसाधनों को अधिक प्रभावी ढंग से नियोजित करना संभव हो जाता है.
- **निवारण (Deterrence)**—राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक सुसंगत और सुविचारित दृष्टिकोण प्रदर्शित करके, योजना संभावित विरोधियों को रोकने में सहायता कर सकती है.
- **सम्पूर्ण-सरकारी दृष्टिकोण (Whole-of-Government Approach)**—सुरक्षा सम्बन्धी समस्याओं में समन्वय और सहयोग सुनिश्चित करने के लिए, एनएसएस 'सम्पूर्ण-सरकारी' दृष्टिकोण में कई सरकारी विभागों और एजेंसियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है.
- **सार्वजनिक जागरूकता (Public Awareness)**—जनता को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों के बारे में शिक्षित करके और उनका समर्थन हासिल करके, एनएसएस घटकों को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाया जा सकता है.
- **अन्तर्राष्ट्रीय जुड़ाव (International Engagement)**—जब सुरक्षा मुद्दों की बात आती है, तो एनएसएस अन्य देशों और अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ भारत की बातचीत को निर्देशित कर सकता है.

राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत विकसित करने की चुनौतियाँ

- **राजनीतिक अक्षमता (Political Inability)**—संभवतः क्योंकि वे प्रतिबद्धता जाल, संभावित आलोचना, या निर्णय लेने में कठोरता के बारे में आशंकित हैं, सरकारें अपनी सुरक्षा रणनीतियों को लिखित रूप में देने में झिझक रही हैं. चूँकि विभिन्न राजनीतिक दलों के राष्ट्रीय सुरक्षा पर अलग-अलग विचार हो सकते हैं, इसलिए एनएसएस के उद्देश्यों और सामग्री पर राजनीतिक सहमति तक पहुँचना मुश्किल हो सकता है.
- **कानूनी ढाँचा (Legal Framework)**—यह महत्वपूर्ण है, हालाँकि कभी-कभी कठिन होता है, यह सुनिश्चित करना कि एनएसएस अन्तर्राष्ट्रीय संधियों और राष्ट्रीय कानून सहित सभी लागू कानूनी ढाँचे के अनुरूप है.
- **संसाधन आवंटन (Resource Allocation)**—एनएसएस को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए आवश्यक वित्तीय और मानव संसाधनों को आवंटित करना मुश्किल हो सकता है, खासकर जब बजट पर परस्पर विरोधी माँगें हों.
- **सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व के बीच मतभेद (Divergence between the military and political leadership)**—औपचारिक एनएसएस पर राय में मतभेद रक्षा मंत्रालय और अन्य सरकारी विभागों की नौकरशाही संरचना में मतभेदों से उत्पन्न हो सकते हैं, उनके साझा सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व के बावजूद.
- **खतरे का परिदृश्य बदलना (Changing Threat Landscape)**—साइबर हमलों, आतंकवाद और गैर-पारम्परिक सुरक्षा मुद्दों सहित नए सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए एनएसएस को संशोधित करना एक निरंतर कार्य है.
- **प्रतिक्रियाशील दृष्टिकोण (Reactive Approach)**—एक व्यापक और सक्रिय योजना बनाने के बजाय, भारत ने अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए प्रतिक्रियात्मक दृष्टिकोण अपनाया है, जैसे ही सुरक्षा मुद्दे सामने आते हैं, उनसे निपटता है.
- **एक राष्ट्रीय सुरक्षा संस्कृति की स्थापना (Establishing a National Security Culture)**—एक ऐसी संस्कृति बनाने में समय लगा है जो एनएसएस और व्यवस्थित सुरक्षा सोच के मूल्य पर प्रकाश डालती है.

भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (एनएसएस) तैयार करने के पिछले प्रयास

- ***कारगिल समीक्षा समिति रिपोर्ट (2000)***—*1999 में कारगिल संघर्ष के बाद, समिति की स्थापना की गई और राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में सुझावों के साथ एक सम्पूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई. हालाँकि यह अध्ययन जनता के लिए उपलब्ध कराया गया था, लेकिन इसने आधिकारिक एनएसएस के निर्माण को लगभग दूर नहीं किया.*
- ***सुरक्षा पर नरेश चंद्र टास्क फोर्स की रिपोर्ट (2012)***—*सुरक्षा पर नरेश चंद्र टास्क फोर्स ने 2012 में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा से सम्बन्धित कई विषयों को शामिल किया गया, जैसे रक्षा और खुफिया के क्षेत्र में सुधार. लेकिन रिपोर्ट के परिणामस्वरूप औपचारिक एनएसएस तुरन्त जारी नहीं किया गया.*
- ***राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी)***—*यह कहा गया है कि एनएसएबी, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के विषयों पर सलाहकारों और विशेषज्ञों से बना है, ने कई बार राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतियों के लिए मसौदा दस्तावेज़ बनाए हैं. हालाँकि ये संस्करण आगामी प्रशासनों को प्रस्तुत किए गए थे, फिर भी कोई औपचारिक एनएसएस नहीं था.*
- ***जनरल डी.एस. हुड्डा का दस्तावेज (2019)***—*2019 में, पूर्व सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डी.एस. हुड्डा ने एक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति दस्तावेज का मसौदा तैयार किया जो भारत के लिए एनएसएस के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम था.*

निष्कर्ष

भारत को अपनी विशाल और विविध जनसंख्या के कारण गम्भीर सामाजिक और

शेष पृष्ठ 194 पर

भ्रष्टाचार सम्बन्धी लेख

शिक्षा व्यवस्था *बनाम* बाजारवाद

—लालजी जायसवाल

नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता में फर्जीवाड़े को लेकर एक बार फिर से शिक्षा व्यवस्था पर गम्भीर सवाल खड़े हुए हैं. मालूम हो कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश पर इस मामले में सीबीआई अपने स्तर पर जाँच कर रही है. बताते चलें कि सीबीआई की रिपोर्ट के आधार पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने राज्य के 65 नर्सिंग कॉलेजों को अयोग्य ठहराते हुए उन पर बैन लगा दिया है. हाई कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा है कि जो 65 कॉलेज सीबीआई जाँच में अपात्र पाए गए हैं, इनमें दाखिला ले चुके छात्रों और उन संस्थाओं के साथ कोई भी नरमी नहीं बरती जानी चाहिए. इसके साथ ही कोर्ट ने इन नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दिलाने में मदद करने वाले अफसरों के खिलाफ भी सख्त रुख इख्तियार कर लिया है. कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा है कि जिन-जिन अधिकारियों और निरीक्षण टीमों के जरिए गड़बड़ी की गई है, उन पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी. सवाल है कि आखिर इतने बड़े स्तर पर नर्सिंग कॉलेजों पर सवाल क्यों खड़े हुए? बता दें कि नर्सिंग कॉलेज के संचालन के लिए बिल्डिंग से लेकर फैकल्टी के लिए मापदंड तय है. इसके बावजूद कई जगह कॉलेज किराए की बिल्डिंग में चल रहे हैं, जो नियमों का पालन नहीं करते. कई जगह 2 से 3 कमरों में ही नर्सिंग कॉलेजों का संचालन किया जा रहा है. अयोग्य, घोषित नर्सिंग कॉलेजों में बिल्डिंग से लेकर लाइब्रेरी, क्लास रूम और सेमिनार के लिए नियमानुसार जगह ही नहीं थी. बहरहाल, अच्छी बात यह है कि राज्य में नर्सिंग के क्षेत्र में भविष्य में गड़बड़ी को रोकने के लिए अब प्रदेश में नया प्रादेशिक आयोग बनेगा. नई रेगुलेटरी बॉडी बनेगी और राज्य स्तरीय कॉमन प्रवेश परीक्षा से नर्सिंग कॉलेज में दाखिला मिलेगा.

सजा का हो प्रावधान

गौरतलब है कि भारत में भ्रष्टाचार मूर्त और अमूर्त दोनों ही रूपों में नज़र आता है. यहाँ भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हैं कि शायद ही कोई क्षेत्र इससे बचा हो. सबसे पवित्र माना जाने वाला शिक्षा क्षेत्र भी भ्रष्टाचार का प्रमुख केंद्र बन गया है. अब शिक्षा जगत भी फर्जीवाड़े से मुक्त नहीं है. सवाल उठता है कि जब शिक्षा और शिक्षण संस्थान में ही घोटाला होने लगेगा तो बच्चों का भविष्य कैसा होगा और कैसे समाज का निर्माण करेंगे? आखिर हम कैसे भविष्य का निर्माण कर रहे हैं जहाँ सब कुछ फर्जीवाड़ा ही है. आज अधिकारी, अपराधी, नेता, व्यापारी सभी एक-साथ मिलकर समाज को खोखला कर रहे हैं. सरकार को इसे मुख्य मुद्दा मानते हुए विशेष रूप से देखना चाहिए और बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करते अधिकारी और कर्मचारियों को 'जीवन के अधिकार' को छीनने का अपराधी माना जाना चाहिए. इस प्रकार उन पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान बनना चाहिए जिससे देश में अलग ही संदेश जाए.

गौरतलब है कि आज लगभग हर बड़े नेता की यूनिवर्सिटी है. उसी तरह जैसे पहले हर बड़े नेता की चीनी मिलें हुआ करती थीं. सिर्फ नेता ही नहीं बड़े आईएएस अधिकारी और माफिया सरगनाओं ने उच्च शिक्षण संस्थान को कम रिस्क और अधिक मुनाफे वाला लाभकारी धंधा बना लिया है. यूनिवर्सिटी खोलने के लिए इन्होंने बड़े-बड़े फर्जीवाड़े भी किए हैं. सरकारी जमीनें कब्जा की गई हैं. यदि इसकी सीबीआई जाँच करायी जाए तो सारा फर्जीवाड़ा सामने आ जाएगा. आज मध्य प्रदेश नर्सिंग घोटाला भी यही सब बयां कर रहा है.

भारत में शिक्षा के क्षेत्र में जबरदस्त घोटाले और भ्रष्टाचार हुए हैं. हजारों करोड़ के ये घोटाले शिक्षा विभाग की कारगुजारियों के साथ-साथ नीति नियंताओं की मानसिकता को भी उजागर करते हैं. गाँव से लेकर महानगरों तक और नर्सरी से लेकर नर्सिंग तक लूट मची है. इस बात को सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वीकार किया है कि शिक्षा विभाग में जबरदस्त भ्रष्टाचार है.

शिक्षा सुधार से भ्रष्टाचार में कमी

आज के समय में हर आम आदमी इस सड़े-गले भ्रष्ट तंत्र से ऊब चुका है. रिश्वतखोरी इस देश की प्रशासनिक व्यवस्था का जैसे जन्मसिद्ध अधिकार ही बन गया है. बहरहाल, इस देश से भ्रष्टाचार को अगर मिटाना है, तो सबसे पहले शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना होगा और देश के युवाओं को इन शिक्षा माफियाओं के चंगुल से निजात दिलानी होगी. अगर यह मान लिया जाए कि सरकारी नौकरी के प्रति आकर्षण और उसको येनकेन प्रकारेण प्राप्त करने की प्रवृत्ति ने नकल माफियाओं के लिए भानुमति का पिटारा खोल दिया है, तो कानून को बेहद कड़ा करना होगा. बाबा आदम के जमाने वाले कानून से नकल विहीन प्रतियोगी परीक्षा का सपना पूरा होने वाला नहीं है. मालूम हो कि हमारे यहाँ दो तरह की प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं. पहली स्थिति में परीक्षार्थी सीधे नौकरी के लिए प्रयास करते हैं, जबकि दूसरी ओर इंजीनियरिंग, मेडिकल, प्रबंधन और उच्च शिक्षण संस्थान वाले क्षेत्र में प्रवेश के लिए जूझते दिखाई देते हैं. पर दुर्भाग्य की बात है कि जिस प्रवेश परीक्षा के सहारे काबिल लोगों की तलाश की जा रही है उसकी शुचिता पर ग्रहण लग चुका है. आए दिन प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न-पत्र लीक हो रहे हैं. जाहिर है देशभर में ऐसे शिक्षा माफियाओं का जाल फैल चुका है जिनकी ताकत का अंदाजा लगाना मुश्किल है. पिछले कुछ वर्षों से भारत के कुछ राज्यों में पेपर लीक की घटनाओं में व्यापक स्तर पर बढ़ोत्तरी देखने को मिली है. ऐसी घटनाओं से न केवल परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता में कमी हुई है बल्कि छात्रों के भविष्य पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं. पेपर लीक की बढ़ती घटनाएं वर्षों से समाज की चिंता का मुख्य विषय रहे हैं. ऐसे मामले किसी भी राष्ट्र की शिक्षा और शिक्षा नीति की प्रतिष्ठा पर सवालिया निशान खड़ा करते हैं.

शिक्षा और बाजारवाद

सर्वविदित है कि शिक्षा में बाजारवाद बेहद ही खतरनाक है. आज बढ़ता निजीकरण, व्यवसायीकरण को बढ़ाता जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है. भारत में सबसे ज्यादा दयनीय स्थिति तो सरकारी शिक्षा व्यवस्था की है. उसमें भी अगर देखा जाए तो सबसे बदहाल प्राथमिक शिक्षा है. ऐसे में जब नींव ही कमजोर पड़ जाएगी तो आगे की स्थिति समझी जा सकती है. ध्यातव्य है कि आजकल कुकुरमुत्तों की तरह हर जगह नए-नए स्कूल और कॉलेज खुल रहे हैं, इससे तो लगता यही है कि देश में शिक्षा का बहुत प्रसार हो रहा है, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता है. सवाल उठता है कि केवल आर्थिक लाभ के उदेश्य से खुलने वाले इन संस्थानों में किस स्तर की शिक्षा देश की भावी पीढ़ी को दी जा रही है, इसे जाँचने के लिए क्या कोई व्यवस्था है ?

शिक्षा के क्षेत्र में लगे बाजारवाद के घुन ने पूरी शैक्षिक व्यवस्था को बदल कर रख दिया

शेष पृष्ठ 126 पर

ऊर्जा लेख

भारत की गैस आधारित अर्थव्यवस्था

—प्रत्युश शर्मा

भारत की गैस आधारित अर्थव्यवस्था एक सकारात्मक परिवर्तन का और ऊर्जा असुरक्षा को कम करने का प्रवेश द्वार हो सकती है.

गैस आधारित अर्थव्यवस्था

- गैस आधारित अर्थव्यवस्थाएं दर्शाती हैं कि ऊर्जा मिश्रण में गैस ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है. प्राकृतिक गैस इस प्रकार की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख हिस्सा है. सबसे पहले, आइए जानें कि प्राकृतिक गैस क्या है ?

प्राकृतिक गैस

- प्राकृतिक गैस, जिसे अक्सर जीवाश्म गैस के रूप में जाना जाता है, प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले हाइड्रोकार्बन गैसों का मिश्रण है, जो मुख्य रूप से मीथेन गैस से बना होता है, जिसमें नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड और हाइड्रोजन सल्फाइड की थोड़ी मात्रा होती है.
- यह लाखों वर्षों में विकसित होती है, क्योंकि सड़ते हुए पौधों और जानवरों के मलबे की परतें पृथ्वी की सतह के नीचे अत्यधिक गर्मी और दबाव में काफी समय तक होती हैं.
- प्राकृतिक गैस, मीथेन हाइड्रेट्स के रूप में, कोयले के रूप में या गहरी भूमिगत चट्टान संरचनाओं में अन्य हाइड्रोकार्बन भंडारों के साथ पाई जा सकती है. एक अन्य संसाधन जो प्राकृतिक गैस के निकट और उसके साथ पाया जा सकता है वह है—पेट्रोलियम.
- इसका उपयोग ऑटोमोबाइल के लिए ईंधन, हीटिंग, खाना पकाने और बिजली के उत्पादन के लिए ऊर्जा के स्रोत के साथ-साथ प्लास्टिक और कई कार्बनिक रसायनों के उत्पादन में रासायनिक फीडस्टॉक के रूप में किया जाता है.
- विकास और पर्यावरण के बीच संघर्ष के आर्थिक समाधान के लिए गैस आधारित अर्थव्यवस्था एक अच्छा साधन साबित हो सकता है. पारम्परिक ईंधन की जगह गैस का उपयोग करके हमारा देश भारत, पेरिस जलवायु समझौते के तहत् ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में अग्रणी राष्ट्र साबित हो सकता है.

प्राकृतिक गैस का महत्व

- **आसानी से पहुँच—**पाइपों के माध्यम से गैस को बड़ी दूरी तक कुशलतापूर्वक पहुँचाया जा सकता है. यह राष्ट्रीय स्तर पर गैस के बुनियादी ढाँचे के निर्माण में सहायता कर सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि लद्दाख, उत्तर-पूर्व भारत और उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों जैसे स्थानों तक ऊर्जा की पहुँच हो.
- **सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा का स्रोत—**सतत् विकास लक्ष्य का एक प्रमुख उद्देश्य सभी को बुनियादी ऊर्जा सेवाओं तक पहुँच प्रदान करना है. गैस भारत की स्वच्छ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा कर सकती है, इसके ऊर्जा मिश्रण में विविधता ला सकती है और आयात लागत कम कर सकती है, क्योंकि यह ऊर्जा के बाकी स्रोतों की अपेक्षा कम महँगी है.
- इंडिया एनर्जी आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2030 तक दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ताओं के रूप में अमेरिका और चीन से आगे निकल जाएगा. इस विकास के बावजूद, भारत लगातार ऊर्जा की कमी का अनुभव करता है. आने वाले वर्षों में इस्पात, बिजली और उर्वरक उद्योगों के विकास में गैस की स्थिर आपूर्ति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.
- भारतीय लोग लकड़ी, कृषि अपशिष्ट और गोबर सहित बायोमास से खाना पकाते हैं. ये ईंधन घर को प्रदूषित करते हैं और महिलाओं के स्वास्थ्य पर अधिक बोझ डालते हैं. गैस ऊर्जा इन समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकती है.
- प्राकृतिक गैस से भू-राजनीतिक अशांति की संभावना कम होती है. प्राकृतिक गैस भंडार पेट्रोलियम भंडार की तुलना में अधिक विविध हैं. इसलिए वे युद्धों, आर्थिक प्रतिबंधों और ऊर्जा नाकाबंदी जैसे भू-राजनीतिक संघर्षों से अधिक सुरक्षित हैं.
- ये स्रोत्र भारतीय विदेश नीति के अनुरूप हैं. प्राकृतिक गैस का व्यापार भारत को अन्तर्राष्ट्रीय भू-राजनीति में अधिक लचीलापन प्रदान कर सकता है. उदाहरण के लिए, ऊर्जा और सैन्य उपकरणों के अधिग्रहण के मामले में भारत के अमेरिका के साथ बढ़ते सम्बन्धों के बारे में मास्को की चिंताओं को दूर करने के लिए भारत ने हाल ही में रूस से लिक्विड नेचुरल गैस (एलएनजी) खरीदी है.

भारत द्वारा प्रयास

- भारत सरकार ने वर्ष 2030 तक प्राकृतिक गैस के प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण योगदान को मौजूदा 6% से बढ़ाकर 15% करने के लिए 2018 में एक प्रस्ताव रखा था. भारत ने इसे प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित कदम लागू किए हैं—
- **हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसेंसिंग के लिए नीति (HELP)—**HELP के लिए एक मानक लाइसेंसिंग योजना की आवश्यकता है, जो कोयला बेड मीथेन, गैस और तेल सहित सभी हाइड्रोकार्बन पर लागू होगी. यह राजस्व-साझाकरण अवधारणा का उपयोग करता है और लचीले विपणन और मूल्य निर्धारण की अनुमति देता है. इस मामले में, सरकार, तेल और गैस की बिक्री से सकल राजस्व का एक हिस्सा प्राप्त करेगी.
- **प्राकृतिक गैस विपणन सुधार—**नीति का लक्ष्य विपणन लचीलेपन की अनुमति देते हुए एक खुली और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से गैस के बाजार मूल्य को निर्धारित करने के लिए एकसमान प्रक्रिया प्रदान करना है. भारत ने एक स्वतंत्र गैस परिवहन फर्म स्थापित करने की भी योजना बनाई है, जो गैस वाहकों को बिना किसी प्रतिबंध से पहुँच प्रदान करेगी.
- **सतत् योजना—**किफायती परिवहन की दिशा में एक स्थायी विकल्प को 'सतत्' के रूप में जाना जाता है. यह पहल संपीड़ित बायो-गैस उत्पादन सुविधाओं की स्थापना करने और उन्हें वाहन ईंधन में उपयोग के लिए बाजार में उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ संभावित उद्यमियों से रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करती है. पीएसयू इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अक्टूबर 2018 में कार्यक्रम शुरू किया.

- भारत ने आयात में विविधता ला दी है. 2016 तक, भारत केवल कतर से लिक्विफाइड नेचुरल गैस खरीदता था, लेकिन अब उस स्रोत का विस्तार अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और रूस तक हो गया है. उदाहरण के लिए, भारत और रूस के बीच 20 वर्ष की अवधि में लगभग 25 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की लिक्विफाइड नेचुरल गैस खरीदने का समझौता हुआ था.
- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने राष्ट्रीय गैस ग्रिड स्थापित करने के प्रयास में पूरे देश में लगभग 33,500 किमी लम्बे प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क को अधिकृत किया है.
- इसके अतिरिक्त, भारत एलएनजी आयात सुविधाएं बनाने के लिए पैसा खर्च कर रहा है. उदाहरण के लिए, पेट्रोनेट 3 वर्ष के भीतर ओडिशा के गोपालपुर में एक फ्लोटिंग एलएनजी आयात सुविधा बनाना चाहता है.
- इंडियन गैस एक्सचेंज (IGX), भारत का पहला गैस एक्सचेंज, जून 2020 में स्थापित किया गया था. एक्सचेंज से प्राकृतिक गैस मूल्य खोज को और अधिक पारदर्शी बनाने की उम्मीद है.
- घरों और व्यवसायों में पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी), साथ ही वाहनों में उपयोग के लिए संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) पहुँचाने के लिए सिटी गैस वितरण (सीजीडी) के नेटवर्क विकसित किए जा रहे हैं.
- देश के वंचित निवासियों को स्वच्छ रसोई गैस हुकअप तक पहुँच प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना शुरू की गई.

गैस आधारित अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियाँ

भारत की गैस आधारित अर्थव्यवस्था को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. आइए चर्चा करें कि वे क्या हैं ?

- **भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता**—पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने राष्ट्रीय गैस ग्रिड स्थापित करने के प्रयास में पूरे देश में लगभग 33,500 किमी लम्बे प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क को अधिकृत किया है.
- भारत में दो मूल्य निर्धारण व्यवस्थाएं हैं—एक घरेलू गैस के लिए और एक आयातित गैस के लिए. भारत हर 6 महीने में एक बार घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस की कीमत को बाहरी बाजार की स्थितियों के अनुसार समायोजित करता है. यह नए निवेश को अवांछनीय बनाता है और सटीक माँग पूर्वानुमान को चुनौतीपूर्ण बनाता है.
- गेल एक समय देश की 70% गैस परिवहन प्रणाली को नियंत्रित करता था. इसने निजी क्षेत्र को आपूर्ति और वितरण प्रणालियों के निर्माण में योगदान देने के लिए कम इच्छुक बना दिया है.
- अन्य स्रोतों से प्रतिस्पर्धा एक चुनौती है. कम लागत वाला कोयला और नवीकरणीय ऊर्जा, विशेष रूप से बिजली उद्योग में, एक महत्वपूर्ण बाधा बनी हुई है.

आगे बढ़ने का रास्ता

- निजी गैस क्रेताओं और विक्रेताओं को पाइपलाइनों तक गैर-विवेकाधीन पहुँच प्रदान की जानी चाहिए.
- वित्त जुटाने का मार्ग प्रशस्त करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) शुरू की जानी चाहिए, निजी भागीदारी के माध्यम से सरकारी वित्त पोषण और पाइपलाइन परियोजनाओं के समर्थन के लिए अन्य रचनात्मक अवधारणाओं की आवश्यकता है.
- नीति आयोग ने घरेलू प्राकृतिक गैस उत्पादन को पूर्ण विपणन और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता देने के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया है.
- प्राकृतिक गैस राज्य वैट के अधीन है, लेकिन जीएसटी के अंतर्गत नहीं आती है. परिणामस्वरूप, इसकी कीमत महत्वपूर्ण क्षेत्रीय भिन्नता दर्शाती है. बढ़ते करों से उपभोग हतोत्साहित होता है, जिसे जीएसटी द्वारा कवर किया जाना चाहिए.
- भारत को 15% गैस हिस्सेदारी के लक्ष्य तक पहुँचने के लिए अपनी वर्तमान खपत को तीन गुना से अधिक बढ़ाने की जरूरत है. अन्य ईंधनों, विशेषकर कोयले की कीमत पर प्राकृतिक गैस को बढ़ावा देकर यह रास्ता अपनाया जा सकता है.

●●●

शेष पृष्ठ 124 का

है. आपसी सेटिंग के जरिए स्कूलों, कॉलेजों को मान्यता के खेल ने शिक्षा माफियाओं को करोड़पति बना दिया है, वहीं बच्चे के अच्छे भविष्य के लालच में अभिभावकों की जेब पर खासा जोर भी पड़ रहा है.

आज निजी स्कूलों ने जो कमाई का फंडा बना रखा है, इससे बच्चों का भविष्य कहाँ जा रहा है, यह कहना मुश्किल है. हर नए शिक्षा सत्र में निजी स्कूल खुल जाते हैं. बाकायदा वह मान्यता भी दिखा देते हैं. बहरहाल बात समझ से परे है कि रातों-रात मान्यता कैसे मिल जाती है, जबकि मानक के ताक पर रखकर स्कूल रूपी दुकान खोल दी जाती है. हर छोटे-बड़े शहर में सैकड़ों निजी स्कूल अभिभावकों से मोटी फीस वसूल रहे हैं, जबकि मानक के नाम पर केवल आकर्षक बिल्डिंग ही है. अधिकतर में न तो खेल का मैदान है और न ही मानक के अनुरूप कक्षा. बच्चों का प्रवेश भारी-भरकम फीस लेकर कर दिया जाता है.

दूसरी तरफ भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों और व्यावसायिक कोर्स कराने वाले कॉलेजों में शिक्षा माफियाओं की घुसपैठ इस कदर हो चुकी है कि इसने एक पूरी पीढ़ी के भविष्य को लगभग गर्त में धकेल दिया है. आज हालत यह है कि देश में मान्यता प्राप्त स्कूल-कॉलेज और विश्वविद्यालय कितने हैं, इसका ठीक-ठीक अंदाजा लगाना भी मुश्किल है. इनकी बात भी छोड़ दें तो मान्यता प्राप्त संस्थानों ने भी अपनी शिक्षा प्रणाली में कोई खास सुधार नहीं किया है.

शिक्षा में सुधार की जरूरत से ज्यादा ध्यान वे बिल्डिंग्स और कैम्पस के रखरखाव में समझते हैं. तभी तो आजकल ऐसे शानदार भव्य कॉलेज देखने को मिलते हैं, जिन्हें देखकर फर्क करना मुश्किल होता है कि ये होटल हैं या कॉलेज? खैर, शिक्षा व्यवस्था का कार्य केंद्र या राज्य सरकार का न होकर ग्राम पंचायत से लेकर जिला प्रशासन स्तर तक होना चाहिए. जिला स्तर पर ही शिक्षा की नीति तैयार की जानी चाहिए. प्रत्येक जनपद में कम-से-कम दो विश्वविद्यालय अवश्य होने चाहिए, ताकि प्रत्येक गरीब से गरीब नागरिक को समान रूप से गुणवत्तापरक शिक्षा सुलभ हो सके. इस तरह उन प्राइवेट शिक्षण संस्थाओं पर जहाँ गरीब उच्च शिक्षा नहीं ग्रहण कर सकता, लगाम लगायी जा सकती है.

इन तमाम सुझावों पर विचार कर कार्य करने से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है. ●●●

उपकार कॅरियर डेवलपमेंट सीरीज
महान व्यक्तित्व
महान व्यक्तियों के जीवन पर प्रेरणादायक सामग्री
Code 226 ₹ 140.00
उपकार प्रकाशन, आगरा–5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

आहार पोषण लेख

ग्रीन हाउस गैसों को खत्म करने में कारगर है आधुनिक आहार विज्ञान

—अखिलेश आर्येन्दु

इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि मानव जीवन पर आहार विज्ञान ने मानव सभ्यता और संस्कृति पर गहरा प्रभाव डाला है. अब यह चर्चा होने लगी है कि यदि माँसाहार की जगह इंसान शाकाहार और रसाहार को अधिक तवज्जो दे, तो उसकी उम्र 20 से 30 वर्ष तक बढ़ सकती हैं. इतना ही नहीं, सबसे तेजी से फैल रहे कैंसर और हार्ट की बीमारियों में भी शाकाहार और रसाहार का सेवन इनके खतरनाक असर से 50 प्रतिशत तक बचाव करने में कारगर साबित हो सकता है. ताजा रिसर्च बताती है कि रोजाना एक हरी मिर्च का सेवन हार्ट की बीमारी से हमेशा के लिए बचाने में कारगर है, यदि दिनचर्या और ऋतुचर्या का पालन ठीक ढंग से किया जाए. इसी तरह ग्रीन हाउस गैसों के खतरनाक असर को कम करने में शाकाहार और फलाहार अत्यंत कारगर देखा गया है. शायद यही वजह है कि अमेरिका सहित तमाम विकसित देशों में शाकाहार और फलाहार को अपना भोजन बनाने वालों की तादाद तेजी से बढ़ रही है. लेकिन भारत सहित दुनिया के तमाम विकासशील देशों में माँसाहार का सेवन लगातार बढ़ता जा रहा है. यही वजह है कि खान-पान सम्बन्धी गड़बड़ियों की वजह से भारत में रोगियों की तादाद खासकर कैंसर, हृदय और रक्त चाप सम्बन्धी बीमारियाँ बहुत तेजी से अपना पाँव जमा रही हैं, इसलिए यह समझने की जरूरत है कि जिससे अपना, परिवार, समाज और प्रकृति का हित जुड़ा हो, उस पर गौर करने की बेहद जरूरत है.

कोरोना की पहली लहर में यह चर्चा हुई कि माँसाहारी लोगों को शाकाहारी लोगों की अपेक्षा संक्रमित होने का खतरा बहुत अधिक है. दूसरी लहर में यह वैज्ञानिक प्रमाण में भी सामने आ गया है. मैरीलैण्ड के जॉन स्कूल हॉप्किंस ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने अपने हालिया रिसर्च में यह पाया है कि कोरोना होने पर शाकाहारियों में हालात बिगड़ने का खतरा 73 प्रतिशत तक कम रहता है. 2,884 फ्रंटलाइन वर्कर्स पर हुई रिसर्च का दावा भारत में आयुर्वेद के दावे से मेल खाता है. आयुर्वेद के अनुसार कोविड में शाकाहारी माँसाहारियों से कहीं बेहतर स्थिति में पाया गया था, जो रिसर्च मैरीलैण्ड में जुलाई-सितम्बर 2020 में किया गया था उसमें अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली, स्पेन जैसे बहुत अधिक कोरोना से प्रभावित फ्रंटलाइन वर्कर्स को शामिल किया गया था. रिसर्च में पता चला कि शाकाहार से बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता व्यक्ति में विकसित होती है, इसलिए कोरोना या दूसरी किसी घातक बीमारी से व्यक्ति उतना प्रभावित नहीं होता जितना कि माँसाहारी व्यक्ति होते हैं. एक सात्विक वातावरण के निर्माण में अहिंसा प्रधान जीवन शैली के योगदान को भी आधुनिक चिकित्सा जगत ने स्वीकार कर लिया है.

संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन की 2013 की रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में 90 प्रतिशत से अधिक माँस फैक्ट्री फार्म से आता है. इन फार्मों में जानवरों को ठूँस-ठूँसकर भरा जाता है और साफ-सफाई पर गौर नहीं किया जाता है. इस वजह से वायरल बीमारियाँ होने का खतरा काफी बढ़ जाता है. 3 वर्ष पूर्व गुजरात में फैली वायरल बीमारी कांगो बुखार की वजह संक्रमित जानवर थे, जिनके माँस खाने से बीमारी आम लोगों में फैली. इसी विषय पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की वर्ष 1981 की मेडिकल रिपोर्ट में माँसाहार से 134 बीमारियाँ पैदा होने की बात कही गई हैं. इसी तरह हेल्थ एजूकेशन काउंसिल के अनुसार विषाक्त भोजन से होने वाली 90 प्रतिशत मौतों का कारण माँसाहार ही होता है. 2016 में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस की स्टडी के अनुसार अगर दुनिया की सारी आबादी माँस छोड़कर सिर्फ शाकाहार खाने लगे तो 2050 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में 70 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है. वैज्ञानिकों के अनुसार ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए दिनभर में यदि 50 प्रतिशत फल और सब्जियों का सेवन करें तो मधुमेह पर काबू पाया जा सकता है. ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोध के अनुसार यदि आहार में रेड मीट को हटा दें तो कोलोन कैंसर होने का खतरा काफी कम हो जाता है. इसी तरह फल-सब्जियों के अधिक सेवन से कैंसर होने का खतरा बहुत कम होता है. जर्मनी के प्रो. एग्नरबर्ग ने अपने शोध से यह साबित किया कि अंडा 51·83 प्रतिशत कफ पैदा करता है. इससे जो लोग यह तर्क करते हैं कि यह कफ नाशक है का खंडन होता है. इसी प्रकार वयस्क व्यक्ति के लिए प्रोटीन की जितनी आवश्यकता होती है उसे दूध, अन्न या फल के माध्यम से पूर्ण किया जा सकता है. आहार विज्ञान के अनुसार बैठकर काम करने वाले एक व्यक्ति को प्रतिदिन 2400, मध्यम दर्जे के व्यक्ति को 2800 और अधिक श्रम करने वाले व्यक्ति को 3900 कैलोरी की आवश्यकता होती है. क्या कोई चिकित्सक यह प्रमाणित कर सकता है कि प्रतिदिन 28 या 38-44 अंडे खाकर इतनी कैलोरी ऊर्जा प्राप्त कर सकता है? क्या इन अंडों में वे सभी चीजें होती हैं, जो 'पूर्ण आहार' में होनी चाहिए? वैज्ञानिक शोध के अनुसार एक अंडे में केवल 87·5 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है. निष्कर्ष, तथ्य और प्रमाण को निष्पक्ष ढंग से स्वीकार करने का यदि हममें साहस है, तो शाकाहार के सम्बन्ध में वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करने में आगे आना चाहिए. जाहिर तौर पर समय की जरूरत और बढ़ती बीमारियों के मद्देनजर भी शाकाहार के विभिन्न सकारात्मक परिणामों को स्वीकारने में ही हमारी और समाज की भलाई है.

वैज्ञानिक प्रमाणों से यह साबित हो चुका है कि शाकाहारी सात्विक भोजन से **इनहीबीटरी न्यूरो ट्रांसमीटर** पैदा होते हैं जिनसे मस्तिष्क शांत रहता है. वहीं पर तामसिक यानी माँसाहारी भोजन से मस्तिष्क में उत्तेजक तंत्रिका संचारक (एक्सीटटोरी न्यूरो ट्रांसमीटर्स) उत्पन्न होते हैं जिससे मस्तिष्क अशांत रहता है. जाहिर है गाय, भैंस, बकरी, भेंड़, खरगोश और अन्य शाकाहारी जन्तुओं में सेरोटोनिन की अधिकता के कारण ही उनमें शांत प्रवृतियाँ पाई जाती हैं. इसी तरह शेर, भेड़िया और चीते जैसे अनेक माँसाहारी जन्तुओं में सेरोटोनिन के अभाव में उनमें क्रूरता, आक्रामकता, अशान्ति और अधिक चंचलता पाई जाती है. यदि इसे आयुर्वेद की भाषा में कहें तो माँसाहार से तामसिक प्रवृति बढ़ जाती है, इससे कोई भी प्राणी हिंसक, क्रोधी और क्रूर हो सकता है. जाहिर है कि प्रकृति प्रदत्त स्वभाव और प्रवृति को कोई भी जीव नहीं बदल सकता, लेकिन मानव को यह वरदान मिला हुआ है कि वह अपनी बुद्धि से अपने स्वभाव को आहार-विहार और तप के माध्यम से अच्छा या खराब बना सकता है. इसलिए शेरदिल का उदाहरण बहादुरी में तो दे देते हैं, लेकिन जब हिंसक, क्रूरता और आक्रमकता की बात आती है, तो शेर को सबसे अधिक हिंसक जीव माना जाता है. कहने का तात्पर्य यह है कि माँस

खाकर शेर बहादुर नहीं बनाता, बल्कि शेर की प्रवृति ही खूंखार है, जिसे हम भूलवश बहादुरी कहते हैं. हम शेर या बाघ के स्वभाव का सूक्ष्मता से निरीक्षण नहीं करते हैं. हम इस बात को क्यों भूल जाते हैं कि शेर और बाघ सहित सभी माँसाहारी जंगली पशु हमेशा अपने कमजोर शाकाहारी प्राणियों का ही शिकार करते हैं. इसलिए हम यह नहीं कह सकते हैं कि हमें शेरदिल बनना है, बल्कि हमें संवेदना से परिपूर्ण परोपकारी हृदय वाला मानव बनना चाहिए. मानव को सही मायने में मानव बनने का प्रयास करना चाहिए. यानी हमें दयालु, विनम्र, अहिंसक, सदाचारी और परोपकारी बनना चाहिए. शेर की तरह दूसरों को मारकर अपना पेट पालना तो पशुता का कार्य है, मानव का कार्य और स्वभाव तो जीवन लेना नहीं बल्कि जीवन देना होना चाहिए. यदि हम भी जंगली जानवरों की तरह निरीह प्राणियों को मारकर अपनी उदरपूर्ति करते हैं, तो हममें और जानवरों में अन्तर क्या रह जाता है? दूसरी बात, जंगली हिंसक जानवर को तो कुदरत ने उन्हें हिंसक बनाया ही है, क्या मानव को भी कुदरत ने जन्मजात हिंसक बनाया है? यदि हिंसक बनाया है, तो हमें अपने बच्चों को भी भूख लगने पर बिना विचार किए कुछ भी खा लेना चाहिए. इसलिए हमें यह नहीं कुतर्क करना चाहिए कि मानव को हर तरह की खाने-पीने की आजादी है. क्या इस बात को हम नकार सकते हैं कि हमारी आजादी वहीं तक है, जहाँ तक दूसरों की आजादी पर कोई आँच न आती हो. बुद्धिमानी और समझदारी की बात तो यह होनी चाहिए कि हम दूसरों को अपने स्वाद, शौक और स्वार्थ में किसी भी हालात में किसी भी तरह की क्षति न पहुँचाएं. यदि हमें दूसरों के द्वारा क्षति पहुँचाने पर बुरा लगता है या किसी प्रकार की बेइंतजामी से तकलीफ पहुँचती है, तो हमें भी दूसरों के सम्बन्ध में ऐसा ही सोचना चाहिए. वह चाहे मानव के सम्बन्ध में हो या अन्य किसी भी प्राणी के सम्बन्ध में. यह मानवीय सभ्यता का नैतिक पक्ष है जिस पर सब को ध्यान देने और नैतिक मूल्यों को तवज्जो देने की आवश्यकता है.

विश्व भर में नए शोध हो रहे हैं और उन निष्कर्षों से आम आम आदमी को अवगत कराना भी आवश्यक है. आहार की वैज्ञानिकता और आहार पर हुए कुछ विश्वसनीय शोधों और खोजों से ऐसे तथ्य सामने आए हैं जिनसे प्रमाणित होता है कि सेरोटोनिन के अभाव में स्वभाव में किस प्रकार का बदलाव आ जाता है. सन् 1993 के जर्नल ऑफ क्रिमिनल जस्टिस एजूकेशन में फ्लोरिडा स्टेट के अपराध वैज्ञानिक सी.रे. जैफरी ने अपने गहन अनुसंधान से यह पाया कि जैसे ही किसी जन्तु में सेरोटोनिन की मात्रा कम या इसके अभाव में मस्तिष्क प्रतिकूलताओं से भर जाता है और जन्तु का स्वभाव आक्रामक और अत्यंत क्रूर हो जाता है. गौरतलब है वैज्ञानिक तथ्य यह कहते हैं कि माँस में ट्रिप्टोपेन नामक अमीनो अम्ल होता ही नहीं है. इससे मस्तिष्क में क्रूरता और आक्रामकता का उफान आने लगता है. इस सम्बन्ध में एक अन्य शोध डॉ. पॉल ग्रीन गार्ड ने किया. उन्होंने भी अपने शोध के दौरान यह पाया कि यूरोपीय देशों में अनिद्रा की सार्वभौमिक बीमारी का एक बड़ा कारण यूरोपीय देशों के लोगों का माँसाहारी होना है. इस गहन शोध पर डॉ. ग्रीन को सन् 2000 में नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ. अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय के रिचर्ड रेंधम और नेन्सील कांकलिन व ब्रिटेन व मिनेसोटा विश्वविद्यालय के ग्रेग लेडन की रिसर्च से खुलासा हुआ कि पका हुआ शाकाहारी भोजन मानव मस्तिष्क की सबसे बड़ी वृद्धि का कारण है. वैज्ञानिकों ने अपने शोध से यह सिद्ध कर दिया है कि माँसाहार से दिल के दौरे, मधुमेह, कैंसर, उच्च रक्तचाप, पक्षाघात, टीबी, (क्षय रोग) गठिया, सेरोसिस, कब्ज, मोटापा, पागलपन, रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी और अन्य अनेक रोग हो जाते हैं. वैज्ञानिकों ने अब तक माँसाहार से 100 से अधिक बीमारियों के होने का पता लगाया है.

आधुनिक शोध यह बताता है कि माँसाहार से मिलने वाली वसा, शरीर में अस्थिशोथ पैदा करती है जिससे गठिया रोग हो जाता है. माँस विक्रेता माँस की निर्जलीकरण की क्रिया को धीमा करने के लिए ब्लीचिंग पाउडर का प्रयोग करते हैं ताकि माँस का वजन बरकरार रहे. इसी तरह मछलियों को ताजा और चमकदार बनाए रखने के लिए अमोनियम सल्फेट का प्रयोग किया जाता है. इन रसायनों को भी माँसाहारी माँस खाते समय खा जाता है जिससे कई तरह के कैंसर पैदा होने की सम्भावना बढ़ जाती है. इसके अलावा माँसाहार से आंशिक लकवा, मूर्च्छा, अनिद्रा, आस्टियोपोरोसिस, रक्तचाप, मूत्राघात, हिस्टीरिया, मिरगी (अपस्मार) मूत्राम्लता, कोरानरी थ्रोम्बोसिस, एंजाइना पेक्टोरिस, अल्बूमिन्योरिया, यकृत के विकार, मनोविकार, क्रोध का बढ़ते जाना, हिंसक मनोवृति, झगड़ालू स्वभाव का होना, टाक्सीमिया (प्रसूतज्वर) कोलेस्ट्राल का बढ़ना, आर्टीरियो, अधिक कामुकता, मुँह और पसीने में दुर्गंध आना, नेफ्राटिस, ऑक्जिमा (उकवत) अर्टीकेरिया, आँख की रोशनी में कमी, हड्डियों की कमजोरी, बवासीर व एनीमिया आदि भी हो सकते हैं. आधुनिकता और तथाकथित माडर्न बनने के दिखावे में अधिकांश लोग उन पश्चिमी चीजों का सेवन करने लगे हैं जिन्हें किसी भी दृष्टिकोण से स्वास्थ्यप्रद और हितकारी नहीं कहा जाता सकता है. पिज्जा, बर्गर और अन्य अनेक पश्चिमी चीजें पश्चिम में स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं मानी जा रही हैं, उन्हें भारत में 'माडर्न फूड' में शामिल कर लिया गया है.

अब सत्य को स्वीकारने का साहस या अपनी मान्यताओं को ही सर्वोपरि करने का हठ हो, नए शोध उनके लिए भी समझ पैदा करने का कार्य कर रहे हैं. नए दौर में कोरोना महामारी और दूसरी तमाम बीमारियों के फैलाव ने हमें आहार-विहार के मामले में अधिक सचेत रहने के लिए प्रेरित किया है. आहार के मामले में कई पुरानी मान्यताएं और धारणाएं टूट रही हैं. दुनिया के वैज्ञानिकों को नए सिरे से आहार-विहार पर सोचने और रिसर्च के लिए प्रेरित किया है. दिलचस्प बात यह है कि पश्चिमी देशों में आहार के मामले में कई तरह के बदलाव आए हैं, खासकर कोविड-19 के फैलाव के बाद. अब 'कुछ भी खाना-कहीं भी खाना' का नारे की जगह 'शरीर की मजबूती के लिए खाना और घर का खाना' पर जोर दिया जाने लगा है. देखना यह है दुनिया आहार के मामले में अपनी आदतों में कितना बदलाव करने को तैयार है? परिवर्तन इस संसार का शाश्वत सत्य है. इसलिए ग्रीन हाउस गैसों की समस्या को अपनी निजी समस्या मानते हुए हमें भोजन यानी आहार-विहार में उचित बदलाव करने के लिए तैयार रहना चाहिए. ●●●

उपकार | नवीन प्रस्तुति

वस्तुनिष्ठ सामान्य हिन्दी

(विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए उपयोगी)

Code No. 2685 | ₹ 50/-

सम्पादक मण्डल

उपकार प्रकाशन, आगरा

• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

चुनाव प्रणाली लेख

लोकतंत्र में नोटा की भूमिका

—योगेश कुमार गोयल

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों चुनाव से सम्बन्धित दायर हुई एक याचिका पर जवाब देने के लिए चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया. मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा द्वारा दायर की गई इस जनहित याचिका में अदालत से ऐसा नियम बनाने का निर्देश देने की माँग की गई है कि जिसमें यदि नोटा को बहुमत मिलता है, तो विशेष निर्वाचन क्षेत्र में हुए चुनाव को रद्द घोषित किया जाए और निर्वाचन क्षेत्र में नए सिरे से चुनाव कराया जाए. दरअसल गुजरात की सूरत लोक सभा सीट पर घटे नाटकीय घटनाक्रम के बाद भाजपा प्रत्याशी चुनावी दौड़ में अकेले रह गए थे, इसीलिए उन्हें निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया गया. याचिका में याचिकाकर्ता ने भाजपा नेता की निर्विरोध जीत के प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि चूँकि वहाँ कोई उम्मीदवार ही नहीं बचा था, इसलिए नोटा को भी एक उम्मीदवार घोषित किया जाना चाहिए ताकि ऐसी स्थिति में एक काल्पनिक उम्मीदवार भी मैदान में हो. याचिका में कहा गया है कि इसमें यह नियम भी बनाया जाए कि नोटा से कम वोट पाने वाले उम्मीदवारों को 5 वर्ष की अवधि के लिए सभी चुनाव लड़ने से रोक दिया जाए और नोटा को काल्पनिक उम्मीदवार के रूप में माना जाए. मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने किसी चुनाव में खड़े उम्मीदवारों के मुकाबले नोटा को अधिक वोट मिलने पर फिर से चुनाव कराने के सम्बन्ध में ही चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है.

'नोटा' का अर्थ है 'नन ऑफ द अबॉव' अर्थात् इनमें से कोई नहीं. वास्तव में नोटा एक ऐसा मतपत्र विकल्प है, जिसे मतदाता को मतदान प्रणाली में सभी उम्मीदवारों की अस्वीकृति का संकेत देने की अनुमति देने के लिए डिजाइन किया गया है. सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में अपने एक अहम् फैसले में चुनाव आयोग को सभी ईवीएम में 'नोटा' का विकल्प प्रदान करने का निर्देश देते हुए कहा था कि नकारात्मक मतदान का प्रावधान लोकतंत्र को मजबूत करेगा. इसी आधार पर याचिका में तर्क दिया गया है कि नोटा का विचार तथा उद्देश्य राजनीतिक दलों पर बेहतर उम्मीदवार खड़ा करने के लिए दबाव डालना है. मौजूदा व्यवस्था के अनुसार किसी भी क्षेत्र के चुनाव में प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा वोट पाने वाले को ही विजेता माना जाता है. यदि नोटा को सर्वाधिक वोट मिलते हैं, तब भी अगले उम्मीदवार को ही विजेता घोषित किया जाता है. ऐसे उदाहरण भी सामने आते रहते हैं, जब किसी निर्वाचन क्षेत्र के सभी उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले लम्बित होते हैं, ऐसे में मतदाता क्या करे? ऐसी ही स्थिति में नोटा मतदाता के हाथ में एक शक्तिशाली हथियार हो सकता है. भारत से पहले फ्रांस, फिनलैंड, बेल्जियम, ब्राजील, बांग्लादेश, चिली, ग्रीस, स्वीडन, यूक्रेन, अमेरिका, स्पेन, कोलम्बिया इत्यादि 13 अन्य देशों ने 'नोटा' जैसा ही 'अस्वीकार करने का अधिकार' अपनाया था. भारत में मतदाता को सुप्रीम कार्ट के 2013 के फैसले के बाद 'नोटा' के रूप में ऐसा विकल्प मिला था, जिसके जरिए वह चुनाव में पसन्द न आने वाले सभी उम्मीदवारों को नकार सकता है, लेकिन यहाँ भी समस्या यही है कि सभी उम्मीदवारों को नकारे जाने के बाद भी उन्हीं में सर्वाधिक मत पाने वाला व्यक्ति चुना जाता है, ऐसे में 'नोटा' अर्थहीन प्रतीत होने लगता है.

मतदाताओं के लिए 'नोटा' विकल्प उपलब्ध कराने की मंशा चुनाव आयोग द्वारा 2009 में जाहिर की गई थी और 'पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज' संस्था ने इसके समर्थन में अदालत में एक जनहित याचिका दायर की थी. अंततः सुप्रीम कोर्ट ने 27 सितम्बर, 2013 को ऐतिहासिक निर्णय में चुनाव आयोग को ईवीएम में 'नोटा' बटन उपलब्ध कराने का आदेश देते हुए कहा था कि नोटा का बटन देने से राजनीतिक दलों पर भी अच्छे चुनाव प्रत्याशी खड़े करने का दबाव रहेगा. सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चुनाव आयोग द्वारा सबसे पहले दिसम्बर 2013 में छत्तीसगढ़, मिजोरम, राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा दिल्ली के विधान सभा चुनावों में ईवीएम में 'नोटा' बटन का विकल्प उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए ताकि चुनाव में अपनी पसन्द का कोई भी प्रत्याशी न होने पर मतदाता इस बटन का प्रयोग कर सकें. उन चुनावों में पहली बार 15 लाख लोगों ने नोटा का इस्तेमाल किया था. उसके बाद 2014 में हुए लोक सभा चुनाव में भी नोटा का इस्तेमाल किया गया और तब करीब 60 लाख लोगों ने नोटा के विकल्प को चुना, जो 21 पार्टियों को मिले कुल वोटों से भी ज्यादा था. उस समय उत्तर प्रदेश में करीब 6 लाख मतदाताओं ने, बिहार में 5,81,011 मतदाताओं ने और गुजरात में 4,54,880 मतदाताओं ने नोटा का इस्तेमाल किया. 2015 तक देशभर के सभी लोक सभा और विधान सभा चुनावों में नोटा का इस्तेमाल शुरू हो गया.

2019 के लोक सभा चुनाव में 65,22,772 मतदाताओं ने नोटा के पक्ष में मतदान किया था. उस चुनाव में शिअद, सीपीआई, जद (एस), अपना दल, लोजपा, आप, झामुमो, आईयूएमएल, एआईयूडीएफ, एआईएम-आईएम, आरएसपी, आजसू, एनडीपीपी, जेके नेशनल कांफ्रेंस सहित 20 राजनीतिक दल ऐसे थे, जिनके कुल वोट नोटा से कम थे, लेकिन फिर भी उनके 33 प्रत्याशी जीतकर संसद पहुँचे थे, अनुमान लगाया जा सकता है कि चुनाव में जहाँ एक-एक वोट की बड़ी महत्ता होती है, वहाँ लाखों नोटा वोटों का कितना महत्व रहता होगा. 2019 में पाँच राज्यों के विधान सभा चुनावों में भी करीब 12 लाख मतदाताओं ने सभी उम्मीदवारों को खारिज करते हुए 'नोटा' के विकल्प को चुना था. उस समय छत्तीसगढ़ में 2·1 प्रतिशत वोट नोटा के खाते में गए थे, जबकि आप को केवल 0·9, सपा और राकांपा को 0·2 तथा भाकपा को 0·3 प्रतिशत वोट ही मिले थे. मध्य प्रदेश में करीब 1·5 प्रतिशत अर्थात् 5·42 लाख मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया था, जहाँ नोटा को सपा तथा आप से भी ज्यादा वोट मिले थे, जिन्हें क्रमशः 1 तथा 0·7 प्रतिशत वोट मिले थे. 22 सीटों पर तो नोटा वोटों की संख्या हार-जीत के अन्तर से भी ज्यादा रही थी. अमूमन हर चुनाव में अब कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिलता है.

2018 में नोटा को पहली बार उम्मीदवारों के समकक्ष दर्जा दिया गया. हालाँकि, जब नोटा अस्तित्व में आया था, तो अधिकांश लोगों ने इसे 'राइट टु रिजेक्ट' माना था और आज भी बहुत से लोग इसे इसी रूप में देखते हैं, किन्तु नवम्बर 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए नोटा को चुनाव जीतने वाले प्रत्याशी से अधिक मत मिलने पर चुनाव को निरस्त कर देने से इन्कार कर दिया था और कहा था कि वोटिंग प्रणाली में बदलाव करके लोकतंत्र को नष्ट नहीं किया जा सकता. इसीलिए बहुत से लोगों का यही मानना रहा है कि नोटा बेकार है, क्योंकि

शेष पृष्ठ 226 पर

पर्यावरणीय लेख

पर्यावरण पर पड़ता मरुस्थलीकरण और सूखे का गम्भीर असर

मरुस्थलीकरण आज दुनिया की विकट समस्या बनता जा रहा है, जिसका पर्यावरण पर गहरा असर पड़ रहा है. मरुस्थलीकरण का अर्थ है—रेगिस्तान का फैलते जाना, जिससे विशेषकर शुष्क क्षेत्रों में उपजाऊ भूमि अनुपजाऊ भूमि में तब्दील हो रही है. इसके लिए भौगोलिक परिवर्तन के साथ-साथ मानव गतिविधियाँ भी बड़े स्तर पर जिम्मेदार हैं. शुष्क क्षेत्र ऐसे क्षेत्रों को कहा जाता है, जहाँ वर्षा इतनी मात्रा में नहीं होती कि वहाँ घनी हरियाली पनप सके. पूरी दुनिया में कुल स्थल भाग का करीब 40 प्रतिशत (लगभग 5·4 करोड़ वर्ग किमी) शुष्क क्षेत्र है और मरुस्थलीकरण प्रायः ऐसे ही शुष्क इलाकों में ज्यादा देखा जा रहा है. वैश्विक स्तर पर मरुस्थलीकरण के बढ़ते जाने के कारण कई देशों में अन्न का उत्पादन घटने से मानव जाति तो प्रभावित हो ही रही है, जीव-जन्तुओं की तमाम प्रजातियों पर भी भयानक दुष्प्रभाव हो रहा है.

विश्व मरुस्थलीकरण और रोकथाम दिवस

- अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग से वैश्विक स्तर पर मरुस्थलीकरण का मुकाबला करने के लिए जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1995 से प्रति वर्ष 17 जून को 'विश्व मरुस्थलीकरण रोकथाम और सूखा दिवस' मनाया जा रहा है. मरुस्थलीकरण और सूखे की बढ़ती चुनौतियों के मद्देनजर इससे मुकाबला करने हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1994 में मरुस्थलीकरण रोकथाम का प्रस्ताव रखा था.
- इस दिवस के जरिए लोगों को जल तथा खाद्यान्न सुरक्षा के साथ पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति जागरूक करने, सूखे के प्रभाव को प्रत्येक स्तर पर कम करने के लिए कार्य करने और नीति निर्धारकों पर मरुस्थलीकरण सम्बन्धी नीतियों के निर्माण के साथ उससे निपटने के लिए कार्ययोजना बनाने का दबाव बनाने का प्रयास किया जाता है.
- इस वर्ष यह दिवस 'भूमि के लिए एकजुटता, हमारी विरासत, हमारा भविष्य' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो भावी पीढ़ियों के लिए हमारे ग्रह के महत्वपूर्ण भूमि संसाधनों को संरक्षित करने के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व को रेखांकित करता है.
- गौरतलब है कि विश्व का 95 प्रतिशत भोजन कृषि भूमि पर उत्पादित होता है, यही भूमि हमारी खाद्य प्रणालियों का आधार है, लेकिन चिंता का विषय है कि इसमें से एक-तिहाई भूमि वर्तमान में क्षरित हो चुकी है, जो दुनियाभर में 3·2 बिलियन लोगों को प्रभावित करती है, विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों और छोटे किसानों को, जो अपनी आजीविका के लिए भूमि पर निर्भर हैं, जिससे भूख, गरीबी, बेरोजगारी और जबरन पलायन में वृद्धि होती है.
- जलवायु परिवर्तन इन मुद्दों को और गम्भीर बना देता है, जिससे टिकाऊ भूमि प्रबंधन और कृषि के लिए गम्भीर चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं तथा पारिस्थितिकी तंत्र का लचीलापन कमजोर हो जाता है.

मरुस्थलीकरण के कारण

- जलवायु संकट सूखा, बाढ़, जंगलों में आग लगने की घटनाओं के जरिए मरुस्थलीकरण को बढ़ा रहा है. एक ओर जहाँ जलवायु का गहराता संकट मरुस्थलीकरण की समस्या को बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी ओर मरुस्थलीकरण जलवायु संकट को और गम्भीर बना रहा है अर्थात् मरुस्थलीकरण और जलवायु संकट एक-दूसरे से परस्पर जुड़े हुए हैं.
- जलवायु संकट में भू-क्षरण का भी बहुत बड़ा योगदान है. पर्यावरणविदों के मुताबिक मिट्टी में वातावरण में मौजूद कार्बन से तीन गुना ज्यादा कार्बन है और पृथ्वी पर मौजूद कार्बन का सबसे बड़ा भण्डार मिट्टी में ही है. कार्बन का उत्सर्जन मिट्टी से निकलकर वातावरण में पहुँचकर वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी कर रहा है और मरुस्थलीकरण के कारण यह समस्या और ज्यादा बढ़ रही है.
- पृथ्वी का निरन्तर बढ़ता तापमान, सौर ऊर्जा और हवा की प्रकृति में भी बदलाव ला रहा है. आँकड़ों के अनुसार विश्वभर में कुल कार्बन उत्सर्जन के 10-12 प्रतिशत (3·6-4·4 बिलियन टन) उत्सर्जन के लिए भू-क्षरण जिम्मेदार है और भारत को तो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक माना जाता है, जहाँ कुल उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में भू-क्षरण से 50 प्रतिशत ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन हो रहा है.
- सूखा मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को तेज कर देता है और भारत की आबादी का एक बहुत बड़ा भाग तो शुष्क इलाकों में ही रहता है. देश का लगभग 70 प्रतिशत भूभाग (करीब 22·83 करोड़ हेक्टेयर) शुष्क माना गया है और इस शुष्क भूभाग की उत्पादकता काफी कम है.
- देश का करीब 7·36 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्रफल मरुस्थलीकरण से प्रभावित है और भारत के कई इलाके तो प्रायः सूखे की चपेट में रहते हैं.
- विश्व में मौजूद कुल मवेशियों का 8 प्रतिशत पालन भारत में होता है जबकि भारत में दुनियाभर में मौजूद कुल चरागाहों का केवल आधा प्रतिशत ही भारत में है. इसी प्रकार भारत के पास विश्व के कुल स्थल भाग का केवल 2·4 प्रतिशत ही है, लेकिन कुल मानव आबादी का 18 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा हमारे देश में ही है.
- विश्व के अन्य शुष्क इलाकों की तुलना में भारत के शुष्क इलाकों में मानव आबादी और मवेशियों का दबाव कहीं ज्यादा है.
- मनुष्यों और मवेशियों का यह असहनीय दबाव मरुस्थलीकरण की समस्या को बढ़ाने में अहम् भूमिका निभा रहा है. शुष्क इलाकों का प्राकृतिक तंत्र मनुष्यों द्वारा डाले जाने वाले अनावश्यक दबाव के कारण चरमराने लगता है और इस विघटनकारी प्रक्रिया को नहीं रोके जाने की स्थिति में समूचा तंत्र रेगिस्तान की भेंट चढ़ जाता है.
- लकड़ी के लिए पेड़ों की अन्धाधुन्ध छँटाई अथवा अत्यधिक चराई के कारण उस तंत्र में प्राकृतिक उपयोगी पौधों की संख्या काफी घट जाती है, जिनका स्थान अनुपयोगी और अखाद्य पेड़-पौधे ले लेते हैं, जिसका दुष्परिणाम यही होता है कि वह प्राकृतिक तंत्र पहले से भी बहुत कम संख्या में मनुष्यों और मवेशियों को पोषित कर पाता है और यही दुष्चक्र मरुस्थलीकरण को गति प्रदान करता है.

- रेगिस्तानी इलाकों में चूँकि बारिश बहुत ही अनियमित ढंग से होती है, ऐसे में ऐसे इलाकों में उपलब्ध पानी की बेहद सीमित मात्रा से कृषि उत्पादकता पर काफी असर पड़ता है. वैसे तो शुष्क इलाकों में वर्षा कम होती है, लेकिन जो वर्षा होती है, वह काफी तेज और तूफानी किस्म की होती है, जिससे प्रायः ऐसे इलाकों में बारिश बाढ़ का रूप लेकर उपजाऊ मिट्टी को ही बहा ले जाती है और वहाँ बड़े-बड़े गड्ढे तथा नाले बन जाते हैं, जो प्रायः खेती के लिए बेकार हो जाते हैं.
- कई क्षेत्रों में इसी के चलते रेत के बड़े-बड़े टीले बन जाते हैं. एक अनुमान के अनुसार प्रति वर्ष बंजर इलाकों में प्रति हेक्टेयर क्षेत्र से पानी के कटाव के कारण 16·35 टन मिट्टी बह जाती है. बार-बार आने वाला सूखा मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को तेज कर देता है.
- मिट्टी का कटाव होने का एक दुष्परिणाम यह भी है कि पानी के साथ बहकर आने वाली मिट्टी जलाशयों में भर जाती है, जिससे उनकी जलधारण क्षमता घट रही है और इस कारण बाढ़ की स्थिति काफी गम्भीर हो जाती है. बीते कुछ वर्षों से देश के कई इलाकों में लाखों लोगों को बारिश के कारण बाढ़ का कहर झेलने को विवश होना पड़ रहा है, उसका सबसे बड़ा कारण यही है.
- यही नहीं, बड़ी-बड़ी पनबिजली परि-योजनाओं के सरोवरों में मिट्टी भर जाने से उनसे निर्मित होने वाली बिजली की मात्रा भी घट जाती है.

सुधार की पहल

- वातावरण में कार्बन कम करने का सवाल है, तो तापमान में 1·5 डिग्री सेल्सियस कमी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वातावरण से कार्बन को तेजी से सोखने की जरूरत है और पर्यावरणविदों के मुताबिक यह प्राकृतिक कार्बन सिंक की क्षमता में वृद्धि करके ही हो सकता है और जंगलों तथा कृषि की समस्या को कम करने वाले सिंक मैकेनिज्म से एक- तिहाई से भी ज्यादा जलवायु आपदा कम की जा सकती है. इसका सबसे बेहतर तरीका यही माना जा रहा है कि कार्बन को वनों, चारागाह और मिट्टी में समेट दिया जाए, जो मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए भी बेहद जरूरी है.
- वनीकरण, वनस्पति कवर में सुधार, जल का दक्षतापूर्ण उपयोग, मिट्टी के कटाव को बेहतर कृषि पद्धति के जरिए कम करना इत्यादि उपायों के जरिये मिट्टी में बायोमास उत्पादन और जैविक कार्बन कंटेंट में सुधार सम्भव है.
- पर्यावरणविदों का मानना है कि जंगलों का नुकसान रोककर और दोबारा लगाकर 2050 तक 150 बिलियन टन से भी ज्यादा कार्बन कम किया जा सकता है और इस अवधि में शुष्क क्षेत्रों में कृषि भूमि के अलावा 30-60 बिलियन टन कार्बन का संचय किया जा सकता है.
- बहरहाल, मरुस्थलीकरण की समस्या बढ़ते जाने से कृषि की उत्पादनशीलता में जो कमी आ रही है, उससे होने वाले नुकसान को करीब ₹ 25 हजार करोड़ आँका गया है. चिंताजनक स्थिति यह है कि भारत जैसे विकासशील देश में निरन्तर बढ़ती आबादी की मूलभूत जरूरतों की पूर्ति के लिए कृषि की उत्पादकता को बढ़ाने की जरूरत महसूस की जाती रही है, लेकिन मरुस्थलीकरण के चलते इसमें आती कमी नीतियों में बड़े बदलावों की जरूरत पर जोर देती है. ●●●

UPKAR'S
Sixth Revised Edition
SSB INTERVIEWS
New Fresh Arrival
The A To Z Guide
To Final Selection
By : Colonel (Dr) Bhasker Gupta

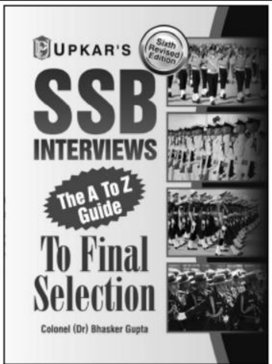

Code 1915 ₹ 365.00

Key Highlights of The Book

- Well-researched and meticulously designed, it provides holistic insights about the complete SSB interview process.
- All chapters are divided into different sections for all stages involved in the SSB.
- Precise and Holistic coverage of Current Affairs till December 2023, specifically divided into National/International/Defence/Economy/Science & Technology related news.
- Special emphasis on backward and forward linkages.
- Extensive Use of Tables/Diagrams/Pictures/Sketches to make you prepare for Picture Perception & Description Test and Verbal and Non-verbal assessments etc.
- Equipped with latest case studies and in depth analysis of the 19 tests, comprising the latest techniques and examples for problem solving.

UPKAR PRAKASHAN | 1, State Bank Colony, Khandari, Agra-Mathura Bypass Road, Agra-282 005 | Ph. : (0562) 2530966, 2531101 ● Haldwani M. 07060421008 | ● E-mail : sales@upkar.in ● Website : www.upkar.in

सार संग्रह

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. इतिहास को तीन भागों में बाँटने का श्रेय किस जर्मन इतिहासकार को दिया जाता है ? *– क्रिस्टोफ सेलियरस*
2. ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद को सम्मिलित रूप से कहा जाता है *– संहिता*
3. ऋग्वेद का तीसरा, नौवाँ और दसवाँ मण्डल समर्पित है *– क्रमशः सूर्य देवता सावित्री, सोम देवता और चातुष्यवर्ण*
4. ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद के ब्राह्मण ग्रंथ हैं *– क्रमशः ऐतरेय व कौषीतकी, तेत्तिरीय व शतपथ, पंचविंश और गोपथ*
5. किस जैन ग्रंथ में महावीर के जीवन-कृत्यों तथा अन्य समकालिकों के साथ उनके सम्बन्धों का विवरण मिलता है ? *– भगवती सूत्र*
6. पाणिनी द्वारा लिखित संस्कृत भाषा व्याकरण की प्रथम पुस्तक 'अष्टाध्यायी' में किस प्राचीन साम्राज्य की राजनीतिक अवस्था की जानकारी प्राप्त होती है ? *– मौर्ययुगीन*
7. यह सेल्यूकस निकेटर का राजदूत था, जो चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था. इसने अपनी पुस्तक 'इण्डिका' में मौर्ययुगीन समाज एवं संस्कृति के विषय में लिखा है *– मेगस्थनीज*
8. हाथीगुम्फा अभिलेख, जूनागढ़ अभिलेख, ऐहोल अभिलेख और ग्वालियर अभिलेख किन शासकों से सम्बन्धित हैं ? *– क्रमशः कलिंग राज खारवेल, रुद्रदामन, पुलकेशिन द्वितीय और प्रतिहार नरेश भोज*
9. सैंधव सभ्यता के प्रमुख स्थल हड़प्पा, मोहनजोदड़ो और कालीबंगन के उत्खननकर्ता हैं *– क्रमशः दयाराम साहनी (1921ई.), राखलदास बनर्जी (1922 ई.) और अमलानंद घोष (1951ई.)*
10. प्राचीन भारतीय दर्शन चार्वाक, योग, सांख्य, न्याय, पूर्वमीमांसा, उत्तरमीमांसा और वैशेषिक के प्रमुख प्रवर्तक हैं *– क्रमशः चार्वाक, पतंजलि, कपिल, गौतम, जैमिनी, बादरायण और कणाद*

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. रॉबर्ट क्लाइव ने बंगाल और बिहार के लिए किन दो उप-दीवान को नियुक्त किया था ? *– मुहम्मद रजा खाँ (बंगाल), राजा शिताब राय (बिहार)*
12. किस गवर्नर-जनरल द्वारा कलकत्ता में मुस्लिम शिक्षा के विकास के लिए 'प्रथम मदरसा' की स्थापना की गई थी ? *– वारेन हेस्टिंग्स*
13. ब्रिटिश काल में भू-राजस्व संग्रह की तीन प्रमुख व्यवस्थाओं जैसे— स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी और महालवाड़ी के प्रमुख योजनाकार थे *– क्रमशः जॉन शोर, रीड व टॉमस मुनरो, होल्ट मैकेंजी*
14. 1857 ई. की महान् क्रांति के प्रमुख केन्द्र जैसे— इलाहाबाद, जगदीशपुर, बरेली और फैजाबाद में प्रमुख नेतृत्वकर्ता थे *– क्रमशः लियाकत अली, कुँवर सिंह, खान बहादुर खाँ और मौलवी अहमद उल्ला*
15. 1887 ई. में किसने इंग्लैण्ड में, 'भारतीय सुधार समिति' की स्थापना की थी ? *– दादा भाई नौरोजी*
16. प्लेग के समय अंग्रेज अधिकारियों की ज्यादतियों से प्रभावित होकर पूना के किन चापेकर बन्धुओं ने प्लेग अधिकारी 'रैंड' एवं 'एयर्स्ट' की हत्या की थी ? *– दामोदर और बालकृष्ण चापेकर*
17. 'भवानी मंदिर' नामक पुस्तक की रचना किसके द्वारा की गई थी ? *– वारीन्द्र कुमार घोष*
18. 'अखिल भारतीय किसान सभा' का गठन 11 अप्रैल, 1936 को कहाँ हुआ था ? *– लखनऊ*
19. वर्ष 1939 ई. में कौन महात्मा गाँधी द्वारा प्रस्तावित प्रत्याशी पट्टाभि सीतारमैय्या को हराकर कांग्रेस का अध्यक्ष बना था ? *– सुभाष चन्द्र बोस*
20. 31 अक्टूबर, 1920 को स्थापित 'ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस' (AITUC) के पहले अध्यक्ष कौन थे ? *– लाला लाजपत राय*

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. संविधान सभा की प्रमुख समितियाँ जैसे— संचालन समिति, संघीय संविधान समिति, प्रांतीय संविधान समिति और अल्पसंख्यक उपसमिति के अध्यक्ष थे *– क्रमशः डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, पं. जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल और एच. सी. मुखर्जी*
22. संविधान सभा में महिला सदस्यों की संख्या कितनी थी ? *– 15*
23. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्णय देते हुए किस वाद में कहा गया कि 'प्रस्तावना' संविधान का अंग है. इसलिए विधायिका (संसद) उसमें संशोधन कर सकती है ? *– केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य वाद (1973 ई.)*
24. भारतीय संविधान में 'आपातकाल के प्रवर्तन के दौरान राष्ट्रपति को मौलिक अधिकार सम्बन्धी शक्तियाँ' किस देश के संविधान से अभिप्रेरित हैं ? *– जर्मनी*
25. किस अनुसूची में विभिन्न अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजाति के प्रशासन और नियंत्रण के बारे में उल्लेख किया गया है ? *– पाँचवीं अनुसूची में*
26. भारतीय संविधान में नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं अनुसूची किस संविधान संशोधनों द्वारा जोड़ी गई थी ? *– क्रमशः प्रथम (1951 ई.), 52वें (1985 ई.), 73वें (1992 ई.) व 74वें (1992 ई.) द्वारा*
27. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में कहा गया है कि नए राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन संसद विधि द्वारा कर सकती है ? *– अनुच्छेद 3*

28. भारत सरकार द्वारा भारत रत्न, पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्म श्री एवं सेना द्वारा परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र आदि पुरस्कार किस अनुच्छेद के तहत् दिए जाते हैं ?

– अनुच्छेद 18

29. भारतीय संविधान में दिए मौलिक कर्तव्यों [भाग 4 (क), अनुच्छेद 51 (क)] में "माता-पिता या संरक्षक द्वारा 6 से 14 वर्ष के बच्चों हेतु प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना" सम्बन्धी 11वाँ मूल कर्तव्य किस संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया था ?

– 86वाँ संविधान संशोधन, 2002

30. भारतीय संविधान की छठी अनुसूची के प्रावधान किस राज्य में लागू होते हैं ? *– असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम*

पर्यावरण एवं जैव विविधता

31. जब केन्द्र सरकार किसी क्षेत्र को 'सामुदायिक रिजर्व क्षेत्र' घोषित कर देती है, तो ऐसे क्षेत्र का शासी प्राधिकारी कौन होता है ?

– राज्य का मुख्य वन्यजीव वार्डन

32. भारत ने 'जैविक विविधता पर कन्वेंशन' (CBD) के प्रावधानों को लागू करने के लिए किस अधिनियम को पारित किया है ?

– जैव विविधता अधिनियम, 2002

33. जैविक विविधता अभिसमय के तहत् पार्टियाँ (देश) नियमित अंतराल पर मिलती हैं और इन बैठकों को कहा जाता है ?

– कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (CoP)

34. 'अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस' मनाया जाता है *– 22 मई*

35. 'मोमेंटम फॉर चेंज : क्लाइमेट न्यूट्रल नाउ' पहल किसके द्वारा प्रवर्तित की गई है ? *– UNFCCC सचिवालय द्वारा*

36. 'इनवेसिव स्पीशीज स्पेशलिस्ट ग्रुप' जो ग्लोबल इनवेसिव स्पीशीज डेटाबेस विकसित करता है, किस संगठन से सम्बन्धित है ? *– अन्तर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ*

37. सोने (Gold) की खनन गतिविधियाँ किस पर्यावरण प्रदूषण का एक कारण बनती हैं ? *– पारा प्रदूषण*

38. भारत में 'केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण' को किस अधिनियम के तहत् गठित किया गया था ?

– पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986

39. 'साइनोबैक्टीरिया' और 'डायटम', महासागरों की खाद्य शृंखला में कहलाते है *– प्राथमिक उत्पादक*

40. ताँबा प्रगलन संयंत्र, प्रदूषक के रूप में किसका उत्सर्जन करते हैं ? *– सल्फर डाइऑक्साइड*

भारत एवं विश्व का भूगोल

41. सर्वप्रथम भूगोल शब्द का प्रयोग किसके द्वारा किया गया था ?

– इरेटॉस्थेनीज द्वारा

42. किसने कहा है कि "भूगोल वह विज्ञान है, जिसमें पृथ्वी को स्वतंत्र ग्रह के रूप में मान्यता देते हुए उसके समस्त लक्षणों, घटनाओं एवं उसके अन्तःसम्बन्ध का अध्ययन किया जाता है" ?

– कार्ल रिटर

43. ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति के सम्बन्ध में 'महाविस्फोट सिद्धान्त' (Big-Bang Theory) सर्वाधिक मान्य सिद्धान्त है. इसका प्रतिपादन तथा व्याख्या किसके द्वारा की गई है ?

– प्रतिपादन ऐब जॉर्ज लैमेन्तेयर व व्याख्या रॉबर्ट बेगोनेर द्वारा

44. "तारों का ऐसा समूह, जो धुँधला-सा दिखाई पड़ता है तथा जो तारा-निर्माण प्रक्रिया की शुरुआत का गैसपुंज है", कहलाता है

– मंदाकिनी

45. सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने वाले विभिन्न ग्रहों, क्षुद्रग्रहों, धूमकेतुओं, उल्काओं तथा अन्य आकाशीय पिंडों के समूह को कहा जाता है *– सौरमण्डल*

46. पृथ्वी का सबसे निकटतम, सबसे चमकीला और सबसे गर्म ग्रह है *– शुक्र*

47. सूर्य के बाद पृथ्वी के सबसे निकट का तारा है

– प्रॉक्सिमा सेन्चुरी

48. भूमध्य रेखा के उत्तर व दक्षिण में 66º 30' अक्षांश को कहा जाता है

– क्रमशः आर्कटिक वृत्त और अंटार्कटिक वृत्त

49. पृथ्वी की आन्तरिक संरचना के संदर्भ में ऊपरी क्रस्ट एवं निचले क्रस्ट के बीच के सीमा क्षेत्र को कहा जाता है

– कोनराड असंबद्धता

50. जब मैग्मा किसी लम्बवत् दरार में जमता है, तो इसे कहा जाता है *– डाइक*

भारतीय अर्थव्यवस्था

51. 1776 ई. में प्रकाशित एड्म स्मिथ की किताब 'द वेल्थ ऑफ नेशंस' को किसका उद्गम स्रोत माना जाता है ?

– पूँजीवादी अर्थव्यवस्था

52. किसी देश की आर्थिक संवृद्धि का सर्वाधिक उपयुक्त मापदण्ड होता है *– प्रति व्यक्ति वास्तविक आय*

53. 'क्रय शक्ति समता विधि' का सबसे पहले प्रयोग सन् 1993 ई. में किया गया था *– अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा*

54. संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहला 'मानव विकास सूचकांक' (HDI) किस वर्ष जारी किया गया था ? *– 1990 ई.*

55. किसी भी अर्थव्यवस्था में एक वर्ष के दौरान उत्पादित अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का मूल्य कहलाता है

– राष्ट्रीय आय

56. भारत में कौनसा मंत्रालय 'राजकोषीय नीति' जारी करने के लिए जिम्मेदार है ? *– वित्त मंत्रालय*

57. आय विधि से राष्ट्रीय आय का आकलन करते समय शामिल नहीं किया जाता है ?

– अवितरित आय

58. प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951-56 ई.) किस मॉडल पर आधारित थी ? *– हैरॉड-डोमर मॉडल*

59. 'सामुदायिक विकास कार्यक्रम' का प्रयोग किस वर्ष किया गया था ? *– 1952 ई.*

60. विश्व में 'हरित क्रान्ति का जनक' किसे माना जाता है ?

– नॉर्मन ई. बोरलॉग

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

61. ध्वनि तरंग का तारत्व एवं इसकी प्रबलता निर्भर करती है

– क्रमशः आवृत्ति एवं आयाम पर

62. यह प्रत्यास्थ तरंगें होती हैं और संचरण के लिए इन्हें माध्यम की आवश्यकता होती है अर्थात् ये निर्वात में संचरण नहीं कर सकती हैं, कहलाती हैं *– ध्वनि तरंग*

63. किस जगत् जीव में केवल एककोशिकीय जीव होते है ?

– मोनेरा एवं प्रोटिस्टा दोनों

64. पीलिया, क्षय रोग, रेबीज और गठिया कैसे रोग हैं ?
– क्रमशः जलसंक्रामक, बैक्टीरिया, वायरस एवं संक्रमण

65. पराध्वनिक तरंगों की आवृत्ति कितनी होती है ?
– 20 kHz से अधिक

66. किसी धारा-प्रवाहित तार के अक्ष से किसी विशिष्ट दूरी पर चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता निर्भर करती है
– तार की प्रवाहित धारा पर

67. LED का पूर्ण रूप है *– लाइट इमिटिंग डायोड*

68. 'फॉस्फोरिक अम्ल' किस प्रकार का एक अम्ल है ?
– त्रिक्षारकी अम्ल

69. 'ठोस कार्बन डाइऑक्साइड' को कहा जाता है
– ठोस बर्फ

70. फेफड़ों से ऑक्सीजनीकृत होकर रक्त कहाँ आता है ?
– बायाँ अलिन्द

बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र

71. 'व्यक्ति अध्ययन' विधि किस गुणात्मक अनुसंधान प्रारूप में शामिल होती है ? *– नृतातिवृत्त प्रारूप*

72. किस शिक्षाशास्त्री द्वारा 'विविधता' के सिद्धान्त को विकसित किया गया है ? *– एडवर्ड डेमिंग*

73. कुल गुणवत्ता प्रबंधन (TQM) के सिद्धान्त में PDCA का क्या अर्थ है ? *– प्लान, डू, चैक, एक्ट*

74. किस सिद्धान्त के अनुसार—"छात्र अपने पिछले अनुभव के आधार पर अपनी शिक्षा का निर्माण करते है" ?
– रचनावादी अधिगम सिद्धान्त

75. वह प्रतिरूप परिवार जो विद्यार्थियों के बौद्धिक और ज्ञानार्जन से अधिक सम्बन्धित है *– सूचना प्रक्रम परिवार*

76. 'पठन की विकासात्मक अवस्थाओं' में, जब बालक को अक्षरों को जोडने से भिन्न-भिन्न प्रकार की ध्वनियों का ज्ञान होता है, तो उसे कहा जाता है *– ऑर्थोग्राफिक अवस्था*

77. डब्ल्यू. बी. एल. का तात्पर्य है *– वेब बेस्ड लर्निंग*

78. हेबरमास का कौनसा सिद्धान्त ज्ञान और छात्र संलिप्तता पर उसके प्रभाव का पता लगाने का उपयोगी तरीका है ?
– ज्ञान -संयुत रुचि सिद्धान्त

79. डेंग और ल्यूक द्वारा प्रस्तावित ज्ञान की तीन अवधारणाएं कौनसी है ?
– अनुशासनात्मक, व्यावहारिक और अनुभूतिजन्य

80. किस उपबोधन प्रतिमान में, सौहार्द-स्थापन पर बल दिया जाता है ? *– तर्क -युक्त उपबोधन*

सम्प्रेषण / संचार

81. 'सम्प्रेषण अन्तःक्रिया के रूप में' परिप्रेक्ष्य के अनुसार प्रतिपुष्टि
– कभी -कभी गैर -इरादतन होती है

82. जटिल समस्याओं की स्थिति में समूह निष्पादन उच्चतर होता है *– विकेन्द्रित नेटवर्क में*

83. 'प्रभावी सम्प्रेषण' में अवरोधक माना जाता है
– नीतिप्रवचन, निर्णयपरक होना और सांत्वना प्रदायी टिप्पणियाँ

84. एक ऐसा सामूहिक प्रयास जो वैकल्पिक विचार उत्पन्न कर एक प्रबंधक को समस्या का समाधान करने में सहायता करता है, कहलाता है *– ब्रेनस्टोरमिंग*

85. आमने-सामने के सम्प्रेषण का संदर्भ होता है *– समकालिक*

86. अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण का एक अन्य नाम है
– छिक सम्प्रेषण

87. अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण में स्रोत-प्रामक के प्रकार्य निभाए जाते हैं
– प्रत्येक व्यक्ति के द्वारा

88. दूसरों के साथ प्रभावी सम्प्रेषण करने की किसी व्यक्ति की क्षमता कहलाती है *– अन्तर्वैयक्तिक दक्षता*

89. समस्त अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण का अधिभावी विचारणीय तत्व होता है *– संदर्भ*

90. निर्णय लेने का पहला चरण है
– विशिष्ट लक्ष्यों को स्थापित करना

खेलकूद

91. प्रथम शीतकालीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन वर्ष 1924 में कहाँ किया गया था ?
– चमोनिक्स (फ्रांस)

92. प्रथम पैराओलम्पिक खेलों का आयोजन रोम (इटली) में किस वर्ष किया गया था ? *– वर्ष 1960 में*

93. भारतीय ओलम्पिक परिषद् जिसकी स्थापना 1924 ई. में की गई थी, इसके पहले अध्यक्ष कौन थे ? *– सर जे. जे. टाटा*

94. ओलम्पिक ध्वज के बीच में बने पाँच चक्र नीला, काला, लाल, पीला एवं हरा किन महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करते हैं ?
– क्रमशः यूरोप (नीला चक्र), अफ्रीका (काला चक्र), उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका (लाल चक्र), एशिया (पीला चक्र), ऑस्ट्रेलिया (हरा चक्र)

95. पहले एशियाई खेलों का आयोजन मार्च 1951 में कहाँ हुआ था ?
– नई दिल्ली (भारत)

96. हॉकी की सर्वोच्च संस्था 'अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ' (एफ. आई. एच.) का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
– लुसाने (स्विट्जरलैण्ड)

97. पेनल्टी स्ट्रोक, स्कूप, ट्राई ब्रेकर, पेनल्टी आदि किससे सम्बन्धित शब्दावली हैं ? *– हॉकी*

98. भारत में फुटबॉल का पहला क्लब था *– डलहौजी क्लब*

99. 'फीफा' (स्थापना 1904, पेरिस) जोकि फुटबॉल का अन्तर्राष्ट्रीय नियंत्रण निकाय है, वर्तमान में इसका मुख्यालय स्थित है
– ज्यूरिख (स्विट्जरलैण्ड)

100. ब्लाकिंग, रोटेशन, नेट फाल्ट, सर्विस आदि किस खेल से सम्बन्धित शब्दावली हैं ? *– वॉलीबॉल*

कम्प्यूटर ज्ञान

101. वर्तमान स्वरूप का पहला कम्प्यूटर मार्क-1 किस वर्ष बनाया गया था ? *– वर्ष 1937 ई.*

102. कम्प्यूटर और उससे संलग्न सभी यंत्रों और उपकरणों को कहा जाता है *– हार्डवेयर*

103. कम्प्यूटर की मशीनी कूट भाषा में आदेश कोड तथा स्थिति कोड को किस क्रम में समूहित कर व्यक्त किया जाता है ?
– 0 और 1 के क्रम में

104. कम्प्यूटर भाषा 'कोबोल' (COBOL) का पूरा नाम है
– कॉमन बिजनेस ओरिएंटेड लैंग्वेज

105. रैम (रैण्डम ऐसेस मेमोरी) की गणना किस इकाई से होती है ?
– मेगाबाइट्स (MB)

106. यह सूचनाओं को सुरक्षित करने या सूचनाओं का एक कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर में आदान-प्रदान करने में प्रयुक्त होता है, कहलाता है **– फ्लॉपी डिस्क ड्राइव**

107. विश्व का पहला कम्प्यूटर नेटवर्क है **– *ARPANET***

108. भारत में इंटरनेट सेवा का प्रारम्भ विदेश संचार निगम लिमिटेड द्वारा किस वर्ष प्रारम्भ किया गया था ? **– *15 अगस्त, 1995***

109. कम्प्यूटर के एक भाग से दूसरे भाग में सिग्नल भेजने वाले इलेक्ट्रॉनिक पथ को कहा जाता है **– बस (Bus)**

110. भारत की 'सिलिकॉन' वैली कहा जाता है **– बेंगलुरु**

कृषि

111. 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्' द्वारा भारत की मिट्टियों को कितने वर्गों में बाँटा गया है ? **– 8 वर्गों में**

112. 'मृदा विज्ञान' के अध्ययन को कहा जाता है **– पेडोलॉजी**

113. पुराने जलोढ़ मिट्टी व नवीन जलोढ़ मिट्टी को कहा जाता है **– क्रमशः बांगर व खादर**

114. किसकी अधिकता के कारण लाल मिट्टी का रंग लाल दिखाई पड़ता है ? **– लौह-ऑक्साइड**

115. भारत में 'केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान' (CAZRI) का मुख्यालय कहाँ है ? **– जोधपुर (राजस्थान)**

116. 'हाइड्रोपोनिक्स' के अर्न्तगत किस प्रकार की कृषि पद्धति को सम्मिलित किया जाता है ? **– जल में पौधों को उगाना**

117. 1R-20 किस प्रमुख फसल की अधिक उत्पादन देने वाली एक किस्म है ? **– चावल**

118. भारत में हरित क्रांति की जन्मस्थली कहा जाता है **– पंतनगर (उत्तराखण्ड)**

119. 'गुलाबी क्रांति' सम्बन्धित है **– झींगा मछली उत्पादन**

120. तम्बाकू की पत्तियों को सुखाने की प्रक्रिया को कहा जाता है **– क्यूरिंग**

विविध

121. प्रमुख मध्य एशियाई देश उजबेकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान की राजधानियाँ हैं **– क्रमशः ताशकंद, दुशान्बे, बिश्केक और अश्गाबात**

122. प्रमुख जनजातियाँ जैसे– पिग्मी, अंगामी व ऐनु किन क्षेत्रों से सम्बन्धित हैं ? **– क्रमशः कांगो बेसिन, नगालैण्ड और जापान**

123. मणिपुर पहाड़ियों से घिरा 'इंफाल बेसिन' उदाहरण है **– सरोवरीय मैदान का**

124. भारत की कौनसी नदी अपने 'भ्रंश घाटी प्रवाह' के लिए प्रसिद्ध है ? **– दामोदर**

125. प्रमुख मध्यकालीन पुस्तकें जैसे– 'तबकात-ए-नासिरी', 'तारीख-ए-फिरोजशाही' व 'हुमायूँनामा' किसकी रचनाएं हैं ? **– क्रमशः मिनहाज-उस-सिराज, शम्स-ए-सिराज-अफीफ और गुलबदन बेगम**

126. भारतीय भाषाओं का केन्द्रीय संस्थान कहाँ अवस्थित है ? **– मैसूर**

127. किस जीव का रक्त सफेद होता है ? **– तिलचट्टा**

128. किसे वायु प्रदूषण के जैविक सूचक के रूप में माना जाता है ? **– लाइकेन्स**

129. गैस, जो धान के खेत से उत्सर्जित होती है तथा भूमि के तापमान में वृद्धि करती है, वह है **– मीथेन**

130. स्वेज नहर क्षेत्र में उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर पड़ने वाली झीलों का सही क्रम है **– लेक मंजला, लेक टिम्सा, ग्रेट बिटर लेक, लिटिल बिटर लेक**

●●●

UPKAR'S

Dictionary of Quotations

Compiled & Edited by : Radharaman Agarwal

Quotations give a unique sharpness to your expressions and representations. They show how you illuminate your imagination, elaborate the excellent ideas, illustrate your particular point, and project your perfect personality.

This book is purposedly designed to stimulate the taste of students, so that they can fruitfully use the quotations to enhance effect in their speech, write-up or even daily conversation.

- **More than 7,500 quotations covering 725 topics, arranged thematically for easy look-up.**
- **Topics of modern times such as Animal Rights, Genetic Engineering, Science and Religion, The Internet, End of World, etc., also included.**
- **An index of more than 1900 authors (with a short individual biography for G.K. purpose.)**

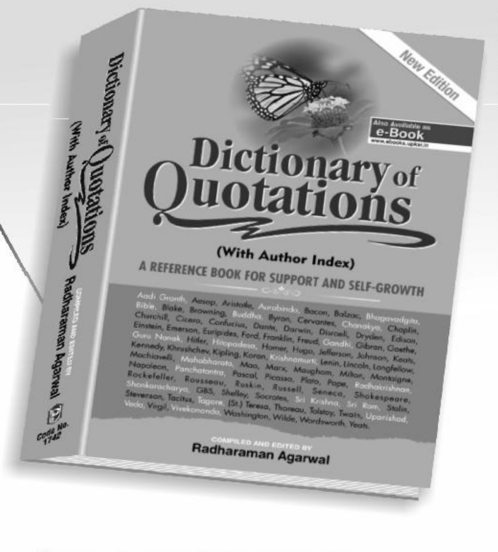

Code No. 1742 Price ₹ 250.00

UPKAR PRAKASHAN | 1, State Bank Colony, Khandari, Agra-Mathura Bypass Road, Agra-282 005 | Ph. : (0562) 2530966, 2531101 ● **Haldwani** M. 07060421008 | ● E-mail : sales@upkar.in ● Website : www.upkar.in

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

1. निम्नलिखित में से कौनसा राज्य, बॉक्साइट का सबसे बड़ा भण्डार रखता है ?
(A) आन्ध्र प्रदेश (B) ओडिशा
(C) झारखण्ड (D) गुजरात

2. निम्नलिखित में से वर्ष 2021-22 में भारत का कौनसा राज्य, चावल का सबसे बड़ा उत्पादक रहा ?
(A) पंजाब (B) बिहार
(C) तेलंगाना (D) पश्चिम बंगाल

3. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) एल-नीनो एक समुद्री जलधारा है, जो पेरू तट पर प्रकट होती है
(B) एल-नीनो भारतीय मानसून को कमजोर करती है
(C) एल-नीनो घटना प्रति वर्ष घटित होती है
(D) ला-नीना भारतीय मानसून को मजबूत करती है

4. निम्नलिखित में से कौनसी सबसे लम्बी नदी है ?
(A) कावेरी (B) ताप्ती (तापी)
(C) नर्मदा (D) सोन

5. वर्ष 2021 में निम्नलिखित में से कौनसा चक्रवात भारत के पश्चिमी तट पर आया था ?
(A) अम्फान (B) तौक्ते
(C) मिचौंग (D) फानी

6. जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार, भारत के निम्नलिखित राज्यों में से कौनसे राज्य में जनसंख्या घनत्व सबसे कम रहा था ?
(A) त्रिपुरा
(B) अरुणाचल प्रदेश
(C) मिजोरम
(D) मेघालय

7. निम्नलिखित पर्वत चोटियों को, उनकी ऊँचाई के आधार पर, अवरोही क्रम में क्रमबद्ध कीजिए—
1. गुरु शिखर 2. महेन्द्रगिरि
3. अनाईमुड़ी 4. पंचमढ़ी
(A) 3, 1, 2, 4 (B) 1, 3, 4, 2
(C) 2, 1, 3, 4 (D) 4, 2, 1, 3

8. निम्नलिखित युग्मों का मिलान करते हुए सही कूट की पहचान कीजिए—
नदियाँ
(a) कावेरी (b) साबरमती
(c) ताप्ती (तापी) (d) दामोदर
उद्गम क्षेत्र
1. सतपुड़ा श्रेणी
2. ब्रह्मगिरि पहाड़ियाँ
3. मेवाड़ पहाड़ियाँ
4. छोटा नागपुर का पठार
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	4	1	2
(C)	2	3	1	4
(D)	4	2	3	1

9. निम्नलिखित में से भारत के कौनसे दो राज्यों से देश के कुल कोयला निक्षेप का 50 प्रतिशत से अधिक प्राप्त होता है ?
1. झारखण्ड 2. मध्य प्रदेश
3. ओडिशा 4. छत्तीसगढ़
(A) 1 और 2 (B) 1 और 3
(C) 3 और 4 (D) 2 और 3

10. वर्ष 2021-22 में भारत में दालों के उत्पादन में किस राज्य का प्रथम स्थान रहा ?
(A) उत्तर प्रदेश (B) राजस्थान
(C) मध्य प्रदेश (D) गुजरात

11. वर्ष 2024 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा निम्नलिखित में से किसको राज्य सभा के 12वें सदस्य के रूप में नामित (मनोनीत) किया गया ?
(A) गुलाम अली
(B) इलैयाराजा
(C) सुधा मूर्ति
(D) सतनाम सिंह संधू

12. मध्य प्रदेश के पैरा-कैनो खिलाड़ी कौन हैं जिन्हें 2023 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था ?
(A) ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर
(B) पुखरामबम सुशीला चानू
(C) प्राची यादव
(D) शिवेंद्र सिंह

13. रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना के बारे में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं ?
1. यह मध्य प्रदेश में मिलेट (मोटा अनाज) को प्रोत्साहित करती है.
2. यह पूरे मध्य प्रदेश में लागू है.
3. यह योजना 2023-24 से 2025-26 तक की अवधि की है.
(A) केवल 1 और 2 सही हैं
(B) केवल 1 और 3 सही हैं
(C) केवल 2 और 3 सही हैं
(D) 1, 2 तथा 3 सही हैं

14. निम्नलिखित में से कौन पारम्परिक माच गायन शैली से सम्बद्ध है ?
(A) कालूराम बामनिया
(B) सत्येंद्र सिंह लोहिया
(C) भगवतीलाल राजपुरोहित
(D) ओम प्रकाश शर्मा

15. सांख्यिकी में 2023 के अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार, जिसे गणित के नोबल पुरस्कार के बराबर माना जाता है, उसके प्राप्तकर्ता कौन हैं ?
(A) डेविड आर. कॉक्स
(B) ब्रैडली एफ्रॉन
(C) कल्यामपुडी राधाकृष्ण राव
(D) नान लेयर्ड

16. वर्ष 2024 में एफ.आई.डी.ई. कैंडिडेट्स टूर्नामेन्ट जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी कौन बने ?
(A) विश्वनाथन आनंद
(B) गैरी कास्पारोव
(C) डी. गुकेश
(D) डिंग लिरेन

17. लमहेटा गाँव किस जिले में स्थित है, जहाँ जियो पार्क की स्थापना की जानी है ?
(A) भोपाल (B) जबलपुर
(C) इंदौर (D) ग्वालियर

18. निम्नलिखित में से किसको वर्ष 2024 में भारत के लोकपाल के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है ?
(A) श्री न्यायमूर्ति संजय यादव
(B) श्री न्यायमूर्ति लिंगप्पा नारायण स्वामी
(C) श्री न्यायमूर्ति पिनाकी चन्द्र घोष
(D) श्री न्यायमूर्ति अजय माणिकराव खानविलकर

19. विश्व की पहली 'वैदिक घड़ी' कहाँ पर स्थापित है ?
(A) वाराणसी (B) प्रयागराज
(C) उज्जैन (D) भोपाल

20. जनवरी से मार्च 2024 में भारत और इंग्लैण्ड के मध्य सम्पन्न पाँच टेस्ट मैचों की क्रिकेट शृंखला में विजयी रहा—
(A) भारत, 3-2 से
(B) भारत, 4-1 से
(C) इंग्लैण्ड, 3-2 से
(D) इंग्लैण्ड, 4-1 से

21. मध्य प्रदेश के किस जिले में सोयाबीन का उत्पादन प्रारम्भ हुआ था ?
(A) इंदौर (B) उज्जैन
(C) विदिशा (D) देवास

22. रॉक फॉस्फेट का उपयोग निम्नलिखित में से किस उद्योग में किया जाता है ?
(A) वस्त्र उद्योग (B) उर्वरक उद्योग
(C) चीनी उद्योग (D) कागज उद्योग

23. 2021-22 के अनुसार, मध्य प्रदेश में क्षेत्रफल एवं उत्पादन की दृष्टि से अनाजों में गेहूँ का कौनसा स्थान है ?
(A) तृतीय (B) चतुर्थ
(C) द्वितीय (D) प्रथम

24. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल की स्थापना किस देश की एक कम्पनी के सहयोग से हुई थी ?
(A) जर्मनी (B) फ्रांस
(C) रूस (D) ब्रिटेन

25. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, किस जिले में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक है ?
(A) इंदौर (B) ग्वालियर
(C) भोपाल (D) जबलपुर

26. निम्नलिखित में से कौनसी सिंचाई परियोजना में चार राज्यों की भागीदारी है ?
(A) बाणसागर परियोजना
(B) भांडेर परियोजना
(C) राजघाट परियोजना
(D) सरदार सरोवर परियोजना

27. मध्य प्रदेश के दक्षिण-पूर्वी भाग में अधिकांश वर्षा किसके द्वारा होती है ?
(A) मानसून की अरब सागर शाखा से
(B) मानसून की बंगाल की खाड़ी शाखा से
(C) लौटते हुए मानसून से
(D) चक्रवातों से

28. मध्य प्रदेश में काली मिट्टी का निर्माण किस चट्टान के द्वारा हुआ ?
(A) बलुआ पत्थर
(B) चूना-पत्थर
(C) बेसाल्ट
(D) नीस

29. मध्य प्रदेश में बाँस का राष्ट्रीयकरण कब हुआ था ?
(A) 1975 (B) 1964
(C) 1973 (D) 1963

30. विन्ध्यन स्कार्पलैण्ड का दक्षिणी भाग क्या कहलाता है ?
(A) अमरकंटक पठार
(B) मैकाल पठार
(C) भाण्डेर पठार
(D) बस्तर पठार

31. ट्विटर के संस्थापक हैं—
(A) जेक डोर्सी
(B) मार्क जुकरबर्ग
(C) फ्रेड कैवाजा
(D) जॉन मैकार्थी

32. 'इमिटेशन गेम' किसका मूल नाम था ?
(A) एल आई एस पी
(B) द ट्यूरिंग टेस्ट
(C) द हाल्टिंग प्रॉब्लम
(D) उपर्युक्त सभी

33. ई-गवर्नेंस के चार स्तम्भ क्या हैं ?
(A) लोग, प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी, संसाधन
(B) लोग, प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी, सरकार
(C) चुनाव, लोग, प्रौद्योगिकी, संसाधन
(D) चुनाव, लोग, प्रौद्योगिकी, सरकार

34. उन पेशेवरों और व्यावसायिक लोगों के लिए एक सोशल नेटवर्किंग साइट, जो अन्य पेशेवरों से जुड़ना चाहते हैं, है—
(A) फेसबुक (B) माइस्पेस
(C) ट्विटर (D) लिंक्डइन

35. ………… आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शाखा है.
(A) नेटवर्क डिजाइन
(B) साइबर फोरेंसिक्स
(C) फुल-स्टैक डेवलपर
(D) मशीन लर्निंग

36. इंटरनेट के क्षेत्र में, W3C का अर्थ है—
(A) वर्ल्ड वाइड वेब कन्टेंट
(B) वर्ल्ड वाइड वेब कमीशन
(C) वर्ल्ड वाइड वेब सेंटर
(D) वर्ल्ड वाइड वेब कंसोर्टियम

37. MPEG का अर्थ है—
(A) मूविंग पिक्चर एक्सपर्ट्स गाइड
(B) मूविंग पिक्चर एक्सपर्ट्स ग्रुप
(C) मूविंग पिक्चर इफेक्ट ग्रुप
(D) मूविंग पिक्चर इफेक्ट गाइड

38. UNIX ऑपरेटिंग सिस्टम का केन्द्रीय भाग कौनसा है ?
(A) कमांड शैल
(B) कर्नल
(C) डायरेक्टरीज एण्ड प्रोग्राम
(D) फाइल्स

39. ……………… हमला भ्रामक ईमेल या टेक्स्ट संदेशों के रूप में आता है जो आपसे सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने या व्यक्तिगत जानकारी प्रकट करने के लिए कह सकता है.
(A) स्पैमिंग
(B) वायरस साइनिंग
(C) फिशिंग
(D) स्कैनिंग

40. कुर्रैंटली है—
(A) सर्च इंजन
(B) सोशल नेटवर्किंग साइट
(C) ब्लॉग
(D) इंटरनेट फोरम

41. पहला G-20 शिखर सम्मेलन कहाँ और कब हुआ था ?
(A) लंदन, 2008
(B) वाशिंगटन डीसी (यूएसए), 2008
(C) पेरिस, 2010
(D) सियोल, 2010

42. वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) की न्यूनतम सीमा क्या थी, जिसे भारत सरकार द्वारा 2007 में संशोधित किया गया था ?
(A) 24% (B) 25%
(C) 27% (D) 30%

43. सितम्बर 2023 के अंत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बाह्य ऋण का अनुपात क्या था ?
(A) 18·6% (B) 26·3%
(C) 15·8% (D) 30·1%

44. वर्ष 2017-18 में भारत के सभी कारखानों का कितना प्रतिशत मध्य प्रदेश में स्थित था ?
(A) 10% (B) 5%
(C) 2% (D) 1% से कम

45. मध्य प्रदेश सरकार की UNNATI (एग्री-जीआईएस) परियोजना किस लिए है ?
(A) किसानों को स्मार्टफोन खरीदने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए
(B) कृषि में पूर्व सूचना आधारित निर्णय लेने में सुविधा प्रदान करने हेतु उपग्रह इमेजरी और ड्रोन डेटा जैसी प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए
(C) आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए
(D) पूरे राज्य में कृषि विश्वविद्यालयों का एक नेटवर्क स्थापित करने के लिए

46. समग्र शिक्षा अभियान निम्नलिखित में से किन योजनाओं के एकीकरण से उभरा है ?

(A) सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन (एनएसडीएम)

(B) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) और प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता मिशन (पीएमजीडी-एलएम)

(C) सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) और शिक्षक शिक्षा (टीई)

(D) बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान और सुकन्या समृद्धि योजना

47. वर्ष 2022-23 में मध्य प्रदेश और भारत की प्रति व्यक्ति आय के अग्रिम अनुमानों की स्थिर (2011-12) कीमतों पर तुलना करने पर हम पाते हैं कि—

(A) मध्य प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय, भारत की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में अधिक है

(B) मध्य प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय, भारत की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में कम है

(C) मध्य प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय, भारत की प्रति व्यक्ति आय के बराबर है

(D) तुलना सम्भव नहीं है

48. जीआई टैग प्राप्त चिन्नौर चावल का उत्पादन मुख्य रूप से मध्य प्रदेश के किस जिले में किया जाता है ?

(A) उज्जैन (B) जबलपुर
(C) सीहोर (D) बालाघाट

49. मध्य प्रदेश के निम्नलिखित जिलों को उनके अनूठे उत्पाद के साथ मिलाएं—

जिला

(a) अशोक नगर (b) खरगौन
(c) बुरहानपुर (d) मन्दसौर

उत्पाद

1. केले
2. महेश्वरी साड़ियाँ और टाइगर प्रिंट
3. चंदेरी साड़ियाँ
4. लहसुन

सही विकल्प चुनिए—

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	2	1	4
(C)	4	3	2	1
(D)	2	3	4	1

50. नीति आयोग की SDG इंडिया इंडेक्स 2020 के अनुसार, सूचकांक स्कोर रेंज के आधार पर सतत विकास लक्ष्यों में राज्यों के प्रदर्शन की विभिन्न श्रेणियों को कैसे परिभाषित किया जाता है ?

(A) आकांक्षी : 100, प्रदर्शक : 65-99, अग्रणी : 50-64, एचीवर : 0-49

(B) आकांक्षी : 0-49, प्रदर्शक : 50-64, अग्रणी : 65-99, एचीवर : 100

(C) आकांक्षी : 50-64, प्रदर्शक : 65-99, अग्रणी : 0-49, एचीवर : 100

(D) आकांक्षी : 65-99, प्रदर्शक : 50-64, अग्रणी : 0-49, एचीवर : 100

51. मोहनखेड़ा जैन तीर्थ निम्न में से किस जिले में स्थित है ?

(A) देवास (B) धार
(C) बुरहानपुर (D) खरगौन

52. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म **गलत** है ?

अभयारण्य		**जिला**
(A) बोरी	—	होशंगाबाद
(B) गंगऊ	—	पन्ना
(C) करैरा	—	शिवपुरी
(D) घाटीगाँव	—	इन्दौर

53. गम्मत लोकनाट्य का सूत्रधार क्या कहलाता है ?

(A) घूघरमाल (B) ठोठ्या
(C) कुडगऱ्या (D) खमरास

54. शंकर राव पंडित का सम्बन्ध किस विधा से था ?

(A) सितार वादन
(B) मृदंग वादन
(C) ख्याल गायकी
(D) कत्थक नृत्य

55. निम्नलिखित स्वतंत्रता सेनानियों को उनके क्रांति क्षेत्र से सुमेलित कीजिए—

सेनानी

(a) राजा मर्दन सिंह
(b) राजा दौलत सिंह
(c) राजा बख्तवली
(d) मुराद अली

क्षेत्र

1. नेमावर 2. भानपुर
3. शाहगढ़ 4. महू

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	3	4
(B)	1	2	3	4
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	1	2

56. नर्मदा नदी का साहित्यिक सन्दर्भ सर्वप्रथम कहाँ मिलता है ?

(A) शतपथ ब्राह्मण
(B) मनुस्मृति
(C) वराहमिहिर संहिता
(D) अग्नि पुराण

57. किस ताम्र पाषाणयुगीन स्थल को वराहमिहिर का जन्म-स्थल भी कहा जाता है ?

(A) दंगवाड़ा (B) कायथा
(C) नावदाटोली (D) इन्द्रगढ़

58. कुमारगुप्त और बन्धुवर्मन के दशपुर अभिलेख के सम्बन्ध में कौनसा कथन **गलत** है ?

(A) इस अभिलेख में रेशम बुनकरों की श्रेणी द्वारा सूर्य मन्दिर के निर्माण का उल्लेख है

(B) यह भारत में विज्ञापन परम्परा का प्राचीनतम उदाहरण है

(C) इस अभिलेख में दशपुर को पश्चिमपुर भी कहा गया है

(D) इस अभिलेख की रचना भवभूति ने की थी

59. कोहबर क्या है ?

(A) वैवाहिक आनुष्ठानिक भित्तिचित्र
(B) वैवाहिक वस्त्र
(C) भोजन
(D) आभूषण

60. यशोधर्मन के सौंदनी अभिलेख के रचयिता कौन हैं ?

(A) कवि मदन (B) वासुल कवि
(C) कक्क (D) रविकीर्ति

61. गुहा मंदिरों में सुप्रसिद्ध कैलाश मन्दिर कहाँ स्थित है ?

(A) अजंता की गुफाओं में
(B) एलोरा की गुफाओं में
(C) एलिफेंटा की गुफाओं में
(D) कन्हेरी की गुफाओं में

62. किस वेद में सभा और समिति को पृथक् संस्थाओं के रूप में घोषित किया गया है ?

(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) अथर्ववेद (D) यजुर्वेद

63. क्षत्रिय वर्णों के उपनयन संस्कार में किस मंत्र के सम्पादन का प्रावधान था ?

(A) जगती मंत्र (B) गायत्री मंत्र
(C) सर्वेषाम मंत्र (D) त्रिष्टुभ मंत्र

64. निम्नलिखित में से कौनसा वेद सबसे अधिक प्राचीन है ?

(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद

65. अष्टांग योग के अन्तर्गत किसे अन्तरंग साधना कहा जाता है ?
(A) प्रत्याहार (B) नियम
(C) प्राणायाम (D) धारणा

66. केशव चन्द्र सेन को ब्रह्म समाज का प्रधान आचार्य किसने नियुक्त किया था ?
(A) राजा राम मोहन राय
(B) एन.जी. चन्दावरकर
(C) देवेन्द्रनाथ ठाकुर
(D) महादेव गोविन्द रानाडे

67. गाँधीजी ने किस आन्दोलन के समय वेल्स के राजकुमार का बहिष्कार करने का आह्वान किया ?
(A) खिलाफत आन्दोलन
(B) असहयोग आन्दोलन
(C) सविनय अवज्ञा आन्दोलन
(D) भारत छोड़ो आन्दोलन

68. के.एम. पणिक्कर ने किसके लिए कहा कि "वे आधुनिक भारत के सर्वप्रथम कूटनीतिज्ञ थे" ?
(A) दादाभाई नौरोजी
(B) लाला लाजपत राय
(C) गोपाल कृष्ण गोखले
(D) बाल गंगाधर तिलक

69. बंगला भाषा में रचित ऐतिहासिक उपन्यास 'दुर्गेश नन्दिनी' के लेखक का क्या नाम है ?
(A) देवेन्द्र नाथ
(B) बंकिम चन्द्र चटर्जी
(C) रविन्द्रनाथ टैगोर
(D) हेमचन्द्र बंदोपाध्याय

70. मौर्य कालीन प्रशासनिक व्यवस्था में प्रदेष्टा किस विभाग से सम्बन्धित है ?
(A) राजस्व विभाग
(B) न्याय विभाग
(C) सैन्य विभाग
(D) आर्थिक विभाग

71. 'बिरहा' किस आदिवासी जनजाति की महिलाओं का लोकप्रिय लोकगीत है ?
(A) गोंड (B) कोल
(C) भील (D) सहरिया

72. मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आदिवासी, लोक व पारम्परिक कलाओं के लिए महिलाओं को कौनसा सम्मान दिया जाता है ?
(A) राष्ट्रीय कबीर सम्मान
(B) राज्य स्तरीय शिखर सम्मान
(C) राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान
(D) राष्ट्रीय तुलसी सम्मान

73. भारतीय साहित्य में जनजातीय जीवन की सांस्कृतिक परम्परा और विशिष्टताओं पर लेखन के लिए कौनसा सम्मान दिया जाता है ?
(A) ठक्कर बापा राष्ट्रीय सम्मान
(B) वीर शंकर शाह-रघुनाथ शाह राष्ट्रीय सम्मान
(C) रानी दुर्गावती राष्ट्रीय सम्मान
(D) राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान

74. मध्य प्रदेश में आदिवासियों के लिए स्वरोजगार योजना किनके नाम से चल रही है ?
(A) दलपति शाह
(B) टंट्या भील
(C) बिरसा मुंडा
(D) रघुनाथ शाह

75. जनजातीय कार्य विभाग प्रकाशन प्रतिष्ठान 'वन्या' का स्थापना वर्ष है—
(A) 1965 (B) 1970
(C) 1975 (D) 1980

76. महानायक टंट्या 'मामा' किस आदिवासी जनजाति से सम्बन्धित है ?
(A) कोल (B) गोंड
(C) भील (D) भारिया

77. स्वतंत्रता सेनानी रघुनाथ सिंह मण्डलोई ……… से सम्बन्धित हैं.
(A) भारिया जनजाति
(B) भिलाला जनजाति
(C) कोरकू जनजाति
(D) बैगा जनजाति

78. भिम्मा जनजाति के लोग मध्य प्रदेश के किन जिलों में निवास करते हैं ?
(A) बैतूल व छिंदवाड़ा
(B) मंडला व डिंडौरी
(C) रीवा व सतना
(D) सीधी व शहडोल

79. स्वर्गीय श्री बादल भोई कौन थे ?
(A) प्रसिद्ध आदिवासी समाजसेवी
(B) प्रसिद्ध आदिवासी संगीतकार
(C) प्रसिद्ध आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी
(D) प्रसिद्ध आदिवासी कलाकार

80. मांडवरा त्योहार ……… द्वारा मनाया जाता है.
(A) गोंड (B) बैगा
(C) भारिया (D) सहरिया

81. निम्नलिखित में से किस मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने दोनों में संघर्ष की स्थिति में राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों पर मौलिक अधिकारों की व्यापकता की घोषणा की ?
(A) गोलकनाथ *बनाम* पंजाब राज्य (1967)
(B) मद्रास राज्य *बनाम* चंपकम दोराईराजन (1951)
(C) केशवानन्द भारती *बनाम* केरल राज्य (1973)
(D) मिनर्वा मिल्स *बनाम* भारत संघ (1980)

82. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद की स्थिति में, मामले का निर्णय विधि आयोग द्वारा किया जाता है
(B) चुनाव आयुक्त को मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश के अलावा उनके पद से हटाया नहीं जा सकता है
(C) मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को समान शक्तियाँ प्राप्त हैं
(D) चुनाव आयुक्त का कार्यकाल उनके पद ग्रहण करने की तिथि से 6 वर्ष या उनके 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, होता है

83. संविधान में संशोधन के लिए कम-से-कम आधे राज्यों के विधान मण्डलों द्वारा अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी—
(A) यदि ऐसा संशोधन अनुच्छेद 53 में कोई परिवर्तन करना चाहता है
(B) यदि ऐसा संशोधन अनुच्छेद 239-क में कोई परिवर्तन करना चाहता है
(C) यदि ऐसा संशोधन अनुच्छेद 243-क में कोई परिवर्तन करना चाहता है
(D) यदि ऐसा संशोधन अनुच्छेद 279-क में कोई परिवर्तन करना चाहता है

84. अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान ………… में है.
(A) नई दिल्ली (B) हैदराबाद
(C) भोपाल (D) जबलपुर

85. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. कानूनी मामलों पर राज्य सरकार को सलाह देना महाधिवक्ता का कर्तव्य होगा.
2. महाधिवक्ता मंत्रिमण्डल के प्रसाद-पर्यंत पद पर बने रहेंगे.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

86. पंचायतों को सौंपी जा सकने वाली शक्तियों, अधिकार और जिम्मेदारियों की सूची .... में दी गई है.
(A) ग्यारहवीं अनुसूची
(B) बारहवीं अनुसूची
(C) सातवीं अनुसूची
(D) राज्य सूची

87. निम्नलिखित में से कौनसा अनुच्छेद भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग के बारे में बताता है ?
(A) अनुच्छेद 63 (B) अनुच्छेद 62
(C) अनुच्छेद 61 (D) अनुच्छेद 60

88. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76 के अनुसार, राष्ट्रपति उस व्यक्ति को भारत का महान्यायवादी (अटॉर्नी जनरल) नियुक्त करेगा—
(A) जो उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के योग्य है
(B) जो कम-से-कम 7 वर्षों तक सर्वोच्च न्यायालय का अधिवक्ता रहा हो
(C) जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के योग्य है
(D) जो कम-से-कम 7 वर्षों तक उच्च न्यायालय का अधिवक्ता रहा हो

89. के. एम. मुंशी..........से सम्बन्धित थे.
(A) लोक लेखा समिति
(B) संविधान प्रारूप समिति
(C) प्रस्तावना समिति
(D) हिन्दू कोड बिल मसौदा समिति

90. भारत के राष्ट्रपति किसकी सलाह पर अनुच्छेद 352 के तहत् आपातकाल की घोषणा कर सकते हैं ?
(A) सभी राज्यों के मुख्यमंत्री
(B) प्रधानमंत्री
(C) संघ मंत्रिमण्डल
(D) मंत्रिपरिषद्

91. मनुष्यों में गुणसूत्र संख्या 21 की ट्राइसोमी के कारण होने वाला विकार है—
(A) टर्नर सिन्ड्रोम
(B) डाउन सिन्ड्रोम
(C) सुपर फीमेल सिन्ड्रोम
(D) क्लाइनफेल्टर सिन्ड्रोम

92. राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 ने स्वास्थ्य में सुधार के लिए सात प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर समन्वित कार्यवाही की पहचान की है. दिए गए विकल्पों में से कौनसा सात प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के अन्तर्गत नहीं है ?
(A) स्वच्छ भारत अभियान
(B) यात्री सुरक्षा
(C) निर्भया नारी
(D) अन्नपूर्णा योजना

93. किस दाल का लगातार सेवन करने से लेथाइरिज्म नामक रोग हो जाता है ?
(A) खेसारी दाल
(B) चना दाल
(C) मूँग दाल
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

94. भारत सरकार ने जल (प्रदूषण निवारण एवं नियन्त्रण) अधिनियम कब पारित किया था ?
(A) 1972 (B) 1986
(C) 1990 (D) 1974

95. SDG इण्डिया इंडेक्स 2018 के अनुसार, SDG 1, SDG 2 और SDG 9 क्रमशः दर्शाते हैं—
(A) कोई गरीबी नहीं; और भुखमरी नहीं; उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढाँचा
(B) कोई गरीबी नहीं; गुणवत्तापूर्ण शिक्षा; भूमि पर जीवन
(C) स्वच्छ जल और स्वच्छता; जलवायु कार्यवाही; सस्टेनेबल शहर और समुदाय
(D) लैंगिक समानता; जलवायु कार्यवाही; कोई भुखमरी नहीं

96. एक जलीय पारिस्थिति की तंत्र के तालाब में, निम्नलिखित में से किस घटक का प्रतिनिधित्व कवकों, जीवाणुओं एवं फ्लैजेलेट्स के द्वारा किया जाता है ?
(A) स्वपोषी घटक
(B) उपभोक्ता
(C) अपघटक
(D) अजैविक घटक

97. ओजोन परत की मोटाई को .... में मापा जाता है.
(A) डेसीबल (B) डॉबसन इकाई
(C) पीपीबी (D) पीपीएम

98. मनुष्य शरीर में ग्रीवा कशेरुकाओं की संख्या होती है—
(A) 5 (B) 7
(C) 12 (D) 33

99. मंगल ग्रह के लिए भारत का पहला अंतर-ग्रहीय मिशन किस वर्ष में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था ?
(A) 2013 (B) 2012
(C) 2016 (D) 2015

100. वर्ष 2017 में इसरो के किस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के द्वारा एक ही फ्लाइट में 104 सैटेलाइट सफलतापूर्वक लॉन्च किए गए थे ?
(A) इनसैट-3डीआर
(B) पीएसएलवी-सी55
(C) जीएसएलवी-एफ12
(D) पीएसएलवी-सी37

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) भारत में बॉक्साइट का सबसे बड़ा भण्डार ओडिशा राज्य में पाया जाता है. राज्य में मूल्यवान बॉक्साइट भण्डार कालाहांडी और कोरापुट (पंचपटमाली भण्डार) जिलों में स्थित है तथा इसका कुछ हिस्सा आन्ध्र प्रदेश राज्य में विस्तृत है. उल्लेखनीय है कि भारतीय राज्य ओडिशा देश में सबसे बड़ा बॉक्साइट उत्पादक राज्य है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग आधे से अधिक उत्पादन करता है. बॉक्साइट का उत्पादन करने वाले अन्य प्रमुख भारतीय राज्य—गुजरात, झारखण्ड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ तमिल-नाडु और मध्य प्रदेश आदि हैं.

2. (D) यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021-22 में 1,29,471 टन चावल का उत्पादन रिकॉर्ड किया गया था. भारत में उत्पादित कुल चावल में 13·62% योगदान के साथ पश्चिम बंगाल सबसे बड़ा चावल उत्पादक राज्य है. इसके पश्चात् उत्तर प्रदेश तथा पंजाब का स्थान है, जिनका कुल चावल उत्पादन में योगदान क्रमशः 12·81% तथा 9·96% है. भारत के कुल चावल उत्पादन का लगभग 36% इन 3 राज्यों से होता है.

3. (C) एल-नीनो दक्षिणी दोलन (El Nino Southern Oscillation) घटना का सामान्य से अधिक ऊष्म चरण है. इस घटना के दौरान दक्षिण अमेरिका के इक्वाडोर और पेरू के तटों के साथ-साथ पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान (SST) दीर्घकालिक औसत से कम-से-कम 0·5 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म होता है. इस घटना के परिणामस्वरूप भारत सहित विश्व के कई क्षेत्रों में आमतौर पर गर्म तापमान और सामान्य से कम वर्षा होती है. एल-नीनो घटना का सटीक अनुमान लगाना सम्भव नहीं है और यह 2 से 7 वर्ष के अन्तराल पर अनियमित रूप से घटित होती है.

- एल-नीनो के विपरीत ला-नीना ENSO के ठण्डे चरण का प्रतिनिधित्व करता है. इस घटना के दौरान पूर्व और मध्य प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान औसत से कम रहता

है. ला-नीना भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून के दौरान अधिक वर्षा का कारण बनते हैं.

4. (C) प्रश्नगत दिए गए विकल्पों में नर्मदा सबसे लम्बी नदी है. सामान्यतः भारत की सबसे लम्बी नदी गंगा व दक्षिण भारत की सबसे लम्बी नदी गोदावरी है. कावेरी नदी का उद्गम कर्नाटक के कुर्ग जिले की ब्रह्मगिरी पहाड़ी से होता है. यह कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्य से होकर प्रवाहित होती है. इसकी कुल लम्बाई लगभग 805 किमी है.
   - ताप्ती नदी का उद्गम बैतूल जिले के मुल्ताई से होता है. ताप्ती नदी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व गुजरात से होकर खम्भात की खाड़ी में गिर जाती है. इस नदी की लम्बाई 724 किमी है.
   - नर्मदा नदी का उद्गम मध्य प्रदेश की अमरकंटक पहाड़ी से होता है. यह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व गुजरात से होते हुए खम्भात की खाड़ी में गिरती है. इसकी कुल लम्बाई 1,312 किमी है.
   - सोन नदी का उद्गम अमरकंटक मैकाल श्रेणी से होता है. यह नदी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से होकर बिहार में पटना के निकट गंगा में मिल जाती है. इसकी कुल लम्बाई 780 किमी है.

5. (B) मई 2021 में तौक्ते नामक शक्तिशाली और विनाशकारी उष्ण-कटिबंधीय चक्रवात भारत के पश्चिमी तट पर आया था. तौक्ते अरब सागर में अब तक दर्ज किया गया पाँचवाँ सबसे शक्तिशाली चक्रवात था.

6. (B) जनगणना 2021 के अनुसार विकल्प में दिए गए राज्यों का जनसंख्या घनत्व—
   - त्रिपुरा—350 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
   - अरुणाचल प्रदेश—17 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी–भारत में सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य.
   - मिजोरम—52 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
   - मेघालय—132 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी

7. (*) आयोग द्वारा जारी अन्तिम उत्तर कुंजी में इस प्रश्न को डिलीट कर दिया गया है. विकल्प में दी गई पर्वत चोटियों की ऊँचाई—
   - गुरु शिखर पर्वत चोटी राजस्थान राज्य में अरावली अपशिष्ट पर्वतमाला का सबसे उच्चतम बिन्दु है. इसकी ऊँचाई 1722 मीटर है.
   - महेन्द्रगिरी पर्वत चोटी ओडिशा राज्य के गजपति जिले में अवस्थित है. यह पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी में से एक है. इसकी ऊँचाई 1501 मीटर है.
   - अनाईमुड़ी पर्वत चोटी केरल राज्य के इडुक्की जिले में स्थित है. यह पश्चिमी घाट पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी है. इसकी ऊँचाई 2695 मी है.
   - पंचमढ़ी पर्वत चोटी मध्य प्रदेश की सतपुड़ा पर्वतमाला की महादेव पहाड़ी में अवस्थित है. इसकी ऊँचाई 1067 मीटर है.

8. (C) विकल्प में दी गई नदियाँ एवं उनके उद्गम क्षेत्र—
   - कावेरी—ब्रह्मगिरी पहाड़ियाँ
   - साबरमती—मेवाड़ पहाड़ियाँ
   - ताप्ती (तापी)—सतपुड़ा श्रेणी
   - दामोदर—छोटा नागपुर का पठार

9. (B) भारत के ओडिशा तथा झारखण्ड राज्य से देश के कुल कोयला निक्षेप का 50 प्रतिशत से अधिक प्राप्त होता है.

10. (C) वर्ष 2021-22 में भारत में दालों के उत्पादन में पहला स्थान मध्य प्रदेश (56·95 लाख टन) है, उसके बाद राजस्थान (40·53 लाख टन), गुजरात (27·01 लाख टन) तथा उत्तर प्रदेश (26·20 लाख टन) का स्थान है.

11. (C) 12. (C)

13. (D) रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना मध्य प्रदेश में मिलेट (मोटा अनाज) को प्रोत्साहन देने के लिए, 3 जनवरी, 2024 की कैबिनेट मीटिंग में अनुमोदित की गई. इसके अन्तर्गत मध्य प्रदेश के किसानों को मोटा अनाज/श्री अन्न उत्पादित करने के लिए ₹ 10 प्रति किग्रा की दर से प्रोत्साहन दिया जाएगा. योजना की अवधि वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक के लिए है.

14. (D) माच हिन्दी शब्द मंच का अनुवाद है. माच का प्रदर्शन पहले होली के त्योहारों के आस-पास किया जाता है. 100-150 वर्ष पहले मालवा क्षेत्र के अखाड़ों में माच का प्रदर्शन मनोरंजन के लिए होता था. बाद में ओम प्रकाश शर्मा के दादा दौलतगंज अखाड़े के उस्ताद कालूराम ने माच के लिए नाटक लिखे. उन्हें जयसिंहपुर अखाड़े के उस्ताद बालमुकुंद का साथ मिला. ओम प्रकाश ने भी अपने दादा से ही माच गायन शैली सीखी और बाद में उन्होंने भी नाटक लिखना शुरू किए. धीरे-धीरे इस कला ने जोर पकड़ लिया और त्योहारों पर मालवा बेल्ट में कलाकार इसे प्रदर्शित करने लगे. माच गीतों में बड़े ढोलक, सारंगी व अन्य वाद्य यंत्रों का उपयोग होता है. अब हारमोनियम का उपयोग भी कलाकार करते हैं. ओम प्रकाश शर्मा, को वर्ष 2024 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया.

15. (C) प्रमुख भारतीय-अमेरिकी गणितज्ञ और सांख्यिकीविद् कल्यामपुडी राधाकृष्ण राव को सांख्यिकी में 2023 का अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया, जो इस क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के बराबर है.

16. (C) 17 वर्षीय भारतीय ग्रैंडमास्टर डी-गुकेश 2024 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में विजयी हुए हैं, जिससे उन्होंने शतरंज के इतिहास में विश्व खिताब के लिए डिंग लिरेन का सामना करने वाले सबसे कम उम्र के चैलेंजर के रूप में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है.

17. (B) 'भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण' (जीएसआई) ने मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में नर्मदा नदी के तट पर लमहेटा गाँव में देश का पहला जियो पार्क स्थापित करने को मंजूरी दे दी है.

18. (D) उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति अजय माणिकराव खानविलकर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भारत के लोकपाल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. गौरतलब है कि लोकपाल के अध्यक्ष का पद मई 2022 में न्यायमूर्ति पिनाकी चन्द्र घोष के सेवानिवृत्त हो जाने के बाद से रिक्त था. इस अवधि में लोकपाल के न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार मोहंती कार्यवाहक अध्यक्ष की भूमिका का निर्वहन कर रहे थे.

19. (C)

20. (B) जनवरी से मार्च 2024 के बीच आयोजित 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत ने इंग्लैण्ड को 4-1 से पराजित किया. यह पहली बार है, जब भारत ने पहला मैच हारने के बाद लगातार 4 टेस्ट मैच जीते हैं. इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन के लिए यशस्वी जायसवाल को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार दिया गया. उन्होंने कुल 9 पारियों में 712 रन और 2 दोहरे शतक लगाए.

21. (D)

22. (B) रॉक फॉस्फेट घुलनशील फॉस्फोरस उर्वरकों के निर्माण के लिए आवश्यक कच्चा माल है. अतः इसका प्रयोग उर्वरक उद्योग में किया जाता है.

23. (D) वर्ष 2021-22 में मध्य प्रदेश में गेहूँ का उत्पादन 34·9 मिलियन टन, धान का उत्पादन 13·2 मिलियन टन तथा मक्का का उत्पादन 4·6 मिलियन टन था.

24. (D) ब्रिटेन की कम्पनी एसोसिएटेड इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के साथ मिलकर भोपाल के भेल कारखाने की 29 अगस्त, 1956 में नींव रखी गई.

25. (C) वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत भोपाल जनपद में 80·83%, इंदौर जनपद में 74·09%, ग्वालियर जनपद में 62·69% तथा जबलपुर जनपद में 58·46% था.

26. (D) विकल्प में दी गई महत्वपूर्ण बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं उससे सम्बन्धित राज्य—

- बाणसागर परियोजना तीन राज्यों—बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश का एक संयुक्त उद्यम है जिसके अन्तर्गत मध्य प्रदेश में सोन नदी पर बाणसागर डैम निर्मित किया गया था.
- राजघाट परियोजना में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्य शामिल हैं, इस परियोजना का निर्माण बेतवा नदी पर किया गया है.
- भांडेर नहर परियोजना—माताटीला बाँध से बाईं ओर नहर निकाली गई है जिसे भांडेर नहर के नाम से जाना जाता है. इससे मध्य प्रदेश के शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया क्षेत्र में सिंचाई की जाती है.
- सरदार सरोवर परियोजना भारत की सबसे बड़ी जल संसाधन परियोजनाओं में से एक है, जो चार प्रमुख राज्यों—महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान को कवर करती है.

27. (B) मध्य प्रदेश के पूर्वी तथा दक्षिण-पूर्वी क्षेत्रों में अधिकांश वर्षा बंगाल की खाड़ी की शाखा से, जबकि उत्तर-पश्चिम एवं मध्यवर्ती क्षेत्रों में दोनों शाखाओं (अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी) द्वारा वर्षा प्राप्त होती है.

28. (C) काली मिट्टी का निर्माण दक्कन ट्रैप की आग्नेय बेसाल्टिक चट्टानों की अपक्षय प्रक्रिया के कारण हुआ है. इसे रेगुर मिट्टी या कपास मृदा के नाम से भी जाना जाता है. मध्य प्रदेश की सभी प्रकार की मिट्टियों में काली मिट्टी का सबसे बड़ा हिस्सा (लगभग 47·6%) है. मध्य प्रदेश में काली मिट्टी मालवा पठार, नर्मदा-सोन घाटी और सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी में पाई जाती है. लोहा और चूने की अधिकता के कारण यह काले रंग की होती है.

29. (C) मध्य प्रदेश में बाँस के पेड़ों का राष्ट्रीयकरण 1973 में किया गया था. बाँस को हरा सोना कहा जाता है. साथ ही बाँस चीड़ की तुलना में 5 गुना अधिक कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर सकता है. मध्य प्रदेश में बाँस सिवनी, बालाघाट, मंडला, जबलपुर, सीधी, सीहोर, झाबुआ, उमरिया, शहडोल, होशंगाबाद एवं अन्य मिश्रित वनों में पाया जाता है.

30. (C) विन्ध्यन स्कार्पलैण्ड का दक्षिणी भाग भांडेर पठार कहलाता है. विंध्य की ढलानें बलुआ पत्थर से बनी हैं, जो चम्बल और सिंध बेसिन की स्थलाकृति को चिह्नित करती हैं. विंध्य की ढलानें दक्षिण-पूर्वी राजस्थान पठार का हिस्सा हैं. भांडेर पठार भारत में मध्य प्रदेश राज्य में स्थित एक पठार है. इसका क्षेत्रफल 10,000 वर्ग किमी है. इसके दक्षिण में दक्खिन पठार है और पूर्व में छोटा नागपुर पठार, जिन्हें यह सिन्धु-गंगा के मैदानों से जोड़ता है.

31. (A) ट्विटर जिसे वर्तमान में 'एक्स' (X) के नाम से जाना जाता है. एक सोशल नेटवर्किंग साइट है. ट्विटर को मार्च 2006 में जैक डोर्सी, नोआ ग्लास, बिज स्टोन और इवान विलियम्स द्वारा बनाया गया था और उसी वर्ष जुलाई में इसे लॉन्च किया गया था. वर्तमान में यह एलन मस्क के स्वामित्व में है.

32. (B) ट्यूरिंग परीक्षण, जिसे मूलतः एलन ट्यूरिंग ने 1950 में 'इमिटेशन गेम' कहा था, एक मशीन की मानव के समतुल्य या उससे अप्रभेद्य बुद्धिमान व्यवहार प्रदर्शित करने की क्षमता का परीक्षण है.

33. (A) ई-गवर्नेंस के चार स्तम्भ—लोग, प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी और संसाधन हैं.

34. (D)

35. (D) मशीन लर्निंग (एमएल) कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और कम्प्यूटर विज्ञान की एक शाखा है, जो डेटा और एल्गोरिद्म का उपयोग करके एआई को मनुष्यों के सीखने के तरीके की नकल करने में सक्षम बनाती है, जिससे धीरे-धीरे इसकी सटीकता में सुधार होता है.

36. (D) W3C का पूरा नाम वर्ल्ड वाइड वेब कंसोर्टियम है. W3C WWW (वर्ल्ड वाइड वेब) के लिए एक अन्तर्राष्ट्रीय स्थापना संगठन है.

37. (B) MPEG का पूरा नाम Moving Picture Experts Group है. MPEG, ISO (अन्तर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन) और IEC (अन्तर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल आयोग) द्वारा स्थापित विशेषज्ञों का एक समूह है, जो वीडियो या ऑडियो एन्कोडिंग और संचारण विनिर्देशों/मानकों को निर्धारित करता है.

38. (B) यूनिक्स ऑपरेटिंग सिस्टम का केन्द्रीय भाग 'कर्नल' (Kernel) होता है. यह प्रोग्रामों को समय और मेमोरी आवंटित करता है तथा सिस्टम कॉल के जवाब में फाइलस्टोर और संचार को सँभालता है.

39. (B, C) आयोग द्वारा दी गई अन्तिम उत्तर कुंजी में (B) और (C) को सही उत्तर माना गया है.

40. (A) कुर्रेंटली एक सर्च इंजन का उदाहरण है.

41. (B) G-20 की अवधारणा 1999 में एशियाई वित्त संकट के बाद वित्त मंत्रियों एवं केन्द्रीय बैंकों के गवर्नरों के एक मंच के रूप में अस्तित्व में आई तथापि इसका पहला शिखर सम्मेलन नवम्बर 2008 में वाशिंगटन डीसी (सं. रा. अमेरिका) में सम्पन्न हुआ, जिसमें सदस्य देशों के शासनाध्यक्षों/राष्ट्राध्यक्षों ने 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट से उपजी परिस्थितियों पर विचार-विमर्श किया.

42. (B) बैंकिंग रेगूलेशन (संशोधन) अधि-नियम-2007 से सांविधिक तरलता अनुपात की न्यूनतम सीमा हटाकर शून्य कर दी गई. उच्चतम सीमा 40% है.

43. (A) सितम्बर 2023 के अन्त में भारत पर बकाया विदेशी ऋण US$ 635·3 अरब था, जो सकल घरेलू उत्पाद का 18·6% था.

44. (C) वर्ष 2017-18 के वार्षिक औद्योगिक सर्वेक्षण के अनुसार देश में कारखानों की कुल संख्या 2,37,684 थी, जिसमें से मात्र 4,533 कारखाने मध्य प्रदेश में थे, जो देश के कुल कारखानों का 1·90 प्रतिशत था.

45. (B) कृषि प्रौद्योगिकी पहल के लिए एकीकृत नेटवर्क (Unified Network for Agriculture Technology Initiative) 2021 में प्रारम्भ की गई. इस परियोजना का लक्ष्य मध्य प्रदेश राज्य के भीतर कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों

में सूचित निर्णय लेने, योजना बनाने और जोखिम कम करने की सुविधा के लिए उपग्रह इमेजरी, ड्रोन डेटा, जीआईएस, जीपीएस और मोबाइल तकनीक जैसे—रिमोट सेंसिंग और जियो-आईसीटी उपकरण का लाभ उठाना है.

46. (C) समग्र शिक्षा अभियान 2018 में प्रारम्भ किया गया था, जिसमें सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान तथा शिक्षक शिक्षा को एक साथ मिलाकर नर्सरी से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षा को एक ही मंच पर लाया गया.

47. (B) वर्ष 2022-23 में भारत की प्रति व्यक्ति आय ₹ 1,69,496 (प्रचलित कीमतों पर) थी, जबकि मध्य प्रदेश में प्रचलित कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय ₹ 1,40,583 थी अर्थात् मध्य प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय, भारत की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में कम है.

48. (D) मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के चिन्नौर धान को 2021 में जीआई टैग मिला था. महाराष्ट्र राज्य के भंडारा जिले में भी चिन्नौर की खेती की जाती है. ऐसे में महाराष्ट्र द्वारा भी जीआई टैग का दावा किया गया था, लेकिन अंततः मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले को ही मान्यता दी गई. मध्य प्रदेश में सबसे अधिक धान की पैदावार बालाघाट जिले में होती है. भरपूर धान की उपज के कारण इसे मध्य प्रदेश का धान का कटोरा भी कहा जाता है.

49. (B) मध्य प्रदेश में एक जनपद एक उत्पाद के बारे में निम्नलिखित युग्म सही सुमेलित हैं—

(a) अशोक नगर—चन्देरी साड़ियाँ

(b) खरगौन—महेश्वरी साड़ियाँ एवं टाइगर प्रिन्ट

(c) बुरहानपुर—केला

(d) मंदसौर—लहसुन

50. (B) नीति आयोग की एसडीजी इण्डिया इण्डेक्स 2020 के अनुसार सूचकांक स्कोर रेंज के आधार पर राज्यों/केन्द्र-शासित क्षेत्रों को वर्गीकृत किया गया है. उसका आधार निम्नवत् है—

0-49 स्कोर : आकांक्षी

50-64 स्कोर : प्रदर्शक

65-99 स्कोर : अग्रणी

100 स्कोर : एचीवर

51. (B) धार जिले की भूमि पर सबसे महत्वपूर्ण या दर्शनीय जैन मन्दिर मोहन-खेड़ा जैन मंदिर है. धार से 50 किमी और सरदारपुर तहसील से लगभग 7 किमी दूर, यह जैन मन्दिर मुख्य रूप से सफेद संगमरमर का उपयोग करके बनाया गया है. इसका सम्बन्ध दादा गुरुदेव, श्रीमद् विजय राजेंद्र सूरीश्वर महाराज साहब से है. उनकी प्रेरणा और मार्गदर्शन में वर्ष 1884 में मोहनखेड़ा में भगवान आदिनाथ को मूलनायक बनाकर एक मंदिर का निर्माण किया गया था. वर्ष 1957 में गर्भगृह के ऊपर तीन शिखर वाली संगमरमर की संरचना के निर्माण के साथ मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया था. कमल मुद्रा में भगवान आदिनाथ मोहनखेड़ा तीर्थ के मुख्य देवता हैं. मुख्य मन्दिर के बाईं ओर कायोत्सर्ग मुद्रा (खड़े होकर ध्यान करते हुए) में भगवान आदिनाथ की 16 फीट लम्बी मूर्ति आँखों को आनंदित करती है. मन्दिर में राजेंद्र सूरीश्वर महाराज साहब का सुंदर समाधि मन्दिर है.

52. (D) विकल्प में दिए गए अभयारण्य एवं उनकी अवस्थिति—

- बोरी अभयारण्य—होशंगाबाद
- गंगऊ अभयारण्य—पन्ना
- करैरा अभयारण्य—शिवपुरी
- घाटीगाँव अभयारण्य—ग्वालियर

53. (C) गम्मत निमाड़ी बोली की नाट्य कला है. इसमें कलाकार निमाड़ी में संवाद और अभिनय कर अपनी बात प्रभावी रूप से रखते हैं. इसके जवाब में दूसरा व्यक्ति भी अपना पक्ष रखता है. दर्शकों को जोड़कर रखने के लिए इसमें हास्य का पुट भी होता है. गम्मत के साथ ही स्वांग भी रचा जाता है. इस विधा में किसी एक पात्र का स्वांग रखकर कलाकार प्रस्तुति देता है. गम्मत कलाकार शोभाराम वासुरे मंडलेश्वर पिछले 50 वर्षों से इस विधा से जुड़े हैं. उनके अनुसार यह विधा नृत्य, गायन और नाटक का संगम है. हारमोनियम, तबला, ढोलक पर गायन के साथ ही नाटक का मंचन किया जाता है. 10 से 12 कलाकार होते हैं. इनमें 2 या 3 मुख्य किरदार निभाते हैं. परम्परागत रूप से इस विधा को वे आगे बढ़ा रहे हैं. विशेष आयोजनों पर कई मंचों पर गम्मत की प्रस्तुति दे चुके हैं.

54. (C) कृष्णराव शंकर पण्डित (1894-1989) भारत के एक संगीतकार थे जिन्हें ग्वालियर घराने का प्रमुख गायक माना जाता है. उन्होंने संगीत से सम्बन्धित अनेक लेख एवं 8 पुस्तकों की रचना की है. उन्होंने शंकर गन्धर्व महाविद्यालय की स्थापना की. कृष्णरावजी न केवल ख्याल गायिकी की पुरानी शैली के निर्विवाद गुरु थे, बल्कि वे टप्पा, तराना, चतुरंग और ठुमरी प्रस्तुत करने में भी माहिर थे.

55. (A)

56. (A) शतपथ ब्राह्मण में उत्तर वैदिक-कालीन रेवा (नर्मदा) और सदानीरा (गंडक) नदियों का उल्लेख मिलता है.

57. (B) वराहमिहिर का जन्म 499 ई. में वर्तमान उज्जैन के पास कपित्था (कायथा) नामक गाँव में बसे ब्राह्मण परिवार में हुआ था.

58. (D) संस्कृत भाषा और गुप्तकालीन ब्राह्मी लिपि की दक्षिणी शैली में उत्कीर्ण यह अभिलेख मालवा के दशपुर नामक स्थान से प्राप्त हुआ है. इस अभिलेख की खोज करने और उसे प्रकाश में लाने का श्रेय कनिघम और फ्लीट महोदय को है. इस अभिलेख का मुख्य विषय गुप्त सम्राट कुमारगुप्त प्रथम के गोप्ता विश्ववर्मा के पुत्र बन्धुवर्मा के समय में प्राचीन दशपुर (आधुनिक मन्दसौर) नामक नगर के 'पट्टवाय श्रेणी' के द्वारा मालव संवत् 413 में एक सूर्य-मन्दिर का निर्माण और मालव संवत् 521 में उसका जीर्णोद्धार है.

- अभिलेख के प्रारम्भिक तीन श्लोकों में सूर्य-स्तुति की गई है. वैदिक साहित्य में सूर्योपासना का उल्लेख मिलता है.
- इस प्रशस्ति में लाट में रहने वाले 'तन्तुवाय श्रेणी' के दशपुर नगर में जाकर बसने का वर्णन है.

पट्टवायों की यह श्रेणी दशपुर में आकर अपने परम्परागत व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य व्यवसायों में भी संलग्न हो गई. यह अभिलेख उनकी कला-प्रियता का स्पष्ट प्रमाण है.

इस प्रशस्ति की रचना इतिहास प्रसिद्ध गुप्तवंश के राजा कुमारगुप्त द्वितीय के समय में 472 ई. में हुई.

59. (A) कोहबर मिथिला क्षेत्र में विवाह समारोह के दौरान बनाई जाने वाली सबसे शुभ धार्मिक पेंटिंग है. इसे घर की महिलाओं द्वारा विवाह कक्ष या 'कोहबर घर' की दीवारों पर चित्रित किया जाता है, जहाँ दूल्हा और दुल्हन भगवान और परिवार के बड़े सदस्यों से आशीर्वाद पाने के लिए विभिन्न 'पूजाएं' और अनुष्ठान करते हैं.

60. (B) सौंदनी शिलालेख की रचना कक्का के पुत्र कवि वसुला द्वारा की गई थी. इस

प्रशस्ति की रचना संस्कृत भाषा में है तथा लिपि उत्तर भारतीय ब्राह्मी है.

61. (B)

62. (C) अथर्ववेद में 'प्रजापति' नामक वैदिक देवता की दो पुत्रियों के रूप में सभा और समिति का उल्लेख किया गया है.

63. (D) 64. (A)

65. (D) धारणा का मतलब है एक समय में एक स्थान या वस्तु पर पूरा ध्यान केंद्रित करना. जागरूकता तेल की भाप की तरह निरन्तर प्रवाह है (धारा—सहज, निरन्तर प्रवाह). पानी के विपरीत, वह टूट जाता है और निरन्तर नहीं होता है. मन की इस गुणवत्ता को योगियों और लघु द्वारा 'एकाग्र'—मन की एकाग्र अवस्था के रूप में सन्दर्भित किया जाता है.
अष्टांग योगदर्शन में प्रथम 5 अंगों को बहिरंग योग साधना तथा अन्तिम तीन धारणा, ध्यान, समाधि को अन्तरंग योग साधना, इसलिए भी कहा जाता है, क्योंकि योग के लक्ष्य तक अन्त में धारणादि अतिशय समीप होते हैं. यम-नियम आदि अंग तो धारणादि तक अन्त में चित्त की शुद्धि तथा एकाग्रता करने में साधक को सहायक होते हैं.

66. (C) देवेन्द्रनाथ टैगोर ने वर्ष 1862 में केशव चंद्र सेन को 'आचार्य' नियुक्त किया. टैगोर ने केशव चंद्र सेन को ब्रह्मानंद की उपाधि दी. वर्ष 1865 में उन्हें पद से बर्खास्त कर दिया गया.

67. (B) 28 जुलाई, 1921 को, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने असहयोग आन्दोलन के तहत् नवम्बर में प्रिंस ऑफ वेल्स (जो बाद में किंग एडवर्ड VIII बन गए) की आगामी यात्रा का बहिष्कार करने का फैसला किया.

68. (C) कवलम माधव पणिक्कर, जिन्हें के. एम. पणिक्कर के नाम से भी जाना जाता है, एक भारतीय राजनेता और राजनयिक थे. वे एक प्रोफेसर, अखबार सम्पादक, इतिहासकार और उपन्यासकार भी थे. उनका जन्म त्रावणकोर में हुआ था, जो उस समय ब्रिटिश भारतीय साम्राज्य की एक रियासत थी और उनकी शिक्षा मद्रास और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में हुई थी.

69. (B) दुर्गेश नंदिनी एक बंगाली ऐतिहासिक रोमांस उपन्यास है, जो भारतीय लेखक बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1865 में लिखा गया था.

70. (B) मौर्यकाल में 'प्रदेष्टा' मौर्यकाल में न्यायालय दो प्रकार के होते थे—धर्मस्थीय और कंटकशोधन. 'प्रदेष्टा' कंटकशोधन न्यायालयों के न्यायाधीश को कहा जाता था. विविध अध्यक्षों और राजपुरुषों पर नियन्त्रण रखना और वे बेईमानी, चोरी, रिश्वत आदि से अपने को अलग रखें, इसका ध्यान रखना भी प्रदेष्टा का कार्य था.

71. (A)

72. (C) राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान मध्य प्रदेश में आदिवासी, लोक और पारम्परिक कला के क्षेत्र में महिला कलाकारों की रचनात्मकता को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है. इसकी स्थापना वर्ष 1996-97 में की गई थी. पहला देवी अहिल्या सम्मान तीजन बाई को दिया गया था.

73. (*) आयोग द्वारा प्रदान अन्तिम उत्तर कुंजी में इस प्रश्न को डिलीट कर दिया गया है.

74. (B, C) आयोग द्वारा प्रदान अन्तिम उत्तर कुंजी में (B) और (C) दोनों को सही उत्तर माना गया है.

75. (D) मध्य प्रदेश के आदिम जाति कल्याण विभाग के अन्तर्गत 25 मार्च, 1980 को आदिवासी परम्परा, सांस्कृतिक वैभव के संवर्धन और संरक्षण तथा आदिवासी समुदायों के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के समुचित प्रचार-प्रसार के लिए वन्या की स्थापना की गई थी. अपनी विभिन्न प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए वन्या विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है.

76. (C) टंट्या भील का जन्म सन् 1840 में तत्कालीन मध्य प्रांत के पूर्वी नीमाड़ (खंडवा जिले) की पंधाना तहसील के बड़ा अहीर गाँव में श्री भाऊसिंह भील के घर पर हुआ था. कहीं-कहीं पर सन् 1842 में इनके जन्म का उल्लेख भी मिलता है. टंट्या भील का वास्तविक नाम तोतिया था. उन्हें प्यार से टंट्या मामा के नाम से भी पुकारा जाता था.

77. (B) रघुनाथ सिंह मंडलोई भिलाला जनजाति के नायक थे. 1857 के युद्ध में बड़वानी क्षेत्र में अन्याय के खिलाफ मोर्चा खोला और क्रांति युद्ध जारी रखा. अंतिम समय तक अपने स्वत्व और स्वाभिमान की रक्षा करते हुए उन्होंने देश के लिए बलिदान दिया.

78. (*) आयोग द्वारा इस प्रश्न को डिलीट किया गया है.

79. (C) श्री बादल भोई छिंदवाड़ा जिले के एक क्रांतिकारी आदिवासी नेता थे. उनका जन्म 1845 में परासिया तहसील के डूंगरिया तीतरा गाँव में हुआ था. उनके नेतृत्व में 1923 में हजारों आदिवासियों को कलेक्टर बंगला में प्रदर्शित किया गया था, लाठीचार्ज किया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. 21 अगस्त, 1930 को उन्हें अंग्रेजों द्वारा रामाकोना (श्री विष्णुनाथ दामोदर के नेतृत्व में) पर वन नियम तोड़ने के लिए गिरफ्तार किया गया और जेल भेज दिया गया. 1940 में अंग्रेजों द्वारा उन्हें जहर दिए जाने के बाद उन्होंने अपनी अंतिम सांस जेल में छोड़ दी. राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के कारण, जनजातीय संग्रहालय का नाम बदलकर 'श्री बादल भोई राज्य जनजातीय संग्रहालय' कर दिया गया है. 15 अगस्त, 2003 से, आदिवासी संग्रहालय पर्यटकों के लिए रविवार को भी खोला जाता है.

80. (A) गोंड जनजाति द्वारा मड़ई या मांडवरा उत्सव मनाया जाता है. मड़ई महोत्सव आदिवासी क्षेत्र की आकर्षक परम्परा और संस्कृति को दर्शाता है. गोंड जनजाति के लोग मड़ई महोत्सव को बहुत उत्साह और जुनून के साथ मनाते हैं. मड़ई आमतौर पर स्थानीय कैलेंडर के आधार पर दिसम्बर की शुरुआत से मार्च के अंत तक मनाया जाता है. यह त्योहार छत्तीसगढ़ में एक जगह से दूसरी जगह तक जाता है.

81. (B) मूल अधिकारों एवं निदेशक तत्वों के संदर्भ में ऐसी परिस्थितियाँ व्याप्त हो सकती है, जब दोनों का प्रयोग एक-दूसरे के असंगत हो सकता है. चंपकम दोराईराजन *बनाम* मद्रास राज्य (1951) मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय में स्पष्ट रूप से अधिकथित किया कि निदेशक तत्वों को मूल अधिकारों के अनुरूप और उनके सहायक के रूप में कार्य करना होगा.

82. (A)

83. (D) संसद में परिसंघीय संरचना से सम्बन्धित विषय के संदर्भ में जिसमें राज्यों के विशेष एवं महत्वपूर्ण हित निहित हो विशेष बहुमत (सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत और उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों का कम-से-कम दो-तिहाई बहुमत) तथा कम-से-कम आधे राज्यों के विधानमण्डल के अनुसमर्थन की आवश्यकता होती है. वस्तु एवं सेवा कर परिषद् से सम्बन्धित अनुच्छेद 279क में संशोधन करने हेतु इसी प्रकार के बहुमत की आवश्यकता होगी.

84. (C) अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश में अवस्थित है.

85. (A) भारतीय संविधान में अनुच्छेद 165 के अधीन महाधिवक्ता के पद का सृजन किया गया है. यह राज्य का सर्वोच्च विधि अधिकारी होता है. इसकी नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा की जाती है. इस पद पर उसी व्यक्ति को नियुक्त किया जा सकता है, जो उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने की अर्हता रखता हो. अनुच्छेद 165(3) के अन्तर्गत महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है.

86. (A) 73वें संविधान संशोधन 1992 द्वारा पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देते हुए अनुसूची 11 को अंतःस्थापित किया गया था. इस अनुसूची में पंचायतों को सौंपें जा सकने वाले 29 विषयों की सूची प्रगणित है.

87. (C) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 61 में राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की प्रक्रिया का उल्लेख है. 'संविधान का अतिक्रमण' ही वह एकमात्र आधार है जब राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाया जा सकता है.

88. (C) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 76 भारत के महान्यायवादी पद का सृजन करता है. यह भारत सरकार का सर्वोच्च विधि अधिकारी होता है. इस पद पर उसी व्यक्ति को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है, जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने की योग्यता रखता है.

89. (B) प्रारूप समिति का गठन 29 अगस्त, 1947 को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की अध्यक्षता में किया गया था. इस सदस्यीय समिति में अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर, एन. गोपालास्वामी आयंगर, बी. आर. अम्बेडकर, के. एम. मुंशी, मोहम्मद सादुल्ला, बी. एल. मित्तर, डी. पी. खेतान शामिल थे.

90. (C) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 352 राष्ट्रपति को युद्ध, बाह्य आक्रमण, सशस्त्र विद्रोह के आधार पर आपातकाल की उदघोषणा करने की शक्ति प्रदान करता है. राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपात की उदघोषणा तभी की जा सकती है जब संघ का मंत्रिमण्डल लिखित रूप से इस आशय का प्रस्ताव उसे संसूचित रहे.

91. (B) डाउन सिंड्रोम, जिसे ट्राइसोमी 21 भी कहा जाता है, एक आनुवंशिक विकार है, जो एक अतिरिक्त गुणसूत्र की उपस्थिति के कारण होता है. आमतौर पर, शिशुओं को प्रत्येक माता-पिता से 23 गुणसूत्र प्राप्त होते हैं, कुल 46 गुणसूत्र होते हैं. डाउन सिंड्रोम के मामले में, व्यक्तियों में मानक जोड़ी के विपरीत, 21वें स्थान पर तीन गुणसूत्र होते हैं.

92. (D) राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 के सात प्राथमिक क्षेत्रों में—(i) स्वच्छ भारत अभियान, (ii) सन्तुलित स्वस्थ भोजन एवं व्यायाम, (iii) तम्बाकू, अल्कोहल एवं उसके पदार्थों का दुरुपयोग, (iv) यात्री सुरक्षा, (v) निर्भया नारी, (vi) कार्यस्थल पर तनाव कम करना एवं उन्नत सुरक्षा, (vii) आन्तरिक एवं बाह्य प्रदूषण कम करना.

93. (A) लेथिरस सैटिवस, जिसे खेसारी दाल के नाम से भी जाना जाता है, का अत्यधिक सेवन सबसे पुराने न्यूरोलॉजिकल विकार के लिए जिम्मेदार है, जिससे लकवा होता है. निचले अंगों के लकवा से जुड़े होने के कारण भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इस घातक खाद्य पदार्थ पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है.

94. (D) जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 1974 में जल प्रदूषण को रोकने और नियंत्रित करने के साथ-साथ पूरे देश में पानी की शुद्धता को बनाए रखने या बहाल करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था. 1988 में इस अधिनियम में संशोधन किए गए.

95. (A) भारत ने कई प्रमुख एसडीजी में पर्याप्त प्रगति देखी है—लक्ष्य 1 (गरीबी उन्मूलन), 2 (भूख शून्य), 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण), 6 (स्वच्छ जल और स्वच्छता), 7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा), 9 (उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढाँचा), 11 (स्थायी शहर और समुदाय), 12 (जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन), 13 (जलवायु कार्रवाई), 15 (भूमि पर जीवन) और 16 (शांति, न्याय और मजबूत संस्थान).

96. (B, C) आयोग द्वारा जारी अन्तिम उत्तर कुंजी में (B) और (C) दोनों को सही उत्तर माना गया है.

97. (B) जमीन से वायुमण्डल के शीर्ष तक हवा के एक स्तंभ में ओजोन परत की मोटाई को डॉबसन इकाइयों (DU) के संदर्भ में मापा जाता है.

98. (B) ग्रीवा रीढ़ कपाल से बाहर निकलते समय रीढ़ की हड्डी की सुरक्षा के रूप में कार्य करती है. केवल 7 ग्रीवा कशेरुक होने के बावजूद, ग्रीवा तंत्रिकाओं के 8 जोड़े हैं, जिन्हें C1 से C8 कहा जाता है.

99. (A) मंगल ऑर्बिटर मिशन (MOM), मंगल ग्रह के लिए भारत का पहला अंतरग्रहीय मिशन, 5 नवम्बर, 2013 को पीएसएलवी-सी25 पर लॉन्च किया गया था.

100. (D) पीएसएलवी-सी37 ने एक ही उड़ान में 104 उपग्रहों को सफलतापूर्वक लॉन्च किया.

●●●

▪ नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित ▪ वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर सहित
▪ गत वर्ष का हल प्रश्न-पत्र ▪ मॉडल हल प्रश्न-पत्र ▪ आपकी सफलता में सहायक

उपकार
नेतरहाट
आवासीय विद्यालय
प्रवेश परीक्षा

कक्षा 6 में प्रवेश हेतु

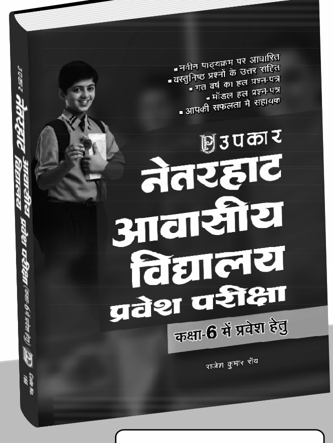

लेखक : राजेश कुमार रॉय

Code 166
₹ 335.00

उपकार प्रकाशन, आगरा
• E-mail : care@upkar.in
• Website : www.upkar.in

उत्तराखण्ड पीएससी परीक्षा (14 जुलाई, 2024) का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

1. मिशन 'दिव्यास्त्र' निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है ?
(A) एम.आई.आर.वी. तकनीक से
(B) पृथ्वी मिसाइल प्रणाली से
(C) माउंटेड गन प्रणाली से
(D) टोही वाहन से

2. फरवरी 2024 में कौनसा बैंक समाचारों में था जिसने अपना प्रथम सतत्/स्थायी वित्त बॉण्ड इश्यू जारी करके 300 मिलियन डॉलर जुटाए ?
(A) एच.डी.एफ.सी.
(B) साउथ इंडियन बैंक
(C) एक्सिस बैंक
(D) यस बैंक

3. उर्दू कवि गुलजार के अलावा, 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार के अन्य प्राप्तकर्ता कौन हैं ?
(A) दामोदर मौजो
(B) कृष्णा सोबती
(C) जगद्गुरु रामभद्राचार्य
(D) मनोज मुंतशिर

4. भारत सरकार ने ओ-स्मार्ट योजना को 2026 तक आगे बढ़ा दिया है जिसका उद्देश्य है—
(A) आउटर स्पेस (अन्तरिक्ष) विकास कार्य
(B) ऑप्टिकल फाइबर उत्पादन आर एंड डी
(C) स्मार्ट शहरों में ऑक्सीजन प्लांट
(D) महासागर (ओशन) विकास कार्य

5. ज्योति अत्रे से पहले माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे उम्रदराज भारतीय महिला का रिकॉर्ड किसके नाम था ?
(A) पियाली बसाक
(B) संगीता बहल
(C) शेफाली सिंह
(D) कामिया

6. किस शहर में 37वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन अक्टूबर 2023 में हुआ था ?
(A) रांची, झारखण्ड
(B) इंदौर, मध्य प्रदेश
(C) बाम्बोलिम, गोवा
(D) गुवाहाटी, असम

7. 19वें एशियन गेम्स हांगझोऊ 2023 में भारत को कुल कितने स्वर्ण पदक प्राप्त हुए थे ?
(A) 28 (B) 38
(C) 26 (D) 36

8. फरवरी 2024 में यूनाइटेड किंगडम के किंग चार्ल्स III से मानद नाटइटहुड प्राप्त करने वाले पहले भारतीय नागरिक कौन हैं ?
(A) आनंद महिंद्रा
(B) सुनील भारती मित्तल
(C) रतन टाटा
(D) मुकेश अम्बानी

9. निम्नलिखित में से कौनसी फिल्म 96वें अकेडमी अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फीचर फिल्म के खिताब की विजेता थी ?
(A) द बॉय एंड द हेरोन
(B) इलिमेन्टल
(C) रोबोट ड्रीमज
(D) वॉर इज ओवर

10. डेनियल काहनेमन, जिनका मार्च 2024 में निधन हुआ था, को 2002 में नोबेल पुरस्कार किस विषय में दिया गया ?
(A) साहित्य (B) समाजशास्त्र
(C) मनोविज्ञान (D) अर्थशास्त्र

11. राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2024 में प्रथम पुरस्कार किसने जीता है ?
(A) अंशिका सिंह
(B) यतिन भास्कर दुग्गल
(C) राधिका गोयल
(D) कनिष्का शर्मा

12. 'प्रवासी भारतीय दिवस' (पी.बी.डी.) या एन.आर.आई. दिवस भारत में हर वर्ष किस तिथि को मनाया जाता है ?
(A) 19 जनवरी (B) 9 जनवरी
(C) 11 जनवरी (D) 12 जनवरी

13. मार्च 2024 में किसने सीमा सुरक्षा बल की पहली महिला निशानेबाज के रूप में इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाया ?
(A) अनुपमा सिंह
(B) सपना सिंह
(C) सुमन कुमारी
(D) वसुधा गुप्ता

14. अन्तर्राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा सूचकांक 2024 में भारत का स्थान क्या है ?
(A) 40वाँ (B) 43वाँ
(C) 45वाँ (D) 42वाँ

15. बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (बिमस्टेक) का स्थायी सचिवालय कहाँ स्थित है ?
(A) नई दिल्ली (B) कोलंबो
(C) ढाका (D) काठमांडू

16. निम्नलिखित में से किस पुस्तक ने अन्तर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2024 जीता है ?
(A) टाइम शेल्टर
(B) कैरोस
(C) वेस्टर्न लेन
(D) ट्रस्ट

17. मार्च 2024 में किस कम्पनी ने शैक्षिक प्लेटफॉर्म 'उडेसिटी' को अधिगृहीत किया है ?
(A) आई.बी.एम. ने
(B) एपल ने
(C) एक्सेंचर ने
(D) इन्फोसिस ने

18. तीलु रौतेली राज्य पुरस्कार 2023 से सम्मानित निवेदिता कार्की का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किस खेल से है ?
(A) दौड़
(B) कला एवं योग
(C) पर्वतारोहण
(D) मुक्केबाजी

19. भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा आम चुनाव-2024 के लिए घोषित सात चरणों में से किस चरण में उत्तराखण्ड में चुनाव सम्पन्न हुए ?
(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) चतुर्थ (D) सप्तम्

20. उत्तराखण्ड का निम्नलिखित में से कौनसा नृत्य/उत्सव यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल है ?
(A) रम्माण (B) चांचरी
(C) छोलिया (D) झुमैलो

21. उत्तराखण्ड की पहली महिला मुख्य सचिव किसे नियुक्त किया गया है ?
(A) मनीषा पंवार
(B) राधा रतूड़ी
(C) राधिका झा
(D) दिव्या मित्तल

22. 'पूर्णागिरि' नामक हिन्दू धर्मतीर्थ उत्तराखण्ड के निम्नलिखित में से किस जिले में है ?
(A) अल्मोड़ा (B) पिथौरागढ़
(C) चम्पावत (D) रुद्रप्रयाग

23. निम्नलिखित में से किसका मुख्यालय उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून में अवस्थित है ?
(A) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
(B) भारतीय सर्वेक्षण विभाग
(C) भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
(D) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

24. मानसखण्ड कॉरिडोर यात्रा के लिए किस रेलवे स्टेशन से ट्रेन शुरू करने का प्रस्ताव था ?
(A) कोलकाता (B) चेन्नई
(C) पुणे (D) पुरी

25. उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय की प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश के रूप में किन्हें नियुक्त किया गया है ?
(A) जस्टिस भानुमति
(B) जस्टिस रितु बाहरी
(C) जस्टिस इंदु मल्होत्रा
(D) जस्टिस बेला त्रिवेदी

26. अन्तर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक गेम्स 2028 में निम्नलिखित में से किन नए खेलों का प्रस्ताव स्वीकृत किया है ?
(A) टी-20 क्रिकेट, बेसबॉल, फ्लैग फुटबॉल, स्क्वैश
(B) टी-20 क्रिकेट, फैंसिंग, बेसबॉल, रग्बी
(C) टी-20 क्रिकेट, स्क्वैश, फैंसिंग, पोलो
(D) टी-20 क्रिकेट, फैंसिंग, कबड्डी, स्केटिंग

27. अन्तरिक्ष यात्री ओलेग कोनानेंको जिसने सबसे अधिक कुल समय अन्तरिक्ष में बिताने का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है, किस देश से सम्बन्ध रखते हैं ?
(A) यूक्रेन से
(B) जापान से
(C) यू.एस.ए. से
(D) रूस से

28. 2023 में यूनेस्को की 'रचनात्मक शहर नेटवर्क' (यू.सी.सी.एन.) सूची में किस भारतीय शहर को 'साहित्य का शहर' के रूप में शामिल किया गया है ?
(A) पुणे
(B) ग्वालियर
(C) कोझिकोड
(D) जयपुर

29. सेना में 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का दायित्वपूर्ण उपयोग' पर पहला अन्तर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन किस देश में सम्पन्न हुआ था ?
(A) फ्रांस (B) जर्मनी
(C) इंग्लैण्ड (D) नीदरलैण्ड

30. 'मिलिन्द पण्ह' महाराज मिलिन्द के प्रश्नों पर आधारित है. यह किस भाषा में लिखा गया है ?
(A) संस्कृत (B) हिन्दी
(C) पालि (D) अरबी

31. शाहजहाँ ने अपने किस पुत्र को 'शाह इकबाल' की उपाधि से नवाजा ?
(A) दारा शिकोह
(B) शुजा
(C) औरंगजेब
(D) मुराद

32. नीचे दिए गए बाबर के युद्धों को काल-क्रमानुसार व्यवस्थित करें—
1. घाघरा का युद्ध
2. पानीपत का प्रथम युद्ध
3. चंदेरी का युद्ध
4. खानवा का युद्ध
(A) 4, 2, 1, 3 (B) 2, 4, 3, 1
(C) 3, 1, 2, 4 (D) 1, 4, 3, 2

33. जियाउद्दीन बरनी ने निम्नलिखित में से किसकी रचना की ?
(A) तारीख-ए-मुबारक शाही
(B) फतावा-ए-जहाँदारी
(C) जैन-उल-अखबार
(D) तारीख-ए-मुहम्मदी

34. अकबर ने किस क्षेत्र की विजय को यादगार बनाने के लिए 'बुलन्द दरवाजा' का निर्माण किया ?
(A) सिंध (B) मुलतान
(C) उड़ीसा (D) गुजरात

35. 1336 ई. में विजयनगर साम्राज्य की स्थापना किसने की थी ?
(A) रामराय
(B) कृष्णदेव राय
(C) हरिहर तथा बुक्का
(D) अच्युत राय

36. भारत में अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था का 'मैग्ना कार्टा' किसे कहा जाता है ?
(A) मैकाले का स्मरणपत्र, 2 फरवरी, 1835
(B) शिक्षा पर वुड्स डिसपैच, 1854
(C) हन्टर शिक्षा आयोग, 1882-83
(D) हार्टोग समिति, 1929

37. 'अलीगढ़ आंदोलन' का शुरुआती लक्ष्य क्या था ?
(A) परम्परागत मुस्लिम शिक्षा में सुधार को प्रश्रय देना
(B) भारत में धार्मिक आधार पर मुस्लिम राज्य की स्थापना करना
(C) पश्चिमी वैज्ञानिक शिक्षा को भारत के मुस्लिमों के बीच प्रश्रय देना
(D) अंग्रेजों के खिलाफ हिन्दू-मुस्लिम एकता को बढ़ावा देना

38. बनारस का सेंट्रल हिन्दू स्कूल जो बाद में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ, उसकी स्थापना किसने की ?
(A) मैडम कामा
(B) सरोजिनी नायडू
(C) एनी बेसेन्ट
(D) सुचेता कृपलानी

39. राजा राममोहन राय के विचारों को प्रचारित करने के लिए 1839 में 'तत्वबोधिनी सभा' की स्थापना किसने की ?
(A) ईश्वरचंद्र विद्यासागर
(B) दयानन्द सरस्वती
(C) देवेन्द्रनाथ टैगोर
(D) बालशास्त्री जामबेकर

40. 1858-59 में लिखित नाटक 'नील दर्पण' नील उत्पादकों की व्यथा उजागर करता है. यह किसने लिखा है ?
(A) रबीन्द्रनाथ टैगोर
(B) दीनबन्धु मित्र
(C) बंकिमचंद्र चटर्जी
(D) अक्षय कुमार दत्त

41. बंगाल का विभाजन 1905 में लॉर्ड कर्जन द्वारा किया गया. किस वर्ष यह विभाजन रद्द किया गया ?
(A) 1905 (B) 1909
(C) 1910 (D) 1911

42. किसने कहा था कि ब्राह्मण और श्रमण दार्शनिकों के दो प्रकार थे ?
(A) कौटिल्य
(B) मेगस्थनीज
(C) उपगुप्त
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

43. सुदर्शन झील का निर्माण किसने किया ?
(A) चंद्रगुप्त मौर्य
(B) समुद्रगुप्त
(C) चंद्रगुप्त विक्रमादित्य
(D) बिम्बिसार

44. आजीवक सम्प्रदाय की स्थापना किसने की ?
(A) मक्खलि गोशाल
(B) वासुबंधु
(C) उपगुप्त
(D) दिग्नाग

45. विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना किसने की थी ?
(A) कुमारिल भट्ट
(B) माध्वाचार्य
(C) धर्मपाल
(D) पुलकेशिन द्वितीय

46. किस मुगल बादशाह ने गंगा नदी के उद्गम स्थल को ढूँढ़ने हेतु गढ़वाल में सर्वेक्षण दल भेजा था ?
(A) अकबर (B) जहाँगीर
(C) शाहजहाँ (D) औरंगजेब

47. निम्नलिखित में से कौन गढ़वाल का राजकुमार मुगल दरबार में मनसबदार नियुक्त किया गया था ?
(A) मेदिनी शाह
(B) फतेहपति शाह
(C) उपेन्द्र शाह
(D) राम शाह

48. 'कुमाऊँ वाटर रूल्स' (कुमाऊँ जल सम्बन्धी कानून) किस वर्ष लागू किए गए ?
(A) 1874 (B) 1917
(C) 1940 (D) 1947

49. टिहरी रियासत में किस डिप्टी कमिश्नर के अधीन ठाकुर जोधसिंह नेगी बन्दोबस्त अधिकारी के रूप में नियुक्त किए गए थे ?
(A) ले. कर्नल यंग
(B) एच.वी. हियरसे
(C) विण्डह्म
(D) कैप्टेन हेडर

50. गढ़वाल के इतिहास में किस परमार शासक को 'गर्व-भंजन' के रूप में जाना जाता है ?
(A) श्याम शाह
(B) मान शाह
(C) महिपति शाह
(D) पृथ्वीपति शाह

51. निम्नलिखित में से कौनसा राजवंश तालेश्वर ताम्रशासनों से सम्बन्धित है ?
(A) नाग वंश (B) पौरव वंश
(C) कत्यूरी वंश (D) यदु वंश

52. 'बाड़ाहाट शक्ति स्तंभ' अभिलेख निम्न-लिखित में से किससे सम्बन्धित है ?
(A) गुह (B) सर्ववर्मन
(C) सेनवर्मन (D) चक्रेश्वर

53. उत्तराखण्ड में 'चौमू देवता' की पूजा की जाती है—
(A) वनों की सुरक्षा हेतु
(B) दुधारू मवेशियों की सुरक्षा हेतु
(C) फसलों की सुरक्षा हेतु
(D) बीमारियों से सुरक्षा हेतु

54. निम्नलिखित में से किन दो राज्यों के मध्य 'तामाढौंड' का युद्ध लड़ा गया ?
(A) गढ़वाल और सिरमौर
(B) कुमाऊँ और गढ़वाल
(C) तिब्बत और गढ़वाल
(D) तिब्बत और कुमाऊँ

55. सन् 1917 में अल्मोड़ा में आयोजित 'कुमाऊँ परिषद्' के प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की थी ?
(A) हरगोविन्द पन्त
(B) जयदत्त जोशी
(C) बद्रीदत्त पाण्डे
(D) गोविन्द बल्लभ पन्त

56. 'समता' समाचार-पत्र के संस्थापक कौन थे ?
(A) हरिप्रसाद टम्टा
(B) श्रीकृष्ण टम्टा
(C) रामप्रसाद टम्टा
(D) जयानंद भारती

57. निम्नलिखित सागरों में से किसमें लवणता सबसे अधिक है ?
(A) लाल सागर
(B) उत्तरी सागर
(C) अरब सागर
(D) भूमध्य सागर

58. 'खुदायी खिदमतगार' (खुदा के बन्दे) को इनके द्वारा स्थापित किया गया—
(A) शौकत अली
(B) खान अब्दुल गफ्फार खान
(C) एम.ए. जिन्नाह
(D) एम.ए. अंसारी

59. निम्नलिखित में से किस देश में आजाद हिन्द फौज का गठन हुआ था ?
(A) भारत (B) सिंगापुर
(C) जापान (D) जर्मनी

60. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित है ?

शैलाश्रय चित्र स्थल		**जनपद**
(A) कालामाटी	–	चम्पावत
(B) किमनीग्राम	–	उत्तरकाशी
(C) फडकानौली	–	चमोली
(D) मल्ला पैनाली	–	अल्मोड़ा

61. उत्तराखण्ड में 'चित्रेश्वर' प्रकार के सिक्के किसने निर्गत किए ?
(A) कत्यूरी (B) कुणिन्द
(C) चन्द (D) परमार

62. एपिरोजेनिक बल परिणाम है—
(A) पृथ्वी की क्षैतिज हलचल का
(B) पृथ्वी की लम्बवत् हलचल का
(C) बृहत् संचलन का
(D) विस्थापन का

63. सहारा मरुस्थल में उत्तर-पूर्व व पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली शुष्क पवनों को जाना जाता है—
(A) बोरा (B) सिरोक्को
(C) हरमैटन (D) मिस्ट्रल

64. 'लटकती घाटी' स्थलाकृति निम्नलिखित में से किस भू-आकृतिक प्रक्रिया से सम्बन्धित है ?
(A) वायु
(B) हिमानी
(C) समुद्री तरंगें
(D) बहता जल

65. भारत में उष्णकटिबन्धीय शुष्क पर्णपाती वन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहाँ वर्षा 25 से 75 सेमी के मध्य है.
2. ये हिमालय की तलहटी से निकलने वाली एक अनियमित चौड़ी पट्टी में पाए जाते हैं.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर को चुनिए—
कूट :
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) दोनों 1 और 2
(D) न तो 1 और न ही 2

66. निम्नलिखित प्रायद्वीपीय नदियों में से किस एक की प्रवाह लम्बाई सबसे अधिक है ?
(A) गोदावरी (B) कृष्णा
(C) नर्मदा (D) कावेरी

67. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा, भारत में 'लैटेराइट मिट्टी' के सन्दर्भ में सही नहीं है ?
(A) इनमें चूना व नाइट्रोजन की कमी होती है
(B) यह अच्छी निर्माण सामग्री प्रदान करती है
(C) यह निक्षालन प्रक्रिया से प्रभावित होती है
(D) यह नमी पोषक व अधिक चिकनी मृदा कारक (Clay factor) होती है

68. गंगा का मैदान व असम घाटी में सामान्यतः कौनसा अपवाह प्रतिरूप पाया जाता है, जो विस्तृत मैदान, मन्द ढाल, अधिक वर्षा व अनेक सहायक नदियों की विशेषता रखता है ?
(A) पूर्ववर्ती अपवाह प्रारूप
(B) द्रुमाकृतिक/वृक्षाकार अपवाह प्रारूप
(C) रेडियल/अरीय अपवाह प्रारूप
(D) आयताकार अपवाह प्रारूप

69. निम्नलिखित में से कौनसा एक वन समूह भारत के सर्वाधिक क्षेत्र में विस्तृत है ?
(A) उष्णकटिबंधीय आर्द्र सदाबहार
(B) उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती
(C) उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती
(D) उष्णकटिबंधीय अर्द्ध-सदाबहार

70. काबिनी नदी एक सहायक नदी है—
(A) कावेरी की (B) नर्मदा की
(C) तापी की (D) गोदावरी की

71. जब कोरियॉलिस प्रभाव दाब प्रवणता बल द्वारा प्रतिभारित हो जाता है, तो परिणामस्वरूप उत्पन्न पवन को जाना जाता है—
(A) ध्रुवीय पवनें
(B) प्रचलित पवनें
(C) भूस्थैतिक पवनें
(D) व्यापारिक पवनें

72. मैकमोहन रेखा निम्नलिखित विकल्पों में से किसके मध्य सीमा निर्धारित करती है ?
(A) सिक्किम एवं चीन
(B) अरुणाचल प्रदेश एवं चीन
(C) उत्तराखण्ड
(D) हिमाचल प्रदेश एवं चीन

73. एटॉल का आकार है—
(A) आयताकार
(B) दण्डाकार
(C) घोड़े की नाल/अंगूठी के आकार
(D) त्रिभुजाकार

74. सूर्य की चमकीलि बाह्य परत को जाना जाता है—
(A) फोटोस्फीयर
(B) आयनोस्फीयर
(C) मैसोस्फीयर
(D) सूर्य धब्बे

75. गढ़वाल हिमालय में अधिक ऊँचाई वाले चरागाहों में अस्थायी आवासों को किस नाम से जाना जाता है ?
(A) मैत (B) खर्क
(C) खादू (D) खरसाल

76. भारत की जनगणना 2011 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौनसे कथन सत्य हैं ?
1. उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी जिले में जनसंख्या घनत्व सबसे न्यूनतम है.
2. उत्तराखण्ड में रुद्रप्रयाग जिले का लिंगानुपात सर्वाधिक है.
3. उधमसिंह नगर में मुस्लिम आबादी का प्रतिशत सर्वाधिक है.
(A) कथन 1, 2 एवं 3 सत्य हैं
(B) कथन 2 एवं 3 सत्य हैं
(C) सभी कथन गलत हैं
(D) कथन 1 सत्य है

77. उत्तराखण्ड के किस राष्ट्रीय पार्क को 2015 में प्रोजेक्ट टाइगर स्कीम में सम्मिलित किया गया है ?
(A) जिमकॉर्बेट राष्ट्रीय पार्क
(B) राजाजी राष्ट्रीय पार्क
(C) गोविन्द राष्ट्रीय पार्क
(D) गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क

78. कुल जनसंख्या में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या के प्रतिशत (भारत की जनगणना-2011) के अनुसार जिलों को अवरोही क्रम में सुव्यवस्थित किया गया है. सही विकल्प का चयन कीजिए—
(A) उधमसिंह नगर, देहरादून, पिथौरागढ़, चमोली
(B) देहरादून, उधमसिंह नगर, पिथौरागढ़, चमोली
(C) उधमसिंह नगर, देहरादून, चमोली, पिथौरागढ़
(D) देहरादून, चमोली, पिथौरागढ़, उधमसिंह नगर

79. दुरमीताल उत्तराखण्ड के निम्नलिखित में से किस जनपद में स्थित है ?
(A) नैनीताल (B) चमोली
(C) रुद्रप्रयाग (D) पिथौरागढ़

80. जनपदों को महिला साक्षरता दर के अनुसार आरोही क्रम में सुव्यवस्थित किया गया है. सही विकल्प का चयन करें—
(A) उत्तरकाशी, उधमसिंह नगर, चमोली, नैनीताल
(B) उधमसिंह नगर, हरिद्वार, नैनीताल, उत्तरकाशी
(C) नैनीताल, चमोली, उधमसिंह नगर, उत्तरकाशी
(D) उत्तरकाशी, उधमसिंह नगर, नैनीताल, चमोली

81. निम्नलिखित सरिताओं में से कौनसी गिरथी नदी की सहायक नदी है ?
(A) कियोगाढ़ (B) कलसा नदी
(C) बौर नदी (D) रानी धारा

82. पौधारोपण हेतु 'मैती आन्दोलन' किसने प्रारम्भ किया था ?
(A) भगत सिंह रावत
(B) कल्याण सिंह रावत
(C) सुन्दरलाल बहुगुणा
(D) मोहन सिंह नेगी

83. दूधातोली पर्वत श्रेणी द्वारा पृथक किए गए नदी बेसिनों के सही युग्म का चुनाव करें—
(A) भागीरथी और भिलंगना बेसिन (नदी-घाटी)
(B) नयार और अगलार बेसिन (नदी-घाटी)
(C) पिण्डर और रामगंगा बेसिन (नदी-घाटी)
(D) भिलंगना और मन्दाकिनी बेसिन (नदी-घाटी)

84. निम्नलिखित में से कौनसा स्थल जाड़गंगा एवं भागीरथी नदी का संगम स्थल है ?
(A) भैंरोंघाटी (B) धरासू
(C) चीरबासा (D) भुजबासा

85. 'उण्टाधुरा दर्रा' उत्तराखण्ड के निम्नलिखित हिमनदों में से किस एक के समीप स्थित है ?
(A) पिण्डारी हिमनद
(B) मिलम हिमनद
(C) कफनी हिमनद
(D) सुन्दरढुंगा हिमनद

86. निम्नलिखित में से किसको परम्परागत रूप से उत्तराखण्ड में 'किसानों का सर्वोत्तम मित्र' कहा जाता है ?
(A) साल (B) टुन
(C) भीमल (D) ओक (बांज)

87. लोक लेखा समिति का मुख्य कार्य क्या है ?
(A) नियंत्रक महालेखा परिक्षक (कैग) के वार्षिक प्रतिवेदनों की जाँच करना
(B) सरकार की दैनिक गतिविधियों में हस्तक्षेप करना
(C) प्रधानमंत्री को सुझाव देना
(D) आदेश पारित करना

88. निम्नलिखित में से किस शहर में 'दक्षिण-पूर्व एशियाई सहयोग संगठन' (आसियान) का मुख्यालय अवस्थित है ?
(A) जकार्ता (B) बाली
(C) मनीला (D) हनोई

89. निम्नलिखित में से कौनसी सन्धि उसके लागू होने के वर्ष से मेल नहीं खाती ?
(A) परमाणु अप्रसार सन्धि-1970
(B) सामरिक शस्त्र परिसीमन वार्ताएं (2) समझौता-1967
(C) आंशिक परमाणु परिक्षण प्रतिबन्ध सन्धि-1963
(D) न्यूक्लीय मुक्त समुद्र तल सन्धि-1972

90. निम्नलिखित में से क्या भारतीय संविधान का दर्शन नहीं है ?
(A) साम्यवादी राज्य
(B) कल्याणकारी राज्य
(C) समाजवादी राज्य
(D) राजनीतिक समानता

91. 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत भारतीय संविधान की प्रस्तावना में निम्नलिखित में से कौनसे शब्द सम्मिलित नहीं थे ?
1. गणतंत्र 2. विश्वसनीय
3. समाजवादी 4. गैर-धार्मिक
(A) 1, 2, 3 (B) 2, 3, 4
(C) 1, 2, 4 (D) 3, 4

92. राष्ट्रपति द्वारा अध्यादेश लाए जाने की शक्ति के संदर्भ में निम्नलिखित में कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) यह संसद की विधायी शक्तियों से जुड़ा हुआ है

(B) अनुच्छेद 123 में इसका उल्लेख है
(C) संसद के सत्र के दोबारा शुरू होने के 6 सप्ताह बाद यह निष्प्रभावी हो जाएगा
(D) राष्ट्रपति द्वारा इसे कभी वापिस नहीं लिया जा सकता

93. नदियों एवं उन पर बनी हुई जल-विद्युत परियोजनाओं को सुमेलित करें—

परियोजना का नाम **नदी**
(a) कोटेश्वर 1. आसन
(b) कुल्हल 2. अलकनन्दा
(c) तपोवन विष्णुगाड़ 3. भागीरथी
(d) विष्णुप्रयाग 4. धौली

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	1	4
(B)	3	1	2	4
(C)	2	4	1	3
(D)	3	1	4	2

94. वन सर्वेक्षण रिपोर्ट-2021 के अनुसार, उत्तराखण्ड में निम्नलिखित में से किस जनपद का वनाच्छादित क्षेत्र सर्वाधिक (जनपद के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का वनों के अन्तर्गत प्रतिशत) है ?
(A) अल्मोड़ा (B) रुद्रप्रयाग
(C) देहरादून (D) टिहरी गढ़वाल

95. भारतीय संविधान के अनुसार निम्न-लिखित में से कौन राज्य का प्रमुख होता है ?
(A) प्रधानमंत्री (B) राष्ट्रपति
(C) गृहमंत्री (D) उपराष्ट्रपति

96. भारतीय संविधान का निम्नलिखित में से कौनसा भाग केन्द्र और राज्य के मध्य सम्बन्धों से सम्बन्धित है ?
(A) भाग-3 (B) भाग-4
(C) भाग-6 (D) भाग-11

97. भारत में रहने वाले ब्रिटिश नागरिक को निम्नलिखित में से कौनसा अधिकार प्राप्त नहीं है ?
(A) व्यापार एवं व्यवसाय की स्वतन्त्रता
(B) विधि के समक्ष समानता
(C) प्राण एवं दैहिक स्वतन्त्रता
(D) धार्मिक स्वतन्त्रता (विश्वास)

98. राष्ट्रपति के पास निम्नलिखित में से किन पर विनियम बनाने की शक्ति है ?
1. दादरा एवं नगर हवेली
2. दमन व दीव
3. गोवा, दमन व दीव
4. पुडुचेरी
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 2, 3
(C) 1, 3, 4 (D) 1, 2, 4

99. भारत के संविधान के निर्माताओं का मस्तिष्क निम्नलिखित में से किसमें परिलक्षित होता है ?
(A) प्रस्तावना
(B) मौलिक अधिकार
(C) राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत
(D) मौलिक कर्तव्य

100. निम्नलिखित में से कौन भारत के यूनेस्को रचनात्मक शहरों में से एक नहीं है ?
(A) वाराणसी (संगीत)
(B) कोझिकोड (साहित्य)
(C) चेन्नई (संगीत)
(D) पुणे (साहित्य)

101. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष को निम्नलिखित में से किसके द्वारा पद से हटाया जा सकता है ?
(A) प्रधानमंत्री द्वारा
(B) राष्ट्रपति द्वारा
(C) महाभियोग द्वारा
(D) मंत्रिपरिषद् द्वारा

102. राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) राज्य का यह कर्तव्य है कि कानून निर्माण में इन सिद्धान्तों को लागू करें
(B) यह देश के सुशासन में मौलिक हैं
(C) यह राज्य पर एक कानूनी कर्तव्य लागू करते हैं
(D) यह विधायिका और कार्यपालिका के लिए केवल निर्देश हैं

103. निम्नलिखित में से कौन उत्तराखण्ड का प्रथम मुख्यमंत्री था ?
(A) श्री सतपाल महाराज
(B) श्री नित्यानंद स्वामी
(C) श्री नारायण दत्त तिवारी
(D) श्री भगत सिंह कोश्यारी

104. उत्तराखण्ड की पहली विधान सभा में निम्नलिखित में से महिला विधायकों की कितनी संख्या थी ?
(A) 8 (आठ) (B) 7 (सात)
(C) 6 (छः) (D) 4 (चार)

105. लोक सभा के अध्यक्ष के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) अध्यक्ष पद ग्रहण के समय से 6 महीने के भीतर सदन का सदस्य बनना चाहिए
(B) जब तक वह सदन का सदस्य है तब तक अध्यक्ष रहता है
(C) अध्यक्ष लोक सभा के भंग होने पर भी अपने पद पर बना रहता है
(D) अध्यक्ष को लोक सभा के सदस्यों द्वारा हटाया जा सकता है

106. निम्नलिखित में से कौन अब अस्तित्व में नहीं है ?
(A) राष्ट्रीय महिला आयोग
(B) अल्पसंख्यक आयोग
(C) योजना आयोग
(D) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

107. निम्नलिखित में से किस लोक सभा ने अपना 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं किया ?
(A) आठवीं लोक सभा
(B) तेरहवीं लोक सभा
(C) दूसरी लोक सभा
(D) सोलहवीं लोक सभा

108. संविधान के निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के अन्तर्गत अन्तर्राज्यीय परिषद् की स्थापना की गई है ?
(A) अनुच्छेद 360
(B) अनुच्छेद 263
(C) अनुच्छेद 365
(D) अनुच्छेद 368

109. विदेश मुद्रा प्रबन्धन विनिमय (FEMA) कब अस्तित्व में आया ?
(A) 1973 (B) 1980
(C) 1998 (D) 1999

110. प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा सही नहीं है ?
(A) इसमें काले धन के सृजन से सम्बन्धित सभी प्रमुख अपराध सम्मिलित हैं
(B) कर चोरी एवं तस्करी मनी लॉन्ड्रिंग की परिभाषा से बाहर रखे गए हैं
(C) इस अधिनियम के दायरे में आने वाले केस गैर-जमानती होते हैं
(D) मनी लॉन्ड्रिंग डायरेक्टर को वित्तीय संस्थाओं द्वारा संधारित रिकॉर्ड मँगवाने का अधिकार नहीं है

111. वैश्विक अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स (BRICS) महत्वपूर्ण है. ब्रिक्स के सम्बन्ध में निम्नां-कित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) इसमें विश्व की जनसंख्या का 40 प्रतिशत से अधिक भाग आता है
(B) इसमें विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 24 प्रतिशत भाग आता है
(C) वैश्विक व्यापार का लगभग 46 प्रतिशत व्यापार इसमें सम्मिलित देशों से होता है
(D) प्रथम ब्रिक्स बैठक 2009 में रूस में सम्पन्न हुई थी

112. सतत् विकास रिपोर्ट 2023 के अनुसार भारत का स्थान (रैंक) क्या है ?
(A) 111वाँ (B) 112वाँ
(C) 131वाँ (D) 140वाँ

113. 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' (PM-KISAN) योजना प्रभाव में आई थी—
(A) 1 अप्रैल, 2018 से
(B) 24 फरवरी, 2019 से
(C) 1 दिसम्बर, 2019 से
(D) 1 अप्रैल, 2019 से

114. राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 के अनुसार, स्थिर जनसंख्या की स्थिति को प्राप्त करने का दीर्घकालिक उद्देश्य है—
(A) 2030 तक (B) 2035 तक
(C) 2040 तक (D) 2045 तक

115. निम्नलिखित में से कौन दक्षिण एशियाई वरीयता व्यापार करार (SAPTA) का सदस्य नहीं है ?
(A) चीन (B) मालदीव
(C) बांग्लादेश (D) नेपाल

116. किसी अर्थव्यवस्था में खाद्य और ऊर्जा की कीमतों सहित कुल मुद्रास्फीति का माप कहलाता है—
(A) शीर्ष (हेडलाइन) मुद्रास्फीति
(B) मूल (कोर) मुद्रास्फीति
(C) परिष्कृत मूल मुद्रास्फीति
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

117. निम्नलिखित में से कौन नीति आयोग की शासी परिषद् के भाग नहीं हैं ?
(A) सभी राज्यों के मुख्यमंत्री
(B) दिल्ली तथा पुदुचेरी के मुख्यमंत्री
(C) राज्यों के राज्यपाल
(D) अंडमान और निकोबार द्वीपों के लैफ्टिनेंट गवर्नर

118. निम्नलिखित में से कौन उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश नहीं रहे हैं ?
(A) विकास श्रीधर सिरपुकर
(B) जगदीश सिंह खेहर
(C) राघवेन्द्र सिंह चौहान
(D) पंकज पुरोहित

119. उत्तराखण्ड राज्य में निम्नलिखित में से कौनसी लोक सभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है ?
(A) नैनीताल (B) हरिद्वार
(C) अल्मोड़ा (D) पौड़ी-गढ़वाल

120. केन्द्र सरकार में उत्तराखण्ड से निम्नलिखित में से कौन वर्ष 2019 में मानव संसाधन विकास/शिक्षा मंत्री थे ?
(A) अजय टम्टा
(B) बी.सी. खंडूरी
(C) के.सी.पंत
(D) रमेश पोखरियाल 'निशंक'

121. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) शुरू किया गया था—
(A) 2007-08 में
(B) 2006-07 में
(C) 2008-09 में
(D) 2009-10 में

122. वर्ष 2022-23 में उत्तराखण्ड के किस जनपद का मछली उत्पादन में प्रथम स्थान रहा है ?
(A) देहरादून
(B) हरिद्वार
(C) उधमसिंह नगर
(D) टिहरी गढवाल

123. उत्तराखण्ड में किस जिले में कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का सर्वाधिक वन आवरण प्रतिशत है ?
(A) रुद्रप्रयाग (B) नैनीताल
(C) चम्पावत (D) पौड़ी गढ़वाल

124. उत्तराखण्ड सरकार ने राजकोषीय उत्तर-दायित्व एवं बजट प्रबन्धन अधिनियम कब पारित किया ?
(A) 2003 में (B) 2007 में
(C) 2005 में (D) 2009 में

125. एन.एफ.एच.एस. (NFHS) 2019-21 सर्वेक्षण के आधार पर, उत्तराखण्ड में बहुआयामी गरीबी 2019-21 में थी—
(A) 11·30 प्रतिशत
(B) 13·37 प्रतिशत
(C) 12·55 प्रतिशत
(D) 9·67 प्रतिशत

126. GHz शब्द कम्प्यूटर की किस विशेषता का सूचक है ?
(A) पिक्सेल की संख्या
(B) रेजोलुशन
(C) रफ्तार
(D) भण्डारण

127. निम्नलिखित में से कौनसी पाँचवी जनरेशन की ए.आई. प्रोग्रामिंग भाषा है ?
(A) SQL (B) C^{++}
(C) C (D) Prolog

128. 1200 से 2400 बिट प्रति सेकण्ड तक मध्यम गति संचार रेंज के लिए कौनसी मॉड्यूलेशन तकनीक को प्राथमिकता दी जाती है ?
(A) आयाम मॉड्यूलेशन
(B) आवृत्ति मॉड्यूलेशन
(C) चरण मॉड्यूलेशन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

129. 10 सेमी त्रिज्या की 100 कसकर लपेटे गए फेरों की किसी ऐसी कुंडली पर विचार कीजिए जिससे 1 A विद्युत् धारा प्रवाहित हो रही है. कुंडली के केन्द्र पर चुम्बकीय क्षेत्र का परिमाण क्या होगा ?
(A) $6{\cdot}28 \times 10^{-4}$ T
(B) $6{\cdot}28 \times 10^{-3}$ T
(C) $2{\cdot}68 \times 10^{-4}$ T
(D) $6{\cdot}82 \times 10^{-2}$ T

130. दो झिरियाँ 1 मिलीमीटर दूर बनाई गई हैं और परदे को 1 मीटर दूर रखा गया है. फ्रिंज अन्तराल कितना होगा जब 500 nm तरंगदैर्ध्य का नीला-हरा प्रकाश प्रयोग में लाया जाता है ?
(A) 0·5 मिमी (B) 0·5 मिमी
(C) 50 मिमी (D) 50 मी

131. एक 0·12 किग्रा द्रव्यमान की एक गेंद जो 20 मी/से$^{-1}$ की चाल से चल रही है, की दे ब्रॉग्ली तरंगदैर्ध्य क्या होंगी ?
(A) $6{\cdot}63 \times 10^{-30}$ मी
(B) $6{\cdot}63 \times 10^{-34}$ मी
(C) $2{\cdot}76 \times 10^{-30}$ मी
(D) $2{\cdot}76 \times 10^{-34}$ मी

132. खाद्य पदार्थों के डिब्बों के अन्दर जिंक के बजाय टिन का लेप होता है, क्योंकि—
(A) टिन की अपेक्षा जिंक ज्यादा महँगा है
(B) टिन की अपेक्षा जिंक का गलनांक अधिक है
(C) टिन की अपेक्षा जिंक अधिक अभिक्रियाशील है
(D) टिन की अपेक्षा जिंक कम अभिक्रिया-शील है

133. जनगणना 2011 के अनुसार, उत्तराखण्ड के किस जनपद में महिला सारक्षता दर सबसे कम थी ?
(A) हरिद्वार (B) उधमसिंह नगर
(C) उत्तरकाशी (D) टिहरी गढ़वाल

134. उत्तराखण्ड का कितना प्रतिशत (लगभग) भाग मैदानी है ?
(A) 25 (B) 18
(C) 14 (D) 20

135. निम्नलिखित में से कौनसा कार्यक्रम राष्ट्रीय सम्पोषणीय कृषि मिशन (NMSA) से सम्बन्धित नहीं है ?
(A) RAD (B) SHC
(C) RKVY (D) PM-KSY

136. उत्तराखण्ड में UTDB की स्थापना ……… को प्रोत्साहन देने के लिए की गई है.
(A) तकनीक (B) पर्यटन
(C) व्यापार (D) प्रशिक्षण

137. कौनसा संवैधानिक संशोधन अधिनियम पर्यावरण की सुरक्षा और सुधार तथा वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा से सम्बन्धित है ?
(A) 1972 (B) 1974
(C) 1976 (D) 1978

138. निम्नलिखित में से कौन हाइड्रोफाइट्स को आर्द्रभूमि और दलदल में पनपने में मदद करता है, जहाँ समय-समय पर जलस्तर में उतार-चढ़ाव होता है ?
(A) राइजोमैट्स जड़ें
(B) जलमग्न जड़ें
(C) एरेनकाइमा ऊतक
(D) राइजोफोर

139. ग्लोबल वार्मिंग में विभिन्न ग्रीन हाउस गैसों का सापेक्ष योगदान नीचे दिया गया है. गलत जोड़ी की पहचान करें—
(A) CH_4 – 20%
(B) CFCs—14%
(C) CO_2—40%
(D) N_2O—6%

140. एंटिबायोटिक शब्द किसके द्वारा गढ़ा गया ?
(A) डैवी और रत्नौफ
(B) ऐडवर्ड ओ. विलसन
(C) एम. पर्ल
(D) सेलमैन वॉक्समैन

141. निम्नलिखित में से कौनसा पुनः संयोजक डी.एन.ए. प्रौद्योगिकी द्वारा उत्पादित पहला मानव हॉर्मोन है ?
(A) इस्ट्रोजन (B) टैस्टोस्टेरोन
(C) इंसुलिन (D) थाइरोक्सीन

142. हाइब्रिडोमा तकनीक किसके द्वारा विकसित की गई थी ?
(A) लुइस पाश्चर
(B) जॉर्ज कोहलर और सिसर मिलस्टीन
(C) ऐडवर्ड जेनर
(D) बरनेट

143. निम्नलिखित में से किसका उपयोग किडनी प्रतिरोपण के लिए प्रतिरक्षा दमनकारी के रूप में किया जाता है ?
(A) प्रतिजैविक
(B) वैक्सिन
(C) इंटरफेरोन
(D) मोनोक्लोनल प्रतिरक्षी

144. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है ?
(A) गोविन्द वन्यजीव विहार—1955
(B) फूलों की घाटी—1982
(C) केदारनाथ वन्यजीव विहार—1979
(D) अस्कोट वन्यजीव विहार—1986

145. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है ?
(A) सोना नदी वन्यजीव विहार—पौड़ी गढ़वाल
(B) अस्कोट वन्यजीव विहार—पिथौरा-गढ़
(C) गोवन्द वन्यजीव विहार—चमोली गढ़वाल
(D) बिनसर वन्यजीव विहार—अल्मोड़ा

146. 2024 के लोक सभा चुनाव के दौरान 'मालोगाम' नाम के जिस पोलिंग स्टेशन पर एक ही वोटर था, वह किस राज्य में स्थित है ?
(A) हिमाचल प्रदेश
(B) असम
(C) अरुणाचल प्रदेश
(D) मिजोरम

147. एक रेडियोधर्मी पदार्थ की अर्धआयु 4 महीना है; इस पदार्थ का $\frac{3}{4}$ भाग क्षय होने में कितना समय लगेगा ?
(A) 12 महीने (B) 8 महीने
(C) 4 महीने (D) 3 महीने

148. निम्नलिखित में से कौनसी एक सबसे अधिक क्रियाशील धातु है—
(A) सोडियम (B) पोटैशियम
(C) कैल्सियम (D) आयरन

149. भौगोलिक क्षेत्र जो विशेष रूप से स्थानिक, दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों में समृद्ध हैं और अपेक्षाकृत छोटे क्षेत्रों में सीमित व निवास स्थान के नुकसान का सामना कर रहे हैं, उन्हें कहा जाता है—
(A) रेड स्पॉट्स (B) ग्लो स्पॉट्स
(C) हॉट स्पॉट्स (D) वेट स्पॉट्स

150. वे जीव जो 0-15°C तापमान में सबसे अच्छी वृद्धि करते हैं, कहलाते हैं—
(A) थर्मोफाइल्स
(B) साइक्रोफाइल्स
(C) हाइड्रोफाइल्स
(D) मीजोफाइल्स

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मार्च 2024 में स्वदेशी रूप से विकसित अग्नि-5 मिसाइल का मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) तकनीक से पहला सफल उड़ान परीक्षण किया. मिशन 'दिव्यास्त्र' नामक उड़ान परीक्षण ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया.

2. (A) एचडीएफसी बैंक लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसने अपने पहले सस्टेनेबल फाइनेंस बॉण्ड इश्यू के जरिए 300 मिलियन डॉलर जुटाए हैं. यह रेगुलेशन एस बॉण्ड के जरिए जुटाए गए 750 मिलियन डॉलर के कुल का हिस्सा है, जबकि 300 मिलियन डॉलर 3 साल की अवधि के लिए जुटाए गए हैं, जिसमें यूएस ट्रेजरी पर 95 बेसिस पॉइंट्स का स्प्रेड है, वहीं 5 वर्ष की अवधि के लिए 450 मिलियन डॉलर जुटाए गए हैं, जिसमें यूएस ट्रेजरी पर 108 बेसिस पॉइंट्स का स्प्रेड है. ये किसी भारतीय कम्पनी द्वारा जारी किए गए 3 वर्ष के सस्टेनेबल बॉण्ड और 5 वर्ष के सीनियर अनसिक्योर्ड बॉण्ड के लिए हासिल किए गए सबसे कम क्रेडिट स्प्रेड हैं, जो यूएसडी रेग एस इश्यू के समान आकार के लिए हैं.

3. (C) प्रख्यात उर्दू कवि गुलजार और संस्कृत विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. गुलजार के नाम से मशहूर सम्पूर्ण सिंह कालरा को हिन्दी सिनेमा में उनके काम के लिए जाना जाता है और उन्हें बेहतरीन उर्दू कवियों में से एक माना जाता है.
चित्रकूट में तुलसी पीठ के संस्थापक और प्रमुख रामभद्राचार्य एक प्रसिद्ध हिन्दू आध्यात्मिक नेता, शिक्षक और चार महाकाव्यों सहित 240 से अधिक पुस्तकों और ग्रंथों के लेखक हैं.

4. (D) आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 24 नवम्बर, 2024 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की अम्ब्रेला योजना "महासागर सेवाएं, मॉडलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट)" को जारी रखने की मंजूरी दे दी जिसका क्रियान्वयन 2021–26 अवधि के दौरान ₹ 2177 करोड़ की कुल लागत से किया जाएगा. इस योजना में सात उप-योजनाएँ शामिल हैं, जैसे—महासागर प्रौद्योगिकी, महासागर मॉडलिंग और परामर्श सेवाएं (ओएमएएस), महासागर अवलोकन नेटवर्क (ओओएन), महासागर निर्जीव संसाधन, समुद्री सजीव संसाधन और पारिस्थितिकी (एमएलआरई), तटीय अनुसंधान और अनुसंधान पोतों का संचालन और रखरखाव.

5. (B) 19 मई, 2024 को भोपाल की ज्योति अत्रे दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे उम्रदराज भारतीय महिला बनीं। 55 वर्षीय ज्योति ने दूसरे प्रयास में 8848·86 मीटर की ऊँचाई पर जाकर नया रिकॉर्ड कायम किया. इससे पहले संगीता बहल ने 19 मई, 2018 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली भारत की सबसे उम्रदराज महिला का खिताब हासिल किया था.

6. (C) गोवा में 26 अक्टूबर से 9 नवम्बर, 2023 तक आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेलों में महाराष्ट्र 80 स्वर्ण, 69 रजत और 79 कांस्य पदकों सहित 228 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा.

7. (A) भारत ने चीन के हांग्जो में 19वें एशियाई खेलों में 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक के साथ रिकॉर्ड 107 पदक जीते.

8. (B) भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और अध्यक्ष, सुनील भारती मित्तल, भारत-ब्रिटेन व्यापार सम्बन्धों को आगे बढ़ाने के लिए किंग चार्ल्स तृतीय द्वारा मानद नाइटहुड, नाइट कमांडर ऑफ द मोस्ट एक्सेलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (केबीई) से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय नागरिक बन गए हैं.

9. (A) द बॉय एंड द हेरोन ने लॉस एंजिल्स में आयोजित 96वें अकादमी पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फीचर फिल्म के लिए अपना दूसरा ऑस्कर जीता है.

10. (D) 2002 में, एक शोध मनोवैज्ञानिक होने के बावजूद, काहनेमन को संभावना सिद्धांत में उनके कार्य के लिए आर्थिक विज्ञान में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार मिला.

11. (B) राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2024 का आयोजन 9 फरवरी, 2024 से 6 मार्च, 2024 तक पूरे देश में किया गया. इस वर्ष 'युवा आवाजें : राष्ट्र के परिवर्तन के लिए जुड़ें और सशक्त बनाएं' थीम पर यह आधारित है.

    राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2024 में हरियाणा के यतिन भास्कर दुग्गल ने प्रथम पुरस्कार जीता; तमिलनाडु की वैष्णा पिचाई और राजस्थान की कनिष्का शर्मा ने क्रमशः दूसरा और तीसरा पुरस्कार जीता.

12. (B) प्रवासी भारतीय दिवस (PBD) भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान को चिह्नित करने के लिए 2003 से हर वर्ष 9 जनवरी को मनाया जाता है.

13. (C) सब-इंस्पेक्टर सुमन कुमारी ने सीमा सुरक्षा बल (BSF) में पहली महिला स्नाइपर के रूप में शामिल होकर इतिहास रच दिया. उन्हें इंदौर के सेंट्रल स्कूल ऑफ वेपन्स एंड टैक्टिक्स (CSWT) में 'प्रशिक्षक ग्रेड' प्राप्त हुआ, जहाँ उन्होंने आठ सप्ताह का स्नाइपर प्रशिक्षण पूरा किया था.

14. (D) 2024 के लिए अन्तर्राष्ट्रीय आईपी सूचकांक में भारत 55 देशों में से 42वें स्थान पर है. यूएस चैम्बर ऑफ कॉमर्स के ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर के अन्तर्राष्ट्रीय आईपी सूचकांक के 12वें संस्करण के अनुसार भारत का समग्र स्कोर भी 38·64 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहा.

15. (C) 4 मार्च, 2014 को म्यांमार के नेपीता में आयोजित तीसरे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान बिम्सटेक स्थायी सचिवालय की स्थापना पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद, ढाका, बांग्लादेश में बिम्सटेक सचिवालय की स्थापना की गई, और 13 सितम्बर, 2014 को बांग्लादेश जनवादी गणराज्य की प्रधानमंत्री महामहिम शेख हसीना द्वारा इसका उद्‌घाटन किया गया. सचिवालय में महासचिव, निदेशक और ऐसे अन्य कर्मचारी शामिल होते हैं जिन्हें सदस्य राज्यों द्वारा अनुमोदित किया जा सकता है.

16. (B) जेनी एर्पेनबेक द्वारा लिखित और माइकल हॉफमैन द्वारा अनुवादित पुस्तक कैरोस को 2024 का अन्तर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता घोषित किया गया है.

17. (C) एक्सेंचर ने डिजिटल शिक्षा में अग्रणी कम्पनी उडेसिटी का अधिग्रहण किया है.

18. (D) उत्तराखण्ड की निवेदिता कार्की मुक्केबाजी से सम्बन्धित है.

19. (A) उत्तराखण्ड में 18वीं लोक सभा चुनाव (2024) 19 अप्रैल को पहले चरण में सम्पन्न हुए. गौरतलब है कि उत्तराखण्ड में लोक सभा की कुल 5 सीट है.

20. (A) रम्माण उत्तराखण्ड का लोक नृत्य है, जिसे 2009 में यूनेस्को की अमूर्त सूची में शामिल किया गया है. यह चमोली जिले के सलूर-डुंगरा नामक जुड़वाँ गाँवों में आयोजित किया जाता है.

21. (B) वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी राधा रतूड़ी को उत्तराखण्ड की पहली महिला मुख्य सचिव नियुक्त किया गया.

22. (C) पूर्णागिरी मंदिर उत्तराखण्ड के चम्पावत जिले के टनकपुर में स्थित है और इसे भारत के 108 सिद्धपीठों में से एक माना जाता है.

23. (B) सर्वे ऑफ इंडिया भारत का सबसे प्रमुख मानचित्र निर्माण संस्थान है. इसकी स्थापना 1767 में हुई थी. संस्थान का मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड में है.

24. (C) उत्तराखण्ड पर्यटन विभाग भारतीय रेलवे के सहयोग से कुमाऊँ क्षेत्र के प्राचीन मन्दिरों को लोकप्रिय बनाने के लिए 'मानसखण्ड कॉरिडोर यात्रा' शुरू करेगा. तीर्थयात्रा के लिये यात्रियों को पुणे से पिथौरागढ़ जिले के टनकपुर तक ले जाने के लिये एक समर्पित ट्रेन सेवा की व्यवस्था की गई है.

25. (B) जस्टिस रितु बाहरी उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय की वर्तमान और पहली महिला मुख्य न्यायाधीश हैं. उन्होंने 4 फरवरी, 2024 को पदभार ग्रहण किया.

26. (A) बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, क्रिकेट (टी-20), फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस (सिक्स) और स्क्वैश को आधिकारिक तौर पर ओलम्पिक गेम्स लॉस एंजिल्स 2028 (LA28) के कार्यक्रम में अतिरिक्त खेलों के रूप में शामिल किया गया है. यह निर्णय अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (IOC) के 141वें सत्र द्वारा लिया गया है.

27. (D) रूसी अंतरिक्ष यात्री ओलेग कोनोनेंको ने अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा समय बिताने का विश्व रिकॉर्ड बनाया. उन्होंने पृथ्वी के वायुमंडल से बाहर 878 दिन और 12 घंटे से ज्यादा समय बिताया, जो कुल मिलाकर लगभग 2·5 वर्ष था.

28. (C) हाल ही में, यूनेस्को ने यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन) के तहत् कोझिकोड को 'साहित्य के शहर' के रूप में मान्यता दी है.

29. (D) 15 और 16 फरवरी, 2024 को नीदरलैंड सरकार ने सैन्य क्षेत्र में उत्तरदायी कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर प्रथम वैश्विक शिखर सम्मेलन, REAIM 2023 की मेजबानी की.

30. (C) मिलिंदपन्हो, पालि भाषा में रचित एक बौद्ध ग्रंथ है, जिसमें बैक्ट्रिया के राजा मिलिंद और बौद्ध ऋषि नागसेन के बीच संवाद शामिल हैं. यह 100 ईसा पूर्व से 200 ईसवी के बीच का है.

31. (A) दारा शिकोह को शाहजहाँ ने 'सुल्तान बुलंद इकबाल' या शाहजादा-ए-बुलंद इकबाल की उपाधि दी थी. दारा शिकोह मुगल सम्राट शाहजहाँ का सबसे बड़ा पुत्र था.

32. (B)

युद्ध	वर्ष	युद्ध जिनके बीच लड़ा गया	विजेता
पानीपत की पहली लड़ाई	1526	बाबर *बनाम* इब्राहीम लोदी	बाबर
खानवा की लड़ाई	1527	बाबर *बनाम* राणा सांगा	बाबर
चंदेरी का युद्ध	1528	बाबर *बनाम* मदीनाराय	बाबर
घाघरा का युद्ध	1529	बाबर *बनाम* अफगान	बाबर

33. (B) बरनी की दो सबसे प्रसिद्ध रचनाएँ हैं—तारीख-ए-फिरोजशाही और फतवा-ए-जहाँदारी.
34. (D) 1575 में मुगल सम्राट अकबर द्वारा फतेहपुर सीकरी में बुलन्द दरवाजा बनवाया गया था. इसका निर्माण गुजरात पर उसकी जीत के उपलक्ष्य में किया गया था.
35. (C) विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ईस्वी में 'हरिहर प्रथम और बुक्का राय प्रथम' दो भाइयों द्वारा की गई थी.
36. (B) वुड्स डिस्पैच को भारत में अंग्रेजी शिक्षा के 'मैग्ना कार्टा' के रूप में जाना जाता है. यह सभी स्तरों पर जनता को शिक्षित करने के लिए ब्रिटिश शिक्षा नीति की पहली घोषणा थी.
37. C) सर सैयद अहमद खाँ ने 1875 में अलीगढ़ आंदोलन की शुरुआत की. इस आंदोलन का शुरुआती लक्ष्य पश्चिमी वैज्ञानिक शिक्षा को भारत के मुस्लिमों के बीच प्रश्रय देना था, क्योंकि सैयद अहमद खाँ का मानना था कि मुसलमानों का जीवन पाश्चात्य वैज्ञानिक ज्ञान और संस्कृति को अपनाकर ही सुधारा जा सकता है.
38. (C) उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में स्थित सेंट्रल हिंदू स्कूल एक ऐतिहासिक शैक्षणिक संस्थान है. एनी बेसेंट, एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता थियोसोफिस्ट और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सबसे प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों में से एक, ने इस स्कूल की नींव रखी थी. 7 जुलाई, 1898 को वाराणसी के कर्णघंटा में एक किराए के घर में सेंट्रल हिंदू स्कूल की स्थापना की गई थी. एनी बेसेंट ने युवाओं को भारतीय परम्पराओं और मूल्यों से ओत-प्रोत उच्च गुणवत्ता वाली आधुनिक शिक्षा देने के इरादे से इस तरह के संस्थान के निर्माण की वकालत की थी. बाद में, मार्च 1899 में, एनी बेसेंट ने इसे कमाच्छा में एक भवन में स्थानान्तरित कर दिया, जो उन्हें तत्कालीन काशी नरेश महाराजा प्रभु नारायण सिंह से उपहार के रूप में मिला था. स्कूल के पहले प्रिंसिपल डॉ. आर्थर रिचर्डसन थे, जो एक अंग्रेज वैज्ञानिक थे और जिन्होंने सम्मान के साथ स्नातक किया था. एनी बेसेंट ने 1914 में कॉलेज और स्कूल को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की सोसायटी को इस शर्त के साथ दे दिया कि इसका रखरखाव और देखभाल बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी.
39. (C) 6 अक्टूबर, 1839 को देवेन्द्रनाथ टैगोर ने कलकत्ता (अब कोलकाता) के जोरासांको में तत्वबोधिनी सभा की स्थापना की.
40. (B) नील दर्पण 1858 में दीनबंधु मित्रा द्वारा लिखित एक बंगाली नाटक है.
41. (D) 12 दिसम्बर, 1911 में लॉर्ड हार्डिंग द्वारा बंगाल का विभाजन रद्द कर दिया गया था.
42. (B)
43. (A) सुदर्शन झील का निर्माण मौर्य वंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य के आदेश पर सौराष्ट्र के राज्यपाल पुष्यगुप्त वैश्य द्वारा कराया गया था.
44. (A) आजीवक संप्रदाय की स्थापना 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में मक्खलि गोशाल ने की थी. यह एक श्रमण आंदोलन था और वैदिक धर्म, प्रारम्भिक बौद्ध धर्म और जैन धर्म का एक प्रमुख प्रतिद्वंद्वी था.
45. (C) पाल वंश के शासक धर्मपाल (783–820 ई.) ने विक्रमशिला की स्थापना की थी.
46. (A) अकबर ने गंगा नदी का उद्गम स्थल को ढूंढने हेतु गढ़वाल में सर्वेक्षण दल भेजा था. कई इतिहासकारों के अनुसार अकबर पीने के लिए केवल गंगा जल का ही सेवन करता था.
47. (A)
48. (B) 1917 में सरकार ने पहली बार "कुमाऊं में जल मिलों और जल के उपयोग से सम्बन्धित नियम" नामक नियम बनाए. इन नियमों में स्पष्ट शब्दों में सभी जल संसाधनों पर औपनिवेशिक सरकार का स्वामित्व निर्धारित किया गया था.
49. (C) 50. (C)
51. (B) तालेश्वर ताम्रपत्रों से पौरव वंश और राजधानी ब्रह्मपुर का पता चलता है. 1915 में अल्मोड़ा के देघाट के पास तालेश्वर मंदिर परिषद् में 6वीं शताब्दी के दो दुर्लभ ताम्रपत्र मिले थे, जिन्हें तालेश्वर ताम्रपत्र के नाम से जाना जाता है. इनमें से एक ताम्रपत्र राजा धुतिवर्मन के ब्रह्मपुर राज्य में मिला था और दूसरा ताम्रपत्र राजा विष्णुवर्मन ने बनवाया था. इस ताम्रपत्र पर ब्राह्मी लिपि में लिखा है.
52. (A) वर्तमान में उत्तरकाशी के नाम से जाना जाने वाला बाड़ाहाट, कई पुरातात्विक साक्ष्यों के अनुसार कभी नागवंशी राजाओं की राजधानी हुआ करता था. महापंडित राहुल सांकृत्यायन और ईटी एटकिंसन ने भी अपनी विश्व-प्रसिद्ध पुस्तकों में बाड़ाहाट को नागवंशी राजाओं की राजधानी बताया है. शक्ति स्तंभ, चमाला की चौरी और दत्तात्रेय मंदिर जैसे कई स्थान उस समय के हैं जब नागवंशी राजवंश इस क्षेत्र पर शासन करते थे. इतिहासकार शिव प्रसाद डबराल की पुस्तक "उत्तराखण्ड का इतिहास भाग-तीन" में बाड़ाहाट के शक्ति त्रिशूल का उल्लेख है. इतिहासकारों का कहना है कि त्रिशूल पर ब्राह्मी लिपि में नागवंशी राजा गणेश्वर और उनके बेटे गुहा के बारे में कुछ लिखा हुआ है.
53. (B) कुमाऊं के पशुचारकों के लोक देवता चौमू की जिन्हें भगवान शिव का प्रतीक माना जाता है. चौमू देवता का मूल स्थान उत्तराखण्ड के कुमाऊं क्षेत्र के चम्पावत जनपद में स्थित गुमदेश में हैं, किन्तु ऐसा कहा जाता है कि चम्पावत के अतिरिक्त पिथौरागढ़ में वड्डा के निकट चौपाता तथा अल्मोड़ा की रयूनी तथा द्वारसों पट्टियों और उनके निकटवर्ती इलाकों में भी इनका प्रभाव है. दरअसल इस देवता के चार मुख होने के कारण इन्हें चौमू देवता कहा जाता है, जो चतुर्मुखी पशुपति भगवान शिव का प्रतीक माने जाते हैं, लेकिन इसके साथ ही इनकी तुलना वैदिक देवता पूषन से भी की जाती है जिन्हें मार्गदर्शक व पशुचारकों का देवता माना जाता है. ऐसा कहा जाता है कि जब जंगल गई गाय रास्ता भटक जाती है तो यह देवता पशुओं को सकुशल गाँव तक पहुँचाते हैं और उनकी रक्षा करते हैं.
54. (B)

55. (B) कुमाऊँ परिषद् का पहला अधिवेशन 1917 में अल्मोड़ा में आयोजित किया गया था. जिसकी अध्यक्षता जयदत्त जोशी ने की. इस अधिवेशन का लक्ष्य इस परिषद् को बढ़ावा देना था, जिसके लिए लक्ष्मी दत्त शास्त्री को चुना गया.

56. (A) हरिप्रसाद टम्टा ने 1934 में हिन्दी साप्ताहिक पत्र समता का प्रकाशन शुरू किया.

57. (A) सामान्य से अधिक लवणता वाले समुद्र–(a) लाल सागर (34-410%), (b) फारस की खाड़ी (37-38%) और (c) भूमध्य सागर (37-3900%).

58. (B) 1929 ईस्वी में, खान अब्दुल गफ्फार खान के 'खुदाई खिदमतगार' (खुदा के बंदे) आन्दोलन की शुरुआत, भारत के उत्तर-पश्चिमी सीमान्त प्रान्त में अंग्रेजों का विरोध करने के लिए अहिंसक रूप से की.

59. (B) आजाद हिन्द फौज की स्थापना सबसे पहले 1942 ईस्वी में कैप्टन मोहन सिंह ने सिंगापुर में की थी. अक्टूबर 1943 को आजाद हिन्द फौज को सुभाष चन्द्र बोस द्वारा पुनर्जीवित किया गया था. इन्होंने दक्षिण पूर्व एशिया में रहने वाले भारतीयों की मदद ली और फिर से भारतीय राष्ट्रीय सेना का गठन किया.

60. (D)

61. (B) वर्ष 1979 में अल्मोड़ा जिले की कत्यूर घाटी से प्राप्त कुणिन्द शासकों के सिक्कों पर 'चित्रेश्वर' (शिव) का अंकन मिला है. वर्तमान में ये सिक्के अल्मोड़ा संग्रहालय में सुरक्षित हैं.

62. (B)

63. (C) हरमैटन यह ठंडी शुष्क उत्तर-पूर्वी हवा है, जो सहारा रेगिस्तान से गिनी की खाड़ी के उत्तरी तट और केप वर्डे द्वीप समूह तक बहती है.

64. (B) ग्लेशियर कटाव के माध्यम से यू-आकार की घाटियाँ बनाते हैं. लटकती घाटियाँ बड़ी यू-आकार की घाटियों के किनारों पर ऊपर पाई जाती हैं. लटकती घाटियाँ कोरियों के रूप में शुरू होती हैं, लेकिन समय के साथ, अधिक से अधिक कटाव एक लम्बी कोरी या एक छोटी यू-आकार की घाटी बनाता है.

65. (B) उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों में वर्षा 70–200 सेमी तक होती है.

66. (A) **भारत की शीर्ष 10 सबसे लम्बी नदियाँ उनकी लम्बाई के अनुसार किमी में**

नदी	भारत में लम्बाई (किमी)	कुल लम्बाई (किमी)
गंगा	2525	2525
गोदावरी	1464	1465
कृष्णा	1400	1400
यमुना	1376	1376
नर्मदा	1312	1312
सिंधु	1114	3180
ब्रह्मपुत्र	916	2900
महानदी	890	890
कावेरी	800	800
ताप्ती	724	724

67. (D) लैटेराइट मृदा का निर्माण लेटेराइट चट्टानों की टूट-फूट से होता है. यह मिट्टी चौरस उच्च भूमियों पर मिलती है. इस मिट्टी में फेरिक ऑक्साइड और बॉक्साइट प्रचुर मात्रा में होते हैं. इनमें चूना, मैग्नेशिया, पोटाश और नाइट्रोजन की अत्यधिक मात्रा कमी होती है.

यह मिट्टी, चाय, कहवा आदि फसलों के लिए उपयोगी है, क्योंकि यह मिट्टी अम्लीय होती है. इस मिट्टी के क्षेत्र अधिकांशतः कर्क रेखा तथा मकर रेखा के बीच में स्थित हैं.

भारत में लैटेराइट मिट्टी तमिलनाडु के पहाड़ी भागों और निचले क्षेत्रों, कर्नाटक के कुर्ग जिले, केरल राज्य के समुद्री तट, महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले, पश्चिमी बंगाल के बसाइट और ग्रेनाइट पहाड़ियों के बीच तथा उड़ीसा के पठार के ऊपरी भागों में मिलती है.

68. (B) गंगा का मैदान व असम घाटी में सामान्यतः वृक्ष के समान (वृक्षाकार) जल अपवाह प्रतिरूप रखता है, जो विस्तृत मैदान, मंद ढाल, अधिक वर्षा व अनेक सहायक नदियों की विशेषता रखता है.

69. (C) उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती वन भारत के सबसे बड़े क्षेत्र में पाए जाते हैं. भारत में वे वन बड़े पैमाने पर पश्चिमी घाट के पूर्वी ढलानों और छोटा नागपुर पठार में पाए जाते हैं.

इस प्रकार के वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहाँ वार्षिक वर्षा 200 सेमी और 100 सेमी के बीच होती है, साथ ही लगभग 24ºC या 27ºC का औसत वार्षिक तापमान और 60 से 75 प्रतिशत की सापेक्ष आर्द्रता हो.

70. (A) काबिनी नदी कावेरी की एक सहायक नदी है. इसे राजधानी भी कहा जाता है. इसका उद्गम केरल के वायनाड जिले से होता है. यह पूर्व की ओर बहती हुई कावेरी नदी से मिलती है.

71. (C)

72. (B) आखिरी भारतीय गाँव बिशिंग, मैकमोहन रेखा के सबसे करीब है और यह चीन के तिब्बत क्षेत्र और अरुणाचल प्रदेश के बीच की सीमा को दर्शाता है. इस गाँव में मेम्बा जनजाति के लोग रहते हैं जिनकी आबादी 100 है.

73. (C) एटोल एक द्वीप है, जो एक लैगून को घेरने वाली रिंग के आकार की कोरल रीफ द्वारा निर्मित होता है.

74. (A) सूर्य की चमकीली बाह्य परत को प्रकाश मण्डल (Photo Sphere) कहा जाता है. फोटोस्फीयर सूर्य की बाहरी परत है, जिसे सूर्य का चमकदार लिफाफा या दृश्यमान परत के रूप में जाना जाता है. जिससे प्रकाश के साथ-साथ गर्मी भी निकलती है. फोटोस्फीयर में तापमान 4,100 डिग्री सेल्सियस से लेकर 9,700 डिग्री सेल्सियम तक होता है.

75. (B)

76. (D) जनगणना 2011 के अनुसार उत्तराखण्ड में सबसे कम जनसंख्या घनत्व उत्तरकाशी जिले में है (41), उसके बाद चमोली (49) और पिथौरागढ़ (68) का स्थान है. कथन (1) सही है; सबसे अधिक लिंगानुपात अल्मोड़ा जिले (1139) में है, उसके बाद रुद्रप्रयाग (1114) और पौड़ी गढ़वाल (1103) का स्थान है: कथन (2) गलत है; उत्तराखण्ड में मुस्लिमों की सबसे अधिक आबादी हरिद्वार जिले में (34%) है, उसके बाद उधम सिंह नगर (23%), नैनीताल (13%) का स्थान हैः कथन (3) गलत है. इस प्रकार विकल्प (D) सही है.

77. (B) राजाजी राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना वर्ष 1983 में उत्तराखण्ड के तीन अभयारण्यों अर्थात् राजाजी, मोतीचूर और चीला को मिलाकर की गई थी. इसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सी. राजगोपालाचारी के नाम पर रखा गया था, जिन्हें लोकप्रिय रूप से 'राजाजी' के नाम से जाना जाता था. इसे 2015 में देश के 48वें बाघ अभयारण्य के रूप में बाघ अभयारण्य घोषित किया गया.

78. (A) उत्तराखण्ड में अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत सबसे अधिक उधम सिंह नगर जिले में (7·46%) है, इसके बाद देहरादून (6·58%), पिथौरागढ़

(4·04%) और चमोली (3·3%) का स्थान है.

79. (B) दुर्मी ताल उत्तराखण्ड के चमोली जनपद में स्थित है. यह ताल मुख्य रूप से निजमुला घाटी के दुर्मी गाँव में स्थित है.

80. (A) 2011 की जनगणना में उत्तरकाशी में महिला साक्षरता दर 62·35% थी, इसके बाद उधमसिंह नगर (64·56%), चमोली (72·32%), हरिद्वार (74·79%) और नैनीताल (77·29%) का स्थान आता है.

81. (A) गिरथी नदी पिथौरागढ़ के सुदूर उत्तर-पश्चिम में छोटीसी धारा प्रवाहित करती है तथा कुंगरीबिंगरी पर्वतमाला के साथ पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिशा में बहती हुई अंततः गढ़वाल क्षेत्र में प्रवेश करती है.

केओगाड़/कियोगाढ़ नदी गिरथी नदी के उत्तर में तथा पिथौरागढ़ में एक छोटे मार्ग से बहती हुई पिथौरागढ़ जिले के आन्तरिक परिक्षेत्रों से होते हुए गढ़वाल क्षेत्र में प्रवेश करती है.

82. (B) माटी आंदोलन नामक एक महत्वपूर्ण पर्यावरण आंदोलन की शुरुआत उत्तराखण्ड राज्य में हुई थी. मैती आंदोलन का श्रेय इसके संस्थापक पिता श्री कल्याण सिंह रावत को जाता है. उत्तराखण्ड राज्य में पहले से ही कई पर्यावरण संरक्षण से सम्बन्धित आंदोलन सक्रिय हैं, जैसे कि स्टिकर आंदोलन. इसी प्रकार, उत्तराखण्ड में "मैती आंदोलन" आंदोलन की अभिव्यक्ति थी.

83. (B) दूधातोली, भारत के उत्तराखण्ड राज्य के गढ़वाल क्षेत्र में एक पहाड़ी व वन भूक्षेत्र है. यह पौढ़ी गढ़वाल जिले से चमोली जिले तक उत्तर-दक्षिण दिशा में 25 किमी के लिए विस्तारित है.

84. (A) जाड़/जाध गंगा, जिले जटा गंगा और जाह्नवी नदी भी कहा जाता है, भारत के उत्तराखण्ड राज्य में बहने वाली एक नदी है. यह भागीरथी नदी की एक महत्वपूर्ण उपनदी है.

यह नदी तिब्बत के जान्दा जिले में माना दर्रे से उत्तर में आरम्भ होती है. अपना मार्ग तय करने के पश्चात् उत्तरकाशी जिले में 'भैरोंघाटी' में इसका संगम भागीरथी नदी से होता है.

85. (B) मिलम ग्लेशियर तिब्बत में उंटा धुरा, जांडी धुरा और किंगरीबिंगरी धुरा से ज्ञानिमा मंडी तक के ऊँचे पहाड़ों के दर्रे पर स्थित है.

86. (D) 87. (A)

88. (A) दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान) एक अंतर–सरकारी अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है, जिसमें ब्रुनेई दारुस्सलाम, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाइलैंड और वियतनाम शामिल हैं. आसियान का सचिवालय जकार्ता, इंडोनेशिया में स्थित है.

89. (B) 90. (A)

91. (B) भारतीय संविधान की प्रस्तावना में वर्तमान तक केवल एक बार 42वें संविधान संशोधन 1976 के माध्यम से संशोधन कर तीन नवीन शब्द यथा पहले पैरा में दो शब्द समाजवादी और पंथनिरपेक्ष तथा छठे पैरा में अखण्डता शब्द जोड़े गए.

92. (D) राष्ट्रपति द्वारा घोषित अध्यादेश के सम्बन्ध में निम्नलिखित बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए—

- यदि किसी अध्यादेश को संसद के समक्ष रखे बिना समाप्त होने दिया जाता है, तो उस अध्यादेश के तहत् किए गए कार्यों को पूरी तरह से वैध और प्रभावी माना जाता है.
- राष्ट्रपति किसी भी समय अध्यादेश को वापस ले सकते हैं.
- हालाँकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि राष्ट्रपति की अध्यादेश जारी करने की शक्ति कोई विवेकाधीन शक्ति नहीं है, बल्कि वह केवल केंद्रीय मंत्रिपरिषद् (COMs) की सलाह पर किसी अध्यादेश को जारी या वापस ले सकते हैं.

93. (D) सही सुमेलन इस प्रकार है—

परियोजना का नाम	**नदी**
कोटेश्वर	भागीरथी
कुल्हल	आसन
तपोवन विष्णुगाड़	धौलीगंगा
विष्णुप्रयाग	अलकनन्दा

94. (B) वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2021 के अनुसार, रुद्रप्रयाग जिले का 57·58% भौगोलिक क्षेत्र वन क्षेत्र के अंतर्गत है, इसके बाद टिहरी गढ़वाल में 56·68%, अल्मोड़ा में 54·7% और देहरादून में 52·19% क्षेत्र वन क्षेत्र में है.

95. (B)

96. (D) संविधान के भाग XI में संयुक्त राष्ट्र और संरचनात्मक ढाँचे के बीच संघ और राज्यों के बीच सम्बन्ध शामिल हैं, जिसमें उनके अखंड और कार्यकारी शक्तियों की सीमा और सहयोग के प्रस्ताव शामिल हैं.

97. (A) भारतीय संविधान के भाग 3 के अनुच्छेद 15, 16, 19, 29, तथा 30 के अन्तर्गत उल्लेखित मूल अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को प्राप्त है, अन्य देशीय/विदेशियों को नहीं. अन्य मौलिक अधिकार नागरिक तथा अन्यदेशीय/विदेशी दोनों को प्राप्त है.

98. (D) संघ राज्य क्षेत्रों का प्रशासन राष्ट्रपति के नाम से चलाया जाता है. राष्ट्रपति को इन राज्यक्षेत्रों के लिए विनियम बनाने की शक्ति है. विनियम अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्ष्यद्वीप, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के लिए बनाए जा सकते है. पांडिचेरी के सन्दर्भ में विधानसभा के निलंबन की स्थिति में राष्ट्रपति को विनियम बनाने की शक्ति है.

99. (A) उद्देशिका या प्रस्तावना में जनता की भावनाएं एवं आकांक्षाएं सूक्ष्म रूप में समाविष्ट है. संविधान के निर्माताओं के विचारों को जानने के लिए यह एक कुंजी है. इसमें उन उद्देश्यों का कथन है जिन्हें संविधान स्थापित करना चाहता है और आगे बढ़ाना चाहता है.

100. (D) हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने अपने क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन) में 55 नए शहरों को शामिल करने की घोषणा की. नए प्रवेशकों में, दो भारतीय शहरों ने अपनी पहचान बनाईः केरल के कोझिकोड को 'साहित्य का शहर' और मध्य प्रदेश के ग्वालियर को 'संगीत का शहर' के रूप में चुना गया. यूसीसीएन में शामिल अन्य भारतीय शहरों में जयपुर : शिल्प और लोक कला (2015), वाराणसी : संगीत का रचनात्मक शहर (2015), चेन्नईः संगीत का रचनात्मक शहर (2017), मुंबई : फिल्म (2019), हैदराबादः गैस्ट्रोनॉमी (2019) और श्रीनगर : शिल्प और लोक कला (2021) शामिल हैं.

101. (B) संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों को कदाचार के आधार पर राष्ट्रपति के आदेश से ही पद से हटाया जा सकता है. इस सन्दर्भ में माननीय सर्वोच्च न्यायालय को राष्ट्रपति द्वारा निर्देश किए जाने पर कदाचार की जाँच करने का अधिकार है. जब सर्वोच्च न्यायालय अपने प्रतिवेदन में यह कहता है कि वह व्यक्ति कदाचार का दोषी है. तो राष्ट्रपति द्वारा उसे हटाने का आदेश जारी किया जाता है.

कुछ परिस्थितियों या दशाओं में राष्ट्रपति उच्चतम न्यायालय को निर्देश किए

बिना सदस्य को हटा सकता है. जैसे–दिवालिया न्यायनिर्णीत किए जाने की स्थिति में, पद धारण के पश्चात् किसी अन्य नियोजन में लगे रहने पर, मानसिक या शारीरिक शैथिल्य के कारण अपने पद पर बने रहने के लिए अयोग्यता.

102. (C) भारतीय संविधान के भाग-4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निदेशक तत्वों का उल्लेख किया गया है. इसका उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय तथा व्यक्ति की गरिमा और कल्याण की प्राप्ति है. यह शासन के लिए मूलभूत है तथा राज्यों से अपेक्षा की गई है कि वह नीति निर्माण में इन सिद्धांतों को शामिल करे. उल्लेखनीय है कि मूल अधिकारों के विपरीत निदेशक तत्वों को न्यायालय द्वारा लागू नहीं कराया जा सकता है.

103. (B) तत्कालीन उत्तरांचल तथा वर्तमान उत्तराखण्ड राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री श्री नित्यानंद स्वामी थे. इसका कार्यकाल नवम्बर 2000 से अक्टूबर 2001 तक था.

104. (D)

105. (A) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 के अंतर्गत निम्न सदन लोक सभा के संदर्भ में दो अधिकारियों का उल्लेख किया गया है–अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष. प्रत्येक साधारण निर्वाचन के पश्चात् राष्ट्रपति द्वारा नियत दिन को लोक सभा के सदस्य अपने में से एक को अध्यक्ष के रूप में चुनते हैं. अध्यक्ष लोक सभा के विघटन पर अपना पद रिक्त नहीं करता, बल्कि वह विघटन के पश्चात् होने वाले लोक सभा के प्रथम अधिवेशन के ठीक पूर्व तक अध्यक्ष बना रहता है.
अध्यक्ष का पद निम्न परिस्थितियों में रिक्त हो सकता है यथा–जब वह लोक सभा का सदस्य न रहे; त्यागपत्र द्वारा (उपाध्यक्ष को संबोधित); लोक सभा के तत्कालीन समस्त सदस्यों के बहुमत से पारित संकल्प द्वारा पद से हटाया जाना.

106. (C) योजना आयोग को 13 अगस्त, 2014 को समाप्त कर दिया गया और इसके स्थान पर 31 जनवरी, 2015 को नीति आयोग का गठन किया गया.

107. (B) दूसरी लोक सभा—10 मई, 1957, 31 मार्च, 1962
आठवीं लोक सभा—15 जनवरी, 1985, 27 नवम्बर, 1989
13वीं लोक सभा—20 अक्टूबर, 1999, 6 फरवरी, 2004
16वीं लोक सभा—4 जून, 2014, 13 जून, 2014

108. (B) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 263 के तहत् राज्यों के मध्य तथा केन्द्र और राज्यों के मध्य समन्वय स्थापित करने के लिए एक निकाय के रूप में अन्तरराज्यीय परिषद गठित करने का प्रावधान किया गया है. राष्ट्रपति द्वारा इस परिषद का गठन उस समय किया जाता है जब उसका समाधान हो कि ऐसे निकाय के गठन से सार्वजनिक हितों की पूर्ति होगी. राष्ट्रपति द्वारा ही परिषद् द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कर्तव्यों की प्रकृति तथा उसके संगठन और प्रक्रिया को परिभाषित किया जाता है.

109. (D) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) संसद के एक अधिनियम द्वारा लागू हुआ. इसे 29 दिसम्बर, 1999 को अधिनियमित किया गया था.

110. (D)

111. (C) ब्रिक्स एक महत्वपूर्ण समूह है, जो विश्व की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है, जिसमें विश्व की 41% जनसंख्या शामिल है, विश्व सकल घरेलू उत्पाद में इसकी हिस्सेदारी 24% है तथा विश्व व्यापार में इसकी हिस्सेदारी 16% से अधिक है. पहला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2009 में रूस में आयोजित किया गया था.

112. (B) संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में 2023 में अपने प्रदर्शन के आधार पर, भारत दक्षिण एशिया में 166 देशों में 112वें स्थान पर है, जो केवल पाकिस्तान और अफगानिस्तान से ऊपर है.

113. (B) प्रधनमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 फरवरी, 2019 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पीएम-किसान योजना का शुभारम्भ किया.

114. (D) राष्ट्रीय जनसंख्या नीति का दीर्घ-कालिक उद्देश्य 2045 तक स्थिर जनसंख्या प्राप्त करना है, जो सतत् आर्थिक विकास, सामाजिक विकास और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकताओं के अनुरूप हो.

115. (A) बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका SAPTA के सदस्य देश हैं.

116. (A) हेडलाइन मुद्रास्फीति किसी अर्थव्यवस्था में कुल मुद्रास्फीति है. हेडलाइन मुद्रास्फीति के आँकड़े में वस्तुओं की एक टोकरी में मुद्रास्फीति शामिल होती है, जिसमें खाद्य और ऊर्जा जैसी वस्तुएं शामिल होती हैं. यह कोर मुद्रास्फीति से अलग है, जिसमें मुद्रास्फीति की गणना करते समय खाद्य और ऊर्जा की कीमतों को शामिल नहीं किया जाता है.

117. (C) नीति आयोग की शासी परिषद् में भारत के माननीय प्रधानमंत्री; सभी राज्यों और विधान सभा वाले केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री; अन्य केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल; पदेन सदस्य; नीति आयोग के उपाध्यक्ष; नीति आयोग के पूर्णकालिक सदस्य; और विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल हैं.

118. (D)

119. (C) अल्मोड़ा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र उत्तराखण्ड के पांच लोक सभा (संसदीय) निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है. यह निर्वाचन क्षेत्र 1952 में लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद अस्तित्व में आया. इसमें चार जिले शामिल हैं, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चम्पावत और पिथौरागढ़. 2009 से यह निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है.

120. (D)

121. (A) राष्ट्रीय विकास परिषद् (एनडीसी) ने 29 मई, 2007 को आयोजित अपनी 53वीं बैठक में चावल, गेहूँ और दालों को शामिल करते हुए खाद्य सुरक्षा मिशन शुरू करने का प्रस्ताव पारित किया, ताकि ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2011-12) के अंत तक चावल का वार्षिक उत्पादन 10 मिलियन टन, गेहूँ का 8 मिलियन टन और दालों का 2 मिलियन टन बढ़ाया जा सके. तदनुसार, अक्टूबर 2007 में एक केंद्र प्रायोजित योजना, 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन' (एनएफएसएम) शुरू की गई.

122. (C) उत्तराखण्ड में शीर्ष तीन मछली उत्पादक जिले हैं–1. उधम सिंह नगर (2921·349 मीट्रिक टन), 2. हरिद्वार (1424·89 मीट्रिक टन), 3. देहरादून (295·53 मीट्रिक टन).

123. (B) वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार, नैनीताल जिले में सबसे अधिक वन क्षेत्र (जिले के भौगोलिक क्षेत्र का 71·62%) है, इसके बाद चम्पावत (69·32%), पौड़ी गढ़वाल (63·74%) और रुद्रप्रयाग (57·58%) का स्थान है.

124. (C)

125. (D) नीति आयोग ने हाल ही में बहुआयामी गरीबी सूचकांक–2023 जारी किया है, जो 2015-16 और 2019–21 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) द्वारा उपलब्ध कराए गए आँकड़ों पर आधारित है.

सूचकांक के अनुसार, वर्ष 2015-16 में उत्तराखण्ड की कुल आबादी का 17·67 प्रतिशत हिस्सा गरीब था, जो वर्ष 2019–21 में घटकर 9·67 प्रतिशत रह गया.

126. (C) कम्प्यूटर में सीपीयू की गति को गीगाहर्ट्ज (GHz) में मापा जाता है.

127. (D) प्रोलॉग एक तर्क प्रोग्रामिंग भाषा है जिसकी उत्पत्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालित प्रमेय सिद्धि और कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान में हुई है.

128. (B) आयाम मॉड्यूलेशन–1200 बिट्स प्रति सेकण्ड तक
आवृत्ति मॉड्यूलेशन–1200 से 2400 बिट्स प्रति सेकण्ड चरण मॉड्यूलेशन–5600 बिट्स प्रति सेकण्ड तक.

129. (A) चूँकि कुण्डली में कसकर लपेटे गए फेरे हैं. अतः प्रत्येक वृत्ताकार फेरे की त्रिज्या (r) = 0·1 मी.
N = 100, I = 1 ऐम्पियर
अतः केन्द्र पर चुम्बकीय क्षेत्र का परिमाप (B)

$$B = \frac{\mu_0 NI}{2r} \quad \mu_0 = 4\pi \times 10^{-7}$$
$$= \frac{4\pi \times 10^{-7} \times 100 \times 1}{2 \times 0{\cdot}1}$$
$$= 2 \times 3{\cdot}14 \times 10^{-4}\ \text{T} \quad [\because \pi = 3{\cdot}14]$$
$$= 6{\cdot}28 \times 10^{-4}\ \text{T}$$

130. (B) दिया है–
$d = 1 \times 10^{-3}$ m,
D = 1 m
$\lambda = 500$ nm
$= 5 \times 10^{-7}$ m
$$\beta = \frac{\lambda D}{d} = \frac{5 \times 10^{-7} \times 1}{10^{-3}}$$
$= 0{\cdot}5$ mm

131. (D) दिया है–
$m = 0{\cdot}12$ किग्रा
$v = 20$ मी/से
डी ब्रॉग्ली तरंगदैर्ध्य (λ)
$$= \frac{h}{P}$$
$[P = mv, h = 6{\cdot}62 \times 10^{-34}]$
$$= \frac{6{\cdot}62 \times 10^{-34}}{mv}$$
$$= \frac{6{\cdot}62 \times 10^{-34}}{0{\cdot}12 \times 20}$$
$$= 2{\cdot}758 \times 10^{-34}$$
$$= 2{\cdot}76 \times 15^{-34}\ m$$

132. (C) जिंक, टिन से ज्यादा प्रतिक्रियाशील है. टिन केवल बहुत मजबूत एसिड के साथ प्रतिक्रिया करता है. हालाँकि, जिंक, भोजन में पाए जाने वाले साधारण एसिड के साथ प्रतिक्रिया कर सकता है. इसलिए, खाद्य विषाक्तता को रोकने के लिए, खाद्य डिब्बों को टिन जैसी सस्ती, कम प्रतिक्रियाशील धातु से लेपित किया जाता है.

133. (C) 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तराखण्ड में न्यूनतम महिला साक्षरता वाले मिले–
उत्तरकाशी—62·35%
टिहरी गढ़वाल—64·28%
ऊधमसिंह नगर—64·45%
हरिद्वार—64·79%

134. (C) उत्तराखण्ड राज्य के कुल क्षेत्रफल का 86·07 प्रतिशत भाग पर्वतीय, जबकि मात्र 13·93 प्रतिशत मैदानी है.

135. (D) पीएमकेएसवाई (प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना) राष्ट्रीय सतत् विकास मिशन से सम्बन्धित नहीं है, वर्षाधीन क्षेत्र विकास (आरएडी) कार्यक्रम, मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) एनएमएसए से सम्बन्धित हैं.

136. (B) उत्तराखण्ड पर्यटन विकास बोर्ड (UTDB) राज्य में पर्यटन से सम्बन्धित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देने वाला सर्वोच्च निकाय है. वैधानिक बोर्ड की अध्यक्षता उत्तराखण्ड सरकार के पर्यटन मंत्री करते हैं और उत्तराखण्ड के मुख्य सचिव इसके उपाध्यक्ष हैं। प्रमुख सचिव/सचिव पर्यटन मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य करते हैं. इसमें निजी क्षेत्र से पाँच गैर-सरकारी सदस्य और पर्यटन से सम्बन्धित मामलों के विशेषज्ञ भी होते हैं. बोर्ड नियामक एवं लाइसेंसिंग प्राधिकरण के रूप में भी कार्य करता है.

137. (C) 42वें संविधान संशोधन 1976 द्वारा राज्य के नीति निदेशक तत्वों में तीन अनुच्छेद अंतःस्थापित किए गए जिनमें शामिल है.
अनुच्छेद 39(क)–समान न्याय और निःशुल्क विधिक सहायता
अनुच्छेद 43(क)–उद्योगों के प्रबंधन में कर्मकारों की भागीदारी
अनुच्छेद 48(क)–पर्यावरण संरक्षण तथा संवर्द्धन और वन एवं वन्य जीवों का संरक्षण

138. (C) एरेन्काइमा ऊतक को पौधों में मौजूद स्पंजी ऊतक माना जाता है. एरेन्काइमा सामान्यतः पैरेन्काइमा कोशिकाओं का ही रूप है. एरेन्काइमा हाइड्रोफाइट्स में पाया जता है. अधिकांश एरेन्काइमा में हवा से भरा कक्ष होता है. ये पानी की सतह पर तैरने के लिए उछाल प्रदान करने में मदद करते हैं, ताकि ये हिस्से पानी में तैर सकें.

139. (C) ग्रीनहाउस गैसों द्वारा ग्लोबल वार्मिंग में सापेक्ष योगदान हैः CO_2% 60% CH_4% 20%, CFC : 14%, NO_2% 6% है.

140. (D) एन्टीबायोटिक शब्द 'सेलमैन वाक्समैन' ने सन् 1942 में दिया.

141. (C) इंसुलिन पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी का उपयोग करके निर्मित पहली दवा है जिसका उपयोग मधुमेह के इलाज के लिए किया जाता है.

142. (B)

143. (D) मोनोक्लोनल एंटीबॉडी (एमएबी) की एक श्रृंखला आमतौर पर गुर्दे के प्रत्यारोपण में प्रेरण चिकित्सा (तीव्र अवधि) के रूप में उपयोग की जाती है.

144. (C) केदारनाथ वन्य जीवन अभयारण्य, की स्थापना 1972 में हुई थी, जिसका कुल क्षेत्रफल 975·20 वर्ग किमी है.

145. (C) गोविन्द वन्य जीव विहार उत्तराखण्ड राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित है. इसको 1955 में एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में एवं 1990 में एक राष्ट्रीय उद्यान के रूप में घोषित किया गया था.

146. (C) 147. (B)

148. (B) धात्विक गुण वाले तत्वों को क्षार धातुओं, क्षारीय मृदा धातुओं तथा संक्रमण धातुओं में रखा जाता है. धात्विक गुण उन तत्वों से जुड़ा होता है, जो धातु होते हैं. अधिकांश धातुएं कठोर होती हैं, उनका गलनांक/क्वथनांक उच्च होता है, तथा वे आघातवर्ध्य होने के साथ-साथ तन्य भी होती हैं. सोडियम और पोटेशियम में से पोटेशियम सबसे अधिक प्रतिक्रियाशील धातु है, क्योंकि इसके बड़े परमाणु आकार के कारण इसकी आयनीकरण ऊर्जा सोडियम से कम होती है.

149. (C) 'हॉटस्पॉट' जैव विविधता के महत्वपूर्ण स्तरों वाला एक जैव भौगोलिक क्षेत्र है, जो मानव विकास के कारण खतरे में है. यह क्षेत्र विशेष रूप से स्थानिक, दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों से समृद्ध होता है. हॉटस्पॉट में जंगल और अन्य अवशेष आवास पृथ्वी की भूमि सतह का केवल 2·5% हिस्सा दर्शाते है.

150. (B) साइक्रोफाइल्स ऐसे बैक्टीरिया हैं, जो शीत-प्रेमी होते हैं, जिनके विकास के लिए अनुकूलतम तापमान लगभग 15°C या उससे कम, अधिकतम तापमान लगभग 20°C और न्यूनतम तापमान 0°C या उससे कम होता है.

●●●

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक ऑफिसर (स्केल-I) परीक्षा, 2023 (5-8-2023) का हल प्रश्न-पत्र

(स्मृति पर आधारित)

निर्देश—(प्रश्न 1 से 5 तक) निम्नलिखित जानकारी का अध्ययन कीजिए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

नौ व्यक्ति A, B, C, D, E, F, G, H और I नौ मंजिलों वाले एक अपार्टमेंट में रहते हैं, जिसमें प्रत्येक मंजिल को 1 से 9 तक संख्यांकित किया गया है, जहाँ 9 सबसे ऊपरी मंजिल है और 1 सबसे निचली मंजिल है. प्रत्येक व्यक्ति अलग-अलग मंजिल पर रहता है.

H, E के नीचे वाली मंजिल पर रहता है, जबकि G, F के ऊपर वाली मंजिल पर रहता है. I और E निकटतम पड़ोसी नहीं हैं. B और I के बीच पाँच व्यक्ति रहते हैं. D, H के ठीक नीचे एक सम संख्या वाली मंजिल पर रहता है, लेकिन दूसरी मंजिल पर नहीं रहता है. D और B के बीच केवल एक व्यक्ति रहता है. A और C आसन्न मंजिल पर नहीं रहते हैं. C सबसे नीचे वाली मंजिल पर नहीं रहता है. A, C के ऊपर लेकिन E के नीचे वाली मंजिल पर रहता है.

1. F निम्नलिखित में से किस मंजिल पर रहता है ?
(A) पहली (B) दूसरी
(C) चौथी (D) सातवीं
(E) नौवीं

2. B और C के बीच कितनी मंजिलें हैं ?
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार
(E) पाँच

3. निम्नलिखित में से कौनसा व्यक्तियों की दी गई व्यवस्था के अनुसार सत्य है ?
(A) A चौथी मंजिल पर रहता है
(B) E और H के बीच दो मंजिलें हैं
(C) D, G से दो मंजिल ऊपर रहता है
(D) F, C के ठीक ऊपर रहता है
(E) E शीर्ष तल पर नहीं रहता है

4. B से तीन मंजिल नीचे कौन रहता है ?
(A) H (B) D
(C) C (D) I
(E) A

5. निम्नलिखित में से विषम को ज्ञात कीजिए—
(A) G–I (B) H–A
(C) B–D (D) A–G
(E) E–H

6. निम्नलिखित प्रश्न में दिए गए कथनों को सत्य मानकर, ज्ञात कीजिए कि दिए गए निष्कर्षों में से कौनसा/कौनसे निष्कर्ष निश्चित रूप से सत्य है/हैं और उसके अनुसार उत्तर दीजिए—
कथन :
$D = F; B > C; D < C; A > A$
निष्कर्ष :
I. $C \geq F$
II. $B > F$
(A) केवल I सत्य है
(B) केवल II सत्य है
(C) या तो I या फिर II सत्य है
(D) न तो I न ही II सत्य है
(E) I और II दोनों सत्य हैं

7. निम्नलिखित प्रश्न में दिए गए कथनों को सत्य मानकर, तय कीजिए कि दिए गए निष्कर्षों में से कौनसा/कौनसे निष्कर्ष निश्चित रूप से सत्य है/हैं और उसके अनुसार उत्तर दीजिए—
कथन :
$Y \leq D \geq P \leq V; M \leq Q = E = Y$
निष्कर्ष :
I. $E \geq P$
II. $Q > D$
(A) केवल निष्कर्ष II सत्य है
(B) निष्कर्ष I और II दोनों सत्य हैं
(C) केवल निष्कर्ष I सत्य है
(D) न तो निष्कर्ष I न II सत्य है
(E) या तो निष्कर्ष I या II सत्य है

8. निम्नलिखित प्रश्न में दिए गए कथनों को सत्य मानते हुए, दिए गए निष्कर्षों में से यह ज्ञात कीजिए कि कौनसा निष्कर्ष निश्चित ही सत्य है और तदनुसार अपना उत्तर दीजिए—
कथन :
$Z > T \geq U \geq R = Q \leq T$
निष्कर्ष :
I. $Q < Z$
II. $U \geq T$
(A) केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(B) केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(C) या तो निष्कर्ष I या निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(D) न तो निष्कर्ष I न ही निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(E) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों अनुसरण करते हैं

9. निम्नलिखित कथनों को सही मानते हुए, यह पता लगाएं कि दिए गए निष्कर्षों में से कौनसा निष्कर्ष निश्चित रूप से सत्य है और फिर तदनुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए—
कथन :
$D \geq E > F = A \leq U < L \geq T = R$
निष्कर्ष :
I. $F < L$
II. $D > A$
(A) दोनों निष्कर्षों में से कोई सत्य नहीं है
(B) दोनों I और II सत्य हैं
(C) केवल निष्कर्ष II सत्य है
(D) केवल निष्कर्ष I सत्य है
(E) I और II में से कोई एक सत्य है

निर्देश—(प्रश्न 10 से 14 तक) निम्नलिखित जानकारी का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

एक ट्रांसपोर्ट कम्पनी ने सात बॉक्स J, K, L, M, N, O और P को एक के ऊपर एक रखा है, जो सात अलग-अलग देशों अर्थात् ब्राजील, डेनमार्क, फिनलैण्ड, पोलैण्ड, स्पेन, वियतनाम और हंगरी से प्राप्त किए गए थे, लेकिन जरूरी नहीं कि इसी क्रम में हों.

M और J के बीच तीन बॉक्स हैं. J डेनमार्क से प्राप्त नहीं हुआ है. M और ब्राजील से प्राप्त बॉक्स के बीच केवल दो बॉक्स हैं और बॉक्स M, ब्राजील से प्राप्त बॉक्स के ऊपर है. बॉक्स N फिनलैण्ड से प्राप्त बॉक्स के आसन्न नहीं है. फिनलैण्ड से प्राप्त बॉक्स M के ऊपर है, लेकिन M के ठीक ऊपर नहीं है. L और फिनलैण्ड से प्राप्त बॉक्स के बीच केवल तीन बॉक्स हैं, जो बॉक्स हंगरी से प्राप्त हुआ है, वह L के ठीक ऊपर है, जो बॉक्स पोलैण्ड से प्राप्त हुआ है, वह बॉक्स P के ठीक ऊपर है. K और N के बीच केवल एक बॉक्स है. न तो बॉक्स K और न ही J स्पेन से प्राप्त हुआ है.

10. निम्नलिखित में से कौनसा बॉक्स वियतनाम देश से प्राप्त हुआ है ?
(A) K (B) L
(C) M (D) N
(E) J

11. बॉक्स N के सन्दर्भ में स्पेन देश के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसी स्थिति सत्य है ?
(A) N और स्पेन से प्राप्त बॉक्स के बीच एक बॉक्स है
(B) N, स्पेन से प्राप्त बॉक्स के ठीक ऊपर है

(C) स्पेन से प्राप्त बॉक्स, N के ठीक ऊपर वाले बॉक्स से सम्बन्धित है
(D) उपर्युक्त सभी सत्य हैं
(E) कोई भी सत्य नहीं है

12. भिन्न का चयन कीजिए—
(A) M-डेनमार्क (B) O-स्पेन
(C) J-पोलैण्ड (D) P-हंगरी
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

13. बॉक्स 'O' किस देश से प्राप्त हुआ है ?
(A) हंगरी (B) ब्राजील
(C) फिनलैण्ड (D) पोलैण्ड
(E) निर्धारित नहीं किया जा सकता

14. M और P के बीच कितने बॉक्स हैं ?
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार
(E) एक भी नहीं

15. एक निश्चित कूट भाषा में, 'laptop are mouse' को 'gu cu du' और 'mouse are keyboard' को 'gu du au' लिखा जाता है. निम्नलिखित में से 'are' के लिए कौनसा कूट होगा ?
(A) gu
(B) या तो (A) या (C)
(C) du
(D) au
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

निर्देश—(प्रश्न 16 से 20 तक) निम्नलिखित जानकारी का अध्ययन कीजिए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

आठ व्यक्ति M, R, S, T, H, C, B और K एक वृत्त के चारों ओर बैठे हैं. उनमें से कुछ केन्द्र के सम्मुख हैं, जबकि कुछ केन्द्र के विपरीत मुख किए हुए हैं. R, S के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठता है, जो केन्द्र के सम्मुख है. C, R के बाएं से दूसरे स्थान पर है. T, C के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठता है. K, C के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठता है. M, R के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठता है. B, M के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठता है और S के दाएं से दूसरे स्थान पर नहीं बैठता है. K और R समान दिशा के सम्मुख हैं, लेकिन B की विपरीत दिशा में हैं. B और T विपरीत दिशा के सम्मुख हैं. H, B के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठता है. M और H समान दिशा के सम्मुख हैं, लेकिन T के विपरीत दिशा में हैं.

16. वृत्त में कितने व्यक्ति अन्दर की ओर मुख किए हुए हैं ?
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार
(E) पाँच

17. T और B के बीच कौन बैठता है ?
(A) R (B) C
(C) S (D) M
(E) H

18. M के बाएं से गिने जाने पर M और B के बीच कितने व्यक्ति बैठते हैं ?
(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार
(E) पाँच

19. K के बाएं से चौथा कौन है ?
(A) R (B) T
(C) H (D) M
(E) C

20. C के बाएं से दूसरे स्थान पर कौन है ?
(A) K (B) S
(C) R (D) H
(E) T

21. यदि संख्या 7846314 में प्रत्येक सम संख्या में 1 जोड़ा जाता है और प्रत्येक विषम संख्या में से 1 घटाया जाता है, तो नई बनी संख्या में कितनी संख्याओं की पुनरावृत्ति होगी ?
(A) तीन (B) पाँच
(C) एक (D) दो
(E) कोई भी नहीं

22. निम्नलिखित पाँच में से चार एक समूह के आधार पर एक जैसे हैं, कौनसा एक उस समूह से सम्बन्धित नहीं है ?
(A) EHL (B) PSW
(C) ILP (D) RUX
(E) GJN

23. नीचे प्रश्न में तीन कथन और उसके बाद I और II से अंकित दो निष्कर्ष दिए गए हैं. आपको दिए गए तीनों कथनों को सत्य मानना है, भले ही वे ज्ञात तथ्यों से अलग प्रतीत होते हों और निर्णय कीजिए कि दिए गए निष्कर्षों में से कौनसा निष्कर्ष ज्ञात तथ्यों को नजरंदाज करने पर कथनों का तार्किक रूप से अनुसरण करता है ?

कथन :
कुछ एक्शन फिल्में हैं.
प्रत्येक फिल्म नाटक है.
कोई भी नाटक काल्पनिक नहीं है.

निष्कर्ष :
I. कुछ एक्शन नाटक हैं.
II. कोई भी एक्शन काल्पनिक नहीं है.

(A) केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(B) न तो निष्कर्ष I और न ही निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(C) केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(D) निष्कर्ष I और निष्कर्ष II दोनों अनुसरण करते हैं
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. नीचे प्रश्न में तीन कथन और उसके बाद I और II से अंकित दो निष्कर्ष दिए गए हैं. आपको दिए गए तीनों कथनों को सत्य मानना है, भले ही वे ज्ञात तथ्यों से अलग प्रतीत होते हों और निर्णय कीजिए कि दिए गए निष्कर्षों में से कौनसा निष्कर्ष ज्ञात तथ्यों को नजरंदाज करने पर कथनों का तार्किक रूप से अनुसरण करता है ?

कथन :
कोई कीबोर्ड लैपटॉप नहीं है.
कुछ लैपटॉप मॉनिटर हैं.
सभी लेजर कीबोर्ड हैं.

निष्कर्ष :
I. कुछ कीबोर्ड के मॉनिटर होने की सम्भावना है.
II. कोई लेजर लैपटॉप नहीं है.

(A) केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(B) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं
(C) न तो निष्कर्ष I और न ही II अनुसरण करता है
(D) केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(E) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है

25. नीचे दिए गए प्रश्न में तीन कथन और उसके बाद I और II से अंकित दो निष्कर्ष दिए गए हैं. आपको दिए गए कथनों को सत्य मानना है, भले ही वे सर्वज्ञात तथ्यों से भिन्न प्रतीत होते हों सभी निष्कर्षों को पढ़िए और फिर निर्णय लीजिए कि दिए गए निष्कर्षों में से कौनसा निष्कर्ष सर्वज्ञात तथ्यों को नजरअंदाज करने पर दिए गए कथनों का तार्किक रूप से अनुसरण करता है ?

कथन :
केवल कुछ सिलेंडर डिजाइन हैं.
कुछ सिलेंडर सरल हैं.
कोई भी अमीर सिलेंडर नहीं है.

निष्कर्ष :
I. सभी सिलेंडरों के अमीर होने की सम्भावना है.
II. कुछ अमीर सरल नहीं हैं.

(A) केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(B) केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(C) दोनों निष्कर्ष अनुसरण करते हैं
(D) कोई भी अनुसरण नहीं करता है

(E) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है

26. नीचे प्रश्न में तीन कथन और उसके बाद I और II से अंकित दो निष्कर्ष दिए गए हैं. आपको दिए गए कथनों को सत्य मानना है, भले ही वे ज्ञात तथ्यों से अलग प्रतीत होते हों. दोनों निष्कर्षों को पढ़िए और निर्णय कीजिए कि दिए गए कथनों में से कौनसा निष्कर्ष का तार्किक रूप से अनुसरण करता है ?

कथन :

कुछ कटोरे प्लेट्स हैं.

कोई भी प्लेट् चम्मच नहीं है.

कुछ चम्मच पैन हैं.

निष्कर्ष :

I. सभी पैन की प्लेट्स होने की सम्भावना है.

II. कुछ कटोरे चम्मच हैं.

(A) केवल निष्कर्ष I सत्य है

(B) केवल निष्कर्ष II सत्य है.

(C) I और II दोनों निष्कर्ष सत्य हैं

(D) या तो निष्कर्ष I या II सत्य है

(E) न तो I और न ही II सत्य है

निर्देश—(प्रश्न 27 से 29 तक) निम्नलिखित जानकारी का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

एक निश्चित संख्या में व्यक्ति उत्तर की ओर मुख करके एक सीधी पंक्ति में बैठे हैं.

H और G के बीच केवल चार व्यक्ति बैठे हैं. J और A के बीच पन्द्रह व्यक्ति बैठे हैं. D, G के बाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. H पंक्ति के बाएं छोर से आठवें स्थान पर बैठा है. F, D के दाएं से चौथे स्थान पर बैठा है. H और F के बीच उतने ही व्यक्ति बैठे हैं, जितने F और B के बीच बैठे हैं. C, B के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है. H और D के बीच बैठे व्यक्तियों की संख्या C के दाएं बैठे व्यक्तियों की संख्या से एक कम है. J, G के दाएं से छठवें स्थान पर बैठा है.

27. निम्नलिखित में से कौनसा व्यक्ति A के दाएं से पाँचवें स्थान पर बैठा है ?

(A) J (B) B

(C) F (D) G

(E) H

28. यदि K दाएं छोर से तीसरे स्थान पर है, तो निम्नलिखित में से कौनसा व्यक्ति K के बाएं से चौथे स्थान पर बैठा है ?

(A) C (B) B

(C) F (D) D

(E) एक अनिश्चित व्यक्ति

29. पंक्ति में कितने व्यक्ति बैठे हैं ?

(A) 20 (B) 23

(C) 27 (D) 25

(E) 28

निर्देश—(प्रश्न 30 एवं 31) निम्नलिखित दी गई जानकारी का अध्ययन कीजिए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

बिन्दु A, B के 6 मीटर पश्चिम में है, जबकि B, C के 4 मीटर उत्तर में है. G, H के 7 मीटर पश्चिम में और F के 9 मीटर उत्तर में है. E, D के 8 मीटर दक्षिण में है. H, I के 2 मीटर उत्तर में है. F, E के 16 मीटर पूर्व में है. D, C के 6 मीटर पश्चिम में है.

30. C और E के बीच की सबसे कम दूरी कितनी है ?

(A) 10 मीटर (B) 12 मीटर

(C) 14 मीटर (D) 8 मीटर

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

31. D के सन्दर्भ में I की दिशा क्या है ?

(A) पूर्व

(B) पश्चिम

(C) दक्षिण-पश्चिम

(D) दक्षिण-पूर्व

(E) उत्तर-पूर्व

निर्देश—(प्रश्न 32 से 35 तक) निम्नलिखित जानकारी को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

एक निश्चित कूट में,

'must respect old rules' के लिए कूट 'za la ka ga' है,

'we respect the elders' के लिए कूट 'za fa sa na' है,

'we must be elders' के लिए कूट 'na la da sa' है,

'be elders respect younger' के लिए कूट 'wa sa za da' है.

32. 'da' कूट किस शब्द को दर्शाता है ?

(A) be (B) we

(C) respect (D) must

(E) elders

33. "we must respect elders" का सम्भावित कूट क्या है ?

(A) za na za sa

(B) na za sa wa

(C) la na za sa

(D) ga na za sa

(E) na za sa da

34. 'ga' कूट किस शब्द को दर्शाता है ?

(A) be (B) old

(C) respect (D) rules

(E) या तो विकल्प (B) या (D)

35. यदि 'respect must old' के लिए कूट 'za la ga' है, तो 'rules' के लिए कूट क्या है ?

(A) na (B) da

(C) ka (D) za

(E) ga

निर्देश—(प्रश्न 36 से 40 तक) निम्नलिखित जानकारी का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

आठ व्यक्तियों P, Q, R, S, T, U, V और W का जन्म एक ही तारीख और एक ही महीने में अलग-अलग वर्षों अर्थात् 1961, 1966, 1969, 1972, 1977, 1979, 1985 और 1994 में हुआ था, लेकिन जरूरी नहीं कि इसी क्रम में हों. उनकी आयु की गणना वर्ष 2021 के आधार पर की जाती है.

सम संख्या वाले वर्ष में जन्मे व्यक्ति और U, जिसका जन्म Q से ठीक पहले हुआ था, के बीच दो व्यक्तियों का जन्म हुआ था. Q से पहले जन्मे व्यक्तियों की संख्या, W के बाद जन्में व्यक्तियों की संख्या के बराबर है. P और V की आयु के बीच का अन्तर 5 है. V और U के बीच तीन व्यक्तियों का जन्म हुआ था. R का जन्म सम संख्या वाले वर्ष में नहीं हुआ था और उसका जन्म S के बाद हुआ था. T का जन्म R के ठीक बाद नहीं हुआ था.

36. निम्नलिखित में से व्यक्ति के नाम और जन्म वर्ष का कौनसा युग्म एक समूह नहीं बनाता है ?

(A) V – 1977 (B) Q – 1966

(C) T – 1961 (D) P – 1972

(E) R – 1979

37. W का जन्म किस वर्ष में हुआ था ?

(A) 1969 (B) 1966

(C) 1979 (D) 1985

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

38. P और Q के बीच कितने व्यक्तियों का जन्म हुआ था ?

(A) एक भी नहीं

(B) एक

(C) दो

(D) तीन

(E) तीन से अधिक

39. R और U की आयु के बीच का अन्तर कितना है ?

(A) 24 (B) 8

(C) 18 (D) 33

(E) 13

40. वर्ष 1969 में किसका जन्म हुआ था ?

(A) Q (B) S

(C) W (D) R

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

41. निम्नलिखित प्रश्न में (?) के स्थान पर कौनसा लगभग मान होना चाहिए ?
$74{\cdot}95 - 2{\cdot}93 \times (35{\cdot}96/5{\cdot}99 \div 2{\cdot}99) \div (1/2{\cdot}99) + 5{\cdot}96 = ?$
(A) 53 (B) 67
(C) 57 (D) 63
(E) 47

42. निम्नलिखित प्रश्न में (?) के स्थान पर कैनसा लगभग मान होना चाहिए ?
399·99 का 24·99% + 599·99 का 44·99% = ? + 499·99 का 59·99%
(A) 80 (B) 90
(C) 70 (D) 60
(E) 100

43. निम्नलिखित प्रश्न में प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर क्या अनुमानित मान आएगा ? (आपको सटीक मान की गणना नहीं करनी है).
$8{\cdot}001 \times 520{\cdot}09 \div ? = \sqrt{289{\cdot}03} - 27{\cdot}97 \times 7{\cdot}02 + 243{\cdot}1$
(A) 60 (B) 65
(C) 70 (D) 75
(E) 80

44. निम्नलिखित प्रश्न में (?) के स्थान पर कौनसा लगभग मान होना चाहिए ?
$461{\cdot}98 \div 20{\cdot}96 \times \sqrt[3]{728{\cdot}98} + (6{\cdot}96)^2 = ?$
(A) 256 (B) 241
(C) 237 (D) 247
(E) 226

45. निम्नलिखित प्रश्न में (?) के स्थान पर कौनसा लगभग मान होना चाहिए ?
$27{\cdot}98^2 - [17{\cdot}96^2 \div 26{\cdot}96] + 5{\cdot}98^2 = ? - 69{\cdot}98$
(A) 818 (B) 758
(C) 738 (D) 798
(E) 878

46. A किसी कार्य को 20 दिनों में कर सकता है, जबकि B अकेले इसे 30 दिनों में बना सकता है, यदि वे इसे एक साथ मिलकर बनाते हैं और ₹ 6300 की किस्त प्राप्त करते हैं, तो B का प्रस्ताव क्या है ?
(A) ₹ 5,620 (B) ₹ 4,520
(C) ₹ 6,750 (D) ₹ 1,850
(E) ₹ 2,520

47. 15 वर्ष पहले A और B की आयु का अनुपात 4 : 5 वर्ष था. 5 वर्ष बाद, उनकी आयु का अनुपात 13 : 15 होगा. उनकी वर्तमान आयु के योग और अन्तर के बीच का अनुपात ज्ञात कीजिए—
(A) 51 : 4
(B) 47 : 55
(C) 55 : 47
(D) 4 : 51
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

48. 475 लीटर मिश्रण में दूध और पानी का अनुपात क्रमशः 12 : b है, 42 लीटर दूध और 53 लीटर पानी मिलाने के बाद परिणामी मिश्रण में दूध और पानी का अनुपात क्रमशः 9 : 10 हो जाता है, तो प्रारम्भ में पानी की मात्रा ज्ञात कीजिए—
(A) 247 लीटर (B) 280 लीटर
(C) 295 लीटर (D) 256 लीटर
(E) 270 लीटर

49. एक निश्चित मूलधन पर 20% प्रति वर्ष की दर से 2 वर्षों के लिए कुल चक्रवृद्धि ब्याज और कुल साधारण ब्याज के बीच का अन्तर ₹ 420 है. समान मूलधन पर 25% प्रति वर्ष की दर से 3 वर्षों के लिए अर्जित साधारण ब्याज कितना होगा ?
(A) ₹ 5725 (B) ₹ 6525
(C) ₹ 7375 (D) ₹ 7875
(E) ₹ 7950

50. दिए गए प्रश्न में, दो समीकरण क्रमांक I और II दिए गए हैं. दोनों समीकरणों को हल कीजिए और उचित उत्तर चिह्नित कीजिए—
I. $y^2 - 6y - 112 = 0$
II. $x^2 + 3x - 40 = 0$
(A) $x \le y$ (B) $x > y$
(C) $x \ge y$ (D) $x < y$
(E) $x = y$ या x और y के बीच सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता है

51. प्रश्न में I और II से अंकित दो समीकरण दिए गए हैं. आपको इन समीकरणों को हल करना है और उत्तर देना है—
I. $x^2 - 25x + 156 = 0$
II. $y^2 - 23y + 132 = 0$
(A) $x < y$ (B) $x > y$
(C) $x \le y$ (D) $x \ge y$
(E) $x = y$ या x और y के बीच सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता है

52. निम्नलिखित प्रश्न में दो समीकरण दिए गए हैं. आपको समीकरण को हल करना है और उसके अनुसार उत्तर को चिह्नित करना है—
I. $x^2 - 9x + 20 = 0$
II. $y^2 - 27y + 180 = 0$
(A) $x > y$ (B) $x < y$
(C) $x \ge y$ (D) $x \le y$
(E) x और y में कोई सम्बन्ध नहीं है या $x = y$

53. दिए गए प्रश्न में दो समीकरण I और II दिए गए हैं. दोनों समीकरणों को हल कीजिए और उचित उत्तर को चिह्नित कीजिए—
I. $x^2 - 5x - 66 = 0$
II. $y^2 + 12y + 35 = 0$
(A) $x > y$ (B) $x < y$
(C) $x \ge y$ (D) $x \le y$
(E) $x = y$ या x और y के बीच सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता है

54. नीचे प्रश्न में दो समीकरण I और II दिए गए हैं. आपको इन समीकरणों को हल करना है और उत्तर देना है—
I. $x^2 - 14x + 45 = 0$
II. $y^2 + y - 30 = 0$
(A) $x < y$ (B) $x > y$
(C) $x \le y$ (D) $x \ge y$
(E) $x = y$ या x और y के बीच सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता है.

55. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन I और II दिए गए हैं. आपको यह निर्धारित करना है कि कथनों में दिए गए आँकड़े प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त हैं या नहीं. सर्वोत्तम सम्भव उत्तर चुनने के लिए आपको आँकड़े और गणित के अपने ज्ञान का उपयोग करना चाहिए. ट्रेन की गति क्या है ?
कथन :
I. एक 360 मीटर लम्बी ट्रेन 24 सेकण्ड में एक खम्भे को पार करती है.
II. ट्रेन 30 सेकण्ड में एक प्लेटफॉर्म को पार करती है.
(A) कथन I अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है, लेकिन केवल कथन II पर्याप्त नहीं है
(B) कथन II अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है, लेकिन केवल कथन I ही पर्याप्त नहीं है
(C) प्रश्न का उत्तर देने के लिए कथन I और कथन II दोनों की एक साथ आवश्यकता है
(D) न तो कथन I और न ही कथन II प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त हैं
(E) या तो कथन I अकेला या केवल कथन II प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है

56. दिए गए प्रश्न में एक प्रश्न और I और II से अंकित 2 कथन शामिल हैं. आपको यह तय करना होगा कि जानकारी प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है या नहीं. दोनों कथनों का ध्यानपूर्वक

अध्ययन कीजिए और फिर प्रश्न का उत्तर दीजिए—

जब एक आयत की चौड़ाई में 40% की वृद्धि हुई थी और लम्बाई स्थिर थी, तब क्षेत्रफल में 200 वर्ग सेमी की वृद्धि हुई थी. आयत का परिमाप क्या है ?

कथन :

I. चौड़ाई में वृद्धि के बाद आयत के सभी कोण 90 डिग्री के हो जाते हैं.

II. चौड़ाई में वृद्धि के बाद आयत एक वर्ग बन जाता है.

(A) प्रश्न का उत्तर देने के लिए केवल कथन I में दी गई जानकारी पर्याप्त है, जबकि प्रश्न का उत्तर देने के लिए केवल कथन II में दी गई जानकारी पर्याप्त नहीं है

(B) प्रश्न का उत्तर देने के लिए केवल कथन II में दी गई जानकारी पर्याप्त है, जबकि प्रश्न का उत्तर देने के लिए केवल कथन I में दी गई जानकारी पर्याप्त नहीं है

(C) प्रश्न का उत्तर देने के लिए या केवल कथन I या केवल कथन II में दी गई जानकारी पर्याप्त है

(D) प्रश्न का उत्तर देने के लिए कथन I और कथन II दोनों में दी गई जानकारी अपर्याप्त है

(E) प्रश्न का उत्तर देने के लिए कथन I और II दोनों साथ ही प्रश्न का उत्तर देने के लिए आवश्यक हैं

57. निम्नलिखित प्रश्न में एक प्रश्न और उसके बाद I और II से अंकित दो कथन दिए गए हैं. आपको यह तय करना होगा कि आँकड़े प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है या नहीं. दोनों कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और फिर प्रश्न का उत्तर दीजिए—

विपरीत दिशा में चलने वाली दो ट्रेनें एक-दूसरे को 9 सेकण्ड में पार करती हैं. उनकी लम्बाई का अन्तर क्या है ?

कथन :

I. उनकी गति का योग 18 मीटर/सेकण्ड है.

II. उनकी गति के बीच का अन्तर 6 मीटर/सेकण्ड है.

(A) कथन I में दिया गया आँकड़ा प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है, जबकि कथन II में दिया गया आँकड़ा प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त नहीं है

(B) कथन II में दिया गया आँकड़ा अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है, जबकि कथन I में दिया गया आँकड़ा प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त नहीं है

(C) कथन I या II में दिया गया कोई भी एक आँकड़ा अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है

(D) कथन I और II में दिया गया कोई भी आँकड़ा दोनों प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त नहीं है

(E) प्रश्न का उत्तर देने के लिए कथन I और II दोनों में दिए गए आँकड़ों की आवश्यकता है

निर्देश—(प्रश्न 58 से 62 तक) नीचे दी गई जानकारी के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

नीचे दी गई तालिका एक सोसायटी के भीतर पाँच अलग-अलग इमारतों में कमरों की कुल संख्या और रिक्त कमरों की संख्या के बारे में जानकारी प्रस्तुत करती है—

इमारत	कमरों की कुल संख्या	रिक्त कमरों की कुल संख्या
A	162	90
B	244	144
C	164	108
D	232	136
E	204	120

नोट—एक इमारत में कुल कमरों की संख्या = इमारत में रिक्त कमरों की संख्या + उसी इमारत में रिक्त कमरों की संख्या.

58. इमारत 'B' और इमारत 'D' में कमरों की कुल संख्या का योग, इमारत 'C' और इमारत 'E' में 'रिक्त' कमरों की कुल संख्या के योग का कितना प्रतिशत है ?
(A) 206·66% (B) 208·77%
(C) 209·33% (D) 210·88%
(E) 211·44%

59. इमारत 'A', 'D' और 'E' में 'अधिगृहीत' कमरों की कुल संख्या का औसत कितना है ?
(A) 72 (B) 75
(C) 78 (D) 81
(E) 84

60. इमारत 'A' और इमारत 'C' में 'रिक्त' कमरों की संख्या का योग, इमारत 'B' और इमारत 'D' में 'रिक्त' कमरों की संख्या के योग से कितने प्रतिशत अधिक या कम है ?
(A) 26·14% (B) 27·28%
(C) 28·14% (D) 29·28%
(E) 30·14%

61. इमारत 'C' और इमारत 'D' में 'अधिगृहीत' कमरों की कुल संख्या तथा इमारत 'A' और इमारत 'E' में कमरों की कुल संख्या के बीच सम्बन्धित अनुपात कितना है ?
(A) 73 : 185 (B) 73 : 186
(C) 76 : 183 (D) 76 : 185
(E) 77 : 183

62. यदि इमारत 'A' में एक 'रिक्त' कमरे का मूल्य ₹ 7200 है और एक 'अधिगृहीत' कमरे का मूल्य ₹ 9000 है, तो इमारत 'A' के सभी कमरों का औसत मूल्य कितना है ?
(A) ₹ 7400 (B) ₹ 7500
(C) ₹ 7600 (D) ₹ 7800
(E) ₹ 8000

63. निम्नलिखित श्रेणी में, गलत पद ज्ञात कीजिए—
529, 841, 961, 1089, 1681, 1849
(A) 529 (B) 841
(C) 961 (D) 1089
(E) 1681

64. निम्नलिखित श्रेणी में, गलत पद ज्ञात कीजिए—
312, 156, 234, 585, 2049·5, 9213·75
(A) 585 (B) 2049·5
(C) 234 (D) 312
(E) 156

65. निम्नलिखित श्रेणी में गलत पद ज्ञात कीजिए—
12, 25, 50, 150, 600, 3000
(A) 12 (B) 25
(C) 50 (D) 600
(E) 150

66. निम्नलिखित श्रेणी में गलत पद ज्ञात कीजिए—
10, 31, 72, 141, 248, 412
(A) 10 (B) 31
(C) 412 (D) 248
(E) 141

67. निम्नलिखित शृंखला में गलत संख्या ज्ञात कीजिए—
312, 304, 288, 266, 232, 192, 144
(A) 266 (B) 304
(C) 312 (D) 192
(E) 288

68. A और B एक व्यवसाय में क्रमशः ₹ 6000 और ₹ 12,000 का निवेश करते हैं. 6 महीने बाद, इस व्यवसाय में C भी शामिल हो जाता है और B व्यवसाय शुरू होने के 9 महीने बाद छोड़ देता है. यदि वर्ष के अन्त में C का लाभ हिस्सा, ₹ 50,400 के कुल लाभ में से

₹ 18,900 है, तो C द्वारा निवेश की गई धनराशि ज्ञात कीजिए—
(A) ₹ 12,000 (B) ₹ 15,000
(C) ₹ 18,000 (D) ₹ 21,000
(E) ₹ 24,000

69. एक वस्तु का लागत मूल्य ₹ 800 है. करण इसे 10% के लाभ पर अरुण को बेचता है. अरुण उसी वस्तु को अपने ग्राहक को बेचता है और 5% का लाभ कमाता है. अरुण द्वारा वस्तु का विक्रय मूल्य ज्ञात कीजिए—
(A) ₹ 100 (B) ₹ 256
(C) ₹ 675 (D) ₹ 122
(E) ₹ 924

70. संगीता नाम की माँ की उम्र और विनीता नाम की उनकी बेटी की उम्र का अनुपात 9 : 5 है. उनकी उम्र का गुणनफल 1125 है. 5 वर्ष बाद संगीता और विनीता का अनुपात क्या होगा ?
(A) 1 : 3 (B) 2 : 3
(C) 3 : 4 (D) 5 : 3
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

71. दो नावें A और B, 455 किमी की दूरी पर दो स्थानों से एक-दूसरे की ओर चलना शुरू करती हैं. स्थिर जल में नाव A और B की गति क्रमशः 28 किमी/घण्टा और 37 किमी/घण्टा है. यदि A धारा के अनुकूल आगे बढ़ती है और B धारा के प्रतिकूल जाती है, तो वे कितने समय के बाद मिलेंगी ?
(A) 13 घण्टे (B) 5 घण्टे
(C) 15 घण्टे (D) 7 घण्टे
(E) 6·5 घण्टे

72. ट्रेन P की लम्बाई और ट्रेन Q की लम्बाई क्रमशः 350 मीटर और 440 मीटर है और उनकी गति क्रमशः 54 किमी/घण्टा और 108 किमी/घण्टा है. समान दिशा और विपरीत दिशा में चलते समय ट्रेन P और ट्रेन Q को एक-दूसरे को पार करने में लगने वाले समय का योग क्या होगा ?
(A) 56·77 सेकण्ड
(B) 70·23 सेकण्ड
(C) 79·75 सेकण्ड
(D) 90 सेकण्ड
(E) 87·23 सेकण्ड

निर्देश—(प्रश्न 73 से 77 तक) नीचे दी गई जानकारी के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

दिया गया दण्ड-आरेख पाँच अलग-अलग शहरों में शाकाहारी और मांसाहारी रेस्टोरेंट के वितरण को दर्शाता है—

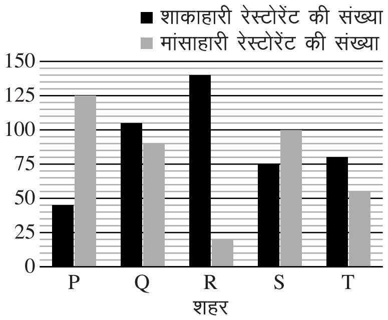

नोट—एक शहर में रेस्टोरेंट की कुल संख्या = शाकाहारी रेस्टोरेंट की संख्या + उसी शहर में मांसाहारी रेस्टोरेंट की संख्या

73. शहर 'T' में रेस्टोरेंट की कुल संख्या तथा शहर 'P' और शहर 'Q' में 'शाकाहारी' रेस्टोरेंट की कुल संख्या के बीच सम्बन्धित अनुपात कितना है ?
(A) 3 : 5 (B) 5 : 8
(C) 9 : 10 (D) 15 : 17
(E) 27 : 29

74. शहर 'R' में रेस्टोरेंट की कुल संख्या, शहर 'S' में रेस्टोरेंट की कुल संख्या से कितने प्रतिशत अधिक या कम है ?
(A) 5·71% (B) 8·57%
(C) 9·37% (D) 11·42%
(E) 14·28%

75. यदि शहर 'X' में 'शाकाहारी' रेस्टोरेंट की संख्या, शहर 'T' की तुलना में 40% कम है, तो शहर 'X', शहर 'S' और शहर 'T' में 'शाकाहारी' रेस्टोरेंट की कुल संख्या कितनी है ?
(A) 203 (B) 213
(C) 223 (D) 233
(E) 243

76. शहर 'Q', शहर 'R' और शहर 'S' में मांसाहारी रेस्टोरेंट की औसत संख्या कितनी है ?
(A) 55 (B) 60
(C) 65 (D) 70
(E) 75

77. यदि शहर 'P' में कैफे और रेस्टोरेंट की कुल संख्या 220 है और शहर 'S' में कैफे की संख्या, शहर 'P' से 80% अधिक है, तो शहर 'P' और शहर 'S' में कैफे की कुल संख्या, शहर 'P' और शहर 'S' में मांसाहारी रेस्टोरेंट की कुल संख्या से कितना प्रतिशत अधिक/कम है ?
(A) 33·33%
(B) 34·44%
(C) 35·55%
(D) 36·66%
(E) 37·77%

78. 60 लड़कियों के समूह का औसत वजन 46 किग्रा था. बाद में यह पाया गया कि लड़कियों में से एक का वजन 44 किग्रा था, जबकि उसका वास्तविक वजन 28 किग्रा था. 60 लड़कियों के समूह का वास्तविक औसत वजन क्या है ?
(A) 45 किग्रा
(B) 46·73 किग्रा
(C) 45·73 किग्रा
(D) 48·76 किग्रा
(E) निर्धारित नहीं किया जा सकता है

79. एक बेलन की ऊँचाई, बेलन के आधार के त्रिज्या का 2 गुना है. यदि बेलन के आधार का क्षेत्रफल 154 सेमी^{2} है. बेलन का वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल ज्ञात कीजिए—
(A) 356 सेमी^{2} (B) 560 सेमी^{2}
(C) 616 सेमी^{2} (D) 486 सेमी^{2}
(E) 455 सेमी^{2}

80. दो पाइप A और B अलग-अलग एक जलाशय को क्रमशः 25 और 30 मिनट में भर सकते हैं, लेकिन जब निकास पाइप खुला होता है, तो वे एक साथ जलाशय को 25 मिनट में भर सकते हैं. निकास पाइप द्वारा जलाशय को खाली करने में कितना समय लगता है ?
(A) 20 मिनट (B) 30 मिनट
(C) 60 मिनट (D) 15 मिनट
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर व्याख्या सहित

प्रश्न 1 से 5 तक—

व्यक्तियों का मंजिल के क्रम में व्यवस्थीकरण—

मंजिल	व्यक्ति
9	E
8	B
7	H
6	D
5	A
4	G
3	C
2	I
1	F

1. (A) F पहली मंजिल पर रहता है.
2. (D) B तथा C के बीच 4 मंजिलें हैं.
3. (C) D, G से दो मंजिल ऊपर रहता है.
4. (E) A, B से तीन मंजिल नीचे रहता है.
5. (D) A तथा G के बीच कोई मंजिल नहीं है, जबकि अन्य सभी समूह के व्यक्तियों के बीच एक मंजिल है.

6. (B) कथनों का संयोजन करने पर,

$A > B > C \ > D = F$

निष्कर्ष :

I. $C \geq F \rightarrow$ असत्य

II. $B > F \rightarrow$ सत्य

7. (D) कथनों का संयोजन करने पर,

$M \leq Q = E = Y \leq D \geq P \leq V$

निष्कर्ष :

I. $E \geq P \rightarrow$ असत्य

II. $Q > D \rightarrow$ असत्य

8. (A) **कथन :**

$Z > T \geq U \geq R = Q \leq T$

निष्कर्ष :

I. $Q < Z \rightarrow$ सत्य

II. $U \geq T \rightarrow$ असत्य

9. (B) **कथन :**

$D \geq E > F = A \leq U < L \geq T = R$

निष्कर्ष :

I. $F < L \rightarrow$ सत्य

II. $D > A \rightarrow$ सत्य

प्रश्न 10 से 14 तक

जानकारी के आधार पर क्रम व्यवस्थीकरण—

बॉक्स	देश
O	फिनलैण्ड
K	डेनमार्क
M	स्पेन
N	हंगरी
L	पोलैण्ड
P	ब्राजील
J	वियतनाम

10. (E) बॉक्स J वियतनाम देश से प्राप्त हुआ है.

11. (C)

12. (A) M-डेनमार्क के बीच कोई बॉक्स नहीं है, जबकि अन्य सभी के बीच एक बॉक्स है.

13. (C) बॉक्स O फिनलैण्ड से प्राप्त हुआ है.

14. (B) M तथा P के बीच दो बॉक्स हैं.

15. (B)

laptop (are) (mouse) → (gu) cu (du)

(mouse) (are) keyboard → (gu) (du) au

'are' का कूट 'gu या du' है.

प्रश्न 16 से 20 तक

जानकारी के आधार पर बैठक व्यवस्थीकरण—

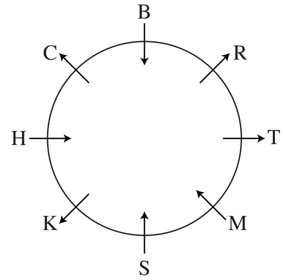

16. (D) चार व्यक्ति वृत्त के केन्द्र की ओर मुँह किए हुए हैं.

17. (A) R, T तथा B के मध्य में बैठता है.

18. (D) जब M के बाएं ओर से गिना जाता है, तब M तथा B के बीच चार व्यक्ति बैठते हैं.

19. (A) R, K के बाएं से चौथा है.

20. (A) K, C के बाएं से दूसरा है.

21. (C) दी गई संख्या—

7 8 4 6 3 1 4

प्रश्नानुसार शर्त लागू करने पर,

7 8 4 6 3 1 4
−1 +1 +1 +1 −1 −1 +1
⇓
6 9 5 7 2 0 5

केवल एक अंक (5) की पुनरावृत्ति होती है.

22. (D) E H L P S W (+3 +4, +3 +4)

I L P (+3 +4) | R U X (+3 +3) | G J N (+3 +4)

इसलिए, RUX समूह से अलग है.

23. (C) वेन आरेख—

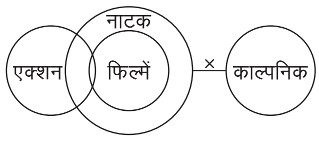

निष्कर्ष :

I. कुछ एक्शन नाटक हैं. (सत्य)

II. कोई भी नाटक काल्पनिक नहीं है (असत्य)

केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है.

24. (B) वेन आरेख—

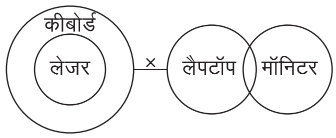

निष्कर्ष :

I. कुछ कीबोर्ड के मॉनिटर होने की सम्भावना है. (सत्य)

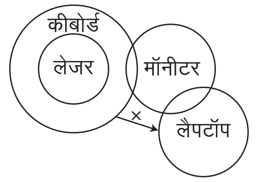

II. कोई लेजर लैपटॉप नहीं है. (सत्य)

दोनों निष्कर्ष अनुसरण करते हैं.

25. (D) वेन आरेख—

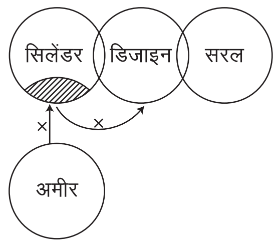

निष्कर्ष :

I. सभी सिलेंडरों के अमीर होने की एक सम्भावना है. (असत्य)

II. कुछ अमीर सरल नहीं है. (असत्य)

कोई भी निष्कर्ष अनुसरण नहीं करता.

26. (E) वेन आरेख—

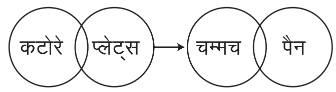

निष्कर्ष :

I. सभी पैन की प्लेट्स होने की सम्भावना है. (असत्य)

II. कुछ कटोरे चम्मच हैं. (असत्य)

न तो I और न ही II सत्य है.

प्रश्न संख्या 27 से 29 तक

व्यक्तियों का अन्तिम व्यवस्थीकरण

27. (E) H, A के दाएं पाँचवें स्थान पर बैठा है.

28. (B) तब B, K के बाएं चौथे स्थान पर होगा.

29. (E) पंक्ति में कुल 28 व्यक्ति बैठते हैं.

प्रश्न 30 एवं 31

सभी बिन्दुओं का व्यवस्थीकरण का आरेख—

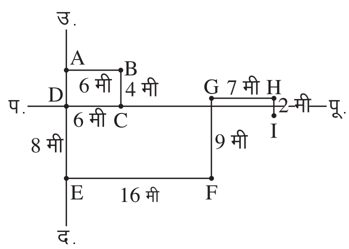

30. (A)

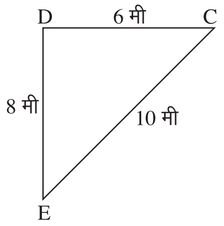

पाइथागोरस प्रमेय लगाने पर,

$$CE = \sqrt{DE^2 + DC^2}$$
$$= \sqrt{8^2 + 6^2}$$
$$= \sqrt{64 + 36}$$
$$= \sqrt{100}$$
$$CE = 10 \text{ मीटर}$$

31. (D) I, D के दक्षिण-पूर्व दिशा में है.

प्रश्न 32 से 35 तक

must respect old rules → za la ka ga

we respect the elders → za fa sa na

we must be elders → na la da sa

be elders respect younger → wa sa za da

32. (A) 'da' कूट 'be' को निरूपित करता है.
33. (C) we must respect elders' का कूट 'la na za sa' है.
34. (E) 'ga' कूट 'old' या 'rules' को दर्शाता है.
35. (C) तब 'rules' का कूट 'ka' होगा.

प्रश्न 36 से 40 तक

व्यक्तियों का क्रम व्यवस्थीकरण–

वर्ष	आयु	व्यक्ति
1961	60	U
1966	55	Q
1969	52	S
1972	49	P
1977	44	V
1979	42	R
1985	36	W
1994	27	T

36. (C) 'T–1961' असत्य है, जबकि अन्य सभी का जन्म वर्ष सही है.
37. (D) W का जन्म 1985 में हुआ है.
38. (B) P तथा Q के बीच एक व्यक्ति (S) जन्म लेता है.
39. (C) R तथा U की आयु का अन्तर
$= 60 – 42$
$= 18$
40. (B) S का जन्म 1969 में हुआ है.
41. (D) 74·95 – 2·93 × [35·96/5·99 ÷ 2·99] ÷ (1/2·99) + 5·96

निकटतम मान लेकर BODMAS के अनुसार हल करने पर

$$= 75 - 3 \times \left[\frac{36}{6} \div 3\right] \div \left(\frac{1}{3}\right) + 6$$
$$= 75 - 3 \times [6 \div 3] \div \left(\frac{1}{3}\right) + 6$$
$$= 75 - 3 \times 2 \times 3 + 6$$
$$= 75 - 18 + 6 = 63$$

42. (C) 399·99 का 24·99% + 599·99 का 44·99% = ? + 499·99 का 59·99%

निकटतम मान लेकर BODMAS के अनुसार हल करने पर

⇒ 400 का 25% + 600 का 45% = ? + 500 का 60%

⇒ 100 + 270 = ? + 300

? = 70

43. (B) $8·001 \times 520·09 \div ? = \sqrt{289·03} - 27·97 \times 7·02 + 243·1$

$\Rightarrow 8 \times 520 \div ? = 17 - 28 \times 7 + 243$

$\Rightarrow 4160 \div ? = 17 - 196 + 243$

$\Rightarrow 4160 \div ? = 64$

$$\Rightarrow ? = \frac{4160}{64} = 65$$

44. (D) $461·98 \div 20·96 \times \sqrt[3]{728·98} + (6·96)^2 = ?$

$\Rightarrow 462 \div 21 \times \sqrt[3]{729} + (7)^2 = ?$

$\Rightarrow 22 \times 9 + 49 = ?$

$\Rightarrow 198 + 49 = ?$

$? = 247$

45. (E) $27·98^2 - [17·96^2 \div 26·96] + 5·98^2 = ? - 69·98$

$\Rightarrow 28^2 - [18^2 \div 27] + 6^2 = ? - 70$

$\Rightarrow 784 - [324 \div 27] + 36 = ? - 70$

$\Rightarrow 784 - 12 + 36 = ? - 70$

$\Rightarrow 808 = ? - 70$

$\Rightarrow ? = 878$

46. (E) समय × दक्षता = कार्य

	दक्षता	समय	कुल कार्य
A	3	20 days	60 (20 तथा 30 का ल.स.)
B	2	30 days	

(A + B) को साथ मिलकर कार्य करने में लगा समय

$$= \frac{60}{(2+3)} = 12 \text{ दिन}$$

B का हिस्सा

$$= \frac{12}{30} \times 6300 = ₹\,2{,}520$$

47. (A) माना A तथा B की 15 वर्ष पहले आयु 4x तथा 5x है.

वर्तमान से 5 वर्ष बाद A तथा B की आयु का अनुपात 13 : 15 होगा.

$$\frac{4x + 15 + 5}{5x + 15 + 5} = \frac{13}{15}$$
$$\frac{4x + 20}{5x + 20} = \frac{13}{15}$$
$$60x + 300 = 65x \times 260$$
$$5x = 40$$
$$x = 8 \text{ वर्ष}$$

वर्तमान में (A + B) की आयु : वर्तमान में (A – B) की आयु

(4 × 8 + 15 + 5 × 8 + 15) : (5 × 8 + 15 – (4 × 8 + 15))

= 102 : 8

= 51 : 4

48. (A) अन्तिम मिश्रण ⇒ दूध : पानी
9 : 10

19 = (475 + 42 + 53)

$$1 = \frac{570}{19} = 30$$

पानी की वर्तमान मात्रा

= 10 × 30 = 300 लीटर

शुरुआत में पानी की अभीष्ट मात्रा

= 300 – 53 = 247 लीटर

49. (D) चक्रवृद्धि तथा साधारण ब्याज का 2 वर्ष का अन्तर

$$P \times \left(\frac{r}{100}\right)^2 = (CI - SI) = 2 \text{ वर्ष}$$
$$P \times \left(\frac{20}{100}\right)^2 = 420$$
$$P = 420 \times 5 \times 5$$
$$= ₹\,10{,}500$$
$$\frac{p \times r \times t}{100} = SI$$
$$SI = \frac{10{,}500 \times 25 \times 3}{100}$$
$$= ₹\,7{,}875$$

50. (E) I. $y^2 - 6y - 112 = 0$

$y^2 - 14y + 8y - 112 = 0$

$(y - 14)(y + 8) = 0$

$y = 14, -8$

II. $x^2 + 3x - 40 = 0$

$x^2 + 8x - 5x - 40 = 0$

$(x + 8)(x - 5) = 0$

$x = 5, -8$

$x > y$, $x < y$ बन रहे हैं. इसलिए सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता.

51. (D) $x^2 - 25x + 156 = 0$

$x^2 - 12x - 13x + 156 = 0$

$(x - 12)(x - 13) = 0$

$x = 12, 13$

$y^2 - 23y + 132 = 0$

$y^2 - 11y - 12y + 132 = 0$

$(y - 11)(y - 12) = 0$

$y = 11, 12$

x तथा y की तुलना करने के बाद

$x \geq y$

52. (B) I. $x^2 - 9x + 20 = 0$

$x^2 - 5x - 4x + 20 = 0$

$(x - 5)(x - 4) = 0$

$x = 5, 4$

II. $y^2 - 27y + 180 = 0$

$y^2 - 12y - 15y + 180 = 0$

$(y - 12)(y - 15) = 0$

$y = 12, 15$

x तथा y की तुलना करने के बाद $x < y$

53. (E) I. $x^2 - 5x - 66 = 0$

$x = +11, -6$

II. $y^2 + 12y + 35 = 0$

$y = -7, -5$

x का मान	सम्बन्ध	y का मान
11	>	– 7
11	>	– 5
– 6	>	– 7
– 6	<	– 5

$x > y$ तथा $x < y$ बन रहा है, इसलिए सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता.

54. (D) I. $x^2 - 14x + 45 = 0$

$x = +9, +5$

II. $y^2 + y + 30 = 0$

$y = -6, +5$

x का मान	सम्बन्ध	y का मान
9	>	– 6
9	>	5
5	>	– 6
5	=	5

तुलना करने के बाद

$x \geq y$

55. (A) **कथन I**

लम्बाई = 360 मी

समय = 24 सेकण्ड

$$\text{चाल} = \frac{\text{दूरी}}{\text{समय}}$$

$$= \frac{360}{24} = 15 \text{ मी/से}$$

कथन II

समय = 30 सेकण्ड

लम्बाई तथा समय नहीं दिया गया. कथन I अकेला पर्याप्त है, लेकिन II अकेला पर्याप्त नहीं है.

56. (B) **कथन I**

आयत के कोण पहले से 90° के होते हैं. इसलिए कथन पर्याप्त नहीं है.

कथन II : माना कि मूल लम्बाई x तथा मूल चौड़ाई y है, तब

नई चौड़ाई = $1 \cdot 4y$

$\therefore \quad 1 \cdot 4y = m$ (वर्ग)

$$\therefore \quad \frac{x}{y} = \frac{1}{1 \cdot 4} = \frac{5}{7}$$

अतः हम परिमाप ज्ञात कर सकते है. कथन II अकेला पर्याप्त है.

57. (D) एक-दूसरे को विपरीत दिशा में पार करने में लगा समय

= 9 सेकण्ड

कथन I : चालों का योग

= 18 मी/से

दोनों ट्रेनों की लम्बाई का योग

= 18 × 9 = 162 मी

लेकिन किसी भी ट्रेन की लम्बाई के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है.

कथन II : चालों का अन्तर

= 6 मी/से

लेकिन ट्रेन एक-दूसरे को विपरीत दिशा में पार करती हैं.

इसलिए दोनों ही कथनों में उत्तर देने के लिए जानकारी अपर्याप्त है.

प्रश्न 58 से 62 तक

इमारत	कमरों की कुल संख्या	रिक्त कमरों की संख्या	भरे हुए कमरों की संख्या
A	162	90	72
B	244	144	100
C	164	108	56
D	232	136	96
E	204	120	84

58. (B) इमारत 'B' और 'D' में कमरों की कुल संख्या का योग

= 244 + 232 = 476

इमारत 'C' और 'E' में रिक्त कमरों की संख्या का योग

= 108 + 120 = 228

अभीष्ट प्रतिशत

$$= \frac{476}{228} \times 100$$

= 208·77%

59. (E) अभीष्ट औसत

$$= \frac{(72 + 96 + 84)}{3}$$

= 84

60. (D) इमारत 'A' और 'C' में रिक्त कमरों की कुल संख्या

= (90 + 108) = 198

इमारत 'B' और 'D' में रिक्त कमरों की कुल संख्या

= (144 + 136) = 280

अभीष्ट %

$$= \frac{(280 - 198)}{280} \times 100\%$$

= 29·28%

61. (C) इमारत 'C' और 'D' में 'अधिगृहीत' कमरों की कुल संख्या

= (56 + 96) = 152

इमारत 'A' और 'E' में मिलाकर कमरों की कुल संख्या

= (162 + 204) = 366

अभीष्ट अनुपात

= 76 : 183

62. (E) इमारत A के सभी कमरों के मूल्य का औसत

$$= \frac{(90 \times 7200 + 9000 \times 72)}{(90 + 72)}$$

$$= \frac{648000 + 648000}{162}$$

$$= \frac{1296000}{162} = ₹\ 8{,}000$$

63. (D)

529, 841, 961, [1089], 1681, 1849

23^2, 29^2, 31^2, 33^2, $(41)^2$, $(43)^2$

संख्या $33^2 = 1089$ के स्थान पर $37^2 = 1369$ आएगी. इसलिए 1089 इस श्रेणी में गलत संख्या है.

64. (B)

312, 156, 234, 585, [2047·5], 9213·75

×0·5, ×1·5, ×2·5, ×3·5, ×4·5

इसलिए, 2049·5 गलत पद है.

65. (A)

25, 25, 50, 150, 600, 3000

×1, ×2, ×3, ×4, ×5

इसलिए 12 गलत पद है.

66. (C)

10, 31, 72, 141, 248, 407

$2^3 + 2$, $3^3 + 4$, $4^3 + 8$, $5^3 + 16$, $6^3 + 32$, $7^3 + 64$

इसलिए, 412 गलत पद है.

67. (A)

312, 304, 288, [264], 232, 192, 144

–8, –16, –24, –32, – 40, – 48

इसलिए 266 श्रेणी में गलत पद है.

68. (C) लाभ ∝ निवेश × समय

माना C का निवेश ₹ x है.

A : B : C

6000 × 12 : 12000 × 9 : x × 6

=12000 : 18000 : x

$30000 = 50400 - 18900$

$30000 = 31500$

$$1 = \frac{30000}{31500} = \frac{20}{21}$$

C का निवेश (18900)

$$= \frac{20}{21} \times 18900$$

= ₹ 18,000

69\. (E) विक्रय मूल्य

= क्रय मूल्य + लाभ

$$SP = CP \times \left(\frac{100+P}{100}\right)$$

करन के लिए विक्रय मूल्य

$$= \frac{800 \times 110}{100} = ₹\ 880$$

अरुण के लिए विक्रय मूल्य

$$= \frac{880 \times 105}{100} = ₹\ 924$$

70\. (D) माना संगीता तथा उसकी बेटी विनीता की आयु $9x$ तथा $5x$ है.

$$9x \times 5x = 1125$$

$$x^2 = 25$$

$$x = 5$$

5 वर्ष बाद

संगीता : विनीता

$9 \times 5 + 5 : 5 \times 5 + 5$

50 : 30

5 : 3

71\. (D) माना धारा की चाल 5 किमी/घण्टा नाव A की चाल (28 + 5) तथा नाव B की गति (37 – 5) होगी.

$$\text{समय} = \frac{\text{दूरी}}{\text{चाल}}$$

$$\text{समय} = \frac{455}{(28+5)+(37-5)}$$

$$= \frac{455}{65}$$

समय = 7 घण्टे

72\. (B) $\text{समय} = \frac{\text{दूरी}}{\text{चाल}}$

दूरी = (P + Q) लम्बाई

एक ही दिशा में एक-दूसरे को पार करने में लगा समय

$$= \frac{(350+440)}{\frac{(108-54)\times 5}{18}}$$

$$= \frac{790 \times 18}{54 \times 5} = \frac{158}{3}$$

= 52·67 सेकण्ड

विपरीत दिशा में एक-दूसरे को पार करने में लगा समय

$$= \frac{(350+440)}{\frac{(108+54)\times 5}{18}}$$

$$= \frac{790 \times 18}{162 \times 5}$$

$$= \frac{158}{9} = 17{\cdot}56$$

अभीष्ट समय = 52·67 + 17·56

= 70·23 सेकण्ड

प्रश्न 73 से 77 तक

शहर	शाकाहरी रेस्टोरेंट की संख्या	मांसाहारी रेस्टोरेंट की संख्या	कुल रेस्टोरेंट
P	45	125	170
Q	105	90	195
R	140	20	160
S	75	100	175
T	80	55	135

73\. (C) अभीष्ट अनुपात

= (135 : (45 + 105))

= 9 : 10

74\. (B) अभीष्ट प्रतिशत

$$= \frac{(175-160)}{175} \times 100\%$$

= 8·57%

75\. (A) शहर 'X' में शाकाहारी रेस्टोरेंट की कुल संख्या

$$= \frac{80 \times (100-40)}{100}$$

$$= \frac{80 \times 3}{5} = 48$$

कुल अभीष्ट संख्या

= 48 + 75 + 80 = 203

76\. (D) अभीष्ट औसत

$$= \frac{(90+20+100)}{3}$$

= 70

77\. (E) शहर 'P' में कैफे की संख्या 'P'

= 220 – 170 = 50

शहर 'P' में कैफे की संख्या 'S'

= 50 × 180% = 90

शहर 'P' तथा 'S' में मांसाहारी रेस्टोरेंट की कुल संख्या

= 125 + 100 = 225

अभीष्ट प्रतिशत

$$= \frac{(225-140)}{225} \times 100\%$$

= 37·77%

78\. (C) वजनों का योग = वजनों का औसत × कुल लड़कियाँ

शुरुआत में 60 लड़कियों के वजन का योग = 60 × 46

= 2760

आंकलन के बाद सही योग

= 2760 – 44 + 28

= 2760 – 16

= 2744

वास्तविक (सही) औसत

$$= \frac{2744}{60} = 45{\cdot}73 \text{ किग्रा}$$

79\. (C) सिलेंडर का क्षेत्रफल

$\pi r^2 = 154$ सेमी^{2}

$$\frac{22}{7} \times r^2 = 154$$

$$r^2 = \frac{154 \times 7}{22}$$

$= 7 \times 7$

$r = 7$ सेमी

$h = 2r = 14$ सेमी

वक्रपृष्ठ का क्षेत्रफल

$= 2\pi rh$

$$= 2 \times \frac{22}{7} \times 7 \times 14$$

= 616 सेमी^{2}

80\. (B)

	दक्षता	समय	कुल कार्य
A	6	25 मिनट	150 लीटर (25 तथा 30 का ल.स.)
B	5	30 मिनट	

25 मिनट में (A + B) द्वारा भरे जाने वाले पदार्थ की मात्रा

= 25 × (6 + 5)

= 25 × 11

= 275

25 मिनट में निकास पाइप द्वारा जलाशय का खाली किया भाग

= 275 – 150

= 125

निकास पाइप की दक्षता

$$= \frac{125}{25}$$

= 5 लीटर/मिनट

निकास पाइप द्वारा जलाशय को खाली करने में लगा समय

$$= \frac{150}{5} = 30 \text{ मिनट}$$

●●●

हिन्दी

1. 'संस्कृति के चार अध्याय' के विभिन्न प्रकरणों के शीर्षकों को पहले से बाद के क्रम में लगाइए–
   1. भक्ति-आन्दोलन और इस्लाम.
   2. भारतीय राष्ट्रीयता और मुसलमान.
   3. प्राचीन भारत और बाह्य विश्व.
   4. उर्दू का जन्म.
   5. शिक्षा में क्रान्ति.

   नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
   (A) 3, 1, 4, 5, 2 (B) 4, 1, 2, 5, 3
   (C) 3, 5, 2, 4, 1 (D) 5, 1, 4, 3, 2

2. छायावाद के सम्बन्ध में इनमें से कौनसे कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के हैं ?
   1. "छायावाद की शाखा के भीतर धीरे-धीरे काव्य शैली का बहुत अच्छा विकास हुआ, इसमें संदेह नहीं."
   2. "छायावाद के लिए 'मिस्टिसिज़्म' शब्द के आते ही 'रहस्यवाद' शब्द की बुनियाद पड़ गई."
   3. "छायावाद जहाँ तक आध्यात्मिक प्रेम लेकर चला वहाँ तक तो रहस्यवाद के ही अन्तर्गत रहा."
   4. "छायावाद व्यक्तिवाद की कविता है, जिसका आरम्भ व्यक्ति के महत्व को स्वीकार करने और करवाने से हुआ."
   5. "छायावाद के पहले नए मार्मिक विषयों की ओर हिन्दी कविता प्रवृत्त होती आ रही थी."

   नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
   (A) केवल 1, 3, 5
   (B) केवल 1, 2, 4
   (C) केवल 2, 4, 5
   (D) केवल 1, 2, 3

3. किस काव्यशास्त्री ने काव्यास्वादन की अन्तिम स्थिति को भोजकत्व कहा है ?
   (A) अभिनव गुप्त (B) भट्ट लोल्लट
   (C) भट्टनायक (D) शंकुक

4. 'जिन्दगीनामा' उपन्यास में आए इन गीतों/मुखड़ों का, उपन्यास में आने के अनुसार, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–
   1. आले दवाले मेरी गुड्डियाँ
      मैंनू नहीं खेलन दा चाव रे
   2. मैं सूरज अगन जलाऊँगी
      मैं प्यार यार मनाऊँगी
   3. अव्वल हमद खुदा दा विरज कीजे
      इश्क कीता सू जग दा मूल मियाँ
   4. मियाँ मजनुआँ ओ
      चिट्टे तेरे दन्द दिक्खी हस्सियाँ ओ
   5. चढ़ गए चेत पड़ी फुहार
      यारो बहुत बड़ी सरकार

   नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
   (A) 3, 5, 2, 4, 1
   (B) 2, 4, 3, 5, 1
   (C) 4, 1, 3, 5, 2
   (D) 5, 1, 2, 4, 3

5. "धर्मशास्त्र रामगुप्त से ध्रुवस्वामिनी के मोक्ष की आज्ञा देता है."
   इस संवाद में '<u>मोक्ष</u>' शब्द का उचित अर्थ है–
   (A) निर्वाण
   (B) विवाह
   (C) विवाह-विच्छेद अर्थात् तलाक
   (D) देश निकाला

6. 'सरोज-स्मृति' कविता की इन पंक्तियों को, कविता में आने के अनुसार, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–
   1. मैं कवि हूँ, पाया है प्रकाश.
   2. और भी फलित होगी वह छवि.
   3. दुख ही जीवन की कथा रही.
   4. धन्ये, मैं पिता निरर्थक था.
   5. तेरा वह जीवन-सिन्धु-तरण:

   नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
   (A) 3, 4, 5, 1, 2
   (B) 2, 1, 4, 5, 3
   (C) 5, 1, 4, 2, 3
   (D) 4, 2, 1, 5, 3

7. 'हस्तलिखित' पद में कौनसा समास है ?
   (A) कर्म-तत्पुरुष
   (B) करण-तत्पुरुष
   (C) सम्प्रदान-तत्पुरुष
   (D) अपादान-तत्पुरुष

8. "अपपुनपौ आपनु में बिसरो।
   जैसे <u>सोनहा</u> काँच मन्दिर मैं भरमत भूँकि मरो।"
   कबीर की उपर्युक्त पंक्तियों में '<u>सोनहा</u>' शब्द का उचित अर्थ है–
   (A) सोनार (B) स्थान का नाम
   (C) कुत्ता (D) साँड़

9. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

   सूची-I (निबन्ध)
   (a) गंवई गाँव की गंध
   (b) यथासम्भव
   (c) शिखरों के सेतु
   (d) वे और होंगे जो मारे जाएँगे

   सूची-II (निबन्धकार)
   1. शरद जोशी
   2. रघुवीर सहाय
   3. विवेकी राय
   4. शिवप्रसाद सिंह

   नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	2	4	1	3
(C)	4	2	1	3
(D)	3	1	4	2

10. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

    सूची-I (संवाद/गीत की पंक्तियाँ)
    (a) चना हाकिम सब जो खाते।
        सब पर दूना टिकस लगाते।।
    (b) कोकिल बायस एक सम, पंडित मूरख एक।
        इन्द्रायन दाड़िम विषय, जहाँ न नेकु बिवेक।।
    (c) प्रगट सभ्य अन्तर छलधारी।
        सोई राजसभा बल भारी।।
    (d) लाख टका कै वाला जोबन,
        गाहक सब ललचाय

    सूची-II (वक्ता/पात्र)
    1. गोवरधनदास
    2. घासीराम
    3. मछली वाली
    4. महंत

    नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	2	4	1	3
(C)	3	4	2	1
(D)	3	4	1	2

11. निम्नलिखित में से किन आलोचना पुस्तकों के लेखक मुक्तिबोध हैं–

1. नई कविता का आत्म संघर्ष तथा अन्य निबन्ध
2. लघुमानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस
3. इतिहास और परम्परा
4. नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
5. कामायनी एक पुनर्विचार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 5, 3, 1
(B) केवल 2, 3, 5
(C) केवल 1, 4, 5
(D) केवल 5, 2, 3

12. "जब तक भाषा बोलचाल में थी तब तक वह भाषा या देशभाषा ही कहलाती रही, जब वह भी साहित्य की भाषा हो गई तब उसके लिए 'अपभ्रंश' शब्द का व्यवहार होने लगा." यह कथन किसका है ?

(A) शिव प्रसाद सिंह
(B) नामवर सिंह
(C) रामचन्द्र शुक्ल
(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

13. निम्नांकित चरित्रों को, तत्सम्बन्धी उपन्यासों के प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. सोमराज साहनी 2. काशीशाह
3. रूप्पन बाबू 4. प्यारू
5. प्रतापी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 3, 5, 1, 4, 2 (B) 4, 1, 3, 5, 2
(C) 2, 5, 1, 4, 3 (D) 5, 3, 1, 4, 2

14. 'भारत दुर्दशा' नाटक के विभिन्न गीतों के ऊपर शैली/राग का नाम दिया गया है. निम्नलिखित में से किन-किन का प्रयोग इस नाटक में है ?

1. राग जयजयवंती 2. राग रामकली
3. लावनी 4. राग चैती गौरी
5. राग काफी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 1, 2 और 5
(B) केवल 2, 3 और 5
(C) केवल 3, 4 और 5
(D) केवल 1, 2 और 4

15. अर्ध-मागधी प्राकृत के सम्बन्ध में सत्य कथन हैं–

1. जैन आचार्यों ने शास्त्रों की रचना में इस भाषा को अपनाया.
2. इसका तत्कालीन रूप मथुरा के आसपास व्यवहृत होता था.
3. 'स', 'ष' के स्थान पर 'श' का प्रयोग अर्धमागधी की प्रमुख विशेषता है.
4. अर्ध-मागधी प्राकृत की स्थिति मागधी और शौरसेनी प्राकृतों के बीच मानी गई है.
5. अर्ध-मागधी प्राकृत के अर्धमागधी अपभ्रंश से अवधी बोली का सम्बन्ध माना जाता है.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 1, 3 और 5
(B) केवल 1, 3 और 4
(C) केवल 1, 2 और 5
(D) केवल 1, 4 और 5

16. 'आधे अधूरे' नाटक में 'वर्णा' नामक युवती का उल्लेख कौन करता है ?

(A) महेन्द्रनाथ (B) सावित्री
(C) बिन्नी (D) किन्नी

17. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (विशेषण)

(a) अच्छा (c) कुछ
(b) सवा (d) वह

सूची-II (विशेषण के प्रकार)

1. सार्वनामिक विशेषण
2. परिमाणवाचक विशेषण
3. गुणवाचक विशेषण
4. संख्यावाचक विशेषण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	4	1
(B)	4	3	1	2
(C)	3	4	2	1
(D)	1	3	2	4

18. "भीतर कदम तो रख दिया, पर सहसा सहम गई, जैसे वह किसी अंधेरे कुएँ में अपने-आप कूद पड़ी हो, ऐसा कुआँ जो निरन्तर पतला होता गया है........ और जिसमें पानी की गहराई पाताल की पर्तों तक चली गई हो, जिसमें पड़कर वह नीचे धँसती चली जा रही हो ..... ."

यह कथन किस कहानी से लिया गया है ?

(A) कोसी का घटवार
(B) राजा निरबंसिया
(C) अपना-अपना भाग्य
(D) परिंदे

19. निम्नलिखित में से कौनसा स्थान बाँगरू बोली का क्षेत्र माना जाता है ?

(A)हिसार (B) इटावा
(C) जालौन (D) अलीगढ़

20. "हिया जरत रहत दिन-रैन।
आम की डरिया कोयल बोले
तनिक न आवत चैन।"

यह गीत 'गोदान' में कौनसा पात्र गाता है ?

(A) होरी (B) धनिया
(C) भोला (D) पटेश्वरी

21. अमृतसर में अनजान लड़की से 'क्या तेरी कुड़माई हो गई' ? यह सवाल पूछते वक्त लहना सिंह की आयु थी–

(A) आठ वर्ष (B) दस वर्ष
(C) बारह वर्ष (D) नौ वर्ष

22. 'शेखर एक जीवनी' के अनुसार शेखर द्वारा बनाई गई समिति 'एंटिगोनम क्लब' के प्रमुख सदस्य थे–

1. कुमार 2. सदाशिव
3. ईश्वरदत्त 4. राघवन्
5. देवदास

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही** उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 1, 2 और 5
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) केवल 2, 4 और 5

23. 'मेरी तिब्बत यात्रा' के खण्डों को पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. स-क्य की ओर
2. ञेनम् की ओर
3. चाङ् की ओर
4. नेपाल की ओर
5. ल्हासा से उत्तर की ओर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 2, 1, 3, 4, 5 (B) 5, 1, 3, 4, 2
(C) 2, 5, 1, 3, 4 (D) 5, 3, 1, 2, 4

24. एक साहित्यिक की डायरी के अध्याय 'कलाकार की व्यक्तिगत ईमानदारी एक' के एक पात्र यशराज की शैक्षणिक योग्यता क्या थी ?

(A) बी.टेक., एम.एस-सी., एल-एल बी.
(B) बी.एस.सी., एम.एस-सी., एल-एल.बी.
(C) बी.एस.सी, बी.टेक., एल-एल.बी.
(D) बी.ए., एम.ए., एल-एल.बी.

25. 'एक साहित्यिक की डायरी' के अध्यायों के शीर्षकों को, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. वीरकर
2. डबरे पर सूरज का बिम्ब
3. विशिष्ट और अद्वितीय
4. तीसरा क्षण
5. नए की जन्म-कुण्डली

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 2, 4, 1, 5, 3 (B) 4, 2, 5, 1, 3
(C) 3, 5, 1, 2, 4 (D) 5, 1, 3, 2, 4

26. 'असाध्यवीणा' कविता में वर्णित प्रियंवद के नीरव एकालाप में आए सम्बोधनों को, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. ओ दीर्घकाय!
2. ओ स्वर-संभार!
3. ओ शरण्य।
4. ओ विशाल तरु!
5. ओ रस-प्लावन!

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 3, 2, 5, 1, 4 (B) 2, 5, 3, 1, 4
(C) 5, 3, 1, 4, 3 (D) 4, 1, 2, 5, 3

27. इनमें से कौन 13वीं शती में प्रमुख काव्यशास्त्री के रूप में प्रसिद्ध हुए हैं ?

(A) जगन्नाथ (B) कुंतक
(C) मम्मट (D) जयदेव

28. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (पाश्चात्य काव्यशास्त्र सम्बन्धी कृति)

(a) लिटरेरिया बायोग्राफिया
(b) द र्‍हेटोरिक्स
(c) द लिरिकल बैलेड्स
(d) प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म

सूची-II (पाश्चात्य काव्यशास्त्री)

1. वड्‌र्सवर्थ
2. आई ए रिचड्‌र्स
3. कॉलरिज
4. अरस्तू

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	3	1
(B)	4	3	1	2
(C)	2	4	1	3
(D)	3	4	1	2

29. 'सतपुड़ा के जंगल' कविता में किस वाद्ययंत्र का उल्लेख हुआ है ?

(A) मादल (B) इकतारा
(C) बाँसुरी (D) ढोल

30. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (पात्र)	**सूची-II (उपन्यास)**
(a) ब्रज किशोर	1. आपका बंटी
(b) अजय	2. परीक्षागुरु
(c) पूरणदेई	3. घरती धन न अपना
(d) निहाली	4. झूठा सच

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	4	1	2	3
(C)	3	1	4	2
(D)	2	1	4	3

31. "बिना दुख के सब निस्सार,
बिना आँसू के जीवन भार,
दीन दुर्बल है रे, संसार
इसी से दया, क्षमा औ' प्यार!"

यह कवितांश किस कवि द्वारा रचित है ?

(A) सुमित्रा नन्दन पन्त
(B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(D) नागार्जुन

32. महादेवी वर्मा के निम्नलिखित में से किस निबन्ध-संकलन का केन्द्रीय विषय स्त्री-मुक्ति है ?

(A) भारतीय संस्कृति के स्वर
(B) शृंखला की कड़ियाँ
(C) क्षण दा
(D) साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबन्ध

33. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा लिखित और सम्पादित रचनाओं को, प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. रस मीमांसा
2. गोस्वामी तुलसीदास
3. जायसी ग्रंथावली
4. भ्रमरगीत सार
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 1, 3, 4, 5, 2 (B) 2, 3, 4, 1, 5
(C) 5, 2, 3, 4, 1 (D) 2, 3, 4, 5, 1

34. मिश्र बन्धुओं द्वारा रचित 'मिश्र बन्धु विनोद' कुल कितने भागों में विभक्त है ?

(A) आठ (B) तीन
(C) चार (D) एक

35. निम्नलिखित में से कौनसे पात्र 'कोसी का घटवार' कहानी के हैं ?

1. रजुआ 2. लछमा
3. बहादुर 4. धरमसिंह
5. गुँसाई

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 1, 3, 4
(B) केवल 2, 3, 4
(C) केवल 2, 4, 5
(D) केवल 3, 4, 5

36. 'बकरी' नाटक के इन गीतों को, नाटक में आने के क्रम से, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. युगल गीत – जा तेरी मेरी ना पटनी कैसी बनाई चटनी।
2. पूजा गीत – तन मन धन उन्नायक जय हे जय जय बकरी माता।
3. वंदना – हे संकट मोचू बना दे हमें घोंचू
4. समूह गान – बकरी मैया तोरे चरनन अरज करूँ गाँधी बाबा तोरे चरनन अरज करूँ
5. डंडा गीत – डंडा ऊँचा रहे हमारा सबसे प्यारा सबसे न्यारा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 3, 2, 1, 5, 4 (B) 3, 1, 5, 2, 4
(C) 2, 3, 4, 5, 1 (D) 4, 1, 5, 2, 3

37. करीमुद्दीन किस कहानी का पात्र है ?

(A) दुनिया का अनमोल रतन
(B) गैंग्रीन
(C) परिंदे
(D) सिक्का बदल गया

38. 'अंधायुग' के अंकों को, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य
2. प्रभु की मृत्यु
3. गांधारी का शाप
4. पंख, पहिये और पट्टियाँ
5. पशु का उदय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 4, 1, 3, 5, 2 (B) 2, 4, 1, 5, 3
(C) 3, 1, 2, 5, 4 (D) 5, 1, 4, 3, 2

39. "जिस जाति की सामाजिक अवस्था जैसी होती है उसका साहित्य भी ठीक वैसा ही होता है. जातियों की क्षमता और सजीवता यदि कहीं प्रत्यक्ष देखने को मिल सकती है तो उनके साहित्य रूपी आईने ही में मिल सकती है."– यह कथन किस लेखक का है ?

(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) श्यामसुन्दर दास
(D) प्रेमचन्द

40. निम्नलिखित उपन्यासों को, उनके प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. चित्रलेखा
2. राम रहीम
3. विराटा की पद्मिनी
4. विस्मृति के गर्भ में
5. अलका

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 4,5, 1, 3, 2 (B) 2, 3, 4, 1, 5
(C) 5, 3, 2, 1, 4 (D) 1, 2, 4, 3, 5

41. भारतीय काव्यशास्त्र से सम्बन्धित निम्नलिखित ग्रंथों को, उनके प्रथम प्रकाशन के अनुसार, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. रसगंगाधर
2. काव्य प्रकाश
3. काव्यालंकार
4. ध्वन्यालोक लोचन
5. साहित्य दर्पण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 1, 4, 2, 5, 3 (B) 3, 2, 4, 5, 1
(C) 3, 4, 2, 5, 1 (D) 2, 4, 5, 1, 3

42. 'क्या भूलूं क्या याद करूं' में आए चरित्र हैं–

1. योगेंद्रनाथ 2. प्रतापनारायण
3. उमाप्रसाद 4. सुरसती
5. राधा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 1, 2, 4
(B) केवल 2, 4, 5
(C) केवल 2, 3, 5
(D) केवल 3, 4, 5

43. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (संवाद)

(a) धनवानों के हाथ में एक ही माप है. वे-विद्या, सौंदर्य बल, पवित्रता, और तो क्या-हृदय को भी उसी से मापते हैं. वह माप है उनका-ऐश्वर्य.
(b) जिस राष्ट्र और समाज से हमारी सुख-शांति में बाधा पड़ती हो–उसका हमें तिरस्कार करना ही होगा.
(c) भारत समग्र विश्व का है, और सम्पूर्ण वसुंधरा इसके प्रेम-पाश में आबद्ध है.
(d) प्रणय वंचिता स्त्रियाँ अपनी राह के रोड़े-विघ्नों को दूर करने के लिए वज्र से भी दृढ़ होती हैं.

सूची-II (पात्र/चरित्र)

1. धातुसेन 2. देवसेना
3. विजया 4. श्रमण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	1	3
(B)	3	4	1	2
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	2	1

44. पहले राजभाषा आयोग का गठन कब हुआ ?

(A) सन् 1952 (B) सन् 1955
(C) सन् 1960 (D) सन् 1963

45. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (अमीर खुसरो रचित पहेली)

(a) आना जाना उसका भाए।
जिस घर जाए लकड़ी खाए।।
(b) अरथ तो इसका बूझेगा।
मुँह देखो तो सूझेगा।।
(c) एक राजा की अनोखी रानी।
नीचे से वह पीवे पानी।।
(d) मिला रहे तो नर रहे, अलग होय तो नार।
सोने का सा रंग है, कोई चतुरा करे विचार।।

सूची-II (पहेली का उत्तर)

1. दर्पण 2. चना
3. दीये की बत्ती 4. आरी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	3	2
(B)	3	4	2	1
(C)	4	3	1	2
(D)	2	3	4	1

46. "चकित चकत्ता चौंकि चौंकि उठै बार बार,
दिल्ली दहसति चितै चाहि करषति है।
बिलखि बदन बिलखत बिजैपुर पति,
फिरत फिरंगिन की नारी फरकति है"
ये पंक्तियाँ किस कवि की हैं ?

(A) मतिराम (B) भूषण
(C) कुलपति मिश्र (D) नेवाज

47. प्रयोगवाद के सम्बन्ध में इनमें से कौनसे कथन नामवर सिंह के हैं ?

1. प्रयोगशीलता 'व्यक्तिगत अन्वेषण' की वस्तु है.
2. प्रयोगवादी कवि यथार्थवादी हैं. वे भावुकता के स्थान पर ठोस बौद्धिकता को स्वीकार करते हैं.
3. कुल मिलाकर यह चरम व्यक्तिवाद ही प्रयोगवाद का केन्द्र बिन्दु है.
4. आरम्भिक व्यक्तिवादी प्रयोगवाद ने 'प्रतिरोध और युयुत्सुभाव का नारा दिया'.
5. 'प्रयोगवाद' नाम भ्रामक है, क्योंकि इस नाम से यह भाव टपकता है कि इन कवियों ने प्रयोग को साध्य मानकर नया वाद चला दिया.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 5, 3, 1
(B) केवल 1, 3, 4
(C) केवल 1, 3, 2
(D) केवल 2, 3, 1

48. 'अकाल और उसके बाद' कविता में आए जीवों/वस्तुओं को, कविता में आने के अनुसार, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. कुतिया 2. कौए
3. चूहा 4. चक्की
5. छिपकली

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 5, 2, 1, 4, 3 (B) 4, 1, 5, 3, 2
(C) 3, 2, 4, 5, 1 (D) 2, 1, 5, 3, 4

49. रामविलास शर्मा की निम्नलिखित रचनाओं को, प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. भारतेन्दु हरिशचंद्र
2. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा
3. भाषा और समाज
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
5. निराला की साहित्य साधना-भाग दो

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 5, 3, 2, 4, 1 (B) 1, 2, 3, 4, 5
(C) 2, 1, 3, 5, 4 (D) 2, 4, 1, 3, 5

50. 1857 के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के पूर्व हुए विद्रोहों को, पहले के बाद क्रम में लगाइए–

1. संथाल विद्रोह
2. संन्यासी विद्रोह
3. रामसो विद्रोह
4. सावंतवाड़ी विद्रोह
5. केरल में किसान विद्रोह

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 3, 4, 5, 2, 1 (B) 2, 3, 4, 5, 1
(C) 3, 2, 4, 1, 5 (D) 2, 3, 4, 1, 5

51. 'तमस' उपन्यास के अनुसार फेरीवाले इत्रफरोश पर हमला कर उसे घायल करने वाले पात्र का नाम है–
(A) रणवीर (B) शम्भू
(C) तेजासिंह (D) इन्द्र

52. विज्ञान और कविता के सम्बन्ध पर किस पाश्चात्य विचारक ने प्रमुखता से चर्चा की है ?
(A) आई.ए. रिचर्ड्स
(B) टी.एस. इलिएट
(C) डॉ. जॉनसन
(D) कॉलरिज

53. "परबत समुद, अगम बिच, बीहड़ घन बनढाँख।
किमि कै भेंटौं कंत तुम्ह ?, ना मोहि पाँव न पाँख।"
यह कवितांश जायसी कृत 'पद्मावत' के 'नागमती वियोग खण्ड' में किस मास के वर्णन के अन्त में आया है ?
(A) सावन (B) अगहन
(C) भादों (D) आषाढ़

54. नवीनचन्द्र राय ने किस पत्रिका का प्रकाशन आरम्भ किया था ?
(A) हिन्दी दीप्ति प्रकाश
(B) ज्ञानप्रदायिनी पत्रिका
(C) आर्य दर्पण
(D) देश हितैषी

55. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–
सूची-I (उपन्यासकार)
(a) इलाचंद्र जोशी
(b) यशपाल
(c) भगवती चरण वर्मा
(d) गुलशेर खाँ ज्ञानी
सूची-II (उपन्यास)
1. मनुष्य के रूप
2. निर्वासित
3. साँप और सीढ़ी
4. आखिरी दाव
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	3	2	4	1
(C)	1	2	3	4
(D)	4	2	1	3

56. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के पात्र हैं–
1. लोरिकदेव 2. मातृगुप्त
3. नागदत्त 4. कुमार कृष्णवर्द्धन
5. विरतिवज्र
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1, 4 और 5
(C) केवल 2, 4 और 5
(D) केवल 3, 4 और 5

57. 'भूल गलती' कविता में कैदी के रूप में दरबार में लाए गए व्यक्ति के बारे में आई इन पंक्तियों को, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–
1. समूचे जिस्म पर लत्तर
2. नामंजूर/उसको जिंदगी की शर्म की-सी शर्त
3. पहने कथकड़ी वह एक ऊँचा कद
4. बेखौफ नीली बिजलियों को फेंकता
5. वह कैद कर लाया गया ईमान
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 3, 1, 5, 4, 2 (B) 2, 4, 3, 5, 1
(C) 4, 2, 1, 5, 3 (D) 2, 1, 4, 5, 3

58. अरस्तू के विरेचन सिद्धान्त की तुलना किस भारतीय काव्यशास्त्री के सिद्धान्त से की जाती है ?
(A) क्षेमेन्द्र (B) अभिनव गुप्त
(C) महिमभट्ट (D) विश्वनाथ

59. जयशंकर प्रसाद के नाटक 'चन्द्रगुप्त' में चाणक्य के संवाद हैं–
1. शत्रु की उचित प्रशंसा करना मनुष्य का धर्म है.
2. भाषा ठीक करने से पहले मैं मनुष्यों को ठीक करना चाहता हूँ.
3. अन्य देश मनुष्यों की जन्मभूमि हैं, यह भारत मानवता की जन्म भूमि है.
4. महत्वाकांक्षा का मोती निष्ठुरता की सीपी में रहता है.
5. ईश्वर ने सब मनुष्यों को स्वतंत्र उत्पन्न किया है.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2, 3 और 5
(C) केवल 2, 4 और 5
(D) केवल 3, 4 और 5

60. "ओ महान मार्क्स के दर्शन की दर्शिका सुदर्शने, प्रियदर्शिनी,
तुम स्वयं द्वन्द्वयुक्त भौतिकवाद की सिनथिसिस हो!"
'मैला आँचल' उपन्यास का यह कवितांश किसने किसके बारे में लिखा? चरित्रों के सही युग्म का चयन कीजिए–
(A) सैनिक जी–मंगला देवी
(B) बासुदेव जी–ममता
(C) चिनगारी जी–लछमी
(D) चलित्तर कर्मकार–कमली

61. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की पुस्तक 'त्रिवेणी' में निम्नलिखित कवियों पर निबन्ध संकलित हैं–
(A) कबीर, जायसी, सूर
(B) तुलसी, कबीर, जायसी
(C) सूर, तुलसी, जायसी
(D) केशवदास, कबीर, सूर

62. तुलसीदास रचित 'रामचरित मानस' में 'रामराज्य' सम्बन्धी वर्णन की पंक्तियाँ हैं–
1. नहिं भय सोक न रोग
2. बड़े भाग मानुष तन पावा
3. सब गुनग्य पंडित सब ज्ञानी
4. देत ईस बिनु हेतु सनेही
5. सब उदार सब पर उपकारी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 2, 4 और 5
(D) केवल 1, 3 और 5

63. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (चरित्र)	**सूची-II (भाई/बहन)**
(a) कनक	1. ऊषा
(b) तारा	2. दम्मो
(c) उर्मिला	3. कंचन
(d) रतन	4. प्रवीण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	2	4	1	3
(C)	4	3	1	2
(D)	3	4	1	2

64. निम्नलिखित चरित्रों को, तत्सम्बन्धी नाटकों के प्रथम प्रकाशन के अनुसार, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–
1. अलका 2. अशोक
3. अनुनासिक 4. लोचन बाबू
5. नारायणदास
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 2, 4, 1, 5, 3 (B) 3, 2, 5, 1, 4
(C) 4, 1, 5, 3, 2 (D) 5, 1, 3, 2, 4

65. 'कामायनी' के 'लज्जा' सर्ग की पंक्तियाँ हैं–
1. प्राणी, कटुता को बाँट रहा जगती को करता अधिक दीन.

2. वन, गुहा, कुंज, मरु-अंचल में हूँ खोज रहा अपना विकास.
3. मैं एक पकड़ हूँ जो कहती ठहरो कुछ सोच-विचार करो।
4. इस निविड़ निशा में संसृति को आलोकमयी रेखा क्या है ?
5. नारी ! तुम केवल श्रद्धा हो विश्वास-रजत-नग पगतल में.

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 3, 4 और 5
(D) केवल 1, 3 और 4

66. हिन्दू नवोत्थान, 'मुस्लिम नवोत्थान' शीर्षक प्रकरण 'संस्कृति के चार अध्याय' के किस अध्याय में संकलित हैं ?
(A) प्रथम अध्याय (B) द्वितीय अध्याय
(C) तृतीय अध्याय (D) चतुर्थ अध्याय

67. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (कहानीकार)
(a) राजेन्द्र यादव
(b) अज्ञेय
(c) जयशंकर प्रसाद
(d) माधवराव सप्रे

सूची-II (कहानी)
1. एक पथिक का स्वप्न
2. चित्र लिखे पत्थर
3. जिज्ञासा
4. अपने पार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	4	3	2	1
(C)	2	4	3	1
(D)	3	2	1	4

68. इनमें से किस जैन आचार्य को 'कलिकालसर्वज्ञ' नाम से भी जाना जाता है ?
(A) प्रभाचन्द्र (B) हेमचन्द्र
(C) विद्यानन्द (D) हरिभद्र

69. 'इतिहास तिमिरनाशक' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?
(A) बालकृष्ण भट्ट
(B) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमधन'
(C) राजा शिव प्रसाद
(D) मिश्र बंधु

70. 'मानस का हंस' के अनुसार उपन्यास के अन्तिम अंश में तुलसीदास 'विनय पत्रिका' के किस छन्द को अन्तिम छन्द कहते हुए उसे गाने लगते हैं ?
(A) कबहुँक हौं यहि रहनि रहौंगो।
(B) मारुति-मन, रूचि भरत की लखि लषन कही है।
(C) जाके प्रिय न राम बैदही
(D) जानि पहिचानि मैं बिसारे हौं कृपानिधान

71. बंगाल क्लब की साहित्य गोष्ठी के लिए शरत् चन्द्र चट्टोपाध्याय ने कौनसी रचना लिखी थी ?
(A) पण्डित जी
(B) नारी का इतिहास
(C) काशीनाथ
(D) परिणीता

72. निम्नलिखित पंक्तियों में से कौनसी पंक्तियाँ आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध 'कविता क्या है' से उद्धत हैं ?
1. "मैं अशेष मंगलकामनाओं की पीछे झांकती हुई. दुर्निवार शंकाकुल आँखों में झाँकता हूँ."
2. "जिनके रूप या कर्म-कलाप जगत और जीवन के बीच में उसे सुन्दर लगते हैं, उन्हीं के वर्णन में वह 'स्वान्त: सुखाय' प्रवृत्त होता है."
3. "वर्ण्य वस्तु और वर्णन प्रणाली बहुत दिनों से एक-दूसरे से अलग कर दी गई हैं."
4. "उत्कर्ष की आरे उन्मुख समष्टि का चैतन्य अपने ही घर से बाहर कर दिया गया."
5. "सुन्दर अर्थ की शोभा बढ़ाने में जो अलंकार प्रयुक्त नहीं वे काव्यालंकार नहीं."

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) केवल 1, 2, 3
(B) केवल 2, 3, 5
(C) केवल 3, 4, 5
(D) केवल 2, 4, 5

73. 'फिर विकल हैं प्राण मेरे!' यह गीत महादेवी वर्मा की किस पुस्तक में पहली बार संकलित हुआ ?
(A) नीहार (B) रश्मि
(C) नीरजा (D) सान्ध्य गीत

74. महावीर प्रसाद द्विवेदी की निम्नलिखित रचनाओं को प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार पहले से बाद के क्रम में लगाइए–
1. कविता कलाप
2. कुमार सम्भवसार
3. लेखांजलि
4. रसज्ञ रंजन
5. कालिदास की निरंकुशता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) 3, 4, 2, 1, 5 (B) 2, 1, 5, 4, 3
(C) 5, 2, 3, 1, 4 (D) 1, 2, 3, 4, 5

75. 'हरिऔध' जी द्वारा लिखित 'भूमिका' के अनुसार हरिऔध जी 'प्रियप्रवास' का नाम पहले क्या रखना चाहते थे ?
(A) गोपी वियोग
(B) गोकुल क्लेश
(C) राधा-कृष्ण लीला
(D) ब्रजांगना-विलाप

76. अपभ्रंश के कवि 'पुष्पदंत' ईसा की किस शताब्दी में हुए ?
(A) दसवीं (B) बारहवीं
(C) ग्यारहवीं (D) तेरहवीं

77. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I ('भ्रमरगीत सार' के पद की प्रथम पंक्ति)
(a) आयो घोष बड़ो व्यापारी
(b) आए जोग सिखावन पाँड़े
(c) हमारे हरि हारिल का लकरी
(d) हम तौ कान्ह केलि की भूखी

सूची-II (पद के ऊपर उल्लेखित राग का नाम)
1. राग नट 2. राग काफी
3. राग धनाश्री 4. राग सारंग

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	1	2
(B)	3	4	2	1
(C)	2	1	4	3
(D)	3	1	4	2

78. महात्मा गाँधी द्वारा व्यक्त किए गए विचार हैं–
1. "भारत भूख से मर रहा है, क्योंकि उसे उस रोजी-रोजगार से वंचित कर दिया गया है जो उसे रोटी दे सकता है."
2. "अस्पृश्यता जाति प्रथा की उपज नहीं, बल्कि ऊँच नीच की उस भावना की उपज है जो हिन्दू धर्म में घुस आई है और उसे भीतर से खोखला कर रही है."
3. "यदि कोई ऐसा सत्य है, जो मानवता से पूर्ण असंबद्ध है, तो हमारे लिए वह पूर्णत: अस्तित्व हीन है."
4. "मेरा धर्म मनुष्य का धर्म है, जिसमें परम अथवा अपरिमित की व्याख्या मानवता के अर्थों में की जाती है."
5. "वे लोग जो यह कहते हैं कि धर्म का राजनीति से कोई सम्बन्ध नहीं है, यह नहीं जानते कि धर्म का मलतब क्या है ?"

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 1, 2, 5

(B) केवल 1, 3, 5,

(C) केवल 2, 4, 5

(D) केवल 3, 4, 5

79. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (लेखक)

(a) गोविंद मिश्र

(b) रामशरण जोशी

(c) धर्मवीर भारती

(d) रमेशचन्द्र शाह

सूची-II (यात्रावृत्तांत)

1. अपनों के पास अपनों से दूर
2. यात्रा चक्र
3. बहुवचन
4. दरख्तों के पार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	2	4
(B)	1	2	3	4
(C)	4	1	2	3
(D)	3	2	4	1

80. 'आगरा बाजार' का समापन किस नज्म से होता है ?

(A) रोटीनामा (B) बंजारानामा

(C) आदमीनामा (D) शहर आशोब

81. "राजनीति साहित्य नहीं है. उसमें एक-एक क्षण का महत्व है. कभी एक क्षण के लिए भी चूक जाएँ, तो बहुत बड़ा अनिष्ट हो सकता है."

यह संवाद किस नाटक और किस चरित्र का है ?

नाटक और चरित्र के सही युग्म का चयन कीजिए–

(A) आषाढ़ का एक दिन-प्रियंगु

(B) चन्द्रगुप्त-राक्षस

(C) स्कंदगुप्त-बंधुवर्म्मा

(D) महाभोज-दा साहब

82. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (कथन)

(a) "मारो मत; धीरे-धीरे चलने दो. जल्दी क्या है ?"

(b) "चलो, ठीक है. कोई चूड़ियाँ-वूड़ियाँ हो, तो वह भी पहन लो."

(c) "मैं अनुचर हूँ, वरूण देव की शपथ। मैं विश्वासघात न करूँगा."

(d) "वह आँखें मूँद सोच रही थी. सोच कहाँ रही थी, जी रही थी."

सूची-II (कहानी)

1. परिंदे
2. आकाशदीप
3. तीसरी कसम
4. चीफ की दावत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	2	1	4	3
(C)	3	4	2	1
(D)	4	2	1	3

83. डॉ. तुलसीराम को छोटी उम्र में अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की तरफ अनजाने में ही खींचने वाले तीन लोग कौन थे?

(A) मुन्नर, सोनई, जेदी

(B) चिखुरी, परशुराम, पौहारी बाबा

(C) फक्कड़ बाबा, नग्गर, मुरली सिंह

(D) जलंधर, बंकिया डोम, बदलू

84. महात्मा ज्योतिबा फूले ने लड़कियों की शिक्षा के लिए पहला स्कूल कब खोला?

(A) 1827 (B) 1848

(C) 1873 (D) 1890

85. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (कविता-पंक्तियाँ)

(a) उस मुहावरे को समझ गया हूँ जो आजादी और गाँधी के नाम पर चल रहा है.

(b) मुझे अपनी कविताओं के लिए दूसरे प्रजातन्त्र की तलाश है.

(c) मेरे देश की संसद मौन है.

(d) मेरे लिए, हर आदमी एक जोड़ी जूता है.

सूची-II (कविता)

1. नक्सलबाड़ी 2. रोटी और संसद
3. मोचीराम 4. अकाल-दर्शन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	4	1	2	3
(C)	1	4	2	3
(D)	3	4	2	1

86. 'भारत भारती' के 'वर्तमान खण्ड' के उपखण्डों के शीर्षक हैं–

1. भारतवर्ष की श्रेष्ठता
2. कृषि और कृषक
3. रईसों के सपूत
4. शुभकामना
5. धर्म की दशा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) केवल 1, 2 और 3

(B) केवल 2, 3 और 4

(C) केवल 2, 3 और 5

(D) केवल 1, 3 और 5

87. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए–

सूची-I (लेखक)

(a) भारत भूषण अग्रवाल

(b) कमलेश्वर

(c) विष्णु प्रभाकर

(d) उदयशंकर भट्ट

सूची-II (एकांकी)

1. लहर लौट गई
2. मैं तुम्हें क्षमा नहीं करूँगा
3. आदिम युग
4. पलायन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	2	4
(B)	1	2	3	4
(C)	2	3	1	4
(D)	4	1	2	3

88. निम्नलिखित कविता-संग्रहों को, उनके प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. सुदामा पांडे का प्रजातंत्र
2. पत्थर फेंकता हूँ
3. चाँद की वर्तनी
4. चाँद का मुँह टेढ़ा है
5. नए इलाके में

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 5, 1, 3, 4, 2 (B) 3, 5, 1, 4, 2

(C) 4, 1, 5, 3, 2 (D) 4, 5, 3, 2, 1

89. प्रथम प्रकाशन वर्ष के अनुसार, निम्नलिखित पत्रिकाओं को, पहले से बाद के क्रम में लगाइए–

1. हिन्दी प्रदीप 2. बिहार बंधु
3. भारत बंधु 4. हिंदोस्थान
5. देशहितैषी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(A) 1, 2, 4, 3, 5 (B) 3, 1, 2, 4, 5

(C) 1, 3, 2, 5, 4 (D) 2, 3, 1, 5, 4

90. 'काव्य में रहस्यवाद' निबन्ध के लेखक कौन हैं ?

(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(B) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(C) नलिन विलोचन शर्मा

(D) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(शेष अगले अंक में)

आगामी एस.एस.सी. संयुक्त स्नातक स्तरीय (चरण-I) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संख्यात्मक अभियोग्यता

1. एक व्यापारी, एक रेडियो का मूल्य ₹ 240 अंकित करता है, जोकि उसके लागत मूल्य से 20% अधिक है. 10% की छूट इसके अंकित मूल्य पर प्रदान की जाती है. इस लेन-देन में व्यापारी को कितना लाभ प्राप्त होता है ?
(A) ₹ 16 (B) ₹ 17
(C) ₹ 18 (D) ₹ 15

2. 336 उम्मीदवारों के एक समूह को एक वस्तुनिष्ठ परीक्षा दी गई थी. यह ज्ञात हुआ कि 5/6 उम्मीदवारों ने सभी उत्तर सही दिए हैं, कितने उम्मीदवारों ने एक या अनेक गलतियाँ की थीं ?
(A) 26 (B) 56
(C) 36 (D) 46

3. 5 बंदर, 5 मिनट में 5 केले खा सकते हैं. 20 बंदर, 5 दर्जन केले को कितने समय में खाएंगे ?
(A) 45 मिनट (B) 15 मिनट
(C) 60 मिनट (D) 20 मिनट

4. अरुण एक कार्य को तीन दिन में कर सकता है, बिशन उसी कार्य को 6 दिनों में कर सकता है, कितने दिनों में दोनों एक साथ मिलकर कार्य को पूर्ण करने में सक्षम होंगे ?
(A) 1 दिन (B) 2 दिन
(C) 4 दिन (D) 3 दिन

5. एक पिता और एक पुत्र की वर्तमान आयु का योगफल 70 वर्ष है. यदि 10 वर्ष पश्चात् उनकी आयु का अनुपात 2 : 1 होगा, तो पुत्र की वर्तमान आयु कितनी है ?
(A) 15 वर्ष (B) 30 वर्ष
(C) 25 वर्ष (D) 20 वर्ष

6. एक परीक्षा में 100 उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त औसत अंक 50 हैं. उत्तीर्ण उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त औसत अंक 65 हैं और असफल उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त औसत अंक 35 हैं. परीक्षा में असफल उम्मीदवारों की संख्या ज्ञात कीजिए—
(A) 50 (B) 75
(C) 55 (D) 35

7. एक व्यापारी को ₹ 18 प्रति किग्रा और ₹ 27 प्रति किग्रा वाली दो सामग्रियों को किस अनुपात में मिलाना चाहिए, ताकि मिश्रण की कीमत ₹ 25 प्रति किग्रा हो जाए ?
(A) 2 : 7 (B) 2 : 5
(C) 3 : 7 (D) 1 : 7

8. एक बेलनाकार मीनार का व्यास और ऊँचाई क्रमशः 10 मीटर और 21 मीटर है. ₹ 8 प्रति वर्गमीटर की दर से इसकी एक वक्र सतह को रंगने की लागत क्या होगी ? (π = 22/7 लें)
(A) ₹ 5,130 (B) ₹ 4,980
(C) ₹ 5,490 (D) ₹ 5,280

9. एक व्यक्ति ने ₹ 25 प्रति लीटर के क्रय मूल्य पर 25 लीटर दूध खरीदा. अब उसने इसमें 5 लीटर पानी मिला दिया और मिश्रण को क्रय मूल्य पर बेच दिया. व्यक्ति के लिए लाभ प्रतिशत ज्ञात कीजिए—
(A) 10% (B) 20%
(C) 15% (D) 25%

10. एक धनराशि 20% प्रति वर्ष की चक्रवृद्धि ब्याज दर पर 2 वर्षों के लिए उधार दी जाती है, जिसमें ब्याज की गणना वार्षिक रूप से चक्रवृद्धि आधार पर की जाती है. यदि ब्याज अर्द्धवार्षिक रूप से चक्रवृद्धि किया जाता है, तो इस धनराशि पर ₹ 3,133 ब्याज अधिक प्राप्त होगा. धनराशि ज्ञात कीजिए—
(A) ₹ 1,30,000
(B) ₹ 65,000
(C) ₹ 13,000
(D) ₹ 1,20,000

11. एक मोटर साइकिल 25 किमी/घण्टा की चाल से 50 किमी की दूरी तय करती है. अगले 50 किमी की यात्रा के लिए मोटर साइकिल की चाल क्या होनी चाहिए, ताकि पूरी यात्रा की औसत चाल 30 किमी/घण्टा हो ?
(A) $35\frac{1}{2}$ किमी/घण्टा
(B) $25\frac{1}{2}$ किमी/घण्टा
(C) $37\frac{1}{2}$ किमी/घण्टा
(D) $38\frac{1}{2}$ किमी/घण्टा

12. दिए गए चित्र में, यदि $\angle A = 110^\circ$ और $\angle C = 130^\circ$, तो $\angle AEC$ = ...

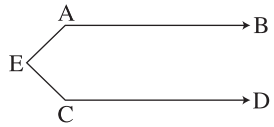

(A) 95° (B) 120°
(C) 100° (D) 105°

13. दिए गए चित्र में, AB केन्द्र 'O' वाले वृत्त का व्यास है, यदि $\angle DOB = 140^\circ$, तो $\angle ACD$ = ...

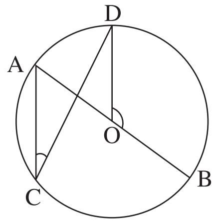

(A) 25° (B) 30°
(C) 15° (D) 20°

14. $(1{\cdot}1)^3 - 3 \times (1{\cdot}1)^2 \times 0{\cdot}1 + 3 \times 1{\cdot}1 \times (0{\cdot}1)^2$ = ...
(A) – 1 (B) 0·1
(C) 0·01 (D) 1

15. यदि 335241 = 9 × 37249 तथा $\sqrt{37249}$ =193, तो....= $\sqrt{335241}$.
(A) 579 (B) 537
(C) 1737 (D) 193

16. दो क्रमागत छूट प्राप्त करने के बाद, ₹ 150 के अंकित मूल्य वाली शर्ट ₹ 105 में उपलब्ध है. यदि दूसरी छूट 12·5% की थी, तो पहली छूट कितनी थी ?
(A) 20% (B) 15%
(C) 18% (D) 10%

17. एक मेट्रो शहर में एक फ्लैट के निर्माण के लिए विभिन्न सामग्रियों पर होने वाले व्यय को निम्नलिखित पाई चार्ट में दिया गया है. किन दो व्यय में 36° के केन्द्रीय कोण का अन्तर है ?

व्यय

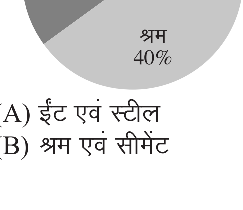

(A) ईंट एवं स्टील
(B) श्रम एवं सीमेंट

(C) श्रम एवं ईंट

(D) सीमेंट एवं स्टील

निर्देश–(प्रश्न 18 से 21 तक) निम्नांकित वृत्तारेख किसी आवासीय परिसर का भूमि वितरण दर्शाता है. यदि परिसर का कुल क्षेत्रफल 5 एकड़ है, तो वृत्तारेख की जाँच करें और प्रश्नों के उत्तर दें–

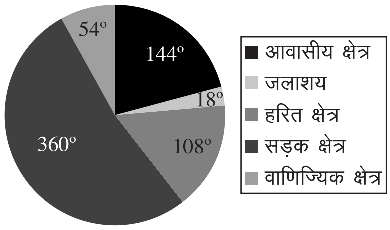

18. आवास और सड़क के उद्देश्य के लिए आवंटित क्षेत्रफल का अनुपात है–
(A) 1 : 4 (B) 4 : 10
(C) 3 : 8 (D) 8 : 3

19. जलाशय और हरित क्षेत्र के लिए मिलाकर कुल आवंटित क्षेत्र का प्रतिशत है–
(A) 17·5% (B) 30%
(C) 45% (D) 40%

20. हरित क्षेत्र के लिए आवंटित भूमि वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए आवंटित भूमि से कितनी अधिक है ?
(A) $\frac{3}{2}$ एकड़ (B) $\frac{2}{3}$ एकड़
(C) $\frac{4}{3}$ एकड़ (D) $\frac{3}{8}$ एकड़

21. आवासीय और वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए आवंटित कुल भूमि है–
(A) $2\frac{1}{4}$ एकड़
(B) $4\frac{1}{2}$ एकड़
(C) 1·375 एकड़
(D) $2\frac{1}{2}$ एकड़

22. किस वर्ष में, सभी फैक्टरियों के स्कूटरों का उत्पादन 1985-89 की समयावधि में हुए औसत वार्षिक उत्पादन के बराबर था ?
(A) 1985 (B) 1986
(C) 1987 (D) 1988

23. 1985 में फैक्टरी P में हुए स्कूटर्स के उत्पादन का फैक्टरी T में हुए स्कूटरों के उत्पादन से अनुपात है ?
(A) 2 : 3 (B) 1 : 2
(C) 3 : 2 (D) 2 : 1

24. वर्ष 1988 की तुलना में, किस फैक्टरी/फैक्टरियों ने वर्ष 1989 में स्कूटरों के उत्पादन में 25% की कमी प्रदर्शित की ?
(A) P
(B) S
(C) Q और R
(D) P और T

25. किस वर्ष स्कूटरों का कुल उत्पादन सर्वाधिक था ?
(A) 1989 (B) 1986
(C) 1987 (D) 1985

निर्देश (प्रश्न 22 से 25 तक)–सारणी को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

विभिन्न फैक्टरियों में स्कूटरों का वार्षिक उत्पादन (हजारों में)

फैक्टरी	1985	1986	1987	1988	1989
P	20	15	24	13	17
Q	16	23	41	20	15
R	14	21	30	16	12
S	25	17	15	12	22
T	40	32	39	41	35
योग	**115**	**108**	**149**	**102**	**101**

सामान्य बुद्धिमत्ता

26. उस शब्द युग्म को चुनिए, जिसमें दो शब्द उसी तरह सम्बन्धित हैं जैसे निम्नलिखित शब्द युग्म में दो शब्द सम्बन्धित हैं–
वेटर : परोसना
(A) मैकेनिक : मरम्मत
(B) इंजीनियर : तकनीकी
(C) वकील : कानूनी
(D) वास्तुकार : फैशन

27. एक कोड भाषा में COLD को ALHY के रूप में लिखा जाता है, तो उसी कोड भाषा में IRON को कैसे लिखा जाएगा ?
(A) FOKI (B) GOKI
(C) GUKI (D) GPKI

28. निम्नलिखित शृंखला में अगले स्थान पर आने वाले विकल्प का चयन कीजिए–
FBA, IGE, LLI, OQM, ?
(A) QVQ (B) RUP
(C) RVQ (D) RVP

29. ऋषभ नमिता का इकलौता भाई है. ऋषभ की पत्नी मृदु का एक भाई सोनू है. इलैना नमिता की इकलौती भतीजी है. सोनू इलैना से किस प्रकार सम्बन्धित है ?
(A) चाचा (B) भाई
(C) माता (D) पिता

30. नीचे दी गई आकृति में कितने त्रिभुज मौजूद हैं ?

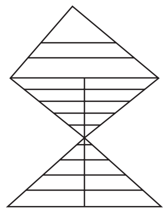

(A) 35 (B) 33
(C) 34 (D) 32

31. निम्नलिखित वाक्यांशों के तार्किक और सार्थक क्रम को इंगित करने वाले सही विकल्प को चुनिए–
1. दुनिया
2. मुम्बई
3. गेटवे ऑफ इण्डिया
4. एशिया
5. महाराष्ट्र
6. भारत
(A) 3, 2, 5, 6, 4, 1
(B) 3, 2, 6, 5, 4, 1
(C) 3, 2, 5, 6, 1, 4
(D) 3, 2, 5, 4, 6, 1

32. अगला चित्र ज्ञात कीजिए–

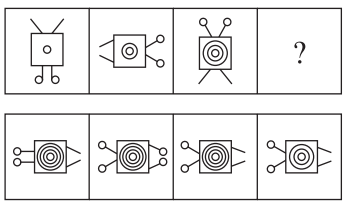

(A) (B) (C) (D)

33. अगला चित्र ज्ञात कीजिए–

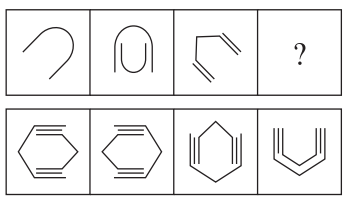

(A) (B) (C) (D)

34. सही उत्तर ज्ञात कीजिए—

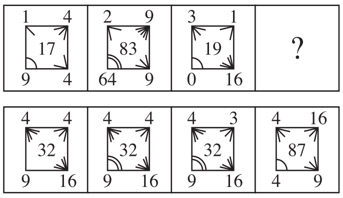

(A) (B) (C) (D)

35. K, G से बड़ा है, G, A से बड़ा है, A, R से छोटा है, R, G से छोटा है, तो इनमें से कौन सबसे छोटा है ?
(A) R (B) G
(C) A (D) K

36. यदि 'Mohan is very young' का कूट है 'rat mat lat tat'; 'Boys may be young' का कूट है 'tat sat bat fat'; 'Mohan may be handsome' का कूट है 'mat fat bat cat'; तब 'Boys may be handsome' का कूट क्या है ?
(A) cat fat rat sat
(B) rat bat mat tat
(C) cat fat bat sat
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

37. अंक शृंखला में से गलत अंक को पहचानिए—
18, 51, 150, 487, 1338
(A) 18 (B) 51
(C) 487 (D) 1338

38. निम्नलिखित आंकिक श्रेणी में विलुप्त संख्या ज्ञात कीजिए—
2, 5, 9, 7, 10, 14, ?, 16, 20, 20, 23, 27, 28
(A) 11
(B) 14
(C) 13
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

39. कौन निम्नलिखित का जल प्रतिबिम्ब है ?

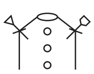

(A) 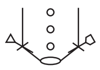

(B) 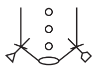

(C) 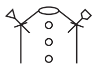

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

40. यदि 'A', 'B', 'C' तथा 'D' का अर्थ है, क्रमशः '+', '–', '÷' तथा '×' तथा यदि *a*, *b*, *c*, *d*, ... के स्थानीय मान हैं 1, 2, 3, 4, ..., तब *a* D*x* A 1 C *f* B *p* C *b* =
(A) 22
(B) 20
(C) 0
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

41. निम्नलिखित में वर्ग में विलुप्त संख्या ज्ञात कीजिए—

3	31	2
13	?	21
20	3	13

(A) 12 (B) 2
(C) 0 (D) 20

42. दी गई अंक शृंखला का अगला अंक कौनसा होगा ?
5, 16, 51, 158, ?
(A) 483 (B) 481
(C) 490 (D) 491

43. प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर कौनसा अक्षर आएगा ?

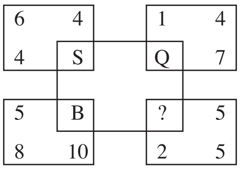

(A) L (B) N
(C) P (D) Q

44. यदि M का अर्थ '–' है, N का अर्थ '÷' है, O का अर्थ '×' है और P का अर्थ '+' है, तो निम्नलिखित समीकरण में '?' के स्थान पर क्या आएगा ?
(16 O 7) P 124 M 92 P (86 N 43) O 18 M 29 = ?
(A) 148 (B) 145
(C) 160 (D) 151

45. यदि 11 जुलाई, 2020 को सोमवार था, तो 14 अक्टूबर, 2028 को कौनसा दिन होगा ?
(A) शनिवार (B) सोमवार
(C) मंगलवार (D) रविवार

46. निम्नलिखित में से कौनसी संख्या दी गई शृंखला में प्रश्नवाचक चिह्न (?) के स्थान पर आएगी ?
5, 8, 24, 57, 109, 184, 288, 423, ?
(A) 559 (B) 695
(C) 595 (D) 659

47. यहाँ तीन कथनों के बाद तीन निष्कर्ष I, II और III दिए गए हैं. कथनों को सत्य मानते हुए, भले ही वे सामान्यतः ज्ञात तथ्यों से भिन्न प्रतीत होते हों, यह तय कीजिए कि कौनसा/से निष्कर्ष इन कथनों का तार्किक रूप से अनुसरण करता/करते है/हैं ?
कथन : सभी तकिए, पलंग हैं.
कोई मेज, पलंग नहीं है.
कुछ मेजें, कुर्सियाँ हैं.
निष्कर्ष : I. कोई तकिया, मेज नहीं है.
II. कुछ कुर्सियाँ, तकिए हैं.
III. कोई पलंग, कुर्सी नहीं है.
(A) निष्कर्ष I और II दोनों अनुसरण करते हैं
(B) केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(C) केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(D) निष्कर्ष I और III दोनों अनुसरण करते हैं

48. दिए गए पैटर्न का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उस संख्या का चयन कीजिए, जो इसमें प्रश्नवाचक चिह्न (?) के स्थान पर आ सकती है—
पहली पंक्ति—5, 6, 19
दूसरी पंक्ति—7, 7, 35
तीसरी पंक्ति—8, 9, ?
(**ध्यान कीजिए**—संख्याओं को उनके घटक अंकों में विभाजित किए बिना, पूर्ण संख्याओं की गणितीय संक्रियाएं की जानी चाहिए. उदाहरण के लिए 13 के मामले में–जोड़ने/घटाने, गुणा करने आदि जैसी गणितीय संक्रियाएं 13 पर की जा सकती हैं. 13 को 1 और 3 में तोड़कर और फिर 1 और 3 पर गणितीय संक्रियाएं करने की अनुमति नहीं है.)
(A) 45 (B) 35
(C) 55 (D) 65

49. राज अपने दफ्तर से पश्चिम दिशा की ओर चलता है एवं 100 मीटर सीधा चलने के बाद दाईं ओर मुड़कर 100 मीटर चलता है. फिर वह बाईं ओर मुड़कर 50 मीटर चलता है. वह अपने शुरू के स्थान से किस दिशा की ओर खड़ा है ?
(A) उत्तर-पूर्व (B) दक्षिण-पश्चिम
(C) उत्तर (D) उत्तर-पश्चिम

50. यदि शब्द 'ENTARTETMEN' के प्रत्येक स्वरों और व्यंजनों को अंग्रेजी वर्णमाला के क्रमशः अगले और पिछले अक्षर से परिवर्तित कर दिया जाता है, तो निम्नलिखित में कौनसा अक्षर शब्द के एकदम मध्य में होगा ?
(A) B (B) P
(C) J (D) S

सामान्य जागरूकता

51. प्रकाश-संश्लेषण के लिए आवश्यक चार मूलभूत तत्वों में .... शामिल हैं.
(A) क्लोरोफिल, सूर्य का प्रकाश, कार्बन डाइऑक्साइड और पानी
(B) परजीवी, भोजन, क्लोरोफिल और ऑक्सीजन

(C) रसायन, कार्बोहाइड्रेट, पानी और क्लोरोफिल
(D) कार्बन डाइऑक्साइड, खनिज पदार्थ, क्लोरोफिल और सूर्य का प्रकाश

52. ट्रोजन हॉर्स .... का एक रूप है.
(A) स्लैमर वर्म
(B) वायरस अटैक
(C) मेलिसा वर्म
(D) सर्विस अटैक

53. वर्ष 1937 में .... में पहली बार किसी गाँव में कांग्रेस अधिवेशन का आयोजन हुआ था.
(A) गोरखपुर (B) चंपारण
(C) गया (D) फैजपुर

54. सेंधा नमक (Rock salt) का खनिज नाम क्या है ?
(A) हेमाटाइट (Hematite)
(B) लिमोनाइट (Limonite)
(C) साइडराइट (Siderite)
(D) हेलाइट (Halite)

55. अचल और अमूर्त परिसम्पत्ति प्राप्त करने, उन्नयन और मौजूदा परिसम्पत्ति, मौजूदा परिसम्पत्ति की मरम्मत और ऋण की चुकौती पर खर्च किए गए धन को किस रूप में जाना जाता है ?
(A) पूँजीगत प्राप्ति
(B) राजस्व प्राप्ति
(C) पूँजीगत व्यय
(D) राजस्व व्यय

56. प्रसिद्ध व्याकरणविद् पतंजलि किसके समकालीन थे ?
(A) गौतमीपुत्र सतकर्णी
(B) पुष्यमित्र शुंग
(C) वासुदेव कण्व
(D) अग्निमित्र शुंग

57. भारतीय संविधान के निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद में मौलिक कर्तव्यों से सम्बन्धित प्रावधान हैं ?
(A) अनुच्छेद 61
(B) अनुच्छेद 51A
(C) अनुच्छेद 31A
(D) अनुच्छेद 55

58. असहयोग आन्दोलन के प्रस्ताव की पुष्टि दिसम्बर 1920 में .... में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में की गई थी.
(A) भोपाल (B) नागपुर
(C) सूरत (D) मद्रास

59. संगमरमर का रासायनिक सूत्र .... है.
(A) $Ca(OH)_2$ (B) $CaCO_3$
(C) CO_2 (D) CaO

60. अरब सागर से आने वाली दक्षिण-पश्चिम मानसून पवनों को अंत उष्ण-कटिबन्धीय अभिसरण क्षेत्र की ओर प्रवाहित करने में कौन बाधा डालता है ?
(A) पूर्वी घाट
(B) पश्चिमी घाट
(C) अरावली पर्वतमाला
(D) महान् हिमालय पर्वतमाला

61. 'थावे' महोत्सव का आयोजन किस राज्य में किया जाता है ?
(A) मणिपुर (B) झारखण्ड
(C) बिहार (D) ओडिशा

62. 'गज उत्सव-2023' का आयोजन किस राज्य में किया गया ?
(A) ओडिशा (B) कर्नाटक
(C) असम (D) तमिलनाडु

63. किस राज्य सरकार ने 'एक पंचायत, एक खेल का मैदान' परियोजना शुरू की ?
(A) उत्तर प्रदेश (B) केरल
(C) छत्तीसगढ़ (D) राजस्थान

64. किस अभियान के माध्यम से सभी पात्र ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है ?
(A) ऑपरेशन गंगा
(B) ऑपरेशन महिला
(C) ऑपरेशन संजीवनी
(D) 'संगठन से समृद्धि' अभियान

65. हमारे रक्त प्लाज्मा में कौनसा प्रोटीन होता है ?
(A) एंजाइम (B) फाइब्रिनोजेन
(C) सल्फर (D) कार्बन

66. एपिडेमिक ड्रॉप्सी नामक गम्भीर रोग किस मिलावटी तत्व के सेवन से होता है ?
(A) तिल का तेल
(B) नारियल का तेल
(C) सरसों का तेल
(D) आर्जिमोन का तेल

67. शरीर का मोटापा छिपाने के लिए वस्त्र होने चाहिए—
(A) बड़े प्रिन्ट्स वाले
(B) वक्र रेखाओं वाले
(C) छोटे प्रिन्ट्स वाले
(D) बड़े बटन वाले

68. कमेलिया नामक वृक्ष की पत्तियों को सुखाकर बनाई जाती है—
(A) अजवाइन (B) जीरा
(C) चाय (D) मेथी

69. दिसम्बर 2023 में आई रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर के व्यापार का कितने प्रतिशत स्वेज नहर से होकर गुजरता है ?
(A) 9% (B) 12%
(C) 15% (D) 26%

70. जूल और अर्ग के बीच क्या सम्बन्ध है ?
(A) 1 जूल = 10^7 अर्ग
(B) 1 जूल = 10^{-4} अर्ग
(C) 1 जूल = 10^{-7} अर्ग
(D) 1 जूल = 10^5 अर्ग

71. जनवरी 2024 में किसने 'हमारा संविधान, हमारा सम्मान' अभियान का उद्घाटन किया है ?
(A) अमिताभ कांत
(B) द्रौपदी मुर्मू
(C) जगदीप धनखड़
(D) स्मृति ईरानी

72. निम्नलिखित में से किस राज्य सरकार ने 'गुणोत्सव 2024' का शुभारम्भ किया है ?
(A) असम (B) गुजरात
(C) मध्य प्रदेश (D) आंध्र प्रदेश

73. प्रोड्यूसर गैस के मुख्य घटक हैं—
(A) कार्बन मोनोऑक्साइड एवं नाइट्रोजन
(B) कार्बन मोनोऑक्साइड एवं ऑक्सीजन
(C) नाइट्रोजन एवं ऑक्सीजन
(D) कार्बन डाइऑक्साइड एवं नाइट्रोजन

74. 'अलाई दरवाजा' निम्नलिखित में से किसके परिसर में स्थित है ?
(A) जमातखाना मस्जिद
(B) सीरी
(C) कुतुबमीनार
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

75. निम्नलिखित में से भारत का कौनसा राज्य अपनी सीमा 3 देशों नेपाल, भूटान और चीन से साझा करता है ?
(A) मेघालय
(B) पश्चिम बंगाल
(C) सिक्किम
(D) अरुणाचल प्रदेश

English Language

Directions—(Q. 76 and 77) Fill in the blanks in the same order, to make the sentence meaningful.

76. The bandit .... the traveller of his purse of gold and ...... him grievously.
(A) snatched, hurt
(B) stole, injured
(C) demanded, beat
(D) robbed, wounded

77. Only .... people are .... after death.
(A) virulent, glorified
(B) vicious, condemned

(C) virile, forgotten
(D) virtuous, remembered

Directions—(Q. 78 and 79) Choose the one which best expresses the meaning of the bold part of the sentences.

78. I **disdain** those who tell lies.
(A) condemn (B) scarn
(C) hate (D) despise

79. Reading of poetry is not **congenial** to his taste.
(A) suited (B) beneficial
(C) helpful (D) preferable

Directions—(Q. 80 and 81) Choose the one which best expresses the meaning of the given idiom/ proverb.

80. A snake in the grass
(A) Secret or hidden enemy
(B) Unforeseen happening
(C) Unrecognisable danger
(D) Irreliable person

81. To give up the ghost.
(A) To suffer
(B) To fight evil forces
(C) To die
(D) To become rational

Directions— (Q. 82 and 83) In the following sentences which one is grammatically wrong.

82. (A) Neither you nor I am in a sound position
(B) Laziness is detrimental for success
(C) He begged the favour of my granting him leave
(D) Your action is not in conformity with the law

83. (A) She has an abhorrence of frogs
(B) Starch is an antidote of iodine
(C) This is the inference from his statement
(D) I expostulated with Ravi about his decision

Directions—(Q. 84 and 85) Find the correctly spelt word.

84. (A) Greivance
(B) Grievance
(C) Griveance
(D) Grieveance

85. (A) Beligrent (B) Beligerent
(C) Belligrent (D) Belligerent

Directions—(Q. 86 to 90) In each of the following passages, there are blanks each of which has been numbered. Find out the appropriate words.

Life is an exciting series of challenges and opportunities to be seized. You have to plan for exercising the right carrer choices and …(86)… the right opportunities. Planned procastination rather than a hasty decision is …(87)…as far as your career is concerned. You need to analyse what occupational groups, …(88)… and types of organizations seem suitable to you. An individual today has many more degrees of freedom in determining his or her future. Few of us …(89)…this or take full advantage of this freedom. Most of us let the future be …(90)… by what is going to happen rather by personal life goals and plans for the future.

86. (A) catching (B) offsetting
(C) grabbing (D) conceiving

87. (A) desirable (B) deciphered
(C) invitable (D) acceptable

88. (A) specifications
(B) limitations
(C) qualifications
(D) identification

89. (A) reprimand (B) realise
(C) recognise (D) remember

90. (A) determined (B) swayed
(C) deprived (D) led

Directions—(Q. 91 to 93) In each of the following questions, find out which part of the sentence has an error. If the sentence is correct, the answer is 'No error'.

91. I must start (A) / at dawn (B) / to reach the station in time. (C) No Error. (D)

92. He knows very well (A) / what is expected from him (B) / but he is not able to fulfil all the expectations. (C) No error (D)

93. My brother (A) / has ordered (B) / for a new book. (C) No error. (D)

Directions—(Q. 94 and 95) In the following questions, out of the four alternatives, select the alternative which is the best substitute of the phrase.

94. The act of speaking irreverently about sacred things.
(A) Atheist (B) Blasphemy
(C) Bellicose (D) Defection

95. A person who talks too much of himself.
(A) Egoist (B) Elite
(C) Emetic (D) Egotist

96. In the following questions, a sentence has been given in Active/ Passive voice. Out of four alternatives suggested, select the one which best expresses the same sentence in Passive/Active voice–
An elephant may be helped even by an ant.
(A) An ant can even help a elephant.
(B) An ant may even help a elephant.
(C) Even an ant may help an elephant.
(D) Even an ant ought to help an elephant.

97. In the following question, a sentence has been given in Direct/ Indirect speech. Out of the four alternatives suggested, select the one which best expresses the same sentence in Indirect/Direct speech–
"Please don't cry" he said.
(A) He begged that I should not cry.
(B) He begged me not to cry.
(C) He said to please him and not cry.
(D) He told me to not to cry.

Directions—(Q. 98 and 99) In the following questions, out of the four alternatives, select the word opposite in meaning to the word given.

98. Hazardous
(A) Perilous (B) Precarious
(C) Dicey (D) Secure

99. Advocacy
(A) Discouragement
(B) Advancement
(C) Assistance
(D) Backing

100. Out of the four options given select the most logical order of the sentences to form a coherent paragraph–

Not only people have buying—
P. Environment and health.
Q. Capacity in the city, people here are.
R. Also quite concerned about
(A) QPR (B) QRX
(C) PZY (D) PQR

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) माना कि लागत मूल्य = ₹ x
प्रश्नानुसार,
$$x \times \frac{120}{100} = 240$$
$$\Rightarrow \quad x = \frac{240 \times 100}{120}$$
$$\Rightarrow \quad x = ₹\ 200$$
अतः लागत मूल्य = ₹ 200
पुनः वह अंकित मूल्य पर 10% की छूट देता है.
अर्थात् 240 का 90%
$$240 \times \frac{90}{100} = 216$$
अतः व्यापारी को होने वाला लाभ
= 216 – 200
= ₹ 16

2. (B) कुल उम्मीदवारों की संख्या
= 336
सही उत्तर देने वालों की संख्या
= 336 का $\frac{5}{6}$
$$= 336 \times \frac{5}{6}$$
= 280
अतः गलत उत्तर देने वाले उम्मीदवारों की संख्या = 336 – 280 = 56

3. (B) 5 बंदर, 5 मिनट 5 केले
∴ 20 बंदर x 60 केले
$$\therefore \quad \frac{5 \times 5}{5} = \frac{20 \times x}{60}$$
$$\Rightarrow 5 \times 20 \times x = 60 \times 5 \times 5$$
$$\Rightarrow \quad x = \frac{60 \times 5 \times 5}{5 \times 20}$$
$$\Rightarrow \quad x = 15$$
अतः 15 मिनट

4. (B) अरुण 3 दिनों में 1 काम करता है.
∴ अरुण 1 दिन में $\frac{1}{3}$ काम करता है.
बिशन 6 दिनों में 1 काम करता है.
∴ बिशन 1 दिन में $\frac{1}{6}$ काम करता है.
दोनों द्वारा करने में लगा समय
$$= \frac{1}{3} + \frac{1}{6} = \frac{2+1}{6} = \frac{3}{6} = \frac{1}{2} \text{ दिन}$$
अतः 2 दिन

5. (D) माना कि पुत्र की वर्तमान आयु
= x वर्ष
∴ पिता की वर्तमान आयु
= $70 - x$ वर्ष
अब 10 वर्ष बाद, पुत्र की आयु = $(x + 10)$ वर्ष
पिता की आयु = $70 - x + 10$
= $(80 - x)$ वर्ष
प्रश्नानुसार,
$80 - x : x + 10$
= 2 : 1
$$\Rightarrow \quad \frac{80 - x}{x + 10} = \frac{2}{1}$$
$$\Rightarrow 2(x + 10) = 80 - x$$
$$\Rightarrow \quad 2x + 20 = 80 - x$$
$$\Rightarrow \quad 2x + x = 80 - 20$$
$$\Rightarrow \quad 3x = 60$$
$$\Rightarrow \quad x = \frac{60}{3}$$
$$\Rightarrow \quad x = 20$$
अतः पुत्र की वर्तमान आयु = 20 वर्ष

6. (A) कुल उम्मीदवारों की संख्या = 100
माना कि उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या
= x
∴ अनुत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या
= $(100 - x)$
अब 100 उम्मीदवारों का औसत
= 50
∴ 100 उम्मीदवारों के कुल अंक
= 100 × 50 = 5000
x उम्मीदवारों के औसत अंक
= 65
∴ x उम्मीदवारों के कुल अंक
= $65x$
$(100 - x)$ उम्मीदवारों के औसत अंक
= 35
$(100 - x)$ उम्मीदवारों के कुल अंक
= $35\ (100 - x)$
अतः प्रश्नानुसार,
$65x + 35\ (100 - x)$
= 5000
$\Rightarrow 65x + 3500 - 35x$
= 5000
$\Rightarrow 30x + 3500$
= 5000
$$\Rightarrow \quad 30x = 5000 - 3500$$
$$\Rightarrow \quad 30x = 1500$$
$$\Rightarrow \quad x = \frac{1500}{30}$$
$$\Rightarrow \quad x = 50$$
अतः उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या
= 50

7. (A)
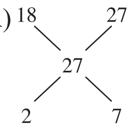

∴ अभीष्ट औसत = 2 : 7

8. (D) बेलनाकार मीनार की त्रिज्या
$$= \frac{10}{2} = 5 \text{ मीटर}$$
= 5 मीटर
बेलनाकार मीनार का वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल
$$= 2\pi rh$$
$$= 2 \times \frac{22}{7} \times 5 \times 21$$
$$= 44 \times 5 \times 3$$
= 660 मीटर^2
बेलनाकार मीनार की वक्र सतह को रंगने की लागत = 8 × 660 = ₹ 5280

9. (B) 30 लीटर दूध का विक्रय मूल्य
= 25 × 30 = ₹ 750
30 लीटर दूध का लागत मूल्य
= 25 × 25 = ₹ 625
∴ लाभ प्रतिशत
$$= \frac{(750 - 625) \times 100}{625}$$
$$= \frac{125 \times 100}{625} = 20\%$$

10. (A) माना धनराशि = P
प्रश्नानुसार,
$$P\left(1 + \frac{10}{100}\right)^4 - P\left(1 + \frac{20}{100}\right)^2 = 3133$$
$$P\left(\frac{110}{100}\right)^4 - P\left(\frac{120}{100}\right)^2 = 3133$$
$$P\left[\left(\frac{11}{10}\right)^4 - \left(\frac{12}{10}\right)^2\right] = 3133$$
$$P\left[\frac{14641}{10000} - \frac{144}{100}\right] = 3133$$
$$P\left[\frac{14641 - 14400}{10000}\right] = 3133$$
$$P\left[\frac{241}{10000}\right] = 3133$$

$$P = 3133 \times \frac{10000}{241}$$
$$= 13 \times 10000$$
$$= ₹\ 1{,}30{,}000$$

11. (C) माना अभीष्ट चाल
= x किमी/घण्टा

प्रश्नानुसार,
$$30 = \frac{2 \times 25 \times x}{25 + x}$$
$$750 + 30x = 50x$$
$$50x - 30x = 750$$
$$20x = 750$$
$$x = \frac{750}{20} = \frac{75}{2}$$
$$= 37\frac{1}{2}$$ किमी/घण्टा

12. (B)

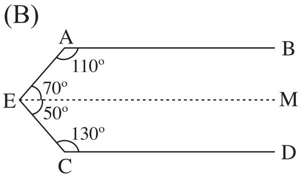

AB एवं CD के मध्य, बिन्दु E से एक समान्तर रेखा खींचने पर हम जानते हैं कि अन्तः कोणों का योग 180º होता है.

$\therefore \quad \angle AEM = 70^\circ$
$\angle CEM = 50^\circ$
$\therefore \quad \angle AEC = 70 + 50 = 120^\circ$

13. (D) $\angle DOB = 140^\circ$
$\therefore \quad \angle DOA = 180 - 140 = 40^\circ$
$\therefore \quad \angle ACD = \frac{40}{2} = 20^\circ$

क्योंकि दो बिन्दुओं से वृत्त के केन्द्र पर बनाया गया कोण वृत्त से परिधि पर बनाए गए कोण का दोगुना होता है.

14. (D) $(1 \cdot 1)^3 - 3 \times (1 \cdot 1)^2 \times 0 \cdot 1 + 3 \times (1 \cdot 1) \times (0 \cdot 1)^2$
$= 1 \cdot 1\ [(1 \cdot 1)^2 - 3 \times 1 \cdot 1 \times 0 \cdot 1 + 3 \times (0 \cdot 1)^2]$
$= 1 \cdot 1\ [1 \cdot 21 - 0 \cdot 33 + 0 \cdot 03]$
$= 1 \cdot 1\ [0 \cdot 91] = 1 \cdot 001$

15. (A) $335241 = 9 \times 37249$
$\Rightarrow \sqrt{335241} = 3 \times 193$
$= 579$

16. (A) माना पहली छूट
= x%, तो प्रश्नानुसार,
$$150 \times \frac{(100 - x)}{100} \times \frac{(100 - 12 \cdot 5)}{100} = 105$$
$$\Rightarrow \quad 100 - x = \frac{105 \times 100 \times 100}{150 \times 87 \cdot 5}$$
$$= 80$$
$$\therefore \quad x = 20\%$$
$$\therefore \quad x = \frac{2000}{25}$$
$$= 80$$
$$\therefore\ 80 \times 40\% = 32$$

17. (A) ईंट = $25 \times 3 \cdot 6^\circ = 90^\circ$
सीमेंट = $20 \times 3 \cdot 6^\circ = 72^\circ$
स्टील = $15 \times 3 \cdot 6^\circ = 54^\circ$
श्रम = $40 \times 3 \cdot 6^\circ = 144^\circ$

$\therefore$ केन्द्रीय कोण का अभीष्ट अन्तर
$= (90^\circ - 54^\circ)$
$= 36^\circ$

18. (B) $\frac{\text{आवास के लिए आवंटित भूमि}}{\text{सड़क के लिए आवंटित भूमि}}$
$$= \frac{144}{360}$$
$$= 4 : 10 = \frac{4}{10}$$

19. (A) जलाशय तथा हरित क्षेत्र की कुल आवंटित भूमि का प्रतिशत
$$= \frac{(108 + 18)}{720} \times 100 = 17 \cdot 5\%$$

20. (D) हरित क्षेत्र के लिए आवंटित भूमि – वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए आवंटित भूमि
$$= \left(108 \times \frac{5}{720} - 54 \times \frac{5}{720}\right)$$
$$= 54 \times \frac{5}{720} = \frac{15}{40} = \frac{3}{8}$$

21. (C) आवासीय और वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए कुल आवंटित भूमि
$$= \left(144 \times \frac{5}{720} + 54 \times \frac{5}{720}\right)$$
$$= 198 \times \frac{5}{720}$$
= $1 \cdot 375$ एकड़

22. (A) पूरी समयावधि में स्कूटरों का औसत उत्पादन
$$= \frac{115 + 108 + 149 + 102 + 101}{5}$$
$$= \frac{575}{5} = 115$$ हजार

अतः वर्ष 1985 में उत्पादित स्कूटरों की संख्या औसत उत्पादन के बराबर है.

23. (B) वर्ष 1985 में फैक्टरी P में तथा फैक्टरी T में हुए उत्पादन का अनुपात
$= 20 : 40 = 1 : 2$

24. (C) वर्ष 1988 की तुलना में सिर्फ Q, R तथा T फैक्टरी ने उत्पादन में कमी प्रदर्शित की.

Q में प्रतिशत कमी
$$= \frac{20 - 15}{20} \times 100$$
$$= 25\%$$

R में प्रतिशत कमी
$$= \frac{16 - 12}{16} \times 100$$
$$= 25\%$$

T में प्रतिशत कमी
$$= \frac{41 - 35}{41} \times 100$$
$$= \frac{6}{41} \times 100\ \%$$

अतः सिर्फ Q तथा R के उत्पादन में 25% की कमी हुई.

25. (C) सारणी से स्पष्ट है कि वर्ष 1987 में स्कूटरों का उत्पादन सर्वाधिक था (149 हजार).

26. (A) जिस प्रकार, वेटर खाना परोसता है, उसी प्रकार मैकेनिक, मरम्मत का काम करता है.

27. (B) जिस प्रकार, उसी प्रकार,

C O L D → (–2, –3, –4, –5) → A L H Y
I R O N → (–2, –3, –4, –5) → G O K I

28. (C) F $\xrightarrow{+3}$ I $\xrightarrow{+3}$ L $\xrightarrow{+3}$ O $\xrightarrow{+3}$ R
B $\xrightarrow{+5}$ G $\xrightarrow{+5}$ L $\xrightarrow{+5}$ Q $\xrightarrow{+5}$ V
A $\xrightarrow{+4}$ E $\xrightarrow{+4}$ I $\xrightarrow{+4}$ M $\xrightarrow{+4}$ Q

29. (C)

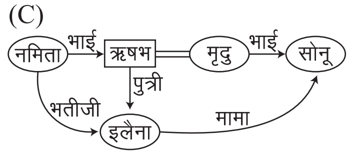

अतः सोनू इलैना का मामा होगा.

30. (B)

31. (A) शब्दों का सार्थक एवं तार्किक क्रम, गेटवे ऑफ इण्डिया → मुम्बई → महाराष्ट्र → भारत → एशिया → दुनिया अर्थात् 3, 2, 5, 6, 4, 1

32. (C) 33. (A)

34. (B) जिस प्रकार,
$(1 + 4 + 4 = 9) - 1 = 18 - 1$
$= 17$
$(2 + 9 + 9 + 64) - 1 = 84 - 1$
$= 83$
तथा $(3 + 1 + 16 + 0) - 1 = 20 - 1$
$= 19$

उसी प्रकार,
$(4 + 4 + 9 + 16) - 1 = 33 - 2$
$= 32$

35. (C) K > G > R > A

36. (C) Mohan is very young → rat mat lat tat ...(1)

Boys may be young → tat sat bat fat ...(2)

Mohan may be handsome → mat fat bat cat ...(3)

समीकरण (1), (2), व (3) से—

Mohan → mat, young → tat, may/be → bat/fat handsome → cat

∴ Boys may be handsome → cat fat bat sat.

37. (C) 18 → 51 → 150 → [487] (447) → 1338
(×3 – 3, ×3 – 3, ×3 – 3, ×3 – 3)

38. (C)
2 5 9 7 10 14 [13] 16 20 20 23 27 28
+3 +4 –2 +3 +4 –1 +3 +4 +0 +3 +4 +1
+1 +1 +1

= 24 + 2 – 8

= 18

39. (B)

40. (D)
a D x A l C f B p C b
↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓
1 × 24 + 12 ÷ 6 – 16 ÷ 2

= 24 + 2 – 8

= 18

41. (B) जिस प्रकार,

3 + 31 + 2 = 36

तथा 20 + 3 + 13 = 36

उसी प्रकार,

13 + ? + 21 = 36

? + 34 = 36

? = 36 – 34

= 2

42. (B) 5 → 16 → 51 → 158 → [481]
(×3 + 1, ×3 + 3, ×3 + 5, ×3 + 7)

43. (D) जिस प्रकार,

(6 + 4 + 4) + 5 = 14 + 5 = 19 → S,

(1 + 4 + 7) + 5 = 12 + 5 = 17 → Q

तथा

(5 + 8 + 10) + 5 = 23 + 5 = 28

28 – 26 = 2 → B

उसी प्रकार,

(5 + 5 + 2) + 5 = 12 + 5 = 17 → Q

44. (D) (16 O 7) P 124 M 92 P (86 N 43) O 18 M 29 = 6

प्रश्नानुसार चिह्न रखने पर—

= (16 × 7) + 124 – 92 + (86 ÷ 43) × 18 – 29

= 112 + 124 – 92 + 36 – 29

= 272 – 121 = 151

45. (B)

46. (C)
5 8 24 57 109 184 288 423 [595]
+3 +16 +33 +52 +75 +104 +135 +172
+13 +17 +19 +23 +29 +31 +37

47.(B)

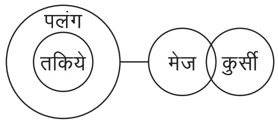

या

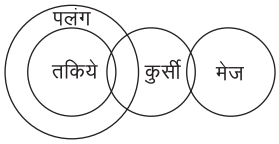

अतः केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है.

48. (C) पहली पंक्ति = 5, 6, 19

⇒ 5 × 6 = 5 + 6 + 19

30 = 30

दूसरी पंक्ति = 7, 7, 35

7 × 7 = 7 + 7 + 35

49 = 49

तीसरी पंक्ति = 8, 9, x

⇒ 8 × 9 = 8 + 9 + x

72 = 17 + x

x = 72 – 17

x = 55

49. (D) प्रश्नानुसार, राज का अपने दफ्तर से चलने का क्रम निम्न प्रकार हैं—

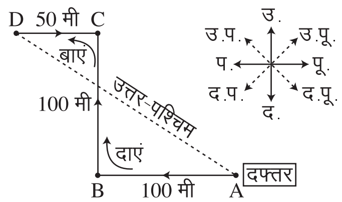

उपर्युक्त आरेख से यह स्पष्ट होता है कि बिन्दु 'A' से बिन्दु 'D' उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर है अर्थात् राज अपने प्रारम्भिक बिन्दु से उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर खड़ा है.

50. (D)
E N T A R T E T M E N
↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓ ↓
F M S B Q Ⓢ F S L F M

51. (A) प्रकाश-संश्लेषण शब्द का अर्थ है 'प्रकाश के साथ कुछ बनाना.' प्रकाश-संश्लेषण होने के लिए, चार तत्वों का मौजूद होना आवश्यक है. ये क्लोरोफिल, कार्बन डाइऑक्साइड, पानी और सौर ऊर्जा हैं. सभी पौधों में क्लोरोफिल होता है.

52. (B) ट्रोजन हॉर्स वायरस एक प्रकार का मैलवेयर है, जो एक वैध प्रोग्राम के रूप में कम्प्यूटर पर डाउनलोड होता है डिलीवरी पद्धति में आमतौर पर एक हमलावर अपने सॉफ्टवेयर के साथ उपयोगकर्ताओं के सिस्टम तक पहुँच प्राप्त करने के लिए वैध सॉफ्टवेयर के भीतर दुर्भावनापूर्ण कोड को छिपाने के लिए सोशल इंजीनियरिंग का उपयोग करता है.

53. (D) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 50वाँ अधिवेशन दिसम्बर 1936 को तत्कालीन बाम्बे प्रेसीडेंसी के जलगाँव जिले के फैजपुर में आयोजित किया गया था. यह ग्रामीण परिवेश में आयोजित होने वाला पहला सत्र था. फैजपुर अधिवेशन इसलिए भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि इसकी अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने की थी.

54. (D) हेलाइट, जिसे आमतौर पर सेंधा नमक के रूप में जाना जाता है. एक प्रकार का नमक है, जो सोडियम क्लोराइड ($NaCl$) का खनिज (प्राकृतिक) रूप है—हेलाइट आइसोमेट्रिक.

55. (C) पूँजीगत व्यय वह धन है, जो सरकार द्वारा मशीनरी, उपकरण, भवन, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा आदि के विकास पर खर्च किया जाता है. इसमें सरकार द्वारा भूमि और निवेश जैसी अचल सम्पत्तियों के अधिग्रहण पर किया गया खर्च भी शामिल है, जो भविष्य में लाभ या लाभांश देता है.

56. (B) पुष्यमित्र शुंग पूर्वी भारत में शुंग साम्राज्य के संस्थापक और प्रथम शासक थे. पुष्यमित्र मूल रूप से मौर्य साम्राज्य के सेनापति 'जनरल' थे. 185 ईसा पूर्व में उन्होंने सेना की समीक्षा के दौरान अन्तिम मौर्य सम्राट् बृहद्रथ मौर्य की हत्या कर दी और स्वयं को सम्राट् घोषित कर दिया. प्राचीन भारत के दूसरे महान् व्याकरणविद् पतंजलि के समकालीन पुष्यमित्र शुंग थे.

57. (B) भारत के संविधान में मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख अनुच्छेद 51 A में किया गया है. मौलिक कर्तव्य प्रकृति में अन्यायोचित हैं. मौलिक कर्तव्यों का विचार रूसी संविधान से लिया गया था. सरदार स्वर्ण सिंह समिति की रिपोर्ट के आधार पर 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा संविधान में एक नया अध्याय भाग 4(क) जोड़ा गया जिसमें मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख किया गया है. गौरतलब है कि 86वें संविधान संशोधन, 2002 द्वारा एक अन्य मौलिक कर्तव्य (11वाँ) 6 से 14 वर्ष की आयु के बीच के बच्चों को माता-पिता या

अभिभावक शिक्षा के अवसर प्रदान करेंगे.

58. (B) 1920 ई. में नागपुर में कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता विजय राघवाचारी ने की थी.

59. (B) संगमरमर का रासायनिक नाम कैल्सियम कार्बोनेट ($CaCO_3$) है. कैल्सियम कार्बोनेट प्राकृतिक रूप से चूना पत्थर, चाक और संगमरमर में सफेद खनिज के रूप में पाया जाता है.

60. (B) पश्चिमी घाट एक पर्वत शृंखला में है, जो भारतीय प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के समानान्तर फैले हुए हैं, इनका प्रसार गुजरात राज्य से आरम्भ होता है और महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और तमिलनाडु राज्यों से होकर केरल तक जाता है.

61. (C) 62. (C) 63. (B) 64. (D)

65. (B) फाइब्रिनोजेन एक रेशेदार, गैर-गोलाकार प्रोटीन है, जो रक्त के थक्के जमने में शामिल होता है. यह यकृत में बनता है.

66. (D) आर्जिमोन तेल आर्जिमोन के बीजों से निकाला जाता है. इसकी मात्रा बढ़ाने के लिए इसे सूरजमुखी के तेल और तिल के तेल के साथ मिलाया जाता है. इस तेल के सेवन से बच्चों में स्वास्थ्य सम्बन्धी विकार उत्पन्न होते हैं.

67. (C) 68. (C)

69. (B) स्वेज नहर से हर वर्ष 20 हजार से ज्यादा जहाज गुजरते हैं, दुनिया में, जो व्यापार होता है, उसका करीब 12 प्रतिशत माल इसी नहर से आता-जाता है.

70. (A) जूल ऊर्जा की एक इकाई है और इसे 'J' द्वारा इंगित किया जाता है. अर्ग CGS प्रणाली पर कार्य या ऊर्जा की सापेक्ष इकाई है.

71. (C) अखिल भारतीय अभियान 'हमारा संविधान, हमारा सम्मान' का उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ द्वारा डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में किया गया.

72. (A) असम सरकार ने 3 जनवरी से 8 फरवरी, 2024 तक लगभग 40 लाख छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए एक राजव्यापी अभ्यास 'गुणोत्सव 2024' आयोजित किया है.

73. (A) प्रोड्यूसर गैस 55% नाइट्रोजन गैस, 30% कार्बन मोनोऑक्साइड व शेष कार्बन डाइऑक्साइड, हाइड्रोजन व मीथेन गैस का मिश्रण है.

74. (C) अलाई दरवाजा दिल्ली, भारत में कुतुब परिसर में कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद का दक्षिणी प्रवेश द्वार है. इसे सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने 1311 ई. में बनवाया था और यह लाल बलुआ पत्थर से बना था.

75. (C) सिक्किम 3 देशों नेपाल, भूटान और चीन से सीमा साझा करता है. पश्चिम बंगाल भारत के पूर्व में एक राज्य है और इसकी सीमाएं नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से लगती हैं. उत्तराखण्ड की सीमाएं नेपाल और चीन (2 देशों) से लगती हैं, अरुणाचल प्रदेश की सीमाएं म्यांमार, चीन और भूटान से लगती हैं.

76. (D) 77. (D) 78. (C) 79. (A)

80. (C) 81. (C)

82. (B) Laziness is detrimental to success.

83. (B) Starch is an antidote to iodine.

84. (B) 85. (D) 86. (C) 87.(A)

88. (A) 89. (B) 90. (A)

91. (B) Replace 'at' by 'by'.

92. (B) Replace 'from' by 'of'.

93. (C) Remove 'for'.

94. (B) 95. (D) 96. (C) 97.(B)

98. (D) 99. (B) 100. (B)

●●●

SSC
उपकार
एस.एस.सी.
मल्टी टास्किंग
(गैर-तकनीकी) स्टाफ एवं हवलदार
(CBIC & CBN)
कम्प्यूटर आधारित परीक्षा
(ग्रुप-सी)

- नवीन पैटर्न पर आधारित
- गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित
- परीक्षा विषयक अध्ययन सामग्री

कोड नं. 2075
मूल्य : ₹ 340/-

डॉ. लाल एवं जैन

English Edition
Code 1515 ₹ 330/-

उपकार प्रकाशन, आगरा
• E-mail : care@upkar.in
• Website : www.upkar.in

आई. बी. पी. एस. द्वारा आयोजित
उपकार
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
ऑफिस असिस्टेंट
(बहुउद्देशीय)
प्रारम्भिक परीक्षा

◆ गत वर्ष का हल प्रश्न-पत्र
◆ 5 मॉडल हल प्रश्न-पत्र

कोडः 2500
मूल्यः ₹ 280/-

जैन एवं गुप्ता

English Edition
Code No. 1941 ₹ 280.00

उपकार प्रकाशन, आगरा
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

1. अद्यतन उपलब्ध अन्तिम आँकड़ों के अनुसार बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश कौनसा है ?
(A) अमेरिका
(B) चीन
(C) संयुक्त अरब अमीरात
(D) रूस

2. अद्यतन उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत व रूस के बीच द्विपक्षीय वस्तुगत व्यापार लगभग 65 अरब डॉलर का रहा. इसमें भारत से रूस को निर्यात लगभग कितने अरब डॉलर के थे ?
(A) 4 (B) 14
(C) 24 (D) 34

3. चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2024) में निम्नलिखित में से किसके/किनके निर्यातों में पूर्व वर्ष की समान अवधि की तुलना में धनात्मक वृद्धि (डॉलर मूल्य में) प्राप्त की गई ?
I. वस्तुगत निर्यात
II. सेवाओं का निर्यात
निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) न तो I, न ही II
(D) I व II दोनों

4. कर्मचारी प्रॉविडेंट फंड (EPF) जमाओं पर 2024-25 के लिए कितने प्रतिशत ब्याज के लिए अनुमोदन वित्त मंत्रालय ने जुलाई 2024 में प्रदान किया है ?
(A) 7·25 प्रतिशत
(B) 8·25 प्रतिशत
(C) 9·25 प्रतिशत
(D) 10·25 प्रतिशत

5. निम्नलिखित में से किसे एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कम्पनी के प्रबन्ध निदेशक पद हेतु नियुक्ति जुलाई 2024 में प्रदान की गई है ?
(A) सी. एस. शेट्टी
(B) के. सी. सुब्रमण्यम
(C) दिनेश कुमार खारा
(D) नवीन चन्द्र झा

6. अमृतकाल में विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कितनी प्राथमिकताओं की घोषणा 2024-25 के केन्द्रीय बजट में की गई है ?
(A) 5 (B) 7
(C) 9 (D) 11

7. तरुण श्रेणी के मुद्रा ऋणों की सीमा को ₹ 10 लाख के मौजूदा स्तर से बढ़ाकर कितना करने की घोषणा 2024-25 के बजट में की गई है ?
(A) ₹ 15 लाख (B) ₹ 20 लाख
(C) ₹ 25 लाख (D) ₹ 50 लाख

8. चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में सार्वजनिक उपक्रमों में विनिवेश से कितनी राशि जुटाने का सरकार का लक्ष्य है ?
(A) ₹ 30,000 करोड़
(B) ₹ 50,000 करोड़
(C) ₹ 70,000 करोड़
(D) ₹ 1,00,000 करोड़

9. वित्तीय वर्ष 2024-25 में केन्द्र सरकार का राजकोषीय घाटा जीडीपी का कितने प्रतिशत रहने का अनुमान सन्दर्भित वर्ष के बजट में है ?
(A) 1·9 प्रतिशत
(B) 2·9 प्रतिशत
(C) 3·9 प्रतिशत
(D) 4·9 प्रतिशत

10. केन्द्रीय बजट सर्वाधिक बार प्रस्तुत करने का रिकॉर्ड किसके नाम है ?
(A) निर्मला सीतारमण
(B) मनमोहन सिंह
(C) पी. चिदम्बरम्
(D) मोरारजी देसाई

11. कृषि मंत्रालय के तीसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार वर्ष 2023-24 में देश में, धान के उत्पादन में अग्रणी राज्य कौनसा रहा है ?
(A) प. बंगाल (B) आन्ध्र प्रदेश
(C) तेलंगाना (D) पंजाब

12. देश में कपास के उत्पादन में पहला स्थान किस राज्य का है ?
(A) महाराष्ट्र (B) तेलंगाना
(C) आन्ध्र प्रदेश (D) गुजरात

13. भारत के कुल वस्तुगत निर्यातों में सर्वाधिक भाग (मूल्यानुसार) किस श्रेणी के उत्पादों का है ?
(A) पूँजीगत वस्तुएं
(B) उपभोक्ता उत्पाद
(C) मध्यवर्ती वस्तुएं
(D) कच्चा माल

14. भारत विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है. वैश्विक जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट (2024) के अनुसार किस वर्ष भारत की जनसंख्या अपने सर्वोच्च स्तर पर होगी ?
(A) 2054 (B) 2062
(C) 2084 (D) 2094

15. संयुक्त राष्ट्र संघ के जनसंख्या विभाग की उपर्युक्त रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान किस वर्ष विश्व में तीसरी बड़ी जनसंख्या वाला देश हो जाएगा ?
(A) 2046 (B) 2054
(C) 2062 (D) 2084

16. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के जुलाई 2024 के ताजा पूर्वानुमानों में भारत में 2024-25 में विकास दर कितने प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान है ?
(A) 6·5 प्रतिशत
(B) 7·0 प्रतिशत
(C) 7·5 प्रतिशत
(D) 8·0 प्रतिशत

17. भारत में 2024-25 में विकास दर कितने प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान एशियाई विकास बैंक द्वारा जुलाई 2024 में व्यक्त किया गया है ?
(A) 7·0 प्रतिशत
(B) 7·5 प्रतिशत
(C) 8·0 प्रतिशत
(D) 8·5 प्रतिशत

18. भारत के नीति आयोग के उपाध्यक्ष कौन हैं ?
(A) अरविंद पनगढ़िया
(B) नारायण कृष्णमूर्ति
(C) एम.डी. महापात्र
(D) सुमन के. बेरी

19. सार्वजनिक क्षेत्र की निम्नलिखित में से किस कम्पनी को महारत्न कम्पनी का दर्जा प्राप्त है ?
(A) इरेडा लि.
(B) हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि.
(C) ओएनजीसी विदेश लि.
(D) नेशनल थर्मल पॉवर कॉर्पोरेशन

20. 'सेबी' (SEBI) निम्नलिखित में किस बाजार का एक नियामक निकाय है ?
(A) पूँजी बाजार (B) मुद्रा बाजार
(C) दूरसंचार (D) विद्युत्

21. बाजार पूँजीकरण (M-Cap) की दृष्टि से भारत की सबसे बड़ी कम्पनी जुलाई 2024 में कौनसी थी ?
(A) टीसीएस
(B) लार्सन एण्ड टुब्रो
(C) रिलायंस इंडस्ट्रीज
(D) एचडीएफसी बैंक

22. भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में 2023-24 में सर्वाधिक लाभ अर्जित करने वाला उपक्रम कौनसा था ?
(A) इंडियन ऑयल
(B) हिन्दुस्तान पेट्रोलियम
(C) ओएनजीसी
(D) भारतीय स्टेट बैंक

23. वैयक्तिक आयकर की नई संरचना के तहत् कर-निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए कितने रुपए तक की वार्षिक आय आयकर से मुक्त है ?
(A) ₹ 3 लाख
(B) ₹ 3·5 लाख
(C) ₹ 4·0 लाख
(D) अभी यह निर्धारित नहीं है

24. भारत का आगामी (55 वाँ) अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव नवम्बर 2024 में कहाँ होगा ?
(A) मुम्बई (B) गोवा
(C) चेन्नई (D) हैदराबाद

25. वित्तीय वर्ष 2024-25 में केन्द्र सरकार के ₹ 48 लाख करोड़ से अधिक के कुल प्रस्तावित व्यय में पूँजीगत व्यय लगभग कितने प्रतिशत होगा ?
(A) 13 प्रतिशत
(B) 23 प्रतिशत
(C) 33 प्रतिशत
(D) 43 प्रतिशत

उत्तरमाला

1. (B)	2. (A)	3. (D)	4. (B)	5. (D)
6. (C)	7. (B)	8. (B)	9. (D)	10. (D)
11. (C)	12. (D)	13. (B)	14. (B)	15. (B)
16. (B)	17. (A)	18. (D)	19. (D)	20. (A)
21. (C)	22. (D)	23. (A)	24. (B)	25. (B)

●●●

शेष पृष्ठ 56 का

आयु सीमा (1 जुलाई, 2024 को)—21-30 वर्ष. विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के तहत् अभ्यर्थियों का चयन ऑनलाइन परीक्षा व साक्षात्कार के माध्यम से होगा. दो चरणों की ऑनलाइन परीक्षा के पहले चरण में 200 अंकों का वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का प्रश्न-पत्र होगा. 8 सितम्बर, 2024 को ऑनलाइन आयोजित की जाने वाली इस परीक्षा में (i) जनरल अवेयरनैस, (ii) अंग्रेजी भाषा, (iii) परिमाणात्मक अभिरूचि व (iv) तार्किक परीक्षा सम्मिलित होगी. पहले चरण की इस परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को ही दूसरे चरण की परीक्षा के लिए आमंत्रित किया जाएगा. दूसरे चरण की परीक्षा 19 अक्टूबर, 2024 को सम्पन्न होगी. इस परीक्षा में पहला प्रश्न-पत्र आर्थिक एवं सामाजिक मुद्दों का, दूसरा प्रश्न-पत्र अंग्रेजी (लेखन दक्षता) का तथा तीसरा प्रश्न-पत्र वित्त एवं प्रबन्धन का होगा. दूसरे चरण के इन तीनों प्रश्न-पत्रों में प्राप्तांकों के आधार पर ही साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों की सूची तैयार की जाएगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की वेबसाइट www.rbi.org.in देखें. इसी वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध है.

●●●

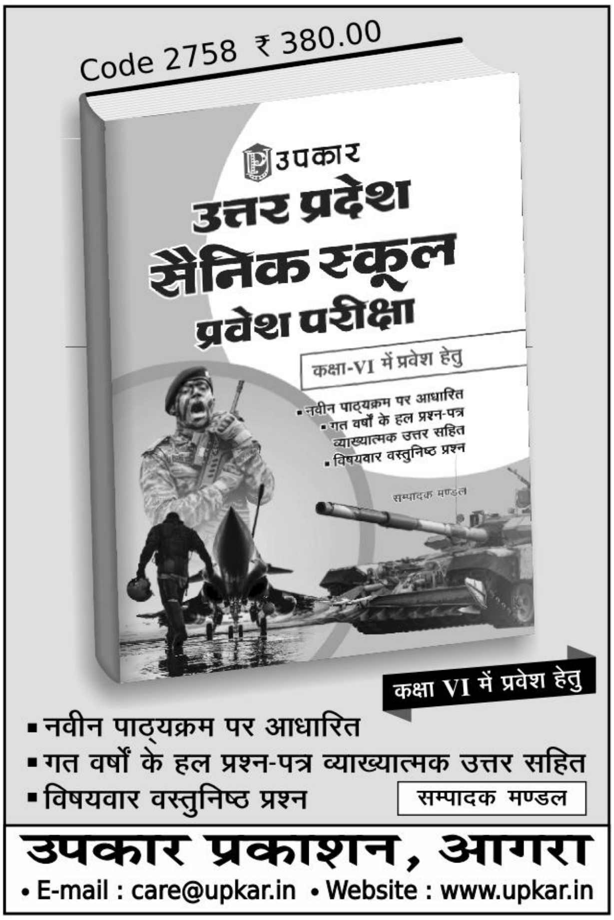

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. नए आपराधिक कानून किस दिनांक से सारे देश में लागू हो गए ?
(A) 1 जनवरी, 2024
(B) 1 अप्रैल, 2024
(C) 1 मई, 2024
(D) 1 जुलाई, 2024

2. निम्नलिखित क्रिकेट खिलाडियों पर विचार कीजिए —
I. रोहित शर्मा
II. विराट कोहली
III. रविन्द्र जड़ेजा
उपर्युक्त में से किसने क्रिकेटरो ने आई.सी.सी. T-20 विश्व कप-2024 जीतने के साथ ही क्रिकेट के T-20 प्रारूप से संन्यास लिए जाने की घोषणा कर दी ?
(A) केवल II
(B) केवल I एवं II
(C) I, II एवं III सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. आई.सी.सी. पुरुष T-20 विश्व कप-2024 भारत ने जीता. फाइनल मैच में भारत ने किस देश की टीम को हराया ?
(A) दक्षिण अफ्रीका
(B) इंग्लैण्ड
(C) अफगानिस्तान
(D) ऑस्ट्रेलिया

4. आई.सी.सी. पुरुष T-20 विश्व कप-2024 प्रतियोगिता का आयोजन किन देशों की संयुक्त मेजबानी में हुआ ?
(A) द.-अफ्रीका, जिम्बाब्वे संयुक्त रूप से
(B) इंग्लैण्ड, स्कॉटलैण्ड संयुक्त रूप से
(C) सं. रा. अमेरिका,वेस्टइण्डीज संयुक्त रूप से
(D) ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड संयुक्त रूप से

5. आई.सी.सी. पुरुष T-20 विश्व कप-2024 संयुक्त रूप से सं. रा. अमेरिका तथा वेस्टइण्डीज द्वारा 2-29 जून, 2024 में आयोजित किया गया. इस टूर्नामेण्ट में कुल कितनी टीमों ने भाग लिया ?
(A) 12 (B) 16
(C) 18 (D) 20

6. उर्सुला वॉन डेर लेयेन का नाम समाचारों की सुर्खियों में रहा है, क्योंकि वे—
(A) यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष नामित की गई है
(B) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की महानिदेशक नियुक्त की गई है
(C) मेक्सिको की राष्ट्रपति निर्वाचित हुई है
(D) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की महानिदेशक नियुक्त की गई है

7. निम्नलिखित में से किसे फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'शेवेलियर डी ला लीजन डी ऑनर' (Chevalier de la legion d' honour) से सम्मानित किया गया है.
(A) रोशनी नडार मल्होत्रा, एच सी एल की अध्यक्ष
(B) हेमा मालिनी, नृत्यांगना, राजनीतिज्ञ और फिल्म अभिनेत्री.
(C) बीजू पटनायक, ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री
(D) विराट कोहली, भारतीय क्रिकेटर

8. फ्रांस की राष्ट्रीय एसेम्बली के लिए सम्पन्न चुनावों (2024) में निम्नलिखित में से किस गठबन्धन को सर्वाधिक सीटें प्राप्त हुई है ?
(A) नेशनल रैली
(B) न्यू पापूलर फ्रंट
(C) एन्सेम्बिल एलायन्स
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. निम्नलिखित में से किसे ईरान का राष्ट्रपति चुना गया है ?
(A) अयातुल्लाह अली खमेनी
(B) महमूद मोखबर
(C) मसूद पेजेशकियान
(D) सईद जलीली

10. जुलाई 2024 में सम्पन्न यू. के. हाउस ऑफ कॉमन्स के चुनावों के बाद निम्नलिखित में से किसे यू. के. का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है ?
(A) कीर स्टार्मर (B) एन्जेला रेनर
(C) रैचेल रीब्ज (D) यवेन्ती कूपर

11. नीदरलैण्ड्स के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) डिक स्कूफ को नीदरलैण्ड्स का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है
(B) डिक स्कूफ नीदरलैण्ड्स की AIVD डोमोस्टीक सिक्योरिटी सर्विस (एक खुफिया एजेन्सी) के प्रमुख रह चुके हैं
(C) नीदरलैण्ड्स में सत्ता परिवर्तन पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रूट के 20 वर्ष के लम्बे शासनकाल के बाद हुआ है
(D) डिक स्कूफ की कैबिनेट के लगभग आधे मंत्री गैर-राजनीतिज्ञ हैं

12. नीदरलैण्ड्स के सन्दर्भ में निम्नलिखित राजनीतिक दलों में से कौनसा राजनीतिक दल इस्लाम विरोधी विचार धारा का कट्टर समर्थक है ?
(A) फ्रीडम पार्टी
(B) कंजरवेटिव-लिबरल
(C) न्यू सोशल कान्ट्रेक्ट
(D) फार्मर सिटीजेन्स मूवमेन्ट

13. उत्तरी एटलांटिक संधि संगठन (NATO) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए —
I. नार्थ एटलांटिक काउंसिल ने नीदरलैण्ड्स के पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रूट को नाटो का अगला महासचिव नियुक्त करने का निर्णय लिया है.
II. मार्क रूट जेन्स स्टोलटेनवर्ग का स्थान लेंगे.
III. मार्क रूट 1 अक्टूबर, 2024 को नाटो के महासचिव का पद सँभालेंगे.
IV. जेन्स स्टोलटेनवर्ग 10 वर्ष तक नाटो के महासचिव रहे हैं.
उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक (B) केवल दो
(C) केवल तीन (D) सभी चार

14. जुलाई 2024 में रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, 'आर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' से निम्नलिखित में से किसे सम्मानित किया गया ?
(A) चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग
(B) भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
(C) उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग उन
(D) पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

15. निम्नलिखित में से किसे भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का प्रमुख कोच नियुक्त किया गया है ?
(A) महेन्द्र सिंह धोनी
(B) अंशुमान गायकवाड़
(C) गौतम गम्भीर
(D) सौरव गांगुली

16. 18वीं लोक सभा के चुनावों के बाद गठित आठ कैबिनेट समितियों में से किस समिति के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं हैं ?
I. आवास सम्बन्धी कैबिनेट समिति
II. कौशल, रोजगार एवं जीवनयापन समिति
III. संसदीय मामलों सम्बन्धी समिति
IV. निवेश एवं संवृद्धि पर कैबिनेट समिति

सही कूट है—
(A) केवल I एवं II
(B) केवल I एवं III
(C) केवल II एवं IV
(D) केवल I एवं IV

17. केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की नियुक्ति समिति के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) नियुक्ति समिति में प्रधानमंत्री सहित कुल चार सदस्य होते हैं
(B) नियुक्ति समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की जाती है तथा गृह मंत्री अमित शाह इसके एकमात्र सदस्य हैं
(C) कैबिनेट सचिव नियुक्ति समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य हैं.
(D) गृह मंत्री अमित शाह के अतिरिक्त रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी नियुक्ति समिति के सदस्य हैं

18. टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेन्ट विंबलडन 2024 का पुरुष एकल खिताब किसने जीता ?
(A) कार्लोस अल्काराज (स्पेन)
(B) नोवाक जोकोविच (सर्बिया)
(C) डेनिल मेदवेदेव (रूस)
(D) यानिक सिनर (इटली)

19. टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेन्ट विंबलडन 2024 का महिला एकल खिताब किसने जीता ?
(A) जैसमीन पावोलिनी
(B) बारबोरा क्रेजिसकोवा
(C) टेलर टाउनसेण्ड
(D) कैटरीना सिनियाकोवा

20. 'भाग मच्छर भाग' अभियान किसके द्वारा लॉन्च किया गया ?
(A) छत्तीसगढ़ राज्य सरकार
(B) ओडिशा राज्य सरकार
(C) वृहत मुंबई म्यूनिसिपिल कार्पोरेशन
(D) दिल्ली नगर निगम

21. निम्नलिखित में से किस राज्य में मुख्य विपक्षी दल द्वारा 'शैडो कैबिनेट' (छाया मंत्रिमण्डल) गठित किया गया है ?
(A) छत्तीसगढ़ (B) ओडिशा
(C) आन्ध्र प्रदेश (D) तेलंगाना

22. निम्नलिखित देशों की शासन प्रणालियों पर विचार कीजिए—
I. ऑस्ट्रेलिया
II. कनाडा
III. न्यूजीलैण्ड
IV. यू. के.
उपर्युक्त में से किस देश में शैडो कैबिनेट (छाया मंत्रिमण्डल) की सांस्थानिक प्रणाली कार्यरत् है ?
(A) केवल IV
(B) केवल I एवं II
(C) केवल III एवं IV
(D) I, II, III, IV सभी

23. 'बाल खाद्य गरीबी : प्रारंभिक बचपन में पोषण अभाव' रिपोर्ट 2024 के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
I. यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा जारी की गई.
II. बाल खाद्य गरीबी को जीवन के प्रथम 5 वर्षों में बच्चों की पौष्टिक और विविध आहार तक पहुँच और उपभोग करने में असमर्थता के रूप में परिभाषित किया जाता है.
सही कूट है—
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I एवं II दोनों
(D) न I और न II

24. निम्नलिखित राजनीतिज्ञों के नामों पर विचार कीजिए—
I. (स्व.) राजीव गाँधी
II. (स्व.) अटल बिहारी वाजपेयी
III. श्रीमती सोनिया गाँधी
IV. श्री राहुल गाँधी
उपर्युक्त में से कितने राजनीतिज्ञ लोक सभा के नेता प्रतिपक्ष के पद पर कार्यरत् रहे हैं/है ?
(A) केवन एक (B) केवल दो
(C) केवल तीन (D) सभी चार

25. पेरिस ओलम्पिक 2024 में भारत के किस प्रतिभागी ने किसी प्रतिरूपर्धा में पहला पदक जीता ?
(A) मनु भाकर
(B) मनिका बत्रा
(C) श्रीजा अकुला
(D) बलराज पंवार

26. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिए —
I. फ्रांस
II. यू. के.
III. सं. रा. अमेरिका
IV. जर्मनी
इनमें से किस देश ने तीन या तीन से अधिक बार ग्रीष्म कालीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन किया है ?
(A) केवल I, II , III
(B) केवल I एवं II
(C) केवल I, III, IV
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

27. अभी हाल ही में किस राज्य की विधान सभा में सर्वसम्मति से राज्य का नाम बदलने का संकल्प पारित किया गया है ?
(A) उत्तर प्रदेश (B) मध्य प्रदेश
(C) केरल (D) पश्चिम बंगाल

28. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा कथन सत्य है ?
I. डाकघर अधिनियम 2023-18 जून, 2024 को आधिकारिक रूप से लागू हो गया.
II. दूरसंचार अधिनियम 2023-26 जून, 2024 को आधिकारिक रूप से लागू हो गया.
III. तीनों नए आपराधिक अधिनियम- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य संहिता 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी हो गए.
सही कूट है—
(A) केवल III
(B) केवल I एवं III
(C) केवल I एवं II
(D) I, II, III सभी

29. भारत में वृद्धावस्था : देखभाल चुनौतियों के प्रति तैयारी और प्रतिक्रिया की खोज रिपोर्ट 2024 निम्नलिखित में से किस निकाय द्वारा जारी की गई ?
(A) नीति आयोग
(B) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
(C) हेल्पएज इण्डिया
(D) केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड

30. भारत में बुजर्गों की देखभाल के सन्दर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
I. माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम : 2014
II. राष्ट्रीय वयोश्री योजना : 2017
III. प्रधानमंत्री वय वंदना योजना : 2015
उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक
(B) केवल दो
(C) सभी तीन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

31. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
I. वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट : विश्व आर्थिक मंच
II. वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट : अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान
III. वर्ल्ड हेल्थ रिपोर्ट : विश्व स्वास्थ्य संगठन
IV. वर्ल्ड ऑफ डेट 2024 रिपोर्ट : अंकटाड
उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक (B) केवल दो
(C) केवल तीन (D) सभी चार

32. प्रेस्टर वक्र निम्नलिखित में से किसके बीच सम्बन्ध को दर्शाता है ?
(A) किसी देश की प्रति व्यक्ति आय तथा उसकी औसत जीवन प्रत्याशा
(B) सामाजिक और आर्थिक असमानता

(C) जनसंख्या के विभिन्न आयु समूह एवं उच्च शिक्षा में नामांकन दर

(D) भौगोलिक क्षेत्र तथा प्रति व्यक्ति आय

33. समाचारों की सुर्खियों में रहे नागी और नकटी क्या है. ?

(A) झारखण्ड के चर्चित लोक नृत्य

(B) बिहार राज्य के जमुई जिले में स्थित पक्षी अभयारण्य जिन्हें रामसर आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता दी गई है

(C) चर्चित समानान्तर फिल्में

(D) छिपकली की संकटमय प्रजातियाँ

34. समाचारों की सुर्खियों में रहे 'पुष्पक' का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है ?

(A) यह पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान है जिसका सफलतापूर्वक प्रक्षेपण 23 जून, 2024 को किया गया

(B) स्वदेश में विनिर्मित कम ऊँचाई पर उड़ने में सक्षम हेलीकॉप्टर

(C) तीव्र गति से चलने वाला रेल का हेवी ड्यूटी इंजिन

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

35. तृष्णा मिशन के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

I. यह इसरो द्वारा की गई एक पहल है.

II. इसे 'उच्च-रिजॉल्यूशन प्राकृतिक संसाधन आकलन के लिए थर्मल इन्फ्रारेड इमेजिंग सैटेलाइट' के रूप में जाना जाता है.

III. यह इसरो तथा फ्रांस की नेशनल स्पेस एजेन्सी सीएनई एस की संयुक्त पहल है.

IV. इस मिशन से सम्बन्धित उपग्रह को 761 किमी की ऊँचाई पर सूर्य-समकालिक कक्षा में स्थापित किया जाएगा.

सही कूट है—

(A) केवन I एवं II

(B) केवल II एवं III

(C) केवल II, III, IV

(D) I, II, III, IV सभी

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम क्रमशः इण्डियन पैनल कोड, कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर, तथा इण्डियन एवीडेन्स एक्ट के स्थान पर संसद द्वारा दिसम्बर 2023 में पारित किए गए थे. इन्हें अब 1 जुलाई, 2024 से सारे देश में लागू कर दिया गया है.

2. (C) 3. (A) 4. (C) 5. (D)

6. (A) जर्मनी की उर्सुला वॉन डेर लेयेन को लगातार दूसरी बार यूरोपीय आयोग का अध्यक्ष नामित किया गया है.

7. (A)

8. (B) फ्रांस की राष्ट्रीय असेम्बली की कुल 577 सीटों में से न्यू पॉपूलर फ्रन्ट को 187 सीटों पर, एन्सेम्बिल एलायन्स को 159 सीटों तथा नेशनल रैली को 142 सीटों पर विजय हासिल हुई है.

9. (C) सुधारवादी मसूद पेजेशकियान ने सईद जलीली को पराजित कर ईरान के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता.

10. (A) यू. के. के हाउस ऑफ कॉमन्स के लिए जुलाई 2024 में सम्पन्न चुनावों में कुल 650 सीटों में से लेबर पार्टी को 412 सीटों पर विजय हासिल हुई जबकि सत्तासीन कन्जरवेटिव पार्टी को मात्र 121 सीटों पर विजय मिली. लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को यू.के. का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है.

11. (C) मार्क रूट 14 वर्ष तक लगातार नीदरलैण्ड्स के प्रधानमंत्री रहे हैं.

12. (A) फ्रीडम पार्टी के नेता गीर्ट नाइल्डर्स को इस्लाम-विरोधी माना जाता है. यह दल शरण लेने के नियमों को कठोरता बनाने, यहाँ तक कि पहले से शरण पाए अनिवासियों के परिवारी जनों को नीदरलैण्ड्स में बसने से रोकने, आप्रवासियों एवं अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों पर नियंत्रण लगाने के लिए कठोर नियम बनाने का समर्थक है.

13. (D)

14. (C) 9 जुलाई, 2024 को रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रूस के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सम्मानित किया.

15. (C)

16. (B) आवास सम्बन्धी कैबिनेट समिति के अध्यक्ष गृह मंत्री अमित शाह तथा संसदीय मामलों सम्बन्धी समिति का अध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बनाया गया है.

17. (B)

18. (A) टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेन्ट विंबलडन 2024 के फाइनल में स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच को पराजित कर अपने कॅरियर का चौथा ग्रैंड स्लेम खिताब जीता.

19. (B) 20. (C)

21. (B) ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक द्वारा विगत चुनाव में बीजू जनता दल की पराजय के बाद मुख्य विपक्षी दल की भूमिका के रूप में ब्रिटेन की वेस्टमिंस्टर प्रकार की शैडो कैबिनेट बनाई है, जिसमें बीजू जनता दल के 50 प्रमुख विधायकों को राज्य के विभिन्न विभागों में सरकार के कामों पर निगाह रखने का दायित्व सौंपा गया है.

22. (D) ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैण्ड तथा यू.के. में शैडो कैबिनेट की सांस्थानिक प्रणाली कार्यरत् है. कनाडा में इसे 'विपक्षी आलोचकों' का नाम दिया गया है. यू.के. में शैडो कैबिनेट का गठन हाउस ऑफ कॉमन्स में मुख्य विपक्षी पार्टी द्वारा किया जाता है, जिसमें विपक्षी दल के प्रमुख राजनीतिज्ञों को सरकार के मंत्रियों के समकक्ष विभागों में कार्य प्रणाली पर निगरानी रखनें असफलता के लिए सत्तासीन मंत्रियों को जवाबदेह ठहराने तथा वैकल्पिक नीतियाँ बनाने का कार्य सौंपा जाता है.

23. (B) 24. (D)

25. (A) भारत (हरियाणा) की निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलम्पिक 2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल निशानेबाजी में 221·7 का स्कोर करके कांस्य पदक जीता.

26. (A) सं. रा. अमेरिका ने सर्वाधिक चार बार ओलम्पिक खेलों का आयोजन किया है. सेंट लुईस (1904), लॉस एंजिल्स (1932,1984) तथा एटलाण्टा (1996) पेरिस ने 1900, 1924 तथा 2024 में ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों की मेजबानी की. इसके अलावा लन्दन में भी तीन ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक आयोजित हो चुके हैं 1908, 1948 और 2012. जर्मनी [बर्लिन (1936),म्यूनिख (1972)], ऑस्ट्रेलिया [मेलबोर्न (1956), सिडनी (2000)] तथा जापान [टोकियो 1964 एवं 2020] ने दो-दो बार ओलम्पिक खेलों का आयोजन किया है.

27. (C) 24 जून, 2024 को केरल विधान सभा ने सर्वसम्मति से एक संकल्प को पारित करके 'केरल' राज्य का नाम बदल कर 'केरलम' किए जाने की सिफारिश की है.

28. (B) 29. (C)

30. (B) माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 में पारित किया गया.

31. (C) वर्ल्ड हेल्थ रिपोर्ट 2024 कैप जोमिनी रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा जारी की गई है.

32. (A) सैमुअल एच. प्रेस्टन द्वारा प्रस्तावित प्रेस्टन वक्र (Preston Curve) ग्राफ रूप में किसी देश की प्रति व्यक्ति आय और उसकी औसत जीवन प्रत्याश के बीच सम्बन्ध को दर्शाता है.

33. (B) 34. (A) 35. (D)

●●●

आर्थिक घटनाचक्र : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. समाचारों की सुर्खियों में रही पोलावरम परियोजना निम्नलिखित में से किस राज्य में है ?
(A) तेलंगाना (B) आन्ध्र प्रदेश
(C) तमिलनाडु (D) कर्नाटक

2. वित्तीय कार्यवाही टास्क फोर्स (FATF) द्वारा जारी म्यूचुअल इवैल्यूएशन रिपोर्ट 2024 में भारत को किस संवर्ग में रखा गया है ?
(A) रेगुलर फोलोअप
(B) एनहान्सड फोलोअप
(C) ब्लैक लिस्ट
(D) ग्रे लिस्ट

3. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट 2024 के अनुसार मार्च 2024 के अन्त में भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का जोखिम भारित आस्तियों से पूँजी का अनुपात (CRAR) पूँजी पर्याप्तता अनुपात कितना था ?
(A) 13·5% (B) 14·8%
(C) 15·3% (D) 16·8%

4. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट 2024 के अनुसार मार्च 2024 के अन्त में भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का कॉमन इक्विटी टीयर 1 (CET1) अनुपात कितना था ?
(A) 12·9% (B) 13·9%
(C) 14·1% (D) 14·8%

5. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा राज्यों/संघशासित क्षेत्रों के लिए अर्थोपाय अग्रिम (Ways and Means Advances) की सीमा 1 जलाई, 2024 से बढ़ाकर कितनी कर दी गई है ?
(A) ₹ 50,120 करोड़
(B) ₹ 60,118 करोड़
(C) ₹ 70,000 करोड़
(D) ₹ 80,500 करोड़

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
I. वैश्विक न्यूनतम कर को स्तम्भ –2 व्यवस्था के तौर पर जाना जाता है.
II. विश्व के अधिकांश विकसित तथा विकासशील देशों के बीच इस बारे में सहमति है कि बहुराष्ट्रीय उद्यमों को कम कर वाले देशों में जाने से रोका जाए.
III. बहुराष्ट्रीय उद्यमों पर कर की न्यूनतम दर 15 प्रतिशत हो.
उपर्युक्त में से सही हैं–
(A) केवल I, II
(B) केवल II
(C) केवल II एवं III
(D) I, II एवं III सभी

7. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
I. यूनीसेफ के वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस 2022 के अनुसार 2030 तक 2·7 करोड़ से अधिक बच्चे मोटापे के शिकार होंगे.
II. 2030 में विश्व के कुल मोटे बच्चों में भारत के मोटे बच्चों का हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत होगा.
सही कथन हैं–
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I एवं II, दोनों
(D) न I और न II

8. 'विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन' (WIPO) की एक रिपोर्ट के अनुसार 2014 एवं 2023 के बीच जनरेटिव कृत्रिम मेधा (Gen. AI) से सम्बन्धित खोज के पेटेंट प्राप्त करने में विश्व में भारत का कौनसा स्थान है ?
(A) तीसरा (B) चौथा
(C) पाँचवाँ (D) छठा

9. विशेष जमा योजना (SDS) के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) यह योजना केन्द्र सरकार द्वारा 1 जुलाई, 1975 को लॉन्च की गई थी
(B) कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की निधियाँ इस योजना में जमा हैं
(C) 30 जून, 2003 के बाद से इस योजना में कोई नया निवेश अनुमन्य नहीं है
(D) योजना में अधिशेष निधियों पर देय ब्याज बाजार नियन्त्रित है

10. 8-9 जुलाई, 2024 को मास्को में सम्पन्न भारत-रूस द्विपक्षीय शिखर वार्ताओं में भारत-रूस के बीच व्यापार को वर्ष 2030 तक बढ़ाकर कितना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?
(A) 100 अरब डॉलर
(B) 125 अरब डॉलर
(C) 150 अरब डॉलर
(D) 175 अरब डॉलर

11. निम्नलिखित में से कौनसा भारत का पहला ट्रांसशिपमेंट बन्दरगाह है ?
(A) कोच्चि
(B) तूतीकोरिन
(C) विझिंजम इण्टरनेशनल बन्दरगाह
(D) जवाहरलाल नेहरू बन्दरगाह

12. वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का आन्तरिक रक्षा उत्पादन लगभग कितना रहा ?
(A) ₹ 95,000 करोड़
(B) ₹ 1,00,000 करोड़
(C) ₹ 1,27,000 करोड़
(D) ₹ 1,50,000 करोड़

13. वित्त वर्ष 2023-24 में भारत के पण्य निर्यात में किस राज्य का हिस्सा सर्वाधिक था ?
(A) महाराष्ट्र (B) गुजरात
(C) तमिलनाडु (D) उत्तर प्रदेश

14. समन्वित बागवानी विकास मिशन (MIDH) का निम्नलिखित में से कौनसा एक उप-मिशन है ?
I. राष्ट्रीय बागवानी मिशन
II. पूर्वोत्तर एवं हिमालयी राज्यों के लिए बागवानी मिशन
III. राष्ट्रीय आय मिशन
IV. राष्ट्रीय जैविक बागवानी मिशन
सही कूट हैं–
(A) केवल I एवं II
(B) केवल I
(C) केवल I, II, III
(D) I, II, III, IV सभी

15. महिला मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकत्रियों (Female Accredited Social Health Activists- (ASHA) की नियुक्ति निम्नलिखित में से किस कार्यक्रम के अन्तर्गत की गई ?
(A) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
(B) राष्ट्रीय नगरीय स्वास्थ्य मिशन
(C) आयुष्मान भारत मिशन
(D) भारतीय महिला एवं बाल कल्याण कार्यक्रम

16. 'लाड़ला भाई योजना' के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) यह योजना महाराष्ट्र राज्य में घोषित की गई है
(B) महाराष्ट्र राज्य के 12वीं कक्षा से ऊपर के विद्यार्थियों के लिए है
(C) यह योजना उन विद्यार्थियों के लिए है, जो बारहवीं कक्षा या उससे ऊपर की कक्षा उत्तीर्ण करके किसी कारखाने में एप्रेन्टिसशिप करेंगे
(D) बेरोजगार युवाओं को ₹ 5,000 प्रतिमाह की दर से अनुदान मिलेगा

17. कोको बीन्स के सबसे बड़े उत्पादक देश हैं—
(A) बोत्सवाना और नामीबिया
(B) मेडागास्कर और मोजाम्बिक
(C) अल्जीरिया और मोरक्को
(D) कोटे डी आइवर कोस्ट तथा घाना

18. सतत् विकास लक्ष्य भारत सूचकांक-4 (2023-24) निम्नलिखित में से किस निकाय द्वारा जारी किया गया है ?
(A) नीति आयोग
(B) प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद्
(C) राष्ट्रीय अनुप्रयोगात्मक आर्थिक अनुसंधान परिषद्
(D) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम

19. एस.डी.जी. इण्डिया इण्डेक्स-4 (2023-24) के सन्दर्भ में सतत् विकास लक्ष्यों में उपलब्धि के आधार पर विभिन्न संवर्गों में रखा गया है. निम्नलिखित में से कौनसा इन संवर्गों में शामिल है ?
I. आकांक्षी राज्य (0-49 स्कोर)
II. प्रदर्शन करने वाले राज्य (50-64 स्कोर)
III. अग्रणी राज्य (65-99 स्कोर)
IV. सफल राज्य (100 स्कोर)
सही कूट हैं—
(A) केवल I, II, III
(B) केवल II, III, IV
(C) केवल I, III, IV
(D) I, II, III, IV सभी

20. निम्नलिखित राज्यों पर विचार कीजिए—
I. केरल
II. उत्तराखण्ड
III. तमिलनाडु
IV. गुजरात
उपर्युक्त में से कितने राज्यों ने नीति आयोग द्वारा जारी एस.डी.जी इण्डिया इण्डेक्स-4 (2023-24) में सर्वाधिक स्कोर अर्जित किया है ?
(A) केवल एक (B) केवल दो
(C) केवल तीन (D) सभी चार

21. निम्नलिखित में से कौनसा राज्य नीति आयोग द्वारा जारी सतत् विकास लक्ष्य भारत सूचकांक-4 (2023-24) में देश के सभी राज्यों में सबसे निचले स्थान पर है ?
(A) बिहार (B) झारखण्ड
(C) छत्तीसगढ़ (D) ओडिशा

22. एस.डी.जी इण्डिया इण्डेक्स-4 (2023-24) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. भारत का समग्र स्कोर एस.डी.जी. इण्डिया इण्डेक्स-1 (2018) में 57 से सुधरकर एस.डी.जी. इण्डिया इण्डेक्स-4 (2023-24) में 79 हो गया है.
II. सतत् विकास लक्ष्य 10 (असमानताओं में कमी लाना) में भारत का स्कोर एस.डी.जी. इण्डिया इण्डेक्स-1 (2018) में 71 से नीचे गिरकर एस.डी.जी इण्डिया इण्डेक्स-4 (2023-24) में 65 के स्तर पर आ गया है.
उपर्युक्त में से सही है—
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I एवं II दोनों
(D) न I और न II

23. एस. डी. जी. इण्डिया इण्डेक्स-4 (2023-24) के सन्दर्भ में निम्नलिखित युग्मों में से कौनसा युग्म सही सुमेलित है ?
I. आकांक्षी राज्य — बिहार
II. उपलब्धि हासिल करने वाला राज्य — झारखण्ड
III. अग्रणी राज्य — उत्तराखण्ड
IV. सफल राज्य — केरल
सही कूट हैं—
(A) केवल II एवं III
(B) केवल I एवं IV
(C) केवल I, II, III
(D) I, II, III, IV सभी

24. भारत सरकार वर्ष 2030 तक वस्तुओं एवं सेवाओं के कुल निर्यात को बढ़ाकर कितने स्तर तक ले जाने के लक्ष्य तक लाने की एक कार्य योजना पर कार्य कर रही है ?
(A) US $ 1000 बिलियन
(B) US $ 1500 बिलियन
(C) US $ 2000 बिलियन
(D) US $ 2500 बिलियन

25. जुलाई 2024 के मध्य में विश्व की किस दिग्गज सॉफ्टवेयर कम्पनी के विश्वव्यापी सॉफ्टवेयर में खराबी आ जाने से सं. रा. अमेरिका, यूरोप तथा दक्षिण एशिया के देशों में अनेक सेवाओं का परिचालन लगभग ऊपर हो गया ?
(A) माइक्रोसॉफ्ट
(B) गूगल
(C) आईबीएम
(D) मेटा

26. भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों द्वारा किए गए एक शोध के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. वर्ष 1980-81 एवं 2021-22 तक भारत की श्रम गुणवत्ता में औसतन 0·7 प्रतिशत वार्षिक की वृद्धि हुई है.
II. वर्ष 1980-81 एवं 1999-2000 के बीच भारत में श्रम गुणवत्ता की औसत वार्षिक वृद्धि 0·72 प्रतिशत रही है.
III. वर्ष 2000-01 एवं 2021-22 के बीच भारत में श्रम गुणवत्ता की औसत वार्षिक वृद्धि 0·60 प्रतिशत रही है.
उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल I
(B) केवल III
(C) I, II, III, सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

27. एग्रीवोल्टाइक्स के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(A) खेतों की सिंचाई हेतु सौर संचालित नलकूपों की स्थापना
(B) किसी भूमि का खेतीबाड़ी तथा फोटोवोल्टाइक विद्युत् उत्पादन हेतु एक साथ प्रयुक्त करना
(C) इस पद्धत्ति को सबसे पहले 2004 में जापान तथा जर्मनी में प्रयुक्त किया गया
(D) भारत में इस तकनीक को अपनाने की 14 पाइलट परियोजनाएं गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र तथा केरल में संचालित हैं

28. आयकर की नई प्रणाली के अन्तर्गत कर निर्धारणी वर्ष 2025-26 के लिए वेतनभोगी आयकर दाताओं के लिए मानक कटौती की सीमा कितनी निर्धारित की गई है ?
(A) ₹ 50,000
(B) ₹ 75,000
(C) ₹ 1,00,000
(D) ₹ 1,25,000

29. आवधिक श्रमबल सर्वे (PLFs) के अनुसार 2022-23 में कुल श्रमबल का कितना हिस्सा कृषि एवं सहायक क्रियाओं में रोजगारत है ?
(A) 66·66% (B) 54·37%
(C) 50·03% (D) 45·75%

30. वित्त वर्ष 2024-25 के केन्द्रीय बजट में विभिन्न योजनाओं के लिए आबंटन में सर्वाधिक वृद्धि निम्नलिखित में से किस योजना के लिए की गई है ?
(A) मनरेगा
(B) प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण
(C) समग्र शिक्षा
(D) अमृत (AMRUT)

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B)
2. (A) वित्तीय कार्यवाही टास्क फोर्स (FATF) 1989 में स्थापित एक अन्तर सरकारी संगठन है, जो धनशोधन, आतंकवाद वित्तीयन एवं अन्य खतरों से संकटग्रस्त अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली पर निगरानी रखता है. भारत 2010 से इस संगठन का सदस्य है. इस संगठन द्वारा जून 2024 में जारी रिपोर्ट में भारत को रेगुलर फोलोअप संवर्ग वाले देशों की सूची में रखा है.
3. (D) 4. (B) 5. (B) 6. (D)
7. (A) यूनीसेफ के वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस 2022 के अनुसार 2030 में विश्व के कुल मोटे बच्चों में भारत के मोटे बच्चों का हिस्सा लगभग 10 प्रतिशत होगा.
8. (C) वर्ष 2014 एवं 2023 के बीच भारत ने जनरेटिव कृत्रिम मेधा के 1350 पेटेंट कुल हासिल किए हैं और पाँचवें स्थान पर है, जबकि 38210 पेटेंट के साथ चीन पहले, 6226 पेटेंट (24·3%) के साथ अमेरिका दूसरे, 4155 पेटेंट के साथ दक्षिण कोरिया तीसरे, 3409 पेटेंट के साथ जापान चौथे स्थान पर है.
9. (D) 10. (A)
11. (C) विझिंजम इंटरनेशनल बन्दरगाह निजी क्षेत्र के अडानी समूह का बन्दरगाह है जिस पर 11 जुलाई, 2024 से ट्रांसशिपमेन्ट प्रारम्भ हो गया. इस सुविधा वाला यह देश का पहला बन्दरगाह है.
12. (C)
13. (B) वित्त वर्ष 2023-24 में भारत के कुल पण्य निर्यात $437 अरब में गुजरात का हिस्सा (30·7%) सर्वाधिक था. वर्ष 2023-24 में गुजरात से $ 134 अरब डॉलर की वस्तुएं निर्यात की गई. दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र (15·4%) तथा तीसरे स्थान पर तमिलनाडु (10·0%) था.
14. (A) 15. (A)
16. (D) 12वीं पास विद्यार्थियों को ₹ 6000 प्रतिमाह, डिप्लोमा धारकों को ₹ 8000 तथा स्नातकों को ₹ 10,000 प्रतिमाह की दर से अनुदान प्राप्त होगा.
17. (D) कोटे डी आइवर कोस्ट तथा घाना विश्व के 60% कोको बीन्स का उत्पादन करते हैं.
18. (A) नीति आयोग द्वारा 12 जुलाई, 2024 को सतत् विकास लक्ष्य भारत सूचकांक का चौथा संस्करण (2023-24) जारी किया गया. इससे पूर्व एस. डी. जी. इण्डिया इण्डेक्स-1 (2018), एस. डी. जी. इण्डिया इण्डेक्स 2 (2019-20), एस. डी. जी. इण्डिया इण्डेक्स 3 (2020-21) जारी किए गए थे.
19. (D)
20. (B) नीति आयोग द्वारा जारी सतत् विकास लक्ष्य भारत सूचकांक-4 (2023-24) में केरल एवं उत्तरखण्ड ने 79-79 का सर्वोच्च स्कोर अर्जित किया है और वे देश में पहले स्थान पर हैं.
21. (A) एस. डी. जी इण्डिया इण्डेक्स-4 (2023-24) में 57 के व्यक्तिगत स्कोर के साथ बिहार सबसे नीचे है, उसके बाद झारखण्ड (62 स्कोर) का स्थान है.
22. (C)
23. (A) एस.डी.जी. इण्डिया इण्डेक्स-4 (2023-24) में कोई भी राज्य आकांक्षी संवर्ग (0-49 स्कोर) में नहीं है. इसी प्रकार देश के किसी भी राज्य ने सफल राज्य का दर्जा हासिल (100 स्कोर) हासिल नहीं किया है. 57 के निजी स्कोर के साथ बिहार अच्छा प्रदर्शन करने वाले संवर्ग में (50-64) तथा 79 के व्यक्तिगत स्कोर के साथ केरल अग्रणी राज्यों में शीर्ष पर है.
24. (C) भारत सरकार का वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय एक पंचवर्षीय कार्य योजना पर कार्य कर रहा है जिसमें वर्ष 2030 तक भारत के वस्तु एवं सेवाओं के निर्यात को बढ़ाकर क्रमशः US $ 1000 बिलियन तक बढ़ाने का लक्ष्य है.
25. (A) विश्व की दिग्गज सॉफ्टवेयर कम्पनी माइक्रोसॉफ्ट के क्राउड स्ट्राइक में खराबी आ जाने से 19 जुलाई, 2024 को सं. रा. अमेरिका, यूरोपीय देशों तथा दक्षिण एशियाई देशों में स्थापित 85 लाख विण्डो डिवाइसों ने यकायक कार्य करना बंद कर दिया जिससे नागरिक उड्डयन अस्पतालों, वित्तीय संस्थानों में कामकाज लगभग ठप्प हो गया.
26. (C) ये निष्कर्ष भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारियों श्रीरूपसेन गुप्ता तथा विनीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा प्रकाशित शोधपत्र —"Measuring the Contribution of Labour Composition in Gross Value Added in India – The Human Capital Approach" के निष्कर्षों पर आधारित है.
27. (A) 28. (B) 29. (D)
30. (B) वर्ष 2024-25 (ब.अ.) में मनरेगा के लिए ₹ 86,000 करोड़ का आबंटन किया गया है, जो 2023-24 (R.E.) की तुलना में शून्य प्रतिशत अधिक है. प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लिए आबंटन (₹ 54,500·1 करोड़) पिछले वर्ष की तुलना में 70·3 प्रतिशत अधिक है, जो सर्वाधिक वृद्धि को दर्शाता है. समग्र शिक्षा के आबंटन से 13·6 प्रतिशत तथा अमृत योजना के आबंटन में 53·8 प्रतिशत की वृद्धि की गई है.

●●●

उपकार
बिहार
सिमुलतला आवासीय विद्यालय
प्रवेश परीक्षा
प्रारम्भिक एवं मुख्य
▪ नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित
▪ गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित
▪ परीक्षा सम्बन्धी सारगर्भित अध्ययन सामग्री
कक्षा 6 में प्रवेश के लिए
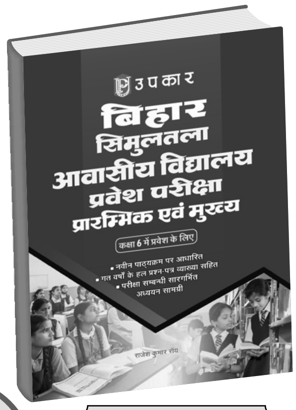

Code 2042
₹ 385/-
लेखक : राजेश कुमार रॉय
उपकार प्रकाशन, आगरा
• E-mail : care@upkar.in
• Website : www.upkar.in

कि जैन धर्म के त्रिरत्न सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान तथा सम्यक् आचरण से क्या तात्पर्य है ?

☞ जैन धर्म में सांसारिक तृष्णा-बंधन से मुक्ति को 'निर्वाण' कहा गया है. इसके लिए आवश्यक है कि पूर्वजन्म के संचित कर्म को समाप्त किया जाए और वर्तमान जीवन में कर्म-फल के संग्रह से व्यक्ति विमुख हो. कर्मफल से छुटकारा पाने के लिए 'त्रिरत्न' का अनुशीलन आवश्यक है.

जैन धर्म में सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान और सम्यक् आचरण को 'त्रिरत्न' माना गया है. इसमें सत् में विश्वास को ही 'सम्यक् दर्शन' कहा गया है. सद्रूप का शंकाविहीन तथा वास्तविक ज्ञान 'सम्यक् ज्ञान' है. सांसारिक विषयों से उत्पन्न सुख-दु:ख के प्रति समभाव 'सम्यक् आचरण' है.

त्रिरत्न के अनुशीलन में आचरण पर अत्यधिक बल दिया गया है. इस सम्बन्ध में पाँच महाव्रतों के पालन का विधान है—अहिसा (मन, वचन व कर्म तीनों से ऐसा व्यवहार), सत्य वचन, अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य (जैन भिक्षुओं के लिए अनिवार्य), अपरिग्रह (किसी प्रकार के संग्रह करने की प्रवृत्ति वर्जित). गौरतलब है कि गृहस्थ जीवन व्यतीत करने वाले जैनियों के लिए भी इन्हीं व्रतों की व्यवस्था है. हालाँकि, इनकी कठोरता में कमी की गई है इसीलिए इन्हें 'अणुव्रत' कहा गया है.

कि 'अशोक के धम्म' की शिक्षाएं और मान्यताएं क्या हैं ?

☞ इतिहास में सम्राट अशोक अपनी राजनीतिक उपलब्धियों से कहीं अधिक मानवीय कल्याण एवं नैतिक उत्थान के लिए प्रसिद्ध है.

जिन सिद्धान्तों के पालन से यह नैतिक उत्थान संभव था, अशोक के लेखों में इसे 'धम्म' कहा गया है. 'दूसरे तथा सातवें' स्तम्भ लेखों में अशोक ने धम्म की व्याख्या इस प्रकार की है : धम्म है साधुता, बहुत से कल्याणकारी अच्छे कार्य करना, पाप रहित होना, मृदुता, दूसरों के प्रति व्यवहार में मधुरता, दया, दान तथा शुचिता. इसी में आगे कहा गया है कि प्राणियों का वध न करना, जीव हिंसा न करना, माता-पिता तथा बड़ों की आज्ञा मानना, गुरुजनों के प्रति आदर करना. 'ब्रहागिरी' अभिलेख में इन गुणों के अतिरिक्त शिष्य द्वारा गुरु का आदर भी धम्म के अन्तर्गत माना गया है. 'तीसरे' शिलालेख में अशोक ने अल्प-व्यय तथा अल्प-संग्रह को भी धम्म का ही अंग माना है. अशोक ने धम्म की व्याख्या के साथ उसके मार्ग में बाधक अर्थात् पाप की भी व्याख्या की है. इसमें निष्ठुरता, क्रोध, मान और ईर्ष्या को पाप का लक्षण माना गया है. अशोक ने इससे बचने के लिए नित्य 'आत्म-परीक्षण' पर बल देने की बात कही है.

धम्म के इन सिद्धांतों का अनुशीलन करने से इस सम्बन्ध में कोई संदेह नहीं रह जाता है कि यह एक सर्वसाधारण धर्म है जिसकी मूलभूत मान्यताएं सभी सम्प्रदायों में मान्य हैं और जो देश काल की सीमाओं में आबद्ध नहीं है. साथ ही इन मान्यताओं से किसी सम्प्रदाय की मान्यताओं का भी विरोध नहीं होता है. यही कारण है कि अशोक ने अपने 'तेरहवें' शिलालेख में लिखा है कि ''ब्राह्मण श्रमण और गृहस्थ सर्वत्र रहते हैं और धर्म के इन आचरणों का पालन करते हैं.'' अशोक ने 'बारहवें' शिलालेख में धर्म की सार-वृद्धि पर जोर दिया है अर्थात् एक धर्म-सम्प्रदाय, दूसरे धर्म-सम्प्रदाय के सिद्धान्तों के विषय में जानकारी प्राप्त करें, इससे धर्म-सार की वृद्धि होगी.

कि आप केशिकत्व (Capillarity) से क्या समझते हैं ?

☞ केशनली में द्रव के ऊपर चढ़ने या नीचे उतरने की घटना को 'केशिकत्व' कहते हैं. गौरतलब है कि केशनली, एक खोखली नली होती है जिसकी त्रिज्या बहुत कम व एकसमान होती है.

केशनली को जब पानी में डुबोया जाता है, तो पानी इसमें कुछ ऊँचाई तक चढ़ जाता है, लेकिन जब केशनली को पारे में डुबोया जाता है, तो पारा नली में नीचे दब जाता है. इसी घटना को 'केशिकत्व' कहा जाता है.

किस सीमा तक द्रव केशनली में चढ़ता या उतरता है, यह केशनली की त्रिज्या पर निर्भर करता है. सामान्यतः जो द्रव काँच को भिगोता है वह केशनली में ऊपर चढ़ जाता है और जो द्रव काँच को नहीं भिगोता वह नीचे दब जाता है.

केशिकत्व घटना के कुछ उदाहरण, जैसे- लालटेन या लैम्प की बत्ती में तेल का ऊपर चढ़ना, ब्लॉटिंग पेपर द्वारा स्याही को शीघ्र सोख लेना, पेड़-पौधों की शाखाओं, तनों एवं पत्तियों तक जल और आवश्यक लवण केशिकत्व की क्रिया द्वारा ही पहुँचते हैं.

कि 'निवारक निरुद्ध' से क्या तात्पर्य है ?

☞ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22 के खण्ड 3, 4, 5 तथा 6 में इससे सम्बन्धित प्रावधानों का उल्लेख किया गया है. इसके अन्तर्गत किसी व्यक्ति को अपराध करने से पूर्व ही गिरफ्तार किया जाता है ताकि उसे अपराध करने से रोका जा सके.

जब किसी व्यक्ति को निवारक निरुद्ध की किसी विधि के अधीन गिरफ्तार किया जाता है, तो सरकार ऐसे व्यक्ति को केवल 3 माह तक अभिरक्षा में निरुद्ध कर सकती है. यदि गिरफ्तार व्यक्ति को इस अवधि से अधिक के लिए निरुद्ध करना होता है, तो इसके लिए सलाहकार बोर्ड का प्रतिवेदन प्राप्त करना होता है.

कि कार्बन चक्र (Carbon cycle) से आप क्या समझते हैं ?

☞ कार्बन, सभी कार्बनिक यौगिकों का प्रमुख घटक है. सभी जीवों के लिए वायुमण्डल ही कार्बन का प्रमुख स्रोत है. इसका स्थानान्तरण ठोस, द्रव तथा गैसीय प्रावस्था में होता है. ठोस, कार्बन जैविक पदार्थों तथा जीवाश्म ईंधनों के रूप में होता है. द्रव रूप में यह जल में घुला रहता है. गैस के रूप में यह कार्बन डाइऑक्साइड (Co_2) में होता है. गौरतलब है कि कार्बन का संचरण दो रूपों में होता है—

1. गैसीय चक्र के रूप में
2. अगैसीय चक्र के रूप में

वायुमण्डलीय कार्बन डाइऑक्साइड के जैव शृंखला में संचरण कर पुनः वायुमण्डल में वापस जाने की प्रक्रिया ही 'कार्बन चक्र' है.

●●●

Revised Edition
UPKAR CAREER DEVELOPMENT SERIES
Great Personalities
Code 1533 ₹ 250.00
Collection of inspiring biographies of famous Revolutionaries, Philosophers, Educationalists, Engineers, Social Reformers, Scientists, Politicians etc. to instill a fresh energy in you
Prof. R.P. Chaturvedi
UPKAR PRAKASHAN, AGRA
● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

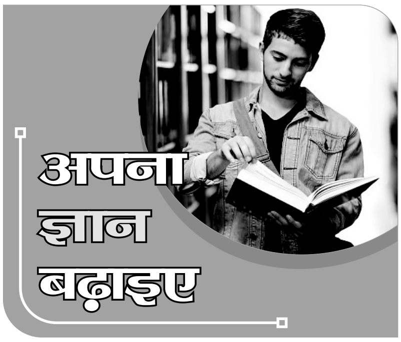

प्रश्न—भूकम्पीय कारणों व इसके सम्बन्ध में प्रयोग होने वाली प्रमुख शब्दावलियाँ हैं ?

उत्तर—भूपर्पटी के किसी भाग का आकस्मिक कम्पन, भूकम्प कहलाता है. इसके मुख्य कारणों में भूपर्पटी के भ्रंशों या जोड़ों का चट्टानों के साथ अचानक खिसकना है. यह पृथ्वी के आन्तरिक भाग में मौजूद सघन दाब तथा तापमान के फलस्वरूप चट्टानों के आयतन तथा सघनता में निरन्तर परिवर्तन से होता है. भूकम्प के समय भूमि का वास्तविक विचलन भ्रंश रेखा के दोनों ओर निकटस्थ क्षेत्रों में होता है. ज्वालामुखी क्रिया को भी भूकम्प का कारण माना जाता है.

प्रमुख शब्दावलियाँ

- **भूकम्प मूल—**पृथ्वी के आन्तरिक भाग में भूकम्प की उत्पत्ति का स्थान भूकम्प मूल कहलाता है.
- **अधिकेन्द्र—**धरातल पर भूकम्प मूल के ठीक ऊपर वाला स्थान, यहाँ सर्वाधिक नुकसान होता है.
- **तरंग वेग—**भूपर्पटी के बाहरी भाग में भूकम्प तरंगों की औसत गति लगभग 5 से 8 किमी/सेकण्ड तक होती है भूकम्पीय तरंगों को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है— प्राथमिक अथवा P तरंगें (प्रकृति अनुदैर्ध्य), द्वितीयक अथवा S तरंगें (प्रकृति अनुप्रस्थ) व सतही तरंगें अथवा L तरंग (सर्वाधिक विनाशकारी).
- **भूकम्प समाघात रेखा—**भूकम्प के कारण समान आघात क्षेत्रों को मिलाने वाली रेखा 'भूकम्प रेखा' कहलाती है.
- **भूकम्पीय मापन—**दो पैमाना सर्वाधिक प्रयोग जिसमें मरकेली पैमाना व रिक्टर पैमाना प्रयोग.

प्रश्न—अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में यथार्थवाद (Realism) या यथार्थवादी दृष्टिकोण (Realistic Approach) से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर—यथार्थवाद (Realism) के प्रमुख समर्थक विचारकों में 'मैक्स वेबर', 'ई.एच.कर', 'फ्रेडिक शूमेन' व 'जार्ज एफ. केनन' आदि को माना जाता है. यह दृष्टिकोण राजनीति को शक्ति के लिए संघर्ष मानता है तथा शक्ति, सुरक्षा तथा राष्ट्रीय हित के तत्वों की सहायता से इनका वर्णन करता है. राजनीतिक यथार्थवाद 'विवेक' (Prudence) को राजनीति का मार्गदर्शक मानता है. जैसे कि कोलोम्बिस एवं वुल्फ (Coulombis and Wolfe) कहते हैं कि यथार्थवाद यह मानता है कि तर्कसंगत कार्य वह है, जो अपने हित में किया जाता है जिसका उद्देश्य शक्ति प्राप्त करना है. यहाँ शक्ति का अर्थ है—दूसरों को नियन्त्रित करने की योग्यता एवं इच्छा.

यथार्थवादी दृष्टिकोण के अनुसार राष्ट्रीय हितों की प्राप्ति के लिए कार्य करना ही विदेश राजनीति है. अपने हित के लिए शक्ति प्राप्त करना, प्राकृतिक कानूनों के मूल आदेशों पर चलना ही यथार्थवाद है. इस दृष्टिकोण के अनुसार शक्ति के लिए संघर्ष, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की अटल तथा अनवरत् विशेषता है. प्रत्येक राष्ट्र अपने राष्ट्रीय हित के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शक्ति का प्रयोग करता है तथा राष्ट्रीय हितों को सदैव शक्ति के रूप में परिभाषित करता है.

प्रश्न—मराठा प्रशासन में 'पेशवा' पद से क्या तात्पर्य था ?

उत्तर—छत्रपति शिवाजी के काल में राजा 'अष्टप्रधान' नामक आठ मंत्रियों की सभा से सहायता प्राप्त करता था. इन्हीं आठ मंत्रियों में से एक को मुख्य प्रधान, पेशवा या मुख्यमंत्री कहते थे, जबकि अन्य को मंत्री, आमात्य, सुमंत, सचिव, पंडितराव, न्यायाधीश और सेनापति कहते थे. इन आठ मंत्रियों में 'राजाराम' के समय एक नाम अर्थात् 'प्रतिनिधि' और जुड़ गया. आगे शाहू जी के काल में एक के बाद दूसरे पेशवा के द्वारा महत्वपूर्ण सेवा करने के कारण तथा विशेष परिस्थितियों में अपने चरित्र के कारण वह ही सर्वशक्तिशाली हो गया. शाहू जी के समय तक सिद्धान्ततः पेशवा, छत्रपति के बाद ही आता था, लेकिन वास्तविकता में वह छत्रपति से भी प्रमुख कार्यकारी भूमिका में आ गया था. गौरतलब है कि शाहू जी ने 1714 ई. में बालाजी विश्वनाथ भट को पेशवा के रूप में नियुक्त किया था. बालाजी के बेटे 'बाजीराव प्रथम' ने पेशवा पद के लिए वंशानुगत उत्तराधिकारी हासिल किया. शाहू जी की मृत्यु के बाद 'पेशवा' एक प्रमुख अधिकारी बन गया जिसका राजा की तरह पैतृक कार्यालय था और जो राज्य का कार्यभार ही अपने हाथ में नहीं रखता था बल्कि छत्रपति के निवास तक उसके अधिकार की पहुँच थी. सामान्यतः पेशवा पुणे में व छत्रपति 'सतारा' में रहते थे.

प्रमुख जैन तीर्थंकर और उनके प्रतीक चिह्न

जैन तीर्थंकर	प्रतीक चिह्न
ऋषभदेव (प्रथम)	साँड
अजितनाथ (द्वितीय)	हाथी
संभव (तृतीय)	घोड़ा
संपार्श्व (सप्तम्)	स्वास्तिक
शांति (सोलहवें)	हिरण
अरनाथ (अठारहवें)	मीन
नामि (इक्कीसवें)	नीलकमल
अरिष्टनेमि (बाइसवें)	शंख
पार्श्व (तेईसवें)	सर्प
महावीर (चौबीसवें)	सिंह

●●●

शेष पृष्ठ 123 का

आर्थिक मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है. भारत के पड़ोसियों का कट्टरपंथ देश की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा पैदा करता है और आतंकवाद, उग्रवाद और सामाजिक अशांति में वृद्धि के कारण देश तेजी से अस्थिर होता जा रहा है. पर्यावरण, पारिस्थितिकी और स्थिरता के मुद्दे हैं. ये सभी कारक भारत की भलाई के लिए खतरा हैं और आर्थिक प्रगति को धीमा करने की क्षमता रखते हैं. हाल ही में बड़ी संख्या में नए जोखिम सामने आए हैं और इसके लिए उनकी पूरी परिभाषा और समझ की आवश्यकता है. राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले कई कारकों से लगभग हर चीज प्रभावित होती है, और सभी राज्य संस्थानों और कार्यकारी निकायों को इन निहितार्थों पर विचार करना चाहिए. यह तभी संभव है जब भारत के पास अपना राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत हो.

मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न

प्रश्न—*देश के वर्तमान और भविष्य के सुरक्षा मुद्दों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए, उन महत्वपूर्ण घटकों और प्राथमिकताओं पर चर्चा कीजिए जिन्हें भारत को अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत को विकसित करते समय ध्यान में रखना चाहिए.*

●●●

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

समाज और प्रकृति के साथ सामंजस्य सफलता के अचूक सूत्र

—संजय प्रसाद

सुकरात एवं **अरस्तू** जैसे महापुरुषों ने वर्षों पूर्व घोषणा की थी कि—"मानव एक सामाजिक प्राणी है और समाज के बिना मनुष्य का अस्तित्व सम्भव नहीं है." यह कथन आज के दौर में भी अक्षरशः सत्य प्रतीत हो रहा है. विभिन्न प्रकार के समाजों का निर्माण तो भौगोलिक दशाओं, सांस्कृतिक गतिविधिओं (यानि वेशभूषा, रहन-सहन, खान-पान सहित संस्कारित जीवन), जाति, वाणिज्य व्यापारों आदि चीजों पर ही निर्भर होता है. इसमें व्यक्तिगत वैचारिक भिन्नता अथवा अभिन्नता दोनों ही सम्भवतः होते हैं; फिर भी समाज की संरचना के लिए उनके बीच गहरा सामूहिक भ्रातृत्व प्रेम सह-अस्तित्व व बड़े ही सौहार्द्र की भावना का होना बहुत बड़ी जरूरत है. ऐसे सम्पूर्णतः विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में तो विविध प्रकार के लोग रहते ही हैं. ऐसे में तो आपसी सामंजस्य का साथ होना अति महत्वपूर्ण है. इसके अभाव में मानवीय मूल्यों में ह्रास होता है; जो हिंसा, प्रतिहिंसा, तनाव, उत्पीड़न, चिन्ता, विनाश जैसी घटनाएं उत्पन्न करती हैं. भारत में हिन्दू-मुस्लिम दंगे, पाकिस्तान में शिया-सुन्नी के झगड़े; ब्रिटेन में कैथोलिक-प्रोटेस्टेंट के गहरे विवाद, बोस्निया में सर्ब-क्रीट-मुस्लिमों के त्रिदलीय संघर्ष, द. अफ्रीका व अमेरिका में श्वेत-अश्वेत जैसे भेदभाव इत्यादि समाज के साथ सामंजस्य न होने के प्रत्यक्ष उदाहरण-स्वरूप हैं. वस्तुतः इन्हीं कतिपय बाधक तत्वों के कारण सामाजिक संरचना को ठेस जरूरी पहुँची है एवं विकास अवरुद्ध होकर विनाश जरूर हुए हैं. हमारी सामाजिक संरचना के निर्धारक तत्व सामान्यतः यथा परस्पर सामंजस्य नैतिकता, दृष्टिकोण की व्यापकता, सहिष्णुता, सामाजिकता के प्रति जागरूकता, चरित्र, पंथ-निरपेक्षता, राष्ट्रीय चिंतनशीलता, समग्र विकास की अवधारणशीलता, आत्मगौरव की गौरवान्वित, असीम धैर्य की क्षमता व मानवीय मूल संवेदनशीलता आदि ऐसी ही मूलतः तत्वों का सामंजस्य अपना करके एक सुसम्पन्न समाज की रचना शोभायमान बनाती हैं.

ठीक इसी प्रकार मानव को प्रकृति के साथ भी खूब सुन्दरतम सामंजस्य के साथ जीवन जीने लायक बनाना चाहिए. प्रकृति के वन, वृक्ष, इन पर लगे फूल की सुगंध, बैठे पक्षियों के कलरव तो मानव मन के जीवन को बिल्कुल निहाल कर देता है. ऐसा प्रतीत होता है कि मानव साहचर्य की अपेक्षा प्रकृति का साहचर्य हमारे स्वभाव के अधिक अनुकूलता रखता है. तभी तो हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यासकार **मुंशी प्रेमचन्द** ने एक स्थान पर बड़े सटीकता से लिखा है कि—**"साहित्य में आदर्शवाद का वही स्थान हो, जो जीवन में प्रकृति का स्थान है."** जब हम समाज की घुटन ऊब, दुर्गन्ध एवं कुण्ठा भरे जीवन से ऊब जाते हैं, तब खुली हवा पाने के लिए किसी वन, उपवन अथवा फले–फूले उद्यान में जाना चाहते हैं. इसी प्रकार से जीवन में समाज की विषमताओं व विडम्बनाओं से युक्त काव्य की ऊबन-घुटन मिटाने के लिए हम कदम आदर्शवाद की ओर बढ़ाते हैं. उपन्यासकार महोदय के कहने का तात्पर्य साफ रहा है कि माता की गोद की भाँति ही प्रकृति हमारे लिए सुख-चैन-प्रदाता एवं संकटमोचन क्रोड की विधान भी करती हैं. ये सब प्रकृति के कलाकृति हैं, जो मानव जीवन हेतु प्रेरणा प्रदान करती है. महान **प्लेटो, अरस्तू** आदिक प्राचीन दार्शनिक काव्यशास्त्रियों ने भी इस तरह की कला को प्रकृति के अनुकरणीय बताया है. इस प्रकृति में सुनाई देने वाली विविध ध्वनियों को आधार मानकर ही इसे संगीत के सप्तस्वरों के विधान व नामकरण तक किया गया है. **कवीन्द्र रवीन्द्र** ने प्रकृति को ईश्वर की शक्ति क्षेत्र व जीवात्मा को उसके प्रेम भक्ति का क्षेत्र माना है. प्रकृति में प्रत्येक कार्य एक विशेष नियमानुसार होता है. समस्त भौतिक विज्ञान इसके नियमों के उद्घाटन का एक विनम्र प्रयास का सार है. मानव समाज में यही प्रकृति के सार रूप में अनुशासनपूर्वक अपने भाव विचार को रखने हेतु पाठ बताती हैं. जब प्रकृति में हर कार्य निश्चित अनुशासन का अनुवर्तन करता है तो हमारे समाज में भी अनुशासन का पालन अनिवार्य रूप से करना बनता है. इस तरह समाज व प्रकृति के साथ सामंजस्य होने पर खूब बड़ी सफलता निश्चित रूप से दिखती हैं. फ्रांसिस विचारक **बेकन** ने सुस्पष्ट ही कहा है—"Nature is not governed, except by obeying her."

इंसान जीवन में आरम्भ से लेकर अंत-अंत तक न जाने कितने सहारों को थामते-थामते आगे बढ़ता है. उसका परिवेश अवश्य ही उसके व्यक्तित्व को भावनात्मक, भौतिक व आध्यात्मिक दृष्टि से यूँ निखारने, सँवारने, सफल होने आदि में मददगार सिद्ध होता है. जन्म के बाद एक जीवन, जीवन के बाद परिवारजन से और परिवारजन के बाद एक समाज का निर्माण होता है. इस तरह समाज एक ऐसी इकाई है, जो वाकई जीवन को सजाने-सँवारने में परम योगदान करती है. इससे सच्चाई में समाज के प्रति भी हमारा-तुम्हारा ऋणी होना भी स्वाभाविक होता है. हालाँकि समाज में हर कोई भाग्यशाली और वैभवशाली नहीं होता है. न जाने कितने ही लोग इन विशेषाधिकारों से वंचित रहकर पूरा ही जीवन अभाव में व्यतीत करने को विवश रहते हैं. इसी क्रम में जो लोग जीवन में सफल होते हैं, वो अपने से कमजोर, पीड़ित एवं अभावग्रस्त समाज के लोगों को काफी हद तक मदद करते हुए उसे बचाने का अथक प्रयास करते हैं. बिना कोई अपेक्षा रखकर वंचित वर्गों को शिक्षित करते हैं व जीवन की कलाकृति में पारंगत होने की परिपूर्ण परिष्कृति करते रहते हैं. इस प्रकार सामान्य जीवन-यापन करने वाले निःस्वार्थ भाव से समाज के प्रति ऋण को चुकाते हैं. समाज में आध्यात्मिक चेतना को जगाने के लिए आगे हाथ बँटाते हैं. सम्पूर्ण संसार में अवसाद भरे समाज को वे शांति, प्रेम व भाइचारे की सच्ची कृति को फैलाकर संदेश देकर सद्गति प्रदान करते हैं. इस प्रकार मानव जाति के साथ सामंजस्य बना कर ऋणी होने की ओर उन्नमुख करते हैं; जो मानव का सर्वोत्तम ही धर्म है. ऐसे धर्म के कर्म से ही सफलता का अचूक सूत्र बनाते हैं.

भारत में ऐसे ही मानव के सर्वोत्तम धर्म को मानकर समाज को नई चेतना देने में राजा राममोहन राय (1772-1833), स्वामी दयानन्द सरस्वती (1824-1875), स्वामी विवेकानन्द (1863-1902), सैयद अहमद खाँ (1817-1898 ई.); नौरोजी फरदूनजी (1817-1885) ईश्वर चन्द्र विद्यासागर (1820-1891), ई.वी. रामास्वामी नायकर (1879-1973), नारायणगुरु (1855-1928), वीरशेलिंगम (1848-1919), महात्मा ज्योतिराव फूले (1824-1890), महात्मा गाँधी, बाबा साहब अम्बेडकर जैसे महान् लोगों ने खूब बड़ा ही धर्म-कर्म निभाया. वंचित, शोषित व असहाय समाज को बड़े ही मन से सींचने का कार्य किया. समाज सुधारक ज्योतिराव फूले की पत्नी ने यानि **सावित्रि बाई फूले** ने महिला समानता के प्रश्न को उठाया एवं 'बहुजन समाज' की

स्थापना की थी. 1924 में अम्बेडकर साहब ने बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना करके दलित मुक्ति आन्दोलन का बिगुल बजाया था व जाति उन्मूलन हेतु उपाय किए थे. चूँकि उन्होंने मनु स्मृति को नकारा, क्योंकि वह विभेदकारी दर्शन पर आधारित अनुभव किया; जोकि समाज को ही श्रेणीगत व्यवस्था में बाँट दिया गया था. कहीं न कहीं इन सभी समाज सुधारकों ने समाज के वास्तविक अस्तित्व को मिटने से बचाया. जन-साधारण लोगों के दु:ख-दर्द को बखूबी समझा और खूब सामंजस्य स्थापित किया था. अगर आज हम सबने ऐसे सामंजस्य स्थापित नहीं किए तो खोखले एवं निष्क्रिय समाज के निर्माण हेतु स्वयं ही उत्तरदायी होंगे व आने वाली पीढ़ी खुद को धिक्कारेंगी. अतएव हर हाल में समाज के साथ सामंजस्य बहाल रखने अवश्य होंगे. इन महानुभावों के द्वारा स्थापित समाज की मर्यादाओं के पालन में सौ प्रतिशत ही खरा उतरना होगा; तभी समाज के प्रति सच्चे सामंजस्य को बरकरार रखेंगे. ईमानदारीपूर्वक, अनुशासनपूर्वक एवं खूब सौहार्द्र सह-लगन पूर्वक समाज का निर्माण करना होगा. ऐसे ही अचूक सूत्र को अपनाकर सफलता की बड़ी ही बागडोर स्थापित किए जा सकेंगे. समरसता नवसृजित हो सकेंगे.

विस्टंल एस. चर्चिल ने कहा है—"A pessimist sees the difficulty in every opportunity, an optimist sees the opportunity in every difficulty." अर्थात् एक निराशावादी हर अवसर में कठिनाई देखता है और एक आशावादी हर कठिनाई में अवसर देखता है. इस तरह हर एक इंसान अपने जीवन पर गौर फरमाएं तो स्पष्ट समझ में आएगा कि सफलता किसी भी विशेष व्यक्ति को मुहूर्त विशेष में घटना विशेष के घटने पर प्राप्त होती हो ऐसा कुछ नहीं है. सफलता तो किसी भी व्यक्ति को जीवन के किसी भी पड़ाव व में किसी भी क्षेत्र में कभी भी कहीं भी हासिल हो सकती है. बशर्ते, उसे अवसर को पहचानना एवं उसका सदुपयोग करना आ जाए. यहाँ दो शब्द एक अवसर व दूसरा एहसास अवसर यानि कि Opportunity और एहसास की बातें रखते हैं. बहुत से लोग सुने हैं कि अवसर प्रत्येक जगह व प्रत्येक समय है, किन्तु उस अवसर को महसूस कर पाना एहसास कर पाना दुर्लभ होता है. हम इसी अवसर और एहसास के बीच में सामंजस्य स्थापित करना निश्चित रूप से करना सीखना होना. फिलहाल कोरोना के समय कई लोगों ने इसे अवसर समझकर असहाय, नि:सहाय, गरीब, अनाथ बच्चों, बुजुर्गों के बीच मदद के रूप में जरूरत की सामग्री उपलब्ध करवाएँ उसके साथ अच्छे रूप से समाज के अभिन्न सदस्य मानते हुए खूब सुन्दर सामंजस्य को बनाएँ, लाखों-करोड़ों लोगों के सहारे बनें कुछ लोग इस अवसर का एहसास अपने ही रूढ़िगत सोच के कारण नहीं कर सके व सिर्फ सिर पर हाथ रखकर आँसू बहाते रह गए. ऐसे लोग अवसर व एहसास के बीच सामंजस्य स्थापित करने में असफल रहे. फलतः सफलता के अति महत्वपूर्ण सूत्र स्थापित न कर असफलता को गले से गले मिलाये. ऐसे लोग मुंगेरीलाल के हसीन सपने दिखते है; परन्तु सच में करने की नौबत आती है तो वो सपने में सोए-सोए व खोए-खोए रह जाते हैं. मतलब साफ है कि सोचने व करने के बीच तालमेल नहीं है. जब तक सामंजस्य स्थापित नहीं हो तब तक अपनी सोच को कार्य रूप में परिणित करने हेतु सतत् प्रयोग प्रयासरत रहना ही होगा. जाने कि इस दुनिया में कोई भी काम अकेले नहीं होता है. कहा जाता है कि—"अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ पाता." टीम वर्क के महत्व को समझते हुए समाज के प्रति व प्रकृति के साथ सामंजस्य बना कर सुन्दरतम् सुर, ताल व माहौल कायम करना होगा. तभी सफलता का अचूक सूत्र बन पाएगा. न्यायोचित कविता के कुछ अंश सारगर्भित जरूर है—

जीवन का हर्ष-उत्कर्ष दुर्भावना में नहीं,
वो तो सद्भावना में है.
जीवन का हर्ष-संघर्ष उत्तेजना में नहीं,
वो तो संवेदना में है.
समायोजन का हर्ष-सहर्ष अवहेलना में नहीं,
वो तो परम सामंजस्य की भावना में है.

इस छोटी-सी कविता के अंश में खूब बड़ी ही सफलता प्राप्त करने हेतु अचूक ब्रह्मास्त्र रूप निर्देशित है. जीवन में दुर्भावना दूर करने पर सद्भावना पास होंगी, उत्तेजना कम होने पर संवेदना बढ़ेंगी, अवहेलना हटाने से समायोजन वटने शुरू होंगे और इस तरह के सुन्दरतम् क्रम बनाकर चलेंगे तो समाज के प्रति अति सुन्दरतम् सामंजस्य तो स्थापित होकर ही रहेंगे व बेहतरीन सफलता के सूत्र, बन पाएंगे. इसमें कहीं भी तनिक भी अनिश्चितता नहीं होंगी. गहरा, प्यारा भ्रातृत्व प्रेम, सौहार्द्रता की सम्पूर्णता आदि श्रेष्ठत भाईचारा बना पाएंगे. अंततः सच्ची सामाजिकता के भाव पनपेंगे, बढ़ेंगे व कामयाब होंगे.

हमारी मानवीय प्रवृत्ति कुछ ऐसी बन जाती है हम कम-से-कम ही प्रयास में अधिक से अधिक लाभ पा लेने का मोह रखते हैं. इसी कारण हमारे संघर्ष करने का निरन्तर प्रयास कम होते जाते हैं. जोकि यहीं संघर्ष जीवन में अनवरत आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करता है व सफलता का भी अचूक मंत्र बनता है. अपने प्रयासों से मनुष्य जीवन में समय के साथ तमाम ऐसे कई साधनों को खूब विकसित किया है. बेहद न्यूनतम प्रयास से या मन की भावना से कम करने की इच्छा से बड़ी सफलता नहीं मिल सकती है. देखिए **'इसरो'** ने एक बड़ी टीम वर्क की ही बदौलत विश्व में सफलता की खूब बड़े सूत्र का सूत्रपात कर दिखाया, जिसके चलते भारतीय समाज का नाम रोशन वैश्विक स्तर अंकित हुआ है. हर इंसान चाहता है कि जीवन का हर दिन सिर्फ और सिर्फ सकारात्मक रूपेण आगे ही बढ़ते रहे, लेकिन उस दौरान इंसान मूल बात की भूल करता है कि ये सफलता के बड़े लकीर किसी क्षणिक प्रयासों की देन नहीं है, बल्कि सफलता पूर्व उसकी पूरी-पूरी तैयारी, आधारशिला की रूपरेखा की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी व टीम वर्क में सम्मिलित लोगों के मन की सामंजस्य पूर्ण वफादारी सहित लम्बे प्रयासों के योगदान से मिली हैं. अनुशासन, धैर्यवान, निष्ठावान व कर्मवान ऐसे ही सद्गुणें को अपनाकर बड़ा कीर्तिमान स्थापित होते हैं. ऐसे ही संदर्भ में स्वामी विवेकानन्द जी ने इंसान के जीवन संषर्ष के बारे में कहा था कि—'विश्व एक विशाल व्यायामशाला है, जहाँ खुद को मजबूत बनाने हेतु अग्रदूत होते हैं.' स्मरणीय बात है कि जीवन के हर क्षेत्र हमारे लिए, हमारी सफलता के अचूक यंत्र बनाने के लिए आवश्यक चरणों से विधिपूर्वक व्यायाम नित करने होते हैं. इस जीवन प्रशिक्षण क्षणों में जितना समाज व प्रकृति के साथ में सामंजस्य स्थापित करने की कला में पूर्ण होते हैं, हम उतनी ही ऊँची उड़ान हेतु अपने पंखों को फैलाते हुए सम्पूर्ण उड़ान भरते हैं. **इमर्सन** महोदय भी सहज कह गए हैं कि—प्रकृति के चरण–चिन्हों पर चले व धैर्यपूर्ण हो सामंजस्य बनाएं. यही तो रहस्य है.

प्रिय कवि **जयशंकर प्रसाद** प्रणीत महाकाव्य 'कामायनी' में लिखा है—

'ज्ञान दूर और क्रिया भिन्न है
इच्छा पूरी हो क्यों मन की
एक-दूसरे से मिल न सके.
यही विडम्बना है जीवन की.'

हम इंसान जीव-जगत, वनस्पति जगत व जड़ जगत आदि के विषयगत सूक्ष्मतम-सूक्ष्म जानकारी रखते हैं, परन्तु यह सही में नहीं जान पाते हैं कि आखिर इनके साथ हमारे क्या सम्बन्ध अच्छे हो सकते हैं ? जीवन की यही बड़ी विडम्बना होती है कि वस्तु, व्यक्ति, समाज, प्रकृति आदि सभी को देखते व जानते भी हैं, परन्तु उनके प्रति सम्बन्ध की अटूट भावना व सामंजस्य की कामना के निर्वाह व निर्माण करने में असमर्थ होते हैं. बड़ी-बड़ी

बातें सोचते व करते हैं, बड़े-बड़े आदर्शों का गुणगान भी करते थकते नहीं हैं, विश्वबन्धुत्व, ब्रह्मांडीय सम्बन्धों की परिकल्पना करते हुए अघाते नहीं; प्रकृति, जाति, प्रजाति, समाज आदि चीजों की चर्चाएं भी खूब करते व सुनाते थकते नहीं; परन्तु स्व–व्यवहार में हम इंसान अपने सगे भाई-बहन, निकटतम पड़ोस के प्रति भी रत्ति भर वास्तविक बन्धुत्व का निर्वाहन नहीं कर पाते हैं. भला ! ऐसे में क्या वह व्यक्ति प्रकृति व समाज के साथ सामंजस्य बना सकता है? **इंजील** ने भी कहा है—"If you can not love your neighbour whom you daily see, how can you love god whom you have never seen." कथनी व करनी का अन्तर ही जीवन में विडम्बना बनाती है, जो समाज एवं प्रकृति दोनों में अवमानना पैदा होती है. फलस्वरूप, विकृति सँभाल पाना बड़ा भयावह हो जाता है. विश्व मानव समाज व समस्त प्रकृति जगत् को एक सम्बन्ध सूत्र में बाँधने हेतु प्रयत्नशील तो होते हैं, परन्तु व्यवहार जगत् में उनका स्वयं का व्यक्तित्व का अस्तित्व विश्रृंखल बना हुआ है. देश, समाज, प्रकृति की भावात्मक एकता, मित्रता सहजता के पुरोधा बनने का झूठा दावा तो करते हैं, पर दलगत द्वेष व जातिवाद, परिवारवाद आदि-आदि विवाद में लिप्त होने के कारण उक्त उल्लिखित उच्चतम आदर्शों को घोर कलंकित एवं लांछित करते हुए देखे जाते हैं. तब ऐसे लोग एक संश्लिष्ट समाज और संश्लिष्ट राष्ट्र अथवा प्रकृति के साथ संश्लिष्ट सामंजस्य का सुख स्वप्न को किस प्रकार सार्थक कर सकते हैं? इंसान होने पर मानवीय गुण विद्यमान हों, किसान होने पर श्रमवान हों, वैज्ञानिक सोच रखने पर धार्मिक हों व जागरूक शिक्षा प्राप्त करने वाले यूँ विद्यार्थीगण हैं, तो जीवन निर्वाह की कलाकृति का परम ज्ञान हो, व्यक्तिगत चेतना से ऊपर समष्टिगत चेतना में प्रकाशवान होकर पल्लवित-पुष्पित व्यक्ति परिवार, समाज, राष्ट्रभक्ति व प्रकृति के सही-सही उत्थान जरूर कर सकते हैं. अन्यथा, इसके अभाव में तो हर हाल में समाज व प्रकृति उल्टी करवटें विनाशलीला के रूप में घातक सिद्ध करती है. सच्ची बात है कि—बाह्य प्रकृति तो भौतिक समृद्धि प्रदान करती हैं और अन्त: प्रकृति अभ्युदय व मिश्रेयस के मार्ग पर अग्रसर करती है.

हमारा पर्यावरण पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु एवं आकाश इन पंच महाभूतों या तत्वों से निर्मित है. प्राचीन भारत में लगभग 1500 ईसा पूर्व से लेकर 600 ईसा पूर्व तक के समय वैदिककाल ने भारतीय धर्म व समाज की नींव को आकार देने में बड़ी ही सामंजस्यपूर्ण भूमिका निभाई है. धार्मिक ग्रंथ, जाति व्यवस्था, अनुष्ठान व बलिदान, देव पंथियन, धर्म, समाज, प्रकृति की अवधारणा, कर्म, योग, मन, ध्यान आदि ऐसी विशेषताओं पर गहरे प्रभाव प्रतिपादित किए गए हैं. इससे समकालीन भारतीय समाज व प्रकृति पर संहर्षित भारतीय संस्कृति को प्रभावित करती रही हैं. आधुनिक भारत के ढाँचे में उस प्राचीन युग की स्थायी विरासतें जरूर प्रदर्शित करती हैं. आज भारत सहस्त्राब्दियों में महत्वपूर्ण रूप से विकसित हो महत्वपूर्ण सफलता भी हासिल कर दिखा रहा है. भारतीय समाज एक स्वीकृत मान्यता के रूप में आज भी प्रचलित दिख रहा है. अग्नि, सूर्य, चन्द्र, आकाश, पृथ्वी, वायु को साक्षात् ईश्वर के 'प्रत्यक्ष' शरीर मानते हैं. अनेकानेक देवी-देवताओं की संकल्पना प्रकृति के ही उपादनों से की जाती रही हैं. शिवजी पशुपति व पार्थिव हैं तो गणेश गजानन माने जाते हैं. सीता पृथ्वी से उपजी तो द्रोपदी अग्नि से उपजी 'याज्ञसेनी' मानी जाती हैं. यूँ कहें कि भारतीय समाज व प्रकृति के बीच चिंतन-मनन व सामंजस्य के ध्यान बड़े ही पुण्यदायी सह विलक्षण रहे हैं; तभी तो सभ्य समाज के नागरिक ही सम्राट अशोक, गौतम बुद्ध, वर्धमान महावीर, मुगल सम्राट अकबर, गाँधी, टैगोर, पटेल, भगत सिंह, टेरेसा, जैनुल आबदीन जैसे इतिहास पुरुषों को मानवता के पुजारी, समाज हेतु हितकारी व प्रकृति के संकटहारी के रूप में स्मरण किए जाते हैं. पर कुछ भ्रमवश इंसान स्वयं को ही भगवान मान बैठे हैं, जो बिल्कुल ही ठीक नहीं है. निर्लज्ज बन विश्व स्तर पर जल, थल, अंतरिक्ष, वन, पर्वत, वनस्पति, खनिज सम्पदा आदि चीजों का खुद दादा बने हैं. पूरी सृष्टि में हस्तक्षेप करने व अधिकार जमाने में उम्दा हो प्रकृति व समाज को विकृत कर रहे हैं. अपनी बुरी प्रवृत्ति की सीमा पार कर रहे है. इसके ही कुप्रवृत्ति के फलस्वरूप दुनियाभर में अतिवृष्टि, अनावृष्टि, धरती की उर्वरा शक्ति, समाज के मनोवृत्ति, सुनामी की गति, ओजोन में छिद्रती, वनस्पति, वनस्पति प्रजाति के लुप्त होने की स्थिति, ग्लेशियरों को पिघलने की बदत्तर स्थिति, हिमस्खलन की बुरी प्रवृत्ति, भूकंप, जलवायु परिवर्तन जैसी भयावह स्थिति एवं ताप से बुरी तरह तपती माता धरती आदि कुदरती मारों को झेलती नजर आ रही हैं. शनै: शनै: समाज व प्रकृति के ऐसे दुश्मनों ने पूरी दुनिया को ही लालायित मन बनाकर दुर्गति भोगने को मजबूर कर रखे हैं.

इस प्रकार से कहना अंतत: व निष्कर्षत: यह मानना उचित होगा कि जिस प्रकार मध्यकालीन यूरोप में सामंतवादी प्रथा के समूल उन्मूलन हेतु **'पुनर्जागरण आन्दोलन'** का प्रादुर्भाव हुआ था, ठीक उसी प्रकार से वर्तमान समय में भारतीय राजनीतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक व आर्थिक मूल्यों में प्रवेश कर चुकी घोर कुरीतियों को दूर करना ही होगा. क्रमिक रूप से इसी प्रक्रिया द्वारा ही समाज की सही-सही पुनर्रचना सम्भव है. समाज में जनजागृति के साथ प्रकृति के संदर्भ में भी उचित व सर्वभावना समुचित सामंजस्य से सफलता का अचूक व उपयुक्त सूत्र संभवत: बन पाएगा. शेष वक्त अभी भी काफी है. इंसान जब भी मन से जागा तब ही सबेरा होना शाश्वत बात है. इन तर्कसंगत विवेचनाओं सहित पूर्व प्रधानमंत्री **श्री नरसिंह राव जी** का कथन आत्मसात् करने योग्य है कि—"हम जब अपने ही पत्तनोन्मुख समाज को नहीं बचाते हैं, तो आने वाली पीढ़ी भी हमें माफ नहीं करेगी." अन्त तोगत्वा प्रकृति के खिलवाड़ से पूरी दुनिया को लील जाने से कोई भी शक्ति नहीं बचा सकेगी. अत: चेत, सचेत व पूर्ण आश्वस्त होकर खरा उतरें. ●●●

नवीन प्रस्तुति

उपकार

छत्तीसगढ़

स्वयंसेवी नगर सैनिक

(जनरल ड्यूटी)

भर्ती परीक्षा

(महिला/पुरुष)

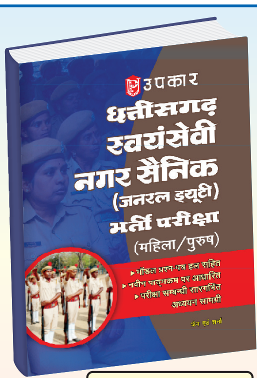

▸ मॉडल प्रश्न-पत्र हल सहित ▸ नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

▸ परीक्षा सम्बन्धी सारगर्भित अध्ययन सामग्री

Code 2766

₹ 230.00

जैन एवं शर्मा

उपकार प्रकाशन, आगरा • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

❄ ❄ ❄ **प्रतियोगिता दर्पण** ❄ ❄ ❄
हिन्दी मासिक

निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-540 का परिणाम

विषय : **"समाज और प्रकृति के साथ सामंजस्य सफलता के अचूक सूत्र."**

प्रथम– संजय प्रसाद (अध्यापक)
S/o जगदेव प्रसाद
ग्राम–रिसौद, पो.–चाकन्द
जिला–गया (बिहार)
पिन–804 404

द्वितीय– शुभम सान्याल
सुभाष नगर, एचबी कॉलोनी
महाराजपुर, जबलपुर,
मध्य प्रदेश, पिन–482 004

तृतीय– रोहित गोस्वामी
इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र चंडीगढ़
प्लाट नम्बर–05 सेक्टर–12 अर्बन एस्टेट करनाल
हरियाणा, पिन–132 001

अन्य प्रशंसनीय प्रयास

1. संदीप परगॉई
पोस्ट ऑफिस–तल्ली पोखरी
नैनीताल (उत्तराखण्ड)
पिन–263 157

2. डॉ. राजीव कुमार सिंह
10, ब्लॉक-19 पुष्प विहार,
सेक्टर-1,
नई दिल्ली–110 017

3. डॉ. विभव सक्सेना
S/o श्री रघुवंश चन्द्र सक्सेना
4 बी, वल्लभनगर कॉलोनी
निकट शहीद पार्क, पीलीभीत
उत्तर प्रदेश, पिन–262 001

4. जितेन्द्र कुमार सिंह रावत
C/o धर्मकाँटा, अनाज मंडी
सुन्हेरा रोड, सबलगढ़,
मुरैना, मध्य प्रदेश
पिन–476 229

5. दिव्य ज्योति
कुँवर टोला
सहरसा (बिहार)
पिन–852 201

प्रथम

द्वितीय

तृतीय

➡ उपर्युक्त प्रशंसित निबन्ध प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 300 मूल्य की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसन्द की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 300 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई है, तो उसके मूल्य में से ₹ 300 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

उपकार
NCERT
वस्तुनिष्ठ प्रश्नकोश
(कक्षा 6-12 सहित)

संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग, एसएससी तथा अन्य सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए समान रूप से उपयोगी

• भारतीय इतिहास • भारतीय राजव्यवस्था • भारतीय अर्थव्यवस्था • भारत एवं विश्व का भूगोल • सामान्य विज्ञान

नई तथा पुरानी NCERT पुस्तकों पर आधारित विषयवार वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश (विस्तृत व्याख्या सहित उत्तर)

अभ्यास हेतु मॉडल प्रश्न-पत्र

Code 2751 ₹ 550.00

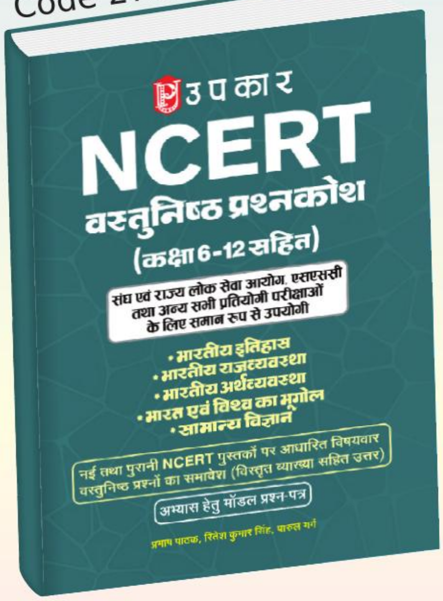

प्रभाष पाठक, रितेश कुमार सिंह, पारुल गर्ग

उपकार प्रकाशन | 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास रोड, आगरा-282 005 फोन : (0562) 2530966, 2531101 • हल्द्वानी मो. 07060421008 | • E-mail : sales@upkar.in • Website : www.upkar.in

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय : "सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण से अन्तर्राष्ट्रीय जगत में देश का मान बढ़ता है."

विपक्ष में :

सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण किसी भी देश के लिए महत्वपूर्ण है और इससे अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर उसकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है. सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण एक महत्वपूर्ण कार्य है, जो न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखता है बल्कि हमारे अतीत की अमूल्य धरोहर को अगली पीढ़ी को स्थानांतरित करता है, लेकिन यह कहना कि केवल सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण से ही अन्तर्राष्ट्रीय जगत में देश का मान बढ़ता है, यह एक सीमित व संकुचित दृष्टिकोण है. देश की आर्थिक वृद्धि दर, व्यापारिक सम्बन्ध और निवेश के अवसर उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा को प्रभावित करते हैं. साथ ही देश की राजनीतिक स्थिरता, शासन प्रणाली और भ्रष्टाचार का स्तर उसकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि पर भी बड़ा प्रभाव डालते हैं. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में देश की प्रगति और नवाचार उसकी वैश्विक पहचान को बढ़ाते हैं. शिक्षा, स्वास्थ्य, मानवाधिकारों के संरक्षण और समावेशी विकास आदि देश की प्रतिष्ठा में योगदान करते हैं. साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीति और वैदेशिक सम्बन्ध देश की छवि को प्रभावित करते हैं. इसके अलावा देशों के बीच व्यापारिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और सैन्य सम्बन्ध उनकी प्रतिष्ठा को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. यदि किसी देश के दूसरे देशों के साथ मजबूत और सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध है, तो उसकी प्रतिष्ठा स्वाभाविक रूप से बढ़ती है.

किसी देश का अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय में योगदान जैसेकि मानवाधिकारों के संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, शांति प्रयासों और वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं के संचालन में सहयोग उसकी प्रतिष्ठा को बढ़ा सकते हैं. जैसे कोविड-19 महामारी के दौरान कई देशों ने वैश्विक स्वास्थ्य प्रयासों में योगदान दिया जिससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि मजबूत हुई. किसी देश की संस्कृति की विविधता, धार्मिक सहिष्णुता और समावेशी समाज के निर्माण प्रक्रिया भी उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा को प्रभावित करती है. एक देश की पहचान और सम्मान उसके सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक तकनीकी और कूटनीतिक प्रयासों से भी निर्धारित होते हैं. उदाहरण के लिए, जापान ने अपनी प्राचीन संस्कृति और परम्पराओं को संरक्षित व जीवित रखा है, लेकिन उसका अन्तर्राष्ट्रीय मान उसके तकनीकी नवाचार और आर्थिक शक्तिशाली स्थिति से भी जुड़ा है. उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी विकास में निवेश देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ावा देता है, जैसे—अमेरिका और चीन जैसे देश अपने सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने के अलावा अपनी आर्थिक और तकनीकी श्रेष्ठता के कारण भी वैश्विक सम्मान पाते हैं.

ऐसे देश, जो विविधता और समावेशिता को प्रोत्साहित करते हैं, उन्हें भी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक सम्मान और समर्थन मिलता है. अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार और मान्यता जैसे—नोबेल पुरस्कार, ओलम्पिक पद और अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार देश की प्रतिष्ठा को बढ़ाते हैं. यह दिखाता है कि देश के नागरिक वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं. देश में मानवाधिकारों का सम्मान, महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और सामाजिक न्याय का प्रसार भी उसके अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को बढ़ाने में मददगार होते हैं. जिन देशों में मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है, उसकी वैश्विक छवि खराब होती है. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भी देश की समझ और सहयोग को बढ़ाते हैं. इससे न केवल ज्ञान और संस्कृति का आदान-प्रदान होता है, बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध भी मजबूत होते हैं. किसी देश की प्राकृतिक आपदाओं और वैश्विक संकटों में सहायता प्रदान करने की क्षमता और तत्परता उसके अन्तर्राष्ट्रीय छवि को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है. उदाहरण के लिए, आपदा प्रबन्धन में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया देने वाले देश अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय में सम्मान पाते हैं.

अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर सम्मान प्राप्त करने के लिए कूटनीतिक कौशल और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण है. देश के बीच सम्बन्धों का प्रबन्ध, वैश्विक मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने और अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में प्रभावी भागीदारी जैसे—कारक एक देश की प्रतिष्ठा को बढ़ाते हैं, जैसे—नॉर्वे और स्वीडन अपनी शांतिपूर्ण नीति और अन्तर्राष्ट्रीय मध्यस्थता के लिए जाने जाते हैं. आज के युग में जलवायु परिवर्तन, गरीबी, स्वास्थ्य संकट और सुरक्षा मुद्दों जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना करना भी किसी देश की प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है. इन समस्याओं का समाधान और वैश्विक समस्याओं में योगदान देने की क्षमता एक देश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिला सकती है, जैसे—न्यूजीलैण्ड की पूर्व प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न की कोविड-19 महामारी के दौरान किए गए कुशल प्रबन्धन को वैश्विक स्तर पर सराहा गया. अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्ति में सॉफ्ट पावर का योगदान भी महत्वपूर्ण है. आज यह एक देश की सांस्कृतिक, राजनीतिक और नैतिक प्रभाव की शक्ति को दर्शाता है, जैसे—कोरियाई पॉप संस्कृति ने दक्षिण कोरिया को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाई है, जबकि इसके सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण एक माध्यम मात्र रहा है.

उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि केवल सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण ही अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए पर्याप्त नहीं है. यह एक महत्वपूर्ण घटक हो सकता है, लेकिन यह देश की प्रतिष्ठा को स्थापित करने एवं बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं है. अन्तर्राष्ट्रीय जगत में सम्मान विभिन्न कारकों के सामूहिक प्रयास से निर्मित होते हैं. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और मान्यता प्राप्त करने के लिए आर्थिक प्रगति, तकनीकी नवाचार, कूटनीतिक कौशल, अर्थव्यवस्था, राजनीति, प्रौद्योगिकी उन्नयन, सामाजिक विकास और वैश्विक चुनौतियों का समाधान और सॉफ्टपावर जैसे विभिन्न कारकों पर भी ध्यान दिया जाना आवश्यक है. एक समग्र और बहुआयामी दृष्टिकोण ही किसी देश को अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर मान्यता और सम्मान दिला सकता है. अतः अन्तर्राष्ट्रीय जगत में मान प्राप्त करने के लिए विविध आयामों पर ध्यान देना आवश्यक है. ●●●

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक–214 का परिणाम

विषय : "सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण से अन्तर्राष्ट्रीय जगत में देश का मान बढ़ता है."

विजेता

विपक्ष में :
प्रभाष पाठक
अवर सांख्यिकी पदाधिकारी
नीलकंठ नगर, तिलकामांझी
भागलपुर (बिहार) पिन—812 001

☞ उपर्युक्त प्रशंसित वाद-विवाद प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 500 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसन्द की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 500 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 500 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय—''भारत में शिक्षित युवाओं की रोजगारनीयता आशानुरूप नहीं है.''

अन्तिम तिथि—15 अगस्त, 2024

शब्द संख्या—अधिकतम 750 शब्द (पक्ष/विपक्ष)

पुरस्कार योजना—पक्ष/विपक्ष के प्रथम दो लेख.

विशेष—पक्ष/विपक्ष के प्रथम लेख पत्रिका में प्रकाशित होंगे.
कृपया अपनी प्रविष्टि पर अपना पूरा पता फोन नं. सहित अवश्य लिखें.
प्रथम पुरस्कृत पक्ष/विपक्ष अभ्यर्थी को पुरस्कारस्वरूप ₹ 500/- प्रदान किए जाएंगे.
कॉपीराइट अधिकार प्रकाशक का होगा. अन्य लेख वापस नहीं किए जाएंगे.

(कृपया लिफाफे पर निम्नलिखित कूपन को अवश्य चिपकाएं)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक–215
(पक्ष/विपक्ष/दोनों पक्ष)

खेलकूद

खेलकूद की विशिष्ट प्रतियोगिताएं एवं चर्चित प्रकरण (राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय)

19वें एशियाई खेल–2023

23 सितम्बर–8 अक्टूबर, 2023 के दौरान चीन के हांगझोऊ में 19वें एशियाई खेल सम्पन्न हुए. 19वें एशियाई खेलों में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अपने पदकों की संख्या 100 से पार की. कुल 107 पदक (28 स्वर्ण, 38 रजत व 41 कांस्य) जीतकर 2018 के 18वें एशियाई खेलों के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को भी काफी पीछे छोड़ दिया. जकार्ता में सम्पन्न 18वें एशियाई खेलों में भारत ने 16 स्वर्ण, 23 रजत व 31 कांस्य सहित कुल 70 पदक जीते थे तथा पदक तालिका में आठवाँ स्थान प्राप्त किया था. 19वें एशियाई खेलों में भारत ने 28 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया.

19वें एशियाई खेलों में 40 खेलों की 61 स्पर्द्धाएं, जिनमें 481 पदक प्रतियोगिताएं दाँव पर थीं, शामिल थीं. 'हार्ट टु हार्ट @ फ्यूचर (Heart to Heart @ Future) 19वें एशियाई खेलों का सिद्धान्त वाक्य/नारा (Motto) था. **कांगकांग** (Congcong), **लियानलियान** (Lianlian), व **चेनचेन** (Chenchen), जिन्हें **मेमोरीज़ ऑफ जियांगनान** (Memories of Jiangnan) नाम दिया गया था, 19वें एशियाई खेलों का शुभंकर (Mascot) थे. खेलों के आधिकारिक गीत With you and Me को एंजेला झांग व अन्य ने गाया था.

19वें एशियाई खेलों में सर्वाधिक 383 पदक (201 स्वर्ण, 111 रजत व 71 कांस्य) जीतकर **चीन** ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया. यह लगातार **11वाँ** आयोजन था, जब चीन ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया. **दूसरे** स्थान पर रहे **जापान** (गत 18वें एशियाड में भी जापान दूसरे स्थान पर था) ने 52 स्वर्ण, 67 रजत व 69 कांस्य पदकों सहित कुल 188 पदक इन खेलों में प्राप्त किए. तीसरा स्थान **दक्षिण कोरिया** का रहा जिसने कुल 190 पदक (42 स्वर्ण, 59 रजत व 89 कांस्य) इन खेलों में प्राप्त किए.

पुरुषों का एशिया कप क्रिकेट–2023

30 अगस्त–17 सितम्बर, 2023 के दौरान पाकिस्तान की मेजबानी में एशियाई क्रिकेट परिषद् (ACC) के पुरुषों के (16वें) एशिया कप क्रिकेट का आयोजन हुआ. टूर्नामेंट में खेले गए कुल 13 मैचों में से 4 मैच ही पाकिस्तान में खेले गए, जबकि 9 मैच श्रीलंका में खेले गए. भारत व मेजबान पाकिस्तान सहित 6 देशों की टीमें इस टूर्नामेंट में शामिल थीं. टूर्नामेंट में 4 अन्य टीमें–श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश व नेपाल की थीं.

17 सितम्बर, 2023 को कोलम्बो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए फाइनल में टॉस जीत कर पहले खेलने वाली श्रीलंका की पूरी टीम 15·2 ओवर में 50 रन ही बना सकी. इसके प्रत्युत्तर में भारतीय टीम ने बिना कोई विकेट खोए 6·1 ओवर में 51 रन बनाकर 10 विकेट से विजय दर्ज की. इस प्रकार भारत ने 8वीं बार इस कप का सिरमौर अपने नाम किया.

टेनिस का लावेर कप–2023

पुरुषों के टेनिस के लावेर कप (Laver Cup) पर इस वर्ष **विश्व टीम** का दूसरी बार कब्जा हुआ. वर्ष 2023 के इस टूर्नामेंट (छठे) में यूरोप टीम व शेष विश्व की टीमों के बीच मुकाबला 22-24 सितम्बर, 2023 के दौरान बैंकुवर में हुआ. **विश्व टीम** इस टूर्नामेंट में 13–2 से विजेता रही. यूरोप व शेष विश्व की टीमों के बीच वर्ष 2017 से शुरू हुआ यह टूर्नामेंट 2017, 2018, 2019 व 2021 में यूरोप ने जीता था. वर्ष 2020 में कोविड-19 के कारण इसका आयोजन नहीं हुआ था. वर्ष 2022 में विश्व टीम पहली बार विजेता बनी थी.

विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप–2023

21-27 अगस्त, 2023 के दौरान कोपेनहेगन (डेनमार्क) में विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) की वर्ष 2023 की विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप (28वीं) का आयोजन हुआ. विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप भारत के एच.एस. प्रणय पुरुषों की एकल स्पर्द्धा में कांस्य पदक जीतने में सफल रहे. इसके साथ ही वह विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में एकल स्पर्द्धा में पदक जीतने वाले पाँचवें शटलर हो गए हैं. उनसे पूर्व प्रकाश पादुकोण (1983, कांस्य), बी. साई प्रणीत (2019, कांस्य), किदांबी श्रीकांत (2021, रजत) व लक्ष्य सेन (2021, कांस्य) यह उपलब्धि प्राप्त कर चुके हैं.

विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप के पुरुष एकल के फाइनल मुकाबले में थाइलैण्ड के **कुनलावुत वितिदसर्न** (Kunlavut Vitidsarn) ने जापान के कोडई नाराओका को हरा कर खिताब पर कब्जा किया. कुनलावुत वितिदसर्न गत वर्ष एकल के उपविजेता थे. महिलाओं के एकल खिताब के लिए दक्षिण कोरिया की **आन से यंग** (An Se Young) ने स्पेन की कैरोलिना मारन को फाइनल में हराया.

37वें राष्ट्रीय खेल, 2023

25 अक्टूबर–9 नवम्बर, 2023 के दौरान 37वें राष्ट्रीय खेल गोवा के 5 विभिन्न शहरों–मापुसा, पणजी, पोंडा, वास्को व मर्गाओ में आयोजित हुए. साइक्लिंग व गोल्फ की स्पर्द्धाएं दिल्ली में आयोजित की गई थीं. 36वें राष्ट्रीय खेलों का औपचारिक शुभारम्भ 29 सितम्बर, 2022 को हुआ. 28 राज्यों व 8 केन्द्रशासित क्षेत्रों के अतिरिक्त 37वीं टीम के रूप में सेना की टीम (SSCB–Services Sports Control Board) इन खेलों में शामिल थी. 43 खेलों की विभिन्न स्पर्द्धाओं का आयोजन इन खेलों में हुआ, जिनमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या 10 हजार से अधिक थी.

यह पहला अवसर था, जब राष्ट्रीय खेलों का आयोजन गोवा में हुआ. मर्गाओ (गोवा) के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक रंगारंग समारोह में इन खेलों का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 अक्टूबर, 2023 को किया था. गोवा के राज्यपाल पी. एस. श्रीधरन पिल्लई व मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के अतिरिक्त केन्द्रीय युवा मामलों के मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर व भारतीय ओलम्पिक संघ की अध्यक्ष पी. टी. ऊषा आदि भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे.

37वें राष्ट्रीय खेलों का शुभंकर (Mascot) भारतीय बाइसन (Biosen) अर्थात् गौर, जो भारत में पाए जाने वाले जंगली मवेशियों की सबसे बड़ी प्रजाति है तथा जो गोवा का राजकीय पशु (State Animal) भी है, था. इसे 'मोगा' (MOGA) नाम दिया गया था. मोगा शब्द कोंकणी से बना है, जिसका अर्थ 'प्रेम' होता है. 15 दिन तक चले इन खेलों का आदर्श वाक्य (Motto) Get Set Goa था.

37वें राष्ट्रीय खेलों में प्रतिभागी टीमों में सर्वाधिक 228 पदक (80 स्वर्ण, 69 रजत व 79 कांस्य) जीतकर महाराष्ट्र का पदक तालिका में सर्वोच्च स्थान रहा. 66 स्वर्ण, 27 रजत व 33 कांस्य सहित कुल 126 पदकों के साथ सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (सेना) का पदक तालिका में दूसरा स्थान रहा. पदक तालिका में तीसरा स्थान हरियाणा का रहा, जिसके पदकों की संख्या 62 स्वर्ण, 55 रजत व 75 कांस्य सहित 192 रही. ओवरऑल चैम्पियन टीम की राजा भालिंद सिंह ट्रॉफी महाराष्ट्र ने अपने नाम की.

विश्व कप क्रिकेट–2023

5 अक्टूबर–19 नवम्बर, 2023 के दौरान भारत की मेजबानी में 13वें विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन हुआ. क्रिकेट के इस महाकुम्भ के फाइनल में मेजबान भारत को 6 विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया ने विश्व कप क्रिकेट का सिरमौर जीत लिया. विश्व कप क्रिकेट के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया छठी बार विजेता बना. इससे पूर्व 1987 में इंग्लैण्ड को फाइनल में हराकर, 1999 में पाकिस्तान को, 2003 में भारत को, 2007 में श्रीलंका को तथा 2015 में न्यूजीलैण्ड को फाइनल में हराकर ऑस्ट्रेलिया विश्व कप विजेता रहा था.

विश्व कप क्रिकेट–2023 का फाइनल अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम पर खेला गया. फाइनल मैच अत्यधिक संघर्षपूर्ण और रोमांचक रहा. फाइनल में पैट कमिंस के नेतृत्व वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम 6 विकेट से विजयी रही. दोनों टीमें विश्व कप फाइनल में दूसरी बार आमने-सामने थीं. इससे पूर्व 2003 में भारत को ही फाइनल में हराकर ऑस्ट्रेलियाई टीम आईसीसी विश्व कप की विजेता बनी थी. आईसीसी विश्व कप क्रिकेट, 2023 के कतिपय स्मरणीय तथ्य निम्नवत् हैं :

- **आयोजन की अवधि**–5 अक्टूबर, 2023 से 19 नवम्बर, 2023 के दौरान
- **आयोजन स्थल**–भारत के 10 विभिन्न शहरों में–अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, मुम्बई व पुणे
- कुल 10 देशों की टीमों ने भाग लिया–भारत, न्यूजीलैण्ड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, श्रीलंका, द. अफ्रीका, नीदरलैण्ड्स, इंग्लैण्ड एवं अफगानिस्तान.
- 19 नवम्बर, 2023 को फाइनल– नरेन्द्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद
- **विजेता**–ऑस्ट्रेलिया

  उपविजेता–भारत
- **फाइनल में मैन ऑफ द मैच**–ट्रेविस हेड (ऑस्ट्रेलिया)
- ट्रेविस हेड ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वोच्च 137 रन की पारी खेली. फाइनल में एकमात्र शतक.
- **मैन ऑफ द सीरीज**–विराट कोहली (भारत)
- विराट कोहली ने पूरे टूर्नामेंट में 765 रन बनाए.
- विजेता ऑस्ट्रेलिया की टीम को पुरस्कार के रूप में 40 लाख डॉलर
- उपविजेता भारत की टीम को पुरस्कार के रूप में 20 लाख डॉलर.
- विश्व कप क्रिकेट–2023 में सबसे अधिक रन (765) भारत के विराट कोहली ने बनाए.
- सर्वाधिक 24 विकेट लेने के लिए पुरस्कार भारत के मोहम्मद शमी को प्रदान किया गया.
- सर्वाधिक शतक बनाने वाले खिलाड़ी–क्विंटन डिकॉक, दक्षिण अफ्रीका (4 शतक)

टेनिस की ग्रैण्ड स्लैम प्रतियोगिताएं–2024 और 2023 : एक दृष्टि में (विजेता/उपविजेता)

स्पर्द्धा	*ऑस्ट्रेलियाई ओपन–2024* (14-28 जनवरी, 2024; मेलबर्न)	*फ्रांसीसी ओपन–2024* (26 मई–9 जून, 2024; पेरिस)	*विम्बलडन–2024* (1–14 जुलाई, 2024; लंदन)	*अमेरिकी ओपन–2023* (28 अगस्त–10 सितम्बर, 2023; न्यूयॉर्क)
पुरुष एकल	*विजेता*–यानिक सिनर (इटली) *उपविजेता*–डेनिल मेदवेदेव (रूस)	*विजेता*–कार्लोस अल्कराज (स्पेन) *उपविजेता*–अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी)	*विजेता*–कार्लोस अल्कराज (स्पेन) *उपविजेता*–नोवाक जोकोविच (सर्बिया)	*विजेता*–नोवाक जोकोविच (सर्बिया) *उपविजेता*–डेनिल मेदवेदेव (रूस)
महिला एकल	*विजेता*–आर्यना सबालेंका (बेलारूस) *उपविजेता*–झेंग क्विनवेन (चीन)	*विजेता*–इगा स्वियाटेक (पोलैण्ड) *उपविजेता*–जासमीन पाओलिनी (इटली)	*विजेता*–बारबोरा क्रेजिसिकोवा (चैक गणराज्य) *उपविजेता*–जासमीन पाओलिनी (इटली)	*विजेता*–कोको गॉफ (अमेरिका) *उपविजेता*–आर्यना सबालेंका (बेलारूस)
पुरुष युगल	*विजेता*–रोहन बोपन्ना (भारत) व मैथ्यू एबडेन (ऑस्ट्रेलिया) *उपविजेता*–सिमोन बोलेली व एंड्रिया वावस्सोरी (दोनों इटली)	*विजेता*–मार्सेलो आरेवालो (एल सेल्वेडोर) व मेट पैविक (क्रोएशिया) *उपविजेता*–सिमोने बोलेलि व आंद्रिया वावासोरी (दोनों इटली)	*विजेता*–मैक्स पर्सेल और जॉर्डन थॉम्पसन (दोनों ऑस्ट्रेलियाई) *उपविजेता*–हैरी हेलोवारा (फिनलैण्ड) व हेनरी पैटन (ब्रिटेन)	*विजेता* –राजीव राम (अमेरिका) व जो सेलिसबरी (ब्रिटेन) *उपविजेता*–रोहन बोनप्पा (भारत) व मैथ्यू एबडेन (ऑस्ट्रेलिया)
महिला युगल	*विजेता*–हसीह सु-वेई (चीनी ताइपै) व एलिस मर्टेन्स (बेल्जियम) *उपविजेता*–ल्यूडमिला किचेनोक (यूक्रेन) व येलेना ओस्टापेंको (लाटविया)	*विजेता*–कोको गॉफ (अमेरिका) व कैटरीना सिनियाकोवा (चेक गणराज्य) *उपविजेता*–सारा इरानी व जासमीन पाओलिनी (दोनों इटली)	*विजेता*–टेलर टाउनसेंड (यूएसए) व कैट्रेनिया सिनियाकोवा (चेक गणराज्य) *उपविजेता*–गैब्रिएला डाब्रोव्स्की (कनाडा) व एरिन रूटलिफ (न्यूजीलैण्ड)	*विजेता*–गैब्रिएला डाब्रोव्स्की (कनाडा) व एरिन रूटलिफ (न्यूजीलैण्ड) *उपविजेता*–लॉरा सीगमुंड (जर्मनी) व वेरा ज्वोनारेवा (रूस)
मिश्रित युगल	*विजेता*–हसीह सु-वेई (चीनी ताइपै) व जॉन जीलिंस्की (पोलैण्ड) *उपविजेता*–डिजायरे क्रौजिक (अमेरिका) व नील स्कूप्स्की (ब्रिटेन)	*विजेता*–लॉरा सीगमुंड (जर्मनी) व एडुअर्ड रोजर वैसेलिन (फ्रांस) *उपविजेता*–डिजायरे क्रॉजिक (अमेरिका) व नील स्कूप्स्की (ब्रिटेन)	*विजेता*–सैंटियागो गोंजालेज व गिउलियाना ओल्मोस (दोनों मेक्सिको) *उपविजेता*–जान जिलिंस्की (पोलैण्ड) व हसीह सु-वेई (चीनी ताइपै)	*विजेता*–अन्ना डानिलिना (कजाखस्तान) व हैरी हैलियोवारा (फिनलैण्ड) *उपविजेता*–जेसिका पेगुला व ऑस्टिन क्राजिसेक (दोनों अमेरिका)

- सर्वाधिक अर्द्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी–विराट कोहली, भारत (9 अर्द्धशतक).
- सर्वाधिक चौके लगाने वाला खिलाड़ी–68, विराट कोहली (भारत)
- प्रतियोगिता में सर्वाधिक कैच लेने वाला खिलाड़ी–डेरिल मिशेल (11 कैच).
- **सर्वोच्च वैयक्तिक पारी–**ग्लेन मैक्सवेल (ऑस्ट्रेलिया) (201 रन अविजित पारी)
- **सर्वोच्च टीम स्कोर–**428/5 विकेट पर द. अफ्रीका (श्रीलंका के विरुद्ध)
- **न्यूनतम टीम स्कोर–**55 रन पर श्रीलंका ऑलआउट (भारत के विरुद्ध)

नई दिल्ली मैराथन–2024

25 फरवरी, 2024 को नई दिल्ली में 9वीं अपोलो टायर्स नई दिल्ली राष्ट्रीय मैराथन का आयोजन किया गया. इस मैराथन में पुरुष वर्ग के एशियाई मैराथन पूर्व विजेता में सेना के गोपी थोनाकल व महिला वर्ग में अश्विनी मदान जाधव विजेता रहे.

पुरुष वर्ग में गोपी थोनाकल ने 42·195 किमी की यह दूरी 2 घण्टे 14 मिनट 40 सेकण्ड में पूरी की. वर्ष 2017 में भी इस दौड़ में गोपी थोनाकल विजेता रहे थे. महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर रहीं अश्विनी मदान जाधव ने यह दौड़ जीतने में 2 घण्टे 52 मिनट व 25 सेकण्ड का समय लिया.

छठा खेलो इंडिया यूथ गेम्स–2023

19–31 जनवरी, 2024 के दौरान तमिलनाडु के 4 शहरों–चेन्नई, कोयम्बटूर, मदुरै व त्रिची में छठवें खेलो इंडिया यूथ गेम्स सम्पन्न हुए. 26 खेलों की स्पर्द्धाएं इस बार इन खेलों में शामिल थीं. 13 दिन तक चले इन खेलों में 57 स्वर्ण, 48 रजत व 53 कांस्य सहित सर्वाधिक 158 पदक जीतकर महाराष्ट्र ने इस बार भी पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया. यह चौथा अवसर है, जबकि महाराष्ट्र का पदक तालिका में शीर्ष स्थान रहा. 2019, 2020 व 2023 में क्रमशः दूसरे, तीसरे व पाँचवें खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भी महाराष्ट्र का पदक तालिका में शीर्ष स्थान रहा था. दूसरा स्थान मेजबान तमिलनाडु का रहा.

वीरा मंगई इन खेलों की शुभंकर (Mascot) थी. भारतीय रानी वेलु नचियार, जिन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध युद्ध छेड़ा था, को प्यार से वीरा मंगई कहा जाता है.

महिलाओं का दूसरा प्रीमियर लीग–2024

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के महिलाओं के दूसरे प्रीमियर लीग (WPL-Women's Premier League) टूर्नामेंट का आयोजन 23 फरवरी–17 मार्च, 2024 के दौरान हुआ. इसका खिताब दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में हराकर स्मृति मंधाना के नेतृत्व वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने जीता. महिला क्रिकेटरों के इस लीग में पिछली बार की तरह पाँच टीमें शामिल थीं.

इन टीमों के मध्य कुल 22 मैच 23 फरवरी-17 मार्च, 2024 के दौरान बेंगलुरु में एम. चेन्नास्वामी स्टेडियम व नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर खेले गए. प्ले ऑफ दौर के पश्चात् फाइनल में पहुँची दो टीमें दिल्ली कैपिटल्स व रॉयल चैलेंजर्स थीं. 17 मार्च, 2024 को अरुण जेटली स्टेडियम पर खेले गए फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इस दूसरे डब्ल्यूपीएल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया. इस खिताबी विजय के लिए ट्रॉफी के साथ ₹ 6 करोड़ का पुरस्कार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को मिले. वही उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स को ₹ 3 करोड़ प्राप्त हुए.

क्र.	टीम का नाम	कप्तान
1.	*रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु*	*स्मृति मंधाना (भारत)*
2.	*यूपी वारियर्स*	*एलीसा हीली (ऑस्ट्रेलिया)*
3.	*मुम्बई इंडियन्स*	*हरमनप्रीत कौर (भारत)*
4.	*गुजरात जायंट्स*	*बेथ मूनी (ऑस्ट्रेलिया)*
5.	*दिल्ली कैपिटल्स*	*मेग लेनिंग (ऑस्ट्रेलिया)*

- आरसीबी की सोफी मोलीनेक्स (Sophei Molineux) को फाइनल मैच में प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया.
- प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार यूपी वारियर्स की दीप्ति शर्मा को मिला.
- टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन (347 रन) बनाने के लिए ऑरेंज कैप आरसीबी की एलिस पैरी को मिली.
- टूर्नामेंट में सर्वाधिक 13 विकेट लेने के लिए पर्पल कैप आरसीबी की श्रेयंका पाटिल को मिली.
- **टूर्नामेंट में हैट्रिक्स–**1 (दीप्ति शर्मा (दिल्ली कैपिटल्स)
- **फेयर प्ले अवॉर्ड–**आरसीबी
- **शतकीय परियाँ–**कोई नहीं
- **सीरीज में सर्वाधिक छक्के–**20 छक्के (शेफाली वर्मा, दिल्ली कैपिटल्स)
- **व्यक्तिगत सर्वोच्च पारी–**95 रन (हरमनप्रीत कौर, मुम्बई इंडियन्स)
- **कैच ऑफ द सीरीज–**एम. सजाना (मुम्बई इंडियन्स; ₹ 5 लाख)

वर्ष 2023 में सम्पन्न महिलाओं के पहले प्रीमियर लीग : तथ्य एक दृष्टि में

- ***विजेता–**मुम्बई इंडियन्स*
- ***उपविजेता–**दिल्ली कैपिटल्स*
- ***टूर्नामेंट में हैट्रिक्स–**1 (इस्सी वोंग)*
- ***फेयर प्ले अवॉर्ड–**मुम्बई इंडियन्स व दिल्ली कैपिटल्स*
- ***शतकीय परियाँ–**कोई नहीं*
- ***किसी मैच में सर्वाधिक छक्के–**8 छक्के (सोफी डिवाइन, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)*
- ***सीरीज में सर्वाधिक छक्के–**13 छक्के (सोफी डिवाइन, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तथा शैफाली वर्मा, दिल्ली कैपिटल्स)*
- ***व्यक्तिगत सर्वोच्च पारी–**99 रन (सोफी डिवाइन, रॉयल चैलेंजर्स)*
- ***कैच ऑफ द सीरीज–**हरमनप्रीत कौर [मुम्बई इंडियन्स, देविका वैद्य (यूपी वारियर्स) को आउट करने के लिए लिया गया कैच]*

आईपीएल–XVII क्रिकेट प्रतियोगिता–2024

मई 2024 में ट्वेंटी-20 क्रिकेट का भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के इण्डियन प्रीमियर लीग (IPL) के 17वें संस्करण–आईपीएल–XVII क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच देश के विभिन्न शहरों में खेले गए. 26 मई, 2024 को चेन्नई के एम.ए. चिदम्बरम स्टेडियम पर टूर्नामेंट का फाइनल मैच श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) व पैट कमिंस के नेतृत्व वाली सनराइजर्स हैदराबाद के मध्य खेला गया. फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) टीम आईपीएल के 17वें सत्र की विजेता बनी. इस वर्ष आईपीएल में दो बार सर्वोच्च स्कोर बनाने वाली सनराइजर्स हैदराबाद टीम फाइनल मैच में 18·3 ओवर में 113 रन ही बना सकी, जिससे कुल 114 रन का लक्ष्य विजय के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स को मिला था. कोलकाता नाइट राइडर्स ने 63 गेंदों पर ही (10·3 ओवर) 2 विकेट खोकर यह लक्ष्य प्राप्त कर लिया. इस प्रकार 8 विकेट से सनराइजर्स हैदराबाद को फाइनल में हराकर कोलकाता नाइट राइडर्स ने तीसरी बार यह ट्रॉफी अपने नाम की. कोलकाता नाइट राइडर्स ने इससे पूर्व 2012 व 2014 में आईपीएल खिताब जीता था.

आईपीएल–XVII क्रिकेट टूर्नामेन्ट 2024 : प्रमुख रिकॉर्ड/पुरस्कार एक दृष्टि में

- ***विजेता***–*कोलकाता नाइट राइडर्स (कप्तान–श्रेयस अय्यर) (₹ 20 करोड़)*
- ***उपविजेता***–*सनराइजर्स हैदराबाद (कप्तान–पैट कमिंस, ऑस्ट्रेलिया) (₹ 12.50 करोड़)*
- ***प्लेयर ऑफ द सीरीज***–*सुनील नारायण (कोलकाता नाइट राइडर्स) (₹ 10.00 लाख)*
- ***सर्वाधिक रन बनाने के लिए ऑरेंज कैप***– *विराट कोहली (रॉयल चैलेंजर्स) (सर्वाधिक 741 रन) (₹ 10.00 लाख)*
- ***सर्वाधिक विकेट लेने के लिए पर्पल कैप***– *हर्षल पटेल (पंजाब किंग्स) (सर्वाधिक 24 विकेट) (₹ 10.00 लाख)*
- ***फेयर प्ले अवार्ड***–*सनराइजर्स हैदराबाद (₹ 10.00 लाख)*
- ***एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन***–*नीतीश कुमार (सनराइजर्स हैदराबाद) (₹ 10.00 लाख)*
- ***गेम चेंजर ऑफ द सीजन***–*सुनील नारायण (कोलकाता नाइट राइडर्स) (₹ 10.00 लाख)*
- ***आईपीएल 2024 में सर्वोच्च रन की व्यक्तिगत पारी***–*मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 124 रन, लखनऊ सुपरजॉयंट्स)*
- ***आईपीएल 2024 में सर्वाधिक छक्के***–*अभिषेक शर्मा (42 छक्के; सनराइजर्स हैदराबाद)*
- ***आईपीएल 2024 में सर्वाधिक चौके***–*ट्रैविस हैड (64 चौके; सनराइजर्स हैदराबाद)*
- ***सीजन में कुल शतक***–*12 (11 बल्लेबाजों द्वारा; जोस बटलर ने दो शतक बनाए)*
- ***सीजन में हैट्रिक***–*शून्य (आईपीएल के 17 आयोजनों में कुल 22 हैट्रिक्स)*

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप–2024 (11वीं)

17–25 मई, 2024 के दौरान जापान के कोबे (Kobe) में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स के तत्वावधान में 11वीं विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप, 2024 का आयोजन हुआ. भारत ने 40 एथलीट्स का दल विभिन्न स्पर्द्धाओं में भाग लेने के लिए भेजा था. 6 स्वर्ण, 5 रजत व 6 कांस्य पदक सहित कुल 17 पदक जीतकर भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इन खेलों में किया. इससे पूर्व भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वर्ष 2023 में पेरिस में सम्पन्न विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में था, जब भारत ने 3 स्वर्ण, 4 रजत व 3 कांस्य सहित कुल 10 पदक जीते थे. कोबे में सम्पन्न 11वें आयोजन में भारत के स्वर्ण पदक विजेताओं के विवरण इस प्रकार हैं :

- सचिन खिलारी (पुरुषों की शॉट पुट, एफ 46)
- सुमित अंतिल (पुरुषों की जेवलिन थ्रो, एफ 64)
- मरियप्पम थंगावेलु (पुरुषों की ऊँची कूद, टी 63)
- एकता मयान (महिलाओं की क्लब थ्रो, एफ 51)
- दीप्ति जीवानजी (महिलाओं की 400 मी. दौड़, टी–20)
- सिमरन शर्मा (महिलाओं की 200 मी दौड़ टी–12)

ट्वेंटी-20 क्रिकेट का पुरुषों का नौवाँ विश्व कप–2024

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) के ट्वेंटी-20 क्रिकेट के पुरुषों के नौवें विश्व कप का आयोजन अमेरिका व वेस्टइंडीज की मेजबानी में 2–29 जून, 2024 के दौरान हुआ. ट्वेंटी-20 क्रिकेट के पुरुषों के नौवें विश्व कप के फाइनल में भारत ने द. अफ्रीका को 7 रन से पराजित कर दूसरी बार टी-20 विश्व कप का खिताब जीता. इस विजय के लिए भारत को 17 वर्ष प्रतीक्षा करनी पड़ी. वर्ष 2007 में भारत ने पहला टी-20 विश्व कप पाकिस्तान को हराकर जीता था. भारत ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारा. टी-20 विश्व कप के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ. टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 176 रन बनाए. जवाब में जीत के लिए आवश्यक 177 रनों का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 169 रन ही बना सकी. फाइनल में जीत के हीरो विराट कोहली, हार्दिक पांड्या और अविश्वसनीय कैच पकड़ने वाले सूर्यकुमार यादव रहे. फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' विराट कोहली को चुना गया. इस टी-20 विश्व कप में भारत के जसप्रीत बुमराह 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुने गए. फाइनल में स्मार्ट कैच ऑफ द मैच का पुरस्कार सूर्यकुमार यादव को मिला. इस खिताबी विजय के लिए 2·45 मिलियन डॉलर की राशि विजेता टीम भारत को प्रदान की गई. उपविजेता (द. अफ्रीका) टीम को 1·28 मिलियन डॉलर मिले.

- भारत के विराट कोहली तथा रोहित शर्मा ने टी-20 विश्व कप की ट्रॉफी उठाने के साथ ही 29 जून, 2024 को क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया. तत्पश्चात् ऑलराउण्डर रविन्द्र जडेजा ने भी इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की.
- नौवें टी-20 विश्व कप में कुल 20 टीमें शामिल थीं.
- यह दूसरा मौका रहा जब एक टी-20 विश्व कप में तीन हैट्रिक लगीं. इससे पूर्व ऐसा वर्ष 2021 में हुआ था.
- नौवें टी-20 विश्व कप की सबसे बड़ी जीत 134 रन से वेस्टइंडीज ने युगांडा पर दर्ज की.
- आठवें टी-20 विश्व कप का विजेता इंग्लैण्ड तथा उपविजेता पाकिस्तान था.

विविध तथ्य/रिकॉर्ड

अन्तर्राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज गति से शतक

एस्टोनिया के बल्लेबाज साहिल चौहान ने 17 जून, 2024 को एपिस्कोपी (Episkopi) में साइप्रस के विरुद्ध एक टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैच में 27 गेंदों पर ही शतक बनाकर नया रिकॉर्ड बनाया इस मामले में नामीबिया के जैन निकोल का चार माह पूर्व ही बना (33 गेंदों पर शतक) का रिकॉर्ड साहिल चौहान ने भंग किया. **टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट** में सबसे कम गेंदों पर बने 6 शतकों की सूची निम्नलिखित है–

बल्लेबाज (देश)	बनाम	गेंद	वर्ष
साहिल चौहान (एस्टोनिया)	साइप्रस	27	2024
जैन निकोल (नामीबिया)	नेपाल	33	2024
कुशल मल्ला (नेपाल)	मंगोलिया	34	2023
डेविड मिलर (द. अफ्रीका)	बांग्लादेश	35	2017
रोहित शर्मा (भारत)	श्रीलंका	35	2017
सुदेश विक्रमसेकरा (चेक रिपब्लिक)	तुर्किये	35	2019

अन्तर्राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में केवल 9 गेंदों पर अर्द्धशतक

अन्तर्राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज गति से अर्द्धशतक बनाने का नया रिकॉर्ड नेपाल के दीपेन्द्र सिंह ऐरी ने हांगझोऊ में 19वें

एशियाई खेलों में मंगोलिया के विरुद्ध खेलते हुए 27 सितम्बर, 2023 को स्थापित किया. इस मैच में केवल 9 गेंदों पर अर्द्धशतक बनाकर भारत के युवराज सिंह द्वारा 19 सितम्बर, 2007 को इंग्लैण्ड के विरुद्ध खेलते हुए स्थापित 12 गेंदों पर अर्द्धशतक के रिकॉर्ड को भंग किया.

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में प्रथम बार टाइम आउट

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट के 146 वर्षों के इतिहास में पहली बार 6 नवम्बर, 2023 को नई दिल्ली में बांग्लादेश व श्रीलंका के मध्य खेले गए विश्व कप 2023 के मैच में श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज एंजेला मैथ्यूज (Angelo Mathews) को 'टाइम आउट' करार दिया गया. आईसीसी के नियमों के तहत् विश्व कप के किसी मैच में किसी बल्लेबाज के आउट अथवा रिटायर होने पर अगला बल्लेबाज यदि 2 मिनट के भीतर क्रीज पर अगली बॉल खेलने के लिए यदि तैयार नहीं होता, तो वह टाइम आउट के दायरे में आ जाता है तथा एक ही बॉल पर दो बल्लेबाजों को आउट माना जाता है.

विराट कोहली : एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक का विश्व रिकॉर्ड

15 नवम्बर, 2023 को मुम्बई के वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली ने आईसीसी विश्व कप 2023 में न्यजीलैण्ड के विरुद्ध खेले गए सेमी-फाइनल मैच में शतक बनाकर इतिहास रचा. एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनका यह 50वाँ शतक था. इसके साथ ही एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक 49 शतकों का सचिन तेंदुलकर का विश्व रिकॉर्ड उन्होंने भंग किया. विश्व कप का यह सेमीफाइनल मैच भारत ने 70 रन से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया था.

भारत की शेफाली वर्मा ने महिला टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास, सबसे तेज दोहरा शतक

शेफाली वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए टेस्ट इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक लगाया है. उन्होंने अपने कॅरियर के इस पहले दोहरे शतक को 194 गेंद में पूरा किया और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैण्ड का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने इसी वर्ष दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 248 गेंद पर दोहरा शतक लगाया था. गौरतलब है कि मिताली राज के बाद शेफाली टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली भारत की दूसरी बल्लेबाज बनीं है. शेफाली ने अपनी पारी के दौरान कुल 8 छक्के लगाए और टेस्ट इतिहास में एक पारी के दौरान सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी बनाया है.

फीफा रैंकिंग
(18 जुलाई, 2024 की स्थिति)

जुलाई 2024 के अंत में फीफा (FIFA) की रैंकिंग में पहले 10 स्थानों पर रहे पुरुष टीमों के नाम निम्नवत् हैं—

रैंक	पुरुष
1	*अर्जेन्टीना*
2	*फ्रांस*
3	*स्पेन*
4	*इंग्लैण्ड*
5	*ब्राजील*
6	*बेल्जियम*
7	*नीदरलैण्ड*
8	*पुर्तगाल*
9	*कोलम्बिया*
10	*इटली*

जुलाई 2024 के अन्त में भारत की पुरुषों की फुटबॉल टीम की रैंक 124 है.

दीपेन्द्र सिंह : टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में 6 छक्के लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज

नेपाल के 24 वर्षीय बल्लेबाज दीपेन्द्र सिंह ऐरी ने 13 अप्रैल, 2024 को अलमेरात में पुरुषों के 'एसीसी प्रीमियर कप टी-20 टूर्नामेंट' में कतर के विरुद्ध एक मैच में कमरान खान के एक ओवर में 6 गेदों पर 6 छक्के लगाए. इसके साथ ही वह टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में 6 छक्के लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज हो गए हैं.

टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में यह उपलब्धि सर्वप्रथम भारत के युवराज सिंह ने 2007 में टी-20 विश्व कप के एक मैच में इंग्लैण्ड के विरुद्ध खेलते हुए स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में प्राप्त की थी, जबकि वेस्टइंडीज के पोलार्ड ने 2021 में श्रीलंका के विरुद्ध खेलते हुए अकिला धनंजय के ओवर में प्राप्त की थी.

एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में 6 छक्के लगाने का श्रेय द. अफ्रीका के हर्शल गिब्स व अमेरिका के जसकरन को प्राप्त है.

वैशाली रमेश बाबू व पी. श्याम निखिल : भारत के 84वें व 85वें ग्रांड मास्टर

अप्रैल-मई, 2024 में तमिलनाडु की 22 वर्षीय वैशाली रमेश बाबू व 31 वर्षीय पी. श्याम निखिल ने शतरंज में ग्रांड मास्टर (GM) का दर्जा प्राप्त किया. वह भारत के क्रमशः 84वें व 85वें ग्रांड मास्टर (GM) हैं.

वैशाली रमेश बाबू ने इस खिताब के लिए आवश्यक तीन ग्रांड मास्टर नॉर्म (GM Norm) प्राप्त करने के पश्चात् 2500 की आवश्यक ईएलओ रेटिंग दिसम्बर, 2023 में स्पेन में एल लोब्रेगेट ओपन में ही प्राप्त कर ली थी. उनके लिए ग्रांड मास्टर खिताब की औपचरिक पुष्टि फिडे ने 30 अप्रैल, 2024 को की. वह भारत की 84वीं ग्रांड मास्टर हैं.

भारत के 85वें ग्रांड मास्टर पी. श्याम निखिल ने दो ग्रांड मास्टर नॉर्म तथा 2500 ईएलओ रेटिंग वर्ष 2012 में ही प्राप्त कर ली थी तथा ग्रांड मास्टर दर्जे के लिए एक ग्रांड मास्टर नॉर्म की ही उन्हें आवश्यकता थी, जो मई 2024 में दुबई में पुलिस मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में उन्होंने हासिल की. इसके पश्चात् ही वह भारत के 85वें ग्रांड मास्टर बने.

वैशाली रमेश बाबू जीएम प्रगनानंद रमेश बाबू की बड़ी बहन हैं. आर. प्रगनानंद ने 2018 में 12 वर्ष 10 माह की उम्र में ही ग्रांड मास्टर खिताब हासिल कर भारत में दूसरे सबसे कम उम्र में यह खिताब हासिल करने का श्रेय प्राप्त किया था. इस प्रकार शतरंज में ग्रांड मास्टर खिताब जीतने वाली भाई-बहन की पहली जोड़ी है.

विग्नेश एन. आर. व विसाख एन. आर. की जोड़ी भारत की पहली दो ग्रांड मास्टर भाइयों की जोड़ी है.

आभा खाटुआ : महिलाओं की शॉट पुट में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

13 मई, 2024 को भुवनेश्वर में 27वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप एथलेटिक्स में महाराष्ट्र की 28 वर्षीय आभा खाटुआ ने महिलाओं की शॉट पुट में 18·41 मीटर तक गोला फेंक कर इस स्पर्द्धा में मनप्रीत कौर के साथ ही अपना ही 18·06 मीटर का जून, 2022 का रिकॉर्ड भंग किया. नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के बावजूद आभा खाटुआ पेरिस ओलम्पिक के लिए अर्हता प्राप्त नहीं कर सकीं.

के. एम. दीक्षा : महिलाओं की 1500 मी. दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

12 मई, 2024 को लॉस एंजेल्स में एक रेस में उत्तर प्रदेश की एथलीट के. एम. दीक्षा ने 1500 मी. दौड़ 4 मिनट 4·78 सेकण्ड में पूरी करके इस स्पर्द्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया. दीक्षा ने इस स्पर्द्धा में हरमिलन बेस द्वारा 2021 में राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स में बनाया गया 4 मिनट 5·39 सेकण्ड का रिकॉर्ड ध्वस्त किया.

आगामी खेलों की गतिविधियाँ

- *फीफा विश्व कप फुटबॉल*
  - *23वाँ–2026 में संयुक्त अरब अमीरात, कनाडा व मैक्सिको में*
- *ओलम्पिक खेल*
  - *33वाँ ओलम्पिक खेल वर्ष 2024 में पेरिस, फ्रांस में 26 जुलाई, 2024 से प्रारम्भ*
  - *34वाँ ओलम्पिक खेल वर्ष 2028 में लॉस एंजेल्स, अमेरिका में.*
- *शीतकालीन ओलम्पिक खेल*
  - *25वें शीतकालीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन 2026 में मिलान व कोर्टिना में*
- *शीतकालीन पैरालिम्पिक खेल*
  - *14वें शीतकालीन पैरालिम्पिक खेलों का आयोजन 6-15 मार्च, 2026 के दौरान मिलान व कोर्टिना में.*
- *महिलाओं का अंडर-19 टी-20 विश्व कप*
  - *दूसरा आयोजन : 2025 में मलेशिया व थाइलैण्ड की संयुक्त मेजबानी में.*
- *38वाँ राष्ट्रीय खेल*
  - *2024–उत्तराखण्ड में प्रस्तावित*
- *एशियाई खेल*
  - *20वाँ एशियाई खेल, 2026–जापान के आयची (Aichi) व नगोया (Nagoya) में.*

टेनिस खिलाड़ियों की वर्षांत रैंकिंग
(जुलाई 2024 की स्थिति के अनुसार)

पुरुष टेनिस खिलाड़ियों की वर्षांत एटीपी रैंकिंग–(जुलाई 2024)

रैंक	खिलाड़ी	देश	अंक
1	जेनिक सिनर (Jannik Sinner)	इटली	9570
2	नोवाक जोकोविच (Novak Djokovic)	सर्बिया	8460
3	कार्लोस अल्कराज (Carlos Alcaraz)	स्पेन	8130
4	एलेक्जेंडर जेरेव (Alexander Zverev)	जर्मनी	7295
5	डेनिल मेदवेदेव (Denill Medvedev)	रूस	6525
6	एलेक्स डी मिनाउर (A. de. Minaur)	ऑस्ट्रेलिया	4185
7	हुबर्ट हरकाक्ज (Hubert Hurkacz)	पोलैण्ड	4105
8	सी. रूड (C. Rudd)	नॉर्वे	3925
9	आंद्रे रूबलेव (Andrey Rublev)	रूस	3830
10	जी. दिमित्रोव (G. Dimitrov)	बुल्गारिया	3770

- सर्बिया के नोवाक जोकोविच (Novak Djokovic) वर्ष 2023 की अन्तिम सूची में रिकॉर्ड आठवीं बार पुरुषों की वर्षांत रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे हैं.
- अमेरिका के पीट सम्प्रास (Pete Sampras) 1993 से 1998 तक लगातार छह वर्षों तक वर्षांत रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे थे.
- राफेल नडाल पाँच बार (2008, 2010, 2013, 2017 व 2019) वर्षांत में नम्बर एक खिलाड़ी रहे हैं.

महिला खिलाड़ियों की डब्ल्यूटीए रैंकिंग–(जुलाई 2024)

रैंक	खिलाड़ी	देश	अंक
1	इगा स्वियाटेक (Iga Swiatek)	पोलैण्ड	11285
2	कोको गॉफ (Coco Gauff)	अमेरिका	8173
3	आर्यना सबालेंका (Aryna Sabalenka)	रूस	7061
4	एलेना रिबाकिना (Elena Rybakina)	कजाखस्तान	6376
5	जैस्मीन पाओलिनी (J. Poalini)	इटली	5373
6	जेसिका पेगुला (Jessica Pegula)	अमेरिका	4665
7	झेंग किनवेन (Q. Zheng)	चीन	4025
8	मारिया सक्कारी (Mariya Sakkari)	ग्रीस	3925
9	डी. कोलिन्स (D. Collins)	अमेरिका	3702
10	बारबोरा क्रेजिसिकोवा (Barbora Krejcikova)	चेक गणराज्य	3573

बहुचर्चित खिलाड़ी/अधिकारी

स्मृति मंधाना–भारत की महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना को अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) ने जून, 2024 के लिए महिला क्रिकेटरों में 'प्लेयर ऑफ द मंथ' घोषित किया. आईसीसी का यह सम्मान पाने वाली वह भारत की तीसरी महिला क्रिकेटर हैं. उनसे पूर्व भारत की दीप्ति शर्मा (दिसम्बर 2023) व हरमनप्रीत कौर को यह सम्मान सितम्बर, 2022 के लिए प्राप्त हुआ था.

अमोल मजूमदार–अक्टूबर, 2023 में मुम्बई टीम के पूर्व कप्तान व घरेलू क्रिकेट में धुरंधर रहे अमोल मजूमदार को भारत की महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच 'भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड' (BCCI) ने नियुक्त किया. इस पद पर रमेश पवार का स्थान उन्होंने लिया है, जिन्हें लगभग 10 माह पूर्व राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (बेंगलुरु) में स्थानान्तरित किया गया था.

पंकज आडवाणी–भारत के पंकज आडवाणी इंटरनेशनल बिलियर्ड्स व स्नूकर फेडरेशन के दोहा में नवम्बर, 2023 में सम्पन्न बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप में दो प्रारूपों में विश्व खिताब जीतने में सफल रहे. 21 नवम्बर, 2023 को अपने ही देश के सौरव कोठारी को फाइनल में हराकर विश्व बिलियर्ड्स लॉन्ग फॉर्मेट खिताब जहाँ उन्होंने अपने नाम किया, वहीं 24 नवम्बर, 2023 को सौरव कोठारी को ही फाइनल में हराकर पॉइंट फॉर्मेट चैम्पियनशिप जीतने में सफलता भी उन्होंने प्राप्त की. बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप में उनका यह क्रमशः 26वाँ व 27वाँ विश्व खिताब था.

नितिन मेनन–भारत के नितिन मेनन को लगातार 5वें वर्ष (2024-25 सत्र के लिए) अम्पायरों के 12 सदस्यीय एलीट पैनल में शामिल किया गया है. आईसीसी एलीट पैनल में वह एकमात्र भारतीय हैं. उन्हें पहली बार 2020 में एलीट पैनल में शामिल किया गया था तथा तब से वह 21 टेस्ट मैचों के अतिरिक्त 58 ओडीआई मैचों में व 41 टी-20 अन्तर्राष्ट्रीय मैचों में फील्ड अम्पायरिंग कर चुके हैं.

उल्लेखनीय है कि नितिन मेनन से पूर्व केवल 2 अन्य भारतीय श्रीनिवास वेंकट राघवन तथा सुदर्शन रवि ही अम्पायरों के आईसीसी एलीट पैनल में रह चुके हैं. श्रीनिवास वेंकट राघवन को 2002-04 के दौरान तथा सुदर्शन रवि को 2010-11 के दौरान यह श्रेय प्राप्त हुआ था.

हरेन्द्र सिंह–पूर्व वर्षों में भी भारत की पुरुषों व महिलाओं की हॉकी टीम के कोच रह

डायना एडुल्जी, वीरेन्द्र सहवाग व अरविंद डीसिल्वा आईसीसी के 'हॉल ऑफ फेम' (Hall of Fame) में शामिल

नवम्बर, 2023 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान डायना एडुल्जी (Diana Edulji), बीते वर्षों के आक्रामक भारतीय बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग व श्रीलंका के अरविंद डीसिल्वा को आईसीसी के 'क्रिकेट हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया. इन तीन क्रिकेटरों को आईसीसी के क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल होने के बाद सूची में शामिल क्रिकेटरों की कुल संख्या अब 112 हो गई है. इस सूची में भारत के क्रिकेटरों की संख्या अब 9 हो गई है. हॉल ऑफ फेम में शामिल भारत के 9 क्रिकेटर हैं–कपिल देव, सुनील गावस्कर व बिशन सिंह बेदी (2009), अनिल कुम्बले (2015), राहुल द्रविड़ (2018), सचिन तेंदुलकर (2019), वीनू माकंड (2021), डायना एडुल्जी (2023) व वीरेन्द्र सहवाग (2023).

वर्ष 2024 में पद्म अलंकरणों से सम्मानित किए गए 7 खिलाड़ी

जनवरी, 2024 में 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जिन हस्तियों को पद्म अलंकरणों से सम्मानित करने की घोषणा की गई, उनमें विभिन्न खेलों से सम्बद्ध 7 खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया. वर्ष 2023 में 3 खिलाड़ियों व वर्ष 2022 में 9 खिलाड़ियों को पद्म अलंकरणों से सम्मानित किया गया था.

पद्मश्री

- ☞ रोहन बोपन्ना (टेनिस)
- ☞ जोशना चिनप्पा (स्क्वैश)
- ☞ उदय विश्वनाथ देशपांडे (मलखम कोच)
- ☞ गौरव खन्ना (पैरा बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच)
- ☞ सतेन्द्र सिंह लोहिया (पैरा तैराक)
- ☞ पूर्णिमा महतो (तीरंदाजी)
- ☞ हरबिंदर सिंह (हॉकी कोच)

चुके द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता हरेन्द्र सिंह को भारत की महिलाओं की सीनियर राष्ट्रीय हॉकी टीम का प्रधान कोच नियुक्त किया गया है. इस पद पर डच कोच जेनेके शोपमैन का स्थान हरेन्द्र सिंह ने लिया है. पेरिस ओलम्पिक्स के लिए क्वालीफाई करने में भारत की महिला हॉकी टीम के विफल रहने पर डच कोच शोपमैन ने त्यागपत्र दे दिया था.

रोहन बोपन्ना–भारत के स्टार टेनिस युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने 44 वर्ष की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन के साथ मिलकर एक और उपलब्धि 30 मार्च, 2024 को उस समय प्राप्त की जब अमेरिका के फ्लोरिडा में मियामी ओपन टूर्नामेंट में पुरुषों का युगल खिताब अपने नाम किया. इस खिताब के लिए क्रोएशिया के इवान डोडिग व अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिसेक को फाइनल मुकाबले में पराजित किया. इसके साथ ही एटीपी मास्टर्स युगल खिताब जीतने वाले सर्वाधिक उम्रदराज खिलाड़ी होने का अपनी ही रिकॉर्ड एक बार पुनः दोहराया.

स्कॉट फ्लेमिंग (Scott Flemming)–मई 2024 में 'बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया' (BFI) ने अमेरिका के स्कॉट फ्लेमिंग को भारत की पुरुषों की बास्केटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया. यह दूसरा अवसर है जब उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है. इससे पूर्व 2012-15 के दौरान वह भारतीय टीम के कोच रहे थे.

दीपा करमाकर–26 मई, 2024 को ताशकंद में सीनियर एशियाई जिमनास्टिक चैम्पियनशिप में महिलाओं की वाल्ट (Vault) स्पर्द्धा में शीर्ष भारतीय जिमनास्ट दीपा करमाकर ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा. सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली वह पहली भारतीय जिमनास्ट हैं. 2016 में रियो ओलम्पिक में वाल्ट स्पर्द्धा में चौथे स्थान पर रहीं त्रिपुरा की 30 वर्षीय जिम्नास्ट दीपा करमाकर ने 2018 में तुर्किये में मेर्सिन में विश्व कप में इसी स्पर्द्धा में स्वर्ण पदक जीता था. दीपा करमाकर को 2015 में अर्जुन पुरस्कार से, 2016 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से तथा 2017 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था.

विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं : परिणाम एक दृष्टि में (राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय)

एथलेटिक्स (Athletics)

49वीं बर्लिन मैराथन (24 सितम्बर, 2023;बर्लिन, जर्मनी)

पुरुष वर्ग

विजेता–इलियुड किपचोगे (कीनिया)

(2 घण्टे : 02 मिनट : 42 सेकण्ड; पाँचवीं बार विजेता)

महिला वर्ग

विजेता–टिगिस्ट असीफा (कीनिया)

(2 : 11 : 53; नया विश्व रिकॉर्ड)

☞ पाँचवीं बार विजेता

शिकागो मैराथन, 2023 (8 अक्टूबर, 2023; शिकागो)

पुरुष वर्ग

विजेता–केल्विन किप्टम (कीनिया)

(2 घण्टे : 00 मिनट : 35 सेकण्ड; नया विश्व रिकॉर्ड)

महिला वर्ग

विजेता–सिफान हसन (नीदरलैण्ड्स)

(2 : 13 : 44)

18वीं दिल्ली अर्द्ध मैराथन, 2023 (15 अक्टूबर, 2023; नई दिल्ली)

पुरुष वर्ग

विजेता–डेनियल एबेन्यो (कीनिया)

(00 घण्टे : 59 मिनट : 27 सेकण्ड)

उपविजेता–चालेस मटाटा (कीनिया)

(01 घण्टे : 00 मिनट : 05 सेकण्ड)

महिला वर्ग

विजेता–अलमाज अयाना (इथियोपिया)

(1 : 07 : 58)

उपविजेता–स्टेला चेसांग (युगांडा)

(01 घण्टे : 08 मिनट : 28 सेकण्ड)

☞ भारतीय धावकों में 2018 के विजेता अभिषेक पाल पुरुषों में व कविता यादव महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ रहे.

38वीं अखिल भारतीय इंदिरा मैराथन, 2023 : परिणाम एक दृष्टि में (19 नवम्बर, 2023; प्रयागराज)

क्र.	पुरुष वर्ग	महिला वर्ग
प्रथम	**जसवंत सिंह बघेल** (सेना) {2 : 21 : 50} ☞ सेना में सूबेदार	**रीनू** (सीआईएसएफ) {2 : 58 : 16}
द्वितीय	**बुगाधा श्रीनू** (सेना)	**नूतन** (दिल्ली)
तृतीय	**अनिल कुमार** (प्रयागराज)	**शिप्रा कुमारी** (प्रयागराज)

62वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैम्पियन, 2023
(11–15 अक्टूबर, 2023; बेंगलुरु)

टीम खिताब

पुरुष वर्ग—सेना

महिला वर्ग—रेलवे

सर्वश्रेष्ठ एथलीट

पुरुष वर्ग—मनु डीपी (सेना)

महिला वर्ग—यमुना लदकत (महाराष्ट्र)

टाटा मुम्बई मैराथन–2024 (19वीं)
(21 जनवरी, 2024; मुम्बई)

तृतीय स्थान—शूरा कितता (इथियोपिया)

(2 घण्टे : 10 मिनट : 21 सेकण्ड)

महिला वर्ग

विजेता—हेलन ओबीरी (Hellen Obiri) (कीनिया) (2 : 27 : 23)

उपविजेता—लेटेसेनबेट गिडी (इथियोपिया)

(2 घण्टे : 27 मिनट : 29 सेकण्ड)

तृतीय स्थान—शेरॉन लोकेडी (Sharon Lokedi) (कीनिया)

(2 घण्टे : 27 मिनट : 33 सेकण्ड)

टाटा मुम्बई मैराथन, 2024 : परिणाम एक दृष्टि में

पूर्ण मैराथन (42.195 किमी)

क्र.	पुरुष वर्ग	महिला वर्ग
प्रथम	**हायले लेमी बेरहानू** (इथियोपिया) {2 : 7 : 50} ☞ नया कोर्स रिकॉर्ड	**अबराश मिनसेवो** (इथियोपिया) {2 : 26 : 06}
द्वितीय	**हायमानेट एल्यू** (इथियोपिया) {2 : 9 : 03}	**मुलुहाब्ट त्सेगा** (इथियोपिया) {2 : 26 : 51}
तृतीय	**मिटकू टाफा** (इथियोपिया) {2 : 9 : 58}	**मेधिन बेजेन** (इथियोपिया) {2 : 27 : 34}

दौड़ में शामिल भारतीय धावकों में 2020 में विजेता रहे सिनू बुगाधा (Srinu Bugatha) पुरुषों में सर्वश्रेष्ठ रहे. इन्होंने 2 घण्टे 17 मिनट 29 सेकण्ड का समय रेस पूरी करने में लिया.

दौड़ में शामिल भारतीय महिलाओं में निरमा बेन थाकोर भरतजी सर्वश्रेष्ठ रहीं. इन्होंने 2 घण्टे 47 मिनट 11 सेकण्ड समय के साथ यह दौड़ पूरी की.

बोस्टन मैराथन 2024 (128वीं)
(15 अप्रैल, 2024; बोस्टन, अमेरिका)

पुरुष वर्ग

विजेता—तमिरात तोला अबेरा (Tamirat Tola Abera) (इथियोपिया)

क्रिकेट (Cricket)

भारत-वेस्टइंडीज शृंखला
(जुलाई 2023; वेस्टइंडीज)

☞ दो टेस्ट मैचों की शृंखला

विजेता—भारत (1-0)

इंग्लैण्ड-ऑस्ट्रेलिया महिला एशेज शृंखलाएं
(जून-जुलाई 2023; इंग्लैण्ड)

☞ 1 टेस्ट मैच, 3 एकदिवसीय व 3 टी-20 मैचों की एशेज शृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने

बोस्टन मैराथन, 2024 : परिणाम एक दृष्टि में

पूर्ण मैराथन (42·195 किमी)

क्र.	पुरुष वर्ग	महिला वर्ग
प्रथम	**सियास लेम्मा** (इथियोपिया) {2 : 06 : 17}	**हेलेन ओबीरी** (कीनिया) {2 : 22 : 37} गत वर्ष भी विजेता
द्वितीय	**मोहम्मद इसा** (इथियोपिया) {2 : 06 : 58}	**शेरॉन लोकेडी** (कीनिया) {2 : 22 : 45}
तृतीय	**इवांस चेबेट** (केन्या) {2 : 07 : 22}	**एडना किप्लागेट** (कीनिया) {2 : 23 : 21}

न्यूयॉर्क सिटी मैराथन (52वीं)
(5 नवम्बर, 2023; न्यूयॉर्क सिटी, अमेरिका)

पुरुष वर्ग

विजेता—तमिरात तोला अबेरा (Tamirat Tola Abera) (इथियोपिया)

(2 घण्टे : 04 मिनट : 58 सेकण्ड)

उपविजेता—एलबर्ट कोरिर (कीनिया)

(2 घण्टे : 06 मिनट : 57 सेकण्ड)

इंग्लैण्ड का दौरा जून–जुलाई, 2023 में किया था.

☞ इस शृंखला में खेला गया एकमात्र टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया ने 89 रनों से जीता.

☞ 3 ट्वेंटी-20 मैचों का पहला मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीता, किन्तु अन्तिम दोनों मैच जीतकर इंग्लैण्ड ने यह शृंखला 2-1 से अपने नाम की.

☞ 3 ओडीआई मैचों की शृंखला का दूसरा मैच ही ऑस्ट्रेलिया ने जीता. पहला व तीसरा मैच जीतकर इंग्लैण्ड ने यह शृंखला 2–1 से जीती.

दलीप ट्रॉफी, 2021–22
(18 जून–16 जुलाई, 2023)

विजेता—दक्षिणी क्षेत्र (14वीं बार)

उपविजेता—पश्चिमी क्षेत्र

ऑस्ट्रेलिया-दक्षिण अफ्रीका शृंखलाएं
(अगस्त-सितम्बर, 2023; दक्षिण अफ्रीका)

☞ 5 एकदिवसीय मैचों की शृंखला

विजेता—दक्षिण अफ्रीका (3-2)

☞ 3 टी-20 मैचों की शृंखला

विजेता—ऑस्ट्रेलिया (3–0)

16वाँ एशिया कप क्रिकेट–2023
(30 अगस्त–17 सितम्बर, 2023; पाकिस्तान, श्रीलंका)

विजेता—भारत (8वीं बार)

उपविजेता—श्रीलंका (गत विजेता)

भारत-ऑस्ट्रेलिया 3 एकदिवसीय मैचों की शृंखला
(सितम्बर 2023; भारत)

विजेता—भारत (2-1)

16वीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी
(6 नवम्बर, 2023; भारत के विभिन्न शहरों में)

विजेता—पंजाब

उपविजेता—बड़ौदा

भारत-ऑस्ट्रेलिया महिला शृंखला (2023-24)
(दिसम्बर, 2023–जनवरी, 2024; भारत)

☞ तीन एकदिवसीय मैचों की शृंखला (वानखेड़े स्टेडियम)

विजेता—ऑस्ट्रेलिया (3–0)

☞ तीन ट्वेंटी-20 मैचों की (डी. वाई. पाटिल स्टेडियम)

विजेता—ऑस्ट्रेलिया (2–1)

☞ टेस्ट मैच शृंखला (वानखेड़े स्टेडियम)

विजेता—भारत (8 विकेट से)

☞ यह महिला टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध भारत की पहली टेस्ट विजय थी.

☞ इन तीनों ही शृंखलाओं में भारतीय टीम का नेतृत्व हरमनप्रीत कौर ने किया.

भारत-द. अफ्रीका शृंखला (2023-24)
(दिसम्बर 2023–जनवरी 2024; दक्षिण अफ्रीका)

☞ तीन एकदिवसीय मैचों की शृंखला

विजेता—भारत (2–1)

☞ तीन ट्वेंटी-20 मैचों की शृंखला

परिणाम—1–1 से बराबर

☞ 2 टेस्ट मैचों की शृंखला (नेल्सन मंडेला ट्रॉफी)

परिणाम—1-1 से बराबर

महिलाओं की दूसरी प्रीमियर लीग (2024)

(23 फरवरी–17 मार्च, 2023; बेंगलुरु व नई दिल्ली)

विजेता–रॉयल चैलेंजर्स, बेंगलुरु

उपविजेता–दिल्ली कैपिटल्स

अण्डर-19 आईसीसी विश्व कप (2024) (15वाँ)

(19 जनवरी–11 फरवरी, 2024; दक्षिण अफ्रीका)

विजेता–ऑस्ट्रेलिया (79 रन)

उपविजेता–भारत

- भारत ने सर्वाधिक 5 बार सीमित ओवरों (50–50 ओवरों) का यह टूर्नामेंट जीता है.
- 2–2 वर्ष के अन्तराल पर होने वाले इस टूर्नामेंट का आगामी आयोजन जिम्बाब्वे व नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में 2026 में होगा.

89वीं रणजी ट्राफी (2023-24)

(5 जनवरी, 2024–14 मार्च, 2024; फाइनल–वानखेड़े स्टेडियम, मुम्बई)

विजेता–मुम्बई (42वीं बार)

उपविजेता–विदर्भ टीम

- मुम्बई ने 42वीं बार यह टूर्नामेंट जीतने में सफलता प्राप्त की है.
- मुम्बई टीम के मुशीर खान को फाइनल मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (Player of the Match) घोषित किया गया.
- टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मुम्बई के ही तनुष कोटियान को मिला.
- टूर्नामेंट में सर्वाधिक 902 रन आन्ध्र प्रदेश के रिकी भुई ने बनाए.

बांग्लादेश-श्रीलंका शृंखलाएं

(मार्च-अप्रैल, 2024; बांग्लादेश)

- **2 टेस्ट मैचों की शृंखला**

विजेता–श्रीलंका (2–0)

- **3 एकदिवसीय मैचों की शृंखला**

विजेता–बांग्लादेश (2–1)

- **3 टी-20 मैचों की शृंखला**

विजेता–बांग्लादेश (2–1)

बांग्लादेश-जिम्बाब्वे टी-20 शृंखला

(मई 2024; बांग्लादेश)

- **5 टी-20 मैचों की शृंखला**

विजेता–बांग्लादेश (4–1)

भारत-बांग्लादेश महिला टी-20 शृंखला

(मई, 2024; बांग्लादेश)

- **5 टी-20 मैचों की शृंखला**

विजेता–भारत (5–0)

- इस शृंखला में भारतीय टीम का नेतृत्व हरमनप्रीत कौर ने किया था. टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना थीं.

हॉकी (Hockey)

महिलाओं की एशियाई चैम्पियनशिप ट्रॉफी, 2023

(27 अक्टूबर–5 नवम्बर, 2023; रांची)

विजेता–भारत (4–0) (दूसरी बार विजेता)

उपविजेता–जापान

महिलाओं की सीनियर अन्तर्विभागीय राष्ट्रीय चैम्पियनशिप, 2023

(12 नवम्बर, 2023; नई दिल्ली)

विजेता–भारतीय तेल निगम (IOC) (3-2)

उपविजेता–रेलवे (गत विजेता)

पुरुषों की सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप, 2023 (13वीं)

(17–28 नवम्बर, 2023; चेन्नई, तमिलनाडु)

विजेता–पंजाब (चौथी बार)

उपविजेता–हरियाणा (गत विजेता)

बेटन कप–2024 (125वाँ)

(22–28 जनवरी, 2024; कोलकाता)

विजेता–भारतीय नौसेना (5–4)

उपविजेता–भारतीय तेल निगम

- बेटन कप (Beighton Cup) देश का सबसे प्राचीन हॉकी टूर्नामेंट है.
- यह मैच 12 टीमों के बीच खेला गया.
- भारतीय नौसेना की टीम ने दूसरी बार (लगातार दूसरे वर्ष) यह टूर्नामेंट जीतने में सफलता प्राप्त की.

महिलाओं की 14वीं सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप

(13–23 मार्च, 2024; पुणे)

विजेता–हरियाणा (3–0)

उपविजेता–महाराष्ट्र

- यह हरियाणा का तीसरा राष्ट्रीय खिताब है. इससे पूर्व 2013 व 2020 में हरियाणा की महिला टीम राष्ट्रीय चैम्पियन रही थी.

ऑस्ट्रेलिया-भारत हॉकी 5 टेस्ट मैचों की शृंखला

(अप्रैल 2024; पर्थ, ऑस्ट्रेलिया)

विजेता–ऑस्ट्रेलिया (5–0)

- इस दौरे पर भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह, उपकप्तान हार्दिक सिंह व कोच क्रेग फुल्टन थे.

फुटबाल (Football)

14वाँ सैफ (SAFF) फुटबॉल, 2023

(21 जून–4 जुलाई, 2023: कांतीरवा स्टेडियम, बेंगलुरु)

विजेता–भारत (सर्वाधिक 9वीं बार विजेता)

उपविजेता–कुवैत

132वाँ डूरंड कप फुटबॉल, 2023

(3 अगस्त–3 सितम्बर, 2023; कोलकाता, गुवाहाटी व कोकराझार)

विजेता–मोहन बागान (रिकॉर्ड 17वीं बार विजेता)

उपविजेता–ईस्ट बंगाल (16 बार की विजेता टीम)

संतोष ट्रॉफी (2023-24) (पुरुषों की सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप)

(8 अक्टूबर, 2023–9 मार्च, 2024)

विजेता–सेना (3–2)

उपविजेता–गोवा

- पुरुषों की सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप का यह 77वाँ आयोजन था.
- पुरुषों की सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप की संतोष ट्रॉफी 2022-23 के लिए 38 टीमों के बीच ग्रुप मैच 8 अक्टूबर, 2023–9 मार्च, 2024 के दौरान भारत के 8 विभिन्न शहरों में खेले गए.
- सेना ने सातवीं बार यह खिताब जीतने में सफलता प्राप्त की.
- टूर्नामेंट में सर्वाधिक (11) गोल करने के लिए मणिपुर के फीजम सनथोई मीतेई को पुरस्कार दिया गया.
- सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार सेना के सैयद बिन अब्दुल कादिर को मिला.
- 'फेयर प्ले अवॉर्ड' झारखण्ड को प्राप्त हुआ.

'ला लीगा' (La Liga) फुटबॉल टूर्नामेंट, 2024

(11 अगस्त, 2023–26 मई, 2024 (बार्सीलोना)

विजेता–रियल मैड्रिड, स्पेन (36वीं बार)

टेनिस (Tennis)

हॉप मैन कप–2023 (32वाँ)

(19–23 जुलाई, 2023: नीस, फ्रांस)

विजेता–क्रोएशिया (2–0)

उपविजेता–स्विट्जरलैण्ड

लेवर कप–2023 (22–24 सितम्बर, 2023: वैंकुवर, कनाडा)

विजेता–विश्व टीम (2–0)

उपविजेता–यूरोपीय टीम

चीन ओपन टेनिस–2023

(अक्टूबर 2023: बीजिंग, चीन)

- **एकल विजेता**

पुरुष वर्ग–यानिक सिनर (इटली)

महिला वर्ग–इगा स्वियाटेक (पोलैण्ड)

महिलाओं की टोरे पैन पैसिफिक टेनिस–2023 (अक्टूबर 2023: टोक्यो)

एकल विजेता–वेरोनिका एडुवर्ड डोविना कुदेरमेतोवा (रूस)

युगल विजेता–उलरीकी ईकेरी (नॉर्वे) व इन्ग्रिड नील (एस्टोनिया)

पेरिस मास्टर्स टेनिस–2023

(51वाँ संस्करण) (30 अक्टूबर–5 नवम्बर, 2023; पेरिस)

☞ **एकल**

विजेता–नोवाक जोकोविच (सर्बिया)

उपविजेता–ग्रिगोर दिमित्रोव (बुल्गारिया)

☞ **युगल**

विजेता–सैंटियागो गोंजालेज (मेक्सिको) व एडुवर्ड रोजर वैसेलिन (फ्रांस)

उपविजेता–रोहन बोपन्ना (भारत) व मैथ्यू एबडेन (ऑस्ट्रेलिया)

☞ **यह एटीपी लेवल 1000 का टूर्नामेन्ट है.**

बिली जीन किंग कप (Billie Jean King Cup) (पुराना नाम–फेड कप) 2023 (60 वाँ संस्करण)

(7–12 नवम्बर, 2023; सेविले, स्पेन)

विजेता–कनाडा (2–0)

उपविजेता–इटली

डेविस कप–2023

(नवम्बर 2023; मलागा, स्पेन)

विजेता–इटली (2–0)

उपविजेता–ऑस्ट्रेलिया

☞ 123 वर्ष पुराने इस टूर्नामेंट में इटली दूसरी बार डेविस कप का विजेता बना. इटली ने इससे पूर्व 1976 में चिली को फाइनल में हरा कर पुरुषों की टीम चैम्पियनशिप का यह टूर्नामेंट जीता था.

वर्ष 2023 के संत्रात एटीपी टूर्स फाइनल्स टेनिस, 2023

(12–19 नवम्बर, 2023: ट्यूरिन, इटली)

☞ **एकल**

विजेता–नोवाक जोकोविच (सर्बिया) (रिकॉर्ड सातवीं बार)

उपविजेता–यानिक सिनर (इटली)

☞ **युगल**

विजेता–राजीव राम (अमेरिका) व जो सेलिसबरी (ब्रिटेन) (गत विजेता)

उपविजेता–मार्सेल ग्रेनोलर्स (स्पेन) व होरासियो जेबालॉस (अर्जेन्टीना)

महिला खिलाड़ियों का डब्ल्यूटीए फाइनल्स, 2023

(30 अक्टूबर–6 नवम्बर, 2023: अमेरिका)

☞ **एकल**

विजेता–इगा स्वियाटेक (पोलैण्ड)

उपविजेता–जेसिका पेगुला (अमेरिका)

☞ **युगल**

विजेता–लॉरा सीगेमुंड (जर्मनी) व वेरा ज्वोनारेवा (रूस)

उपविजेता–निकोल मेलिचर–मार्टिनेज (अमेरिका) व एलेन पेरेज (ऑस्ट्रेलिया)

यूनाइटेड कप–2024

(29 दिसम्बर, 2023 से 7 जनवरी 2024: पर्थ, सिडनी)

विजेता–जर्मनी (2–1)

उपविजेता–पोलैण्ड

☞ यह पुरुषों व महिलाओं का संयुक्त टीम टूर्नामेंट है.

☞ यह इस टूर्नामेंट का दूसरा ही आयोजन था. वर्ष 2023 में इसके पहले आयोजन में अमेरिका इस टूर्नामेंट का विजेता रहा था.

हांगकांग ओपन टेनिस–2024

(1–7 जनवरी, 2024: हांगकांग) (पुरुषों का टूर्नामेन्ट)

☞ **एकल**

विजेता–आन्द्रे रूबलेव (रूस)

उपविजेता–एमिल रूसुवुओरी (फिनलैण्ड)

☞ **युगल**

विजेता–मार्सेलो अरेवालो (अल सल्वेडोर) व मेट पैविक (क्रोएशिया)

उपविजेता–सैंडर गिले व जोरान व्लीगेन (दोनों बेल्जियम)

बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस/इंडियन वेल्स (मास्टर्स) टेनिस–2024

(6–17 मार्च, 2024; इंडियन वेल्स, कैलिफोर्निया)

☞ **पुरुष एकल**

विजेता–कार्लोस अल्कराज (Carlos Alcaraz) (स्पेन)

उपविजेता–डेनियल मेदवेदेव (रूस)

☞ कार्लोस अल्कराज गत वर्ष भी विजेता थे.

☞ **महिला एकल**

विजेता–इगा स्वियाटेक (Iga Swiatek) (पोलैण्ड)

उपविजेता–मारिया सक्कारी (ग्रीस)

☞ **पुरुष युगल**

विजेता–वेस्ले कूलहॉफ (नीदरलैण्ड्स) व निकोला मैक्टिक (क्रोएशिया)

उपविजेता–मार्सेल ग्रेनोलर्स (स्पेन) व होरासियो जेबालॉस (अर्जेन्टीना)

☞ **महिला युगल**

विजेता–हसीह सुवेई (चीनी ताइपै) व एलिस मर्टेन्स (बेल्जियम)

उपविजेता–स्टॉर्म हंटर (ऑस्ट्रेलिया) व कैलेरिना सिनियाकोवा (चेक गणराज्य)

मियामी ओपन टेनिस–2024 (19–31 मार्च, 2024; फ्लोरिडा, मियामी; अमेरिका)

☞ **पुरुष एकल**

विजेता–यानिक सिनर (इटली)

उपविजेता–ग्रिगोर दिमित्रोव (बुल्गारिया)

☞ **महिला एकल**

विजेता–डेनियल कोलिंस (अमेरिका)

उपविजेता–एलेना रिबाकिना (कजाखस्तान)

☞ **पुरुष युगल**

विजेता–रोहन बोपन्ना (भारत) व मैथ्यू एबडेन (ऑस्ट्रेलिया)

उपविजेता–इवान डोडिग (क्रोएशिया) व ऑस्टिन क्राजिसेक (अमेरिका)

मेक्सिको ओपन टेनिस–2024

(31वाँ संस्करण) (26 फरवरी–2 मार्च, 2024; अकापुल्को, मेक्सिको)

☞ **एकल**

विजेता–एलेक्स डि मिनॉर (ऑस्ट्रेलिया) (गत विजेता)

उपविजेता–कैस्पर रूड (नॉर्वे)

☞ वर्ष 2012 के बाद यह पहला अवसर है, जब किसी खिलाड़ी ने लगातार दूसरे वर्ष यह खिताब जीतने में सफलता प्राप्त की है.

पुरुषों का मोंटोकार्लो मास्टर्स टेनिस–2024 (117वाँ)

(7–14 अप्रैल, 2024; मोंटोकार्लो कंट्री क्लब, फ्रांस)

☞ **एकल**

विजेता–स्टीफेनोस त्सितसिपास (ग्रीस)

उपविजेता–कैस्पर रूड (नॉर्वे)

☞ **युगल**

विजेता–सैंडर गिली व जोरान व्लीगेन (दोनों बेल्जियम)

उपविजेता–मार्सेलो मेलो (ब्राजील) व एलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी)

इटैलियन ओपन टेनिस–2024

(रोम मास्टर्स) (8–19 मई, 2024; रोम)

☞ **पुरुष एकल**

विजेता–एलेक्जेंडर ज्वेरेव (Alexander Zverev) (जर्मनी)

उपविजेता–निकोलस जैरी (चिली)

☞ **महिला एकल**

विजेता–इगा स्वियाटेक (Iga Swiatek) (पोलैण्ड)

उपविजेता–आर्यना सबालेंका (बेलारूस)

मैड्रिड ओपन टेनिस–2024 (23 अप्रैल–5 मई, 2024; मैड्रिड, स्पेन)

☞ **पुरुष एकल**

विजेता–आन्द्रे रूबलेव (Andrey Rublev) (स्पेन)

उपविजेता–फेलिक्स ऑगर (कनाडा)

☞ **महिला एकल**

विजेता—इगा स्वियाटेक (Iga Swiatek) (पोलैण्ड)

उपविजेता—बी. हद्दाद माइया (ब्राजील)

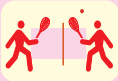

टेबल टेनिस (Table Tennis)

एशियाई टेबल टेनिस चैम्पियनशिप–2023 (26वीं)

(7–10 सितम्बर, 2023; प्योंग चांग, दक्षिण कोरिया)

☞ इस चैम्पियनशिप में सभी 7 स्पर्द्धाओं में स्वर्ण पदक चीन ने जीते. इसमें पुरुषों व महिलाओं की टीम चैम्पियनशिप के अतिरिक्त पुरुष व महिला एकल, युगल व मिश्रित युगल स्पर्द्धा शामिल हैं.

☞ भारत की पुरुषों की टीम (शरत कमल, हरमीत देसाई व साथियान ग्नानासेकरन) टीम स्पर्द्धा में कांस्य पदक जीतने में सफल रही.

सऊदी स्मैश टेबल टेनिस, 2024 (पहला आयोजन)

(1–11 मई, 2024; जेद्दा, सऊदी अरब)

पुरुष एकल

विजेता—वांग चुकिन (चीन)

उपविजेता—पैट्रिक फ्रांसिस्का (जर्मनी)

महिला एकल

विजेता—चेन मेंग (चीन)

उपविजेता—सुन यिंग्शा (चीन)

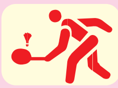

बैडमिंटन (Badminton)

कोरिया ओपन बैडमिंटन

(18–23 जुलाई, 2023: यि ओ सु, दक्षिण कोरिया)

पुरुष एकल

विजेता—एंडर्स एंटोनसेन (Anders Antonsen) (डेनमार्क)

उपविजेता—लोह कीन यिउ (सिंगापुर)

महिला एकल

विजेता—आन से-यंग (An Se-Young) (दक्षिण कोरिया)

उपविजेता—ताइ त्जू यिंग (Tai Tzuying) (चीनी ताइपे)

कनाडा ओपन बैडमिंटन

(4–9 जुलाई, 2023; कैलगरी, कनाडा)

पुरुष एकल

विजेता—लक्ष्य सेन (भारत)

उपविजेता—ली शीफेंग (चीन)

महिला एकल

विजेता—अकाने यामागुची (Akane Yamaguchi) (जापान)

उपविजेता— रत्वानोक इंटानॉन (थाइलैण्ड)

हांगकांग ओपन, 2023 (33वाँ)

(12–17 सितम्बर, 2023; हांगकांग)

पुरुष एकल

विजेता—जोनाथन क्रिस्टी (इण्डोनेशिया)

उपविजेता—कैंटा निशिमोतो (जापान)

महिला एकल

विजेता—अकाने यामागुची (जापान)

उपविजेता—झांग यिमान (चीन)

चीनी ओपन, 2023

(5–10 सितम्बर, 2023; चांगझू, चीन)

पुरुष एकल

विजेता– विक्टर एक्सेलसेन (डेनमार्क)

उपविजेता– लू जुआंग झू (चीन)

महिला एकल

विजेता—आन से यंग (दक्षिण कोरिया)

उपविजेता—अकाने यामागुची (जापान)

डेनमार्क ओपन, 2023

(17–22 अक्टूबर, 2023: एरेना फिन, डेनमार्क)

पुरुष एकल

विजेता—ही वेंग हांगयांग (चीन)

उपविजेता—ली जी जिया (मलेशिया)

महिला एकल

विजेता—चेन यू फी (चीन)

उपविजेता—कैरोलिना मारिन (स्पेन)

चाइना मास्टर्स, 2023

(21–26 नवम्बर, 2023; शेन झेन, चीन)

पुरुष एकल

विजेता—कोकई नारोका (जापान)

महिला एकल

विजेता—चेन यूफी (Chen Yufei) (दक्षिण कोरिया)

मलेशियाई ओपन बैडमिंटन, 2024

(9–14 जनवरी, 2024; कुआलालम्पुर)

पुरुष एकल

विजेता—एंडर्स एंटोनसेन (Anders Antonsen) (डेनमार्क)

उपविजेता—शी यूकी (चीन)

महिला एकल

विजेता—आन से-यंग (An Se-young) (द. कोरिया)

उपविजेता—ताई त्जु-यिंग (चीनी ताइपे)

पुरुष युगल

विजेता—लियांग वीकेंग व वांग चैंग (दोनों चीन)

उपविजेता—सात्विक साईंराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी (दोनों भारत)

महिला युगल

विजेता—लियू शेंग शू व तान निंग (दोनों चीन)

उपविजेता—झांग शुक्सियाना व झेंग-यू (दोनों चीन)

मिश्रित युगल

विजेता— यूवा वाता नाबे व आरिसा हिंगशिनो (दोनों जापान)

उपविजेता—किम वोन-हो व जियांग ना- इयुन (दोनों द. कोरिया)

इंडिया ओपन बैडमिंटन, 2024 (योनेक्स सनराइज़ इंडिया ओपन बैडमिंटन)

(16–21 जनवरी, 2024; नई दिल्ली)

पुरुष एकल

विजेता—शी यू की (चीन)

उपविजेता—ली चियुक यिउ (हांगकांग)

महिला एकल

विजेता—ताइ त्जु-यिंग (चीनी ताइपे)

उपविजेता—चेन यूफी (चीन)

पुरुष युगल

विजेता—कांग मिन-हियुक व सियो सेयुंग जाइ (दोनों दक्षिण कोरिया)

उपविजेता—सात्विक साईंराज रेंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी (दोनों भारत)

महिला युगल

विजेता—मायु मात्सुमोतो व वकाना नागाहारा (दोनों जापान)

उपविजेता—झांग शुक्सियाना व झेंग यू (दोनों चीन)

मिश्रित युगल

विजेता—देचापोल पुआवरनुककरोह व सैपसिरी ताइरातनाचाई (दोनों थाइलैण्ड)

उपविजेता—जियांग झेनबैंग व वी याक्सिन (दोनों चीन)

ऑल इंग्लैण्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप, 2024

(12–17 मार्च, 2024; बर्मिंघम, इंग्लैण्ड)

पुरुष एकल

विजेता—जोनाटन क्रिस्टी (इंडोनेशिया)

उपविजेता—एंथनी सिनिसुका गिटिंग (इंडोनेशिया)

महिला एकल

विजेता—कैरोलिना मारिन (स्पेन)

उपविजेता—अकाने यामागुची (जापान)

पुरुष युगल

विजेता—फजर अलफियान व मोहम्मद रियान (दोनों इंडोनेशिया)

उपविजेता—आरोन चिया व सोई वोइ यिक (दोनों मलेशिया)

महिला युगल

विजेता—बाइका हान्ना व ली सो–ही (दोनों दक्षिण कोरिया)

उपविजेता—नामी मत्सूयामा व चिहारू शिदा (दोनों जापान)

मिश्रित युगल

विजेता—झेंग सीवेई व हुआंग याक्योंग (दोनों चीन)

उपविजेता–युता वातानाबे व अरिसा हिगशिनो (दोनों जापान)

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन, 2024

(5–10 मार्च, 2024; पेरिस)

पुरुष एकल

विजेता–शी यू की (चीन)

महिला एकल

विजेता–आन से-यंग (दक्षिण कोरिया)

पुरुष युगल

विजेता–सात्विक साईंराज रैकीरेड्डी व चिराग शेट्टी (भारत)

(दूसरी बार; इससे पूर्व 2022 में विजेता रहे थे.)

एशियाई बैडमिंटन चैम्पियनशिप, 2024 (41वीं)

(9–14 अप्रैल, 2024; निंगबो, चीन)

पुरुष एकल

विजेता–जोनाटन क्रिस्टो (इंडोनेशिया)

उपविजेता–ली शिफेंग (चीन)

महिला एकल

विजेता–वांग झीयी (चीन)

उपविजेता–चेन यूफी (चीन)

☞ इस टूर्नामेंट का पुरुषों का युगल खिताब चीनी खिलाड़ियों की जोड़ी तथा महिलाओं का युगल द. कोरियाई खिलाड़ियों की जोड़ी ने जीता. मिश्रित युगल भी चीनी खिलाड़ियों के नाम रहा.

33वाँ थॉमस कप, 2024 (पुरुष वर्ग)

(27 अप्रैल–5 मई, 2024; चेंगुडू, चीन)

विजेता–चीन (3–1) (11वीं बार)

उपविजेता–इंडोनेशिया

☞ पुरुषों के थॉमस कप का भारत गत विजेता था, किन्तु इस बार क्वार्टर फाइनल में चीन के हाथों पराजय का सामना उसे करना पड़ा.

30वाँ उबेर कप, 2024 (महिला वर्ग)

(27 अप्रैल–5 मई, 2024; चेंगुडू, चीन)

विजेता–चीन (3–0) (16वीं बार)

उपविजेता–इंडोनेशिया

थाइलैण्ड ओपन बैडमिंटन, 2024

(14–29 मई, 2024; बैंकॉक)

पुरुष एकल

विजेता–ली जी जिया (मलेशिया)

उपविजेता–न्ग का लौंग (हांगकांग)

महिला एकल

विजेता–सुपानिडा काटेथोंग (थाइलैण्ड)

उपविजेता–हान युवे (चीन)

पुरुष युगल

विजेता–सात्विक साईंराज रैंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी (दोनों भारत)

उपविजेता–चेन बोयांग व लियू या (दोनों चीन)

☞ सात्विक साईंराज रेंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की जोड़ी का वर्ष 2024 का यह दूसरा बीडब्ल्यूएफ खिताब है. इससे पूर्व मार्च, 2024 में फ्रेंच ओपन बैडमिंटन में युगल खिताब उन्होंने जीता था.

मलेशियाई मास्टर्स बैडमिंटन, 2024

(21–26 मई, 2024; कुआलालम्पुर)

पुरुष एकल

विजेता–विक्टर एक्सेलसेन (डेनमार्क) (गत वर्ष भी विजेता)

उपविजेता–ली जी जिया (मलेशिया)

महिला एकल

विजेता–वांग झी यी (चीन)

उपविजेता–पी.वी. सिंधू (भारत)

पुरुष युगल

विजेता–किम एस्ट्रुप व एंडर्स स्कारुप रासमुसेन (दोनों डेनमार्क)

उपविजेता–जिन योंग व ना सुंग सियुंग (दोनों द. कोरिया)

महिला युगल

विजेता–रिन इवानागा व की नाकानिशी (दोनों जापान)

उपविजेता–ली यू-लिम व शिन सेयुंग चान (दोनों दक्षिण कोरिया)

मिश्रित युगल

विजेता–गोह सून हुआट व शेवान जेमी लाई (दोनों मलेशिया)

उपविजेता–रिनोव रिवाल्डी व पीथा हानिंग व्यास मेंटारी (दोनों इंडोनेशिया)

गोल्फ (Golf)

राइडर कप गोल्फ–2023 (44वाँ)

{अक्टूबर, 2023; रोम (इटली)}

विजेता–यूरोप

उपविजेता–अमेरिका

हीरो इंडियन ओपन गोल्फ, 2024

(27–31 मार्च, 2024; गुरुग्राम)

विजेता–कीटा नाकाजिम (Keita Nakajima) (अमेरिका)

☞ डीपी वर्ल्ड टूर के इस टूर्नामेंट में भारत के वीर अहलावत, अमेरिका के जोहासन वीरमन तथा स्वीडन के सेबास्टियन सोडेरबर्ग का संयुक्त दूसरा स्थान रहा.

ऑगस्टा मास्टर्स गोल्फ, 2024

(11–14 अप्रैल, 2024; जॉर्जिया, अमेरिका)

विजेता–स्कॉटी शेफलर (Scottie Scheffler) (अमेरिका)

☞ वर्ष 2022 में इस खिताब के विजेता रहे स्कॉटी शेफलर ने दूसरी बार यह ग्रीन जैकेट जीती है.

☞ इस खिताब के लिए 32·40 लाख डॉलर पुरस्कार में उन्हें प्राप्त हुए.

शतरंज (Chess)

49वीं भारतीय महिला शतरंज चैम्पियनशिप, 2023

(30 जून–10 जुलाई, 2023; अहमदाबाद, गुजरात)

विजेता–पद्मिनी राउत

उपविजेता–मैरी एन. गोम्स

वी.गेजा हेटेनयी मेमोरियल सुपर जीएम राउंड रॉबिन टूर्नामेंट, 2023

(11–19 जुलाई, 2023l; बुडापेस्ट, हंगरी)

विजेता–आर. प्रज्ञानानन्द (भारत)

उपविजेता–एम. अमीन तबाताबेई (ईरान)

फिडे (FIDE) महिला शतरंज विश्व चैम्पियनशिप, 2023

(5–23 जुलाई, 2023; शंघाई, चीन)

विजेता–जू वेनजुन (Ju Wenjun) (चीन) (चौथी बार)

उपविजेता–लेई टिंगजी (चीन)

कतर मास्टर्स ओपन शतरंज, 2023

(11–21 अक्टूबर, 2023; दोहा, कतर)

विजेता–नोदिरबेक याकुब्बोएव (उज्बेकिस्तान)

उपविजेता–नोदिरबेक अब्दुलसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान)

यूएस ओपन शतरंज, 2023

(5–18 अक्टूबर, 2023; मिसौरी, अमेरिका)

पुरुष वर्ग

विजेता–फैबियानो कारुआना (अमेरिका)

उपविजेता–वेस्ली सो (अमेरिका)

महिला वर्ग

विजेता–कैरिसा यिप

पुरुषों का कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट

(3–22 अप्रैल, 2024; टोरंटो, कनाडा)

विजेता–डी. मुकेश (भारत)

☞ कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट का विजेता ही फिडे (FIDE) शतरंज विश्व चैम्पियनशिप में खिताब के लिए चुनौती देता है.

महिलाओं का कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट

(3–22 अप्रैल, 2024; टोरंटो, कनाडा)

विजेता–तान झोंगयी (Tan Zhongyi) (चीन)

☞ इस खिताबी विजय के लिए तान झोंगयी को 24000 यूरो की राशि प्रदान की गई.

☞ 32 वर्षीय तान झोंगयी अब महिलाओं की आगामी विश्व चैम्पियनशिप के लिए मौजूदा विश्व चैम्पियन जू वेनजुन (Ju Wengun) को चुनौती देंगी. यह मुकाबला 2025 में होगा.

मुक्केबाजी (Boxing)

एलोर्डा कप मुक्केबाजी चैम्पियनशिप, 2024
(12–19 मई, 2024; अस्ताना, कजाखस्तान)

भारत का प्रदर्शन : 2 स्वर्ण, 2 रजत व 8 कांस्य

स्वर्ण (2)–मीनाक्षी (48 किग्रा) व निखत जरीन (52 किग्रा)

रजत (2)–अनामिका (50 किग्रा) व मनीषा (60 किग्रा)

कांस्य (4 पुरुष + 4 महिला)–पुरुष : याइफाबा सिंह सोइबाम (48 किग्रा), अभिषेक यादव (67 किग्रा), विशाल (86 किग्रा) तथा गौरव चौहान (92+ किग्रा)

महिला : सोनू (63 किग्रा), मंजू बंबोरिया (66 किग्रा), शलाखा सिंह सनसनवाल (70 किग्रा) तथा मानिका (81+ किग्रा)

फॉर्मूला-1 रेसिंग (Formula-1 Racing)

ब्रिटिश ग्रांड प्रिक्स
(9 जुलाई, 2023; सिल्वरस्टोन सर्किट, यूके)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन, नीदरलैण्ड्स (रेडबुल टीम)

उपविजेता–एल. नॉरिस (मैकलारेन टीम)

ऑस्ट्रियन ग्रांड प्रिक्स
(30 जून–2 जुलाई, 2023; रेडबुल रिंग, स्पीलबर्ग, ऑस्ट्रिया)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन, नीदरलैण्ड्स (रेडबुल टीम)

उपविजेता–चार्ल्स लेकलेर्क, मोनाको (फरारी टीम)

हंगेरियन ग्रांड प्रिक्स
(जुलाई 2023; हुगांरोहिंग सर्किट)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन, नीदरलैण्ड्स (रेडबुल टीम)

बेल्जियन ग्रांड प्रिक्स
(जुलाई, 2023)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन, नीदरलैण्ड्स (रेडबुल टीम)

इटैलियन ग्रांड प्रिक्स
(3 सितम्बर, 2023; मोंजा, इटली)

विजेता–एम. वर्सटाप्पेन (रेडबुल टीम)

सिंगापुर ग्रांड प्रिक्स
(17 सितम्बर, 2023; मरीना बे स्ट्रीट सर्किल)

विजेता–एम. वर्सटाप्पेन (रेडबुल टीम)

जापानी ग्रांड प्रिक्स
(24 सितम्बर, 2023; सुजुकी इण्टरनेशनल रेसिंग कोर्स)

विजेता–एम. वर्सटाप्पेन, नीदरलैण्ड (रेडबुल टीम)

अमेरिकी ग्रांड प्रिक्स (19वीं)
(20–22 अक्टूबर, 2023; ऑस्टिन, अमेरिका)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन (Max Verstappen), नीदरलैण्ड्स (रेडबुल टीम)

उपविजेता–लैंडो नॉरिस, ब्रिटेन (मैकलॉरेन टीम)

मैक्सिकन ग्रांड प्रिक्स
(27–29 अक्टूबर, 2023; मैक्सिको सिटी, मैक्सिको)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन (Max Verstappen), नीदरलैण्ड्स (रेडबुल टीम)

उपविजेता–लुईस हैमिल्टन, ब्रिटेन (मर्सिडीज टीम) (गत वर्ष भी दूसरा स्थान)

ब्राजीली ग्रांड प्रिक्स (20वीं)
(3–5 नवम्बर, 2023; साओ पाउलो, ब्राजील)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन (Max Verstappen), नीदरलैण्ड्स (रेडबुल टीम)

उपविजेता–लैंडो नॉरिस, ब्रिटेन (मैकलॉरेन टीम)

आबू धाबी ग्रांड प्रिक्स (23वीं)
(24–26 नवम्बर, 2023; संयुक्त अरब अमीरात)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन (Max Verstappen), नीदरलैण्ड्स (रेडबुल टीम)

उपविजेता–सी. लेकलेर्क (C. Leclerc), मोनाको (फरारी टीम)

लॉस वेगास ग्रांड प्रिक्स (22वीं)
(16–18 नवम्बर, 2023; अमेरिका)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन (Max Verstappen), नीदरलैण्ड्स (रेडबुल टीम)

उपविजेता–सी. लेकलेर्क (C. Leclerc), मोनाको (फरारी टीम)

बहरीन ग्रांड प्रिक्स
(29 फरवरी–2 मार्च, 2024; साखिर, बहरीन)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन (M. Verstappen) (रेडबुल टीम)

उपविजेता–एस. पेरेज (रेडबुल टीम)

☞ वर्ष 2024 की पहली फॉर्मूला-1 रेस

सऊदी अरबियन ग्रांड प्रिक्स
(7-9 मार्च, 2024; जेद्दा सर्किट)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन (M. Verstappan) (रेडबुल टीम)

उपविजेता–एस. पेरेज (रेडबुल टीम)

ऑस्ट्रेलियाई ग्रांड प्रिक्स
(22–24 मार्च, 2024; मेलबर्न)

विजेता–सी. सेज जूनियर (C. Sainz Jr) (फरारी टीम)

उपविजेता–सी. लेकलेर्क (C. Leclerc), मोनाको (फरारी टीम)

जापानी ग्रांड प्रिक्स
(5–7 अप्रैल, 2024; सुजुका सर्किट)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन (M. Verstappan) (रेडबुल टीम)

उपविजेता–एस. पेरेज (रेडबुल टीम)

चीनी ग्रांड प्रिक्स
(19–21 अप्रैल, 2024; शंघाई सर्किट)

विजेता–मैक्स वर्सटाप्पेन (M. Verstappan) (रेडबुल टीम)

उपविजेता–एस. नोरिस (मैकलॉरेन टीम)

मियामी ग्रांड प्रिक्स (6 मई, 2024; मियामी, फ्लोरिडा, अमेरिका)

विजेता–एल. नॉरिस (मैकलॉरेन टीम)

उपविजेता–एम. वर्सटाप्पेन (M. Verstappan) (रेडबुल टीम; गत विजेता)

एमीलिया ग्रांड प्रिक्स
(19 मई, 2024; इमोला, इटली)

विजेता–एम. वर्सटाप्पेन (M. Verstappan) (रेडबुल टीम)

उपविजेता–एल. नॉरिस (मैकलॉरेन टीम)

मोनाको ग्रांड प्रिक्स
(26 मई, 2024; मोनाको मोंट कार्लो)

विजेता–सी. लेकलेर्क (C. Leclerc), मोनाको (फरारी टीम)

उपविजेता–ओ. पियास्त्री (मैकलॉरेन टीम)

कनाडियन ग्रांड प्रिक्स
(7–9 जून, 2024; कनाडा)

विजेता–एम. वर्सटाप्पेन (M. Verstappan) (रेडबुल टीम)

उपविजेता–एल. नॉरिस (मैकलॉरेन टीम)

स्पेनिश ग्रांड प्रिक्स
(21–23 जून, 2024; बार्सिलोना)

विजेता–एम. वर्सटाप्पेन (M. Verstappan) (रेडबुल टीम)

उपविजेता–एल. नॉरिस (मैकलॉरेन टीम)

ऑस्ट्रियन ग्रांड प्रिक्स
(28–30 जून, 2024; स्पीलबर्ग)

विजेता–जॉर्ज रसेल (George Russell) (मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–ओ. पियास्त्री (मैकलॉरेन टीम)

ब्रिटिश ग्रांड प्रिक्स (5–7 जुलाई, 2024; सिल्वरस्टोन)

विजेता–जॉर्ज रसेल (George Russell) (मर्सिडीज टीम)

उपविजेता–लुईस हैमिल्टन, ब्रिटेन (मर्सिडीज टीम)

●●●

नवीनतम सामान्य ज्ञान

'प्रतियोगिता दर्पण' के अगस्त/सितम्बर अंकों में इसके प्रकाशन से एक वर्ष पूर्व तक के देश व विश्व के अन्य देशों में घटित प्रमुख घटनाओं का समीक्षात्मक लेखा-जोखा समग्र रूप में प्रस्तुत करने का श्रमसाध्य प्रयास पत्रिका की परम्परा रही है. हमारे इस प्रयास का उद्देश्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु पाठकों को सशक्त रूप से तैयार करना ही नहीं है, अपितु हमारे इस विनम्र प्रयास के नेपथ्य में पाठकों को ज्ञान की ऊर्जा से एक नई दिशा देने का उद्देश्य भी निहित है. पाठकों ने हमारे इस प्रयास को सराहा है. पाठकों के स्नेह से उत्साहित होकर तथा बदलते परीक्षा प्रतिमानों के अनुरूप इस वर्ष से हम इस परम्परा को नए कलेवर और गुणात्मक सुधारों के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं. अगस्त 2024 के अंक में राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम तथा आर्थिक एवं वाणिज्यिक परिदृश्य से सम्बन्धित सामग्री प्रस्तुत कर चुके हैं. सितम्बर 2024 के अंक में नवीनतम सामान्य ज्ञान तथा खेलकूद परिदृश्य प्रस्तुत है. आशा है हमारा यह प्रयास पाठकों के लिए बहुपयोगी सिद्ध होगा.

—डॉ. सूर्यनारायण पाण्डेय

चर्चित शब्द संक्षेप

बीएनएस (BNS)—भारतीय न्याय संहिता (Bharatiya Nyaya Sanhita)

बीएनएसएस (BNSS)—भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita)

बीएसएस (BSS)—भारतीय साक्ष्य संहिता (Bharatiya Sakshya Sanhita) {उक्त तीनों 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी}

जीबीए (GBA)—ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस (Global Biofuel Alliance)

आईएनडीआईए (इंडिया-I.N.D.I.A.)—इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (Indian National Developmental Inclusive Alliance)

आईबीसीए (IBCA)—इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (International Big Cat Alliance)

एनएएसएससीओएम (नैसकॉम–NASSCOM)—नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एण्ड सर्विस कम्पनीज (National Association of Software and Service Companies)

एनसीजीजी (NCGG)—नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (National Centre for Good Governance)

एनआईएसएआर (निसार–NISAR)—नासा इसरो सिंथेटिक एपेचर रडार (NASA ISRO Synthetic Aperture Radar)

एसएसएलवी (SSLV)—स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (Small Satellite Launch Vehicle)

यूपीआई (UPI)—यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस (Unified Payment Interface)

सुर्खियों में रहने वाले कुछ विशिष्ट शब्द संक्षेप

- ***आशा (ASHA)***—*एक्रेडिटेड सोशल हैल्थ एक्टीविस्ट (Accredited Social Health Activist)*
- ***बीएचआईएम (भीम) (BHIM)***—*भारत इंटरफेस फॉर मनी (Bharat Interface for Money)*
- ***सीएए (CAA)***—*नागरिकता संशोधन अधिनियम (Citizenship Amendment Act)*
- ***कोविड (COVID)***—*कोरोना वायरस डिजीज़ (Corona Virus Disease)*
- ***एचयूआईडी (HUID)***—*हॉल मार्क्ड यूनिक आईडेंटिफिकेशन नम्बर (Hall Marked Unique Identification Number)*
- ***आईएनडीआईए (इंडिया (I.N.D.I.A.)***—*इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (Indian National Developmental Inclusive Alliance)*
- ***एनआरसी (NRC)***—*नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स (National Register of Citizens)*
- ***ओडीएफ (ODF)***—*खुले में शौच से मुक्ति (Open Defecation Free)*
- ***ओटीटी (OTT)***—*ओवर द टॉप (Over The Top)*
- ***यूसीसी (UCC)***—*यूनीफॉर्म सिविल कोड (Uniform Civil Code)*

डब्ल्यूसीसीबी (WCCB)—वाइल्ड-लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो (Wildlife Crime Control Bureau)

पुरस्कार/सम्मान

राष्ट्रीय (National) पुरस्कार/सम्मान : एक दृष्टि में

- **सरस्वती सम्मान, 2023 (33वाँ)**—प्रभा वर्मा (मलयालम भाषा के चर्चित कवि एवं साहित्यकार) {**कृति**—रौद्र सात्विकम, उपन्यास} (घोषणा—मार्च 2024)
  2022 (32वाँ)—शिव शंकरी (प्रसिद्ध तमिल साहित्यकार) {**कृति**—सूर्य वामसम, आत्मकथा}
- **ज्ञानपीठ पुरस्कार :**
  58वाँ (2023)—रामभद्राचार्य (संस्कृत भाषा एवं वेद-पुराण के प्रकांड विद्वान) गुलजार (गीतकार : पूरा नाम सम्पूर्ण सिंह कालरा) {घोषणा—17 फरवरी, 2024}
  57वाँ—दामोदर मौजी (कोंकणी उपन्यास-कार)
  56वाँ—नीलमणि फूकन जूनियर (असमिया लेखक)
- **व्यास सम्मान, 2023**—पुष्पा भारती (**कृति**—यादें, यादें और यादें, संस्मरण) (घोषणा—जनवरी 2024 में घोषित)
  2022—डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी (**कृति**—पागलखाना, उपन्यास)
  32वाँ बिहारी पुरस्कार—डॉ. माधव हांडा (राजस्थान) (**कृति**—पंचरंग चोला पहाड़ सखी री; आलोचना)
  31वाँ—मधु कांकरिया {**कृति**—हम यहाँ थे : उपन्यास}
- **चमेली देवी जैन पुरस्कार, 2023-24**—ग्रीष्मा कुठार (स्वतंत्र पत्रकार) और रितिका चोपड़ा (इंडियन एक्सप्रेस (मार्च 2024) {न्यूज मिनट्स (News Minutes) की सह-संस्थापक व प्रधान सम्पादक}
  2022-23—धन्य राजेन्द्रन {न्यूज मिनट्स (News Minutes) की सह-संस्थापक व प्रधान सम्पादक}
- **श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफ्को साहित्य सम्मान, 2023**—मधु कांकरिया (हिन्दी की प्रसिद्ध लेखिका) (30 सितम्बर, 2023)
- **तानसेन सम्मान, 2022**—पं. गणपति भट्ट (25 दिसम्बर, 2023)
  (कर्नाटक के हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के मूर्धन्य गायक)
- **दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, 2021**—वहीदा रहमान
  (सुप्रसिद्ध अभिनेत्री व नृत्यांगना); (26 सितम्बर, 2023 को प्रदत्त)
  2020—आशा पारेख (सुप्रसिद्ध अभिनेत्री, निर्माता, निर्देशक व नृत्यांगना)

- **जी.डी. बिड़ला पुरस्कार, 2023**—अदिति सेन डे (भौतिकशास्त्री) {27 फरवरी, 2024}
- **के.पी.पी नांबियार पुरस्कार, 2023**—एस. सोमनाथ (इसरो अध्यक्ष) {फरवरी 2024}
- **लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार, 2024 (तीसरा)**—अमिताभ बच्चन {24 अप्रैल, 2024}

2022—नरेन्द्र मोदी (राष्ट्र निर्माण में अनुकरणीय योगदान के लिए)

2023—आशा भोंसले

राष्ट्रीय सौन्दर्य प्रतियोगिताएं

- ***फेमिना मिस इंडिया-2023 (Femina Miss India-2023)***—*नंदिनी गुप्ता (राजस्थान)*
- ***शांति, नि:शस्त्रीकरण एवं विकास हेतु इंदिरा गाँधी पुरस्कार, 2022***—*चिकित्सकों के संघ **इंडियन मेडिकल एसोसिएशन** व नर्सों के संघ **ट्रेंड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया** को संयुक्त रूप से (19 नवम्बर, 2023).*

भारत रत्न : 2024

वर्ष 2024 में निम्नांकित 5 व्यक्तियों को दिए जाने की घोषणा—

- ***कर्पूरी ठाकुर*** *(बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री)*
- ***लालकृष्ण आडवाणी*** *(भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व उपप्रधानमंत्री)*
- ***चौधरी चरण सिंह*** *(पूर्व वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री)*
- ***पी.वी. नरसिम्हा राव*** *(भारत के पूर्व प्रधानमंत्री)*
- ***डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन*** *(भारत में हरित क्रान्ति के जनक व प्रमुख कृषि वैज्ञानिक)*

अमर उजाला शब्द सम्मान, 2023 (मार्च 2024; नई दिल्ली)

आकाशदीप सम्मान :

- **हिन्दी में विशिष्ट योगदान के लिए**—विनोद कुमार शुक्ल (प्रख्यात लेखक)
- **हिन्दीतर भाषाओं के लिए**—एम.टी. वासुदेवन नायर (मलयालम)

अन्य पुरस्कार

(प्रशस्ति-पत्र के साथ ₹ 1-1 लाख)

- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ कृतियों के लिए छाप सम्मान :**

कथा वर्ग—मनोज रूपड़ा (कहानी संग्रह 'दहन' के लिए)

कविता वर्ग—कुमार अम्बुज (कविता संग्रह 'उप शीर्षक' के लिए)

- **कथेतर वर्ग**—दलपत सिंह राज पुरोहित ('सुन्दर के स्वप्न' के लिए)
- **किसी लेखक की पहली श्रेष्ठ रचना के लिए थाप सम्मान**—चिन्मयी त्रिपाठी ('अपनी कही के लिए')
- **अनुवाद के लिए भाषा बधु सम्मान**—मालिनी गौतम (गुजराती दलित कविता के हिन्दी में अनुवाद के लिए)

अंर्स्ट एवं यंग के एंटरप्रिन्योर ऑफ द ईयर पुरस्कार (2023) {फरवरी 2024; मुम्बई}

- **सर्वश्रेष्ठ उद्यमी (E & Y Entrepreneur of the Year)**—वेल्लायन सुबैया (चोलामंडलम के अध्यक्ष)
- **ट्रांसफॉर्मेशनल इम्पैक्ट पर्सन ऑफ द ईयर**—दीपिंदर गोयल (जोमैटो)
- **लाइफटाइम एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर**—वेणु श्रीनिवास ('टीवीएस मोटर कम्पनी' के मानद अध्यक्ष)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (मैन्यु-फैक्चरिंग)**—संजय गुप्ता (एपीएल अपोलो ट्यूब्स)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (रिटेल एण्ड कंज्यूमर प्रोडक्ट्स)**—रफीक ए मलिक (मेट्रो ब्रांड्स)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (सर्विसेज)**—आनंद देशपांडे (पर्सिस्टेंट सिस्टम्स)
- **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर (स्टार्ट अप)**—ललित केशरे (Groww)

इकोनॉमिक टाइम्स कॉर्पोरेट एक्सीलेंस पुरस्कार (2023) (मार्च 2024; मुम्बई)

- **जीवनभर की उपलब्धियों के लिए पुरस्कार**—ए.एम. नाइक (मानद चेयरमैन, एल एण्ड टी)
- **बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर**—एस. जयशंकर (केन्द्रीय विदेश मंत्री)
- **बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर**—सी. के. वेंकटरमन (एमडी, टाइटन)
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उद्यमी (Enterpreneur of the year)**—रमेश जुनेजा (चेयरमैन, मैनकाइंड फार्मा व राजीव जुनेजा (वाइस चेयरमैन एवं एमडी, मैनकाइंड फार्मा)
- **बिजनेस वुमन ऑफ द ईयर**—हिना नागराजन (सीईओ व प्रबंध निदेशक, डिएगिओ इंडिया)
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ कम्पनी (Company of the year)**—भारतीय स्टेट बैंक
- **एमर्जिंग कम्पनी ऑफ द ईयर**—अडानी ग्रीन एनर्जी
- **कॉँशियस कॉर्पोरेट ऑफ द ईयर**—एचडीएफसी बैंक
- **ग्लोबल इंडियन फॉर द ईयर**—लीना नायर (सीईओ, चैनल)

हॉकी इण्डिया के वार्षिक पुरस्कार, 2023 (31 मार्च, 2024)

- **मेजर ध्यान चंद लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार (₹ 30 लाख)**—अशोक कुमार
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का बलवीर सिंह सीनियर पुरस्कार (₹ 25 लाख)**—हार्दिक सिंह
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का बलवीर सिंह सीनियर पुरस्कार (₹ 25 लाख)**—सलीमा टेटे
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान पुरुष खिलाड़ी का जुगराज सिंह पुरस्कार (21 वर्ष; ₹ 10 लाख)**—अरइंजीत सिंह हुंडाल
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ उदीयमान महिला खिलाड़ी का अंसुता लाका पुरस्कार (21 वर्ष; ₹ 10 लाख)**—दीपिका सोरेंग
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का बलजीत सिंह पुरस्कार (₹ 5 लाख)**—पी. आर. श्रीजेश
- **डिफेंडर ऑफ द ईयर का परगट सिंह पुरस्कार (₹ 5 लाख) :** हरमनप्रीत सिंह
- **मिडफील्डर ऑफ द ईयर का अजीत पाल सिंह पुरस्कार (₹ 5 लाख)**—हार्दिक सिंह
- **फॉरवर्ड ऑफ द ईयर का धनराज पिल्लई पुरस्कार (₹ 5 लाख) :** अभिषेक

69वें फिल्म फेयर पुरस्कार, 2024 (28 जनवरी, 2024; गिफ्ट सिटी, गुजरात)

- **सर्वश्रेष्ठ फिल्म**—12वीं फेल (निर्देशक—विधू विनोद चोपड़ा)

2023 (68वें)—गंगूबाई काठियावाड़ी (निर्देशक—संजय लीला भंसाली)

- **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**—विधू विनोद चोपड़ा (फिल्म—12वीं फेल)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता**—रणवीर कपूर (फिल्म—एनिमल)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**—आलिया भट्ट (फिल्म—रॉकी और रानी की प्रेम कहानी)
- **सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेता**—विकी कौशल (फिल्म—दुन्की)
- **सर्वश्रेष्ठ सह-अभिनेत्री**—शबाना आज़मी (फिल्म—रॉकी और रानी की प्रेम कहानी)
- **सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक**—तरुण दुडेजा (फिल्म—धक धक)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक**—भूपिंदर बब्बल (फिल्म—एनिमल-अर्जन वैली..)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका**—शिल्पा राव (फिल्म—पठान, गीत—बेशरम रंग)
- **सर्वश्रेष्ठ गीतकार**—अमिताभ भट्टाचार्य (फिल्म—तेरे वास्ते, गीत—जरा हटके, जरा बच के..)

- **सर्वश्रेष्ठ संगीत**—प्रीतम, विशाल मिश्र व अन्य (फिल्म—एनिमल)
- **सर्वश्रेष्ठ कहानी**—अमित रॉय (फिल्म—ओएमजी-2)
- **सर्वश्रेष्ठ संवाद**—इशिता मोइत्रा (फिल्म—रॉकी और रानी की प्रेम कहानी)
- **सर्वश्रेष्ठ एक्शन**—फिल्म जवान
- **सर्वश्रेष्ठ सम्पादन**—12वीं फेल (जसकवर कोहली व विधू विनोद चोपड़ा)
- **सर्वश्रेष्ठ बैकग्राउंड स्कोर**—हर्षवर्धन रामेश्वर (फिल्म—एनिमल)
- **सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी**—अविनाश अरुण (थ्री ऑफ अस)
- **लाइफ टाइम एचीवमेंट पुरस्कार**—डेविड धवन

समालोचना (क्रिटिक्स) श्रेणी के पुरस्कार :

- **सर्वश्रेष्ठ फिल्म (क्रिटिक्स)**—जोराम (निर्देशक—देवाशिष मखीजा)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स)**—विक्रांत मैसी (फिल्म—12वीं फेल)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (क्रिटिक्स)**—रानी मुखर्जी (फिल्म—मिशेज चटर्जी Vs. नॉर्वे) व शेफाली शाह (फिल्म—थ्री ऑफ अस)
- **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (क्रिटिक्स)**—तरुण दुडेजा (फिल्म—धक धक)

अद्यतन अन्तर्राष्ट्रीय (International) पुरस्कार/सम्मान : एक दृष्टि में

- **अन्तर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, 2024**—जैनी एर्पन बैक (Jenny Erpen Beck) (जर्मनी)
  (**कृति**—कैरोस (Kairos); (अंग्रेजी में अनुवाद—माइकल हॉफमैन) {24 मई, 2023}
  2023—जोर्जी गोस्पोदिनोव (बुल्गारिया)
  (**कृति**—टाइम शेल्टर (Time Shelter); (अंग्रेजी में अनुवाद—एंजेला रॉडेल)
- **विश्व स्वास्थ्य संगठन का नेल्सन मंडेला पुरस्कार, 2024**—राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (NIMHANS–National Institute of Mental Health and Neuro Sciences) (भारत) {31 मई, 2024}
  निमहांस के साथ ही बोत्सवाना के तम्बाकू निषेध तंत्र के संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक प्रो. बोंटल म्बोंगवे को भी वर्ष 2024 का यह पुरस्कार दिया गया.
- **'फ्रीडम ऑफ द सिटी ऑफ लंदन' पुरस्कार, 2024**—शबाना आजमी (भारत) {मई 2024, लंदन}
- **राइट लिवलीहुड पुरस्कार, 2023 {पुरस्कार की घोषणा—28 सितम्बर, 2023} (पुरस्कार वितरण—29 नवम्बर, 2023)**—
  1. यूनिस ब्रुक मैन अमिसाह (Eunice Brookman-Amissah) {घाना}
  2. मदर नेचर ग्रुप्स (Mother Nature Groups) {कम्बोडिया}
  3. फैलिस ओमिडो (Phyllis Omido) {कीनिया}
  4. एसओएस मेडीटिरेनी (SOS Mediterranee) {भूमध्य सागर में शरणार्थियों के बचाव में संलग्न रहे मानवतावादी समूह}
- **आन्द्रेई सखारोव मानवाधिकार पुरस्कार, 2023**—महसा अमीनी
  {कुर्दिश मूल की दिवंगत ईरानी महिला}
  (घोषणा—19 अक्टूबर, 2023; पुरस्कार वितरण—13 दिसम्बर, 2023)
- **नॉर्मन ई. बोरलॉग पुरस्कार, 2023**—डॉ. स्वाति नायक (भारत) (24–26 अक्टूबर, 2023) {यह पुरस्कार 40 वर्ष से कम उम्र के वैज्ञानिकों को दिया जाता है}
- **गणित के क्षेत्र का एबेल पुरस्कार, 2024**—प्रो. मिशेल तालाग्रांड (Michel Talagrand) (फ्रांस) {घोषणा—20 मार्च, 2024; प्रदत्त—21 मई, 2024}
  2023—प्रो. लुइस ए. कैफेरेल्ली (Luis A. Caffarelli) (अमेरिका)
- **बुकर पुरस्कार, 2023**—पॉल लिंच (आयरलैण्ड) {26 नवम्बर, 2023}
  (कृति—प्रॉफेट सॉंग, उपन्यास)
- **प्रिट्जर पुरस्कार, 2023**—सर डेविड एलान चिपरफील्ड (Sir David Alan Chipperfield)
  (ब्रिटेन के जाने-माने आर्कीटेक्ट)
  2022—फ्रांसिस केरे (Francis Kere)
- **विश्व खाद्य पुरस्कार, 2023**—हीडी कुन्ह (Heidi Kuhn)
  (अमेरिका की गैर लाभ संस्था 'रूट्स ऑफ पीस' की संस्थापक)
  (वितरण—26 अक्टूबर, 2023)
  2022—सिंथिया रोसेनजवेग (Cynthia Rosenzweig)
  (अमेरिकी कृषि और जलवायु अनुसंधान वैज्ञानिक)
- **टेम्पलटन पुरस्कार, 2023**—डॉ. एडना अदन इस्माइल
  {सोमालीलैण्ड में महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य एवं जीवन के लिए संघर्षरत}
  2022—फ्रैंक विल्जेक {भौतिक विज्ञानी}
- **अन्तर्राष्ट्रीय सांख्यिकी पुरस्कार, 2023**—प्रो. सी. आर. राव (भारतीय मूल के अमेरिकी सांख्यिकीविद् एवं गणितज्ञ)
- **शास्त्र रामानुजन पुरस्कार, 2023**—रुइक्सियांग झांग
  (घोषणा—सितम्बर 2023; पुरस्कार वितरण—22 दिसम्बर, 2023)
- **गुइलेर्मो कानो प्रेस फ्रीडम पुरस्कार, 2024**—गाजा युद्ध को कवर कर रहे फिलीस्तीनी पत्रकारों को उनकी साहस-पूर्ण पत्रकारिता के लिए (2 मई, 2024)
  2023—नीलोफर हमीदी, इलाहेह मोहम्मदी तथा नर्गेस मोहम्मदी (ईरान की जेल में निरुद्ध तीन महिला पत्रकार)
- **स्टॉकहोम जल पुरस्कार (Stockholm Water Prize), 2024**
  (मार्च 2024; स्टॉकहोम इंटरनेशनल वाटर इंस्टीट्यूट (Stockholm International Water Institute–SIWI) द्वारा प्रदत्त; (वितरण—28 अगस्त, 2024).
  प्रो. ताइकान ओकी (Taikan Oki) {टोक्यो विश्वविद्यालय}
  2023—प्रोफेसर एंड्रिया रिनाल्डो (Andrea Rinaldo)

अन्तर्राष्ट्रीय सौन्दर्य प्रतियोगिताएं

- ***विश्व सुन्दरी (Miss World), 2023***—*क्रिस्टीना पिश्कोवा (Krystyna Pyszkova) {चैक गणराज्य} {घोषणा—9 मार्च, 2024}*
- ***मिस यूनीवर्स (Miss Universe), 2023***—*शेयन्निस पेलेसिऑस (Sheynnis Palacios) {निकारागुआ} {नवम्बर 2023}*
- ***मिस अर्थ, 2023***—*द्रिता जिरी {अल्बानिया} {22 दिसम्बर, 2023; हो चर मिन्ह सिटी (वियतनाम)}*
- ***मिस इंटरकॉंटिनेंटल, 2023***—*चैटनैलिन चोटजीरा वाराचैट {थाइलैण्ड} {15 दिसम्बर, 2023; शर्म अल शेख (मिस्र)}*
- ***मिस यूनीवर्स (Miss Universe) ब्यूनस आयर्स, 2024***—*एलेजांद्रा मारिस रोड्रिग्स {27 अप्रैल, 2024}*
- ***मिस डीवा अर्थ, 2023***—*श्वेता शारदा (भारत) {अगस्त 2023}*
- ***डिवाइन मिस अर्थ इंडिया, 2023***—*प्रियन सेन (जयपुर) {26 अगस्त, 2023}*
- ***मिस इंटरनेशनल इंडिया, 2023***—*प्रवीना अंजना (राजस्थान) {26 अगस्त, 2023}*

- **ओलम्पिक ऑर्डर**—डॉ. टेड्रोस घेब्रेयेसस (विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक)
- **जर्मन बुक ट्रेड का शांति पुरस्कार, 2023—** सलमान रुश्दी
  (भारत मूल के ब्रिटिश लेखक)
- **ग्रैण्ड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर—** शशि थरूर (लेखक व कांग्रेस के नेता)
  (फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक व सैन्य सम्मान, 20 फरवरी, 2024)
- **पेन पिंटर प्राइज—**अरुंधति रॉय (भारत) {27 जून, 2024}

खेल जगत के लॉरियस पुरस्कार, 2024
(22 अप्रैल, 2024; पेरिस में घोषणा) :

- **लॉरियस स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर (Laureus Sportsman of the Year)**—नोवाक जोकोविच (टेनिस, सर्बिया)
- **लॉरियस स्पोर्ट्सवुमैन ऑफ द ईयर (Laureus Sportswoman of the Year)**—एताना बोनमती {स्पेन}, फुटबॉल
- **लॉरियस वर्ल्ड टीम ऑफ द ईयर (Laureus World Team of the Year)**—स्पेन की महिलाओं की फुटबॉल टीम
- **लॉरियस वर्ल्ड कमबैक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (Laureus World Comeback of the Year)**—सिमोन बाइल्स (अमेरिका की जिमनास्ट)
- **लॉरियस ब्रेक थ्रू ऑफ द ईयर (Laureus Breakthrough of the Year)**—जूड बिक्टर बेलिंघम (इंग्लैण्ड के फुटबॉल खिलाड़ी)
- **लॉरियस एक्शन स्पोर्ट्स पर्सन ऑफ द ईयर (Action Sportsperson of the Year)—**ऑस्ट्रेलिया की स्केट बोर्डर एरिसा ट्रू
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ विकलांग खिलाड़ी (Sportsperson of the Year with a Disability)**—डीडे डि गुट (नीदरलैण्ड्स की व्हील चेयर टेनिस खिलाड़ी)

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) के वर्ष 2022-23 के पुरस्कार (19वें), (घोषणा—जनवरी, 2024; दुबई)

- **सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर (Cricketer of the Year) {गैरी सोबर्स ट्रॉफी}, 2022-23**—पैट कमिंस (Pat Cummins) (ऑस्ट्रेलिया) **2021-22**—बाबर आजम (पाकिस्तान)
- **सर्वश्रेष्ठ वन डे क्रिकेटर (One day Player of the Year) 2022-23**—विराट कोहली (भारत) **2021-22**—बाबर आजम (पाकिस्तान)
- **सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर (Test Player of the Year) 2022-23**—उस्मान खवाजा (ऑस्ट्रेलिया) **2021-22**—बेन स्टोक्स (इंग्लैण्ड)
- **सर्वश्रेष्ठ उभरता खिलाड़ी (Emerging Player of the Year) 2022-23**—रचिन रवीन्द्र (न्यूजीलैण्ड)
- **स्पिरिट ऑफ क्रिकेट पुरस्कार, 2022-23**—टीम जिम्बाब्वे
- **अम्पायर ऑफ द ईयर (डेविड शेफर्ड ट्रॉफी), 2022-23**—रिचर्ड इलिंग वर्थ (इंग्लैण्ड) (द. अफ्रीका) {लगातार दूसरे वर्ष}
- **ट्वेंटी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर, 2022-23—**सूर्य कुमार यादव (भारत)
  2021-22—सूर्य कुमार यादव (भारत)
- **एसोसिएट प्लेयर ऑफ द ईयर, 2021-22** : बास डी लीडे (नीदरलैण्ड्स)

महिला क्रिकेटरों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) के वर्ष 2022-23 के पुरस्कार :

(जनवरी 2024; अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC–International Cricket Council) ने पुरुष क्रिकेटरों के लिए पुरस्कारों की घोषणा के साथ)—

- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (Women Cricketer of the Year) {राशेल हेहोई-फ्लिंट ट्रॉफी}, 2022-23**—नताली रुथ स्कीवर (Natalie Ruth Sciver) (इंग्लैण्ड) {लगातार दूसरे वर्ष}
  2021-22—नताली रुथ स्कीवर (Natalie Ruth Sciver) (इंग्लैण्ड)
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला ओडीआई क्रिकेटर (Women ODI Cricketer of the Year) 2022-23**—चमारी अट्टापट्टू (श्रीलंका)
  2021-22—नताली रुथ स्कीवर (इंग्लैण्ड)
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला टी-20 खिलाड़ी (Womem's T-20 ODI Player of the Year), 2022-23**—हायली मैथ्यू (वेस्टइंडीज)

फीफा के वर्ष 2023 के पुरस्कार
(15 जनवरी, 2024)

- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर (The Best FIFA Men's Player)—**लियोनिल मैसी (Lionel Messi) {अर्जेन्टीना}
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर (The Best FIFA Women's Player)—**ऐताना बोनमती (Aitana Bonmati) (स्पेन)
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष कोच**—पेप गुआरडियाला (मैनचेस्टर सिटी टीम के कोच)
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला कोच**—सारिना वीग्मैन (ब्रिटेन की महिला टीम की कोच)
- **वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर (पुरुष)—** एडर्सन (मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलने वाले ब्राजीली खिलाड़ी)
- **वर्ष की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर (महिला)—** मैरी ईअप्से (मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए खेलने वाली इंग्लैण्ड की खिलाड़ी)

66वें ग्रेमी (Grammy) पुरस्कार {4 फरवरी, 2024; लॉस एंजेल्स (अमेरिका)} :

- **एलबम ऑफ द ईयर—**मिडनाइट्स (टेलर स्विफ्ट)

पाँच भारतीय कलाकारों को मिला ग्रेमी पुरस्कार, 2024

संगीत के क्षेत्र के विश्व के सर्वाधिक प्रतिष्ठित ग्रेमी पुरस्कारों के 66वें संस्करण में वर्ष 2024 में भारत के 5 कलाकारों ने पुरस्कार जीतने में सफलता प्राप्त की है. इनमें 72 वर्षीय तबला वादक जाकिर हुसैन को 3, बाँसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया के भतीजे राकेश चौरसिया को 2 तथा गायक शंकर महादेवन, वायलनिस्ट गणेश राजगोपालन व तबला वादक सेल्वा गणेश विनायक राम को 1-1 पुरस्कार मिला. भारतीय कलाकारों के पुरस्कारों का विवरण इस प्रकार है—

- ***सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल म्यूजिक एलबम का पुरस्कार**—शक्ति बैंड की एलबम—दिस मोमेंट (This Moment) के लिए एक अन्य के साथ जाकिर हुसैन, शंकर महादेवन, गणेश राजगोपालन व सेल्वा गणेश विनायक राम.*
- ***सर्वश्रेष्ठ काण्टेम्परेरी इन्स्ट्रूमेंटल एलबम का पुरस्कार**—एज वी स्पीक (As We Speak) एलबम के लिए दो अन्य कलाकारों के साथ जाकिर हुसैन व राकेश चौरसिया.*
- ***सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेन्स एलबम का पुरस्कार**—पश्तो एलबम के लिए दो अन्य कलाकारों के साथ जाकिर हुसैन व राकेश चौरसिया.*

- ☞ **रिकॉर्ड ऑफ द ईयर**—फ्लावर्स (माइली साइरस)
- ☞ **सांग ऑफ द ईयर**—ह्वाट वाज आई मेड फॉर (बिली एलिश और फिनीस ओ'कोनेल)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ न्यू आर्टिस्ट**—विक्टोरिया मोनेट
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ पॉप सोलो परफॉर्मेंस**—फ्लावर्स (माइली साइरस)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ पॉप वोकल एलबम**—मिडनाइट्स (टेलर स्विफ्ट)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ रॉक एलबम**—दिस इज वाई (परमोर)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ आर एण्ड बी (Rhythm and Blues) एलबम**—जगुआर-II (विक्टोरिया मोनेट)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ रैप एलबम**—माइकल (किलर माइक)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ कंट्री एलबम**—बेल बॉटम कंट्री (लैनी विल्सन)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल म्यूजिक एलबम**—दिस मोमेंट (शक्ति)

81वें गोल्डन ग्लोब (Golden Globe) पुरस्कार, 2024 (7 जनवरी, 2024, बेवर्ली हिल्स, लॉस एंजेल्स, कैलीफोर्निया) :

- ☞ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म :**
  ड्रामा श्रेणी—ओपेनहाइमर (Oppenheimer) (**निर्देशक**—क्रिस्टोफर नोलन)
  म्यूज़िकल/कॉमेडी श्रेणी—पूअर थिंग्स (Poor Things)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता :**
  ड्रामा श्रेणी—किलियन मर्फी (फिल्म ओपेनहाइमर में भूमिका हेतु)
  म्यूजिकल/कॉमेडी श्रेणी—पॉल गियामति (फिल्म—'द होल्डोवर्स' में भूमिका हेतु)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री :**
  ड्रामा श्रेणी—लिली ग्लैड स्टोन (फिल्म—'किलर्स ऑफ द फ्लॉवर मून' में भूमिका के लिए)
  म्यूजिकल/कॉमेडी श्रेणी—एम्मा स्टोन (फिल्म—'पूअर थिंग्स' में भूमिका हेतु)
  दोनों ही श्रेणियों में संयुक्त पुरस्कार :
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**—क्रिस्टोफर नोलन (फिल्म—ओपेनहाइमर के निर्देशन हेतु)
  सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता—रॉबर्ट डाउनी जूनियर (फिल्म—ओपेनहाइमर)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री**—डॉ वाइन जॉय रैडोल्फ (फिल्म—द होल्डोवर्स)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ एनीमेटेड फीचर फिल्म**—द बॉय एण्ड द हेरोन

नोबेल पुरस्कार-2023

***पुरस्कारों की घोषणा**—अक्टूबर 2022 (विभिन्न तिथियों में)*
***वितरण**—10 दिसम्बर, 2023*
***वितरण स्थल**—शांति का—ओस्लो (नॉर्वे)*
***शेष सभी**—स्टॉकहोम (स्वीडन)*

- ***साहित्य**—जॉन ओलाव फॉसे (John Olav Fosse) {नॉर्वे}*
  2022—एनी एरनॉक्स (Annie Ernaux) {फ्रांस}
- ***शांति**—नरगिस मोहम्मदी {ईरानी मानवाधिकार कार्यकर्ता}*
  2022—एलेस बियालियात्सकी {बेलारूस के मानवाधिकार कार्यकर्ता} व दो संस्थाओं—मेमोरियल, रूस तथा सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज, यूक्रेन को
- ***चिकित्सा**—कैटालिन कारिको और ड्रू वीसमैन {अमेरिका}*
- ***रसायन विज्ञान**—एलेक्सी आई. एकीमो, लुइस ई. ब्रूस तथा मोंगी जी. बावेंडी*
- ***भौतिक विज्ञान**—पियरे एगोस्टिनी {अमेरिका}, फेरेन्क क्रॉस्ज {जर्मनी} तथा एनी एल ह्युलियर {स्वीडन}*
- ***अर्थशास्त्र**—क्लाउडिया गोल्डिन (Claudia Goldin) {अमेरिका}*

96वें अकादमी (ऑस्कर) पुरस्कार-2024

(12 मार्च, 2024; लॉस एंजेल्स, अमेरिका)

- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ फिल्म**—ओपेनहाइमर (Oppenheimer) (निर्देशक—क्रिस्टोफर नोलन)*
  2023—एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वंस (निर्देशक—डेनियल क्वान व डेनियल शीइनर्ट)
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**—क्रिस्टोफर नोलन (फिल्म—ओपेनहाइमर)*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ अभिनेता**—किलियन मर्फी (फिल्म—ओपेनहाइमर)*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**—एम्मा स्टोन (मलेशियाई अभिनेत्री) (फिल्म—पूअर थिंग्स)*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता (सपोर्टिंग रोल)**—रॉबर्ट डाउनी जूनियर (फिल्म—ओपेनहाइमर)*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री (सपोर्टिंग रोल)**—दा' वाइन जॉय रैडोल्फ (फिल्म—द होल्डओवर्स)*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फिचर फिल्म**—द जोन ऑफ इंटरेस्ट*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ एनीमेटेड फिल्म**—द बॉय एण्ड द हेरॉन*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री (फीचर)**—20 डेज इन मारियुपोल*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी**—ओपेनहाइमर*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ परिधान डिजाइनिंग (Costume Design)**—पूअर थिंग्स*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ डाक्यूमेंट्री (शॉर्ट सबजेक्ट)**—द लास्ट रिपेयर शॉप*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ फिल्म एडिटिंग**—ओपेनहाइमर*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ संगीत (ओरिजिनल स्कोर)**—लुडविग गोरानसन (फिल्म—ओपेनहाइमर)*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ संगीत (ओरिजिनल सांग)**—ह्वाट वाज आई मेड फॉर (फिल्म—बार्बी)*
- ☞ ***सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म (लाइव एक्शन)**—द वंडरफुल स्टोरी ऑफ हेनरी शुगर*
- ☞ *96वें अकादमी (ऑस्कर) पुरस्कारों के तहत् फिल्म 'ओपनहाइमर' को विभिन्न श्रेणियों में सर्वाधिक 7 पुरस्कार प्राप्त हुए.*
- ☞ *फिल्म 'ओपेनहाइमर' सर्वाधिक 13 श्रेणियों में नामांकित हुई थी.*

- ☞ **गैर-अंग्रेजी भाषा में सर्वश्रेष्ठ फिल्म**—एनॉटोमी ऑफ ए फॉल (फ्रांस)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ पटकथा (Screenplay)**—जस्टिन ट्रायट व ऑर्थर हरारी (फिल्म—एनॉटोमी ऑफ ए फॉल के लिए)
  सर्वश्रेष्ठ मूल गीत—व्हाट वॉज आई मेड फॉर

77वें कान (Cannes) फिल्मोत्सव के पुरस्कार (2024) (14–25 मई, 2024; कान, फ्रांस) :

- ☞ **सर्वश्रेष्ठ फिल्म (Palm d'Or)**—एनोरा (Anora) (निर्देशक—सीन बेकर)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक**—मिगुएल गोम्स (फिल्म—ग्रांड टूर्स)
- ☞ **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता**—जैस प्लेमोंस (फिल्म—काइंड्स ऑफ काइंडनैस)

- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री**—जो एल्डाना, एड्रियान पाज, कर्ला सोफिया व सेलेना गोमेज (फिल्म—एमिलिया पेरेज)
- **गोल्डन कैमरा पुरस्कार (Camera d'Or)**—अरमंद (निर्देशक—हल्फदान उलमान, नॉर्वे)
- **ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार**—पायल कपाड़िया, भारत (फिल्म—ऑल वी इमेजिन एज लाइट)

पुलित्जर पुरस्कार, 2024 (घोषणा—6 मई, 2024; कोलम्बिया विश्वविद्यालय द्वारा) :

पत्रकारिता

- **जनसेवा (Public Service)**—कैलीफोर्निया के प्रोपब्लिका के पत्रकार
- **ब्रेकिंग न्यूज रिपोर्टिंग**—लुक आउट सांता क्रुज का स्टॉफ
- **इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्टिंग**—न्यूयॉर्क टाइम्स की हन्ना ड्रेयर
- **नेशनल रिपोर्टिंग**—रायटर्स का स्टाफ व द वाशिंगटन पोस्ट का स्टाफ
- **इंटरनेशनल रिपोर्टिंग**—न्यूयॉर्क टाइम्स का स्टाफ (गत वर्ष भी)
- **फीचर फोटोग्राफी**—एसोसिएटेड प्रेस का फोटोग्राफी स्टाफ

पुस्तकें, ड्रामा एवं संगीत

- **फिक्शन**—नाइट वाच (जेन एनी फिलिप्स)
- **हिस्ट्री**—नो राइट टू ए ऑनेस्ट लिविंग : द स्ट्रगल्स ऑफ बोस्टन्स ब्लैक वर्कर्स इन द सिविल वॉर एरा (लेखक—जैकलीन जोन्स)
- **ड्रामा**—प्राइमरी ट्रस्ट (लेखक—एबोनी बूथ)
- **पोएट्री**—Tripas : Poems (ब्रैंडन सौम)
- **बायोग्राफी**—किंग : ए लाइफ (द्वारा जोनाथन ईग) तथा मास्टर स्लेव हसबैंड वाइफ : एन एपिक जर्नी फ्रॉम स्लेबरी टू फ्रीडम
- **संगीत**—Adagio (For Wadade Leo Smith) (टायशॉन सोरी)

चर्चित व्यक्ति

राष्ट्रीय (National)

शीतल महाजन—भारत की प्रसिद्ध स्काइडाइवर शीतल महाजन ने 13 नवम्बर, 2023 को माउंट एवरेस्ट के सामने 21,500 फीट की ऊँचाई से हेलीकॉप्टर से छलांग लगाने वाली विश्व की पहली महिला बनकर एक नई उपलब्धि प्राप्त की.

श्रील प्रभुपाद—8 फरवरी, 2024 को गौड़ीय मिशन, जिसने वैष्णव सम्प्रदाय के मौलिक सिद्धान्तों को संरक्षित करने व उनके प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गौड़ीय मिशन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद की 150वीं जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में सरकार ने विशेष स्मारक सिक्का व डाक टिकट जारी किया.

हाल ही में बने कतिपय राज्यों के मुख्यमंत्री

- **हरियाणा**—नायब सैनी (12 मार्च, 2024)
- **झारखण्ड**—हेमंत सोरेन (जून 2024; पुनः शपथ)
- **अरुणाचल प्रदेश**—पेमा खांडू (जून 2024)
- **सिक्किम**—प्रेम सिंह तमांग (जून 2024)
- **आन्ध्र प्रदेश**—चन्द्रबाबू नायडू (जून 2024)
- **ओडिशा**—मोहन चरण मांझी (जून 2024)

रतन टाटा—15 मार्च, 2024 को टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा को प्रतिष्ठित पी. वी. नरसिम्हा राव मेमोरियल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. उन्हें यह सम्मान उनके परोपकारी योगदान के लिए प्रदान किया गया.

सुमन कुमारी—मार्च 2024 में सुमन कुमारी ने इंदौर के सेंट्रल स्कूल ऑफ वेपंस एण्ड टैक्टिक्स में 8 सप्ताह का स्नाइकर कोर्स पूरा कर प्रशिक्षण ग्रेड प्राप्त कर बीएसएफ की सब-इंस्पेक्टर सीमा सुरक्षा बल की पहली महिला स्नाइपर बन गईं.

शीतल देवी—16 मार्च, 2024 को शीतल देवी को भारत निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय दिव्यांगजन आइकन घोषित किया. अर्जुन पुरस्कार विजेता शीतल को दिव्यांगता श्रेणी में 'राष्ट्रीय आइकन' घोषित किया गया.

भारत के प्रधानमंत्री की नवीनतम विदेश यात्राएं

- **संयुक्त अरब अमीरात** : 13-14 फरवरी, 2024
- **कतर** : 14-15 फरवरी, 2024
- **भूटान** : 22-23 फरवरी, 2024
- **रूस व ऑस्ट्रिया** : 8-10 जुलाई, 2024
- **वियना** : 10 जुलाई, 2024
- **अमेरिका व मिस्त्र** : 20–24 जून, 2023
- **फ्रांस** : 13-14 जुलाई, 2023
- **ग्रीस** : 22–24 अगस्त, 2023
- **इण्डोनेशिया** : 5–7 सितम्बर, 2023

गोपीचंद थोटाकुरा—अन्तरिक्ष पर्यटक के रूप में अन्तरिक्ष यात्रा करने वाले गोपीचंद थोटाकुरा पहले भारतीय हैं. इन्होंने यह यात्रा अमेजॉन के संस्थापक जेफ बेजोस की कम्पनी ब्लू ऑरिजिन के 'न्यू शेपर्ड 25' (एनएस-25) मिशन के तहत् अन्तरिक्ष की यात्रा उन्होंने 19 मई, 2024 को की.

हेमन्त सोरेन—रांची में कुछ महँगे भूखण्डों की सेल डीड में हेराफेरी कर अवैध तरीके से उनकी खरीद-बिक्री करने के मामले में कुछ अधिकारियों व अन्य प्रभावशाली लोगों की गिरफ्तारियों के पश्चात् प्रवर्तन न्यायालय ने अन्ततः झारखण्ड के मुख्यमंत्री रहे हेमन्त सोरेन को 31 जनवरी, 2024 को लम्बी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी से पूर्व ही हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन को सौंप दिया था. जून 2024 में इनकी रिहाई हो सकी.

अन्तर्राष्ट्रीय (International)

शेख हसीना—चर्चित टाइम पत्रिका ने नवम्बर 2023 के अपने मुख पृष्ठ पर कवर स्टोरी के रूप में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को चित्रित किया, जो 76 वर्ष की आयु में बांग्लादेश के इतिहास में सबसे लम्बे समय तक शासन करने वाली महिला प्रमुख हैं.

मारग्रेट-II (Margreth-II)—डेनमार्क की महारानी मारग्रेट-II (Margreth-II) ने अपनी एक पूर्व घोषणा के अनुरूप ही स्वेच्छा से राजगद्दी का त्याग 14 जनवरी, 2024 को किया. 83 वर्षीय रानी मारग्रेट-II विगत 9 शताब्दियों में इस देश की पहली शासक हैं, जिन्होंने स्वेच्छा से राजगद्दी छोड़ी.

हाल ही में भारत की यात्रा पर आए कुछ विशिष्ट अतिथि

- **रानिल विक्रमसिंघे**—श्रीलंका के राष्ट्रपति (20-21 जुलाई, 2023)
- **किरियाकोस मित्सोताकिस**—हेलेनिक रिपब्लिक (ग्रीस) के प्रधानमंत्री (21-22 फरवरी, 2024)
- **इमैनुएल मैक्रॉं**—फ्रांस के राष्ट्रपति (25-26 जनवरी, 2024)

वर्ष 2024 के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि

गणतंत्र दिवस समारोह में किसी-न-किसी राष्ट्राध्यक्ष को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल करने की परम्परा भारत में रही है. वर्ष 2024 के भारत के 75वें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) समारोह के मुख्य अतिथि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉं थे.

विभिन्न देशों के नवनियुक्त प्रमुख/राष्ट्राध्यक्ष

- ☞ ***डॉ. हुन मानेट***—*कम्बोडिया के प्रधानमंत्री (22 अगस्त, 2023)*
- ☞ ***एमर्सन मनांगाग्वा (Emmerson Mnangagwa)***—*जिम्बाब्वे के राष्ट्रपति (23 अगस्त, 2023)*
- ☞ ***थर्मन शनमुगरत्नम (Tharman Shanmugaratnam)***—*सिंगापुर के राष्ट्रपति (1 सितम्बर, 2023)*
- ☞ ***डेनियल नोबोआ (Daniel Noboa)***—*इक्वाडोर के राष्ट्रपति (15 अक्टूबर, 2023)*
- ☞ ***शेख हसीना वाजेद***—*बांग्लादेश की प्रधानमंत्री (7 जनवरी, 2024; पाँचवें कार्यकाल)*
- ☞ ***लाई चिंग-ते (Lai Ching-te)***—*ताइवान के राष्ट्रपति (चुनाव : 13 जनवरी, 2024; कार्यकाल प्रारम्भ : 20 मई, 2024 से)*
- ☞ ***फ्रेडरिक आंद्रे हेनरिक क्रिश्चियन (Frederik Andre Henrik Christian***—*डेनमार्क के राजा (14 जनवरी, 2024)*
- ☞ ***लॉरिस वोंग (Lawrence Wong)***— *सिंगापुर के प्रधानमंत्री (15 मई, 2024)*
- ☞ ***प्रबोवो सुबियांतो (Prabowo Subianto)***—*इंडोनेशिया के राष्ट्रपति (निर्वाचन—24 अप्रैल, 2024; कार्यभार—20 अक्टूबर, 2024 से)*
- ☞ ***जोस राउल मुलिनो***—*पनामा के राष्ट्रपति (निर्वाचन—5 मई, 2024, कार्यभार—1 जुलाई, 2024 से)*
- ☞ ***किए स्टार्मर***—*ब्रिटेन के प्रधानमंत्री (जुलाई 2024 के प्रथम सप्ताह में निर्वाचित)*

कामी रीता शेरपा—12 मई, 2024 को नेपाल के पर्वतारोही कामी रीता शेरपा ने विश्व के सर्वोच्च एवरेस्ट शिखर पर 28 बार आरोहण का अपना ही विश्व रिकॉर्ड भंग कर दिया. 54 वर्षीय कामी रीता ने 29वीं बार 8848·86 मीटर ऊँचे सागरमाथा शिखर (एवरेस्ट का नेपाली नाम) पर चढ़कर नया रिकॉर्ड अपने नाम किया.

चर्चित स्थान

राष्ट्रीय (National)

नूंह—यह हरियाणा का एक स्थान है. जुलाई-अगस्त 2023 में नूंह हिंसा के कारण समाचारों के सुर्खियों में बना रहा. नूंह अवैध मकानों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किए जाने के कारण भी चर्चा में रहा.

ज्ञानवापी—4 अगस्त, 2023 को वाराणसी के चर्चित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के एएसआई से सर्वेक्षण कराने पर रोक लगाने से सर्वोच्च न्यायालय ने इनकार कर दिया.

केरलम

9 अगस्त, 2023 को केरल विधान सभा ने राज्य का नाम आधिकारिक रूप से बदलकर 'केरलम' करने का केन्द्र से अनुरोध करने सम्बन्धी प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया. यह प्रस्ताव केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पेश किया था. इस प्रस्ताव को कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा—यूडीएफ ने बिना किसी संशोधन या सुझाव दिए स्वीकार कर लिया.

सर्वोच्च न्यायालय ने एएसआई को सर्वेक्षण की अनुमति के फैसले में दखल देने से मना करते हुए एएसआई को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सर्वेक्षण के दौरान मस्जिद परिसर में किसी तरह की खुदाई से किसी भी संरचना को नुकसान नहीं पहुँचे.

विश्वनाथ घाट—सितम्बर 2023 में पर्यटन मंत्रालय ने असम में विश्वनाथ घाट को वर्ष 2023 के लिए भारत का सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव के रूप में घोषित किया. विश्वनाथ चरियाली शहर के दक्षिण में स्थित विश्वनाथ घाट को 'गुप्त काशी' के नाम से भी जाना जाता है.

वृन्दावन—देश में पहले पूर्ण बालिका सैनिक स्कूल की स्थापना मथुरा में वृन्दावन में की गई है. संविद गुरुकुल गर्ल्स सैनिक स्कूल नाम के इस पहले बालिका सैनिक स्कूल का उद्घाटन केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1 जनवरी, 2024 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिलकर किया. बालिकाओं के लिए सैनिक स्कूल खोलने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2023 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर की थी. तद्नुरूप ऐसा पहला स्कूल उत्तर प्रदेश के मथुरा में वृन्दावन में खोला गया है.

अहिल्यानगर—मार्च 2024 में महाराष्ट्र सरकार ने अहमदनगर जिले का नाम बदलकर अहिल्यानगर कर दिया.

लोअर दिबांग घाटी—16 मार्च, 2024 को अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग घाटी में देश का पहला ऑयल पाम प्रोसेसिंग संयंत्र शुरू किया गया.

वंतारा—फरवरी 2024 में दुनिया का सबसे बड़ा पशु पुनर्वास केन्द्र 'वंतारा' गुजरात के जामनगर में प्रारम्भ किया गया. इस केन्द्र का उद्देश्य घायल जीव जन्तुओं का बचाव, उपचार, देखभाल और उनका पुनर्वास करना है. रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा वंतारा कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जाएगा. यह जानवरों को समर्पित अपनी तरह का देश का पहला कार्यक्रम है.

हाथरस—उत्तर प्रदेश के हाथरस में जून, 2024 में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई. इस घटना की न्यायिक जाँच के लिए एक आयोग का गठन किया गया है.

देश के 5 अन्य आर्द्रभूमि क्षेत्र रामसर स्थलों की सूची में शामिल

देश के 5 अन्य आर्द्रभूमि क्षेत्रों (Watlands) को रामसर स्थलों की सूची में शामिल किया गया है. इस आशय के प्रमाण-पत्र रामसर कन्वेंशन के महासचिव डॉ. मुसौदा मुंबा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय वेटलैण्ड्स डे से 2 दिन पूर्व 31 जनवरी, 2024 को केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव को नई दिल्ली में सौंपे गए. इन्हें मिलाकर रामसर स्थलों में शामिल भारतीय आर्द्रभूमि क्षेत्रों की संख्या 80 हो गई थी. हालाँकि वर्तमान में बिहार के नागी और नकटी दो आर्द्रभूमियों के रामसर स्थल में शामिल हो जाने से जुलाई 2024 तक भारतीय आर्द्रभूमियों की संख्या 82 हो गई है. रामसर स्थलों की सूची में शामिल नए आर्द्रभूमि क्षेत्र हैं :

- ☞ *कराइवेट्टी पक्षी अभयारण्य (Karaivetti Bird Sanctuary), तमिलनाडु*
- ☞ *लॉन्गवुड शोला रिजर्व वन (Longwood Shola Reserve Forest), तमिलनाडु*
- ☞ *अंक समुद्री पक्षी संरक्षण रिजर्व (Ankasamudri Bird Conservation Reserve), कर्नाटक*
- ☞ *अघनाशिनी एस्चुएरी (Aghanashini Estuary), कर्नाटक*
- ☞ *मगदी केरे संरक्षण रिजर्व (Magadi Kere Conservation Reserve), कर्नाटक*
- ☞ *नागी (Nagi), जमुई, नकटी (Nakti), जमुई*

अन्तर्राष्ट्रीय (International)

पोखरा—17 मार्च, 2024 को नेपाली शहर पोखरा को नेपाल की पर्यटन राजधानी घोषित किया गया.

पनामा—मार्च 2024 में पनामा आधिकारिक तौर पर 'अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबन्धन' का 97वाँ सदस्य बना.

फिनलैण्ड—फिनलैण्ड 20 मार्च, 2024 को जारी विश्व खुशहाली रिपोर्ट-2024 में विश्व का सबसे खुशहाल देश माना गया है. 143 देशों में भारत का स्थान 126वाँ है.

विशिष्ट राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/आयोजनों के कारण चर्चित स्थल

स्थान	बहुचर्चित सम्मेलन/आयोजन (अवधि)
विनियस (Vinius) (लिथुआनिया)	नाटो (NATO) का शिखर सम्मेलन (11–12 जुलाई, 2023)
कोलम्बो (श्रीलंका)	ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इण्डिया की 67वीं कन्वेंशन (6–9 जुलाई, 2023)
जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)	15वाँ ब्रिक्स (BRICS) सम्मेलन (22–24 अगस्त, 2023)
पेरिस (फ्रांस)	ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल (26 जुलाई—11 अगस्त, 2024)
जकार्ता (इण्डोनेशिया)	आसियान का 43वाँ शिखर सम्मेलन (5–7 सितम्बर, 2023) 18वाँ पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन (7 सितम्बर, 2023) आसियान-भारत शिखर सम्मेलन (7 सितम्बर, 2023)
गोवा	भारत का पहला लाइटहाउस महोत्सव (23 सितम्बर, 2023) भारत का 54वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (20–28 नवम्बर, 2023)
हैदराबाद	वैश्विक आध्यात्मिकता सम्मेलन (17 मार्च, 2024)
नई दिल्ली	विश्व सतत् विकास सम्मेलन (7–9 फरवरी, 2024)
संयुक्त अरब अमीरात	विश्व व्यापार संगठन का 13वाँ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (26 फरवरी—2 मार्च, 2024)
पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)	7वाँ हिन्द महासागर सम्मेलन (फरवरी 2024)

आइसलैण्ड—16 मार्च, 2024 को आइसलैण्ड के रेकजेंस प्रायद्वीप में ज्वालामुखी विस्फोट हुआ. इस विस्फोट के बाद दक्षिणी आइसलैण्ड में आपात स्थिति की घोषणा की गई. इस विस्फोट से लगभग 3 किमी तक भूमि में दरार आ गई.

बहुचर्चित सम्मेलन/बैठक

'ब्रिक्स' का 15वाँ शिखर सम्मेलन : 22–24 अगस्त, 2023 के दौरान दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी में जोहान्सबर्ग में विश्व के पाँच देशों के समूह 'ब्रिक्स' (BRICS- Brazil, Russia, India, China and South Africa) का 15वाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ. पाँचों सदस्य देशों के शासन प्रमुखों—रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डि सिल्वा, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा व भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पारस्परिक महत्व के मुद्दों पर चर्चा इस सम्मेलन में की. इनके अतिरिक्त 67 देशों के नेताओं को भी मेजबान द. अफ्रीका द्वारा आमन्त्रित किया गया था. इस शिखर सम्मेलन की थीम—'ब्रिक्स और अफ्रीका : पारस्परिक रूप से त्वरित विकास, सतत विकास और समावेशी बहुपक्षवाद के लिए साझेदारी' थी.

'आसियान' का 43वाँ शिखर सम्मेलन : 5–7 सितम्बर, 2023 के दौरान इंडोनेशिया में जकार्ता में दक्षिण पूर्व एशिया के 10 देशों के समूह 'आसियान' (ASEAN- Association of South East Asian Nations) का 43वाँ शिखर सम्मेलन व उससे सम्बन्धित विभिन्न अन्य बैठकें सम्पन्न हुईं. 18वाँ पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन, भारत सहित कुछ अन्य देशों के साथ 'आसियान' की शिखर बैठकें तथा आसियान+3 बैठक (चीन, दक्षिण कोरिया व जापान की शिखर बैठक) आदि इन अन्य बैठकों में शामिल थे.

जी-20 का 18वाँ शिखर सम्मेलन— 9–19 सितम्बर, 2023 के दौरान भारत की मेजबानी में नई दिल्ली में विश्व की विकसित एवं उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 का 18वाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ. यह पहला अवसर था जब जी-20 का शिखर सम्मेलन भारत में आयोजित हुआ. इस शिखर सम्मेलन की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम्' (One Earth, One Family, one Future) थी.

विश्व व्यापार संगठन का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन—26 फरवरी—2 मार्च, 2024 के दौरान संयुक्त अरब अमीरात में आबू धाबी में विश्व व्यापार संगठन का 13वाँ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (MC-13) सम्पन्न हुआ. ई-कॉमर्स, मत्स्यिकी सब्सिडी, खाद्य सुरक्षा, सेवाओं के व्यापार एवं विनिवेश आदि मुद्दों पर गतिरोधों पर चर्चा इस सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में की गई. बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के कामकाज की समीक्षा सदस्य देशों के व्यापार मंत्रियों के इस सम्मेलन में की गई.

दुर्लभ खनिजों के सम्बन्ध में खनिज शिखर सम्मेलन—29-30 अप्रैल, 2024 के दौरान नई दिल्ली में महत्वपूर्ण खनिजों के लाभकारी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने, ज्ञान साझा करने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए 2 दिवसीय खनिज शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ. इस शिखर सम्मेलन का विषय था—'महत्वपूर्ण खनिज शिखर सम्मेलन : लाभकारी और प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ाना'

समारोह/महोत्सव/मेला/आयोजन

भारत का 54वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव—20–28 नवम्बर, 2023 के दौरान गोवा में पणजी में भारत का 54वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI- International Film Festival of India) सम्पन्न हुआ. यह लगातार 20वाँ वर्ष था जब इस चर्चित वार्षिक महोत्सव का आयोजन गोवा में पणजी में किया गया. 54वें अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भारत सहित विभिन्न देशों की चुनी हुई फिल्मों का प्रदर्शन विभिन्न खण्डों में किया गया. 25 फीचर फिल्मों व 20 गैर-फीचर फिल्मों का प्रदर्शन भारतीय पैनोरमा खण्ड में किया गया. फीचर फिल्मों में आनन्द एकार्शी द्वारा निर्देशित मलयालम फिल्म 'अट्टम' तथा गैर फीचर फिल्मों में लोंग जाम मीना देवी

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो–2024

1–3 फरवरी, 2024 के दौरान नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में विविध प्रकार के उत्पादों की प्रदर्शनी का आयोजन हुआ. देश-विदेश की 800 से अधिक कम्पनियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन इस प्रदर्शनी में किया. ऑटोमोबाइल्स, ऑटो कम्पोनेंट्स के अतिरिक्त इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रोनिक्स, साइकिल्स व ई-बाइक्स, बैटरीज व कंस्ट्रक्शन से सम्बन्धित उपकरण आदि उत्पाद इनमें शामिल थे.

भारत टेक्स–2024

26–29 फरवरी, 2024 के दौरान नई दिल्ली में भारतीय टैक्सटाइल उद्योग की अब तक का सबसे बड़ा वैश्विक कपड़ा कार्यक्रम 'भारत टेक्स-2024' नाम से सम्पन्न हुआ. 11 कपड़ा निर्यात संवर्धन परिषदों के संघ द्वारा आयोजित एवं वस्त्र मंत्रालय द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया. 110 से अधिक देशों के 3000 से अधिक खरीददारों ने दो स्थानों—भारत मंडपम व यशोभूमि पर आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लिया.

द्वारा निर्देशित 'एंड्रो ड्रीम्स' (मणिपुरी) भारतीय पैनोरमा खण्ड में उद्‌घाटन फिल्में थीं.

27वाँ राष्ट्रीय युवा महोत्सव—12–16 जनवरी, 2024 के दौरान नासिक् में महाराष्ट्र सरकार की मेजबानी में 27वाँ राष्ट्रीय युवा महोत्सव सम्पन्न हुआ. केन्द्र सरकार के खेल एवं युवा मंत्रालय द्वारा यह आयोजन महाराष्ट्र प्रशासन के सहयोग से किया गया.

50वाँ खजुराहो महोत्सव—फरवरी, 2024 में बहुचर्चित 50वाँ खजुराहो नृत्य महोत्सव मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में खजुराहो में सम्पन हुआ. भारतीय शास्त्रीय नृत्य परम्परा पर आधारित इस महोत्सव का आयोजन संस्कृति विभाग द्वारा उस्ताद अलाउद्दीन खान संगीत और कला अकादमी भोपाल के माध्यम से किया गया. यह महोत्सव प्रत्येक वर्ष छतरपुर जिले में स्थित खजुराहो के शानदार शहर में आयोजित किया जाता है. महोत्सव में कलाकार ऐतिहासिक स्मारकों की पृष्ठभूमि में अपना प्रदर्शन करते हैं.

विश्व पुस्तक मेला-2024

'नेशनल बुक ट्रस्ट' (NBT) के तत्वावधान में 51वें 'नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले' (NDWBF–New Delhi World Book Fair) का आयोजन नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 10–18 फरवरी, 2024 के दौरान हुआ. इस मेले का उद्‌घाटन केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने किया. इस वर्ष 'दिल्ली विश्व पुस्तक मेले' की थीम 'बहुभाषी भारत : एक जीवंत परम्परा' (Multi Lingual India : A Living Tradition) रखी गई थी तथा इसमें विशिष्ट अतिथि देश (Guest of Honour Country) का दर्जा सऊदी अरब को दिया गया था.

उल्लेखनीय है कि इस मेले का आयोजन 'इण्डिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन' (ITPO) के सहयोग से नेशनल बुक ट्रस्ट (NBT) द्वारा किया जाता है.

13वाँ दिव्य कला मेला—12–21 जनवरी, 2024 के दौरान नागपुर में दिव्य कला मेला का आयोजन हुआ. देशभर ने दिव्यांग उद्यमियों/कारीगरों के उत्पादों एवं शिल्प कौशल के प्रदर्शन एवं प्रोत्साहन के लिए दिव्य कला मेले का आयोजन केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्रालय द्वारा 'नेशनल दिव्यांग फाइनेंस एण्ड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन' (NDFDC) के माध्यम से 2022 से किया जा रहा है.

सूरजकुण्ड क्राफ्ट मेला-2024—2–18 फरवरी, 2024 के दौरान फरीदाबाद में हरियाणा का प्रसिद्ध (37वाँ) सूरजकुण्ड अन्तर्राष्ट्रीय क्राफ्ट में मेला सम्पन्न हुआ. हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर के साथ दीप प्रज्वलित कर इसका उद्‌घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 2 फरवरी, 2024 को किया. वर्ष 2024 में गुजरात को थीम राज्य तथा तंजानिया को साझीदार देश (Partner Country) का दर्जा प्रदान किया गया था.

ताज महोत्सव—17–27 फरवरी, 2024 के दौरान शिल्प, कला एवं संस्कृति के आगरा के प्रसिद्ध 'ताज महोत्सव' का आयोजन आगरा में ताजमहल के निकट शिल्पग्राम में हुआ. देश के विभिन्न भागों के शिल्पियों एवं कलाकारों ने अपनी कलाओं का प्रदर्शन इस महोत्सव में किया.

आदि महोत्सव-2024—10–18 फरवरी, 2024 के दौरान नई दिल्ली के मेजर ध्यानचन्द नेशनल स्टेडियम में राष्ट्रीय जनजाति महोत्सव-2024, जिसे आदि महोत्सव के नाम से प्रायः जाना जाता है भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ. भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (TRIFED : Tribal Cooperative Marketing Development Federation of India) द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित इस महोत्सव का उद्‌घाटन 10 फरवरी, 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया. 10 फरवरी, 2024 को महोत्सव में राष्ट्रपति की उपस्थिति में ही अनुसूचित जनजातियों के लिए उद्यम पूँजी निधि (VSF- ST : Venture Capital Fund for Scheduled Tribes) की शुरुआत भी की गई.

तीसरी भारतीय विश्लेषणात्मक कांग्रेस, 2024—5–7 जून, 2024 के दौरान उत्तराखण्ड के देहरादून में तीसरी भारतीय विश्लेषणात्मक कांग्रेस, 2024 का आयोजन हुआ. इसका मुख्य विषय था—'हरित परिवर्तनों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका'.

ऑपरेशन/अभियान

जिमेक्स-2023 (JIMEX-2023)

5–10 जुलाई, 2023 के दौरान विशाखापट्टनम के तट पर भारतीय नौसेना तथा जापान मेरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स (JMSDF) के संयुक्त अभ्यास 'जिमेक्स' का सातवाँ संस्करण सम्पन्न हुआ. इसमें पहले तीन दिन बन्दरगाह चरण के कार्यक्रम विशाखापट्टनम में हुए, जबकि बाद में समुद्री चरण बंगाल की खाड़ी में संयुक्त अभ्यास सम्पन्न हुआ. वर्ष 2022 में जापान में प्रारम्भ हुए इस संयुक्त अभ्यास का पिछला छठा संस्करण सितम्बर 2022 में विशाखापट्टनम व बंगाल की खाड़ी में ही सम्पन्न हुआ था.

ऑपरेशन सदर्न रेडिनेस-2023

10–12 जुलाई, 2023 के दौरान सेशेल्स के तट पर सम्पन्न अमेरिका, इटली, ब्रिटेन, सेशेल्स के रक्षा बलों व समुद्री पुलिस तथा EUNAVFOR (European Union Naval Force) देशों के संयुक्त समुद्री बलों के साथ भारत ने भी एक्सरसाइज ऑपरेशन सदर्न रडिनेस में भाग लिया. भारत की ओर से आईएनएस सुनयना ने इसमें भागीदारी की.

नोमैडिक एलीफेंट-2023

जुलाई 2023 में भारत व मंगोलिया के सैनिक नोमैडिक एलीफेंट-2023 नाम से द्विपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास में शामिल हुए. यह द्विपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास इस नाम के अभ्यास का 15वाँ संस्करण था. यह संयुक्त मिलिट्री एक्सरसाइज मंगोलिया के उलानबटोर में सम्पन्न हुई. नोमैडिक एलीफेंट एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जो मंगोलिया और भारत में वैकल्पिक रूप से आयोजित होता है. इसका पिछला संस्करण अक्टूबर 2019 में हिमाचल प्रदेश के बकलोह स्थित स्पेशल फोर्सेज ट्रेनिंग स्कूल में आयोजित किया गया था.

युद्ध अभ्यास-2023

भारत व अमेरिकी सेनाओं के संयुक्त वार्षिक 'युद्ध अभ्यास' का 19वाँ संस्करण अमेरिका में फोर्ट वेनराइट अलास्का में 25 सितम्बर—8 अक्टूबर, 2023 के दौरान सम्पन्न हुआ. दोनों देशों के बीच 'युद्ध अभ्यास' का 18वाँ संस्करण नवम्बर 2022 में उत्तराखण्ड में आयोजित किया गया था.

भारत ड्रोन शक्ति-2023

भारतीय ड्रोन उद्योग की क्षमता के प्रदर्शन हेतु दो दिवसीय ड्रोन शक्ति प्रदर्शिनी 2023 का आयोजन गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरबेस पर 25-26 सितम्बर, 2023 को हुआ.

खंजर

22 जनवरी—3 फरवरी, 2024 के दौरान हिमाचल प्रदेश में बकलोह स्थित विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल में भारत व किर्गिस्तान के बीच विशेष बल युद्धाभ्यास एक खंजर का 11वाँ संस्करण आयोजित हुआ. दो सप्ताह के इस अभ्यास में भारतीय सेना के दल का प्रतिनिधित्व पैराशूट रेजीमेंट (विशेष बल) के 20 सैनिकों द्वारा किया गया तथा इतने ही कर्मियों वाले किर्गिस्तान के दल का प्रतिनिधित्व मिस्र के स्कॉर्पियन ब्रिगेड द्वारा किया गया. यह संयुक्त अभ्यास दोनों देशों के बीच बारी-बारी से आयोजित होता है.

साइक्लोन-II (Cyclone-II)

22 जनवरी—1 फरवरी, 2024 के दौरान मिस्र के अंशास में आपसी रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत व मिस्र की सेनाओं के बीच संयुक्त विशेष बल अभ्यास 'साइक्लोन-II' सम्पन्न हुआ. यह सैन्याभ्यास दोनों देशों की सेनाओं के बीच दूसरा संयुक्त अभ्यास था. इसके तहत् विशेष बलों के आपसी तालमेल, संचालन और पेशेवराना कौशल को एक-दूसरे से साझा किया गया. इसके पहले संस्करण का आयोजन 14–27 जनवरी, 2023 के दौरान राजस्थान के जैसलमेर में हुआ था.

मिलन-24

19–27 फरवरी, 2024 के दौरान विशाखापट्टनम में भारतीय नौसेना का सबसे बड़ा संयुक्त नौसैनिक अभ्यास मिलन-2024 सम्पन्न हुआ. 9 दिन के इस नौसैनिक अभ्यास में अमेरिका, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, द. कोरिया, वियतनाम, मलेशिया व इण्डोनेशिया सहित 50 देशों की नौसेनाएं इसमें शामिल थीं. मित्र देशों के 15 युद्धपोत व एक नौसैनिक पेट्रोलिंग विमान इसमें शामिल थे, जबकि भारत के दोनों विमान वाहक युद्धपोत विक्रांत व विक्रमादित्य सहित लगभग 20 युद्धपोतों व लगभग 50 विमानों ने इसमें हिस्सा लिया. ऐसा पिछला 11वाँ आयोजन 25 फरवरी—4 मार्च, 2022 को विशाखापट्टनम में ही हुआ था, जिसमें 39 देशों ने भाग लिया था.

वायु शक्ति-2024

भारतीय वायु सेना ने अपनी आक्रामक एवं मारक क्षमता का विशाल प्रदर्शन राजस्थान के जैसलमेर में 17 फरवरी, 2024 को अपने युद्धाभ्यास वायुशक्ति-24 के तहत् किया. इस वर्ष इस अभ्यास की थीम—'आकाश से बिजली का प्रहार' (Lightning Strike from the Sky) थी. भारतीय वायुसेना के राफेल एसयू 30, एमकेआई, मिग-29 फाइटर जेट, मिराज-2000, तेजस व हॉक सहित 120 से अधिक विमानों ने दिन के साथ-साथ रात में भी सटीक निशाने लगाकर अपनी आक्रामक शक्ति का प्रदर्शन इस अभ्यास के तहत् किया. वायु शक्ति भारतीय वायुसेना का 3-3 वर्ष के अन्तराल पर होने वाला प्रदर्शन है. ऐसा पिछला वायु शक्ति प्रदर्शन 5 वर्ष पूर्व फरवरी, 2019 में किया गया था. उसके पश्चात् रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच 2022 में यह स्थगित कर दिया गया था.

धर्म गार्जियन-24

भारतीय सेना तथा जापान की ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स के बीच दो सप्ताह के सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन' का पाँचवाँ संस्करण राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में 25 फरवरी, 2024 को प्रारम्भ हुआ था. इस संयुक्त अभ्यास में भारत की सैन्य टुकड़ी में राजपूताना राइफल्स के 40 जवान शामिल रहे. इतने ही जवान जापान की 34वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट की टुकड़ी में थे. धर्म गार्जियन अभ्यास का पिछला चौथा संस्करण जापान में शिगा प्रान्त में 17 फरवरी-2 मार्च, 2023 को सम्पन्न हुआ था.

लामितिये, 2024 (Lamitiye, 2024)

18–27 मार्च, 2024 के दौरान सेशेल्स स्थित सेशेल्स रक्षा अकादमी में भारत व सेशेल्स के द्विवार्षिक संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास का 10वाँ संस्करण 'लामितिये, 2024' सम्पन्न हुआ. क्रियोल भाषा में लामितिये का अर्थ है—मित्रता. दोनों देशों के मध्य यह द्विवार्षिक संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास सेशेल्स में ही आयोजित होता रहा है. इसका पिछला 9वाँ संस्करण मार्च 2022 में सेशेल्स में ही सम्पन्न हुआ था. रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह संयुक्त अभ्यास भारतीय सेना व सेशेल्स रक्षा बलों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाने तथा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सम्बन्धों को आगे बढ़ाने में सहायक होगा.

समुद्र लक्ष्मण, 2024

28 फरवरी-2 मार्च, 2024 के दौरान विशाखापट्टनम के तट पर भारत व मलेशिया के द्विपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास समुद्र लक्ष्मण का तीसरा संस्करण सम्पन्न हुआ. भारतीय नौसेना का आईएनएस किल्टन तथा मलेशिया की ओर से मलेशियाई पोत के.डी. लकीर इस संयुक्त अभ्यास में शामिल थे. समुद्री मामलों में भारत व मलेशियाई नौसेना के बीच सम्बन्धों को सशक्त बनाने तथा पारस्परिक सहयोग में वृद्धि के उद्देश्य से दोनों देशों के मध्य इस संयुक्त अभ्यास की शुरुआत की गई थी.

ऑपरेशन इन्द्रावती

हैती (Hatti) में एक लम्बे समय से चल रहे राजनीतिक एवं मानवीय संकट से रिकॉर्ड भूख एवं कुपोषण की स्थिति बनी हुई है. इसके कारण शक्तिशाली हथियार बंद गिरोहों ने लूटपाट की स्थिति वहाँ बनाई हुई है. हथियार बंद गिरोहों व सेना पुलिस के बीच आम आदमी फँसे हुए हैं तथा खाने की संकट की स्थिति है. अमेरिका सहित कई देशों ने अपने दूतावास वहाँ से खाली करने शुरू कर दिए है. हैती में भारत का दूतावास नहीं है. वहाँ फँसे भारतीयों को निकालने के लिए 'ऑपरेशन इन्द्रावती' सरकार द्वारा मार्च 2024 में प्रारम्भ किया गया. इस ऑपरेशन के तहत् हैती में फँसे भारतीयों को पड़ोसी देश डोमिनिकन रिपब्लिक (Dominican Republic) ले जाया गया.

शक्ति

13–26 मई, 2024 के दौरान मेघालय के उमराई में भारत व फ्रांस के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'शक्ति' सम्पन्न हुआ. पारस्परिक सैन्य सहयोग में वृद्धि के उद्देश्य से भारत व फ्रांस की सेनाओं के बीच द्विवार्षिक सैन्याभ्यास शक्ति की शुरुआत 2011 में हुई थी.

आयोग समिति

कोविंद समिति

'एक देश, एक चुनाव' की धारणा की सम्भावनाएं तलाशने तथा इस दिशा में आवश्यक सुझाव देने के लिए 8 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन केन्द्र सरकार ने 2 सितम्बर, 2023 को किया. समिति के अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को बनाया गया है. समिति की पहली औपचारिक बैठक 23 सितम्बर, 2023 को नई दिल्ली में सम्पन्न हुई. 14 मार्च, 2024 को समिति ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी. विधि एवं न्याय मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार एक देश, एक चुनाव की सम्भावनाओं पर विचार के लिए यह समिति संविधान, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम व अन्य सम्बन्धित कानूनों की समीक्षा कर, उन विशिष्ट संशोधनों की सिफारिश करेगी, जिनकी एक साथ चुनाव कराने के लिए आवश्यकता होगी.

गीता मित्तल समिति

7 अगस्त, 2023 को सर्वोच्च न्यायालय ने मणिपुर हिंसा से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए उच्च न्यायालय की तीन पूर्व महिला न्यायाधीशों की समिति गठित की. समिति का अध्यक्ष जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल को बनाया गया. दो अन्य महिला न्यायाधीशों में शालिनी पी. जोशी व आशा मेनन शामिल हैं.

बाजवा समिति

27 दिसम्बर, 2023 को भारतीय ओलम्पिक संघ (IOC) ने भूपिन्दर सिंह बाजवा की अध्यक्षता में भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के कामकाज के लिए तीन सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन किया.

राजीव गौबा समिति

16 अप्रैल, 2024 को समलैंगिकों के मामले में विचार करने के लिए कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता में केन्द्र सरकार द्वारा एक 6 सदस्यीय समिति का गठन किया गया. इसका उद्देश्य समलैंगिक समुदाय के लोगों की समस्याओं की पहचान करना तथा

उसका समुचित हल सुझाना है. इस समिति का गठन सर्वोच्च न्यायालय के 5 न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा सुप्रियो बनाम भारत सरकार के मामले में पारित निर्णय के अनुपालन में किया गया.

चर्चित पुस्तकें

- **अनब्रोकन : द अनटोल्ड स्टोरी** (Unbroken : The Untold Story) —इन्द्राणी मुखर्जी
- **मेमोइर्स ऑफ ए मैवेरिक** (Memoirs of a Maverick) —मणिशंकर अय्यर
- **हाऊ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड** (How Prime Ministers Decide) —नीरजा चौधरी
- **राइटिंग फॉर माई लाइफ** (Writing for My Life) —रस्किन बाँड
- **गौतम अडानी : रीइमेजिनिंग बिज़नेस इन इंडिया एण्ड द वर्ल्ड** (Gautam Adani : Reimagining Business in India and the World) —आर. एन. भास्कर
- **स्पेयर** (Spare Memoir) (आत्मकथा) —प्रिंस हैरी (द ड्यूक ऑफ सक्सेस)
- **गीता से गुजरते हुए** —डॉ. सूर्यनारायण पाण्डेय
- **विक्ट्री सिटी** (Victory City) —सलमान रुश्दी
- **नैवर नैवर** (Never Never) —कोलीन हूवर एवं टैरीन फिशर
- **होम कमिंग** (Home Coming) —केट मॉर्टन
- **लोक मांझे संगति (मराठी)** — शरद पवार (आत्मकथा)
- **हैप्पी प्लेस** (Happy Place) —एमिली हेनरी
- **ब्लड मेरिडियन, ऑल द प्रिटीहॉर्सेज तथा द ऑर्चर्ड कीपर** —कार्मेक मैक्कार्थी (अमेरिकी उपन्यासकार, 13 जून, 2023 को निधन)
- **हॉउ द बेस्ट लीडर्स लीड** (How the best Leaders Lead) —ब्रायन ट्रेसी
- **स्मोक एण्ड एशेज़** (Smoke and Ashes) —अमिताभ घोष
- **थ्रू द ब्रोकन ग्लास : एन ऑटोबायोग्राफी** (Throgh the Broken Glass : An Autobiography) —टी.एन. शेषन
- **द्रौपदी मुर्मू : फ्रॉम ट्राइबल हिंटर-लैण्ड्स टू रायसीना हिल** (Droupadi Murmu : From Tribal Hinterlands to Raisina Hill) —कस्तूरी रे
- **मैडम प्रेसीडेंट : द बायोग्राफी ऑफ द्रौपदी मुर्मू** (Madam President : The Biography of Droupadi Murmu) —सदीप साहू
- **बिफोर वी वर इनोसेंट** (Before we were Innocent) —इला बर्मन
- **मिराकिल मेकर्स : इंडियन क्रिकेट्स ग्रेटेस्ट एपिक** (Miracil Makers : Indian Cricket's Greatest Epic) —भरत सुंदरेसन व गौरव जोशी
- **इंडिया राइजिंग : मेमोइर ऑफ ए साइंटिस्ट** (India Rising : Memoir of a Scientist) —आर. चिदम्बरम व सुरेश गंगोत्रा

फली सैम नरीमन की कुछ चर्चित पुस्तकें

- **बिफोर मेमोरी फेड्स** (Before Memory Fades)
- **गॉड सेव द सुप्रीम कोर्ट** (God Save the Supreme Court)
- **द स्टेट ऑफ द नेशन** (The State of the Nation)
- **इंडियाज लीगल सिस्टम : कैन इट बी सेव्ड**

- **द एनीमी** (The Enemy) —सारा एडम्स
- **नाइटवाच** (Night Watch) —जेन एनी फिलिप्स {वर्ष 2024 का पुलित्जर पुरस्कार}

बुकर पुरस्कार–2023 के लिए अल्पसूचीबद्ध (Short List) 6 पुस्तकें
(21 दिसम्बर, 2023 को अल्पसूचीबद्ध)

पुस्तक का नाम	लेखक
1. वेस्टर्न लेन (Western Lane)	चेतन मारू (भारतीय मूल की ब्रिटिश लेखिका)
2. प्रोफेट सॉंग (Prophet Song)	पॉल लिंच (आयरलैण्ड)
3. बी स्टिंग (Bee Sting)	पॉल मुरे (आयरलैण्ड)
4. स्टडी फॉर ओबीडिएंस (Study for Obedience)	सारा बर्नस्टीन (कनाडा)
5. इफ आई सर्वाइव यू (If I Survive You)	जोनाथन एस्कॉफ्री (अमेरिका)
6. दिस अदर ईडन (This Other Eden)	पॉल हॉर्डिंग

- **द लास्ट टेल ऑफ द फ्लॉवर ब्राइड** (The Last Tale of the Flower Bride) —रोशनी चोकशी
- **फोर्टीन डेज़** (Fourteen Days) —मार्गरेट एटवुड
- **व्हाई भारत मैटर्स** (Why Bharat Matters) —एस. जयशंकर
- **ब्रेकिंग द मोल्ड : रीइमेजिनिंग इंडियाज़ इकोनॉमिक फ्यूचर** (Breaking the Mould : Reimagining India's Economic Future) —रघुराज जी. राजन व रोहित लाम्बा
- **11 रूल्स फॉर लाइफ** (11 Rules for Life) —चेतन भगत
- **कीप योर फ्रेंड्स क्लोज़** (Keep Your Friends Close) —लीह कोनेन
- **ऑल द डेंजरस थिंग्स** (All the Dangerous Things) —स्टेली विलिंघम
- **कैरोस** (Kairos) —जैनी एर्पन बैक {वर्ष 2024 का अन्तर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार}

निधन

राष्ट्रीय (National)

नंबूथिरी (7 जुलाई, 2023)—केरल के प्रसिद्ध मूर्तिकार व चित्रकार

डॉ. मंगला नार्लिकर (17 जुलाई, 2023)—प्रसिद्ध गणितज्ञ

ओमान चांडी (18 जुलाई, 2023)—वरिष्ठ कांग्रेसी नेता

अरुण कुमार सिन्हा (6 सितम्बर, 2023)—स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (SPG) के निदेशक

सरोजा वैद्यनाथन (21 सितम्बर, 2023)—प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना

एम. एस. स्वामीनाथन (28 सितम्बर, 2023)—भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में प्रसिद्ध महान् कृषि वैज्ञानिक

उस्ताद अजी जकी हैदर (सितम्बर, 2023)—प्रसिद्ध रुद्र वीणा प्रतिपादक.

मनोहर सिंह गिल (15 अक्टूबर, 2023)—भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त

बिशन सिंह बेदी (22 अक्टूबर, 2023)—बीते वर्षों के महान् क्रिकेटर

केदारनाथ अग्रवाल (13 नवम्बर, 2023)—मिठाई व नमकीन की प्रतिष्ठित चेन बीकानेरवाला के संस्थापक

सुब्रत राय (14 नवम्बर, 2023)—सहारा समूह के संस्थापक, उद्यमी

उस्ताद राशिद खान (9 जनवरी, 2024)—रामपुर सहसवान घराने के शास्त्रीय संगीतकार

प्रभा अत्रे (13 जनवरी, 2024)—किराना घराने की प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका

मुनव्वर राणा (14 जनवरी, 2024) —प्रसिद्ध उर्दू शायर

उषा किरण खान (11 फरवरी, 2024)—हिन्दी व मैथिली की प्रसिद्ध स्थान लेखिका

दत्ताजीराव गायकवाड़ (13 फरवरी, 2024)—भारत के सर्वाधिक उम्र के टेस्ट खिलाड़ी

जैन मुनि आचार्य विद्यासागर (18 फरवरी, 2024)—जैन समाज के वर्तमान समय के वर्धमान कहे जाने वाले संत

अमीन सयानी (21 फरवरी, 2024)—बीते दशकों में रेडियो कार्यक्रमों के प्रस्तुतकर्ता

फली सैम नरीमन (21 फरवरी, 2024)—प्रख्यात विधि विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ अधिवक्ता

मनोहर जोशी (23 फरवरी, 2024)—महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष

पंकज उधास (26 फरवरी, 2024)—सुप्रसिद्ध गजल गायक

एल. रामदास (15 मार्च, 2024)—भारतीय नौसेना के पूर्व प्रमुख एडमिरल

जफर आगा (22 मार्च, 2024)— जाने-माने पत्रकार व नेशन हेराल्ड के पूर्व प्रधान सम्पादक

गंगू रामसे (7 अप्रैल, 2024)—जाने-माने सिनेमेटोग्राफर

वर्गीज कोशी (1 मई, 2024)—शतरंज के प्रसिद्ध प्रशिक्षक

गोपाल कृष्ण गोस्वामी (5 मई, 2024)—इस्कॉन (Iskcon) के सबसे वरिष्ठ संन्यासियों में से एक

सुरजीत पातर (11 मई, 2024)—सुप्रसिद्ध पंजाबी साहित्यकार

पी.जॉर्ज मथाई (12 मई, 2024)—वरिष्ठ पत्रकार

सुशील कुमार मोदी (13 मई, 2024)—भाजपा के वरिष्ठ नेता व बिहार के उपमुख्यमंत्री

मालती जोशी (15 मई, 2024)—हिन्दी व मराठी की प्रसिद्ध साहित्यकार

माधवी राजे सिंधिया (15 मई, 2024)—ज्योतिरादित्य सिंधिया की माता

डॉ. कमला बेनीवाल (15 मई, 2024)—राजस्थान की पूर्व उपमुख्यमंत्री व गुजरात की पूर्व राज्यपाल

नारायणन वाघुल (18 मई, 2024)—वरिष्ठ बैंकर

अन्तर्राष्ट्रीय (International)

सी.आर. राव (22 अगस्त, 2023)—भारतीय मूल के अमेरिकी गणितज्ञ

येवगेनी विक्टारोविच प्रिगोझिन (23 अगस्त, 2023)—पूर्व वर्षों में रूसी राष्ट्रपति के घनिष्ठ समर्थक

हीथ हील्टन स्ट्रीक (3 सितम्बर, 2023)—जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान

जियोर्जियो नेपोलितानो (13 अक्टूबर, 2023)—इटली के पूर्व राष्ट्रपति

मार्टी अहमिसारी (16 अक्टूबर, 2023)—फिनलैण्ड के पूर्व राष्ट्रपति

ली केकियांग (27 अक्टूबर, 2023)—चीन के पूर्व प्रधानमंत्री

मारियो जगालो (Mario Zagallo) {5 जनवरी, 2024}—ब्राजील के पूर्व वर्षों के जाने-माने फुटबॉलर

फ्रांज बेकेन बाउर (Franz Beckenbauer) {7 जनवरी, 2024}—जर्मनी के पूर्व वर्षों के प्रसिद्ध फुटबॉलर

सेबेस्टियन पिनेरा (Sebastian Pinera) {6 फरवरी, 2024}—चिली के पूर्व राष्ट्रपति

हेज गींगोब (Hage Geingob {4 फरवरी, 2024}—नामीबिया के राष्ट्रपति

केल्विन किप्टम (Kelvin Kiptum) {11 फरवरी, 2024}—मैराथन दौड़ में विश्व रिकॉर्डधारी कीनियाई धावक

पीटर हिग्स (अप्रैल 2024)—ब्रिटिश भौतिक विज्ञानी

एलिस मुनरो (13 मई, 2024)—नोबेल पुरस्कार विजेता (2013) कनाडा की लेखिका

अन्तरिक्ष/रक्षा/प्रतिरक्षा/विज्ञान/प्रौद्योगिकी

चन्द्रयान-3

भारत के महत्वाकांक्षी मिशन चन्द्रयान-3 ने 17 अगस्त, 2023 को बड़ी उपलब्धि हासिल की. इसके लैंडर मॉड्यूल अर्थात् विक्रम लैण्डर व प्रणोदन मॉड्यूल सफलतापूर्वक अलग हो गए. उल्लेखनीय है कि 14 जुलाई, 2023 को भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपने तीसरे चन्द्र मिशन चन्द्रयान-3 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया था. सतीश धवन स्पेस सेंटर से एलवीएम3-एम4 रॉकेट के माध्यम से चन्द्रयान-3 को चाँद के दक्षिणी ध्रुव तक की 41 दिन की जटिल यात्रा पर रवाना किया गया था. 5 अगस्त, 2023 को इसने चन्द्रमा की कक्षा में प्रवेश किया. चन्द्रयान-3 की सफलता से भारत न केवल चाँद पर पहुँचने वाले विश्व के शीर्ष चार देशों में शामिल हो गया था, अपितु इससे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को भी नई दिशा मिली.

लूना-25

11 अगस्त, 2023 को रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस (Roscosmos) ने चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग के लिए लूना-25 (Luna-25) का प्रक्षेपण किया था. इसके मूल कार्यक्रम के तहत् चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर इसकी सॉफ्ट लैंडिंग 21 अगस्त, 2023 को होनी थी. सोयुज 2-1 बी रॉकेट के जरिए रूस के वोस्तोनी कॉस्मोड्रोम से लूना ग्लोब मिशन के तहत् किया गया यह प्रक्षेपण विफल रहा. चन्द्रमा पर लैंडिंग से ठीक पहले ऑर्बिट बदलते समय असामान्य स्थिति में आ जाने के कारण यह ठीक ढंग से ऑर्बिट नहीं बदल सका तथा चन्द्रमा की सतह से टकराकर यह नष्ट हो गया.

आदित्य-एल 1 मिशन

चन्द्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद 'भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन' ने सूर्य के अध्ययन हेतु आदित्य-एल1 का प्रक्षेपण 2 सितम्बर, 2023 को किया. 1480·7 किग्रा वजन का आदित्य-एल1 एक वेधशाला है, जिसे सूर्य के कोरोना के दूरस्थ अवलोकन व अध्ययन के लिए डिजाइन किया गया है.

सी-295 परिवहन विमान

सितम्बर 2023 में सी-295 परिवहन विमान वायुसेना के गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरबेस पर तैनात किया गया. सेविले (स्पेन) स्थित यूरोपीय विमानन कम्पनी एयरबस डिफेंस एण्ड स्पेस की उत्पादन इकाई ने भारतीय वायु सेना के लिए यह पहला एयरबस सी-295 परिवहन विमान 13 सितम्बर, 2023 को सेविले में भारतीय वायुसेनाध्यक्ष एयर फील्ड मार्शल वीआर चौधरी को सौंपा था. कुल 16 सी-295 विमान तैयार हालत में स्पेन से प्राप्त किए जाएंगे.

मत्स्य—6000

चन्द्रमा व सूर्य की दिशा में अध्ययन एवं अनुसंधान के लिए कदम बढ़ाने के पश्चात् अब गहरे समुद्र में भी संसाधनों एवं जैव-विविधता के सम्बन्ध में अध्ययन भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे हैं. इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए

समुद्र से 6,000 मीटर गहराई तक समुद्रयान भेजने की भू-विज्ञान मंत्रालय की योजना है. इस समुद्रयान (पनडुब्बी) को 'मत्स्य-6,000' नाम दिया गया है. मत्स्य-6,000 की लॉन्चिंग 2026 में सम्भावित है.

शिवशक्ति

भारत के चन्द्रयान-3 के विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त, 2023 को चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जिस स्थल पर सॉफ्ट लैंडिंग की थी, उस स्थल को 'शिवशक्ति' स्थल नाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 3 दिन बाद दिया था. इसके साथ ही 23 अगस्त, 2023 को 'राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस' के रूप में उन्होंने घोषित किया था. लैंडिंग स्थल को शिवशक्ति पॉइंट के रूप में मान्यता 'अन्तर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ' (IAU- International Astronaumical Union) ने 19 मार्च, 2024 को प्रदान कर दी है.

सूर्य के अध्ययन की 125वीं वर्षगाँठ

अप्रैल 2024 में तमिलनाडु में स्थित कोडाइकनाल सौर वेधशाला द्वारा सूर्य के अध्ययन की 125वीं वर्षगाँठ मनाई गई. 1 अप्रैल, 1899 को ब्रिटिश सरकार द्वारा स्थापित इस वेधशाला के पास विश्व में सूर्य के सबसे लम्बे समय तक निरंतर दैनिक रिकॉर्ड उपलब्ध है.

मंगल मिशन-2033

अमेरिकी अन्तरिक्ष एजेंसी 'नासा' (NASA) के इस मिशन का लक्ष्य वर्ष 2033 तक मंगल ग्रह से 30 मार्टियन रॉक लाने की है. यह नमूना लाल ग्रह के जेजेरो क्रेटर से लिया जाएगा. मिशन-2033 के तहत् वर्ष 2028 में पृथ्वी से लैण्डर का प्रक्षेपण किया जाएगा, जो 2030 में मंगल पर उतरेगा.

मीरा रोबोट द्वारा अन्तरिक्ष में सर्जरी का पहला परीक्षण

धरती पर रहते हुए चिकित्सकों ने पहली बार 'अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन' (ISS) पर रोबोटिक सर्जरी का सफल परीक्षण 10 फरवरी, 2024 को किया. इसके लिए इस्तेमाल किए गए रोबोट को मीरा (MIRA- Miniaturized in Vivo Robotic Assistant) नाम दिया गया था. केवल 2 पाउंड वजन का मीरा एक रोबोटिक सिलेंडर है. चलने में मदद के लिए उसके नीचे दो मूवेबल प्रोंग लगे हैं, जिनके अन्त में 2 छोटे टूल्स हैं. मीरा रोबोट का विकास कई वर्षों के परिश्रम एवं प्रयास के पश्चात् नासा के सहयोग से नेब्रास्का लिंकन यूनीवर्सिटी में इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो. शेन फरिटर (Shen Farritor) व उनकी टीम ने किया है.

विविध

प्रोजेक्ट चीता के एक वर्ष

पृथ्वी पर सबसे तेज गति से दौड़ने वाले जानवर चीते के भारत में विलुप्त होने के लगभग 75 वर्ष पश्चात् देश में उनके पुनर्वास के लिए 2022 में शुरू किए गए प्रोजेक्ट चीता का एक वर्ष 17 सितम्बर, 2023 को पूरा हुआ. इस प्रोजेक्ट के तहत् नामीबिया से लाकर 8 चीतों को मध्य प्रदेश के कूनों नेशनल पार्क में छोड़ा गया था, जबकि 12 अन्य चीते द. अफ्रीका से लाकर 18 फरवरी, 2023 को कूनों नेशनल पार्क में ही छोड़े गए थे. इनमें से 6 वयस्क चीतों की मृत्यु विगत एक वर्ष में विभिन्न कारणों से हो चुकी है. एक दीर्घकालिक परियोजना होने के नाते द. अफ्रीका/नामीबिया/अन्य अफ्रीकी देशों से 12–14 चीतों को अगले 5 वर्ष तक प्रति वर्ष और उसके पश्चात् आवश्यकता के आधार पर लाया जाएगा.

विभिन्न वर्ष के रूप में घोषित वर्ष 2022, 2023 व 2024

2022

- *कुटीर मत्स्यिकी एवं मत्स्यपालन हेतु अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष (International Year of Artisonal Fisheries and Aquaculture) (संयुक्त राष्ट्र संघ)*
- *चीन में 'चीते का वर्ष' (Year of the Tiger)*

2023

- *पौष्टिक अनाजों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष (International Year for Millets)*
- *चीन में 'खरगोश का वर्ष' (Year of the Water Rabbits)*

2024

- *अन्तर्राष्ट्रीय कैमलिड्स वर्ष (International Year of Camelids)*
- *नौसेना नागरिकों का वर्ष (Year Of Naval Civilians) {भारत}*

वर्ष 2023 व 2024 की कुछ चर्चित फिल्में/कार्यक्रम

2018—एवरीवन इज ए हीरो

वर्ष 2024 के ऑस्कर पुरस्कारों के लिए सर्वश्रेष्ठ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म की श्रेणी के पुरस्कार के लिए मलयालम फिल्म '2018—एवरीवन इज ए हीरो' (2018- Everyone is a Hero) भारत की आधिकारिक प्रविष्टि थी. जूड एंथनी जोसेफ द्वारा निर्देशित यह फिल्म केरल में 2018 में आई भीषण बाढ़ पर आधारित है. वर्ष 2024 के 96वें ऑस्कर पुरस्कारों की घोषणा 10 मार्च, 2024 को लॉस एंजेल्स में की गई.

ओपेनहाइमर (Oppenheimer)

वर्ष 2024 में इस फिल्म की विभिन्न फिल्म पुरस्कारों में धूम रही है. क्रिस्टोफर नोलन (Christopher Nolan) द्वारा निर्देशित इस फिल्म को बाफ्टा फिल्म पुरस्कारों के तहत् सर्वाधिक 7 पुरस्कार मिले. ओपेनहाइमर ने 10 मार्च, 2024 को संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में आयोजित 96वें ऑस्कर पुरस्कार समारोह में 7 पुरस्कार जीते, इसे सर्वाधिक 13 नामांकन प्राप्त हुए थे. ऑस्कर पुरस्कारों के 93 वर्षों के इतिहास में सर्वाधिक 14-14 नामांकन तीन फिल्मों—'ऑल एबाउट ईव' (1950), 'टाइटेनिक' (1997) व 'ला ला लैण्ड' (2016) को प्राप्त हुए थे. सर्वाधिक 11-11 ऑस्कर तीन फिल्मों को अब तक प्राप्त हुए हैं. इनमें 'बेन हूर' (1959), 'टाइटेनिक' (1997) व 'द लॉर्ड ऑफ रिंग्स : द रिटर्न ऑफ द किंग' (2003) शामिल हैं.

मंथन

वर्गीज़ कुरियन के दुग्ध सहकारी आंदोलन से प्रेरित निर्देशक श्याम बेनेगल की फिल्म 'मंथन' 18 मई, 2024 को कांस फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित की गई. फिल्म के प्रीमियर में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, दिवंगत अभिनेत्री स्मिता पाटिल के परिवार के सदस्य, फिल्म निर्माता और शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर शामिल हुए.

ऑल वी इमेजिन एज लाइट (All We Imagine as Light)

14–25 मई, 2024 के दौरान फ्रांस के कान में आयोजित प्रतिष्ठित 77वें कान फिल्म महोत्सव के प्रतियोगिता खण्ड के लिए चुनी गई 19 फिल्मों में पायल कपाड़िया द्वारा निर्देशित फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट (All We Imagine as Light) भी शातिल थी. 40 वर्ष से अधिक समय के अंतराल के पश्चात् कोई भारतीय फिल्म कान फिल्म महोत्सव में प्रतिस्पर्द्धा के लिए सम्मिलित की गई.

एआई

कोलिन्स डिक्शनरी ने नवम्बर 2023 में 'एआई' (AI) को वर्ष 2023 के लिए 'वर्ड ऑफ द ईयर' घोषित किया, जो हमारे दैनिक जीवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती प्रमुखता को दर्शाता है.

अर्थ ओवरशूट डे, 2023

वर्ष 2023 में 'अर्थ ओवरशूट डे' 2 अगस्त, 2023 को मनाया गया. अर्थ ओवरशूट डे (EOD—Earth Overshoot Day) से तात्पर्य किसी कैलेण्डर वर्ष में उस तिथि से है, जिस दिन मानव ने उस वर्ष के लिए आवंटित प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर लिया है. वर्ष 2023 के 'अर्थ ओवरशूट डे' को 2 अगस्त, 2023 होने से तात्पर्य यह है कि पूरे कैलेण्डर वर्ष (जनवरी-दिसम्बर) में जितने प्राकृतिक संसाधनों का विदोहन विश्व को करना चाहिए था, वह वर्ष के पहले 8 महीनों (1 जनवरी—2 अगस्त, 2023 तक) में ही किया जा चुका था.

- वर्ष 2022 में अर्थ ओवरशूट डे—28 जुलाई, 2022

अर्थ ऑवर 2024

वर्ष 2024 का अर्थ ऑवर 23 मार्च, 2024 को विश्वभर में मनाया गया. अपने ग्रह पृथ्वी (Earth) की सुरक्षा एवं संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए वर्ल्ड वाइड फण्ड (WWF) फॉर नेचर की पहल पर 'अर्थ ऑवर' (Earth Hour) प्रति वर्ष मार्च के किसी शनिवार, प्रायः अन्तिम शनिवार, को स्थानीय समयानुसार रात्रि 8·30 बजे से 9·30 बजे के दौरान मनाया जाता है. इसके तहत् स्थानीय समयानुसार रात्रि 8·30 बजे से 9·30 बजे तक सभी अनावश्यक बत्तियाँ बन्द रखा जाता है. वर्ल्ड वाइड फण्ड (WWF) फॉर नेचर द्वारा अर्थ ऑवर की शुरुआत सर्वप्रथम 2007 से ऑस्ट्रेलिया में सिडनी में की गई थी. वर्ष 2024 में अर्थ ऑवर का लगातार 18वाँ आयोजन था.

- वर्ष 2023 में अर्थ ऑवर—25 मार्च, 2023

रेमल (Remal)

बंगाल की खाड़ी से उठा गम्भीर चक्रवाती तूफान रेमल पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश के तटीय क्षेत्रों में 26 मई, 2024 को टकराया. इस तूफान ने प. बंगाल के उत्तर व दक्षिण 24 परगना व मेदिनापुर जिलों में भारी नुकसान पहुँचाया. चक्रवात रेमल का नामकरण ओमान द्वारा किया गया था. ●●●

शेष पृष्ठ 119 का

और यदि क्षेत्र में समुद्र तट है, तो समुद्र में कुछ दूरी तक विस्तार शामिल है.

- संप्रभुता की क्षेत्रीय अखंडता कहलाने वाली इस समझ में क्षेत्र के चारों ओर सुरक्षित और संरक्षित सीमाओं का विचार शामिल है. इसमें सतह के नीचे के संसाधन जैसे खनिज भी शामिल होंगे.

संप्रभुता का बहुलवादी दृष्टिकोण

- फ्रांसीसी दार्शनिक मिशेल फौकॉल्ट, जिनकी जून 1984 में मृत्यु हो गई, ने आग्रह किया कि संप्रभु या राजा का सिर काट देना आवश्यक है, क्योंकि उनका मानना था कि सत्ता एक केंद्रीकृत रूप में नहीं, बल्कि कहीं अधिक बिखरे हुए, परिधीय, केशिका और सूक्ष्म रूपों में मौजूद होती है.
- यहाँ संप्रभु शक्ति का विचार है, जो हमारे बाहर नहीं, बल्कि हमारे चारों ओर है, जो हमें आज्ञाकारिता के लिए अनुशासित करती है और यहाँ तक कि हमारे अंदर भी कार्य करती है, क्योंकि यह जीवन की परिस्थितियों को नियंत्रित करती है जिसे 'जैव-राजनीति' कहा जाता है. ऐसे विचारों ने संप्रभुता की अवधारणा को एक अलग तरह का अर्थ दिया है.

क्या संप्रभुता के विचार को नए सिरे से ढालने की आवश्यकता है ?

- हम यह सुझाव देकर निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि संप्रभुता के अधिकांश सिद्धांतों में नरमी के बजाए कठोरता को अपनाया गया है. ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि राज्य की विशेष स्थिति को रेखांकित किया जा सके जोकि मानवीय संघों में सर्वोच्च और सबसे प्रमुख है.
- राज्य अपनी संप्रभुता को साझा करने या उसे एक साथ रखने के लिए अनिच्छुक रहे हैं, क्योंकि ऐसा करने से उनके अधिकार की विशेष स्थिति को कमजोर किया जाता है. यूरोपीय संघ संयुक्त संप्रभुता का एक उदाहरण है.
- लेकिन अशांत, परस्पर संबद्ध और वैश्वीकृत 21वीं सदी की समस्याएं, जैसे—जलवायु परिवर्तन, साइबर अपराध और वित्तीय संकट जो सीमाओं को पार करते हैं, इस अवधारणा को और अधिक नए रूप में ढालने की माँग करती हैं.

●●●

शेष पृष्ठ 129 का

इससे चुनाव परिणामों और उम्मीदवारों की जीत पर कोई फर्क नहीं पड़ता और न ही कोई भी राजनीतिक दल नोटा को गम्भीरता से लेता है. यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट में इस माँग के साथ याचिका दायर की गई है कि यदि नोटा को अन्य चुनाव प्रत्याशियों से अधिक वोट मिल जाते हैं, तो उस स्थिति में उस चुनाव क्षेत्र में पुनः चुनाव कराया जाए और चुनाव में शामिल रहे तमाम प्रत्याशी अयोग्य समझे जाएं. इससे न केवल नए प्रत्याशियों को मौका मिलेगा बल्कि तमाम राजनीतिक दल भी साफ-सुथरी छवि वाले प्रत्याशियों पर ही दाँव लगाने को विवश होंगे.

हालाँकि, राजनीति में नैतिकता स्थापित करने के लिए ही नोटा का प्रावधान किया गया था, लेकिन अधिकांश लोगों का यह मानना गलत भी नहीं है कि मौजूदा व्यवस्था के आधार पर नोटा बटन दबाने से मतदाता का वोट बर्बाद हो जाता है, क्योंकि कानून के मुताबिक नोटा को मिले मत अयोग्य माने जाते हैं और चुनाव में हार-जीत का निर्णय योग्य वोटों के आधार पर ही होता है. उम्मीदवारों की जमानत जब्त करने के लिए भी नोटा वोटों को वैध नहीं माना जाता. नोटा को मिले मतों की वजह से किसी उम्मीदवार की जीत पर कोई असर नहीं पड़ता. नोटा को हालाँकि एक नेताविहीन राजनीतिक आन्दोलन माना जा सकता है, जिसकी राजनीति में स्वच्छता एवं शुचिता बनाने के लिए आज के कटुतापूर्ण एवं घृणित राजनीतिक माहौल में सख्त जरूरत है, लेकिन इसमें कुछ अनिवार्य संशोधनों की भी दरकार है ताकि आम मतदाता का भरोसा चुनावी प्रक्रिया में बढ़ सके. यह समझना होगा कि नोटा वोटर वे मतदाता नहीं हैं, जो कोई-न-कोई बहाना बनाकर मतदान करने से बचते हैं और चुनाव उपरांत दूषित राजनीतिक व्यवस्था को कोसने में ही अपनी ऊर्जा नष्ट करते हैं बल्कि वे ऐसे मतदाता हैं, जो किसी के बहकावे में आकर सिर्फ वोट देने के लिए ही मतदान प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनते बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास रखते हुए लम्बी-लम्बी कतारों में लगकर मतदान करते हैं और अपना स्पष्ट विरोध दर्ज कराते हैं, इसलिए 'नोटा' को वोट बर्बाद करने वाला औजार मानना उचित नहीं. वास्तव में नोटा वर्तमान दूषित राजनीति में बदलाव को गति देने का हथियार है, इसलिए 'नोटा' कानून में संशोधन करते हुए इसे ऐसी धार देने की जरूरत है, जिससे लोकतंत्र में नोटा की सार्थकता और उपयोगिता बढ़े और यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को नए आयाम प्रदान करते हुए 100 प्रतिशत मतदान की दिशा में सार्थक भूमिका निभा सके. ●●●

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक राहुल जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा थॉमसन प्रेस (इंडिया) लि. 18/35 देहली—मथुरा रोड, फरीदाबाद—121 007 (हरियाणा) से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2 से प्रकाशित

पतंजलि®
DANT KANTI
FRESH
Active Gel
नया दन्त कान्ति फ्रेश एक्टिव जेल रखे साँसों को
Full-Full Fresh
Up to
12H
Freshness
FREE 25% EXTRA*
PATANJALI®
DANT KANTI
• Fights with bad breath
• Long lasting germ protection
• Gluten Free
With Mint Crystal
FRESH
Active Gel
TOOTHPASTE
UP to
12h
freshness
कूलिंग मिंट क्रिस्टल्स के साथ
देश के 35 लाख से अधिक स्टोर्स पर दन्त कान्ति उपलब्ध है, उन्हीं स्टोर्स से दन्त कान्ति फ्रेश एक्टिव जेल की डिमाण्ड कीजिए और फुल–फुल फ्रेशनेस का अनुभव कीजिए।
ऑनलाइन खरीदें– www.patanjaliayurved.net या डाउनलोड करें ORDER ME APP
अपने नज़दीकी पतंजलि स्टोर की जानकारी के लिए स्कैन करें।

Posting Date : 5, 6 & 7 Aug., 2024 (Agra-2)
Publishing Date : 5 Aug., 2024 Postal Regd. No. AGRA-047/2024-26
RNI No. 38696/79